2021-22
वार्षिक प्रतिवेदन

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

Established by an Act of Parliament of India, No. 25 of 2000

www.cug.ac.in

2021-22

वार्षिक प्रतिवेदन

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय

CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

Established by an Act of Parliament of India, No. 25 of 2000

www.cug.ac.in

कुलगीत

परम पावन अति मनभावन यह विश्व ज्ञान का पुंज हमारा।
परम पावन अति मनभावन यह विश्व ज्ञान का पुंज ।।

इसी भूमि से राष्ट्रपिता ने विश्व शांति संदेश दिया
शरीरिक, बौद्धिक, नैतिक विकास को शिक्षा का आदर्श किया
सदाचार को नित संकल्पित सत्य-शिक्षा का पुंज हमारा ।
परम पावन अति मनभावन यह विश्व ज्ञान का पुंज हमारा ।।

भूमि लौह पुरुष की जिससे एकीकृत हुआ भारत महान
चिंतन हेमचन्द्र, दयानंद का, लोथल से हुई सभ्यता महान
साबरमती, नर्मदा से सिंचित सामाजिक ज्ञान का कुंज हमारा ।
परम पावन अति मनभावन यह विश्व ज्ञान का पुंज हमारा।।

द्वारिकाधीश पर गर्व करें हम गीता का जिसने ज्ञान दिया
कर्म, भक्ति और ज्ञान ज्योति से मानव का उत्थान किया
उनके दिव्य दर्शन से प्रेरित कर्म ज्ञान का कुंज हमारा ।
परम पावन अति मनभावन यह विश्व ज्ञान का पुंज हमारा ।।

भाषा, शिक्षा, रसायन, प्रबंधन विविध ज्ञान-विज्ञान समागम
नवाचार से विश्वविद्यालय में जहाँ शोधरत हर जनमन
नयी विधा में शोध व शिक्षण, ज्ञान सृजन का कुंज हमारा ।
परम पावन अति मनभावन यह विश्व ज्ञान का पुंज हमारा ।।

परम पावन अति मनभावन यह विश्व ज्ञान का पुंज हमारा।।

-प्रो. रमा शंकर दूबे (कुलपति)

Hon'ble Visitor of the University

Droupadi Murmu

Hon'ble President of India

माननीय कुलाधिपति महोदय जी की कलम से

गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलाधिपति के रूप में, मुझे प्रसन्नता है कि विश्वविद्यालय पूर्ण तत्परता के साथ महामारी की अवधि में ऑनलाइन पद्धति में कार्यशील रहा एवं पूर्व-निर्धारित शैक्षणिक कैलेंडर का पालन करते हुए अपनी सभी शिक्षण एवं परीक्षा गतिविधियों को ऑनलाइन प्रणाली से संचालित किया। मुझे यह जानकर संतोष होता है कि छात्र एवं शिक्षक अब परिसर में पुनः आ गए हैं तथा सक्रियता से ज्ञानान्वेषण में रत हैं। महामारी की अवधि की तथा आपदोत्तर बाधाओं की चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना करते हुए , विश्वविद्यालय ने छात्र संख्या वर्धन, ऑनलाइन, मिश्रित तथा ऑफलाइन मोड में संगोष्ठियों, कार्यशालाओं एवं सम्मेलनों का आयोजन, परीक्षाओं का समय पर संचालन एवं गुणवत्तापरक अनुसंधान सम्पादित करने जैसे विभिन्न कार्यों में उल्लेखनीय प्रगति की है।

विश्वविद्यालय ने गत वर्ष की तुलना में कई नई उपलब्धियाँ अर्जित की हैं। गत वर्ष की तुलना में प्रवेश की संख्या में वृद्धि महत्त्वपूर्ण है, ध्यातव्य है कि विश्वविद्यालय अभी भी एक अस्थायी परिसर से संचालित होता है तथा इसकी विभिन्न ढाँचागत बाध्यताएँ हैं। 18 जून 2022 को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा रखी गई आधारशिला के साथ वडोदरा में निर्माणाधीन विश्वविद्यालय का नवीन स्थायी परिसर, कक्षाओं, प्रयोगशालाओं एवं वैश्विक मानक के अनुकूल सभी आधारभूत सुविधाओं से युक्त होगा जो भारत एवं विश्व के अधिक से अधिक छात्रों हेतु एक आदर्श स्थल होगा। विश्वविद्यालय में भारत के लगभग सभी राज्यों के छात्र, शिक्षक एवं कर्मचारियों का होना यह दर्शाता है कि संस्था का वातावरण वास्तव में विविधता में एकता के प्रतीक का प्रतिनिधित्व करता है।

यह मेरे लिए हर्ष का विषय है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी-2020) के कार्यान्वयन में विश्वविद्यालय अग्रणी रहा है। एनईपी-2020 की अवधारणा के अनुसार एवं शिक्षा के भारतीय दृष्टिकोण के अनुरूप, छात्रों के समग्र विकास के लिए शैक्षणिक वर्ष 2021-22 से, विश्वविद्यालय अपने सभी स्नातक /स्नातकोत्तर छात्रों के लिए 2 क्रेडिट प्रति सेमेस्टर अनिवार्य पाठ्यक्रम प्रस्तुत कर रहा है। इन पाठ्यक्रमों के शिक्षण, जिसमें भारतीय संस्कृति की महिमा, भारतीय ज्ञान प्रणाली, नैतिकता, मानव मूल्य, जीवन कौशल, जैविक जीवन, व्यक्तित्व विकास, सॉफ्ट स्किल, यौगिक अभ्यास आदि सम्मिलित हैं, छात्रों के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करेंगे। विश्वविद्यालय ने 21 बहु-विषयक पाठ्यक्रमोंको प्रस्तुत किया है, जिन्हें पूर्णतः पृथक विषयों के छात्रों द्वारा ऐच्छिक विकल्प के रूप में चयनित किया जा सकता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी-2020) की नीतियों के अनुरूप, विश्वविद्यालय ने अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट की प्रक्रिया भी प्रारम्भ की है तथा स्वयं पोर्टल पर ऑनलाइन शिक्षा को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

गुजराती भाषा एवं संस्कृति को बढ़ावा देने के अपने उद्यम में, विश्वविद्यालय ने गुजराती भाषा में एक प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम प्रस्तुत किया है जो छात्रों, शिक्षकों एवं प्रशासनिक कर्मचारियों में अति लोकप्रिय रहा है। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित एक उपचारात्मक कोचिंग प्रकोष्ठ , छात्रों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए सफलतापूर्वक तैयार करता है। अपने नियोजन प्रकोष्ठ के माध्यम से, विश्वविद्यालय ने अपने कई छात्रों को उद्योगों तथा अन्य क्षेत्रों में उत्तम सेवायोजन प्राप्त करने में सहायता की है।

मुझे विश्वास है कि विश्वविद्यालय नवाचार, उद्यमशीलता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के माध्यम से अपने अकादमिक प्रयासों में उत्कृष्टता जारी रखेगा तथा भविष्य के वर्षों में अधिक लाभप्रद एवं प्रभावशाली उपलब्धियाँ प्रदान करेगा.

मैं विश्वविद्यालय के सभी हितधारकों को अपनी शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

डॉ . हसमुख अढिया
कुलाधिपति

माननीय कुलपति महोदय की कलम से

स्वस्तिप्रजाभ्यः परिपालयन्तां न्यायेन मार्गेण महीं महीशाः।
गोब्राह्मणेभ्यः शुभमस्तु नित्यं लोकाः समस्ताः सुखिनो भवन्तु॥

गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय में कुलपति के रूप में मेरी यात्रा को मैं अपने वरिष्ठों एवं परमपिता परमेश्वर का आशीर्वाद समझता हूँ तथा विगत एक वर्ष में विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में प्राप्त उपलब्धियों एवं प्रगति को उन्हें समर्पित करता हूँ। इस पद पर होना जब भारत आजादी का अमृत महोत्सव जैसे महत्त्वपूर्ण पर्व को मना रहा है ,मेरे लिए एक सौभाग्य की बात है, विशेषकर जब भारत न केवल अपनी पूर्व उपलब्धियों का जश्न मना रहा है, वरन् अपार संभावनाओं का एक नवीन प्रभात भी विश्व के सम्मुख उपस्थित कर रहा है। विभिन्न भारतीय क्षेत्रों के साथ-साथ विशेषतः भारत के युवाओं की संभावनाओं के साथ इस आशाजनक आंदोलन का भाग होना मेरे लिए विशेष रूप से संतुष्टिदायक है। मुझे गर्व है कि विश्वविद्यालय इन राष्ट्रीय प्रयासों का एक अभिन्न अंग है क्योंकि यह भारत के विभिन्न राज्यों से छात्रों को समाहित करता है अतैव संस्था में सम्पूर्ण भारत का एक सूक्ष्म प्रतिनिधित्व है। मैं सदा एक महान व्यक्ति एवं एक कुशल प्रशासक डॉ. हसमुख अढिया जी को अपने माननीय कुलाधिपति के रूप में पाकर सौभाग्य का अनुभव करता हूँ, जिन्होंने मुझे अपने प्रयासों को मूर्त रूप देने के लिए सतत् एवं अथक मार्गदर्शन किया है।

शैक्षणिक वर्ष 2021-22 में , विश्वविद्यालय ने धीरे-धीरे महामारी से पार पाते हुए ऊर्जावान छात्रों के साथ, जो भविष्य के नेता, वैज्ञानिक और सामाजिक कार्यकर्ता हैं तथा बुनियादी मानवीय मूल्यों के माध्यम से वैश्विक समुदाय को प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं , अपनी पूर्ण क्षमता के साथ कार्यारम्भ कर दिया। कक्षाएँ शिक्षण के मिश्रित मोड के साथ प्रारम्भ हुई तथा छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान तथा परस्पर उत्तम संबंध बनाने के अवसर के साथ भौतिक मोड में सीखने के अधिक अवसर प्रदान करते हुए ऑफ़लाइन में स्थानांतरित कर दी गई।

विश्वविद्यालय ने संकाय, छात्रों एवं शिक्षेणत्तर समुदाय के लिए ऑनलाइन, मिश्रित और ऑफलाइन मोड में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया। विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षा मंत्रालय, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय एवं विभिन्न अन्य निकायों के तत्वावधान में कई कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किए गए तथा प्रतिवेदन प्रस्तुत किये गए। इन विविध प्रकृति के कार्यक्रमों में शिक्षा,लैंगिक जागरूकता, योग एवं मानव कल्याण जैसे विभिन्न विषयों पर गहन विमर्श किये गये जो निश्चित ही देश एवं विश्व को एक नवीन दिशा प्रदान करने का माध्यम बनेंगें।

शैक्षणिक वर्ष 2021-22 में राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 को लागू करने में विश्वविद्यालय द्वारा किया गया एक नवोन्मेषित प्रयास भी दृष्टगम्य हुआ। अनिवार्य 2 क्रेडिट समग्र शिक्षा पाठ्यक्रम एवं अनेक बहु-विषयक पाठ्यक्रम प्रारम्भ किए गए। इन पाठ्यक्रमों के माध्यम से शिक्षार्थियों में भारतीय संस्कृति, नैतिकता, मानवीय मूल्यों, पर्यावरण शिक्षा आदि के गौरव को केंद्र बिंदु के रूप में देखते हुए प्रारूपित किया गया।

एनईपी-2020 की परिकल्पनाको पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय ने विभिन्न शैक्षिक कार्यक्रमों का आयोजन किया। विश्वविद्यालय के आईक्यूएसी ने पीएमएमएमएनएमटीटी एवम भारतीय शिक्षण मंडल के सहयोग से 07 जनवरी 2021 को 'नवीन भारत का निर्माण: नई शिक्षा नीति के कार्यान्वियन पर संभावनाएँ एवं परिप्रेक्ष्य' पर एक गोलमेज विमर्श का आयोजन किया। सामाजिक विज्ञान संस्थान द्वारा 'विश्वविद्यालय का विचार और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2022' पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया। मुझे यह जानकर प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 के सन्दर्भ में जागरूकता सृजित करने एवं इसके सफल कार्यान्वियन हेतु ऐसे कई कार्यक्रम आयोजित किए गए।

एक भारत श्रेष्ठ भारत, राष्ट्रीय सेवा योजना, उन्नत भारत अभियान, गाँव एवं विद्यालय अंगीकृत करने का कार्यक्रम एवं स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों का एकमात्र उद्देश्य प्रशासनिक एवं शैक्षिक भारत को ग्रामीण भारत से जोड़ना था। प्रशासन और अकादमिक समुदाय के संयुक्त प्रयासों से विश्वविद्यालय को जो सम्मान प्राप्त हुआ है वह सराहनीय है।

विश्वविद्यालय अपने अकादमिक गौरव और एक बड़े वैश्विक अनुसंधान समुदाय के भीतर प्रसार की प्रथाओं के माध्यम से खुद को बनाए रखता है। मुझे हार्दिक प्रसन्नता है कि विश्वविद्यालय ने अपने प्रकाशनों यथा प्रतिष्ठित प्रकाशकों के साथ पुस्तकों, उच्च प्रभाव कारक पत्रिकाओं में लेखों के अतिरिक्त पत्रिकाओं, पुस्तक अध्यायों आदि में प्रकाशन के माध्यम से सही दिशा में अग्रसर है। विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं छात्रों के प्रकाशनों की संख्या एवं गुणवत्ता में इस हेतु उनके द्वारा कृत प्रयास की छाया प्रतिबिंबित होती है। विश्वविद्यालय द्वारा अनुसंधान के माध्यम से उच्च शैक्षणिक गुणवत्ता की दिशा में उद्यत होना एवं साथ ही इसे समाज कल्याण के साथ अनुकूलतम से संतुलित करने का प्रयास निसंदेह हर्ष एवं गौरव का विषय है।

यह मेरे लिए सुखद समाचार है कि है कि विश्वविद्यालय ने छात्रों हेतु करियर पथ तैयार करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। छात्रों को उनके लिए उपलब्ध विभिन्न वृत्ति विकल्पों को समझने में सहायता के उद्देश्य से समय-समय पर विभिन्न कार्यशालाओं और वार्ताओं का आयोजन किया गया। मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि कई छात्रों को उनके स्वप्नानुरूप नियोजन प्राप्त हुआ जबकि कुछ अन्य ने स्वयं का व्यवसाय स्थापित किया। यह गर्व की बात है कि उल्लेखनीय संख्या में छात्रों को प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों में उच्चतर शिक्षा एवं शोध कार्यक्रमों के लिए नामांकित भी किया गया है।

मैं समस्त विश्वविद्यालय परिवार को उनकी इस उपलब्धियों हेतु बधाई देता हूँ।

प्रो. रमाशंकर दुबे
कुलपति

कुलसचिव महोदय की कलम से

प्रस्तुत वार्षिक प्रतिवेदन गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रशासन, संकायों, कर्मचारियों एवं छात्रों की सामूहिक आकांक्षाओं तथा प्रयासों का प्रतिनिधित्व करती है। सभी हितधारकों का योगदान विश्वविद्यालय के दृष्टिकोण को पूर्णता प्रदान करता है। छात्रों के बहुआयामी विकास और समग्र विकास में योगदान करने के लिए विश्वविद्यालय का एक दूरदर्शी ध्येय है। मुझे विश्वास है कि विश्वविद्यालय के समर्पित शिक्षकों एवं दूरदर्शी शीर्ष प्रशासनिक नेतृत्व के मार्गदर्शन में प्रेरणापद छात्र इस विश्वविद्यालय को देश में उच्च शिक्षा की विद्यत मण्डली में एक प्रतिष्ठित एवं उल्लेखनीय स्थान प्रदान कराने में अमूल्य भूमिका का निर्वहन करेंगे।

विश्वविद्यालय विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों, खेल और सांस्कृतिक कार्यक्रमों तथा पाठ्यचर्या एवम पाठ्येतर गतिविधियों का आयोजन करके विकास के सभी फलकों में उत्कृष्टता स्थापन हेतु प्रतिबद्ध है। विश्वविद्यालय ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक नवीन सूत्रपात किया है तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के कार्यान्वयन में सक्रिय रूप से भाग लिया है।

मैं कामना करता हूँ कि विश्वविद्यालय आने वाले दिनों में सफलता एवं उपलब्धि की नवीन ऊँचाइयों को प्राप्त करने में सक्षम हो।

प्रो. एच.बी. पटेल
कुलसचिव (कार्यवाहक)

विषय सूची

विश्वविद्यालय का कुलगीत	
संदेश	
आदरणीय कुलाधिपति का संदेश	
आदरणीय कुलपति का संदेश	
कुलसचिव का संदेश	
गतिविधियों की सूची	
विश्वविद्यालय का परिचय	1
विश्वविद्यालय प्रदत्त सुविधाएँ	6
केंद्रीय पुस्तकालय	10
विश्वविद्यालय निकाय- कोर्ट	20
कार्यकारी परिषद्	22
अकादमिक परिषद्	24
अधिष्ठाता एवं अध्यक्ष/समन्वयक	28
विश्वविद्यालयी कार्यालयी कार्यकर्ता	29
विश्वविद्यालयी समितियाँ	34
वित्त एवं लेखा	50
प्रमुख झलकियाँ 2021-2022	63
संस्थान एवं केंद्र	87
अनुप्रयुक्त पदार्थ विज्ञान संस्थान	89
रसायन विज्ञान संस्थान	94
शिक्षा संस्थान	102
पर्यावरण एवं सतत विकास संस्थान	110
अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान	121
अंतरराष्ट्रीय राजनीति केंद्र	121
भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान	128
चीनी भाषा एवं संस्कृति केंद्र	128

तुलनात्मक साहित्य एवं अनुवाद अध्ययन केंद्र	131
अंग्रेजी अध्ययन केंद्र	134
जर्मन अध्ययन केंद्र	136
गुजराती भाषा एवं साहित्य केंद्र	137
हिंदी भाषा एवं साहित्य केंद्र	144
सिंधी भाषा एवं साहित्य केंद्र	149
पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान संस्थान	150
जीवन विज्ञान संस्थान	157
नैनो विज्ञान संस्थान	162
राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान	168
सुरक्षा अध्ययन केंद्र	169
सामाजिक विज्ञान संस्थान	178
अर्थशास्त्र एवं योजना अध्ययन केंद्र	178
गांधीवादी विचार एवं शांति अध्ययन केंद्र	184
विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं अभिवन नीति अध्ययन केंद्र	188
सामाजिक प्रबंधन अध्ययन केंद्र	194
समाज एवं विकास अध्ययन केंद्र	198
विशेष केंद्र	
डायस्पोरा अध्ययन केंद्र	201
परिशिष्ट	213
स्मृतियाँ 2021-22	231

गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय

परिचय:

गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना वर्ष 2009 में संसद के अधिनियम द्वारा की गई थी। इस विश्वविद्यालय का अधिकारक्षेत्र संपूर्ण गुजरात में विस्तारित है। विश्वविद्यालय गुजरात और देश के युवाओं की अकादमिक, बौद्धिक और संव्यावसायिक आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ-साथ उच्च शिक्षा के क्षेत्र में मानव सेवाएँ प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त यह विश्वविद्यालय आवश्यक मानव संसाधनों को निर्मित करने एवं इनकी सेवाएँ उपलब्ध कराने में अपनी क्षमता के माध्यम से जरूरी सहयोग देता है जिससे भारत को जीवंत ज्ञान समाज के रूप में निर्मित किया जा सके।

सिद्धांत:

विश्वविद्यालय का मुख्य उद्देश्य छात्रों को समाज और उद्योग अंतरफलक के माध्यम से ज्ञान व रोजगार हेतु एक वैश्विक मंच प्रदान करना है।

लक्ष्य:

विश्वविद्यालय (सीयूजी) का लक्ष्य गुणवत्ता युक्त शिक्षा तक छात्रों को पहुँच प्रदान करना और उभरते हुए नवाचारों और तकनीकी चुनौतियों, अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धाओं और वैचारिक स्तर पर छात्रों को प्रभावी ढंग से संलग्न होने के लिए प्रोत्साहित करना है और छात्रों को इसके लिए अवसर प्रदान करना है। विश्वविद्यालय (सीयूजी) देश के लिए ज्ञान, धन और समृद्धि के निर्माण के साथ-साथ मानव जाति की शांति और समृद्धि के लिए उद्यमशीलता और शैक्षिक क्षमताओं के विकास के महत्त्व को उजागर करने के प्रति भी जागरूक है।

दृष्टिकोण:

विश्वविद्यालय का मुख्य दृष्टिकोण सामाजिक प्रतिबद्धता के साथ एक उत्कृष्ट केंद्र के रूप में आधुनिक, वैज्ञानिक, तकनीकी ज्ञान व कौशल को एक साथ जोड़ते हुए बुनियादी मानव व्यवहार एवं आचार के मूल्यों के मानक के रूप में स्वयं को स्थापित करना है। यह विश्वविद्यालय शिक्षण, अनुसंधान एवं व्यक्तिगत विकास के स्तर पर मानक निर्मित करने की दिशा में सदैव सक्रिय रहता है। मानव संसाधन के विकास हेतु ज़िम्मेदारी की भावना से युक्त समाज, देश व दुनिया के बड़े पैमाने पर मानव संसाधन को निर्मित करने की दिशा में यह विश्वविद्यालय सक्रिय है।

उद्देश्य:

- शिक्षण की विभिन्न शाखाओं में निर्देशक और अनुसंधान सुविधाओं को प्रदान करके ज्ञान का प्रसार एवं विस्तार करना।
- शैक्षणिक कार्यक्रमों में मानविकी, सामाजिक विज्ञान, विज्ञान और प्रौद्योगिकी में एकीकृत पाठ्यक्रमों के लिए विशेष प्रावधान निर्मित करना।
- अध्ययन-अध्यापन विधियों और अंत:विषय प्रशिक्षण एवं अनुसंधान में नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए उचित उपाय करना।
- देश के विकास हेतु मानव संसाधन को शिक्षित करना और जरूरी प्रशिक्षण देना।
- विज्ञान और प्रौद्योगिकी में प्रगति को बढ़ावा देने हेतु अकादमिक उद्योग साझेदारी की स्थापना करना।
- विशेष रूप से बौद्धिक, अकादमिक और सांस्कृतिक विकास से संबंधित भारत के लोगों की सामाजिक और आर्थिक स्थितियों में सुधार हेतु विशेष ध्यान देना।
- बौद्धिक, अकादमिक और सांस्कृतिक विकास के माध्यम से लोगों की सामाजिक, आर्थिक स्थितियों में सुधार सुनिश्चित करना।

अकादमिक संरचना और पाठ्यक्रम पहलू :

गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के अंतर्गत वर्तमान में कुल आठ संस्थान और दो स्वतंत्र केंद्र संचालित हो रहे हैं। इन संस्थानों के अंतर्गत कुल तेरह केंद्र शामिल हैं। ये केंद्र भाषा, मानविकी, सामाजिक विज्ञान और विज्ञान के विषयों से एवं बहुआयामी विषयों से संबंधित हैं। वर्तमान में विश्वविद्यालय में तीन एकीकृत स्नातकोत्तर कार्यक्रम, एम. फिल. पीएच. डी. एकीकृत कार्यक्रम और चौदह स्टैंड अलोन (एकमात्र रूप में संचालित होने वाले) कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। कुछ संस्थानों द्वारा पीएच. डी. में सीधे प्रवेश की भी सुविधा प्रदान की जाती है। यह विश्वविद्यालय शिक्षण, अनुसंधान और व्यापक गतिविधियों में उत्कृष्टता को बढ़ाने हेतु ठोस प्रयास कर रहा है।

अकादमिक कार्यक्रमों की पाठ्यक्रम सामग्री को हितधारकों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए एवं इनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए बहुत विस्तार से निर्मित किया गया है, ताकि इन्हें एक विस्तृत क्षितिज प्रदान किया जा सके। प्रत्येक पाठ्यक्रम की संरचना में आईसीटी युक्त अभिनव अध्ययन और अध्यापन, प्रयोगशाला प्रयोग (जहां आवश्यक हो), प्रस्तुतियां, संगोष्ठी कक्ष, अध्यादेश, स्वाध्याय और शोध प्रबंध लेखन आदि शामिल है। प्रौद्यौगिकी, उद्योग और ज्ञान प्रदान करने व इसे संचालित करने के तरीकों को विकसित करने की दिशा में यह विश्वविद्यालय निरंतर प्रयासरत है।

अध्ययन की बदलती प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए पाठ्यक्रमों को संशोधित किए जाने के प्रयास लगातार किए जाते रहते हैं। पाठ्यक्रम सामग्री को अद्यतन एवं नवीनतम बनाए रखने का कार्य संबंधित केंद्रों और संस्थाओं के अध्ययन मंडलों द्वारा देश भर के प्रमुख शैक्षणिक और वैज्ञानिक संस्थानों के विशिष्ट बाहरी सदस्यों के सुझावों के द्वारा किया जाता रहा है। इस प्रयास का उद्देश्य विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तुत किए गए पाठ्यक्रमों में गुणवत्ता का विस्तार और छात्रों को लाभ प्रदान करना है। इस तरह का पाठ्यक्रम राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के संदर्भ में रोजगार उपलब्ध कराने, सामाजिक और आर्थिक प्रासंगिकता को बढ़ाने एवं स्नातकों को वैश्विक स्तर पर सक्षम बनाने का काम करता है।

विश्वविद्यालय ने अपनी स्थापना के बाद ही विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली योजना की शुरूआत कर दी थी। इसे शुरू करने के बाद संस्थानों और केंद्रों में मूल अनिवार्य, मूल वैकल्पिक और आधारभूत पाठ्यक्रम के रूप में पाठ्यक्रमों में अंतर-अनुशासनात्मक और अन्तःअनुशासनात्मक विषयों के चुनाव के पर्याप्त अवसर प्रदान किए गए हैं। इसके अतिरिक्त पाठ्यक्रमों में वांछित अकादमिक सुनम्यता भी शामिल की गई है।

पाठ्यक्रम संरचना व सामग्री से संबंधित छात्रों की प्रतिक्रियाओं को पूरा करने हेतु विश्वविद्यालय ने एक औपचारिक तंत्र की स्थापना की है। छात्रों से प्राप्त प्रतिक्रिया, विश्लेषण व बाह्य विशेषज्ञों के अवलोकन व सुझाव द्वारा पाठ्यक्रम और अध्यापन प्रक्रिया को परिष्कृत, संशोधित एवं अद्यतन करने हेतु ठोस आधार प्राप्त होता है।

विश्वविद्यालय अपनी स्थापना के दस्तावेजों में उद्धृत उद्देश्यों एवं दायित्वों के अनुरूप पाठ्यक्रमों को संचालित करता है। आंतरिक सुरक्षा, राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक प्रबंधन, नवाचार नीति, सामाजिक इंजीनियरिंग, डायस्पोरा/प्रवासी भारतीय अध्ययन, कैंसर जीव विज्ञान, संगणकीय रसायन शास्त्र, भौतिक विज्ञान, नैनो विज्ञान, औद्योगिक रसायन शास्त्र, जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण संधारणीयता जैसे विषयों पर शोध कार्य विश्वविद्यालय द्वारा कराए जाते हैं। पाठ्यक्रम और शोध कार्य विश्वविद्यालय को अभिनव बढ़त प्रदान करते हैं। नए एवं अल्पविकसित शैक्षणिक क्षेत्रों में काम करते हुए यह विश्वविद्यालय बदलती आवश्यकताओं की कमी को दूर करने और भारतीय समाज की जरूरी प्राथमिकताओं को पूरा करने के दृष्टिकोण को अपनाते हुए पाठ्यक्रमों को नियमित स्तर पर अद्यतन और उन्नत करता रहता है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अनुमोदन के साथ विश्वविद्यालय ने प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान और दूरस्थ संवेदन, प्रबंधन, शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कृति और व्यक्तित्व विकास जैसे संस्थानों के तहत कई संव्यावसायिक और अनुप्रयुक्त पाठ्यक्रमों को शुरू करने का प्रस्ताव पारित किया है।

अध्यापन- अध्ययन और मूल्यांकन:

विश्वविद्यालय अकादमिक और मूल्यांकन प्रक्रिया में पारदर्शिता का पालन करता है। यहां पढ़ाए जाने वाले सभी शैक्षणिक कार्यक्रमों का व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जाता है। विश्वविद्यालय में पढ़ाए जाने वाले सभी कार्यक्रमों के लिए अखिल भारतीय स्तर पर ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाती है। गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय सभी नव स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालयों में से पहला

विश्वविद्यालय है जो ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया आयोजित करवाता है। इस पूरी प्रक्रिया की निगरानी केंद्रीय प्रवेश समिति द्वारा की जाती है। इस समिति में परीक्षा नियंत्रक, संस्थानों के अधिष्ठाता, विभिन्न संस्थानों के संकाय सदस्य और एससी, एसटी, ओबीसी, महिला एवं अल्पसंख्यक श्रेणियों का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रत्येक वर्ग से एक सदस्य शामिल रहते हैं। आकदमिक छमाही के प्रारंभ में विश्वविद्यालय द्वारा अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं जिनमें नए छात्रों को विश्वविद्यालय के बारे में बताने, उनके द्वारा चयन किए जाने वाले पाठ्यक्रम की विशेषताओं और इसकी अवधि पूर्ण होने के पश्चात् छात्रों को प्राप्त होने वाले अवसर की जानकारी दी जाती है।

अकादमिक कैलेंडर का पालन सभी संस्थानों द्वारा किया जाता है। अध्यापन की प्रक्रिया को छात्र केंद्रित बनाने हेतु सभी तरह के संभव उपाय सुनिश्चित किए जाते हैं। अधिकांश अध्ययन-अध्यापन पद्धतियां आईसीटी (ICT) आधारित हैं। निर्बाध अध्ययन हेतु लैन (LAN) कनेक्टिविटी, ई लर्निंग के माध्यम से सभी सुविधाएं छात्रों को आसान रूप में उपलब्ध होती हैं। संकाय सदस्य शिक्षार्थियों के बीच रचनात्मकता को भी बढ़ावा देते हैं।

शिक्षकों को प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय शैक्षणिक कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है ताकि वे प्रतिष्ठित शिक्षाविदों के साथ बातचीत करने में सक्षम बन सकें।

विश्वविद्यालय केंद्र/संस्थान स्तर पर छमाही के अंत में बाह्य मूल्यांकन पद्धति से छात्रों की प्रगति का मूल्यांकन पारदर्शी और मानक परीक्षा प्रणाली द्वारा किया जाता है। छात्रों के मूल्यांकन हेतु यूजीसी के दिशानिर्देशों का पालन किया जाता है।

अनुसंधान और विस्तार:

अनुसंधान विश्वविद्यालय का मुख्य विषय है। कई संस्थान और केंद्र अंतःअनुशासनिक शोध कार्यक्रम संचालित करते हैं। विश्वविद्यालय में उपलब्ध अनुसंधान आधारभूत संरचना पश्चिमी भारत के बाकी विश्वविद्यालयों की तुलना में बेहतर व श्रेष्ठ है। इसे सेंट्रल इंस्ट्रुमेंटेशन के रूप में जाना जाता है। इसे आधुनिक सुविधाओं से युक्त बनाया गया है। यह विश्वविद्यालय विज्ञान विषय के सीमावर्ती क्षेत्रों में अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए अत्यधिक सक्रिय है। यह एक्सआरडी (XRD), एनएमआर (NMR) और एमएलडीआई, टीओएफ़ (MALDI - TOF) जैसे क्रोमेटोग्राफी, स्पेक्टरोस्कोपी और माइक्रोस्कोपी युक्त उपकरणों की विस्तृत श्रृंखला की सुविधा छात्रों को प्रदान की गई है। उपकरणों की उपलब्धता न केवल विश्वविद्यालय की छवि को सकारात्मक बनाती है बल्कि शोधकर्ताओं को चुनौतीपूर्ण शोध उद्देश्यों का पता लगाने की दिशा में भी प्रोत्साहित करती है। सी आई एफ (CIF) जीवन विज्ञान, रसायन विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान और नैनो विज्ञान में शोध को सुविधाजनक बनाने में सहायता प्रदान करता है। इसमें अनुप्रयुक्त पदार्थ विज्ञान, पृथ्वी विज्ञान और सुदूर संवेदन तकनीकी जैसे विज्ञान की कई अन्य शाखाओं को सुविधाजनक बनाने की क्षमता है जिन्हें निकट भविष्य में प्रस्तावित किया जा सकता है। रसायन विज्ञान संस्थान, जीवन विज्ञान संस्थान, पर्यावरण विज्ञान, सतत विकास संस्थान, नैनो विज्ञान संस्थान आदि के द्वारा उच्च स्तरीय प्रयोगशालाओं में उन्नत स्तर के वैज्ञानिक अनुसंधान निष्पादित किए गए हैं। साथ ही, इन संस्थानों ने परिष्कृत एवं उन्नत उपकरणयुक्त राष्ट्रीय प्रतिष्ठित केंद्र के रूप में ख्याति प्राप्त की है।

इसके अतिरिक्त, संस्थानों और विशेष केंद्रों में उन्नत अध्ययन और अनुसंधान समिति (CASR) की स्थापना की गई है। इस समिति में सभी संस्थानों के अधिष्ठाता या केंद्र के अध्यक्ष सहित योग्य पर्यवेक्षक शामिल होते हैं। यह विश्वविद्यालय में प्रस्तुत एम. फिल. और पीएच. डी. शोध की योजना, निरीक्षण और मूल्यांकन आदि का कार्य करती है। CASR एम. फिल. और पीएच. डी. संबंधी मामलों, जैसे कि पीएच. डी. के शोध प्रस्तावों की स्वीकृति, शोध निर्देशक की मंजूरी और शोध प्रबंध या शोध ग्रंथ के शीर्षक की पुष्टि आदि कार्यों के लिए उत्तरदायी है।

विश्वविद्यालय ने अनुसंधान योजनाओं के सुचारू रूप से कार्यान्वयन हेतु सभी तरह की परियोजना से संबंधित गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए एक स्वतंत्र परियोजना प्रकोष्ठ गठित किया है। इस प्रकोष्ठ के उद्देश्य निम्नलिखित हैं:

- विभिन्न विषयों में शोध प्रस्ताव को प्रस्तुत करने हेतु प्रोत्साहित करना एवं उचित सहयोग करना।
- जांचकर्ताओं द्वारा किए गए निर्गमन/ खरीद संबंधी प्रक्रियाओं को आसान बनाना

- शोधकर्ताओं द्वारा अनुसंधान पहल को आगे बढ़ाने के लिए विश्वविद्यालय के संस्थानों एवं केंद्रों के बीच बाह्य खर्च//उपरिव्यय की साझेदारी को सही रूप से क्रियान्वित करना।
- अनुदान का समयानुसार वितरण सुनिश्चित करना।
- वित्त पोषण प्राधिकरणों को समयानुसार लेखा परीक्षा और उपयोगी प्रमाण पत्रों के जमा होने का कार्य देखना।

ज्ञान और विस्तार को साझा करने के संदर्भ में सहायक आचार्यों को विश्वविद्यालय संपत्ति का महत्त्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है। इसलिए विश्वविद्यालय राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के विभिन्न संस्थानों और विश्वविद्यालयों के सहायक संकाय सदस्यों को आमंत्रित करता है। ये संकाय सदस्य विश्वविद्यालय में संचालित एम फिल एवं पीएच डी शोध कार्यों के लिए संयुक्त शोध पर्यवेक्षक के रूप में सहयोग करते हैं। साथ ही विश्वविद्यालय को मजबूत आधार प्रदान करते हैं। विश्वविद्यालय में सहायक आचार्यों की भागीदारी अंतःविषय अनुसंधान की संस्कृति को बढ़ावा देती है। छात्रों के शोध कार्यों के माध्यम से कई संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों को भी सुविधा प्राप्त होती है।

प्रसारी गतिविधियाँ:

विश्वविद्यालय जन समुदाय तक अपने परिसर की पहुँच सुनिश्चित करने, छात्रवृत्ति सृजन एवं प्रौद्योगिकी उन्नयन हेतु प्रतिबद्ध है। यह विश्वविद्यालय समाज की कुछ विशेष समस्याओं के समाधान का भी प्रयास करता है। हम सभी जानते हैं कि विश्वविद्यालयों को सकारात्मक सामाजिक बदलाव के एक सूचक के रूप में देखा जाता है। उदाहरण के लिए उचित दवाइयों को तैयार करना, जलवायु परिवर्तन और सतत विकास आदि जैसे पाठ्यक्रमों को जहां एक तरफ लोगों के सामाजिक जीवन और भौतिक गुणों को बेहतर बनाने के संभावित कारक के रूप में देखा जाता है। वहीं दूसरी ओर ये पाठ्यक्रम मानव संसाधन निर्मित करते हैं। इनका उपयोग सामाजिक अभियांत्रिकी को विकसित करने के माध्यम के रूप में देखा जा सकता है। विभिन्न समझौता ज्ञापनों पर विश्वविद्यालय के संगणकीय रसायन समूह एवं अनेक विश्वविद्यालयों की अग्रणी वैज्ञानिक/अनुसंधान प्रयोगशालाओं द्वारा हस्ताक्षर किए गए हैं। इन विश्वविद्यालयों में स्वीडन के के.टी.एच., स्टॉकहोम और उप्सला विश्वविद्यालय, कोलोराडो विश्वविद्यालय शामिल हैं। साथ ही भारत ग्रामीण जीवन शैली फाउंडेशन, उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत गांव अंगीकरण कार्यक्रम, विद्यालय अंगीकरण कार्यक्रम, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और बी. वॉक. कार्यक्रम आदि के साथ भी समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इन पहलों को विश्वविद्यालय की प्रसारी छवि को सुदृढ़ करने के लिए उठाए गए कुछ महत्त्वपूर्ण पहलुओं में से एक के रूप में उद्धृत किया जा सकता है। विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय पाठ्यक्रम विकास परिषद् के साथ व्यावसायिक पाठ्यक्रमों और मौजूदा पाठ्यक्रमों के व्यावसायिकीकरण के संभावित मार्गों के बारे में जानकारी एकत्रित करने हेतु एक चर्चा की शुरुआत की है। विश्वविद्यालय ने गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के साथ गुजरात में व्यापार, वाणिज्य और व्यापार समुदायों को इंटरफेस और ब्लॉक प्लेसमेंट के अवसरों के रूप में हितधारकों शामिल करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है। बी वॉक विश्वविद्यालय द्वारा एवं विश्वविद्यालय इंडस्ट्री इंटरफेस प्रकोष्ठ द्वारा शुरू किया गया नया अनुशासन है। दवा निर्माण के उचित दृष्टिकोण आदि कार्यक्रम विशेष रूप से गुजरात क्षेत्र में स्थित औद्योगिक इकाइयों और कई दवा उद्योगों के बीच पहल करने के अवसर छात्रों को प्रदान करते हैं।

विश्वविद्यालय शासन

Honourable President of India (Visitor)

Chancellor

Vice Chancellor

Registrar	Deans
Finance Officer	Centre Chairpersons/Co-ordinators
Controller of Examinations	Faculty

University Authorities and Bodies

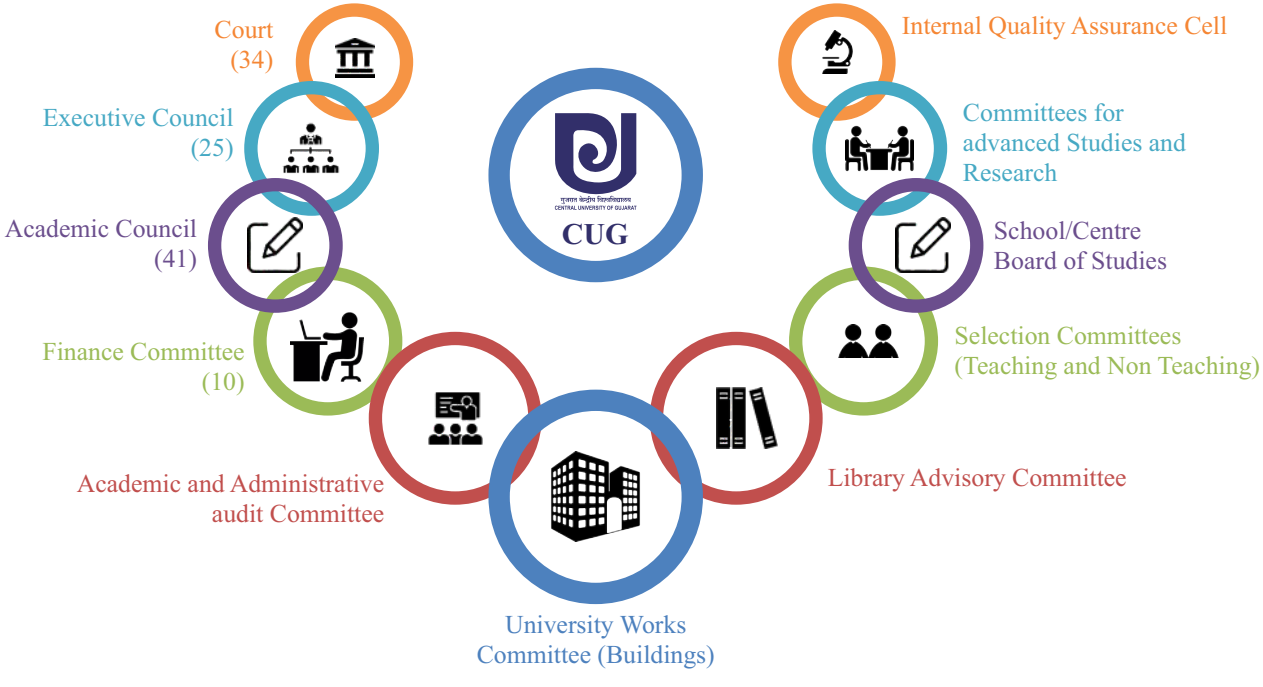

विश्वविद्यालय की सुविधाएँ

मूलभूत सुविधाएँ एवं अध्ययन के संसाधन:

विश्वविद्यालय एक ट्रांसिट परिसर के रूप में दो विभिन्न क्षेत्रों में स्थित है। विश्वविद्यालय छात्रों व संकाय सदस्यों को अध्ययन, अनुसंधान और अवसंरचना के स्तर पर प्रदान की जाने वाली सुविधाओं में किसी भी तरह की कमी नहीं करता। स्थान की कमी को देखा जाए तो विश्वविद्यालय मात्रा के स्थान पर गुणवत्ता एवं प्रसार के स्थान पर गहनता /उत्कटता पर ध्यान केंद्रित करने पर बल देता है। सुसज्जित और पूर्णतः तैयार कक्षाएं, अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं, समृद्ध पुस्तकालय, आदि विश्वविद्यालय के उद्देश्यों की पूर्ति में योगदान करते हैं और साथ ही अकादमिक एवं वैज्ञानिक उद्यम की भावना विकसित करते हैं।

सक्रिय और केन्द्रित चर्चाओं के लिए विस्तीर्ण कक्षाएं अनुकूल वातावरण प्रदान करती हैं। इन कक्षाओं को व्याख्यानों और प्रस्तुतियों की दृष्टि से तैयार किया गया है। कक्षाएँ एलसीडी प्रोजेक्टर और ऑडियो-विज़ुअल शिक्षण उपयोगी उपकरणों से युक्त हैं। अंग्रेजी में बोलना सिखाने के लिए विशेष सत्रों का आयोजन, नेट-सेट की परीक्षाओं के लिए विशेष कोचिंग कक्षाओं का संचालन, आदि किया जाता है। ये सभी सुविधाएँ छात्रों में नेतृत्व भावना, सामूहिकता की भावना और विश्लेषणात्मक कौशल के विकास को बढ़ावा देती हैं।

विश्वविद्यालय परिसर में में 50 से 250 सीटों वाले चार सम्मेलन कक्ष हैं। ये कक्ष सम्मेलनों और अन्य कार्यक्रमों के उपयोग हेतु उपलब्ध कराए जाते हैं। इनके अतिरिक्त दो छोटे संगोष्ठी कक्ष भी हैं जिनका उपयोग छोटे स्तर के अकादमिक कार्यक्रमों हेतु किया जाता है। इन कक्षों में प्रस्तुति के उन्नत उपकरण लगाए गए हैं।

विश्वविद्यालय में 10 से अधिक अत्याधुनिक विज्ञान प्रयोगशालाएं हैं। छात्र सैद्धान्तिक विषयों के माध्यम से जो कुछ सीखते हैं, उनका प्रयोग व्यावहारिक स्तर पर इन प्रयोगशालाओं में करते हैं।

विश्वविद्यालय के सभी संस्थान व केंद्र बेहद सुरक्षित वर्चुअल निजी नेटवर्क के माध्यम से जुड़े हुए हैं। यहाँ लगे उपकरण 1 जीबीपीएस ब्रॉडबैंड कनेक्शन के माध्यम से जुड़े हैं। विश्वविद्यालय के दोनों ही परिसरों में वाई फाई युक्त अत्याधुनिक कंप्यूटर नेटवर्क सुविधा उपलब्ध है जो पर्याप्त कंप्यूटिंग सुविधाएँ प्रदान करती है। ये नवीनतम कंप्यूटर व्यापक सॉफ्टवेयर, संचार और प्रिंट सेवाओं से युक्त हैं। सीयूजी पूरी तरह से वायरलेस कैंपस है और यहां पर पढ़ाए जाने वाले कई कार्यक्रमों में छात्रों को लैपटॉप की सुविधा भी प्रदान जाती है ताकि वे आवश्यकतानुसार इंटरनेट का उपयोग कर सकें। ये कम्प्यूटर नवीनतम सॉफ्टवेयर से युक्त हैं जिनसे डेटा विश्लेषण, सीएडी, सीएएम, प्रयोगशालाओं और पुस्तकालयों आदि से जुड़े कार्यों को आसानी से किया जा सकता है। इंट्रानेट सुविधा द्वारा कैंपस में संकाय और छात्रों के बीच ऑन-लाइन बातचीत आसान हो गई है और यह व्यवस्था छात्र-अध्यापक सम्बन्धों को सुदृढ़ करने में सहायक है।

विश्वविद्यालय में अतिथि संकाय सदस्य व अन्य अधिकारियों हेतु अतिथि गृह की सुविधा उपलब्ध है। इस उद्देश्य से विश्वविद्यालय ने तीन बड़े सुसज्जित अपार्टमेंट्स को किराये पर लिया है।

विश्वविद्यालय परिसर की सामान्य आधारभूत संरचनाएँ एवं सुविधाएँ:

विश्वविद्यालय के दो परिसर हैं: सेक्टर 29 परिसर एवं सेक्टर 30 परिसर।

विश्वविद्यालय परिसर सेक्टर 29

इस में विविध प्रकार के कार्यालय और संस्थान स्थित हैं। ये निम्नलिखित हैं:

- प्रशासनिक और वित्त विभाग
- परीक्षा नियंत्रक कार्यालय
- भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान
- सामाजिक विज्ञान संस्थान
- अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान

- पुस्तकालय और सूचना विज्ञान संस्थान
- शिक्षा संस्थान
- अध्ययन कक्ष और महिला कक्ष
- संकाय खंड
- अकादमिक व प्रशासनिक खंड
- संगोष्ठी कक्ष
- वर्चुअल अध्ययन संसाधन केंद्र
- भाषा प्रयोगशाला
- जलपानगृह
- व्यायामशाला
- केनरा बैंक शाखा और एटीएम

विश्वविद्यालय परिसर सेक्टर 30 कैंपस

सेक्टर 30 के परिसर में स्थित विश्वविद्यालयी अकादमिक संस्थान निम्नलिखित हैं:

- जीवन विज्ञान संस्थान
- रसायन विज्ञान संस्थान
- नैनो विज्ञान संस्थान
- पर्यावरण और सतत् विकास संस्थान
- केंद्रीय पुस्तकालय
- योग क्लब
- केंद्रीय उपकरण सुविधा (सीआईएफ़)
- अध्ययन कक्ष और महिला कक्ष
- अकादमिक खंड
- प्रयोगशालाएं
- संकाय खंड
- हरित गृह
- सम्मेलन और बहुद्देशीय कक्ष
- जलपानगृह
- खेल-कूद कक्ष
- स्वास्थ्य और परामर्श सुविधा
- ओपन एयर वाई-फाई स्थल

केंद्रीय उपकरणीकरण सुविधा (सीआईएफ़)

विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है। यहां विज्ञान, मानविकी और सामाजिक विज्ञान में उच्च शिक्षा प्रदान की जा रही है एवं इन क्षेत्रों में शोध कार्य हो रहे हैं। उपकरणों की आवश्यकता विविध प्रकार के विषयों में पड़ती है। इन बहु-विषयों के अंतर्गत रसायन विज्ञान, जीवन विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान, और नैनो विज्ञान आदि के अनुसंधान क्षेत्र आते हैं। इन उपकरणों को केंद्रीय उपकरण सुविधा (सीआईएफ़) के अंतर्गत स्थापित किया गया है।

सीआईएफ़ में उपलब्ध उपकरण:

क्र. सं.	उपकरण	अनुप्रयोग
1.	पाउडर एंड सिंगल क्रिस्टल एक्सआरडी	**क्रिस्टल संरचना विश्लेषण, इकाई कोशिका आयामों का निर्धारण, नमूना शुद्धता का मापन, औसत अनाज आकार निर्धारण, क्रिस्टल दोष आदि का निर्धारन करना।**
2.	एटोमिक एप्जोरप्सन स्पेक्ट्रोफोटोमीटर (ए ए ए स)	**रासायनिक तत्वों का मात्रात्मक निर्धारण आदि।**
3.	एलीमेंटल एनालाइजर (सी एच एन ए स/ओ)	**किसी दिए गए नमूने का कार्बन, हाइड्रोजन और नाइट्रोजन, ऑक्सीजन, सल्फर तत्व सांद्रता आदि का निर्धारण करना।**
4.	हाई परफ़ोर्मेंस लिक्विड क्रोमैटोग्राफी (एच पी एल सी)	**मिश्रण के व्यक्तिगत घटकों को पहचानने, परिमाणित करने या शुद्ध करने के लिए उपयोग किया जाता है, आदि।**
5.	गैस क्रोमैटोग्राफी (जी सी)	**कार्बनिक यौगिकों, दवा विश्लेषण, विष विज्ञान आदि का विश्लेषण।**
6.	लिक्विड क्रोमैटोग्राफी/मास स्पेक्ट्रोमेट्री (एल सी/एम सी-क्यू टी ओ एफ़)	**जटिल मिश्रण में यौगिकों की पहचान, प्रोटिओमिक विश्लेषण, विशिष्ट पदार्थों की द्रव्यमान-निर्देशित शुद्धि, आदि।**
7.	फ्यूरियर ट्रांसफॉर्म इंफ्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी (एफ़ टी आई आर)	**कार्यात्मक समूहों का निर्धारण, आणविक संरचना, रासायनिक संबंध, आदि।**
8.	ब्रूनौएर एम्मेत्त टेल्लर (बीईटी) सरफेस एरिया एनालायजर	**एक सामग्री के विशिष्ट सतह क्षेत्र की माप के लिए, आदि।**
9.	इंडक्टिवली कपल्ड प्लाजमा ऑप्टिकल एमिसन स्पेक्ट्रोमीटर (आईसीपी ओईएस)	**ट्रेस धातुओं का पता लगाना, आदि।**
10.	इस्पेक्ट्रोस्कोपी एल्लिप्सोमीटर	**पतली फिल्मों के ढंके हुए गुणों का निर्धारण तथा उसकी रचना को चिह्नित करना, खुरदरापन, मोटाई, क्रिस्टलीय प्रकृति, डोपिंग एकाग्रता, विद्युत चालकता, आदि ।**
11.	रेफ्राक्टोमीटर इंडेक्स (आरआई)	**अपवर्तन के सूचकांक की माप के लिए, आदि।**
12.	५०० एमएचज फ्यूरियर ट्रान्स्फ़ोर्म न्यूक्लियर मैगनेटिक रेजोनेन्स (एफ़टी एनएमआर)	**संरचना का निर्धारण, गतिशीलता, प्रतिक्रिया अवस्था, अणुओं का रासायनिक वातावरण, आदि।**
13.	डायनामिक लाइट स्कैटरिंग (डीएलएस)	**प्रोटीन सहित विभिन्न कणों के आकार और जेटा क्षमता का निर्धारण, पॉलिमर, मिसेल्स, कार्बोहाइड्रेट, नैनोकणों, पायस या अणु, आदि का निर्धारण।**
14.	स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी (एसईएम)	**सतह आकृति विज्ञान, धातुओं और सामग्रियों की पहचान, पाउडर आकारिकी, कण आकार, और विश्लेषण, आदि की परीक्षा।**

क्र. सं.	उपकरण	अनुप्रयोग
15.	स्कैनिंग इलेक्ट्रोकेमिकल माइक्रोस्कोपी (एसईसीएम)	तरल / ठोस, तरल / गैस और तरल / तरल इंटरफेस आदि के विद्युत रासायनिक व्यवहार को निर्धारित करने के लिए।
16.	एटोमिक फोर्स माइक्रोस्कोपी (एएफ़एम)	सतहों का स्थलाकृतिक लक्षण वर्णन, प्रोटीन-न्यूक्लिक एसिड परिसरों, गुणसूत्रों, सेलुलर झिल्ली, प्रोटीन और पेप्टाइड्स, आदि का अध्ययन करना।
17.	इलेक्ट्रॉन स्पेक्ट्रोस्कोपी फॉर केमिकल अनालिसिस (ईएससीए)	ऑक्सीकरण की स्थिति का निर्धारण, पॉलिमरिक कोटिंग्स की पहचान, सतह के यौगिक की पहचान, कार्बनिक संदूषण की पहचान, तत्त्वों आदि का पता लगाना।
18.	ओजोनोलिसिस	दवा के संश्लेषण में उपयोग किया जाता है, कार्बनिक यौगिकों के निर्माण के लिए ओजोन के साथ एक अल्केन या अल्केनी की दरार आदि के काम आता है।
19.	हाई रिजोल्यूशन ट्रांसमिशन इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी (एचआर टीईएम)	कणों का आकार और आकारिकी, जाली पैरामीटर, क्रिस्टल समरूपता और अभिविन्यास, आदि।
20.	थर्मो ग्रैविमेट्रिक / डिफ्रेंसियल थर्मल एनालिसिस (टीजी/डीटीए)	थर्मल स्थिरता का निर्धारण, अपघटन के कारण बड़े पैमाने पर नुकसान, ऑक्सीकरण या अस्थिरता का नुकसान, आदि।
21.	जेल परमिसन क्रोमैटोग्राफी (जीपीसी)	बहुपद सूचकांक, आणविक भार आदि का निर्धारण करने के लिए।
22.	पोटैनटियोस्टैट	रिडॉक्स रसायन और अन्य रासायनिक घटनाओं से संबंधित प्रतिक्रिया तंत्र का विश्लेषण आदि के लिए।
23.	यूवी-विजिबल स्पैक्ट्रोमीटर	विभिन्न धातुओं जैसे संक्रमण धातु आयनों, अत्यधिक संयुग्मित कार्बनिक यौगिकों, जैविक मैक्रोमोलेक्यूल्स आदि का निर्धारण करने के लिए।
24.	पोरोजीमीटर	ताकना व्यास, कुल ताकना मात्रा, सतह क्षेत्र, निरपेक्ष घनत्व, आदि का निर्धारण।
25.	पोलोरीमीटर	ऑप्टिकल गतिविधि, अकार्बनिक और कार्बनिक यौगिकों आदि का मापन।
26.	टोटल आर्गेनिक कार्बन (टीओसी)	एक कार्बनिक यौगिक में पाए जाने वाले कार्बन की मात्रा निर्धारित करने और पानी की गुणवत्ता के गैर-विशिष्ट संकेतक के रूप में उपयोग आदि करने के लिए।
27.	*फ्लुरोसेंस एक्टिवेटेड सेल सॉर्टिंग (एफ़एसीएस)*	सेल आकार, साइटोप्लाज्मिक जटिलता, डीएनए या आरएनए सामग्री, झिल्ली-बाध्य और इंट्रासेल्युलर प्रोटीन आदि सहित एकल कोशिकाओं की कई विशेषताओं का तेजी से विश्लेषण करने के लिए।
28.	अल्ट्रा सेंट्रीफ्यूग	डीएनए, आरएनए और लिपोप्रोटीन, आदि जैसे वायरस, ऑर्गेनेल, झिल्ली और बायोमॉलिक्युलस को अलग करने के लिए अवसादन वेग, आकार और द्रव्यमान को निर्धारित करने के लिए।

क्र. सं.	उपकरण	अनुप्रयोग
29.	रियल टाइम पीसीआर (आरटी पीसीआर)	**एक लक्षित डीएनए अणु, मात्रात्मक और अर्ध-मात्रात्मक रूप से अर्थात् डीएनए अणुओं की एक निश्चित मात्रा से ऊपर / नीचे आदि के प्रवर्धन के लिए।**
30.	हाई स्पीड सेंट्रीफ्यूग	**अधिक / छोटे घनत्व के अलग पदार्थ आदि के लिए**
31.	मैट्रिक्स एस्सिस्टेड लेजर डीजोर्प्सन/ आयोनाइजेशन (एमएएलडीआई टीओएफ़)	**प्रोटीन की तीव्र पहचान, पेप्टाइड मास फिंगरप्रिंटिंग, मोलर द्रव्यमान, वितरण, सूक्ष्म जीवों की पहचान आदि के लिए।**
32.	कोंफोकल लेजर स्कैनिंग माइक्रोस्कोपी (सीएलएसएम)	**जीवित कोशिकाओं और ऊतकों आदि की एक विस्तृत स्पेक्ट्रम के रूपात्मक अध्ययन के लिए।**
33.	फ्लुरोंसेंस माइक्रोस्कोपी	**उन नमूनों की कल्पना करने के लिए जो एक अलग रंग के प्रकाश का उत्सर्जन करते हैं और बैक्टीरिया आदि में इंट्रासेल्युलर संकेत का अध्ययन करने के लिए।**
34.	डीएनए सीक्वेंसर	**डीएनए इत्यादि के भीतर न्यूक्लियोटाइड्स का सटीक क्रम निर्धारित करने के लिए।**
35.	फास्ट प्रोटीन लिक्विड क्रोमैटोग्राफी (एफ़पीएलसी)	**विभिन्न प्रोटीनों का पृथक्करण, प्लास्मिड डीएनए और आरएनए की शुद्धि आदि के लिए।**

आभासी शिक्षण संसाधन केंद्र (वीएलआरसी):

आभासी शिक्षण संसाधन केंद्र (वर्चुअल लर्निंग रिसोर्स सेंटर) एक वेब आधारित सूचना प्राप्ति सेवा है। यह विद्युतीय सूचनाओं को उपलब्ध कराने हेतु गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय पुस्तकालय वेबसाइट से संचालित होता है। यह सभी प्रकार के विद्युतीय सूचनाओं और ई डाटाबेसेस का केंद्र है। इस इंटरफेस के माध्यम से पुस्तकालय ओपीएसी और संदर्भ सामग्री का भी उपयोग किया जाता है। वीएलआरसी छात्रों को इन्टरनेट का उपयोग करने की सुविधा प्रदान करता है। इस सुविधा से छात्र विद्युतीय संसाधनों, ई डाटाबेसेस, शैक्षणिक वीडियो सेवाओं आदि को उपयोग में ला सकते हैं। इसमें जर्मन और चीनी भाषा के अध्ययन हेतु भाषा लैब भी है।

यह पुस्तकालय, पुस्तकालय संचालन और सेवाओं के लिए कोहा सॉफ्टवेयर का उपयोग करता है। परिसंचरण, अधिग्रहण, पत्रिका सदस्यता, कैटलॉगिंग, ऑनलाइन पुस्तक सूची इत्यादि जैसे सभी तरह के पुस्तकालय संचालन संबंधी कार्य इस सॉफ्टवेयर द्वारा प्रबंधित किए जा रहे हैं।

केंद्रीय पुस्तकालय में किताबों की सुरक्षा के लिए आरएफ़आईडी तकनीक के साथ-साथ सेल्फ-चेक-इन और सर्कुलेशन सेक्शन के लिए सेल्फ-चेक-आउट सुविधाएं हैं।

केंद्रीय पुस्तकालय ई-पत्रिकाओं और डाटाबेस के रिमोट एक्सेस सॉफ्टवेर के माध्यम से परिसर के बाहर (ऑफ-कैम्पस) पहुँच भी प्रदान करता है।

केंद्रीय पुस्तकालय

केंद्रीय पुस्तकालय का परिचय

सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी में तीव्र विकास से पुस्तकालय और सूचना सेवाओं में अत्यधिक परिवर्तन आया है। साथ ही, उपयोगकर्ताओं की अपेक्षाओं में भी कई गुना वृद्धि हुई है। पुस्तकालय केवल स्थान मात्र नहीं, बल्कि इससे कहीं अधिक हैं। बदलते

सूचना पैकेजिंग और एक ओर वितरण की विधि तथा दूसरी ओर उपयोगकर्ताओं की अपेक्षाओं में तारतम्य बनाना पुस्तकालय प्रबंधन के लिए एक चुनौती बन गई है। गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय का केंद्रीय पुस्तकालय वर्षों से तारतम्यता बनाने की कोशिश कर रहा है और इसके संरक्षकों//सहायकों की प्रतिक्रिया के अनुसार इस उद्यम में काफी सफल भी रहा है। पिछले वर्षों की तरह, इस वर्ष भी अपनी सेवाओं में नवीनतम सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों के संग्रह और कार्यान्वयन को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

विश्वविद्यालय परिसर में व्यापक ईथरनेट नेटवर्क के माध्यम से पुस्तकों, ई-बुक्स, पत्रिकाओं, ऑनलाइन डाटाबेस के ग्रंथपरक विवरणों तक पहुँच उपलब्ध है। सीयूजी सेक्टर 29 और सेक्टर 30 परिसर तथा संस्थान/केंद्र एवं कार्यालय इंट्रानेट/इंटरनेट के माध्यम से पुस्तकालय से जुड़े हुए हैं। केंद्रीय पुस्तकालय में विशेष रूप से दृष्टिबाधित छात्रों के लिए ब्रेल सॉफ्टवेयर, कुर्ज़वेल, सारा सीई, जिफी स्कैनर आदि की सुविधा प्रदान की गई है। इस प्रकार, केंद्रीय पुस्तकालय ने विशेष रूप से दृष्टिबाधित छात्रों के लिए अध्ययन केंद्र बनाया है।

सीयूजी पुस्तकालय द्वारा सीयूजी परिवार एवं शोधकर्ताओं के लिए सर्वोत्तम अभ्यास सेवाएं प्रदान की गई हैं ताकि अकादमिक कार्यक्रमों में निर्बाध, लचीली और व्यापक संसाधन खोज की जा सके। वर्तमान में पुस्तकालय द्वारा मुद्रित पुस्तकें, ई-बुक्स और सदस्यता ग्रहण की गईं पत्रिकाएँ खरीदी गईं हैं। इनमें से प्रतिष्ठित की ई-शोध सिंधु: कंसोर्टियम फॉर हायर एजुकेशन इलेक्ट्रॉनिक रिसोर्सेज के माध्यम से सदस्यता ग्रहण की गई है।

यह पुस्तकालय, पुस्तकालय संचालन और सेवाओं के लिए कोहा सॉफ्टवेयर का उपयोग करता है। परिसंचरण, अधिग्रहण, पत्रिका सदस्यता, कैटलॉगिंग, ऑनलाइन पुस्तक सूची इत्यादि जैसे सभी तरह के पुस्तकालय संचालन संबंधी कार्य इस सॉफ्टवेयर द्वारा प्रबंधित किए जा रहे हैं।

केंद्रीय पुस्तकालय में किताबों की सुरक्षा के लिए आरएफ़आईडी तकनीक के साथ-साथ सेल्फ-चेक-इन और सर्कुलेशन सेक्शन के लिए सेल्फ-चेक-आउट सुविधाएं हैं। पुस्तकालय पाठकों के समय के महत्व को समझता है।

केंद्रीय पुस्तकालय पोर्टल और पुस्तकालय ब्लॉग सीयूजी 29 और 30 तक पहुँच को सुगम बनाने के लिए सुदृढ़ किया जा रहा है। वे सभी प्रकाशक जिनके साथ पुस्तकालय संसाधनों की सदस्यता ले रहा है, आईपी पते के एक नए सेट के साथ संचार करेंगे: ताकि आईपी प्रमाणित संसाधन पहुँच को सक्रिय किया जा सके। पुस्तकालय सीयूजी परिसर में उपयोगकर्ताओं को नाम और पासवर्ड डाले बिना संसाधनों तक त्वरित पहुँच प्रदान करेगा। केंद्रीय पुस्तकालय ई-पत्रिकाओं और डाटाबेस के रिमोट एक्सेस सॉफ्टवेर के माध्यम से परिसर के बाहर (ऑफ-कैम्पस) पहुँच भी प्रदान करता है।

प्रशासन संरचना

1.पुस्तकालय सलाहकार समिति

01	माननीय कुलपति	अध्यक्ष
02	संस्थान के सभी अधिष्ठाता	सदस्य
03	स्वतंत्र केन्द्रों के अध्यक्ष	सदस्य
04	प्रो. दिनेश कुमार, प्रोफेसर, एससीएस	सदस्य
05	प्रो. राजेश मकवाना, प्रोफेसर, सीजीएलएल, एसएलएल और सीएस	सदस्य
06	डॉ. तूलिका त्रिपाठी, सहायक प्रोफेसर, सीएसईपी, एसएसएस	सदस्य
07	डॉ. श्रीश कुमार तिवारी, सहायक प्रोफेसर, सीएसटी, एसएनएसएस	सदस्य
08	डॉ. अरुण विश्वनाथन, एसोसिएट प्रोफेसर, सीएसएस, एसएनएसएस	सदस्य

09	उप कुलसचिव, (अकादमिक)	सदस्य
10	कुलसचिव	पदेन सदस्य
11	परीक्षा नियंत्रक	पदेन सदस्य
12	वित्त अधिकारी	पदेन सदस्य
13	प्रोफेसर (आई/सी), पुस्तकालय	पदेन सदस्य

2. पुस्तकालय पुस्तकें/ई पत्रिकाएँ क्रय समिति

अध्यक्ष: प्रो. भावना पाठक

वित्त अधिकारी: प्रो. संजय कुमार झा

बाह्य सदस्य: डॉ. डी.के. सिंह, पुस्तकालयाध्यक्ष, बीएचयू

बाह्य सदस्य: डॉ. एच. जी. होसामनी, वैज्ञानिक-ई, इनफ्लिबनेट (INFLIBNET) केंद्र

सचिव: डॉ. के.बी. अगडी

3. पुस्तकों, ई-बुक्स, ई-पत्रिकाओं, डेटाबेस का अधिग्रहण (2021-2022)

केंद्र/स्कूलों से अध्यक्षों/डीन के माध्यम से संकाय की सिफारिश के आधार पर मुद्रित पुस्तकें, ई-पुस्तकें, ई-पत्रिकाएँ और डेटाबेस खरीदे गए हैं तथा इनकी सदस्यता ग्रहण की गई है। अनुशंसाओं के अनुसार पुस्तकालय ने लोकप्रिय पत्रिकाओं और विभिन्न पत्रिकाओं की भी सदस्यता ली है।

I. डेटाबेस और सॉफ्टवेयर (2021-22)

क्रम सं.	संसाधन	सीएम आई ई डेटाबेस
01	ई- डेटाबेस	Prowess EPWRF
02	साहित्यिक चोरी-रोधी सॉफ्टवेयर	Turnitin

II .ई-पत्रिकाओं का नवीकरण (2021-22)

क्रम सं.	विषय	शीर्षकों की संख्या	पत्रिकाएँ
1.	रासायन विज्ञान, अनुप्रयुक्त रसायन विज्ञान	49	आरएससी जर्नल ईएसएस
2.	राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान	02	राजनीति और अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन पर ऑक्सफोर्ड रिसर्च इनसाइक्लोपीडिया
3.	सामाजिक विज्ञान संस्थान/मानविकी	730	प्रोजेक्टम्यूज़ ईएसएस
4.	सभी संस्थान	1076	टेलर एंड फ्रांसिस ईएसएस कलेक्शन
5.	सभी संस्थान	908	विले ईएसएस
	कुल	**2765**	

III. ई-बुक्स (2021-2022)

क्रम सं.	विषय	शीर्षकों की संख्या	प्रकाशक का नाम
1	पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान	76	एएलए ई-बुक्स
2	रसायन विज्ञान, अनुप्रयुक्त रसायनशास्त्र	1750	आरएससी ई-बुक्स
3	अंतर्राष्ट्रीय संबंध	72	ओयूपी- अंतर्राष्ट्रीय संबंध संग्रह ई-बुक्स
4	भाषा और साहित्य, प्रवासी भारतीय अध्ययन	154	सेज ई-बुक्स
5	एसईएसडी, नैनो विज्ञान, जीवन विज्ञान, रसायन विज्ञान	116	एल्सेवियर पुस्तकें
6	सामाजिक विज्ञान, अंग्रेजी	62	ओरिएंट ब्लैक स्वान
7	पदार्थ विज्ञान	295	स्प्रिंगर नेचर ई-बुक्स
8	एसईएसडी, पुस्तकालय विज्ञान, सामाजिक विज्ञान	441	कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस
9	अंग्रेजी अध्ययन केंद्र	470	ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस
10	जर्मन भाषा पुस्तकालय विज्ञान राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन नैनो विज्ञान	115	टेलर एंड फ्रांसिस
11	एसईएसडी, नैनो प्रौद्योगिकी, जीवन विज्ञान	22	विली

4. गतिविधियाँ : केंद्रीय पुस्तकालय

क्रम सं.	कार्यक्रम का नाम	तिथि
01	अनुसंधान संचार पर व्याख्यान श्रृंखला: डॉ शांतनु गांगुली, प्रधान पुस्ताकालयाध्यक्ष, एम्स, नई दिल्ली।	15-06-2021
02	इंटरनेट पर प्रभावी खोज कैसे करें: डॉ. श्याम प्रसाद पुजार, प्रधान पुस्तकालयाध्यक्ष, आईजीआईडीआर, मुंबई।	19-06-2021
03	सूचना साक्षरता में डॉ. एस.आर. रंगनाथन की प्रासंगिकता: प्रो. अजय प्रताप सिंह, महानिदेशक राजा राममोहन राय लाइब्रेरी फाउंडेशन।	12-08-2021

वाई-फाई और आईसीटी सुविधा

विश्वविद्यालय वाई-फाई युक्त है और छात्र विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई व्यक्तिगत आईडी और पासवर्ड के आधार पर इंटरनेट का उपयोग कर सकते हैं। विश्वविद्यालय में एक आभासी शिक्षण संसाधन केंद्र (वर्चुअल लर्निंग रिसोर्स सेंटर) और एक मल्टीमीडिया लैब भी है जो छात्रों को वेब पर उपलब्ध विभिन्न प्रकार के संसाधनों तक अपनी पहुँच बनाने में सक्षम बनाता है। इसमें पत्रिकाएँ, डेटाबेस और पुस्तकें आदि शामिल हैं। विश्वविद्यालय में गहन भाषा शिक्षण के लिए एक भाषा प्रयोगशाला की सुविधा भी है।

स्वास्थ्य सुविधा

विश्वविद्यालय परिसर से संलग्न सरकारी चिकित्सा सुविधा उपलब्ध है जहां छात्र चिकित्सा सहायता प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा, सरकारी सिविल अस्पताल विश्वविद्यालय के निकट स्थित है। विश्वविद्यालय में चिकित्सा सलाहकार भी हैं जिनकी सेवाएं छात्रों को रियायती दरों पर उपलब्ध हैं। छात्रों को भी विश्वविद्यालय की दुर्घटना बीमा पॉलिसी के तहत भी सुविधाएं प्रदान की जाती हैं।

अध्ययन के साथ धन-अर्जन योजना (अर्न ह्वाइल यू लर्न योजना)

अध्ययन के साथ धन-अर्जन योजना केंद्रीय विश्वविद्यालय की एक अनूठी पहल है जो विश्वविद्यालय के स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर के योग्य छात्रों की सहायता के लिए बनाई गई है। इसमें उन छात्रों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है जिन्हें कोई छात्रवृत्ति नहीं मिलती है। इस पहल के अंतर्गत छात्रों को अपनी कक्षा के बाद विश्वविद्यालय साइबर लाइब्रेरी में कई तरह के कार्यों को सौंपा जाता है जिनका निर्वहन वो अपनी आर्थिक सुदृढ़ता हेतु करते हैं।

सीयूजी के पूर्व छात्रों के विषय में

विश्वविद्यालय द्वारा गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र संघ (सीयूजीएए) की स्थापना अधिसूचना संख्या 46/2016-17 दिनांक 09 अगस्त 2016 के तहत की गई है। सीयूजीएए की स्थापना विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों के साथ मजबूत और स्थायी संबंध विकसित करने हेतु की गई है। इससे पूर्व छात्रों के बीच बातचीत/परस्पर क्रिया को बढ़ावा मिलेगा और मूल्यवान सामाजिक तथा व्यावसायिक परिणाम होंगे।

इसके अतिरिक्त, सीयूजी पूर्व छात्र प्रकोष्ठ की स्थापना 1 जुलाई 2020 को की गई थी। इसकी स्थापना का उद्देश्य पूर्व छात्र नेटवर्क का सक्रिय निर्माण एवं विश्वभर में इसे प्रवृत्त करना था। साथ ही इस नेटवर्क को सुदृढ़ बनाना और विनिमय व परस्पर क्रिया की जीवंत संस्कृति भी इसके उद्देश्यों में शामिल थीं। गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय के 124 पूर्व छात्रों ने इसमें अपना पंजीकरण कराया था।

सीयूजी पूर्व छात्र प्रकोष्ठ के कार्य

- जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में छात्रवृत्ति, नवाचार और उत्कृष्टता में पूर्व छात्रों की उपलब्धियों के माध्यम से विश्वविद्यालय के लिए एक मजबूत समर्थन प्रदान करना।
- पूर्व छात्रों के साथ-साथ भावी छात्रों, वर्तमान छात्रों और युवा पूर्व छात्रों की मदद करने के लिए एक मंच प्रदान करना जो अपनी शिक्षा को आगे बढ़ाने और अपना करियर शुरू करने में मार्गदर्शन चाहते हैं।
- सभी पंजीकृत सदस्यों को विश्वविद्यालय और उसके पूर्व छात्रों के हितों को बढ़ावा देने वाले कार्यक्रमों का कार्यान्वयन करने का अवसर प्रदान करना।

सीयूजी पूर्व छात्र प्रकोष्ठ की गतिविधियाँ:

- नोडल अधिकारियों को संबंधित संस्थान के अधिष्ठाता के द्वारा 12 मई 2021 को पूर्व छात्र प्रकोष्ठ में नामित किया गया था, जहां माननीय कुलपति प्रो. रमा शंकर दुबे और रजिस्ट्रार के साथ एक ऑनलाइन बैठक आयोजित की गई थी। इस बैठक में NAAC, पूर्व छात्रों के पंजीकरण और उनके योगदान की सुविधा के संदर्भ में पूर्व छात्रों की योजना और समन्वय पर चर्चा की गई थी।

- जिन 61 पूर्व छात्रों ने पूरी फीस जमा कर दी है, उनके लिए सीयूजी एलुमनी आईडी कार्ड तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।
- गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलपति प्रोफेसर आर. के. काले द्वारा 26 जून 2021 को विश्वविद्यालय स्तर पर पूर्व छात्र प्रकोष्ठ द्वारा "उच्च शिक्षा में पूर्व छात्रों की भूमिका" पर एक वार्ता का आयोजन किया गया था।

विविध संस्थानों द्वारा संचालित गतिविधियाँ:

a.सामाजिक विज्ञान संस्थान (एसएसएस)

सामाजिक विज्ञान संस्थान के पूर्व छात्रों द्वारा 31 जुलाई 2021 को एक वार्ता आयोजित की गई थी। डॉ. कृति पटेल (सामाजिक उद्यमी संस्थापक, शी एंड वी फाउंडेशन) ने "एक करियर विकल्प के रूप में उद्यमिता- कोविड के बाद" विषय पर अपने विचार साझा किए। श्री अंकित दवे (एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट, जीयूएसईसी) ने "डेवलपिंग स्टार्ट अप इकोसिस्टम - छात्रों के लिए यूनिवर्सिटी इंटरफेस" विषय पर बात की।

b.डायस्पोरा अध्ययन केंद्र (सीडीएस)

- डायस्पोरा अध्ययन केंद्र द्वारा 25 सितंबर 2021 को "सर अनिरुद जगन्नाथ - ए लेजेंड ऑफ इंडियन डायस्पोरा" पर एक वार्ता आयोजित की गई थी।

c. पर्यावरण एवं सतत विकास संस्थान (एसईएसडी)

- पर्यावरण और सतत विकास संस्थान (एसईएसडी) द्वारा 27 से 31 जुलाई 2021 तक पर्यावरण विज्ञान के बहु-विषयक दृष्टिकोण पर 5 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

d. जीवन विज्ञान संस्थान (एसएलएस)

- SLS के पूर्व छात्रों के प्रतिनिधियों के साथ 27 मई 2021 को ऑनलाइन बैठक आयोजित की गई।
- जीवन विज्ञान संस्थान के द्वारा 10 जून, 2021 को वर्ष 2014-2016 के विज्ञान स्नातकोत्तर (एमएससी) बैच का ऑनलाइन माध्यम से एक पुनर्मिलन समरोह आयोजित किया गया।

e. पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान संस्थान (एसएलआईएस)'

- एलआईएस छात्रों और पेशेवरों के लिए अनुसंधान के अवसर' विषय पर प्रथम वेबिनार 12 जून 2021 (शनिवार) को सांय 4.00 बजे आयोजित किया गया था। इस वेबिनार में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी के पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग में प्रोफेसर डॉ. आदित्य त्रिपाठी और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के केंद्रीय पुस्तकालय में प्रधान पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. मनोरमा त्रिपाठी विशेषज्ञों के रूप में शामिल हुए। प्रतिभागियों के रूप में SLIS के पूर्व छात्रों, SLIS के वर्तमान छात्रों और SLIS संकायों ने भाग लिया।
- पूर्व छात्रों द्वारा एसएलआईएस का एसडब्ल्यूओसी विश्लेषण जुलाई 2021 में आयोजित किया गया था।
- अगस्त 2021 माह में एसएलआईएस हेतु पूर्व छात्रों द्वारा पुस्तकालय पोस्टर एकत्रित किए गए थे।
- पुस्तकालय और सूचना विज्ञान संस्थान द्वारा इंटरनेशनल डे ऑफ़ यूनिवर्सल एक्सेस टू इनफार्मेशन-राईट टू नो मनाया गया। यह दिवस प्रत्येक वर्ष 27 सितंबर को मनाया जाता है। कुछ अप्रत्याशित परिस्थितियों के कारण, संस्थान ने 5 अक्टूबर 2021 को एक वेबिनार के माध्यम से यह दिवस मनाया जिसमें पूर्व छात्रों ने भी भाग लिया।

- पुस्तकालय और सूचना विज्ञान संस्थान द्वारा तीन दिवसीय समारोह 25, 26 और 27 अक्टूबर 2021को ओपन एक्सेस वीक के रूप में मनाया गया। इस समारोह में प्रभारी अधिष्ठाता, प्रो. अतनु महापात्रा द्वारा ओपन एक्सेस वेबसाइट का उद्घाटन किया गया और साथ ही हमारे दो शोधार्थियों श्री सगेंद्र सिंह परमार द्वारा 'ओपन एजुकेशन रिसोर्सेज: द स्पेक्ट्रम ऑफ ओपन एक्सेस' विषय पर जागरूकता वार्ता और "ओपन एक्सेस पब्लिशिंग एंड एक्सेसिबिलिटी" विषय पर सुश्री अमरीन ताज द्वारा एक अन्य जागरूकता वार्ता आयोजित की गई। वर्तमान छात्रों के लिए ओपन एक्सेस मूवमेंट विषय पर ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी भी आयोजित की गई और छात्रों तथा संस्थान के पूर्व छात्रों के लिए एक पोस्टर डिजाइनिंग प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। कई पूर्व छात्रों ने उद्घाटन और समापन सत्र में भाग लिया और दोनों वक्ताओं के साथ बातचीत की तथा एक पूर्व छात्र द्वारा ओपन एक्सेस विषय पर अपना पोस्टर प्रस्तुत किया गया।

- गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के पुस्तकालय और सूचना विज्ञान संस्थान, गांधीनगर ने 15 से 20 नवंबर 2021 तक राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह 2021 के एक भाग के रूप में एक विशेष व्याख्यान श्रृंखला एनालेक्ट्स @ एसएलआईएस का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में वर्तमान छात्रों, पूर्व छात्रों और एसएलआईएस के संकाय ने भाग लिया।

- SLIS के पूर्व छात्रों ने दिसंबर 2021 माह के लिए 'कार्पे डायम' शीर्षक से एक कार्यक्रम या गतिविधि का आयोजन किया। इसका उद्देश्य किसी प्रेरक पुस्तक या किसी लेख या किसी ब्लॉग अंश के बारे में पूर्व छात्रों के सुझावों को एकत्र करना था, जिनसे वे प्रभावित हुए हों और उन्होंने महसूस किया हो कि "अभी यह क्षण है, अगर मुझे सफल होना है... तो मुझे इसका अधिकतम लाभ उठाने की जरूरत है"।

- Google मीट पर 2 जनवरी 2022 को शाम 5.00 बजे 'असाइनमेंट एंड बियॉन्ड' शीर्षक से एक वेबिनार का आयोजन किया गया। यह एसएलआईएस के पूर्व छात्रों और वर्तमान छात्रों को जोड़ने का और साथ ही नए छात्रों को उनके शैक्षिक कार्यों के लिए संसाधनों की समझ विकसित करने हेतु एक प्रयास था।

निदानात्मक कोचिंग प्रकोष्ठ

गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के निदानात्मक कोचिंग प्रकोष्ठ ने तर्क, कार्यप्रणाली, सामान्य ज्ञान, व्यक्तित्व विकास, परामर्श, तनाव प्रबंधन, गणितीय क्षमता, योग्यता, मौखिक परीक्षा और वन-टू-वन जैसे विभिन्न पहलुओं/विषयों पर कक्षाएं, शैक्षणिक (ट्यूटोरियल) व्याख्यान/ कक्षाएं आयोजित की गई हैं। इनके अतिरिक्त, प्रकोष्ठ ने यूजीसी-नेट-जेआरएफ/सीएसआईआर कोचिंग कक्षाओं का भी आयोजन किया था। विशेषज्ञों को विश्वविद्यालय से और गुजरात राज्य एवं भारत के अन्य राज्यों के विभिन्न संस्थानों से आमंत्रित किया जाता है। भाषा और संचार कौशल में सुधार हेतु विशेष कक्षाएं आयोजित की जाती हैं। इसके परिणामस्वरूप, कक्षाओं में उपस्थित होने वाले छात्रों को कई सरकारी और निजी नौकरियों में कर्मचारियों के रूप में कार्य करने का अवसर प्राप्त हुआ है। यहां के छात्र डिग्री कॉलेजों में व्याख्याता, विश्वविद्यालयों में सहायक प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हैं और कई छात्र भारत में अन्य स्थापित विश्वविद्यालयों में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। इसके अलावा, काफी बड़ी संख्या में छात्रों ने यूजीसी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा यूजीसी-जेआरएफ और नेट परीक्षा उत्तीर्ण की है। कई छात्र-छात्राएं विद्यालयों में शिक्षक के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। प्रकोष्ठ द्वारा गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय, गांधीनगर के कुलपति प्रोफेसर रमा शंकर दुबे के साथ बातचीत-सह-व्यक्तित्व विकास का भी आयोजन किया गया है।

लेखन कौशल संवर्धन कार्यक्रम (डबल्यूएसईपी कार्यक्रम)

लेखन कौशल संवर्धन कार्यक्रम (डब्ल्यूएसईपी) एक व्यापक कार्यक्रम है जो कार्यशालाओं और क्रैश पाठ्यक्रमों के संवादात्मक रूप के माध्यम से बुनियादी भाषा कौशल, अकादमिक लेखन और शोध पत्र लेखन तकनीक विकसित करके छात्रों की लेखन क्षमताओं को प्रोत्साहित करने पर केंद्रित है। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय स्तर पर छात्रों को प्रशिक्षित करने के लिए आयोजित किया जाता है।

स्थानन प्रकोष्ठ (प्लेसमेंट सेल)

विश्वविद्यालय ने एक स्थानन और प्रशिक्षण सेल की स्थापना की है जो विश्वविद्यालय और संभावित नियोक्ताओं के बीच इंटरफेस के रूप में उत्तरदायी है। विश्वविद्यालय में एक पूरी तरह से सुसज्जित स्थानन/नियोजन कार्यालय और एक स्थानन/नियोजन अधिकारी है। इस प्रकोष्ठ ने शीतकालीन सत्र 2015 से छात्रों को नियोजन प्रदान करना आरंभ कर दिया है। छात्रों को नियोजन प्रदान करने एवं नियोक्ताओं हेतु एक समर्पित वेब पेज भी है। प्रकोष्ठ द्वारा उद्योग में अग्रणी अनुभवी व्यक्तियों द्वारा प्रशिक्षण कार्यशालाओं और वार्ताओं का आयोजन किए जाता है।

खेल और क्रीड़ा

विश्वविद्यालय शारीरिक गतिविधियों के महत्त्व से अवगत है, इसलिए विश्वविद्यालय में वार्षिक स्तर पर खेल कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहे हैं। विश्वविद्यालय के वर्तमान परिसर में सीमित स्थान उपलब्ध होने के बावजूद भी परिसर में बुनियादी खेल सुविधाएँ उपलब्ध हैं। परिसर में मल्टी जिम की सुविधा उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त, विश्वविद्यालय ने खेल सुविधाओं के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई), गांधीनगर के साथ एक करार (टाई-अप) भी किया है।

सांस्कृतिक गतिविधियां

विश्वविद्यालय परिसर के छात्र समुदाय के बीच सांस्कृतिक गतिविधियों को विभिन्न सांस्कृतिक क्लबों के माध्यम से बढ़ावा दिया जाता है। छात्रों को विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

जलपान गृह

विश्वविद्यालय अपने दोनों परिसरों में जलपानगृह की सुविधा प्रदान करता है। यहां पर स्नैक्स, चाय, कॉफी / भोजन (डाइनिंग-इन) आदि उपलब्ध रहते हैं।

परिवहन सुविधा

विश्वविद्यालय के पास दो बसें हैं जो छात्रों और विश्वविद्यालय के कर्मचारियों की मांग पर उपलब्ध कराई गई हैं। ये बसें निर्धारित समय पर छात्रावासों और परिसरों के बीच चलती रहती हैं।

सम्मेलन सुविधा

विश्वविद्यालय में 50 से 200 व्यक्तियों के बैठने की क्षमता वाले सम्मेलन कक्ष बने हुए हैं। जिसमें सम्मेलनों, कार्यशालाओं और संगोष्ठियों आदि के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित सुविधाएं उपलब्ध हैं।

नॉन-नेट छात्रवृत्ति

एम॰ फिल॰ एवं पीएच डी॰ में प्रवेश लेने वाले सभी छात्र यूजीसी नॉन नेट फैलोशिप के अंतर्गत मासिक छात्रवृत्ति पाने के लिए योग्य होते हैं। समय-समय पर विश्वविद्यालय प्रासंगिक वित्तपोषित इकाई के निर्देशानुसार छात्रवृत्ति हेतु संबंधित दिशा निर्देशों का अनुपालन करता है।

एससी/एसटी, अल्पसंख्यक और छात्राओं के लिए कल्याणकारी योजनाएं

भारत सरकार और यूजीसी द्वारा अधिसूचित और कार्यान्वित कल्याणकारी योजनाओं का विश्वविद्यालय में पालन किया जाता है। साथ ही समय-समय पर घोषित योजनाओं को विश्वविद्यालय में लागू भी किया जाता है।

गुजरात राज्य के छात्र राज्य सरकार एससी / एसटी छात्रों की छात्रवृत्ति के लिए भी पात्र हैं अर्थात् जो छात्र गुजरात राज्य से हैं उन्हें गुजरात राज्य के एस टी / एस सी छात्रवृत्ति के अंतर्गत योग्य माना जाता है।

छात्रावास सुविधा

छात्रावास आवास, पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए ही बहुत सीमित है। छात्रावास का शुल्क विश्वविद्यालय के मानदंडों के अनुसार निर्धारित होता है। हालाँकि साझा (शेयरिंग) आधार पर निजी आवास गांधीनगर शहर में उपलब्ध है।

कर्मचारी कल्याण हेतु सीयूजी की सुविधाएं

- प्रवेश परीक्षा और प्रवेश प्रक्रियाओं का पूर्ण-स्वचालन
- परीक्षा नियंत्रक कार्यालय का स्वचालन
- परिणामों की समय पर घोषणा
- नियमित रूप से प्रत्येक 3 साल में एक बार पाठ्यक्रमों का अद्यतनीकरण
- सभी संस्थानों में CBCS के फॉर्मेट का अनुसरण
- ICT युक्त शिक्षण-अधिगम को सक्षम बनाना
- अंतर्राष्ट्रीय प्रस्तुतियों के लिए छात्रों को वित्तीय सहायता
- चिकित्सा सुविधा और प्रतिपूर्ति - स्व और परिवार
- अस्पताल में भर्ती के दौरान नकद-रहित सुविधा सहित चिकित्सा सहायता के लिए चार प्रमुख अस्पतालों से टाई-अप
- एम्बुलेंस सुविधा
- यात्रा की छूट - स्व और परिवार
- योग क्लब
- नई पेंशन योजना
- करियर उन्नति योजना
- अध्ययन अवकाश
- संकाय सदस्यों के लिए शैक्षणिक भागीदारी के लिए यात्रा अनुदान
- समूह बीमा योजना

छात्र और कर्मचारी शिकायत निवारण

- छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय
- एससी/एसटी संपर्क अधिकारी
- समान अवसर प्रकोष्ठ
- आंतरिक शिकायत समिति

- विशेष आरक्षण प्रकोष्ठ
- ओबीसी संपर्क अधिकारी
- विद्यार्थी परिषद कार्यालय
- शिकायत निवारण समिति

सामान्य अवसंरचना और सुविधाएं

- दृश्य-श्रव्य सहायक उपकरणों से युक्त पर्याप्त कक्षाएं
- आभासी (वर्चुअल) कक्षा
- आधुनिक उपकरणों से युक्त विज्ञान प्रयोगशालाएं
- केंद्रीय उपकरणीकरण सुविधा
- आभासी शिक्षण संसाधन केंद्र (वर्चुअल लर्निंग रिसोर्स सेंटर)
- भाषा प्रयोगशाला
- संगोष्ठी / सम्मेलन कक्ष / संकाय कक्ष
- अल्पाहार गृह
- एटीएम युक्त बैंक
- बस सेवा
- रोगी वाहन
- महिला कक्ष और सामान्य अध्ययन कक्ष
- सुरक्षित पेयजल (आरओ सिस्टम)
- वाई-फाई कनेक्टिविटी और सीसीसी निगरानी
- पायलट परियोजनाओं के लिए विश्वविद्यालय द्वारा संकाय के लिए अनुसंधान निधि
- यात्रा अनुदान
- प्रकाशन अनुदान

विश्वविद्यालय निकाय

विश्वविद्यालय न्यायालय (कोर्ट)

न्यायालय की संरचना	**मनोनीत/नियुक्त व्यक्ति का नाम**
कुलाधिपति-अध्यक्ष	डॉ॰ हसमुख अढिया
कुलपति	प्रोफ़ेसर रमा शंकर दुबे
उप-कुलपति	रिक्त
कुलसचिव- सचिव सदस्य	प्रोफ़ेसर एच. बी. पटेल
वित्त अधिकारी	प्रोफ़ेसर संजय कुमार झा
परीक्षा नियंत्रक	प्रोफ़ेसर संजीव कुमार दुबे
विश्वविद्यालय पुस्तकलायाध्यक्ष	प्रोफ़ेसर भावना पाठक, अधिष्ठाता, एसईएसडी (01.09.2022 तक की अवशिष्ट अवधि हेतु)
छात्र कल्याण अधिष्ठाता	प्रोफ़ेसर जयेंद्र कुमार अमीन
संस्थान अधिष्ठाता (वरिष्ठता क्रमानुसार)- विश्वविद्यालय के कुलपति द्वारा तीन सदस्यों को मनोनीत किया जाता है।	1. प्रोफ़ेसर संजय कुमार झा, अधिष्ठाता, एसएनएसएस 2. प्रोफ़ेसर मनीष, अधिष्ठाता, एसआईएस (01.09.2022 तक की अवशिष्ट अवधि हेतु) 3. प्रोफ़ेसर भावना पाठक, अधिष्ठाता, एसईएसडी (01.09.2022 तक की अवशिष्ट अवधि हेतु)
केंद्रों के अध्यक्ष (अधिष्ठाताओं के अतिरिक्त) वरिष्ठता क्रमानुसार- विश्वविद्यालय के कुलपति द्वारा तीन सदस्यों को मनोनीत किया जाता है।	1. प्रोफ़ेसर जयेंद्र कुमार अमीन, सीएसआरई, एसओई (01.09.2022 तक की अवशिष्ट अवधि हेतु) 2. डॉ. अरुण विश्वनाथन, सीएसएस, एसएनएसएस (01.09.2022 तक की अवशिष्ट अवधि हेतु) 3. प्रोफ़ेसर अतनु महापात्र, सीडीएस (01.09.2022 तक की अवशिष्ट अवधि हेतु)
विश्वविद्यालय के व्याख्याता (अधिष्ठाता और अध्यक्ष के अतिरिक्त) वरिष्ठता क्रमानुसार- विश्वविद्यालय के कुलपति द्वारा तीन सदस्यों को मनोनीत किया जाता है।	1. प्रोफ़ेसर मान सिंह, एस सी एस (01.09.2022 तक की अवशिष्ट अवधि हेतु) 2. प्रोफेसर आर. वाई. हीरनमई, एसईएसएस 01.09.2022 तक की अवशिष्ट अवधि हेतु) 3. प्रोफेसर पल्लवी शर्मा, एसईएसडी (01.09.2022 तक की अवशिष्ट अवधि हेतु)

न्यायालय की संरचना	मनोनीत/नियुक्त व्यक्ति का नाम
चार सदस्य शिक्षण व्यावसायों को प्रस्तुत करते है। विजिटर्स द्वारा इनको मनोनीत किया जाता है।	1. प्रोफ़ेसर बी॰ एच॰ जाजू, पूर्व अधिष्ठाता, विजिटिंग प्रोफेसर, आईआईएम अहमदाबाद, गुजरात 2. प्रोफ़ेसर संगीता शुक्ला, कुलपति, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, मध्य प्रदेश 3. प्रोफ़ेसर कैलाश नारायण त्रिपाठी, पूर्व कुलपति, डॉक्टर भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा, उत्तर प्रदेश 4. प्रोफेसर अरविंद कुमार, प्रोफ़ेसर, वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश
औद्यौगिक इकाई, श्रम, वाणिज्य, कृषि से संबंधित 4 सदस्य विजिटर्स द्वारा मनोनीत किए जाते हैं।	1. डॉ॰ दक्षेशकुमार आर॰ ठाकर, पूर्व कुलपति, वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सूरत, गुजरात 2. डॉ॰ हरीश धनुभाई, डॉक्टर, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, गणित विभाग, वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, गुजरात 3. डॉ॰ पुष्पा यशवंत गवीत, प्रोफेसर एवं विभाग अधिष्ठाता, (मराठी विभाग) , विद्यावर्धिनी विज्ञान महाविद्यालय, वाणिज्य एवं कला, महाराष्ट्र 4. डॉ॰ प्रशांत योगी, वरिष्ठ पशु चिकित्सा पेशेवर और राष्ट्रीय संयोजक, पशु आरोग्य भारती, महाराष्ट्र
शैक्षणिक कर्मचारियों के प्रतिनिधि- दो (एक संबद्ध व्याख्याता और एक सहायक व्याख्याता) विश्वविद्यालय के नियमित अध्यापकों से चुने जाते हैं।	(रिक्त)
छात्र प्रतिनिधि- छात्र परिषद द्वारा अपने सदस्यों में से ही चुने जाते हैं।	प्रतीक्षित
गैर-शैक्षणिक कर्मचारी प्रतिनिधि- दो- विश्वविद्यालय के नियमित कर्मचारियों द्वारा उनमें से ही किसी को चुना जाता है।	प्रतीक्षित
भूतपूर्व छात्र संगठन प्रतिनिधि- दो- भूतपूर्व छात्र संगठन के सदस्यों द्वारा उनमें से ही किसी को चुना जाता है।	प्रतीक्षित
मनोनीत सदस्यों में से चयनित कार्यकारी परिषद का एक मनोनीत सदस्य	प्रोफेसर शैलेष एन. ज़ाला, पूर्व कुलपति, भावनगर विश्वविद्यालय, गुजरात (01.09.2022 तक की अवशिष्ट अवधि हेतु)

कार्यकारी परिषद्

कार्यकारी परिषद की संरचना	मनोनीत/नियुक्त व्यक्ति का नाम
कुलपति	प्रोफ़ेसर रमा शंकर दुबे, (अध्यक्ष, पदेन)
उप-कुलपति	रिक्त
केंद्रीय विश्वविद्यालय कुलपति या विश्वविद्यालय के सेवारत प्रोफेसर ऑफ़ एमिनेन्स, कुलपति की सिफारिश पर कार्यकारी परिषद द्वारा मनोनीत	प्रोफ़ेसर रजनीश कुमार शुक्ल कुलपति महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा ईमेल: vcoffice.mgahv@gmail.com संपर्क : 8888142152
अधिष्ठाता, छात्र कल्याण	पदेन
पांच संस्थानों के अधिष्ठाता; जिसमें तीन से अधिक लोग नहीं हो सकते, ये वरिष्ठता क्रम के अनुसार, वरिष्ठता क्रम के अनुसार निम्न समूहों में से निर्दिष्ट होंगे; **समूह-I** सामाजिक विज्ञान, प्रबंधन और मानविकी संकाय **समूह-II** विज्ञान, प्रौद्योगिकी और स्वास्थ्य विज्ञान संकाय	**समूह – 1** 1) प्रोफ़ेसर संजीव कुमार दुबे, अधिष्ठाता एसएलएल और सीएस (29.12.2024 तक) 2) प्रोफ़ेसर जयप्रकाश प्रधान, अधिष्ठाता, एसएसएस (29.12.2024 तक) 3) प्रोफ़ेसर मनीष, अधिष्ठाता, अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान (03.03.2024 तक) **समूह– II** 1) प्रोफ़ेसर सीमा रावत, अधिष्ठाता, एसएलएस (29.12.2024 तक) 2) डॉ॰ भावना पाठक, अधिष्ठाता, पर्यावरण एवं सतत विकास संस्थान (03.02.2023 तक)
एक प्रोफेसर, जो किसी संस्थान का अधिष्ठाता न हो उसे वरिष्ठता क्रम के अनुसार रोटेशन प्रक्रिया द्वारा कुलपति द्वारा मनोनीत किया जाता है	प्रोफ़ेसर बालाजी रंगनाथन, तुलनात्मक साहित्य एवं अनुवाद अध्ययन (03.03.2024 तक)
एक एसोसिएट प्रोफेसर, वरिष्ठता के अनुसार रोटेशन द्वारा, कुलपति द्वारा मनोनीत	डॉ. अरुण विश्वनाथन सुरक्षा अध्ययन केंद्र (03.03.2024 तक)
एक सहायक प्रोफेसर, वरिष्ठता के अनुसार रोटेशन द्वारा, कुलपति द्वारा मनोनीत	श्री प्रभात कुमार चीनी अध्ययन केंद्र, (03.02.2023 तक)

कार्यकारी परिषद की संरचना	मनोनीत/नियुक्त व्यक्ति का नाम
गठन के समय, निर्वाचित सदस्यों में से चुने गए न्यायालय के दो सदस्य, इनमें से कोई भी विश्वविद्यालय का कर्मचारी या छात्र न हो और ना ही विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता प्राप्त या संबद्ध किसी भी संस्थान से जुड़ा हुआ हो।	विश्वविद्यालय न्यायालय से प्रतीक्षित
शैक्षणिक जीवन वाले चार विशिष्ट व्यक्ति, विजिटर्स द्वारा मनोनीत	1. डॉ. विमल रमणीकलाल परमार, प्राचार्य, श्री के. पी. शाह लॉ कॉलेज, जामनगर, गुजरात 2. प्रोफेसर शैलेष एन. ज़ाला, पूर्व कुलपति, महाराजा कृष्णकुमार सिंहजी, भावनगर विश्वविद्यालय, गुजरात 3. प्रोफेसर आशा कौल, प्रोफेसर, संचार क्षेत्र, भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद 4. प्रो. कामाक्षी अग्निहोत्री, प्रोफेसर और अधिष्ठाता, शिक्षा संस्थान, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर।
विभिन्न श्रेणियों के एक-एक सदस्य, अर्थात् अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक, महिलाएं और शारीरिक रूप से अक्षम श्रेणी से, कुलपति द्वारा विश्वविद्यालय या अन्य केंद्रीय / राज्य विश्वविद्यालयों के शिक्षक सदस्यों के रूप में मनोनीत।	1. प्रोफेसर एस. श्रीकृष्ण, वाराणसी 2. प्रोफ़ेसर टी॰ वी॰ कट्टीमनी, हैदराबाद 3. प्रोफ़ेसर साकेत कुशवाहा, इटानगर 4. प्रोफ़ेसर ए॰ एम॰ पठान, कर्नाटक 5. प्रोफ़ेसर कविता शाह, वाराणसी 6. प्रोफ़ेसर देवेंद्र कुमार सिंह, वाराणसी
कुलसचिव	(सचिव, पदेन)

अकादमिक परिषद्

अकादमिक परिषद की संरचना		नियुक्त/मनोनीत व्यक्ति का नाम
I.	कुलपति	**प्रोफ़ेसर रमा शंकर दुबे,** माननीय कुलपति (अध्यक्ष, पदेन)
II.	उप-कुलपति	रिक्त
III.	केंद्रीय विश्वविद्यालय कुलपति या विश्वविद्यालय के सेवारत प्रोफेसर ऑफ़ एमिनेन्स, कुलपति की सिफारिश पर कार्यकारी परिषद द्वारा मनोनीत	**प्रोफ़ेसर सूर्य प्रताप सिंह** अध्यक्ष, जैवरसायन विभाग विज्ञान संस्थान बनारस हिंदू विश्वविद्यालय
IV.	अध्ययन संस्थानों के अधिष्ठाता	1. **प्रोफ़ेसर दिनेश कुमार,** अधिष्ठाता, रसायन विज्ञान संस्थान 2. **प्रोफ़ेसर संजय कुमार झा,** अधिष्ठाता, राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान 3. **प्रोफ़ेसर संजीव कुमार दुबे,** अधिष्ठाता, भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन 4. **प्रोफ़ेसर जय प्रकाश प्रधान,** अधिष्ठाता, सामाजिक विज्ञान संस्थान 5. **प्रोफ़ेसर मनीष,** अधिष्ठाता, अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान 6. **प्रोफ़ेसर एच॰ बी॰ पटेल,** अधिष्ठाता, शिक्षा संस्थान 7. **प्रोफ़ेसर पल्लवी शर्मा,** अधिष्ठाता (आई/सी), नैनो विज्ञान संस्थान 8. **डॉ॰ प्रकाश सी॰ झा** अधिष्ठाता, अनुप्रयुक्त पदार्थ विज्ञान संस्थान 9. **डॉ॰ भावना पाठक,** अधिष्ठाता, पर्यावरण एवं सतत विकास संस्थान 10. **प्रोफ़ेसर सीमा रावत,** अधिष्ठाता, जीवन विज्ञान संस्थान 11. **प्रोफ़ेसर अतनु महापात्र,** अधिष्ठाता (आई/सी), पुस्तकालय और सूचना विज्ञान संस्थान

अकादमिक परिषद की संरचना		नियुक्त/मनोनीत व्यक्ति का नाम
V.	अध्ययन केन्द्रों के अध्यक्ष	1. **प्रोफ़ेसर संजीव कुमार दुबे,** अधिष्ठाता, भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन 2. **प्रोफ़ेसर बालाजी रंगनाथन,** तुलनात्मक साहित्य एवं अनुवाद अध्ययन 3. **प्रोफेसर. अतनु भट्टाचार्य,** अध्यक्ष, अंग्रेजी अध्ययन केंद्र 4. **प्रोफ़ेसर जे. पी. प्रधान,** अध्यक्ष, अर्थशास्त्र एवं योजना अध्ययन केंद्र 5. **प्रोफ़ेसर मनीष,** अध्यक्ष, अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान 6. **प्रोफ़ेसर राजेश मकवाना,** अध्यक्ष, गुजराती भाषा एवं साहित्य केंद्र, एसएलएल और सीएस 7. **प्रोफ़ेसर प्रकाश सी. झा** अध्यक्ष, अनुप्रयुक्त रसायन विज्ञान 8. **प्रोफ़ेसर अतनु महापात्र,** अध्यक्ष, प्रवासी अध्ययन केंद्र, स्वतंत्र केंद्र 9. **डॉ. अरुण विश्वनाथन** अध्यक्ष, सुरक्षा अध्ययन केंद्र, एसएनएसएस 10. **प्रोफ़ेसर जयेंद्र कुमार अमीन** अध्यक्ष, शिक्षा शोध एवं अध्ययन केंद्र, एसओई
VI.	छह प्रोफेसर, रोटेशन द्वारा, विभिन्न अध्ययन संस्थानों के यथेष्ट प्रतिनिधि, वरिष्ठता क्रमानुसार कुलपति द्वारा मनोनीत	1. **प्रोफ़ेसर मान सिंह,** रसायन विज्ञान संस्थान 2. **प्रोफ़ेसर अतनु भट्टाचार्य,** भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन 3. **प्रोफ़ेसर मनीष,** अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान 4. **प्रोफ़ेसर आर. वाई. हीरनमई यादव,** पर्यावरण एवं सतत् विकास संस्थान 5. **प्रोफ़ेसर दिनेश कुमार,** रसायन विज्ञान संस्थान

अकादमिक परिषद की संरचना		नियुक्त/मनोनीत व्यक्ति का नाम
VII.	छह एसोसिएट प्रोफेसर, रोटेशन द्वारा, विभिन्न अध्ययन संस्थानों के यथेष्ट प्रतिनिधि, वरिष्ठता क्रमानुसार कुलपति द्वारा मनोनीत	1. **डॉ॰ अरुण विश्वनाथन,** सुरक्षा अध्ययन केंद्र, एसएनएसएस 2. **प्रोफ़ेसर जयेंद्रकुमार अमीन,** शिक्षा संस्थान 3. **प्रोफ़ेसर जी. आर. अंगाड़ी,** शिक्षा संस्थान 4. **डॉ. अजय सिंह चौहान,** गुजराती भाषा एवं साहित्य केंद्र, एसएलएल और सीएस 5. **डॉ. क्षमानिधि अदाबर,** अर्थशास्त्र एवं योजना अध्ययन केंद्र, एसएसएस
VIII.	छह सहायक प्रोफेसर, रोटेशन द्वारा, विभिन्न अध्ययन संस्थानों के यथेष्ट प्रतिनिधि, वरिष्ठता क्रमानुसार कुलपति द्वारा मनोनीत	1. **डॉ. अनुष्का गोखले,** जर्मन अध्ययन केंद्र 2. **डॉ॰ सौरभ शर्मा** अंतर्राष्ट्रीय राजनीति केंद्र 3. **डॉ॰ शिजू सैम वर्गीज** विज्ञान, तकनीक एवं नवाचार नीति अध्ययन केंद्र 4. **डॉ॰ मानसी सिंह** राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान 5. **डॉ॰ रीना कुमारी** पर्यावरण एवं सतत विकास संस्थान 6. **डॉ॰ सुनीता पटेल** जीवन विज्ञान संस्थान
IX.	छात्र कल्याण अधिष्ठाता	प्रोफ़ेसर जयेंद्रकुमार अमीन
X.	पुस्तकलायाध्यक्ष	रिक्त
XI.	वरिष्ठता क्रमानुसार एक कुलानुशासक	प्रोफ़ेसर इंद्राणी बैनर्जी
XII.	वरिष्ठता क्रमानुसार एक कुलानुशासक	प्रोफ़ेसर सीमा रावत
XIII.	वरिष्ठता क्रमानुसार एक वार्डन	डॉ॰ कुणाल सिन्हा

अकादमिक परिषद की संरचना		नियुक्त/मनोनीत व्यक्ति का नाम
XIV.	विश्वविद्यालय सेवा से अलग चार व्यक्ति, जिन्हें विशेष ज्ञान के कारण अकादमिक परिषद द्वारा चुना गया	1. **प्रोफ़ेसर विश्वंभर नाथ मिश्र** प्रोफेसर और प्रमुख विद्युत अभियांत्रिकी विभाग भारतीय तकनीकी संस्थान बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी 2. **श्री सतीश जेकब** वरिष्ठ पत्रकार, नई दिल्ली 3. **डॉ॰ ओम प्रकाश पाण्डेय** प्रधानमंत्री के पूर्व वैज्ञानिक सलहकार, नई दिल्ली 4. **श्री आनंद मोहन तिवारी,** आईएएस, अहमदाबाद (पूर्व अपर सचिव, गुजरात सरकार)
XV.	कोर्ट के दो सदस्य, गठन के समय चयनित सदस्यों द्वारा चुने गए, जिनमें से कोई भी व्यक्ति विश्वविद्यालय का या विश्वविद्यालय द्वारा चिन्हित या संबन्धित किसी अन्य संस्था का न तो छात्र होगा और न ही कर्मचारी।	विश्वविद्यालय कोर्ट द्वारा प्रतीक्षित
XVI.	विश्वविद्यालय के छात्र परिषद के सदस्यों में से योग्यता के आधार पर कुलपति द्वारा दो छात्रों के प्रतिनिधियों को रोटेशन के आधार पर मनोनीत किया जाएगा। जब निम्नलिखित में से किसी भी विषय पर विचार हो रहा होगा तो ऐसे सदस्यों को अकादमिक परिषद् में बैठने का अधिकार नहीं होगा: • संकाय पदों, भर्ती के सेवा शर्तें और शैक्षणिक स्वतंत्रता, • छात्रों के अकादमिक प्रदर्शन और योग्यता के मूल्यांकन से संबंधित प्रक्रियाओं में।	1. **श्री कार्तिकेय धर द्विवेदी,** अनुप्रयुक्त पदार्थ विज्ञान संस्थान 2. **श्री दिव्यांशु यादव,** प्रवासी अध्ययन केंन्द्र
XVII.	निम्नलिखित वर्गों में से एक-एक प्रतिनिधि होता है: • अनुसूचित जाति • अनुसूचित जनजाति • अन्य पिछड़ा वर्ग जाति • अल्पसंख्यक • महिला, और • दिव्यांग इन्हें कुलपति द्वारा विश्वविद्यालय या अन्य केंद्रीय/राज्य विश्वविद्यालयों के शैक्षणिक कर्मचारियों में से सदस्यों के रूप में नामित किया जाएगा।	1. प्रोफ़ेसर सुखदेव भोई, नई दिल्ली 2. प्रोफ़ेसर सुरेश भाई सी॰ पडवी, आणंद 3. प्रोफ़ेसर के॰ एस॰ एन॰ यादव, हरिद्वार 4. प्रोफ़ेसर अकबर मसूद, श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर 5. प्रोफ़ेसर निशा झा, भागलपुर, बिहार 6. प्रोफ़ेसर संजय कुमार स्त्यार्थी, दमन

अकादमिक परिषद की संरचना		नियुक्त/मनोनीत व्यक्ति का नाम
XVIII.	कुलसचिव	(पदेन अधिकारी सचिव)

संस्थान अधिष्ठाता

क्र सं	संस्थान का नाम	अधिष्ठाता का नाम
01.	रसायन विज्ञान संस्थान	प्रोफ़ेसर दिनेश कुमार
02.	सामाजिक विज्ञान संस्थान	प्रोफ़ेसर जयप्रकाश प्रधान
03.	अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान	प्रोफ़ेसर मनीष
04.	राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान	प्रोफ़ेसर संजय कुमार झा
05.	पर्यावरण एवं सतत् विकास संस्थान	प्रोफ़ेसर आर. वाई. हीरनमई
06.	अनुप्रयुक्त पदार्थ विज्ञान संस्थान	प्रोफ़ेसर प्रकाश सी॰ झा
07.	जीवन विज्ञान संस्थान	प्रोफ़ेसर सीमा रावत
08.	भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान	प्रोफ़ेसर संजीव कुमार दुबे
09.	पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान संस्थान	प्रोफ़ेसर अतनु मोहापात्र, अधिष्ठाता (आई/सी)
10.	नैनो विज्ञान संस्थान	प्रोफ़ेसर पल्लवी शर्मा, अधिष्ठाता (आई/सी)
11.	**शिक्षा संस्थान**	**प्रोफ़ेसर एच॰ बी॰ पटेल**

केंद्र के अध्यक्ष

क्र॰ सं॰	केंद्र	संस्थान	अध्यक्ष का नाम
01.	शोध एवं शिक्षा अध्ययन केंद्र	शिक्षा संस्थान	प्रोफ़ेसर जयेन्द्र कुमार एन. अमीन
02.	अंतरराष्ट्रीय राजनीति केंद्र	अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान	प्रोफ़ेसर मनीष
03.	सुरक्षा अध्ययन केंद्र	राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान	प्रोफ़ेसर संजय कुमार झा
04.	प्रवासी अध्ययन केंद्र	-	प्रोफ़ेसर अतनु मोहापात्र
05.	तुलनात्मक साहित्य एवं अनुवाद अध्ययन केंद्र	भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान	प्रोफ़ेसर बालाजी रंगनाथन
06.	अनुप्रयुक्त रसायन केंद्र	अनुप्रयुक्त पदार्थ विज्ञान संस्थान	प्रोफ़ेसर प्रकाश चंद्र झा
07.	गुजराती भाषा एवं साहित्य केंद्र	भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान	प्रोफ़ेसर राजेश कुमार जेठालाल मकवाना
08.	अर्थशास्त्र एवं योजना अध्ययन केंद्र	सामाजिक विज्ञान संस्थान	प्रोफ़ेसर जय प्रकाश प्रधान
09.	अंग्रेजी अध्ययन केंद्र	भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान	प्रोफ़ेसर अतनु भट्टाचार्या
10.	हिंदी अध्ययन केंद्र	भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान	प्रोफ़ेसर संजीव कुमार दुबे
11.	समाज एवं विकास अध्ययन केंद्र	सामाजिक विज्ञान संस्थान	प्रोफ़ेसर तपस कुमार दलपति

समन्वयकों का विवरण

क्र॰ सं॰	केंद्र का नाम	संस्थान का नाम	समन्वयक का नाम
01.	पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान केंद्र	पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान संस्थान	डॉ॰ मीनाक्षी परमार
02.	विज्ञान, प्रौद्यौगिकी एवं नवाचार नीति अध्ययन केंद्र	सामाजिक विज्ञान संस्थान	डॉ॰ पार्वती के. अय्यर
03.	गांधीवादी विचार एवं शांति अध्ययन केंद्र		डॉ॰ प्रिय रंजन कुमार
04.	सामाजिक प्रबंधन अध्ययन केंद्र		डॉ॰ सोनी कुंजप्पन
05.	सामाजिक कार्य पाठ्यक्रम में स्नातकोत्तर		डॉ॰ सोनी कुंजप्पन
06.	चीनी अध्ययन केंद्र	भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान	डॉ॰ स्वामी कुंदन किशोर
07.	जर्मन अध्ययन केंद्र		सुश्री जसप्रीत कौर लॉयल
0८.	समुद्री सुरक्षा अध्ययन केंद्र	राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान	डॉ. मानसी सिंह
०९.	सामरिक प्रोद्योगिकी अध्ययन केंद्र (साइबर और अंतरिक्ष)		डॉ. श्रीश कुमार तिवारी

अकादमिक और प्राधिकरण विभाग

विभाग का परिचय

अकादमिक, प्राधिकरण और समन्वय विभाग विश्वविद्यालय की अकादमिक नीतियों के निर्माण एवं कार्यान्वयन से संबंधित है। इन नीतियों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, भारत सरकार और साथ ही केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 द्वारा प्रदत्त अधिदेश द्वारा तैयार किया जाता है। यह अकादमिक गतिविधियों एवं विभिन्न प्राधिकरणों आदि से संबंधित विश्वविद्यालय के अध्यादेशों और विधियों के निर्माण, संशोधन, अधिसूचना और आवेदन हेतु प्रत्यक्ष रूप से उत्तरदायी है। एक ब्यूरो के रूप में यह अकादमिक परिषद, कार्यकारी परिषद और कोर्ट आदि की बैठकों से संबंधित सभी कार्यों का समन्वय करता है। इस विभाग का एजेंडा मदम तैयार करना, संकल्पों को दर्ज करना और संकल्पों पर की गई कार्रवाई की रिपोर्ट तैयार करना है। विभाग अनुमोदन प्राप्त करने और उन्हें समय-समय पर रिपोर्ट भेजने संबंधी मुद्दों के लिए विभिन्न संवैधानिक निकायों, व्यावसायिक परिषदों और भारत सरकार के साथ मध्यस्थ के रूप में भी कार्य करता है। प्रोफेसर एच.बी. पटेल, रजिस्ट्रार (ऑफ.) के नेतृत्व में विभाग का प्रबंधन डॉ. हेमांग देसाई, उपसचिव, श्री मुकेश परमार, सहायक सचिव और सहायक द्वारा किया जाता है।

अकादमिक, प्राधिकरण और समन्वय विभाग के कार्य:

- यूजीसी और एमएचआरडी के निर्देशों के अनुसार अकादमिक नीतियों का निर्माण और कार्यान्वयन करना।
- विश्वविद्यालय के अध्यादेशों और विधियों का निर्माण, संशोधन, अधिसूचना और अनुप्रयोग करना।
- विश्वविद्यालय के प्राधिकारियों की बैठकों के लिए कार्यसूची मदों को तैयार करना, संकल्पों को दर्ज करना और संकल्पों पर की गई कार्रवाई रिपोर्ट तैयार करना।
- अन्य मामलों में अनुमोदन प्राप्त करने हेतु विभिन्न संवैधानिक निकायों, व्यावसायिक परिषदों और भारत सरकार के साथ समन्वय करना।
- जन शिकायतों, राजभाषा प्रकोष्ठ, स्वास्थ्य केन्द्र, परियोजना मामले एवं फेलोशिप प्रकोष्ठ से संबंधित प्रशासनिक मामलों पर कार्रवाई करना।
- विश्वविद्यालय के वाहनों, आतिथ्य और यात्रा डेस्क का प्रबंधन करना।

अकादमिक और प्राधिकरण विभाग की प्रमुख गतिविधियाँ:

- विश्वविद्यालय की अकादमिक परिषद् से संबंधित समस्त कार्य।
- विश्वविद्यालय की कार्यकारिणी परिषद से संबंधित समस्त कार्य।
- विश्वविद्यालय के विश्वविद्यालय न्यायालय से संबंधित समस्त कार्य।
- अधिष्ठाता बैठक से संबंधित सभी कार्य।
- एनईपी 2020 के कार्यान्वयन पर विश्वविद्यालय द्वारा की गई एक पहल जैसे समग्र शिक्षा पर अनिवार्य पाठ्यक्रम, बहु-विषयक शिक्षा हेतु दो-दो क्रेडिट के 29 वैकल्पिक पाठ्यक्रम शुरू करना, स्वयं / एमओओसी कार्यक्रमों के लिए क्रेडिट हस्तांतरण की अनुमति देना। साथ ही, राष्ट्रीय अकादमिक डिपॉजिटरी में छात्रों के पुरस्कार जमा करना, इंटर्नशिप / अप्रेंटिसशिप घटक के लिए पाठ्यक्रम संशोधन और इसके स्नातक एवं स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के लिए लर्निंग आउटकम बेस्ड करिकुलम फ्रेमवर्क (एलओसीएफ) पाठ्यक्रम का कार्यान्वयन, अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट के माध्यम से मल्टीपल एंट्री-एक्जिस्ट सिस्टम शुरू करना।

- यूजीसी विनियमों के अनुसार विश्वविद्यालय अध्यादेश समिति के माध्यम से विश्वविद्यालय की अकादमिक नीतियों (विधान, अध्यादेश, नियम, विनियम, आदि) को तैयार करना और कार्यान्वित करना तथा उन्हें भारत के आधिकारिक राजपत्र में अधिसूचित करना।
- भारत और विदेशों में कार्यशाला, संगोष्ठी, सम्मेलनों, औद्योगिक दौरे, कार्यक्षेत्र के दौरे आदि के आयोजन / भाग लेने हेतु संस्थानों / केंद्रों / संकायों से संबंधित प्रक्रिया का अनुमोदन करना।
- अधिष्ठाता, अध्यक्षों, समन्वयकों, आदि की नियुक्ति प्रक्रिया पर कार्य करना।
- संस्थान बोर्ड, केंद्र बोर्ड, CASR, DAIP, IAIP, DSGRC, ISGRC आदि और अकादमिक उद्देश्यों के लिए विभिन्न समितियों का गठन करना।
- विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों/अस्पतालों के साथ विश्वविद्यालय के अकादमिक समझौता ज्ञापनों का प्रबंधन करना।
- पाठ्यक्रम के पुनरीक्षण के लिए अनुमोदन की प्रक्रिया करना और उन्हें अधिसूचित करना।
- अनुसंधान पर्यवेक्षक और संबंधित मामलों की स्वीकृति।
- अल्पकालिक कार्यक्रमों में भाग लेने की अनुमति।
- अतिथि वक्ताओं, अतिथि संकायों आदि को आमंत्रित करने की स्वीकृति।
- जेआरएफ का एसआरएफ का अपग्रेडेशन।
- छात्रों और छात्र अनुशासन से संबंधित सभी अनुमोदन और पत्राचार।
- न्यूएफएमएस पोर्टल पर नॉन-नेट फेलोशिप और सीएसआईआर फेलोशिप की प्रक्रिया संबंधी कार्य करना।
- पोस्ट-डॉक्टरल फेलोशिप (डॉ. अम्बेडकर पोस्ट डॉक्टरल) और डॉक्टरल फेलोशिप (ICSSR और डॉ. अम्बेडकर डॉक्टरल) की प्रक्रिया संबंधी कार्य करना।
- एसएफएमपी पोर्टल पर विभिन्न यूजीसी योजनाओं (यानी नेट जेआरएफ, एनएफओबीसी, मौलाना आजाद राष्ट्रीय फैलोशिप, स्वामी विवेकानंद सिंगल गर्ल चाइल्ड फेलोशिप, एससी के लिए राष्ट्रीय फैलोशिप, एसटी छात्रों के लिए राष्ट्रीय फैलोशिप) प्रक्रिया संबंधी कार्य करना।
- डीएसडब्ल्यू, प्रॉक्टर, प्रोवोस्ट, संपर्क अधिकारी (एससी/एसटी/ओबीसी) और अन्य विभागों/प्रकोष्ठ जैसे आईसीसी, ईओसी, डीएआईपी, डीएसजीआरसी, आईएसजीआरसी, आदि से प्राप्त छात्रों से संबंधित शिकायत मामलों को संसाधित करना।
- यूजीसी, पीजी पोर्टल शिकायत, संसद प्रश्न आदि की शिकायतों से संबंधित मामले।
- प्रशासनिक आवश्यकता के लिए विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र के साथ समन्वय।
- आतिथ्य से संबंधित कर्तव्य और जिम्मेदारियां।
- यूजीसी, एमओई, विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों/प्रकोष्ठों आदि को सूचना प्रस्तुत करना।

प्रशासन एवं स्थापना विभाग

विभाग का परिचय

प्रशासन एवं स्थापना विभाग विश्वविद्यालय के सामान्य प्रशासन, वस्तुओं और सेवाओं की खरीद तथा मानव संसाधन के प्रबंधन संबंधी कार्यों के निष्पादन से संबंधित है। यह सरकार द्वारा उल्लिखित खरीद प्रक्रियाओं के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु प्रत्यक्ष रूप से उत्तरदायी है। यह विभाग, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली द्वारा अधिसूचित प्रशासनिक मुद्दों से संबंधित नियमों का कड़ाई से पालन करना और कर्मचारियों के साथ-साथ संस्थान से संबंधित विभिन्न अभिलेखों को सुरक्षित करना तथा अद्यतन करना भी सुनिश्चित करता है। यह विभाग कैरियर एडवांसमेंट स्कीम (सीएएस), आरक्षण रोस्टर तैयार करने, शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए मूल्यांकन प्रणाली के प्रभावी संचालन, परिसंपत्ति और स्टॉक रखरखाव तथा विभिन्न वैज्ञानिक उपकरणों की खरीद के लिए निविदा प्रक्रिया जैसे कार्यों को भी प्रबंधित करता है। विभाग कुंडेला में विश्वविद्यालय के स्थायी परिसर में बुनियादी ढांचा परियोजना की अवधारणा और कार्यान्वयन में भी शामिल है। माननीय कुलपति के मार्गदर्शन में इस विभाग का नेतृत्व विभागाध्यक्ष डॉ. सत्य प्रकाश उपाध्याय, कुलसचिव (08 मार्च 2022 तक), प्रो. संजय कुमार झा, कुलसचिव (ऑफ.) द्वारा 31 मार्च 2022 तक किया गया। यह विभाग श्री जयप्रकाश एम सोनी, उप कुलसचिव, श्री तरुण कुमार सोनी, सहायक कुलसचिव, एक अनुभाग अधिकारी और एक सहायक के साथ कार्य कर रहा है।

प्रशासन एवं स्थापना विभाग की शासन संरचना निम्नलिखित है:

कुलसचिव

↓

उप-कुलसचिव (प्रशासन)

↓

सहायक कुलसचिव (प्रशासन)

↓

सहायक

↓

प्रशासन एवं स्थापना विभाग के कार्य

विश्वविद्यालय के सुचारू और कुशल संचालन के लिए सामान्य प्रशासन के माध्यम से प्रशासनिक सहायता प्रदान करना।

- सभी संस्थानों एवं केंद्रों में गुणवत्ता युक्त मानव संसाधन उपलब्ध कराना।
- सभी संस्थानों एवं केंद्रों हेतु सामान्य और वैज्ञानिक उपकरणों की खरीद/फरोख्त का कार्य करना।
- सभी कर्मचारियों की सेवाओं और रेकॉर्ड्स का रखरखाव करना।
- उपभोग्य और गैर-उपभोग्य सामग्रियों के रिकॉर्ड की देखभाल करना।
- प्रशासन से संबंधित सभी रेकॉर्ड्स की देखभाल करना।

विभाग की प्रमुख गतिविधियाँ:

मानव संसाधन प्रकोष्ठ

1. संकाय सदस्यों कि सीएएस (CAS) पदोन्नति।

2. गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों के लिए वार्षिक प्रदर्शन मूल्यांकन रिपोर्ट तैयार करना।

3. गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों कि पदोन्नति करना।

4. अतिथि संकायों की नियुक्ति करना।

5. शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों की भर्ती के नियमों में संशोधन करना।

6. पीडब्ल्यूडी के लिए आरक्षण रोस्टर तैयार करना।

महत्त्वपूर्ण निविदाएं :-

1. मानव शक्ति प्रदान करने के लिए एजेंसी की नियुक्ति हेतु निविदा।

2. सुरक्षा सेवाएं प्रदान करने हेतु निविदा।

3. "वेब आधारित ईआरपी/विश्वविद्यालय एकीकृत प्रबंधन प्रणाली (यूआईएमएस) के लिए रुचि की अभिव्यक्ति" के लिए निविदा।

4. वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सॉल्यूशन की आपूर्ति, स्थापना और शुरू करने हेतु निविदा।

5. बोर्ड रूम सेटअप की आपूर्ति, स्थापना और शुरू करने हेतु निविदा।

6. स्टूडियो सेटअप की आपूर्ति, स्थापना और शुरू करने हेतु निविदा।

7. नए परिसर के लिए निरीक्षण वाहन की खरीद हेतु निविदा।

8. मल्टीमोड माइक्रोप्लेट रीडर हेतु निविदा।

9. बेंच-टॉप फ्रीज ड्रायर सिस्टम हेतु निविदा।

10. यूवी-विसिबल स्पेक्ट्रोफोटोमीटर हेतु निविदा।

11. प्रशीतित अपकेंद्र यंत्र हेतु निविदा।

12. जेल (Gel) प्रलेखन प्रणाली हेतु निविदा।

13. सीओ विश्लेषक (एनडीआईआर) हेतु निविदा।

14. रोटरी ईवैपरैटर हेतु निविदा।

15. इमर्शन कूलर हेतु निविदा।

16. इनवर्टेड फ्लूअरेसन्स माइक्रोस्कोप हेतु निविदा।

17. कार्य स्थल हेतु निविदा।

18. पीसीआर मशीन हेतु निविदा।

19. जैव सुरक्षा कैबिनेट हेतु निविदा।

20. शुद्ध और शुद्ध जल शोधन प्रणाली के लिए एकल एकीकृत प्रणाली हेतु निविदा।

21. बेंच-टॉप फ्रीज ड्रायर सिस्टम हेतु निविदा।

22. पीसीआर मशीन हेतु निविदा।

23. सीयूजी के स्थायी परिसर के चरण- I (पैकेज- II) के लिए प्रस्ताव के लिए अनुरोध (आरएफपी)।

महत्त्वपूर्ण समितियाँ:

वार्षिक प्रतिवेदन-2021-22 तैयार करने हेतु समिति का गठन

माननीय कुलपति के निर्देश पर वर्ष 2021-22 के लिए गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय की हिंदी और अंग्रेजी में वार्षिक प्रतिवेदन तैयार करने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की एक समिति गठित की गई है:-

क्रम सं.	नाम	पद
1.	**प्रो. सरिता अग्रवाल,** सीएसईपी, एसएसएस	**अध्यक्ष**
2.	**प्रो. आर. वाई. हीरनमई यादव,** एसईएसडी	**सदस्य**
3.	**प्रो. जी. आर. अंगड़ी,** सीएसआरई, एसओई	**सदस्य**
4.	**डॉ. बिपुल कुमार,** एसोसिएट प्रोफेसर, सीएचएलएल, एसएलएल एंड सीएस	**सदस्य**
5.	**डॉ. शिल्पा एस पोपट,** सहायक प्रोफेसर, एसओई	**सदस्य**
6.	**डॉ. श्रीश कुमार तिवारी,** सहायक प्रोफेसर, सीएसटीटी, एसएनएसएस	**सदस्य**
7.	**डॉ. प्रमोद कुमार तिवारी,** सहायक प्रोफेसर, सीएचएलएल, एसएलएल और सीएस	**सदस्य**
8.	**डॉ गजेंद्र कुमार मीणा,** सहायक प्रोफेसर, सीएचएलएल, एसएलएल और सीएस	**सदस्य**

समिति आवश्यकता के आधार पर किसी भी सदस्य को सहयोजित कर सकती है। समिति को सलाह दी जाती है कि वह शिक्षा मंत्रालय द्वारा निर्धारित समय सारिणी का पालन करे और 15 जून 2022 तक अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत करे।

छात्र अनुशासन समिति का गठन

केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम-2009 की धारा 6(xiii) के साथ पठित परिनियम 28(1) और अध्यादेश संख्या 33 में निहित प्रावधान के अनुसार, सक्षम प्राधिकारी द्वारा एक छात्र अनुशासन समिति का गठन किया गया है। इस समिति के समक्ष एक विद्यार्थिनी की शिकायत से संबंधित आंतरिक शिकायत समिति द्वारा प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। इस समिति में निम्नलिखित सदस्य शामिल हैं:-

क्रम सं.	नाम	टिप्पणी
1.	**प्रो. मनीष,** अधिष्ठाता, एसआईएस, कुलपति द्वारा नामित	अध्यक्ष
2.	**प्रो. एच.बी. पटेल,** छात्र कल्याण अधिष्ठाता	सदस्य
3.	**प्रो. जे.पी. प्रधान,** अधिष्ठाता, एसएसएस	सदस्य
4.	**प्रो. संजीव कुमार दुबे,** अधिष्ठाता, एसएलएल एंड सीएस	सदस्य
5.	**प्रो सीमा रावत,** अधिष्ठाता, एसएलएस और प्रोवोस्ट	सदस्य
6.	**प्रो. राजेश मकवाना,** प्रॉक्टर	सदस्य
7.	**श्री. मुकेश परमार,** सहायक कुलसचिव	सदस्य

संदर्भ की शर्तें: -

(ए) आईसीसी द्वारा प्रस्तुत शिकायत और रिपोर्ट की जांच करना।

(बी) त्रुटि करने वाले छात्र (छात्रों) को सुनवाई का उचित अवसर प्रदान करना।

अनुशासनात्मक समिति से अनुरोध है कि अधिसूचना जारी होने की तिथि से दो सप्ताह के भीतर अनुशासनात्मक कार्रवाई से संबंधित अनुशंसा के साथ अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत करे।

ईडब्ल्यूएस श्रेणी के तहत प्राप्त अनुदान के उपयोग के लिए समिति का गठन

ईडब्ल्यूएस श्रेणी के तहत यूजीसी से प्राप्त अनुदान के नियमानुसार उपयोग के लिए दिशा-निर्देश तैयार करने हेतु निम्नलिखित सदस्यों की एक समिति गठित की जा रही है:-

क्रम सं.	नाम	पद	टिप्पणी
1.	प्रो. संजय कुमार झा	प्रोफ़ेसर	अध्यक्ष
2.	प्रो. एच.बी. पटेल	प्रोफ़ेसर	सदस्य
3.	प्रो. संजीव कुमार दुबे	प्रोफ़ेसर	सदस्य
4.	डॉ. सत्य प्रकाश उपाध्याय	कुलसचिव	सदस्य
5.	श्री मुकेश परमार	सहायक कुलसचिव	सदस्य सचिव

रसायन, प्रयोगशाला, कांच के बने पदार्थ, फिल्टर / फिल्टर पेपर के साथ प्रयोगशाला प्लास्टिक के सामान, लघु उपकरण और विविध वस्तुओं के लिए वार्षिक दर अनुबंध (एआरसी) के लिए विक्रेताओं के पैनल के लिए समिति का गठन

माननीय कुलपति ने अनुबंध की वार्षिक दर (एआरसी) के माध्यम से रसायनों, प्रयोगशाला, कांच के बने पदार्थ, फिल्टर / फिल्टर पेपर के साथ प्रयोगशाला प्लास्टिक के सामान, छोटे उपकरणों और विविध वस्तुओं की आगे की खरीद के लिए नियम एवं शर्तों और दिशानिर्देशों का सुझाव देने के लिए एक समिति का गठन किया है:-

क्र॰ सं॰	नाम और पद	टिप्पणी
1	प्रोफ़ेसर मान सिंह , अधिष्ठाता, एससीएस	अध्यक्ष
2	डॉ॰ भावना पाठक, अधिष्ठाता, एसईएसडी	सदस्य
3	प्रो. दिनेश कुमार, अधिष्ठाता, एससीएस	सदस्य
4	प्रो. सीमा रावत, अधिष्ठाता, एसएलएस	सदस्य
5	डॉ॰ प्रकाश झा, अधिष्ठाता, एसएएमएस	सदस्य
6	प्रो. पल्लवी शर्मा, डीन (आई/सी), एसएनएस	सदस्य
7	श्री डी॰ वी॰ राव, आईएओ (सलाहकार)	सदस्य
7	श्री जयप्रकाश एम॰ सोनी, उप-कुलसचिव (प्रशासन)	सदस्य
8	श्री शमशेर सिंह एआर (एफ़ ईएनडी ए)	सचिव

इसके अतिरिक्त, समिति को सभी संस्थानों/केंद्रों और सीआईएफ की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए विक्रेताओं के पैनल के लिए निविदा तैयार करने और एआरसी को अंतिम रूप देने की आवश्यकता है।

सीयूजी की जलपानगृह (कैंटीन) समिति का गठन

सक्षम प्राधिकारी द्वारा अगले आदेश तक तत्काल प्रभाव से निम्नलिखित सदस्यों वाली एक कैंटीन समिति का गठन किया गया है:-

क्रम सं.	नाम	पद	टिप्पणी
1.	प्रो. एच.बी. पटेल	छात्र कल्याण अधिष्ठाता	अध्यक्ष
2.	प्रो. राजेश मकवाना	अध्यक्ष, सीजीएलएल, एसएलएल और सीएस	सदस्य
	डॉ. तूलिका त्रिपाठी	सहायक प्रोफ़ेसर, सामाजिक विज्ञान संस्थान	
	डॉ. श्रीश कुमार तिवारी	सहायक प्रोफ़ेसर, राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान	
	प्रो. आर.वाई. हीरनमयी	प्रोफेसर, पर्यावरण एवं सतत विकास संस्थान	
3.	डॉ. ईश्वरैया बेगरी	सहायक प्रोफ़ेसर, अनुप्रयुक्त पदार्थ विज्ञान संस्थान	सदस्य
	डॉ. राजेश सिंह	सहायक प्रोफ़ेसर, पर्यावरण सतत विकास संस्थान	
	श्री पवन पाठक	कार्यपालक अभियंता	
4.	डॉ. मीनाक्षी परमार	छात्र कल्याण उप-अधिष्ठाता	सदस्य
5.	श्री वरुण प्रताप सिंह	संयोजक छात्र परिषद	सदस्य

समिति का कार्य नियम व शर्तों के अनुसार कैंटीन के कामकाज की देखरेख करना है। छात्रों द्वारा कैंटीन में भोजन की गुणवत्ता और मात्रा तथा अन्य संबंधित मुद्दे उठाए गए।

पुस्तकालय के कार्य-समय/खुले रहने के समय की समीक्षा के लिए समिति का गठन

पुस्तकालय के कार्य-समय/खुले रहने के समय की समीक्षा हेतु एतद्द्वारा एक समिति का गठन किया गया है। समिति पुस्तकालय के विभिन्न हितधारकों के साथ इसके खुलने के समय और उपयोगिता के बारे में चर्चा करेगी और अपनी अनुशंसाएं अधोहस्ताक्षरी को यथाशीघ्र प्रस्तुत करेगी:-

क्र॰ सं॰	नाम और पद	टिप्पणी
1	प्रोफ़ेसर भावना पाठक, अधिष्ठाता, एसईएसडी	अध्यक्ष
2	प्रोफ़ेसर एच. बी. पटेल, छात्र कल्याण अधिष्ठाता	सदस्य
3	प्रोफ़ेसर जयप्रकाश प्रधान, अधिष्ठाता, एसएसएस	**सदस्य**
4	डॉ. ज़किया फिरदौस, सहायक प्रोफ़ेसर, एसएलएल और सीएस	**सदस्य**
5	डॉ॰ धनंजय राय, सहायक प्रोफ़ेसर, एसएसएस	**सदस्य**

स्थायी परिसर हेतु वास्तुकला परामर्श सेवाओं के प्रस्ताव के लिए अनुरोध (आरएफपी) तैयार करने संबंधी समिति का गठन

सक्षम प्राधिकारी द्वारा प्रस्ताव के लिए अनुरोध (आरएफपी) तैयार करने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की एक समिति का गठन किया गया है। इस समिति का कार्य कुंडेला गांव, तालुका दभोई, जिला वडोदरा में चरण- I (पैकेज- II), आवासीय, छात्र छात्रावास, अतिथि गृह और कुछ विकास कार्य) में विश्वविद्यालय के स्थायी परिसर की मुख्य योजना (मास्टर प्लान) तैयार करने हेतु वास्तुकला परामर्श सेवाप्रदाताओं की भर्ती के लिए आवेदनों और वास्तुकला डिजाइन के व्यापक चित्रांकन की जांच करना है।

क्र॰ सं॰	नाम एवं पद	टिप्पणी
1	श्री विशाल व्यास, मुख्य वास्तुकार, गुजरात सरकार	अध्यक्ष
2	प्रो. प्रीति शाह, प्राचार्य, SMAID, न्यू विद्यानगर, आणंद	सदस्य
3	प्रो. (डॉ.) यू डी पटेल, प्रोफेसर और प्रमुख, सिविल इंजीनियरिंग विभाग, प्रौद्योगिकी और इंजीनियरिंग संकाय, एम.एस. बड़ौदा विश्वविद्यालय	सदस्य
4	श्री डी. वी. राव, सलाहकार आईएओ	सदस्य
5	श्री एस सम्मुग्नाथन, सलाहकार अभियंता (सिविल)	सदस्य
6	श्री जयप्रकाश एम सोनी, उप कुलसचिव	सदस्य
7	श्री तरुण के. सोनी, सहायक कुलसचिव	सदस्य
8	सुश्री मोहिनी रहपड़े, वास्तुकार, सीपीडब्ल्यूडी मुंबई	सदस्य
9	श्री पवन पाठक, कार्यपालक अभियंता	सदस्य सचिव

GeM के माध्यम से खरीद के लिए समिति का गठन

माननीय कुलपति ने मूल्य तर्कसंगतता, उत्पाद की गुणवत्ता को सत्यापित करने के लिए निम्नलिखित सदस्यों वाली एक समिति का गठन किया है। यदि आवश्यक हो तो समिति छह माह (30 सितंबर 2021 से प्रभावी) की अवधि के लिए जेम (**GeM**) के माध्यम से वस्तुओं की खरीद हेतु उपलब्ध प्रतिवर्ती नीलामी आरंभ कर सकती है और अन्य साधनों का प्रयोग कर सकती है।

1.	श्री जयप्रकाश एम सोनी, उप कुलसचिव (प्रशासन) – सदस्य
2.	डॉ. राजेश सिंह, सहायक प्रोफेसर, एसईएसडी - सदस्य
3.	श्री तरुण कुमार सोनी, सहायक कुलसचिव (प्रशासन) - सदस्य
4.	श्री शमशेर सिंह, सहायक कुलसचिव (वित्त एवं लेखा विभाग) - सदस्य
5.	श्री. डी. वी. राव, आईएओ (अनुबंध पर) - सदस्य
6.	6. उपयोगकर्ता विभागों/संस्थानों/केन्द्रों/अनुभागों से एक सदस्य

उपरोक्त सदस्यों से अनुरोध है कि खरीद और अधिप्राप्ति के लिए जीएफआर-2017 और विश्वविद्यालय के नियमों का पालन करें।

वैज्ञानिक उपकरणों के तकनीकी विनिर्देश के मूल्यांकन के लिए तकनीकी समिति का गठन

माननीय कुलपति ने छह माह की अवधि (30 सितंबर 2021 से प्रभावी) के लिए निम्नलिखित सदस्यों को शामिल कर के एक तकनीकी समिति का गठन किया है।

1. प्रो. मान सिंह, एससीएस - अध्यक्ष
2. प्रो. सीमा रावत, अधिष्ठाता, एसएलएस - सदस्य
3. प्रो. भावना पाठक, अधिष्ठाता, एसईएसडी - सदस्य
4. प्रो. दिनेश कुमार, अधिष्ठाता, एससीएस - सदस्य
5. प्रो. पल्लवी शर्मा, अधिष्ठाता, एसएनएस - सदस्य

तकनीकी समिति वैज्ञानिक उपकरणों से संबंधित 2.5 लाख रुपये से अधिक मूल्य की सभी खरीद हेतु तकनीकी विनिर्देश का मूल्यांकन करेगी। समिति कार्य विवरण एवं तुलनात्मक विवरण के साथ वित्तीय बोली खोलने के लिए विश्वविद्यालय खरीद समिति को अनुशंसा करेगी।

उपयोगकर्ता विभाग वैज्ञानिक उपकरणों की खरीद प्रक्रिया के सुचारू संचालन के लिए तकनीकी समिति के साथ समन्वय कर सकता है।

समिति इस संबंध में जीएफआर 2017, एमएचआरडी, यूजीसी और विश्वविद्यालय के नियमों का पालन करेगी।

विश्वविद्यालय क्रय समिति का गठन

संस्थानों, केंद्रों और अन्य विभागों की खरीद आवश्यकताओं को सरल बनाने हेतु माननीय कुलपति के आदेश से एक विश्वविद्यालय खरीद समिति का गठन किया गया है जिसमें निम्नलिखित सदस्यों को शामिल किया गया है। समिति का गठन छह माह की अवधि (30 सितंबर 2021 से प्रभावी) के लिए किया गया है।

1. प्रो. संजय कुमार झा, अधिष्ठाता, एसएनएसएस - अध्यक्ष
2. प्रो. (डॉ.) एच.बी. पटेल, प्रोफेसर और अधिष्ठाता, एसओई - सदस्य
3. प्रो. अतनु मोहापात्र, अध्यक्ष, सीडीएस - सदस्य
4. डॉ. सत्य प्रकाश उपाध्याय, कुलसचिव- सदस्य
5. श्री. डी. वी. राव, आईएओ (अनुबंध पर) - सदस्य
6. श्री जयप्रकाश एम. सोनी, उप कुलसचिव (प्रशासन) – संयोजक

समिति स्थानीय क्रय समिति की सीमा से अधिक 2,50,000/- रुपये (दो लाख पचास हजार) से अधिक की वस्तुओं, सेवाओं की खरीद के लिए उत्तरदायी होगी। समिति समय-समय पर सक्षम प्राधिकारी के आदेश द्वारा जारी जीएफआर-2017, विश्वविद्यालय के नियमों और दिशा-निर्देशों के अनुसार खरीद की प्रक्रिया शुरू करेगी। संदर्भ के लिए जीएफआर-2017 के प्रासंगिक पृष्ठ इसके साथ संलग्न हैं।

सामान्य वस्तुओं की अधिप्राप्ति के लिए स्थानीय क्रय समिति का गठन

संस्थानों, केन्द्रों एवं अन्य विभागों की क्रय आवश्यकताओं को सुचारु बनाने के लिए सामान्य वस्तुओं की अधिप्राप्ति हेतु माननीय कुलपति के आदेश से निम्नलिखित सदस्यों की एक स्थानीय क्रय समिति गठित की गई है। समिति का गठन छह महीने की अवधि (30 सितंबर 2021 से प्रभावी) के लिए किया गया है।

1. श्री जयप्रकाश एम. सोनी, उप कुलसचिव (प्रशासन) - संयोजक
2. डॉ. अजयसिंह चौहान, एसोसिएट प्रोफेसर, सीजीएलएल, एसएलएल एंड सीएस - सदस्य
3. डॉ. तूलिका त्रिपाठी, सहायक प्रोफेसर, सीएसईपी, एसएसएस - सदस्य
4. श्री मुकेश परमार, सहायक कुलसचिव (अकादमिक) – सदस्य

समिति द्वारा सक्षम प्राधिकारी के उचित अनुमोदन के बाद खरीद की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। क्रय प्रक्रिया जीएफआर-2017, समय-समय पर सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी दिशा-निर्देशों एवं विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार होगी। संदर्भ के लिए जीएफआर-2017 के प्रासंगिक पृष्ठ इसके साथ संलग्न हैं।

अनुरक्षण संबंधी मदों की अधिप्राप्ति के लिए स्थानीय क्रय समिति का गठन

संस्थानों, केन्द्रों एवं अन्य विभागों की क्रय आवश्यकताओं को सुचारु बनाने के लिए माननीय कुलपति के आदेश से अनुरक्षण संबंधी मदों के क्रय हेतु एक स्थानीय क्रय समिति का गठन किया गया है। इस समिति में निम्नलिखित सदस्यों को शामिल किया गया है। समिति का गठन छह महीने की अवधि (30 सितंबर 2021 से प्रभावी) के लिए किया गया है।

1. श्री जयप्रकाश एम. सोनी, उप कुलसचिव (प्रशासन) - संयोजक
2. श्री शमशेर सिंह, सहायक कुलसचिव (वित्त एवं लेखा) - सदस्य
3. डॉ. जयेंद्रकुमार एन. अमीन, एसोसिएट प्रोफेसर, एसओई - सदस्य
4. डॉ. श्रीश कुमार तिवारी, सहायक प्रोफेसर, एसएनएसएस – सदस्य

समिति द्वारा सक्षम प्राधिकारी के उचित अनुमोदन के बाद खरीद की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। क्रय प्रक्रिया जीएफआर-2017, समय-समय पर सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी दिशा-निर्देशों एवं विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार होगी।

केंद्रीय उपकरणीकरण सुविधा (सीआईएफ) उपकरणों के प्रभारी संकाय का पुन: आवंटन

सक्षम प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित संकाय सदस्यों को सीआईएफ के संबंधित उपकरणों के प्रभारी के रूप में नामित किया गया है। सक्षम प्राधिकारी उपकरण के कामकाज में हर तरह से समर्थन करेगा और सभी नमूनों का विश्लेषण भी सुनिश्चित करेगा चाहे वह आंतरिक हो या बाहरी: -

क्रम सं.	उपकरण का नाम	मॉडल नंबर और निर्माणकर्ता	संकाय प्रभारी
1.	इंडक्टिवली कपल्ड प्लाज्मा ऑप्टिकल एमिशन स्पेक्ट्रोमीटर (ICP-OES)	मॉडल: 7300DV, निर्माणकर्ता: पर्किन एल्मर	डॉ. राजेश सिंह, सहायक प्रोफेसर, एसईएसडी
2.	५०० मेगाहर्ट्ज फूरियर-ट्रांसफॉर्म न्यूक्लियर मैग्नेटिक रेजोनेंस (एफटी-एनएमआर)	मॉडल: SP-65, निर्माणकर्ता: पर्किन एल्मर	डॉ. गुरुराजा जी.एन., सहायक प्रोफेसर, एससीएस
3.	डायनेमिक लाइट स्कैटरिंग (DLS)	मॉडल: NPA152-31A-0000-000-90M, निर्माणकर्ता: मेट्रोहम	डॉ. हितेश कुल्हारी, सहायक प्रोफेसर, एसएनएस
4.	स्कैनिंग ऑफ़ इलेक्ट्रॉन केमिकल माइक्रोस्कोप (एसईसीएम)	मॉडल: CHI920D, निर्माणकर्ता: सीएच इंस्ट्रूमेंट	प्रो. दिनेश कुमार, प्रोफेसर, एससीएस
5.	थर्मो ग्रेविमेट्रिक एंड डिफरेंशियल थर्मल एनालिसिस (टीजी/डीटीए)	मॉडल: TG/DTA7300 निर्माणकर्ता: एक्सस्टार	डॉ धनंजय मंडल, सहायक प्रोफेसर, एससीएस
6.	डिफरेंशियल स्कैनिंग कैलोरीमेट्री (डीएससी)	मॉडल: DSC 6000 निर्माणकर्ता: पर्किन एल्मर	डॉ. चारु लता दुबे, सहायक प्रोफेसर, एसएनएस
7.	फ्लूअरेसन्स माइक्रोस्कोप	मॉडल: BX 53 निर्माणकर्ता: ओलिंपस	डॉ. सुनीता पटेल, सहायक प्रोफेसर, एसएलएस
8.	एटॉमिक अब्सॉर्प्शन स्पेक्ट्रोफोटोमीटर (एएएस)	मॉडल: ICE3300, निर्माणकर्ता: थर्मो साइंटिफिक	डॉ. राजेश सिंह, सहायक प्रोफेसर, एसईएसडी

क्रम सं.	उपकरण का नाम	मॉडल नंबर और निर्माणकर्ता	संकाय प्रभारी
9.	अल्ट्रा-सेन्ट्रफ्यूज	मॉडल: CS120GXII, निर्माणकर्ता: हिताची	प्रो. सीमा रावत, प्रोफेसर, एसएलएस
10.	ब्रूनौएर एम्मेट टेलर (बीईटी) भूतल क्षेत्र विश्लेषक	मॉडल: सर्फर सिस्टम-स्टैंडर्ड, निर्माणकर्ता: थर्मो साइंटिफिक	डॉ. राजेश सिंह, सहायक प्रोफेसर, एसईएसडी
11.	डीएनए सीक्वेंसर	मॉडल: AB 3500, निर्माणकर्ता: एप्लाइड बायो-सिस्टम	प्रो. सीमा रावत, प्रोफेसर, एसएलएस
12.	हाई रेसोल्यूशन ट्रांसमिशन इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप (एचआर-टीईएम)	मॉडल JEOL JEM 2100 TEM HR LaB6 संस्करण, निर्माणकर्ता: JEOL	डॉ. मनु शर्मा, सहायक प्रोफेसर, एसएनएस डॉ. चारु लता दुबे, सहायक प्रोफेसर, एसएनएस
13.	पाउडर एक्सआरडी (पी-एक्सआरडी)	मॉडल: ब्रकर AXS D8 फोकस P-XRD, निर्माणकर्ता: ब्रकर	डॉ. चारु लता दुबे, सहायक प्रोफेसर
14.	फास्ट प्रोटीन लिक्विड क्रोमैटोग्राफी (FPLC)	मॉडल: अक्ता प्यूरीफायर, निर्माणकर्ता: जीई हेल्थकेयर बायोसाइंसेज	डॉ. अंजू पप्पचन, सहायक प्रोफेसर, एसएलएस
15.	रीयल टाइम पीसीआर (आरटी-पीसीआर)	मॉडल: AB 7500, निर्माणकर्ता: एप्लाइड बायो-सिस्टम	प्रो. सीमा रावत, प्रोफेसर, एसएलएस
16.	स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप (SEM)	मॉडल: EVO 18, निर्माणकर्ता: कार्ल जीस	डॉ. राजेश वसीता, सहायक प्रोफेसर, एसएलएस डॉ. मनु शर्मा, सहायक प्रोफेसर, एसएनएस
17.	इलेक्ट्रॉन स्पेक्ट्रोस्कोपी फॉर केमिकल एनालिसिस (ESCA)	मॉडल: B002961 ESCA + बेस सिस्टम, निर्माणकर्ता: ओमिक्रोन	प्रो. दिनेश कुमार, प्रोफेसर, एससीएस
18.	लिक्विड क्रोमैटोग्राफी-मास स्पेक्ट्रोमेट्री (एलसी/एमएस-क्यूटीओएफ)	मॉडल: एडवांस वर्जन LC/MS – QTOF, निर्माणकर्ता: एगिलेंट	डॉ. एल. राजू चौहान, सहायक प्रोफेसर, एस एएमएस
19.	एलिमेंटल एनालाइजर (सीएचएनएस/ओ)	मॉडल: यूरो ईए 3000, निर्माणकर्ता: यूरो-वेक्टर	डॉ. धनंजय मंडल, सहायक प्रोफेसर, एससीएस
20.	गैस क्रोमैटोग्राफी (जीसी)	मॉडल: GC CERES 800 Plus, निर्माणकर्ता: थर्मो साइंटिफिक	डॉ. धीरज राठौर, सहायक प्रोफेसर, एसईएसडी
21.	कन्फोकल लेजर स्कैनिंग माइक्रोस्कोप (CLSM)	मॉडल: LSM 780, निर्माणकर्ता: जेइस	डॉ. राजेश वसीता, सहायक प्रोफेसर, एसएलएस

क्रम सं.	उपकरण का नाम	मॉडल नंबर और निर्माणकर्ता	संकाय प्रभारी
22.	सिंगल क्रिस्टल एक्सआरडी (एससी-एक्सआरडी)	मॉडल: AXS D8 वेंचर SC-XRD, निर्माणकर्ता: बर्कर	डॉ. गुरुराजा जी.एन., सहायक प्रोफेसर, एस.सी.एस
23.	फ्लूअरेसन्स-एक्टिवेटेड सेल सोर्टिंग (FACS)	मॉडल: BD- FACS एरिया निर्माणकर्ता: बीडी बायोसाइंसेज	डॉ. राजेश वसीता, सहायक प्रोफेसर, एसएलएस
24.	हाई परफॉरमेंस लिक्विड क्रोमैटोग्राफी (एचपीएलसी)	मॉडल: FX-6, निर्माणकर्ता: पर्किन एल्मर	डॉ. पंचमी प्रभाकरण, सहायक प्रोफेसर, एससीएस
25.	एटॉमिक फ़ोर्स माइक्रोस्कोप (एएफएम)	मॉडल: XE-70, निर्माणकर्ता: पार्क सिस्टम	डॉ. उमेश कुमार, सहायक प्रोफेसर, एसएनएस
26.	एडवांस्ड पोटेंशियोस्टेट	मॉडल: 1.848.0010- टिट्रिनो प्लस, निर्माणकर्ता: मेट्रोहम	प्रो. दिनेश कुमार, प्रोफेसर, एससीएस
27.	ओजोन जेनरेटर	मॉडल ओजोन मॉड्यूल, निर्माणकर्ता: थेल्स नैनो	प्रो. आर.वाई. हीरनमई प्रोफेसर, एसईएसडी
28.	कुल कार्बनिक कार्बन (टीओसी)	मॉडल: मल्टी एन/सी 3100, निर्माणकर्ता: एनालिटिकजेना	प्रो. दिनेश कुमार, प्रोफेसर, एससीएस डॉ. धीरज राठौर, सहायक प्रोफेसर, एसईएसडी
29.	यूवी-विज़िबल स्पेक्ट्रोफोटोमीटर	मॉडल: 2060+, निर्माणकर्ता: एनालिटिकल	प्रो. दिनेश कुमार, प्रोफेसर, एससीएस
30.	पोलोरिमीटर	मॉडल: MCP 200 निर्माणकर्ता: एंटोन पार	डॉ. एल. राजू चौहान, सहायक प्रोफेसर, एसएएमएस
31.	हाई स्पीड सेंट्रीफ्यूज हिताची	मॉडल: CR22GXIII निर्माणकर्ता:	डॉ. अंजू पप्पचन, सहायक प्रोफेसर, एसएलएस
32.	रेफ्रेक्टोमीटर इंडेक्स (आरआई)	मॉडल J257 क्रम संख्या: 13760G	प्रो. दिनेश कुमार, प्रोफेसर, एससीएस
33.	पोरोसिमीटर	मॉडल: पास्कल 140 सीरीज, निर्माणकर्ता: थर्मो साइंटिफिक	डॉ. धीरज राठौर, सहायक प्रोफेसर, एसईएसडी
34.	मैट्रिक्स-असिस्टेड लेजर डिसोर्शन/ आइअनाइज़ेशन (MALDI-TOF)	मॉडल: ऑटोफ्लेक्स स्पीड, निर्माणकर्ता: ब्रकर	प्रो. पल्लवी शर्मा, प्रोफेसर, एसईएसडी डॉ. पंचमी प्रभाकरण, सहायक प्रोफेसर, एससीएस
35.	फूरियर ट्रांसफॉर्म इन्फ्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी (FTIR)	मॉडल: SP-65, निर्माणकर्ता: पर्किन एल्मर	डॉ. डी.वी. लेनिन, सहायक प्रोफेसर, एससीएस
36.	थिन लेयर क्रोमैटोग्राफी (एचपी-टीएलसी)	मॉडल: लिनोमैट 5, निर्माणकर्ता: कैमाग (CAMAG)	प्रो. भावना पाठक, प्रोफेसर, एसईएसडी डॉ. पॉलामी साहू, सहायक प्रोफेसर, एसईएसडी

उपरोक्त संकाय सदस्य उन्हें आवंटित उपकरणों के रखरखाव, अनुरक्षण व्यय के लिए भी उत्तरदायी होंगे। जब भी कोई परीक्षण किया जाता है या कोई सेवा ली जाती है अथवा खराबी आती है तो कार्यपंजी (लॉग बुक) में प्रविष्टियां करने के लिए भी संकाय जिम्मेदार होंगे। वे नोडल अधिकारी, सीआईएफ को मासिक रिपोर्ट भी प्रस्तुत करेंगे।

गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय की आंतरिक राजस्व सृजन समिति (आईआरजी) का गठन

आईआरजी व्यय के लिए दिशानिर्देश तैयार करने हेतु निम्नलिखित सदस्यों की एक समिति गठित की गई है: -

क्रम सं.	नाम एवं पद	टिप्पणी
1.	प्रो. संजय कुमार झा, अधिष्ठाता, एसएनएसएस	अध्यक्ष
2.	प्रो. मनीष, अधिष्ठाता, एसआईएस	सदस्य
3.	डॉ. सत्य प्रकाश उपाध्याय, कुलसचिव	सदस्य
4.	श्री जयप्रकाश सोनी, उप कुलसचिव (प्रशासन)	सदस्य

वित्त एवं लेखा विभाग समिति का सहयोग करेगा। समिति से अनुरोध है कि यह ध्यान में रखते हुए कि आईआरजी भी आवर्ती अनुदान का एक भाग है, जीएफआर-2017 के अनुसार एक सप्ताह के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

विश्वविद्यालय भवन समिति का पुनर्गठन

उपरोक्त संदर्भ 4 के तहत उल्लिखित अधिसूचना में आंशिक संशोधन और माननीय कुलपति द्वारा अनुमोदन के रूप में, **विश्वविद्यालय भवन समिति** का पुनर्गठन किया गया है। अब विश्वविद्यालय भवन समिति का गठन तत्काल प्रभाव से अगले आदेश तक निम्नानुसार रहेगा:-

5.5 विश्वविद्यालय भवन समिति की संरचना

1.	कुलपति – अध्यक्ष	प्रो. रमा शंकर दुबे
2.	विश्वविद्यालय की योजना परिषद् के एक प्रतिनिधि	मनोनीत किया जाना है
3.	उपयोगकर्ता विभाग से एक प्रतिनिधि	उपयोगकर्ता विभाग से एक प्रतिनिधि जब भी आवश्यकता हो
4.	कुलपति द्वारा नामित विश्वविद्यालय के दो प्रोफेसर/एसोसिएट प्रोफेसर	प्रो. मान सिंह, अधिष्ठाता, एससीएस प्रो. संजय के. झा, अधिष्ठाता, एसआईएस
5.	विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी	वित्त अधिकारी
6.	विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग कॉलेज के प्राचार्य या सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्रमुख (जहां ये मौजूद हैं), अन्यथा निकटतम विश्वविद्यालय / कॉलेज से समान पद का व्यक्ति	प्रो. (डॉ.) यू.डी. पटेल, प्रोफेसर और प्रमुख, सिविल अभियंत्रण विभाग, प्रौद्योगिकी और अभियांत्रिकी संकाय, एम एस यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा।
7.	केंद्रीय लोक निर्माण विभाग/ राज्य लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता (सिविल) या उनके प्रतिनिधि जो अधीक्षण अभियंता के पद से निम्न पद पर न पदस्थ हों	श्री राजीव शर्मा, मुख्य अभियंता, केंद्रीय लोक निर्माण विभाग, गांधीनगर

8.	केंद्रीय लोक निर्माण विभाग/ राज्य लोक निर्माण विभाग/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के एक सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता/अधीक्षण अभियंता (सिविल)	श्री पी एम पटेल, सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता, सरदार सरोवर नर्मदा निगम लिमिटेड, गुजरात सरकार
9.	केंद्रीय लोक निर्माण विभाग/ राज्य लोक निर्माण विभाग के अधीक्षण/कार्यकारी अभियंता (विद्युत)	श्री के के ओझा, अधीक्षण अभियंता, आर एंड बी विभाग, गुजरात सरकार
10.	केंद्रीय लोक निर्माण विभाग/ राज्य लोक निर्माण विभाग के अधीक्षण/कार्यकारी अभियंता (जन स्वास्थ्य)	श्री एम. पी. त्रिवेदी, अधीक्षण अभियंता, आर एंड बी विभाग, गुजरात सरकार
11.	विश्वविद्यालय के अभियंता	श्री पवन पाठक, कार्यकारी अभियंता, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
12.	विश्वविद्यालय के वरिष्ठतम वास्तुकार (जहां यह स्थित है), अन्यथा एक मुख्य वास्तुकार या निकटतम विश्वविद्यालय / कॉलेज से समान पद का व्यक्ति।	प्रो. प्रीति शाह, प्राचार्य, SMAID, न्यू विद्यानगर, आणंद
13.	मुख्य वास्तुकार/उप मुख्य वास्तुकार या केंद्रीय या राज्य विभाग से समकक्ष वर्ग का व्यक्ति	श्री विशाल व्यास, मुख्य वास्तुकार, गुजरात सरकार
14.	विश्वविद्यालय के वरिष्ठतम भूनिर्माण विशेषज्ञ (जहां यह स्थित है), अन्यथा किसी निकटतम संस्थान / सरकारी विभाग / सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम से या सीमित अवधि के लिए विश्वविद्यालय द्वारा एक सलाहकार के रूप में नियुक्त किया जाना	श्री कर्मवीर घाटगे, सलाहकार, लैंडस्केप आर्किटेक्ट, वडोदरा
15.	विश्वविद्यालय के कुलसचिव	सदस्य सचिव
16.	भवन समिति की बैठक आयोजित करने हेतु भवन समिति के सदस्यों में से आधे सदस्यों के उपस्थित होने से गणपूर्ति होगी। यद्यपि, कम से कम दो इंजीनियर और एक वास्तुकार की उपस्थिति अनिवार्य है।	
17.	७५.०० लाख रुपये से अधिक की लागत के निर्माण/नवीकरण/मरम्मत के प्रस्ताव स्थायी समिति द्वारा जांच के लिए यूजीसी को भेजे जाएंगे।	

भवन समिति विभिन्न भवन परियोजना प्रस्तावों की योजनाओं और अनुमानों को अंतिम रूप देने हेतु उत्तरदायी होगी। यह समिति अनुमोदित योजनाओं एवं अनुमानों के अनुसार भवन निर्माण पूरा करने तथा निधियों के उचित उपयोग को सुनिश्चित करने की भी ज़िम्मेदारी निभाएगी

भवन निर्माण समिति को निम्नलिखित भी सुनिश्चित करना चाहिए:-

1. गुणवत्तापूर्ण वास्तुकार और गुणवत्तापूर्ण अभियंता वास्तु संबंधी कार्यों में गुणवत्ता से समझौता किए बिना अनावश्यक उच्च लागत विकल्पों से इतर परियोजना की लागत कम करने हेतु मूल्य वास्तुकला का सुझाव देते हैं। गुणवत्तापूर्ण अभियंता का लक्ष्य भी इसी उद्देश्य को प्राप्त करना है।
2. मुख्य योजना (मास्टर प्लान) में न केवल तात्कालिक आवश्यकताओं का ध्यान रखा जाता है बल्कि विविध और अप्रत्याशित आवश्यकताओं के लिए भविष्य के विस्तार के दायरे पर भी ध्यान दिया जाता है।

3. परियोजना के कार्यान्वयन को उचित रूप से प्राथमिकता दी जाती है ताकि शुरूआती चरणों में केवल आवश्यक कार्य ही किए जा सकें, उदाहरण के लिए: अध्यापन कक्ष, छात्रावास, संकाय निवास आदि जैसी शिक्षण-अधिगम अवसंरचना का निर्माण। यह कुछ मॉड्यूलर डिजाइनों पर भी विचार कर सकता है, जिन्हें भविष्य में आवश्यकता के अनुसार धीरे-धीरे विस्तारित किया जा सके।
4. संकाय निवास तत्काल आवश्यकता के अनुसार ही होना चाहिए।
5. अतिथि कक्ष (गेस्ट हाउस) बहुत बड़ा नहीं होना चाहिए क्योंकि उसका बहुत कम उपयोग किया जाता है।
6. भूनिर्माण, बागवानी, वानिकी आदि के विशेषज्ञों को शामिल करते हुए पूरे परिसर के लिए एक 'वृक्षारोपण मास्टर प्लान', जहाँ भी संभव हो, अधिक से अधिक संख्या में पेड़ और पौधे लगाने के लिए तैयार करने का कार्य शामिल है, उदाहरण के लिए चारदीवारी/सड़कों/पटरियों के साथ-साथ खाली स्थानों का ध्यान रखना जिनका उपयोग किसी अन्य उद्देश्य के लिए नहीं किया जाना है।
7. हरित भवन की अवधारणा को अपनाया जाए ताकि प्रस्तावित भवनों में बिजली की कम खपत हो। सौर ऊर्जा के उपयोग को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।
8. योजना में वर्षा जल संचयन और अपशिष्ट जल पुनर्चक्रण शामिल होना चाहिए।
9. किसी भी घटक पर कोई फालतू खर्च न हो इसका ध्यान रखना चाहिए।

सीयूजी की विश्वविद्यालय भवन समिति, पूरी तरह से जांच के बाद, विशिष्ट परियोजनाओं को उनकी लागत और पूरा होने तक धन की त्रैमासिक/वार्षिक आवश्यकता के साथ परियोजना शुरू करने के लिए उचित प्रकार की प्राथमिकता और सिफारिश कर सकती है।

विश्वविद्यालय निर्माण समिति की सिफारिश के बाद, विश्वविद्यालय इन विशिष्ट भवन परियोजनाओं के प्रस्ताव को वित्त समिति के समक्ष अनुमोदन के लिए प्रस्तुत करता है। वित्त समिति के अनुमोदन के पश्चात्, विश्वविद्यालय इसे कार्यकारी परिषद के समक्ष उसकी मंजूरी के लिए रखता है। इसके बाद इन प्रस्तावों को यूजीसी की स्थायी समिति द्वारा जांच और वित्त पोषण के लिए भेजा जाता है। यूजीसी की स्थायी समिति के एक या अधिक सदस्य निधि स्वीकृत करने से पहले परियोजना स्थलों के निरीक्षण हेतु साइट का दौरा करते हैं।

वित्त मंत्रालय के निर्देशों के अनुसार यूजीसी का संबंधित ब्यूरो केवल परियोजनावार धनराशि स्वीकृत करेगा, न कि एकमुश्त धनराशि स्वीकृत करेगा। साथ ही, उपयोग के आधार पर मासिक/तिमाही रूप में परियोजना-वार धनराशि जारी करेगा। यूजीसी की स्थायी समिति की अनुमति से ही एक परियोजना से दूसरी परियोजना में निधि का हस्तांतरण किया जाएगा।

"आज़ादी का अमृत महोत्सव" - फिट इंडिया फ्रीडम रन 2.0 के लिए समिति का गठन

फिट इंडिया फ्रीडम रन 2.0 की गतिविधियों की योजना बनाने हेतु निम्नलिखित सदस्यों को शामिल करते हुए एक समिति का गठन किया गया है। फिट इंडिया फ्रीडम रन 2.0 संबंधी गतिविधियों को आयोजित किया जाएगा और लोकप्रिय बनाया जाएगा:

क्रम सं.	नाम एवं पद	टिप्पणी
1.	प्रो. अतनु मोहापात्र, अध्यक्ष, सीडीएस	अध्यक्ष
2.	डॉ. रजनीश गुप्ता, सहायक प्रोफेसर, एनएसएस समन्वयक	सदस्य
3.	श्री आलोक कुमार पाण्डेय, योग प्रशिक्षक (अनुबंध पर)	समन्वयक

गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के समान अवसर प्रकोष्ठ का पुनर्गठन

उपरोक्त संदर्भ 4 के तहत उल्लिखित अधिसूचना में आंशिक संशोधन और माननीय कुलपति के अनुमोदन से प्रोफेसर राजेश मकवाना, अध्यक्ष, गुजराती भाषा और साहित्य केंद्र, भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान को अगले आदेश तक तत्काल प्रभाव से समान अवसर प्रकोष्ठ के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है।। अब समिति की संरचना इस प्रकार है:-

1. प्रो. राजेश मकवाना, सीजीएल एंड एल, एसएलएल एंड सीएस - अध्यक्ष

2. प्रो. मान सिंह, अधिष्ठाता - एससीएस

3. डॉ. जकिया फिरदौस, सहायक प्रोफेसर - एसएलएल और सीएस

4. डॉ. इश्मीत कौर चौधरी, सहायक प्रोफेसर - एसएलएल और सीएस

5. डॉ. जयश्री अंबेवाड़ीकर, सहायक प्रोफेसर, एसएसएस

6. डॉ. शिजू सैम वर्गीज़, सहायक प्रोफेसर, एसएसएस

7. डॉ. धीरज राठौर, सहायक प्रोफेसर, एसईएसडी

8. डॉ. प्रियरंजन कुमार, सहायक प्रोफेसर, एसएसएस

9. डॉ. गजेंद्र कुमार मीणा, सहायक प्रोफेसर - एसएलएल और सीएस

समिति विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और मानव संसाधन विकास मंत्रालय के दिशानिर्देशों के अनुसार काम करेगी।

आंतरिक निर्माण विभाग (आईडब्ल्यूडी) की स्थापना

कार्यकारी परिषद की बैठक दिनांक 30/03/2021 के संकल्प संख्या 19 के अनुसरण में, आंतरिक निर्माण विभाग (आईडब्ल्यूडी) को तत्काल प्रभाव से स्थापित किया जाता है जिसमें निम्नलिखित कर्मचारी शामिल हैं: -

क्रम सं.	नाम	पद
1.	श्री पवन पाठक	अधिशासी अभियन्ता
2.	श्री कार्तिक मेहता	सहायक अभियंता (सिविल)
3.	श्री नीलेश सोनी	कनिष्ठ अभियंता (विद्युत)
4.	श्री उदित शाह	कनिष्ठ अभियंता (सिविल)
5.	श्री एस. षणमुगनाथन	सलाहकार सिविल इंजीनियर

- आईडब्ल्यूडी गांव-कुंडेला, ताल-दभोई, जिला-वडोदरा (गुजरात) में स्थायी परिसर की परियोजना और गांधीनगर में वर्तमान अस्थायी परिसर संबंधी सभी कार्यों की देखरेख करेगा।
- कार्यकारी अभियंता को संपदा अधिकारी के सौंपे गए कार्य एवं उत्तरदायित्व 28/05/2021 से प्रभावी हैं।
- सक्षम प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर सौंपा गया कोई अन्य कार्य।

सीआईएफ के लिए स्थानीय खरीद समिति का गठन

माननीय कुलपति ने अगले आदेश तक तत्काल प्रभाव से निम्नलिखित सदस्यों को शामिल करते हुए सीआईएफ की स्थानीय क्रय समिति का गठन किया है:-

1. प्रो. दिनेश कुमार, रसायन विज्ञान संस्थान - नोडल अधिकारी, सीआईएफ

2. प्रो. सीमा रावत, अधिष्ठाता, जीवन विज्ञान संस्थान

3. श्री जयप्रकाश एम सोनी, उप कुलसचिव, प्रशासन

4. डॉ. राजेश वसीता, सहायक प्रोफेसर, जीवन विज्ञान संस्थान

5. श्री डी.वी. राव, आईएओ (सलाहकार)

6. डॉ. गुरुराजा जी एन, सहायक प्रोफेसर, एससीएस को सीआईएफ के खरीद अधिकारी के रूप में नामित किया गया है।

क्रय अधिकारी और स्थानीय खरीद समिति से अनुरोध है कि वे खरीद संबंधी मामलों के लिए जीएफआर-2017 और विश्वविद्यालय के दिशानिर्देशों का पालन करें।

गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय की खेल सलाहकार समिति (एसएसी) का गठन

छात्रों के व्यक्तित्व के समग्र विकास में खेल और खेल के महत्व को महसूस करते हुए, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन के माध्यम से परिसर में खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा दे रहा है। इन गतिविधियों में छात्रों की प्रतिक्रिया, भागीदारी और प्रदर्शन असाधारण रूप से अच्छा रहा है। गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्र भारतीय विश्वविद्यालय संघ द्वारा प्रायोजित विभिन्न अंतर-विश्वविद्यालय क्षेत्रीय और अंतर-क्षेत्रीय टूर्नामेंटों में सक्रिय रूप से भाग लेते रहे हैं। साथ ही, अन्य संस्थानों द्वारा आयोजित कई अन्य कार्यक्रमों में भाग लेकर कई पदक एवं ट्राफियां जीत रहे हैं। उपरोक्त बातों को ध्यान में रखते हुए, यह महसूस किया गया है कि विश्वविद्यालय को बेहतर परिणाम और खेल प्रदर्शन के उच्च मानकों को प्राप्त करने के लिए एक सलाहकार निकाय के माध्यम से खेल की योजना, निगरानी और प्रचार करने की आवश्यकता है।

इसलिए, माननीय कुलपति द्वारा एक वर्ष की अवधि के लिए अथवा अगले आदेश तक निम्नलिखित विवरण के अनुसार गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय की एक खेल सलाहकार समिति (एसएसी) का गठन किया है: -

छात्र कल्याण अधिष्ठाता	अध्यक्ष
प्रोवोस्ट	सदस्य
प्रॉक्टर	सदस्य
कुलसचिव	सदस्य
डॉ जयेंद्रकुमार अमीन, एसोसिएट प्रोफेसर, शिक्षा संस्थान	सदस्य
डॉ. मीनाक्षी परमार, सहायक प्रोफेसर, एसएलआईएस	सदस्य
डॉ. श्रीश कुमार तिवारी, सहायक प्रोफेसर, एसएनएसएस	सदस्य
डॉ. लीला ठाकुर, खेल प्रशिक्षक (अनुबंध पर)	संयोजक

सलाहकार समिति सीयूजी की सभी खेल गतिविधियों की योजना, आयोजन और निगरानी करेगी और निम्नलिखित उत्तरदायित्वों का वहन करेगी: -

1. वार्षिक खेल कार्य योजना तैयार करना।

2. खेलों के लिए वार्षिक बजट तैयार करना।

3. वार्षिक खेल रिपोर्ट तैयार करना और उसका अनुमोदन करना।

4. विभिन्न आयोजनों के लिए विश्वविद्यालय की शर्तों के लिए चयन समितियों का गठन करना।

5. वार्षिक स्पोर्ट्स मीट और अन्य टूर्नामेंटों के दौरान जूरी ऑफ़ अपील के रूप में कार्य करना।

6. माननीय कुलपति द्वारा सौंपे गए अन्य उत्तरदायित्वों को निभाना।

सीआईएफ के लिए सलाहकार समिति का गठन

माननीय कुलपति द्वारा एक वर्ष की अवधि के लिए अथवा अगले आदेश तक निम्नलिखित सदस्यों को शामिल करते हुए सीआईएफ की सलाहकार समिति का गठन किया है:

1. प्रो. दिनेश कुमार, रसायन विज्ञान संस्थान - नोडल अधिकारी, सीआईएफ

2. प्रो. भावना पाठक, अधिष्ठाता, पर्यावरण एवं सतत विकास संस्थान

3. प्रो. सीमा रावत, अधिष्ठाता, जीवन विज्ञान संस्थान

4. डॉ. गुरुराजा जी.एन., सहायक प्रोफेसर, रसायन विज्ञान संस्थान

5. डॉ. राजेश वसीता, सहायक प्रोफेसर, जीवन विज्ञान संस्थान

6. डॉ. राजू चौहान, सहायक प्रोफेसर, अनुप्रयुक्त पदार्थ विज्ञान संस्थान

7. डॉ. राजेश सिंह, सहायक प्रोफेसर, पर्यावरण और सतत विकास संस्थान

8. डॉ. हितेश कुल्हारी, सहायक प्रोफेसर, नैनो विज्ञान संस्थान

यह सभी आवश्यक रखरखाव, एएमसी, मरम्मत, छात्रों की आवश्यकताओं, ऐसी अन्य आवश्यकताओं आदि में सहयोग, सलाह देने और आगे की कार्यवाही करने हेतु एक सलाहकार समिति है।

स्थायी परिसर की परिधि में लगाए जाने वाले पौधों के चयन/पहचान के लिए समिति का गठन

माननीय कुलपति ने गुजरात के केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुंडेला गाँव, तालुका दभोई, वडोदरा (गुजरात) जिला मे स्थित स्थायी परिसर की परिधि में लगाए जाने वाले पौधों के चयन / पहचान के लिए निम्नलिखित संकाय सदस्यों को शामिल करते हुए एक समिति का गठन किया है: -

क्रम सं.	नाम एवं पद	टिप्पणी
1.	प्रो. भावना पाठक, डीन, एसईएसडी	अध्यक्ष
2.	डॉ अजयसिंह चौहान, सीजीएल एंड एल, एसएलएल एंड सीएस	सदस्य
3.	डॉ. सौरभ शर्मा, एसआईएस	सदस्य

समिति आवश्यकताओं के आधार पर किसी अन्य व्यक्ति का चयन कर सकती है।

टेलीफोन निर्देशिका प्रबंधन के लिए समिति का गठन

माननीय कुलपति के निर्देश पर गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के लिए **'टेलीफोन निर्देशिका'** तैयार करने हेतु निम्नलिखित सदस्यों को शामिल करते हुए एक समिति गठित की गई है:

1.	डॉ. कुणाल सिन्हा, सहायक प्रोफेसर, सीएसएसटीआईपी, एसएसएस
2.	डॉ. मानसी सिंह, सहायक प्रोफेसर, सीएसएस, एसएनएसएस

समिति को 'टेलीफोन निर्देशिका' तैयार करने का कार्य सौंपा गया है। टेलीफोन निर्देशिका में विश्वविद्यालय के सभी स्टाफ सदस्यों के नाम, पदनाम, निवास का पता, ई-मेल, टेलीफोन नंबर (लैंडलाइन / मोबाइल) शामिल होंगे।

सीयूजी के स्थायी परिसर के व्यापक वास्तुशिल्प डिजाइन हेतु आरएफपी के मूल्यांकन के लिए मूल्यांकन समिति का गठन

माननीय कुलपति ने गुजरात के केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुंडेला गांव, दभोई तालुका, वडोदरा जिला (गुजरात) में स्थित स्थायी परिसर के व्यापक वास्तुशिल्प डिजाइन के प्रस्ताव के लिए अनुरोध (आरएफपी) के मूल्यांकन और अंतिम रूप देने के लिए एक समिति गठित की है। यह जानकारी सीयूजी निविदा संख्या सीयूजी/19/2020 -21 दिनांक 03/03/2021 के प्रत्युत्तर में प्राप्त हुई है।

क्र० सं०	नाम एवं पद	टिप्पणी
1	श्री विशाल व्यास, मुख्य वास्तुकार, गुजरात सरकार	अध्यक्ष
2	प्रो. प्रीति शाह, प्राचार्य, SMAID, न्यू विद्यानगर, आणंद	सदस्य
3	प्रो. (डॉ.) यू डी पटेल, प्रोफेसर और प्रमुख, सिविल इंजीनियरिंग विभाग, प्रौद्योगिकी और अभियांत्रिकी संकाय, एम.एस. बड़ौदा विश्वविद्यालय	सदस्य
4	श्री डी. वी. राव, सलाहकार आईएओ	सदस्य
5	श्री एस सम्मुग्नाथन, सलाहकार अभियंता (सिविल)	सदस्य
6	श्री जयप्रकाश एम सोनी, उप कुलसचिव	सदस्य
7	श्री तरुण के. सोनी, सहायक कुलसचिव	सदस्य सचिव
8	सुश्री मोहिनी रहपड़े, वास्तुकार, सीपीडब्ल्यूडी मुंबई	सदस्य

गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय, यूजीसी और शिक्षा मंत्रालय के मध्य निर्दिष्ट मापदंडों के साथ मसौदा समझौता ज्ञापन तैयार करने और जमा करने के लिए समिति का गठन

माननीय कुलपति ने केंद्रीय विश्वविद्यालयों द्वारा हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन (एमओयू) के निष्पादन की समीक्षा के लिए एक समिति का गठन किया है: -

क्रम सं.	नाम एवं पद	टिप्पणी
1.	प्रो. मनीष, अधिष्ठाता, एसआईएस	संयोजक
2.	प्रो. दिनेश कुमार, एससीएस	सह- संयोजक
3.	डॉ. अरुण विश्वनाथन, एसोसिएट प्रोफेसर, सीएसएस, एसएनएसएस	सदस्य
4.	श्री जयप्रकाश एम सोनी, उप कुलसचिव (प्रशासन)	सदस्य
5.	डॉ हेमंग देसाई, उप कुलसचिव (अकादमिक)	सदस्य सचिव

स्टॉक के भौतिक सत्यापन के लिए समिति

माननीय कुलपति ने एक वर्ष की अवधि के लिए वर्ष 2020-21 (अर्थात 01/04/2020 - 31/03/2021) के स्टॉक का भौतिक सत्यापन करने हेतु निम्नलिखित शिक्षण स्टाफ को सम्मिलित करके एक समिति का गठन किया है:-

अचल संपत्तियों और उपभोज्य वस्तुओं के सत्यापन के लिए:

1. **प्रो**. मनीष, अधिष्ठाता, एसआईएस
2. प्रो. दिनेश कुमार, एससीएस
3. डॉ. हेमंत कुमार, सहायक प्रोफेसर, सीएसएसटीआईपी, एसएसएस
4. डॉ. रजनीश गुप्ता, सहायक प्रोफेसर, सीडीएस

पुस्तकालय की पुस्तकों के लिए:

1. प्रो. बालाजी रंगनाथन, अध्यक्ष, सीसीएल और टीएस, एसएलएल और सीएस
2. डॉ. कुणाल सिन्हा, सहायक प्रोफेसर, सीएसएसटीआईपी, एसएसएस
3. डॉ. सिबा शंकर मोहंती, सहायक प्रोफेसर, सीएसआरडी
4. डॉ. धीरज राठौर, सहायक प्रोफेसर, एसईएसडी

दोनों समितियों को इस अधिसूचना के जारी होने के एक माह के भीतर अपना प्रतिवेदन देना होगा।

14 अप्रैल 2021 को डॉ. बी आर अम्बेडकर की 130वीं जयंती मनाने के लिए समिति का गठन

माननीय कुलपति ने 14 अप्रैल 2021 को ऑनलाइन और ऑफलाइन मोड के माध्यम से डॉ. बी आर अंबेडकर की 130वीं जयंती मनाने के लिए निम्नलिखित सदस्यों के साथ एक समिति गठित की है:-

1. प्रो. राजेश मकवाना, अध्यक्ष, सीजीएलएल, एसएलएल और सीएस
2. डॉ. जयेंद्रकुमार एन. अमीन, एसोसिएट प्रोफेसर, एसओई
3. डॉ. जगन्नाथम बेगारी, सहायक प्रोफेसर, सामाजिक विज्ञान संस्थान (एसएसएस)
4. श्री तरुण कुमार सोनी, एआर (प्रशासन)

माननीय कुलपति ने भी इसी कार्य के लिए 30,000 रूपये स्वीकृत किए हैं। उपरोक्त सदस्यों से अनुरोध है कि खरीद और अधिप्राप्ति के लिए जीएफआर-2017 और विश्वविद्यालय के नियमों का पालन करें।

प्रवेश एवं मूल्यांकन विभाग

परीक्षा नियंत्रक कार्यालय (सीओई) प्रवेश विभाग एवं परीक्षा एवं मूल्यांकन विभाग को संचालित करते हैं। ये विभाग छात्रों के प्रवेश हेतु एक प्रवेश द्वार के रूप में कार्य करते हैं और छात्र द्वारा चयनित विशेष कार्यक्रमों में अपना अध्ययन पूरा होने के बाद निकास द्वार के रूप में कार्य करते हैं। इस विभाग की गतिविधियां छात्रों के शैक्षणिक जीवनचर्या पर केंद्रित हैं। मूल्यांकन विभाग यूजीसी द्वारा आदेशित अनिवार्य नियमों के अनुसार शोध प्रबंध एवं लघु शोध प्रबंध के समयानुसार एवं सहज मूल्यांकन का कार्य पूरा कराने का प्रयास करता है। इसके अलावा, सीओई कार्यालय ने छात्रों के डेटा प्रबंधन की प्रणाली को अपनाया है, जिसके द्वारा ऑनलाइन नामांकन / पंजीकरण, फोलियो भरना, अंक प्रविष्टि करना, परिणाम तैयार करना और प्रमाणपत्र जारी कराने आदि का कार्य किया जाता है।

2021-22 प्रवेश परीक्षा पर एक नज़र

वर्ष 2021-22 के लिए प्रवेश परीक्षा के सुचारू संचालन हेतु एक प्रवेश समिति का गठन किया गया है। इस समिति का गठन माननीय कुलपति द्वारा कार्यालय आदेश संख्या 003/2021 दिनांक 28.06.2021 के माध्यम से किया गया है। साथ ही, प्रो. संजीव कुमार दुबे, परीक्षा नियंत्रक को प्रवेश समिति के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है। विश्वविद्यालय प्रवेश के लिए केंद्रीय विश्वविद्यालयों के सामान्य प्रवेश परीक्षा (CUCET) मंच में शामिल हो गया है। प्रो. संजीव कुमार दुबे, परीक्षा नियंत्रक को अकादमिक वर्ष 2021-22 के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। विश्वविद्यालय द्वारा अकादमिक वर्ष 2021-22 के लिए विभिन्न संस्थानों और केंद्रों द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रमों एवं विभिन्न यूजी, पीजी, एम. फिल., पीएचडी में प्रवेश प्रक्रिया शुरू की गई।

वित्त एवं लेखा विभाग

वित्त और लेखा विभाग केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम के तहत, प्रासंगिक अध्यादेशों और कार्यकारी परिषद के दिशा निर्देश के अनुसार कार्य करता है। इस विभाग के दैनिक कार्य कुलपति के निरीक्षण में वित्त अधिकारी के निर्देशानुसार किए जाते है। यह विभाग भारत सरकार के उपयुक्त नियमों के ढाँचे के भीतर रहते हुए विश्वविद्यालय की वित्तीय नीति के संबंध में कुलपति और कार्यकारी परिषद को सलाह देता है। साथ ही, यह विभाग सक्षम प्राधिकारी द्वारा सौंपे गए अन्य वित्तीय कार्य भी संचालित करता है। विभाग के मुख्य कार्य के अंतर्गत वित्त समिति और कार्यकारी परिषद की निगरानी में वार्षिक बजट तैयार करना, आंतरिक नियंत्रण बनाए रखना, आंतरिक लेखा और भुगतान प्रक्रिया का कार्य देखना, आदि कार्य शामिल हैं। प्रत्येक वर्ष वित्त विभाग और कार्यकारी परिषद के दिशा निर्देशन में विश्वविद्यालय का वार्षिक लेखा और तुलन पत्र (बैलेंस शीट) आदि तैयार किया जाता है। प्रत्येक वर्ष विश्वविद्यालय के वार्षिक लेखा की सीएजी (कैग) भारत सरकार, द्वारा जाँच की जाती है। लेखा परीक्षित वार्षिक खाते न्यायालय, वित्त समिति, कार्यकारी परिषद के समक्ष प्रस्तुत किए जाते हैं, और शिक्षा मंत्रालय में जमा करने से पहले संसद के समक्ष प्रस्तुत किए जाते हैं|

वित्त और लेखा विभाग की अध्यक्षता प्रो. संजय कुमार झा और वित्त अधिकारी करते हैं, जिन्हें सहायक कुलसचिव, आहरण एवं संवितरण अधिकारी, आंतरिक लेखा परीक्षा अधिकारी और सहायक कर्मचारी द्वारा सहायता प्राप्त है। विभाग में जिम्मेदारियां चार डेस्कों को सौंपी गई हैं: बजट और वित्त डेस्क, लेखा डेस्क, बिल और भुगतान डेस्क और आंतरिक लेखा परीक्षा डेस्क। वर्तमान में विभाग में विभिन्न दायित्वों के निर्वहन के लिए 02 अधिकारी एवं 05 कर्मचारी प्रतिनियुक्त हैं।

प्रमुख झलकियाँ:

- शिक्षा मंत्रालय द्वारा निर्धारित 100 प्रतिशत नकद -रहित लेन-देन के लक्ष्य को विश्वविद्यालय ने वित्तीय वर्ष 2019-20 से पूर्ण कर लिया है।
- एफसी और ईसी दोनों ने विश्वविद्यालय के लेखांकन प्रणालियों और वित्तीय प्रबंधन को सुव्यवस्थित करने के प्रयासों की सराहना की है।
- पीएफ़एमएस पोर्टल के ईएटी मॉड्यूल को सफलतापूर्वक लागू करने वाले विश्वविद्यालयों में से गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय अग्रणी है।
- वित्त वर्ष 2020-21 के लिए विश्वविद्यालय के खातों संबंधी प्रस्तुत पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट को विश्वविद्यालय की वित्त समिति द्वारा सराहा गया है।
- सलाहकार चार्टर्ड एकाउंटेंट फर्म और आंतरिक लेखा अधिकारी (सलाहकार) की सहायता से विश्वविद्यालय ने अपने आंतरिक लेखा तंत्र को सुदृढ़ किया है| विश्वविद्यालय का आंतरिक लेखा परीक्षा कार्य नियमित रूप से किया जा रहा है| आंतरिक लेखा नियमावली की रचना का कार्य प्रगति पर है|
- विश्वविद्यालय ने वित्त वर्ष 2018-19 तक के सभी बकाया लेखापरीक्षा पैरा (निरीक्षण रिपोर्ट) पर कार्य किया और अपनी अनुपालन रिपोर्ट सीएजी के कार्यालय को प्रस्तुत की है। वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान कुल 44 बकाया लेखापरीक्षा पैराओं में से

33 पैरा पहले ही जा चुके हैं। शेष लेखापरीक्षा परिच्छेदों को निपटाने का प्रयास किया जा रहा है। वित्त वर्ष 2019-20 और 2020-21 के लिए से निरीक्षण रिपोर्ट भी प्राप्त हो गई है। विश्वविद्यालय द्वारा शीघ्र ही आईआर पर उत्तर प्रस्तुत किया जाएगा।

- वित्तीय प्रबंधन और लेखाविधि तंत्र को पूर्णतः संगणकीय बनाने के लिए ये विभाग प्रयासरत है|

गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय भूतपूर्व छात्र संघ (सीयूजीएए)

विश्वविद्यालय ने गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय भूतपूर्व छात्र संघ (सीयूजीएए) की स्थापना अधिसूचना संख्या 46/2016-17 दिनांक 09 अगस्त 2016 के तहत की है। गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय छात्र संघ की स्थापना विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों के साथ सशक्त और चिरस्थाई संबंध विकसित करने हेतु की गयी है जिससे पूर्व छात्रों के बीच बातचीत को बढ़ावा मिले और मूल्यवान सामाजिक और व्यवसायिक परिणाम प्राप्त हों। इसके अलावा, 1 जुलाई, 2020 को इस उद्देश्य से सीयूजी भूतपूर्व छात्र प्रकोष्ठ की स्थापना की गई जिससे विश्वव्यापी सक्रिय और प्रवृत्त भूतपूर्व छात्र समूह का निर्माण हो जोकि संघों को पोषित करने और विनिमय और बातचीत की एक जीवंत संस्कृति बनाने के लिए कार्य करे। 124 छात्रों ने सीयूजी के भूतपूर्व छात्र के रूप में अपना पंजीकरण कराया था।

कर्तव्य और जिम्मेदारियाँ:

- जीवन के विभिन्न क्षेत्र जैसे छात्रवृत्ति, नवाचार और उत्कृष्टता में भूतपूर्व छात्रों की उपलब्धियों के माध्यम से विश्वविद्यालय के लिए एक सशक्त संबल स्थापित करना।
- भूतपूर्व छात्रों को आपसी मदद साथ ही भावी छात्रों, वर्तमान छात्रों और युवा भूतपूर्व छात्रों की मदद करने के लिए एक मंच प्रदान करना जो अपनी शिक्षा जारी रखने और आजीविका शुरू करने में मार्गदर्शन चाहते हैं।
- सभी पंजीकृत सदस्यों को विश्वविद्यालय और उसके भूतपूर्व छात्रों के हितों को प्रोत्साहित करने वाले कार्यक्रमों का कार्यान्वयन करने का अवसर प्रदान करना।

सीयूजी भूतपूर्व छात्रसंघ की गतिविधियाँ:

- 12 मई 2021 को माननीय कुलपति प्रो. रमा शंकर दुबे और कुलसचिव के साथ एक ऑनलाइन बैठक आयोजित की गई जिसमें संबंधित संस्थान के अधिष्ठाताओं ने भूतपूर्व छात्र प्रकोष्ठ के लिए नोडल अधिकारियों को नामित किया गया| इस बैठक में NAAC के संदर्भ में भूतपूर्व छात्रों की योजना और समन्वयन, उनके पंजीकरण के लिए सदस्यता अभियान और उनके योगदान पर चर्चा की गई।
- उन 61 पूर्व छात्रों के लिए सीयूजी एलुमनी आईडी कार्ड तैयार करने की प्रक्रिया शुरू की गई, जिन्होंने पूरी फीस जमा कर दी है।
- गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलपति प्रोफेसर आर के काले द्वारा 26 जून 2021 को विश्वविद्यालय स्तर पर पूर्व छात्र प्रकोष्ठ द्वारा "उच्च शिक्षा में पूर्व छात्रों की भूमिका" पर एक वार्ता आयोजित की गई थी।

विभिन्न संस्थानों द्वारा भूतपूर्व छात्रों के लिए आयोजित गतिविधियाँ

पर्यावरण और सतत विकास संस्थान

- २७ से ३१ जुलाई २०२१ "पर्यावरण विज्ञान के बहु-विषयक दृष्टिकोण" विषय पर पर्यावरण और संधारणीय विकास संस्थान द्वारा ५ दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

पुस्तकालय और सूचना विज्ञान संस्थान

- १२ जून २०२१ (शनिवार) को शाम ४.०० बजे "एलआईएस छात्रों और व्यावसायिकों के लिए अनुसंधान के अवसर" विषय पर वेबिनार आयोजित किया गया था। । इस कार्यक्रम के संसाधन व्यक्ति डॉ. आदित्य त्रिपाठी, प्रोफेसर, पुस्तकालय

और सूचना विज्ञान विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी और डॉ. मनोरमा त्रिपाठी, मुख्य पुस्तकालयाध्यक्ष, केंद्रीय पुस्तकालय, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली थे। । प्रतिभागी **SLIS** के पूर्व छात्र, वर्तमान छात्र और संकाय सदस्य थे।

- जुलाई २०२१ में एसएलआईएस का एसडब्ल्यूओसी विश्लेषण पूर्व छात्रों द्वारा आयोजित किया गया था
- अगस्त २०२१ में एसएलआईएस के लिए पूर्व छात्रों द्वारा पुस्तकालय पोस्टर एकत्र किए गए थे।
- पुस्तकालय और सूचना विज्ञान संस्थान ने सूचना तक सार्वभौमिक पहुँच का अंतर्राष्ट्रीय दिवस-जानने का अधिकार मनाया जो हर साल २८ सितंबर को मनाया जाता है। कुछ अप्रत्याशित परिस्थितियों के कारण,संस्थान ने ५ अक्टूबर २०२१ को एक वेबिनार के माध्यम से इसका अवलोकन किया, जिसमें पूर्व छात्रों ने भी भाग लिया।
- पुस्तकालय और सूचना विज्ञान संस्थान ने ओपन एक्सेस वीक मनाया और त्रिदिवसीय समारोह में २५, २६ और २७ अक्टूबर २०२१ को डीन-इन-चार्ज, प्रो अतनु महापात्र द्वारा ओपन एक्सेस वेबसाइट का उद्घाटन, हमारे दो शोधार्थियों द्वारा जागरूकता वार्ता श्री सगेंद्र सिंह परमार द्वारा 'ओपन एजुकेशन रिसोर्सेज: द स्पेक्ट्रम ऑफ ओपन एक्सेस' विषय पर और अन्य सुश्री अमरीन ताज द्वारा "ओपन एक्सेस पब्लिशिंग एंड एक्सेसिबिलिटी" विषय पर का आयोजन किया गया। वर्तमान छात्रों के लिए ओपन एक्सेस मूवमेंट के विषय पर एक ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई और छात्रों और स्कूल के पूर्व छात्रों के लिए एक पोस्टर डिजाइनिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। कई पूर्व छात्रों ने उद्घाटन और समापन सत्र में भाग लिया और दोनों वक्ताओं के साथ बातचीत की और एक पूर्व छात्र ने भी ओपन एक्सेस के विषय पर अपना पोस्टर भी प्रस्तुत किया।
- पुस्तकालय और सूचना विज्ञान संस्थान, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय, गांधीनगर ने राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह २०२१ के अवलोकन के एक भाग के रूप में १५ से २० नवंबर २०२१ एनालेक्ट्स @ एसएलआईएस, एक विशेष व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया। एसएलआईएस के वर्तमान छात्र, पूर्व छात्र, और संकाय सदस्यों ने कार्यक्रम में भाग लिया।
- दिसंबर, २०२१ में **SLIS** के पूर्व छात्रों की गतिविधि का शीर्षक 'कार्पे डायम' था और इसका उद्देश्य एक प्रेरक पुस्तक या एक लेख या एक ब्लॉग अंश के बारे में पूर्व छात्रों के सुझावों को एकत्र करना, जिन्होंने उन पर प्रभाव डाला हो और उन्हें अब महसूस कराया हो। 'यही वह क्षण है, यदि मुझे सफल होना है तो मुझे इसका अधिकतम लाभ उठाने की आवश्यकता है'...
- २ जनवरी २०२२ को को शाम ५.०० बजे 'असाइनमेंट एंड बियॉन्ड' वेबिनार आयोजित किया गया। गूगल मीट पर आयोजित यह वेबीनार एसएलआईएस के पूर्व छात्रों और वर्तमान छात्रों के साथ-साथ नए प्रवेशकों को उनके शैक्षिक कार्यों के लिए संसाधनों को समझने के लिए और उनसे जोड़ने का एक प्रयास था।

जीवन विज्ञान संस्थान

- २७ मई २०२१ को **SLS** के पूर्व छात्रों के प्रतिनिधियों के साथ ऑनलाइन बैठक आयोजित की गई|
- १० जून, २०२१ को जीवन विज्ञान संस्थान द्वारा एमएससी बैच २०१४-२०१६ का एक ऑनलाइन पुनर्मिलन समारोह आयोजित किया गया था।

सामाजिक विज्ञान संस्थान

३१ जुलाई २०२१ को सामाजिक विज्ञान संस्थान के पूर्व छात्रों द्वारा एक वार्ता आयोजित की गई थी। डॉ कृति पटेल (सोशल एंटरप्रेन्योर फाउंडर, शी एंड वी फाउंडेशन) ने "एक करियर विकल्प के रूप में उद्यमिता - पोस्ट कोविड" पर बात की। श्री अंकित दवे (एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट, जीयूएसईसी) ने "डेवलपिंग स्टार्ट अप इकोसिस्टम - छात्रों के लिए यूनिवर्सिटी इंटरफेस" पर बात की।

डायस्पोरा अध्ययन केंद्र

२५ सितंबर २०२१ को प्रवासी अध्ययन केंद्र द्वारा "सर अनिरुद जगन्नाथ - ए लीजेंड ऑफ इंडियन डायस्पोरा" पर एक वार्ता आयोजित की गई थी।

रेमेडिअल कोचिंग प्रकोष्ठ

माननीय कुलपति ने छात्रों के साथ की बातचीत और "हायर एजुकेशन इन सर्च ऑफ़ नॉलेज, ओपोरट्युनिटी एंड डेवलपमेंट ऑफ़ ह्यूमन रिसोर्सेज" 16 मार्च 2022 को आयोजित पर एक व्याख्यान भी दिया।

- कल्याण एलेसेला (IPS) ने १७ मार्च २०२२ को आयोजित "प्रेपरैशन फॉर कम्पेटिटिव एग्जामस,मोटीवेशनल इनसाइट्स एंड स्पिरिट ऑफ़ सक्सेसफुल: अ वे फॉरवर्ड" पर एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया।
- रितु शर्मा,अधिष्ठाता, लिबरल स्टडीज, पीडीईयू ने २४ मार्च २०२२ को आयोजित "कोविड महामारी के पश्चात तनाव को झेलना और " पर एक व्याख्यान दिया।
- प्रो. नागराजू गुंडेमेडा ने २४ मार्च २०२२ को आयोजित "उच्च शिक्षा: चुनौतियां, समृद्धि और भविष्य के लक्ष्य" पर एक व्याख्यान दिया।

आंतरिक शिकायत समिति

गुजरात के केंद्रीय विश्वविद्यालय ने आंतरिक शिकायत समिति का गठन किया है। इसमें वरिष्ठ संकाय और शिक्षण, गैर-शिक्षण सदस्यों के साथ छात्र सदस्य सम्मिलित हैं। सदस्यों के कार्य नियमों और अन्य कर्तव्यों को विश्वविद्यालय में विभिन्न स्थानों पर सूचना पट्ट (नोटिस बोर्ड) एवं सोशल मीडिया पर प्रदर्शित किया जाता है। वर्ष २०२० में वैश्विक महामारी के कारण विश्वविद्यालय परिसर में COVID-१९ के प्रसार को रोकने के लिए निवारक उपायों के निर्देशों का पालन किया जा रहा था और ऑनलाइन गतिविधियां आयोजित की गई थीं। अधिकतम लाभार्थियों तक पहुँच क्षमता विकसित करने के लिए एनएसएस जैसे विश्वविद्यालय के अन्य प्रकोष्ठों के सहयोग से विभिन्न कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। सभी कार्यक्रम विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

- २८ जुलाई २०२१ को आयोजित विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस का विषय था वन और आजीविका: लोगों और ग्रह को बनाए रखना।
- विश्व ओजोन दिवस पर १६ सितंबर २०२१ को "ओजोन परत के संरक्षण में महिलाओं की भूमिका" विषय पर ऑनलाइन स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विश्व ओजोन दिवस २०२१ का विषय मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल – कीपिंग अस, आवर फ़ूड एंड वैक्सिन्स कूल था।
- अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस २०२१ मनाया गया।
- महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार की अधिसूचना के अनुसार ०९ दिसंबर २०२१ को यौन उत्पीड़न अधिनियम की अधिसूचना की आठवीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में एक ऑनलाइन गोलमेज सम्मेलन का आयोजन किया गया।
- २३ दिसंबर २०२१ को राष्ट्रीय किसान दिवस पर "कृषि और खाद्य सुरक्षा में महिलाओं की भूमिका" विषय वेबिनार आयोजित किया गया।
- जेंडर चैंपियन गतिविधियां - २१ जनवरी २०२२ को गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर छात्रों के लिए "लैंगिक समानता" पर स्लोगन लेखन: मानव संसाधन विकास मंत्रालय, उच्च शिक्षा विभाग, और महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के आधार पर जेंडर चैंपियनशिप गतिविधियों को आयोजित करने के लिए शैक्षिक संस्थानों में जो लैंगिक समानता की वकालत करने और लैंगिक न्याय की दिशा में प्रगति की निगरानी करने के लिए युवा लड़कियों और लड़कों की क्षमता को मजबूत करते हैं।

- ११ फरवरी २०२२ को विज्ञान में महिलाओं और लड़कियों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस विषय पर: "समानता, विविधता और समावेश: जल हमें एकजुट करता है" विज्ञान में महिलाओं और लड़कियों की भूमिका को पहचानने के उद्देश्य से न केवल लाभार्थियों के रूप में, बल्कि एसडीजी ६ (स्वच्छ जल और स्वच्छता) की उपलब्धि की दिशा में तेजी से प्रगति के मद्देनजर परिवर्तन के एजेंट के रूप में।

- "स्थायी भविष्य के लिए महिलाओं की भूमिका" पर ऑनलाइन कार्यक्रम। "राष्ट्रीय विज्ञान दिवस २०२२, २८ फरवरी २०२२ के उपलक्ष्य में पोस्टर, फोटो, कविता या एक पैराग्राफ में विषयगत लेखन के माध्यम से विषय पर विचार व्यक्त करें: इस वर्ष की थीम" एक स्थायी भविष्य के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी में एकीकृत दृष्टिकोण"

- ईबीएसबी, आईसीसी और एनएसएस ने "एक स्थायी कल के लिए आज लैंगिक समानता" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया; ७-८ मार्च २०२२।

- जेंडर चैंपियन गतिविधियां - १४ मार्च २०२२ को गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के संकाय के लिए "लैंगिक समानता" पर केंद्रित समूह चर्चा: मानव संसाधन विकास मंत्रालय, उच्च शिक्षा विभाग, और महिला एवं बाल विकास मंत्रालय शिक्षा में जेंडर चैंपियनशिप गतिविधियों का आयोजन करेगा। ये गतिविधियां ऐसी संस्थाओं में आयोजित की जाएंगी जो लैंगिक समानता का समर्थन करती हैं और लैंगिक न्याय की दिशा में प्रगति की निगरानी करने हेतु युवा लड़कियों और लड़कों की क्षमता को मजबूत करती हैं।

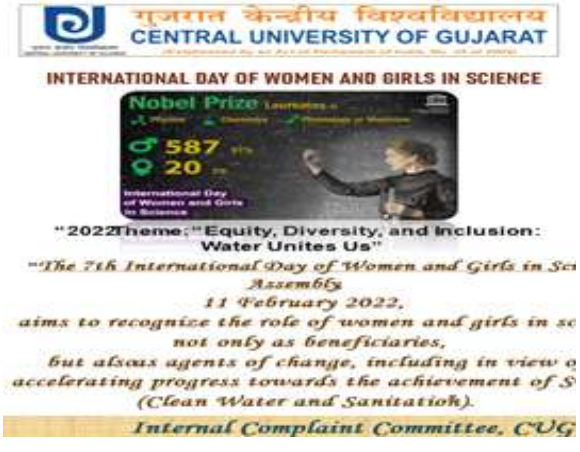

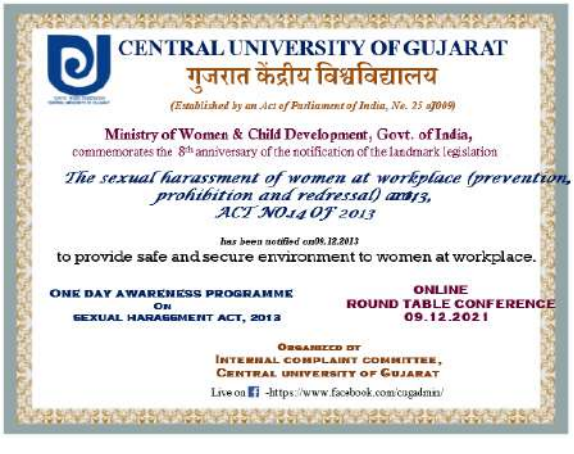

- विश्व स्वास्थ्य दिवस ०७.०४.२०२२ डब्ल्यूएचओ द्वारा प्रदत्त विषय "हमारा ग्रह, हमारा स्वास्थ्य" पर आधारित वार्षिक रिपोर्ट एमएचआरडी, यूजीसी और एनसीडब्ल्यू को प्रस्तुत की जाती है। मामलों की वार्षिक विवरणी डीओपी और टी ओ.एम. के अनुसार एमएचआरडी को प्रस्तुत की गई थी। No.११०१३/२/२०१४-EStt.A.१११ दिनांक २ फरवरी, २०१५। ICC के नियमों और विनियमों के अनुसार कार्यक्रम आयोजित करने के लिए नियमित बैठकें आयोजित की गईं। माननीय के साथ भी विचार-विमर्श किया गया। शिकायतों और उनके लिए की जा रही कार्रवाई के मामलों में कुलपति, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय।

एक भारत श्रेष्ठ भारत (ईबीएसबी)

परिचय

अकादमिक विचार-विमर्श द्वारा ज्ञान का प्रसार और विस्तार और पहुँच बढ़ाने की गतिविधियों द्वारा सामुदायिक सेवा करना गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय की प्रमुख विशेषताएँ हैं| विद्वतापूर्ण कार्यों में उत्कृष्ट उपलब्धियों के अलावा, विश्वविद्यालय परिवार समाज में जागरूकता, सद्भाव और उन्नति से संबंधित प्रयासों में संलग्न रहता है जोकि राष्ट्र की प्रगति के लिए आवश्यक हैं। हमारे विश्वविद्यालय में भारत सरकार के विभिन्न कार्यक्रम और योजनाएँ सक्रिय रूप से क्रियान्वित किए जा रहे हैं। वर्ष भर में एक भारत श्रेष्ठ भारत (ईबीएसबी), राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) और योग क्लब आपसी सहयोग से विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित करता है।

"सरदार पटेल ने हमें एक भारत दिया अब हम 125 करोड़ भारतियों की यह ज़िम्मेदारी है कि हम इसे श्रेष्ठ भारत बनाएं"

श्री नरेंद्र मोदी

भारत के माननीय प्रधानमंत्री

भारत एक अद्वितीय राष्ट्र है जिसकी संरचना विविध भाषाओं, संस्कृतियों एवं धार्मिक संप्रदायों के ताने-बाने से बुनी हुई है। ये सभी संयोजित रूप से मिलकर इस देश की राष्ट्रीय अस्मिता को थामे हुए हैं। इस देश में संस्कृति की समृद्ध ऐतिहासिक परंपरा कई सारे महान स्वतन्त्रता संघर्षों से जुड़ी हुई रही है। इस देश का निर्माण अहिंसा एवं न्याय के सिद्धांतों को आधार बनाकर किया गया था। इस देश की आपसी सौहार्द की भावना विविधता में एकता की भावना को मजबूती प्रदान करता है और इस भावना से राष्ट्रवाद की ज्वाला प्रज्वलित होती है। राष्ट्रवाद की इस लौ को अर्थात इस भावना को सुरक्षित एवं भविष्य हेतु पोषित करने की जरूरत है। मानवीय एकता एवं राष्ट्र निर्माण की दृष्टि से देश के विभिन्न धार्मिक मतावलंबियों के बीच सांस्कृतिक विनिमय स्थापित करना महत्त्वपूर्ण है।

31 अक्टूबर 2015 को सरदार वल्लभभाई पटेल की 140वीं जन्म शती आयोजन पर भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा इस वर्षगांठ के उपलक्ष्य में "एक भारत श्रेष्ठ भारत" कार्यक्रम की घोषणा की गई थी। यह कार्यक्रम मूलरूप से कला, संस्कृति, इतिहास, परंपरा, भाषा, शिक्षा इत्यादि के बारे में जागरूकता पैदा करने हेतु तैयार किया गया है। इस कार्यक्रम के तहत देश के विभिन्न राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के बीच कला, संस्कृति, इतिहास, परंपरा, शिक्षा, भाषा आदि का आदान-प्रदान होगा| केंद्रीय स्तर पर दो राज्यों एवं दो केंद्रशासित प्रदेशों के युग्म बनाए गए हैं जिनमें यह विनिमय कार्यक्रम विभिन्न स्तरों पर किया जाएगा।

इस कार्यक्रम की पहल के रूप में गुजरात राज्य एवं छत्तीसगढ़ राज्य का एक युग्म बनाया गया है। इस कार्यक्रम की सबसे महत्त्वपूर्ण योजना यह है कि यह देश के विभिन्न राज्यों के कला, संस्कृति, इतिहास और राज्यों की परंपरा आदि के लिए समझ विकसित करना। यह कार्यक्रम भारत की एकता एवं अखंडता को मजबूती प्रदान करेगा और विभिन्न राज्य के लोगों के आपसी लगाव को बढ़ाएगा। माननीय प्रधानमंत्री जी ने इस कार्यक्रम में कहा था कि - सरदार वल्लभभाई पटेल ने एक भारत दिया था, अब यह 125 करोड़ भारतियों की ज़िम्मेदारी है कि वे इसे श्रेष्ठ भारत बनाएं। इस तरह से अगले कुछ वर्षों में सभी राज्यों के लोग एक दूसरे से जुड़ेंगे। इस कार्यक्रम के पहले चरण में छात्र इस पहल के केंद्र में हैं। अर्थात छात्रों को केंद्र में रखते हुए इस कार्यक्रम के पहले चरण को कार्यान्वित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के तहत कुछ चुने हुए छात्रों को उन दो राज्यों में जिन्हें एक युग्म के रूप में चुना गया है, उन राज्यों के विभिन्न संस्थानों में कला, संस्कृति, इतिहास, परंपरा, आदि को सीखने-समझने एवं संबंध घनिष्ठ करने के लिए भ्रमण हेतु भेजा जाएगा। इससे भारत की एकता एवं अखंडता मजबूत होगी|

ईबीएसबी के लक्ष्य:

ईबीएसबी कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य देश के विभिन्न प्रदेशों एवं केंद्र शासित प्रदेशों की कला, संस्कृति, इतिहास, शिक्षा, भाषा आदि से परिचित कराना है।

उद्देश्य:

- अपने देश की विविधता में एकता की भावना का उत्सव मनाना और अपने देश के लोगों के बीच परंपरागत रूप से विद्यमान भावनात्मक एकता के ताने-बाने को मजबूत बनाए रखना;

- सभी भारतीय राज्यों एवं केंद्र प्रशासित राज्यों में एक वर्षीय नियोजित अनुबंध के माध्यम से राज्यों के बीच प्रगाढ़ एवं संरचित समरसता द्वारा राष्ट्रीय एकीकरण की भावना को बढ़ावा देना;
- भारत के सभी राज्यों की समृद्ध विरासत एवं संस्कृति, रीति-रिवाज एवं परंपरा आदि को प्रदर्शित करना, भारत की विविधता के प्रति यहां के लोगों को जागरूक करना एवं उनके अंदर अपने देश के पहचान की भावना को बढ़ावा देना;
- दीर्घावधि के लिए अनुबंधों को स्थापित करना और
- एक ऐसे वातावरण का निर्माण करना जो देश के सभी राज्यों के बीच अपने यहां की प्रथाओं और अनुभवों को साझा करने एवं सीखने की प्रक्रिया को बढ़ावा देता हो।

गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय और गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ ने वार्षिक आवधिक गतिविधियों के संबंध में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया था। ईबीएसबी कार्यक्रम के तहत विभिन्न प्रकार की गतिविधियों को संचालित किया गया। इस कार्यक्रम का प्रमुख विषय कला और संस्कृति प्रशिक्षण, भाषा शिक्षण और संबंधित राज्यों के दर्शनीय स्थलों का भ्रमण था।

राष्ट्रीय सेवा योजना

राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) भारत सरकार द्वारा प्रायोजित एक सार्वजनिक सेवा कार्यक्रम है। यह भारत सरकार के युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के तत्वावधान में काम करता है। वर्तमान में देश के 298 विश्वविद्यालयों, 42 (+2) वरिष्ठ माध्यमिक परिषदों और व्यावसायिक शिक्षा निदेशालय में संयोजित रूप से एनएसएस के 38 लाख से अधिक छात्र स्वयंसेवक मौजूद हैं। मंत्रालय के निर्देशानुसार हमारे विश्वविद्यालय में शैक्षणिक वर्ष 2017-18 से यह कार्यक्रम कार्यान्वित किया जा रहा है।

एन एस एस की प्रमुख गतिविधियाँ:

- कार्यरत समुदाय को समझना
- समुदाय के साथ-साथ समाज में उसके महत्त्व को समझना
- समुदाय की जरूरतों एवं समस्याओं को पहचानना और उन्हें समस्या-समाधान की प्रक्रिया में शामिल करना
- समुदाय के लोगों के बीच सामाजिक एवं नागरिक ज़िम्मेदारी की समझ विकसित करना
- व्यक्तिगत एवं सामुदायिक समस्याओं का प्रयोगात्मक हल निकालने की दिशा में उनके ज्ञान का उपयोग करना
- सामुदायिक-जीवन यापन एवं साझेदारी के स्तर पर जिम्मेदारियों की समझ विकसित करना
- सामुदायिक प्रतिभागिता की भावना को विकसित करने हेतु प्रशिक्षण प्राप्त करना
- नेतृत्वकारी गुणों एवं लोकतान्त्रिक व्यवहार को ग्रहण करना
- आपातकालीन एवं प्राकृतिक आपदा का सामना करने की क्षमता का विकास करना एवं
- राष्ट्रीय एकता एवं सामाजिक समरसता की भावना का अनुशीलन करना

ध्येय

राष्ट्रीय सेवा योजना का ध्येय वाक्य है, **मैं नहीं आप**।

योग क्लब

योग एक जीवन शैली है जो भारतीय दर्शन - वसुधैव कुटुम्बकम के आदर्शों से प्रेरित है। यह इस विश्वास पर आधारित है कि एक स्वस्थ शरीर से स्वस्थ मन बनता है जोकि एक स्वस्थ समाज का निर्माण करता है। योग भारतीय संस्कृति, रीति-रिवाजों और परंपराओं का एक महत्वपूर्ण स्तंभ रहा है। योग भारत में विकसित हुआ लेकिन इसे वैश्विक मान्यता युगों से प्राप्त थी जिसके फलस्वरूप सयुंक्त राष्ट्र वर्ष 2015 से प्रतिवर्ष 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाने का संकल्प लिया। गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय अपनी स्थापना के समय से ही योग के प्रचार के लिए प्रतिबद्ध है | विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों के बीच इसके अभ्यास को औपचारिक रूप देने के लिए 11 अप्रैल 2016 को हमारे विश्वविद्यालय में एक योग क्लब की स्थापना की गई। तब से, योग क्लब वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

समारोह, भारतीय चिकित्सा पद्धतियों के अनुरूप स्वास्थ्य शिविर आयोजन, औषधीय जड़ी-बूटियों के रोपण, कार्यशालाओं, वार्ताओं, संगोष्ठियों और अन्य कार्यक्रमों में शामिल रहा है। योग क्लब प्रतिदिन तीन अभ्यास सत्र भी चलाता है और युवा पीढ़ी में योग को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं, कार्यक्रमों का आयोजन करता है| योग क्लब ने योग पर सर्टिफिकेट कोर्स के लिए योजना भी बनाई है|

उद्देश्य

- छात्रों को आत्म-अनुशासन और आत्म-नियंत्रण में सक्षम बनाना जिससे वे अपरिमित मात्रा में जागरूकता, एकाग्रता और उच्च स्तर की चेतना अर्जित करें|
- छात्रों के आध्यात्मिक-सह-वैज्ञानिक व्यक्तित्व का विकास करना|
- मन, मानस और शरीर के बीच एक समझ और अंतर्संबंध विकसित करना और मानसिक, शारीरिक और भावात्मक संतुलन का प्रशिक्षण प्राप्त करना

ईबीएसबी, एनएसएस और योग क्लब गतिविधियाँ 2021-22

- 21/05/2021 **से** 21/06/2021 **तक 7वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह के लिए सामान्य योग प्रोटोकॉल अभ्यास के लिए ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र**

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह

21 जून 2021 को वर्चुअल मोड में योग क्लब और एनएसएस द्वारा संयुक्त रूप से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय परिवार के सदस्य अपने घर से योग कार्यक्रम में शामिल हुए| माननीय कुलपति प्रो. रमा शंकर दुबे भी अपने आवास से योगाभ्यास कर कार्यक्रम में शामिल हुए।

लिंक : https://fb.watch/v/2XKyt4fp0/ लिंक :https://fb.watch/v/840QyjyuH/

- **गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के योग क्लब ने 22/06/2021 को (ईबीएसबी और एनएसएस) के सहयोग से कोविड-19 महामारी के दौरान योग के महत्व पर एक वेबिनार का आयोजन किया।**

22 जून 2021 को ऑनलाइन मोड के माध्यम से ईबीएसबी, एनएसएस और सीयूजी के योग क्लब द्वारा संयुक्त रूप से 'कोविड 19 के दौरान योग का महत्व' पर वेबिनार का आयोजन किया गया था| लगभग दो सौ प्रतिभागियों ने आयोजन में अपनी सहभागिता दर्ज कराई| प्रो. ब्रजेश पांडे और श्री पंचानन मिश्रा ने बेहतर मानसिक स्वास्थ्य और शारीरिक तंदरुस्ती बनाए रखने के लिए कोविड 19 अवधि के दौरान योग के महत्व पर अपने व्यावहारिक और विचारोत्तेजक भाषणों के साथ इस आयोजन को अत्यंत लाभप्रद बनाया। ईबीएसबी के अध्यक्ष प्रो. अतनु महापात्र और एनएसएस के नोडल अधिकारी डॉ रजनीश गुप्ता ने भी जीवन में योग के महत्व पर अपने गहन विचार प्रस्तुत किए|
लिंक :https://fb.watch/v/a7BIF_5R8/

31/05/2021 को विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर वेबिनार का आयोजन

लिंक: https://www.facebook.com/cugadmin/videos/503909947615649/

31 मई 2021 को ऑनलाइन मोड के माध्यम से सीयूजी के ईबीएसबी, एनएसएस और योग क्लब द्वारा संयुक्त रूप से तंबाकू निषेध दिवस का आयोजन किया गया था। इस आयोजन में लगभग तीन सौ प्रतिभागियों ने अपनी सहभागिता दर्ज कराई। माननीय कुलपति ने इस कार्यक्रम के अध्यक्ष थे और उन्होंने तंबाकू के विरुद्ध लड़ाई में विश्वविद्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों और समाज की भूमिका पर प्रकाश डाला| युवाओं को गुमराह होने से बचाने के लिए हम सभी को मिलकर प्रयास करना चाहिए| हम सभी को तंबाकू मुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लेना चाहिए।

- **आजादी का अमृत महोत्सव, भारतीय स्वतंत्र संग्राम और नव भारत निर्माण (26.07.2021)**

26 जुलाई 2021 को सीयूजी और भारतीय इतिहास संकल्प समिति के ईबीएसबी और एनएसएस द्वारा संयुक्त रूप से आजादी का अमृत महोत्सव, भारतीय स्वतंत्रता संग्राम एवं नव भारत निर्माण नामक कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस आयोजन में लगभग डेढ़ सौ प्रतिभागियों ने अपनी सहभागिता दर्ज कराई| माननीय कुलपति ने इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की और देश को मुक्त कराने और राष्ट्र के निर्माण में हमारे स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा निभाई गई भूमिका पर प्रकाश डाला| कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता डॉ. बालमुकुंद पांडे ने स्वतंत्रता आंदोलन, हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान और नए भारत के निर्माण में उनके सर्वोच्च योगदान का संक्षिप्त विवरण दिया। हम सभी को अपने स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान के मार्ग पर चलना है तथा नए और आधुनिक भारत के निर्माण में योगदान देना है| कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि श्री गिरीश भाई ठाकर ने देश के युवाओं से नए भारत के निर्माण के लिए हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के पदचिन्हों पर चलने का आग्रह किया।

- **महामना पंडित मदन मोहन मालवीय जयंती समारोह (26.12.2021)**

26 जनवरी 2021 को सीयूजी के ईबीएसबी और एनएसएस द्वारा संयुक्त रूप से महामना पंडित मदन मोहन मालवीय जयंती समारोह का आयोजन किया गया। लगभग दो सौ बीस प्रतिभागियों ने आयोजन में अपनी सहभागिता दर्ज कराई| कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रो. रमा शंकर दुबे ने की और बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के निर्माण में पंडित मदन मोहन मालवीय के आदर्शों पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात पर ध्यान केंद्रित किया कि कैसे एक निष्पक्ष, महान और नैतिक भारत के निर्माण में मालवीय जी के आदर्श महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं| प्रो. गंगा प्रसाद प्रसेन, माननीय कुलपति, त्रिपुरा विश्वविद्यालय ने मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता के रूप में इस कार्यक्रम में शिरकत की। उन्होंने पंडित मदन मोहन मालवीय के जीवन के विभिन्न चरणों और भारत के निर्माण में उनकी भूमिका पर प्रकाश डाला।

- **छत्तीसगढ़ दिवस समारोह, " दो दशकों के बाद छत्तीसगढ़ " पर एक वेबिनार (01.11.2021)**

01 नवंबर 2021 को सीयूजी के यूबीए, ईबीएसबी और एनएसएस द्वारा संयुक्त रूप से छत्तीसगढ़ दिवस के अवसर पर ' दो दशकों के बाद छत्तीसगढ़ ' विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया। लगभग एक सौ प्रतिभागियों ने आयोजन में अपनी सहभागिता दर्ज कराई| सीयूजी के माननीय कुलपति ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की और छत्तीसगढ़ के निर्माण के बाद से इसके विकास और समृद्धि पर प्रकाश डाला| डॉ. सुशील त्रिवेदी, आईएएस ने मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता के रूप में कार्यक्रम में शिरकत की।

- **आज़ादी का अमृत महोत्सव "फिटनेस का डोज़ आधा घंटा रोज़" (29.08.2021) के लिए भारत की स्वतंत्रता के 75 वें वर्ष की सैर**

आज़ादी का अमृत महोत्सव के एक भाग के रूप में सीयूजी के ईबीएसबी, एनएसएस और योग क्लब के द्वारा संयुक्त रूप से दौड़ और योगाभ्यास का आयोजन किया गया था। केनरा बैंक के सहयोग से इसे आयोजित किया गया था| कार्यक्रम का शीर्षक था "फिटनेस की डोज़ आधा घंटा रोज़"| दौड़ सीयूजी के सेक्टर-30 परिसर से शुरू होकर सेक्टर-29 परिसर तक चली| इसके बाद आधे घंटे योगाभ्यास किया गया।

- **ऑनलाइन गरबा प्रशिक्षण कार्यक्रम (30.09.2021 से 09.10.2021)**

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़ ने 30/09/2021 से 09/10/2021 छात्रों के लिए ऑनलाइन गरबा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया था। यह सीयूजी के ईबीएसबी और एनएसएस द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित था। इस ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम में लगभग डेढ़ सौ छात्रों ने भाग लिया। इस नए नृत्य कौशल को सीखकर छात्रों ने प्रसन्नता व्यक्त की|

- **राष्ट्रीय एकता दिवस पर एकता के लिए दौड़ (सरदार पटेल के महत्व पर व्याख्यान) (31.10.2021)**

राष्ट्रीय एकता दिवस (सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती) के अवसर पर 31 अक्टूबर, 2021 को सीयूजी के ईबीएसबी, एनएसएस और योग क्लब द्वारा संयुक्त रूप से रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया गया। दौड़ के बाद सरदार पटेल की प्रासंगिकता पर व्याख्यान दिया गया| इस कार्यक्रम में संकाय सदस्यों, गैर-शिक्षण कर्मचारियों और छात्रों सहित लगभग एक सौ दस प्रतिभागियों ने भाग लिया। माननीय कुलपति ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की और एक और एकीकृत भारत के निर्माण में सरदार पटेल के आदर्शों पर प्रकाश डाला। उन्होंने भारत को संयुक्त करने में सरदार पटेल के योगदान की भी चर्चा की।

- **"कोविड -19 की चुनौतियों पर प्रतिक्रिया: जागरूकता और रोकथाम" पर वेबिनार (08.05.2021)**

08 मई 2021 को सीयूजी के यूबीए, ईबीएसबी और एनएसएस द्वारा संयुक्त रूप से "कोविड-19 की चुनौतियों पर प्रतिक्रिया: जागरूकता और रोकथाम" विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया| इस आयोजन में लगभग तीन सौ प्रतिभागियों ने अपनी सहभागिता दर्ज कराई| माननीय कुलपति, प्रो. रमा शंकर दुबे ने इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की और कोविड 19 अवधि के दौरान बेहतर मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य बनाए रखने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। प्रो. के.जी. सुरेश, माननीय कुलपति, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता और संचार विश्वविद्यालय, भोपाल, प्रो. दीप्ति ओझा, दिल्ली विश्वविद्यालय और प्रो. देवी बी सरकार, दिल्ली विश्वविद्यालय ने कोविड 19 की चुनौतियों पर काबू पाने के विभिन्न आयामों पर अपने व्यावहारिक और विचारोत्तेजक भाषणों से प्रतिभागियों को प्रबुद्ध किया। । उन्होंने कोविड-19 के मनोवैज्ञानिक पहलुओं और शारीरिक पहलुओं पर प्रकाश डाला| इन विषम परस्थितियों में शांत, सतर्क और बिना घबराए| ईबीएसबी के अध्यक्ष प्रो. अतानु महापात्र और यूबीए के समन्वयक डॉ. भावना पाठक ने भी कोविड -19 की चुनौतियों पर काबू पाने पर अपने महत्त्वपूर्ण विचार व्यक्त किए।

- **स्वच्छता पखवाड़ा (08.09.2021 से 15.09.2021)**

8 सितंबर 2021 से 15 सितंबर 2021 के दौरान सीयूजी के ईबीएसबी और एनएसएस द्वारा संयुक्त रूप से स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन किया गया। लगभग दो सौ प्रतिभागियों ने कार्यक्रम में अपनी सहभागिता दर्ज कराई| इस आयोजन में 15 सितंबर 2021 को 'जल संरक्षण: जागरूकता और उत्तरदायित्व' विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। सीयूजी के माननीय कुलपति ने संगोष्ठी की अध्यक्षता की और हमारे जीवन और समाज में स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने जल संरक्षण के लिए हमारी जिम्मेदारी पर भी जोर दिया| हम सभी को जल संरक्षण के महत्व के बारे में समाज में जागरूकता फैलानी चाहिए| कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. आर.सी. जैन, पूर्व अध्यक्ष, सीजीडब्ल्यूबी, भारत सरकार और सलाहकार, जीडब्ल्यूआरडीसी, गुजरात सरकार ने जल संरक्षण के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डाला| हम सभी को आने वाली पीढ़ी के लिए अपने जल संसाधनों की रक्षा करनी चाहिए।

- **सतर्कता जागरूकता सप्ताह (26.10.2021 से 01.11.2021)**

26 **अक्टूबर** 2021 से 01 नवंबर 2021 तक सीयूजी के ईबीएसबी और एनएसएस द्वारा संयुक्त रूप से सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया **गया**| **लगभग** दो सौ सत्तर प्रतिभागियों ने इस आयोजन में अपनी सहभागिता दर्ज कराई| इस आयोजन में 27/10/2021 को 'सतर्कता के विचार: सत्यनिष्ठा और मूल्य' विषय पर एक विशिष्ट वार्ता का आयोजन किया गया| विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई **गई**| **माननीय** कुलपति, प्रो. रमा शंकर दुबे ने कार्यक्रम की

अध्यक्षता की और अखंडता के सामाजिक, कानूनी और आर्थिक पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने सभी से हर प्रकार के भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ने और समाज से बुराई को बाहर निकालने का आग्रह किया| कार्यक्रम के प्रवर वक्ता श्री एच.के. दास, गुजरात के पूर्व सतर्कता आयुक्त ने सभी रूपों में भ्रष्टाचार को मिटाने की आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित किया| भ्रष्टाचार विकास का सबसे बड़ा रोड़ा है| उन्होंने भ्रष्टाचार के कानूनी आयामों पर भी प्रकाश डाला।

- **विश्व पर्यावरण दिवस मनाया, पर्यावरण बहाली पर वेबिनार (05.06.2021)**

05/06/2021 को सीयूजी के ईबीएसबी और एनएसएस द्वारा संयुक्त रूप से विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन किया गया| इस कार्यक्रम में 'पर्यावरण बहाली' विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया। इस आयोजन में लगभग ढाई सौ प्रतिभागियों ने अपनी भागीदारी बढ़ाई थी। सीयूजी के माननीय कुलपति ने वेबिनार की अध्यक्षता की और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना विकास के तरीके तैयार करने पर प्रकाश डाला। वेबिनार के प्रख्यात वक्ता प्रो. पारधा सारधी, प्रो. ए.के. केशरी, डॉ. पी.के. बेहरा और श्री रिचर्ड महापात्रा ने हमारे पर्यावरण को बहाल करने के विभिन्न तरीकों पर प्रकाश डाला। उनके भाषणों में विकास और स्थिरता के लिए पर्यावरण की बहाली पर ध्यान केंद्रित किया गया था।

- **स्वस्थ योग प्राणायाम और ध्यान (29.07.2021)**

'स्वस्थ जीवन शैली: योग, प्राणायाम और ध्यान' पर वेबिनार का आयोजन ईबीएसबी, सीयूजी द्वारा 29/07/2021 को किया गया था। इस आयोजन में लगभग तीन सौ प्रतिभागियों ने अपनी भागीदारी बढ़ाई थी। माननीय कुलपति, प्रो. रमा शंकर दुबे ने वेबिनार की अध्यक्षता की और स्वस्थ जीवन शैली को बनाए रखने के लिए योग, प्राणायाम और ध्यान के महत्व पर प्रकाश डाला।

- **15 अगस्त 2021 को एक भारत श्रेष्ठ भारत के साथ आजादी का अमृत महोत्सव**

भारत 75 वीं स्वतंत्रता पर ईबीएसबी, एनएसएस और योग क्लब द्वारा कई गतिविधियां आयोजित की गई। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या को परिसर को फूलों, लाइटों, गुब्बारों और रंगोली से खूबसूरती से सजाया गया| सुबह होते ही परिसर देशभक्ति के गीतों की गूँज से भर गया| ध्वजारोहण समारोह के बाद 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की थीम पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

- **26 जनवरी 2022 को एक भारत श्रेष्ठ भारत के साथ आजादी का अमृत महोत्सव**

भारत के गणतंत्र दिवस के अवसर पर ईबीएसबी, एनएसएस और योग क्लब द्वारा कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था| विश्वविद्यालय के संकाय, छात्र और कर्मचारी ध्वजारोहण समारोह में शामिल हुए, जिसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

- **ईबीएसबी और एनएसएस के तहत 750 मिलियन वर्चुअल सूर्यनमस्कार अभ्यास का एक हिस्सा, 11.01.2022 से 21.02.2022**

- योग क्लब, एनएसएस और ईबीएसबी भारत सरकार की '750 मिलियन आभासी सूर्यनमस्कार' पहल में शामिल हुए और 11 जनवरी से 21 फरवरी 2022 तक ऑनलाइन सत्र आयोजित किए।

- **24 अक्टूबर 2021 को संयुक्त राष्ट्र दिवस का उत्सव**

गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के एनएसएस सेल और जिला कनूनी सेवा सत्ता मंडल, जिला अदालत गांधीनगर ने 24 अक्टूबर 2021 को संयुक्त राष्ट्र दिवस मनाया| इस समारोह में 'पैन इंडिया लीगल अवेयरनेस कैंपेन एंड इट्स आउटरीच प्रोजेक्ट' के बैनर तले सेक्टर-24 बॉयज हॉस्टल में एक कार्यशाला सह विशेष प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया| कार्यक्रम के रिसोर्स पर्सन थे- पैनल एडवोकेट श्री विनयकांत डोडिया, श्री अनिल कक्कड़ और श्री विपुल वाघेला| इस कार्यक्रम से छात्रावास के निवासियों और उसके कर्मचारीगण लाभान्वित हुए|

1. नेताजी सुभाष चंद्र बोस की विरासतों का पुनरीक्षण, 23.01.2022

एक भारत श्रेष्ठ भारत (ईबीएसबी) ने एनएसएस और यूबीए के सहयोग से नेताजी सुभाष चंद्र बोस की विरासतों की पुनरीक्षा पर एक विशेष (आभासी) वार्ता का आयोजन किया। यह कार्यक्रम नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था। वेबिनार की अध्यक्षता सीयूजी के माननीय कुलपति ने की| प्रख्यात सामाजिक चिंतक और कार्यकर्ता डॉ. सुनील मोहंती ने अतिथि व्याख्यान दिया| विश्वविद्यालय के फेसबुक पेज के माध्यम से वेबिनार का सीधा प्रसारण किया गया था जिससे लगभग 550 दर्शक जुड़े हुए थे|

लिंक :https://www.facebook.com/cugadmin/videos/485081529719996

2. 08 मार्च 2022 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का उत्सव

समाज के हर क्षेत्र में महिलाओं की जबरदस्त उपलब्धि और ईबीएसबी, आईसीसी और एनएसएस के निर्माण में महिलाओं की भूमिका को चिह्नित करने और सम्मानित करने के लिए, सीयूजी ने संयुक्त रूप से "जेंडर इक्वेलिटी टुडे फॉर ए सस्टेनेबल टुमॉरो" विषय पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें चारों ओर कार्यक्रम में ढाई सौ छात्रों, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों ने भाग लिया। इस विषय पर कई संकाय सदस्यों और कर्मचारियों ने अपने विचार साझा किए।

3. 03 मार्च 2022 को भारतीय चिकित्सा पद्धति आयुष (आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी सिद्ध और होम्योपैथी) के माध्यम से निदान सरोवर (स्वास्थ्य परामर्श) शिविर

योग क्लब, ईबीएसबी और एनएसएस, सीयूजी द्वारा भारतीय चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी सिद्ध और होम्योपैथी (आयुष) पर स्वास्थ्य परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में विश्वविद्यालय के लगभग दो सौ संकाय सदस्यों, छात्रों और कर्मचारियों ने अपने स्वास्थ्य की जांच की शिविर के माध्यम से रोगों को दूर करने और मनुष्य को स्वस्थ और मानसिक रूप से स्वस्थ रखने में भारतीय चिकित्सा पद्धति के महत्व को बढ़ावा दिया गया।

4. ईबीएसबी कार्यक्रम

एनएसएस का ओरिएंटेशन कार्यक्रम एनएसएस, ईबीएसबी और योग क्लब, सीयूजी द्वारा संयुक्त रूप से 25.02.2022 से 10.03.2022 तक आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के एक भाग के रूप में चित्रकला प्रतियोगिता, वाद-विवाद प्रतियोगिता और स्वास्थ्य परामर्श शिविर जैसे कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। छात्रों को एनएसएस की विभिन्न गतिविधियों से रूबरू कराया गया।

1. अभिविन्यास कार्यक्रम -एनएसएस, समापन समारोह एक भारत श्रेष्ठ भारत पखवाड़ा सांस्कृतिक कार्यक्रम, 10 मार्च 2022
2. पेंटिंग प्रतियोगिता
3. वाद-विवाद प्रतियोगिता

आंतरिक गुणवत्ता मूल्यांकन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी)

वर्ष के दौरान आईक्यूएसी द्वारा निम्नलिखित गतिविधियाँ आयोजित की गईं:

- 31 मई 2021 को भाषा, सहित्य एवं संस्कृति संस्थान (एसएलएल एंड सीएस) के सहयोग से "कोरोना काल में मीडिया की भूमिका" पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया।
- 12 नवंबर 2021 को "अनुसंधान और विकास प्रकोष्ठ: विश्वविद्यालयों में कार्यक्षेत्र एवं महत्व" पर एक यूजीसी परामर्शी गोलमेज चर्चा का आयोजन किया गया।

- 22 मार्च 2022 को "एचईआई में राष्ट्रीय अनुसंधान इंटर्नशिप कार्यक्रम (एनआरआईपी)" पर यूजीसी परामर्शी कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- छात्रों से पूर्व छात्रों के लिए प्रतिक्रिया हेतु पूर्व छात्र प्रकोष्ठ के साथ समन्वय।
- द्वितीय चक्र हेतु एक्यूएआर 2020-21 और एसएसआर की आवश्यकता के लिए छात्रों की प्रतिक्रिया प्रक्रिया का संचालन किया गया।
- एक्यूएआर 2020-21 की आवश्यकता हेतु छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण (एसएसएस) आयोजित किया गया।
- NAAC के द्वितीय चक्र हेतु IIQA (गुणवत्ता मूल्यांकन के लिए संस्थागत सूचना) और SSR (स्व अध्ययन प्रतिवेदन) तैयार करना।
- सीयूजी वेबसाइट में आईक्यूएसी पेज की सामग्री तैयार और अपलोड की गई।
- सीयूजी वेबसाइट में एनईपी – 2020 पेज को डिजाइन और अपलोड किया गया।

योग क्लब

योग जीवन जीने का एक तरीका है जो शास्त्रीय भारतीय दर्शन- वसुधैव कुटुम्बकम के आदर्शों से प्रेरित है। यह इस विश्वास पर आधारित है कि एक स्वस्थ शरीर से स्वस्थ मन का सृजन होता है जो एक स्वस्थ समाज का निर्माण करता है। योग भारतीय संस्कृति, रीति-रिवाजों और परंपराओं का एक महत्वपूर्ण स्तंभ रहा है। योग की प्रथाएं भारत में विकसित हुई हैं, परंतु इन्हें युगों से वैश्विक मान्यता प्राप्त थी। यह वैश्विक मान्यता वर्ष 2015 से 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाने के साथ संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव में प्रकट हुई। गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय अपनी स्थापना के बाद से ही पूर्ण रूप से योग के प्रचार-प्रसार हेतु प्रतिबद्ध है। विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों के बीच इसके अभ्यास को औपचारिक रूप देने के लिए 11 अप्रैल, 2016 को गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय में एक योग क्लब की स्थापना की गई थी। तब से, योग क्लब वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, भारतीय औषधीय प्रथाओं के साथ स्वास्थ्य शिविरों के संचालन, औषधीय जड़ी बूटियों के रोपण, कार्यशालाओं, वार्ताओं, सेमिनार और अन्य कार्यक्रमों में शामिल रहा है। योग क्लब में प्रतिदिन तीन अभ्यास सत्र संचालित किए जाते हैं। क्लब युवा पीढ़ी के बीच योग को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं, कार्यक्रमों का आयोजन करता है। योग क्लब ने योग पर सर्टिफिकेट कोर्स के लिए संरचना भी तैयार की है।

उद्देश्य

- जागरूकता, एकाग्रता और उच्च स्तरीय चेतना के माध्यम से छात्रों को आत्म-अनुशासन और आत्म-नियंत्रण में सक्षम बनाना।
- छात्रों के आध्यात्मिक-सह-वैज्ञानिक व्यक्तित्व का विकास करना।
- मष्तिष्क, आत्म और शरीर के बीच एक समझ और अंतर्संबंध विकसित करना तथा मानसिक, शारीरिक एवं भावनात्मक संतुलन का प्रशिक्षण प्रदान करना।

वर्ष 2021-22 के दौरान संचालित गतिविधियां

- कोविड-19 की चुनौतियों पर प्रतिक्रिया: जागरूकता और रोकथाम विषय पर मई 08, 2021 को वेबिनार का आयोजन।
- 21 मई, 2021 से 21 जून, 2021 तक 7वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उत्सव हेतु सामान्य योग प्रोटोकॉल अभ्यास के लिए ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र।
- 21 जून 2021 को आभासी माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह का आयोजन।
- 22 जून 2021 को कोविड-19 महामारी के दौरान योग के महत्व पर (ईबीएसबी और एनएसएस) के सहयोग से वेबिनार का आयोजन।
- 29 जुलाई, 2021 को 'स्वस्थ जीवन शैली: योग, प्राणायाम और ध्यान' पर वेबिनार का आयोजन।

प्रमुख झलकियाँ
2021-2022

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय के लिए स्थायी परिसर

गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के इतिहास में यह गर्व का क्षण था कि महामहिम, भारत के राष्ट्रपति ने विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह के दौरान विश्वविद्यालय के स्थायी परिसर के निर्माण के लिए ७४३.४२ करोड़ रुपये के परिव्यय की घोषणा की| ७५००६ वर्गमीटर के क्षेत्रफल में निर्माण के उद्देश्य से इस धनराशि में से ४२५.३६ करोड़ रुपये अनुमोदित किए गए हैं।

वाई-फाई सुविधा, स्वास्थ्य केंद्र, बैंक और २४/७ एटीएम, स्मार्ट कक्षाएँ , सेंट्रल इंस्ट्रुमेंटेशन फैसिलिटी, हर्बल गार्डन, प्रयोगशालाओं के लिए नवीनतम उपकरण जैसी सुविधाओं से लैस गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय का ग्रीन कैंपस प्रस्तावित है| साथ ही कैंटीन, सुरक्षित पेयजल, कॉमन रूम, छात्र परामर्श केंद्र, महिला कक्ष आदि जैसी छात्र सुविधाएं भी प्रस्तावित हैं।

२१ जुलाई २०१६ को शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित साइट चयन समिति ने सीयूजी के स्थायी परिसर की स्थापना के लिए गाँव-कुंडेला, तालुका-दभोई, जिला-वडोदरा में प्रस्तावित २१० एकड़ भूमि का दौरा किया| ८ अगस्त, २०१८ को गुजरात सरकार ने गांव-कुंडेला, तालुका-डभोई, जिला-वडोदरा के पास विश्वविद्यालय के स्थायी परिसर के निर्माण के लिए १०० एकड़ भूमि आवंटित की। परियोजना स्थल का कुल क्षेत्रफल ४१.४५ हेक्टेयर है। २ जून, २०२१ को भवन के चरण I (पैकेज I) के निर्माण के लिए सलाहकार वास्तुकार की नियुक्ति की गई और १९ जुलाई, २०२१ को विश्वविद्यालय भवन समिति द्वारा चरण I (पैकेज I) के लिए मास्टर प्लान और भवन योजनाओं को मंजूरी दी गई थी। CPWD ने विश्वविद्यालय के लिए चरण I भवन के निर्माण के लिए १० सितंबर, २०२१ को प्रारंभिक अनुमान (P.E.) प्रस्तुत किया और इसे विश्वविद्यालय प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित किया गया।

CPWD ने दिसंबर २०२१ में पैकेज -१ के तहत भवनों के निर्माण के लिए निविदाएं जारी कीं और रु. १५७,९१,१०,६१५/- का अनुबंध मैसर्स बी. एल. मेहता कंस्ट्रक्शन प्रा. लि. को प्रदान किया गया। ११ मार्च, २०२२ से साइट पर निर्माण कार्य शुरू हो गया है।

टाउन प्लानिंग, ग्राम पंचायत, एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया, फायर एंड गुजरात पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड जैसे विभिन्न स्थानीय निकाय से अनुमोदन प्राप्त किए गए हैं।

२९ मार्च, २०२२ को भवन के चरण I (पैकेज II) के निर्माण के लिए सलाहकार वास्तुकार की नियुक्ति की गई। चरण I (पैकेज II) के लिए भवन योजनाओं की योजना और अभिकल्पना का कार्य प्रगति पर है। एम. एस. विश्वविद्यालय, वडोदरा को प्रूफ चेकिंग सलाहकार के रूप में नियुक्त किया गया है और आईआईटी इंदौर को सीपीडब्ल्यूडी के माध्यम से टीपीक्यूए एजेंसी के रूप में नियुक्त किया गया है।

परिसर के विकास की झलकियाँ

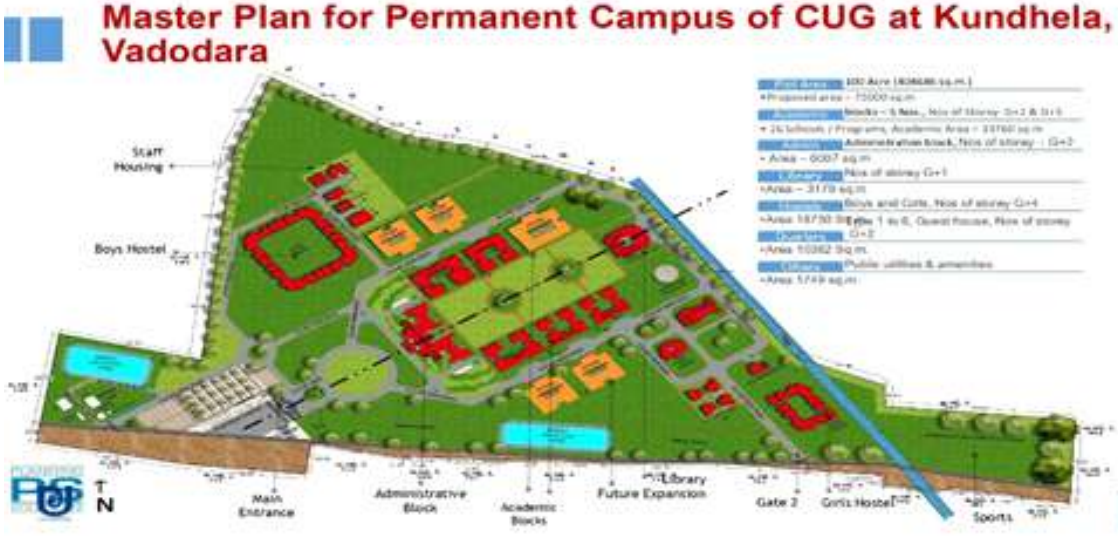

वृक्षारोपण हेतु माननीय कुलाधिपति का स्वागत करते हुए माननीय कुलपति

कुंढेला परिसर में वृक्षारोपण गतिविधियाँ

कुंढेला परिसर में वृक्षारोपण गतिविधियाँ

कुंढेला परिसर में वृक्षारोपण गतिविधियाँ

कुंढेला परिसर

गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति, २०२० का कार्यान्वयन

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति, २०२० के कार्यान्वयन के रूप में, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय ने समग्र शिक्षा का शिक्षण शुरू किया है। शैक्षणिक वर्ष २०२१-२२ से स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर I और II में इसे एक अनिवार्य विषय के रूप में प्रस्तुत किया गया है।
- विश्वविद्यालय के अपने लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम से ऑनलाइन लर्निंग को बढ़ावा दिया जा रहा है। बड़ी संख्या में छात्र क्रेडिट ट्रांसफर सुविधा के साथ स्वयं पाठ्यक्रम का चयन कर रहे हैं।
- छात्रों की डिग्री और मार्कशीट जमा करने के लिए नेशनल एकेडमिक डिपॉजिटरी का डिजी लॉकर शुरू किया गया है।
- कई बहु-विषयक सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्स शुरू किए गए हैं।
- गुणात्मक और सामाजिक रूप से प्रासंगिक अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए एक अनुसंधान और विकास प्रकोष्ठ की स्थापना की गई है।
- छात्रों को क्षेत्रीय भाषा में सीखने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।
- विश्वविद्यालय के सभी संस्थानों द्वारा बहु-विषयक विषयों से संबंधित कई पाठ्यक्रम शुरू किए गए हैं। इनकी सूची नीचे दी गई है:

लघु वैकल्पिक बहुविषयक पाठ्यक्रम

क्रम सं.	संस्थान	क्रम सं.	पाठ्यक्रम	क्रेडिट
1.	अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान	1.	विश्व में भारत	2
2.	रसायन विज्ञान संस्थान	2.	जीवित प्रणालियों के अपरिवर्तनीय ऊष्मप्रवैगिकी	2
		3.	धातु नैनोकणों के ऑप्टिकल गुण	2
		4.	पर्यावरण प्रदूषक	2
		5.	फ्रिकोहेसिटी केमिस्ट्री ऑफ़ नैनो इमल्शन फॉर्मूलेशन फॉर क्वालिटी प्रोडक्ट	2
		6.	इलेक्ट्रॉन स्थानांतरण, श्वसन और प्रकाश संश्लेषण	2
		7.	औषधीय विकास में नैनो विज्ञान	2
		8.	औषधीय उत्पाद	2
		9.	निष्कर्षण प्रौद्योगिकी	2
		10.	जैव संयुग्मन विधियाँ और अनुप्रयोग	2
		11.	प्राकृतिक उत्पाद	2
		12.	इमेजिंग तकनीक	2
		13.	आविष विज्ञान	2
3.	नैनो विज्ञान संस्थान	14.	नैनो प्रौद्योगिकी: मूल सिद्धांत और अनुप्रयोग	

क्रम सं.	संस्थान	क्रम सं.	पाठ्यक्रम	क्रेडिट
4.	पर्यावरण और सतत विकास संस्थान	15.	सामाजिक उत्तरदायित्व और सामुदायिक संबंध	2
		16.	जलवायु परिवर्तन और सतत विकास	2
		17.	जैव विविधता और संरक्षण	2
5.	अनुप्रयुक्त पदार्थ विज्ञान के संस्थान	18.	वेदों में प्राचीन भारतीय आविष्कार और आधुनिक विज्ञान	
6.	जीवन विज्ञान संस्थान	19.	जीव विज्ञान का परिचय	2
7.	भाषा, साहित्य एवं संस्कृति संस्थान	20.	हिंदी मीडिया लेखन	2
		21.	अनुवाद की मूल बातें	2
		22.	चीनी भाषा का परिचय	2
		23.	संचारात्मक अंग्रेजी	2
		24.	गुजराती भाषा का प्राथमिक परिचय	2
8.	पुस्तकालय और सूचना विज्ञान संस्थान	25.	डिजिटल सूचना साक्षरता	2
		26.	अनुप्रयुक्त सांख्यिकी	2
9.	राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन	27.	भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा का परिचय	2
		28.	साइबर स्वच्छता	2
		29.	बेसिक कंप्यूटर	2

गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा संचालित कार्यक्रम

संस्थान	कार्यक्रम	पाठ्यक्रम
भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान	जर्मन अध्ययन	बी.ए. (आनर्स)
	चीनी	बी.ए. (आनर्स)
सामाजिक विज्ञान संस्थान	अर्थशास्त्र	एम.ए.
	समाजशास्त्र	एम.ए.
	राजनीति विज्ञान	एम.ए.
	समाज कार्य	एम.ए.
	सामाजिक प्रबंधन	एम.ए.
अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान	राजनीति एवं अंतरराष्ट्रीय संबंध	एम.ए.
भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान	हिंदी	एम.ए.
	अंग्रेजी	एम.ए.
	गुजराती	एम.ए.
	चीनी	एम.ए.
	जर्मन अध्ययन	एम.ए.
शिक्षा संस्थान	एम.एड	एम.एड
पुस्तकालय और सूचना विज्ञान संस्थान	पुस्तकालय और सूचना विज्ञान	एम.लिब. आई. एससी. (द्वि वर्षीय)
अनुप्रयुक्त रसायन विज्ञान संस्थान	औद्योगिक रसायन विज्ञान	एम. एससी.
रसायन विज्ञान संस्थान	रासायनिक विज्ञान	एम. एससी.
जीवन विज्ञान संस्थान	जीवन विज्ञान	एम. एससी.
पर्यावरण और सतत विकास संस्थान	पर्यावरण विज्ञान	एम. एससी.
नैनो विज्ञान संस्थान	नैनो प्रौद्यौगिकी	एम. एससी.
सामाजिक विज्ञान संस्थान	अर्थशास्त्र	एम.फिल.
	विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार नीति अध्ययन	एम.फिल.
अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान	अंतरराष्ट्रीय राजनीति	एम.फिल.
राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान	सुरक्षा अध्ययन	एम.फिल.
डायस्पोरा अध्ययन संस्थान	डायस्पोरा अध्ययन	एम.फिल.
भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान	तुलनात्मक साहित्य	एम.फिल.
	हिंदी	एम.फिल.
	अंग्रेजी	एम.फिल.

संस्थान	कार्यक्रम	पाठ्यक्रम
रसायन विज्ञान संस्थान	रासायनिक विज्ञान	एम.फिल.
शिक्षा संस्थान	शिक्षा	एम.फिल.
सामाजिक विज्ञान संस्थान	गाँधीवादी विचार और शांति अध्ययन	एम.फिल. पीएचडी
नैनो विज्ञान संस्थान	नैनो विज्ञान	एम.फिल. पीएचडी
सामाजिक विज्ञान संस्थान	विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार नीति अध्ययन	पीएचडी.
	अर्थशास्त्र	पीएचडी.
	सामाजिक प्रबंधन	पीएचडी.
राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान	सुरक्षा अध्ययन	पीएचडी.
भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान	हिंदी	पीएचडी.
	तुलनात्मक साहित्य	पीएचडी.
	अंग्रेजी	पीएचडी.
अनुप्रयुक्त पदार्थ विज्ञान संस्थान	अनुप्रयुक्त रसायन विज्ञान	पीएचडी.
रसायन विज्ञान संस्थान	रासायनिक विज्ञान	पीएचडी.
जीवन विज्ञान संस्थान	जीवन विज्ञान	पीएचडी.
पर्यावरण और सतत विकास संस्थान	पर्यावरण और सतत विकास	पीएचडी.
पुस्तकालय और सूचना विज्ञान संस्थान	पुस्तकालय और सूचना विज्ञान	पीएचडी.
शिक्षा संस्थान	शिक्षा	पीएचडी.

विश्वविद्यालय में केंद्र / संस्थान स्तर पर आयोजित सम्मेलन / संगोष्ठी / वेबिनार / कार्यशाला इत्यादि जैसे अकादमिक कार्यक्रम:

- पर्यावरण एवं सतत विकास संस्थान ने 2 फरवरी 2022 को आर्द्रभूमि दिवस मनाया और छात्रों ने नल सरोवर पक्षी अभयारण्य का भ्रमण किया।
- पर्यावरण संरक्षण गतिविधि (18 जनवरी 2022) के तहत राष्ट्रीय पर्यावरण युवा संसद-2022 (एनईवाईपी 2022) के एक भाग के रूप में पर्यावरण के अनुकूल संरक्षण उपायों को अपनाने में व्यक्तियों / परिवारों की भूमिका पर पर्यावरण और सतत विकास संस्थान द्वारा विश्वविद्यालय स्तर पर वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई।
- 16 से 17 अगस्त 2021 "बायोरेमेडिएशन तकनीकों में हालिया रुझान और प्रगति" पर पर्यावरण एवं संधारणीय विकास संस्थान द्वारा दो दिवसीय वेबिनार आयोजित किया गया।
- "पर्यावरण विज्ञान के बहुविषयक दृष्टिकोण" पर पाँच दिवसीय कार्यशाला (27-31 जुलाई 2021) ऑनलाइन माध्यम से पर्यावरण और संधारणीय विकास संस्थान द्वारा आयोजित की गई|
- ईबीएसबी और एनएसएस के सहयोग से पर्यावरण और संधारणीय विकास संस्थान ने विश्व पर्यावरण दिवस(5 जून 2021) मनाया|
- पर्यावरण और संधारणीय विकास संस्थान द्वारा 5 जून 2021 को पर्यावरण पुनर्नवीकरण पर वेबिनार आयोजित किया गया|
- विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून 2021) के अवसर पर पर्यावरण और सतत विकास संस्थान द्वारा पारिस्थितिकी पुनर्नवीकरण पर पोस्टर बनाने की गतिविधि का आयोजन किया गया।
- पर्यावरण और सतत विकास संस्थान ने जैव विविधता दिवस 2021 मनाया और "हम समाधान का हिस्सा हैं #ForNature" (22 मई 2021) पर एक वेबिनार का आयोजन किया।
- अनुप्रयुक्त पदार्थ विज्ञान संस्थान द्वारा 16 दिसंबर, 2021 को केमड्रा और मनोवा पर वेबिनार का आयोजन किया गया।
- २४ से २६ मई २०२१ को शिक्षा संस्थान, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय "शैक्षिक अनुसंधान की पद्धति" पर त्रिदिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- २२-२३ फरवरी २०२२ को हिंदी अध्ययन केंद्र , एसएलएल एंड सीएस, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के सहयोग से सेंटर फॉर चाइनीज स्टडीज द्वारा "भारत-चीन संबंधों में अनुवाद का महत्व" पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया।
- ३ से ४ मार्च २०२२ को जर्मन अध्ययन केंद्र, एसएलएल और सीएस द्वारा "कुन्स्त इम डीएएफ अनटेरिच" पर कार्यशाला - सह - संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
- २१ मार्च, २०२२ को उमिया आर्ट्स एंड कॉमर्स कॉलेज, अहमदाबाद और गुजराती भाषा और साहित्य केंद्र, एसएलएल और सीएस के सहयोग से "राष्ट्रीय शिक्षा नीति -२०२० और साहित्य" पर राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित किया गया।
- २१ मार्च, २०२२ को दायरो (लग्यो कसुंबी नो रंग) आजादी का अमृत महोत्सव का एक अवसर, गुजराती भाषा और साहित्य केंद्र, एसएलएल और सीएस और श्री जावरचंद मेघानी लोक साहित्य केंद्र, सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट के साथ सहयोग द्वारा आयोजित ।
- 21 से 22 जनवरी, 2021 को एसएलआईएस द्वारा "अनुसंधान डेटा विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय उपकरणों और तकनीकों" पर आभासी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन।

- पुस्तकालय और सूचना विज्ञान संस्थान द्वारा “सूचना तक सार्वभौमिक पहुँच के अंतर्राष्ट्रीय दिवस - जानने का अधिकार” के अवसर पर वेबिनार।
- 25 से 31 अक्टूबर 2021 के दौरान पुस्तकालय और सूचना विज्ञान संस्थान द्वारा ओपन एक्सेस वीक का आयोजन।
- 15 से 20 नवंबर 2021के दौरान पुस्तकालय और सूचना विज्ञान संस्थान द्वारा राष्ट्रीय पुस्तक सप्ताह का आयोजन।
- 6 जनवरी, 2022 को जीवन विज्ञान संस्थान द्वारा एप्लाइड बायोसिस्टम्स द्वारा रीयल टाइम पीसीआर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन।
- २९ अक्टूबर, २०२१ को "साइबर जागरूकता - चुनौतियां और समाधान" पर सामरिक प्रौद्योगिकी अध्ययन केंद्र (साइबर/अंतरिक्ष सुरक्षा), राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान द्वारा आयोजित वेबिनार।
- २७ नवंबर, २०२१ को “समुद्री भारत के प्रारंभिक और मध्यकालीन इतिहास” विषय पर समुद्री इतिहास समाज और राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान द्वारा संयुक्त रूप से समुद्री इतिहास सम्मेलन का आयोजन किया गया।
- २३ और २४ नवंबर २०२१ को “राष्ट्रीय सुरक्षा और साइबरस्पेस मुद्दे और चुनौतीयाँ” (ऑनलाइन) पर राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान और राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय के सहयोग से दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन।
- २१ जनवरी, २०२२ को "भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने में ड्रोन प्रौद्योगिकी की प्रासंगिकता: बाजार के रुझान, नवाचार और नीति विकास" पर श्री राजन लूथरा, अधिनायक, विशेष परियोजनाओं में अध्यक्ष कार्यालय, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) द्वारा एक वेबीनार; राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान द्वारा आयोजित।
- २० से २१ अक्टूबर २०२१को “ग्लोबल डायनेमिक्स और समकालीन चुनौतियाँ: यूरोप और भारत” पर सामरिक प्रौद्योगिकी अध्ययन केंद्र (साइबर/अंतरिक्ष सुरक्षा) एसएनएसएस, सीयूजी और जीन मोनेट मॉड्यूल, यूरोपीय अध्ययन केंद्र,अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन केंद्र ,जेएनयू द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन(ऑनलाइन)
- ७-१८ जून २०२१ के दौरान संकाय विकास के लिए दो सप्ताह का अनुसंधान पद्धति प्रशिक्षण कार्यक्रम(ऑनलाइन) अर्थशास्त्र एवं नियोजन अध्ययन संस्थान, सामाजिक अध्ययन केंद्र, गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किया गया था।
- २५ जनवरी - ३ फरवरी, २०२२ के दौरान 'डेटा एनालिसिस यूजिंग स्टैटिस्टिकल मेथड्स एंड एसपीएसएस' विषय पर एक विशेष व्याख्यान श्रृंखला पुस्तकालय और सूचना विज्ञान संस्थान द्वारा आयोजित की गई थी।
- २७ नवंबर, २०२१ को "तुलनात्मक पुस्तकाध्यक्षता" पर स्कूल ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन स्टडीज, फिलीपींस विश्वविद्यालय के साथ संयुक्त रूप से पुस्तकालय और सूचना विज्ञान संस्थान द्वारा एक अंतर्राष्ट्रीय सहयोगात्मक कार्यक्रम का आयोजन।
- १५ मार्च, २०२२ को विश्व सामाजिक कार्य दिवस के उपलक्ष्य में "पोज़िशनिंग सोशल वर्क इन एन इको सोशल वर्ल्ड: बिल्डिंग न्यू पार्ट्नर्शिपस एण्ड अलाएनसेज़" पर सामाजिक प्रबंधन अध्ययन केंद्र, सामाजिक विज्ञान संस्थान द्वारा कार्यक्रम का आयोजन।
- १३-१४ मार्च, २०२१ के दौरान "एनईपी २०२० पर विशेष केंद्र के साथ भारतीय शिक्षा प्रणाली के पाठ्यक्रम और शिक्षाशास्त्र में प्रवासी अध्ययन" पर सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च इन एजुकेशन, PMMMNMTT, स्कूल ऑफ एजुकेशन के सहयोग से सेंटर फॉर डायस्पोरा स्टडीज द्वारा दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन।

- ११ अक्टूबर, २०२१ को "भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में प्रवासी भारतीयों की भूमिका का स्मरण" पर डायस्पोरा अध्ययन केंद्र , गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय, गांधीनगर, भारत द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के हिस्से के रूप में राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन।
- १३ - २४ दिसंबर २०२१ के दौरान अंग्रेजी और तकनीकी कार्यक्रम प्रकोष्ठ, पारुल विश्वविद्यालय, वडोदरा भारत और विधि विभाग, रापारिन विश्वविद्यालय, रान्या, इराक के सहयोग से अध्ययन केंद्र द्वारा आयोजित मानविकी और सामाजिक विज्ञान में पहली अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन शोध पद्धति कार्यशाला।
- २५ सितंबर, २०२१ को "सर अनिरुद्ध जगन्नाथ- ए लीजेंड ऑफ इंडियन डायस्पोरा (ए ट्रिब्यूट टू एलुमनी डायस्पोरा स्टडीज)" पर डायस्पोरा अध्ययन केंद्र द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार _ भूतपूर्व छात्र नोडल प्रकोष्ठ।

छात्रों द्वारा प्राप्त सम्मान एवं उपलब्धियां- पुरस्कार, अध्येतावृत्ति, पेटेंट अधिकार आदि के रूप में:

- मई, २०२१ में जीवन विज्ञान संस्थान की सुनीता पटेल को इन्सा विजिटिंग साइंटिस्ट अवार्ड से सम्मानित किया गया।
- जीवन विज्ञान संस्थान के राजेश वसीता को SERB, DST, भारत सरकार द्वारा SERB टेक्नोलॉजी ट्रांसलेशन अवार्ड (SERB-TETRA)-२०२१ प्राप्त हुआ।
- जीव विज्ञान संस्थान की सुनीता पटेल को GUJCOST द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय आभासी संगोष्ठी "नैनो टेक्नोलॉजी: केमिस्ट्री एण्ड बायोलॉजी एट द इंटरफेस २१st सेंचुरी" में एक पेपर प्रस्तुत करने के लिए प्रथम स्थान मिला।
- जीव विज्ञान संस्थान की सुनीता पटेल को कैंसर की रोकथाम और अवरोधन में हालिया रुझानों- बेंच टू बेडसाइड पर १५ वीं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पेपर प्रस्तुत करने के लिए सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति पुरस्कार, फरवरी २०२२
- राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान के डॉ. श्रीश कुमार तिवारी को सिस्टम एण्ड मेथड फॉर ऑनलाइन मार्केटिंग रेकमेंडेशन यूजिंग इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT) सेंसर- बेस्ड प्रोडक्ट अवैलबिलिटी इन रीटेल एनवायरमेंट के लिए पेटेंट प्रदान किया गया।
- राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान के शोधछात्र श्री परशुराम साहू को भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा विषय पर आयोजित अखिल भारतीय फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ राष्ट्रीय निबंध प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। यह प्रतियोगिता भूमि युद्ध अध्ययन केंद्र, आरपीएसओ कॉम्प्लेक्स, आर्मी कैंट, नई दिल्ली में आयोजित की गई थी।
- २८ जनवरी, २०२२ को ७वें अंतर्राष्ट्रीय युवा संगोष्ठी की शोधपत्र प्रस्तुति में "ओडिशा राज्य में कृषि की उभरती प्रकृति और प्रवृत्तियों की जांच: ओडिशा में एक अंतर-क्षेत्रीय विश्लेषण" विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत कर बेहरा मुरारी और सरिता अग्रवाल ने तीसरा पुरस्कार जीता। ये संगोष्ठी बी.के. स्कूल ऑफ प्रोफेशनल एंड मैनेजमेंट स्टडीज, गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद द्वारा आयोजित की गई थी।
- डॉ. सजाउद्दीन निजामुद्दीन चप्परबन को ब्रैंडीज यूनिवर्सिटी, वाल्थम, एमए, यूएसए में २९ जून - १० जुलाई, २०२२ की अवधि के लिए और ११ से २१ जुलाई २०२२ के बीच इज़राइल स्टडीज २०२१-२२ के लिए शूस्टरमैन सेंटर की समर इंस्टीट्यूट फेलोशिप प्रदान की गई।

संस्थानों द्वारा हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन और शैक्षणिक सहयोग:

- २६ अगस्त २०२१ को शिक्षा संस्थान, सीयूजी और महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय के बीच एमओयू (समझौता ज्ञापन) हस्ताक्षरित किया गया।
- अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान ने सेंटर फॉर लैंड वारफेयर स्टडीज (**CLAWS**), नई दिल्ली के साथ विविध पारस्परिक हित के क्षेत्रों में शैक्षणिक सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इसमें प्रकाशनों, संगोष्ठियों/वेबिनार/कार्यशालाओं और समानार्थी आयोजनों के संदर्भ में संयुक्त सहयोग और दोनों संस्थानों के पारस्परिक हितों को आगे बढ़ाने के लिए एक साथी विनिमय कार्यक्रम शामिल हैं।
- अनुप्रयुक्त पदार्थ विज्ञान संस्थान ने निरमा विश्वविद्यालय, अहमदाबाद के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए|
- अनुप्रयुक्त पदार्थ विज्ञान संस्थान ने सुसेन मेडिकामेंटोस प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

केंद्र/संस्थान में अतिथि व्याख्यान:

- एम. एस. विश्वविद्यालय, बड़ौदा के गुजराती विभाग के सह-प्रोफ़ेसर डॉ. भरत पंड्या ने एसएलएल एंड सीएस में गुजराती भाषा और साहित्य केंद्र में 'भाषा अध्ययन नी परम्परा' पर १० अक्टूबर, २०२१ को व्याख्यान दिया|
- १० अक्टूबर, २०२१ को डॉ. प्रशांत पटेल, सह-प्रोफ़ेसर, गुजराती विभाग, बाल विश्वविद्यालय, गांधीनगर ने गुजराती भाषा और साहित्य केंद्र, एसएलएल एंड सीएस में "मानव समाज मा भाषा नु स्थान" पर व्याख्यान दिया।
- ०२ फरवरी, २०२२ को डॉ. नियति अंतानी, सहायक प्रोफ़ेसर, गुजराती विभाग, गुजरात कॉलेज, अहमदाबाद ने गुजराती भाषा और साहित्य केंद्र, एसएलएल एंड सीएस में 'कवि कांत कृत पुरवलप' पर व्याख्यान दिया।
- ०५ फरवरी, २०२२ को डॉ. विजय पटेल, सह-प्रोफ़ेसर, गुजराती विभाग, म्यूनिसिपल आर्ट्स कॉलेज, महेसाणा ने गुजराती भाषा और साहित्य केंद्र, एसएलएल एंड सीएस में 'शेक्सपियर ओथेलो' पर व्याख्यान दिया।
- ०७ फरवरी, २०२२ को डॉ. कविता पंड्या, सहायक प्रोफेसर, गुजराती विभाग, एसएनडीटी विश्वविद्यालय, मुंबई ने गुजराती भाषा और साहित्य केंद्र, एसएलएल एंड सीएस में 'चिनू मोदी का औरंगजेब' पर व्याख्यान दिया।
- ०७ फरवरी, २०२२ को डॉ. समीर भट्ट, सह-प्रोफ़ेसर , गुजराती विभाग ने गुजराती भाषा और साहित्य केंद्र, एसएलएल एंड सीएस में 'शितांशु यशचंद्र की जटायु I' पर व्याख्यान दिया।
- ७-८ दिसंबर, २०२१ में डॉ. सुखदेव मिश्रा, वैज्ञानिक डी, बायोस्टैटिस्टिक्स, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ऑक्यूपेशनल हेल्थ अहमदाबाद ने जीवन विज्ञान संस्थान में व्याख्यान दिया।
- ११ दिसंबर, २०२१ को डॉ. सुखदेव मिश्रा, वैज्ञानिक डी, बायोस्टैटिस्टिक्स, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ऑक्यूपेशनल हेल्थ अहमदाबाद ने जीवन विज्ञान संस्थान में व्याख्यान दिया।
- १३-१४ दिसंबर, २०२१ में डॉ. सुखदेव मिश्रा, वैज्ञानिक डी, बायोस्टैटिस्टिक्स, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ऑक्यूपेशनल हेल्थ अहमदाबाद ने जीवन विज्ञान संस्थान में व्याख्यान दिया।
- १९ जुलाई, २०२१ को डॉ. एस.सी. रॉय, सह-प्रोफ़ेसर , भौतिकी विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास, चेन्नई ने नैनो विज्ञान संस्थान में "इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी और नैनोमटेरियल्स अनुसंधान में इसके उपयोग" पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।
- ०७ दिसंबर, २०२१ के डॉ. के.एम. त्रिपाठी, रामलिंगास्वामी संकाय / सहायक प्रोफेसर, भारतीय पेट्रोलियम और ऊर्जा संस्थान, विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश ने नैनो विज्ञान संस्थान में "अपशिष्ट सामग्री और बायोमास का नवीकरणीय ऊर्जा और स्वास्थ्य देखभाल प्रौद्योगिकियों में संक्रमण" पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।
- १५ दिसंबर, २०२१ को डॉ. आलोक श्रीवास्तव, प्रोफ़ेसर, पंजाब विश्वविद्यालय ने रसायन विज्ञान संस्थान में "ऊर्जा भंडारण प्रणाली: सामग्री वैज्ञानिकों के सामने चुनौतियां" पर एक सार्वजनिक व्याख्यान दिया।
- १५ जून, २०२१ को डॉ. जिग्नेश बी. पटेल को शिक्षा संस्थान में "विशेष विश्वविद्यालयों की भूमिका: ईसीसीई" विषय पर व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया।
- १७ जून, २०२१ को डॉ. मौनास ठाकर को शिक्षा संस्थान में "नवीनतम रुझान: सामाजिक विज्ञान और भाषाओं के साथ शिक्षा का संबंध" पर व्याख्यान आमंत्रित।

- ३ जुलाई, २०२१ को डॉ. रूपेन परमार ने "कनाडा में स्कूल प्रणाली और करियर के अवसर" पर शिक्षा संस्थान में ऑनलाइन अतिथि व्याख्यान दिया।
- २५ सितंबर, २०२१ को श्री एजाज, श्री योगेश कुमार, श्री जीवन कुमार साहू, और श्री संदीप दत्ता का "माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षक चयन और भर्ती" पर शिक्षा संस्थान में ऑनलाइन सत्र आयोजित किया गया।
- १३ जनवरी, २०२२ को डॉ. एलिजाबेथ रॉबिन द्वारा शिक्षा संस्थान में रिज्यूम राइटिंग पर व्याख्यान का आयोजन।
- १३ जनवरी, २०२२ को डॉ. दर्शील बक्सी द्वारा शिक्षा संस्थान में अकादमिक लेखन की उत्पत्ति पर व्याख्यान का आयोजन।
- १७ जनवरी, २०२२ को डॉ. सुधीर टंडेल द्वारा शिक्षा संस्थान में अकादमिक लेखन पर व्याख्यान का आयोजन।
- २२ जनवरी, २०२२ को डॉ. ज्योत्सना अमीन ने शिक्षा संस्थान में अकादमिक लेखन पर व्याख्यान का आयोजन।
- ४ मार्च, २०२२ को डॉ. विपुल सोलंकी ने शिक्षा संस्थान में संचार और व्याख्यात्मक लेखन पर व्याख्यान आयोजित किया।
- ११ जून, २०२१ को डॉ. गार्गी कौल, आईएएएस (सेवानिवृत्त) का "भारत की रक्षा योजना और बजट" पर राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान में व्याख्यान।
- २४ जून, २०२१ को डॉ. गार्गी कौल, आईएएएस (सेवानिवृत्त) का "रक्षा खरीद नीति और प्रक्रिया" पर राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान में व्याख्यान।
- ५ जुलाई, २०२१ को डॉ. गार्गी कौल, आईएएएस (सेवानिवृत्त) का "भारत का रक्षा उत्पादन और इसकी चुनौतियां" पर राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान में व्याख्यान।
- १५ जुलाई, २०२१ को डॉ. गार्गी कौल, आईएएएस (सेवानिवृत्त) का १९४७ से भारत के रक्षा व्यय का रुझान विश्लेषण पर राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान में व्याख्यान।
- ९ अक्टूबर, २०२१ को श्री उत्कल त्रिपाठी का "सुरक्षा अध्ययन स्नातकों के लिए कॉर्पोरेट क्षेत्र में कैरियर के अवसर" पर राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान में व्याख्यान।
- २ दिसंबर, २०२१ को डॉ. मुक्तेश चंदर, आईपीएस का "सूचना सुरक्षा पर ऑनलाइन विशिष्ट व्याख्यान: मुद्दे और उभरती चुनौतियाँ" पर राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान में व्याख्यान।
- १९ जुलाई, २०२१ को डॉ. एस.सी. रॉय, सह-प्रोफ़ेसर, भौतिकी विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास, चेन्नई ने नैनो विज्ञान संस्थान में "इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी और नैनोमटेरियल्स अनुसंधान में इसके उपयोग" पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।
- ०७ जुलाई, २०२१ को डॉ. के.एम. त्रिपाठी, रामलिंगास्वामी फैकल्टी, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोलियम एंड एनर्जी, विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश ने नैनो विज्ञान संस्थान में "अपशिष्ट सामग्री और बायोमास का नवीकरणीय ऊर्जा और स्वास्थ्य देखभाल प्रौद्योगिकियों में संक्रमण" पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।
- ८ फरवरी, २०२२ को डॉ. नम्रता, सह-प्रोफ़ेसर, मानविकी विभाग, मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएएनआईटी), भोपाल ने शोध पद्धति- I(एसटीआई-६५१) पाठ्यक्रम के पीएचडी छात्रों को "सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में एसपीएसएस का उपयोग: एक मात्रात्मक दृष्टिकोण" पर एक व्याख्यान दिया। इस व्याख्यान का आयोजन विज्ञान अध्ययन केंद्र , प्रौद्योगिकी और नवाचार नीति, सामाजिक विज्ञान संस्थान में किया गया था।

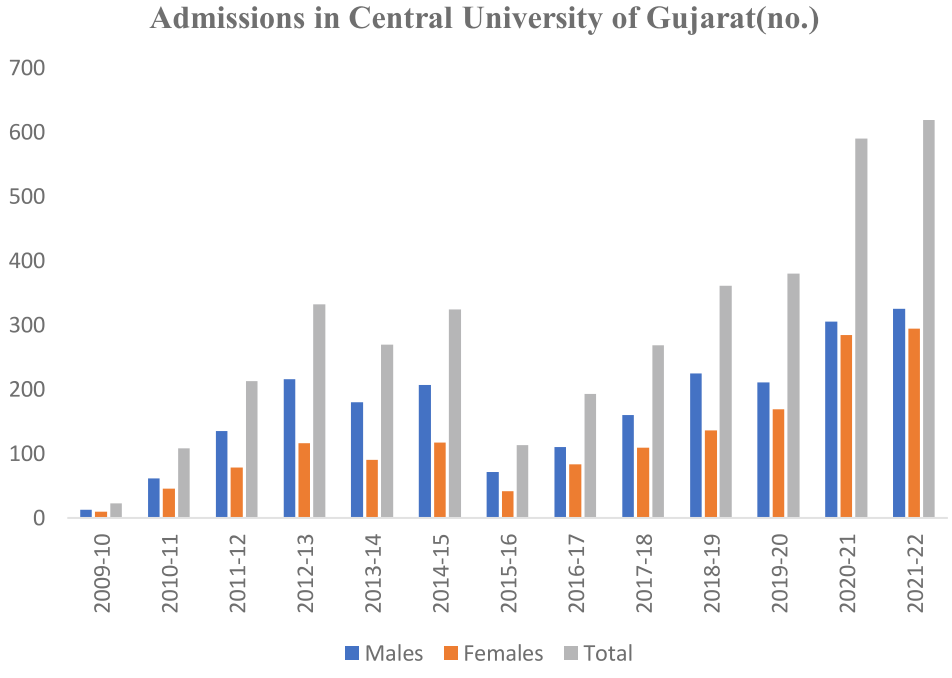
Admissions in Central University of Gujarat(no.)
700
600
500
400
300
200
100
0
2009-10
2010-11
2011-12
2012-13
2013-14
2014-15
2015-16
2016-17
2017-18
2018-19
2019-20
2020-21
2021-22
Males
Females
Total

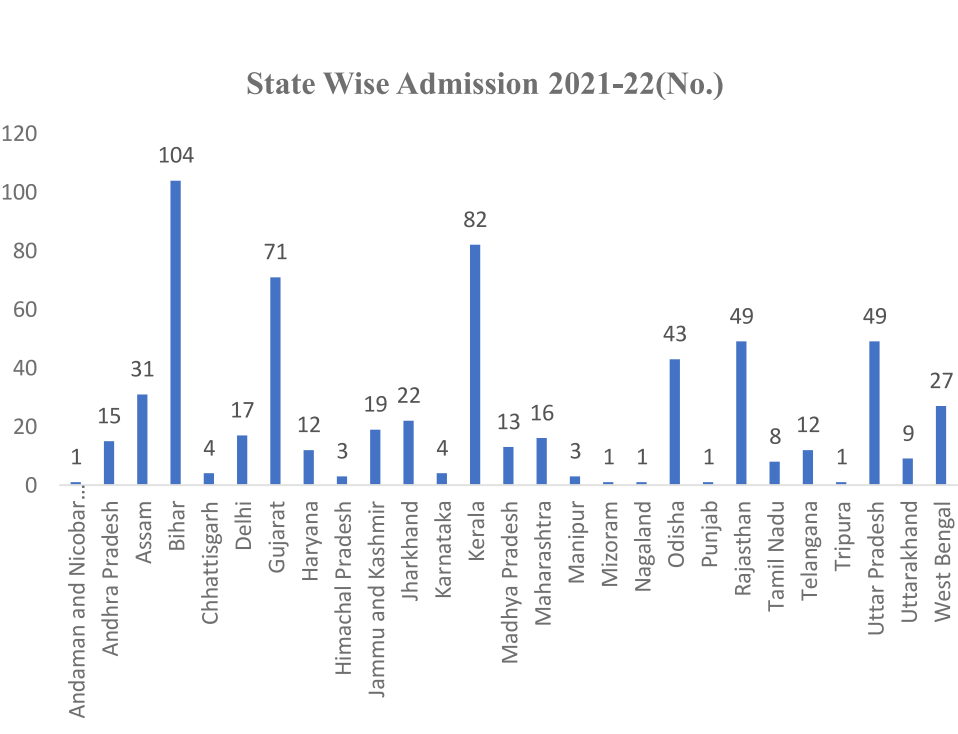
State Wise Admission 2021-22(No.)
120
100
80
60
40
20
0
1
15
31
104
4
17
71
12
3
19
22
4
82
13
16
3
1
1
43
1
49
8
12
1
49
9
27
Andaman and Nicobar...
Andhra Pradesh
Assam
Bihar
Chhattisgarh
Delhi
Gujarat
Haryana
Himachal Pradesh
Jammu and Kashmir
Jharkhand
Karnataka
Kerala
Madhya Pradesh
Maharashtra
Manipur
Mizoram
Nagaland
Odisha
Punjab
Rajasthan
Tamil Nadu
Telangana
Tripura
Uttar Pradesh
Uttarakhand
West Bengal

Programmewise admissions during 2021-22 (no.)

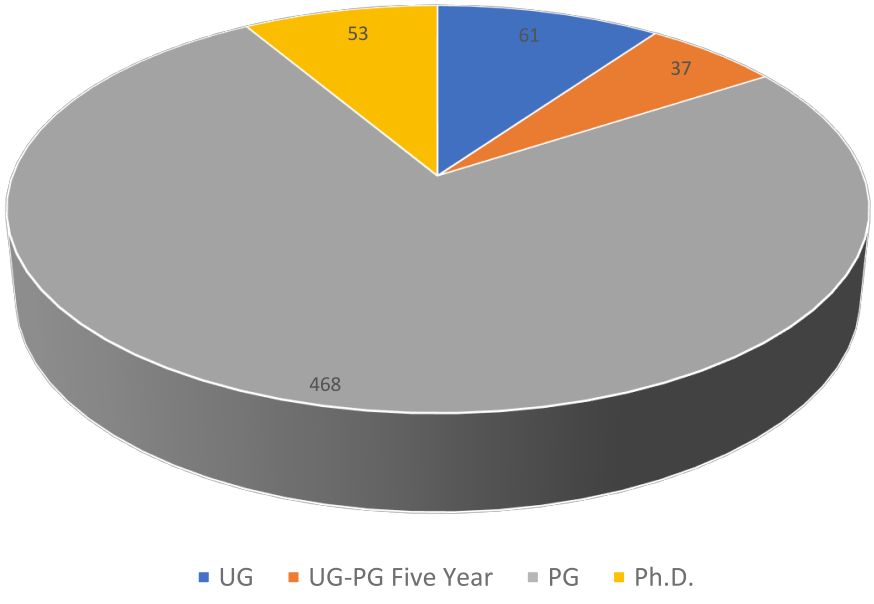

programmewise total students during 2021-22(no.)

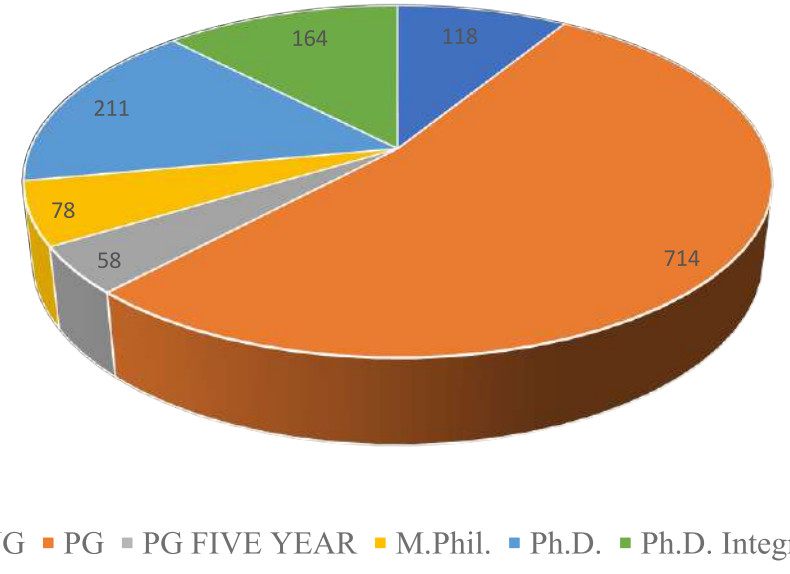

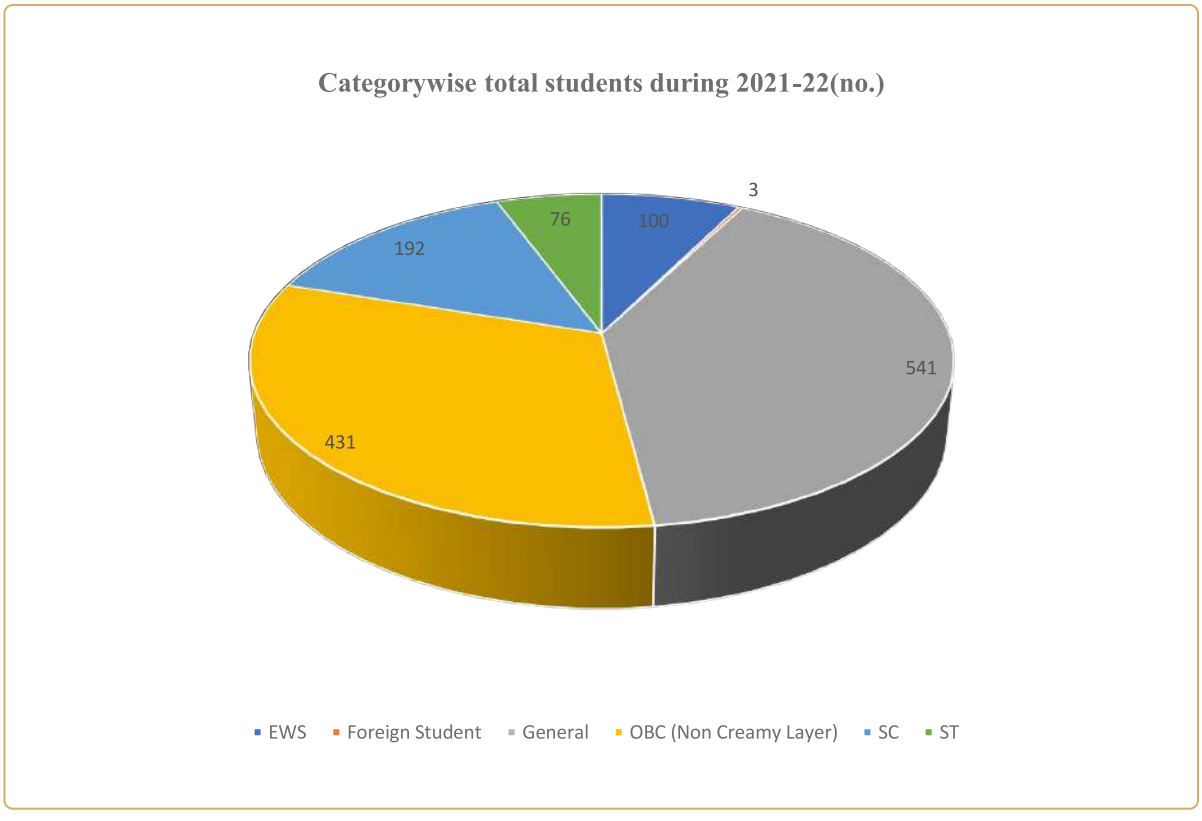

Categorywise total students during 2021-22(no.)

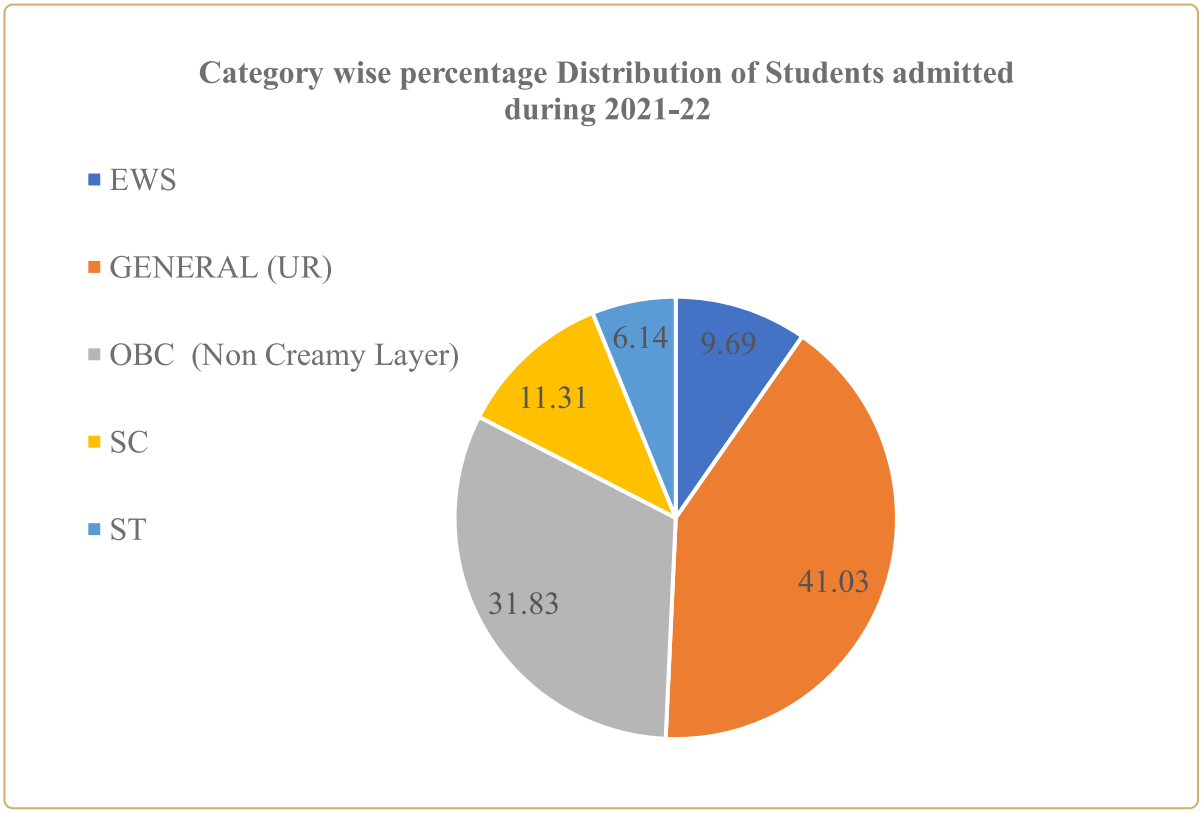

Category wise percentage Distribution of Students admitted during 2021-22

Gender wise percentage Distribution of Students admitted during 2021-22

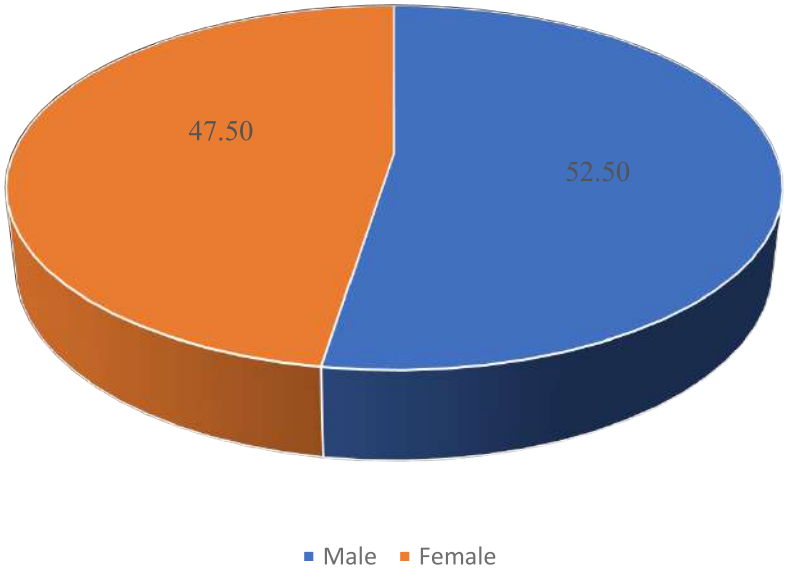

Degrees awarded during 2021-22

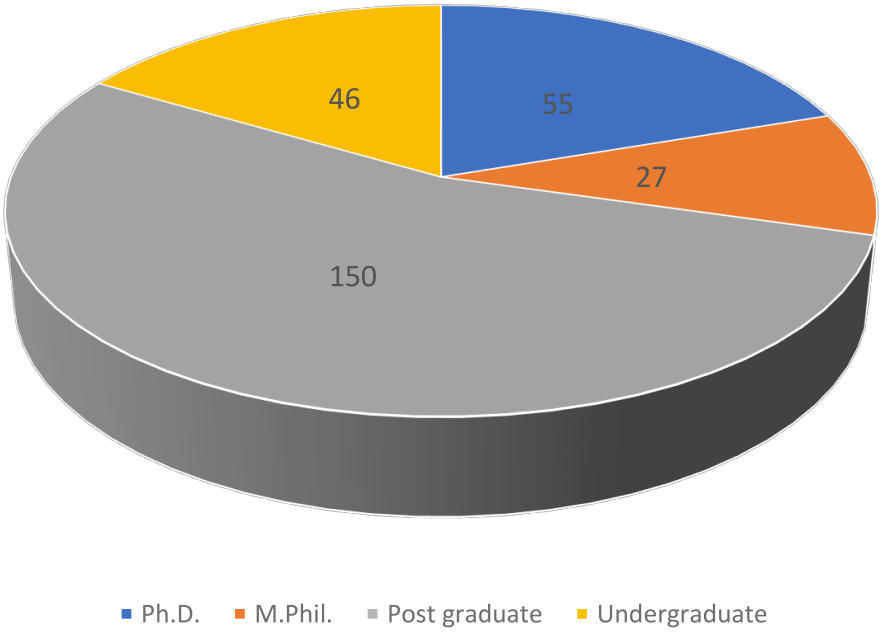

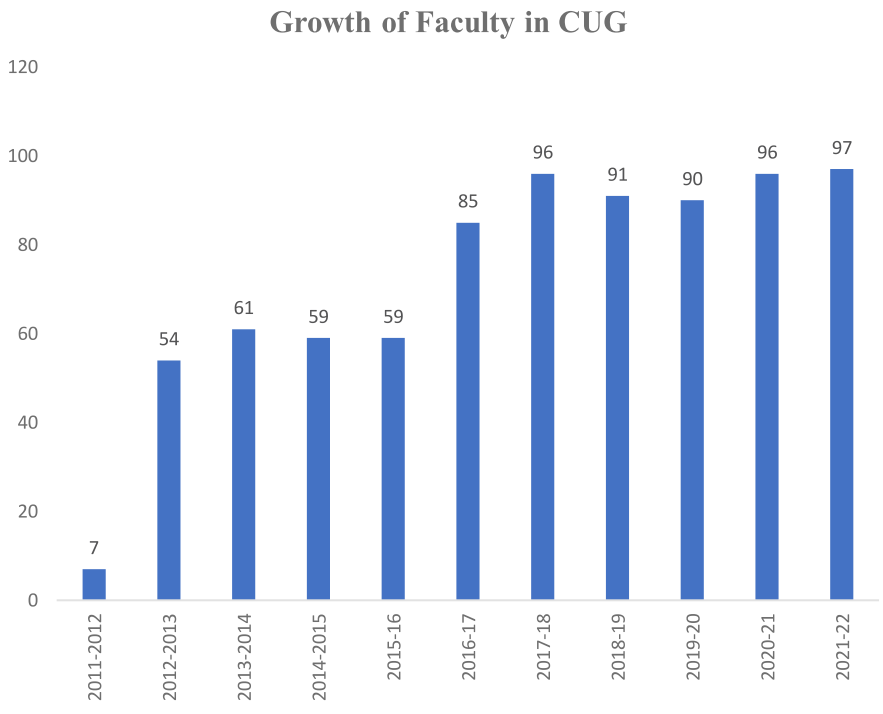
Growth of Faculty in CUG
120
100
80
60
40
20
0
7
54
61
59
59
85
96
91
90
96
97
2011-2012
2012-2013
2013-2014
2014-2015
2015-16
2016-17
2017-18
2018-19
2019-20
2020-21
2021-22

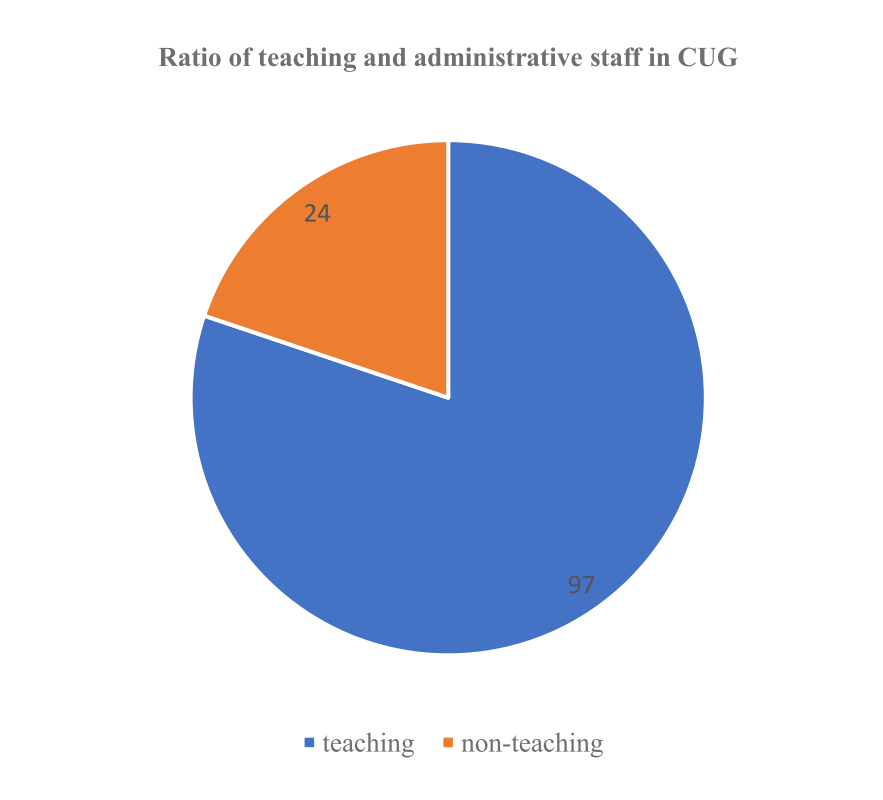
Ratio of teaching and administrative staff in CUG
24
97
teaching
non-teaching

Genderwise distribution of teaching staff

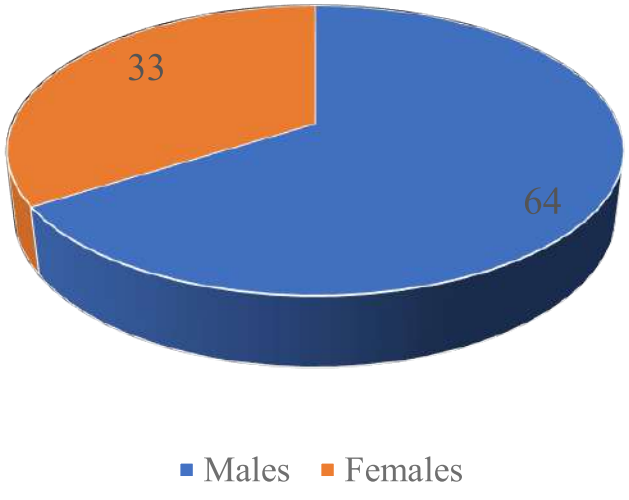

Academic activities of the Teaching staff

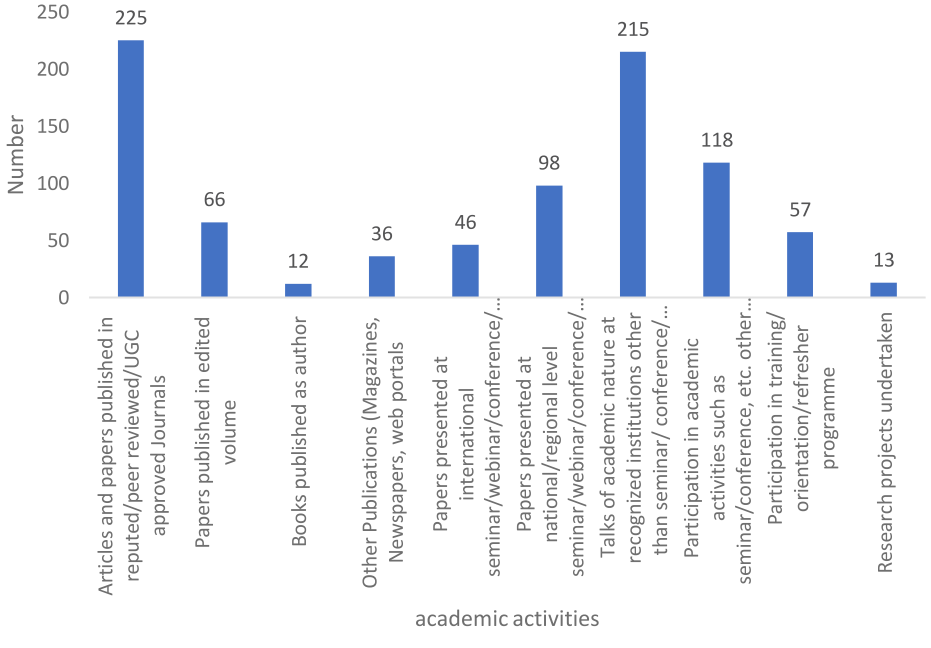

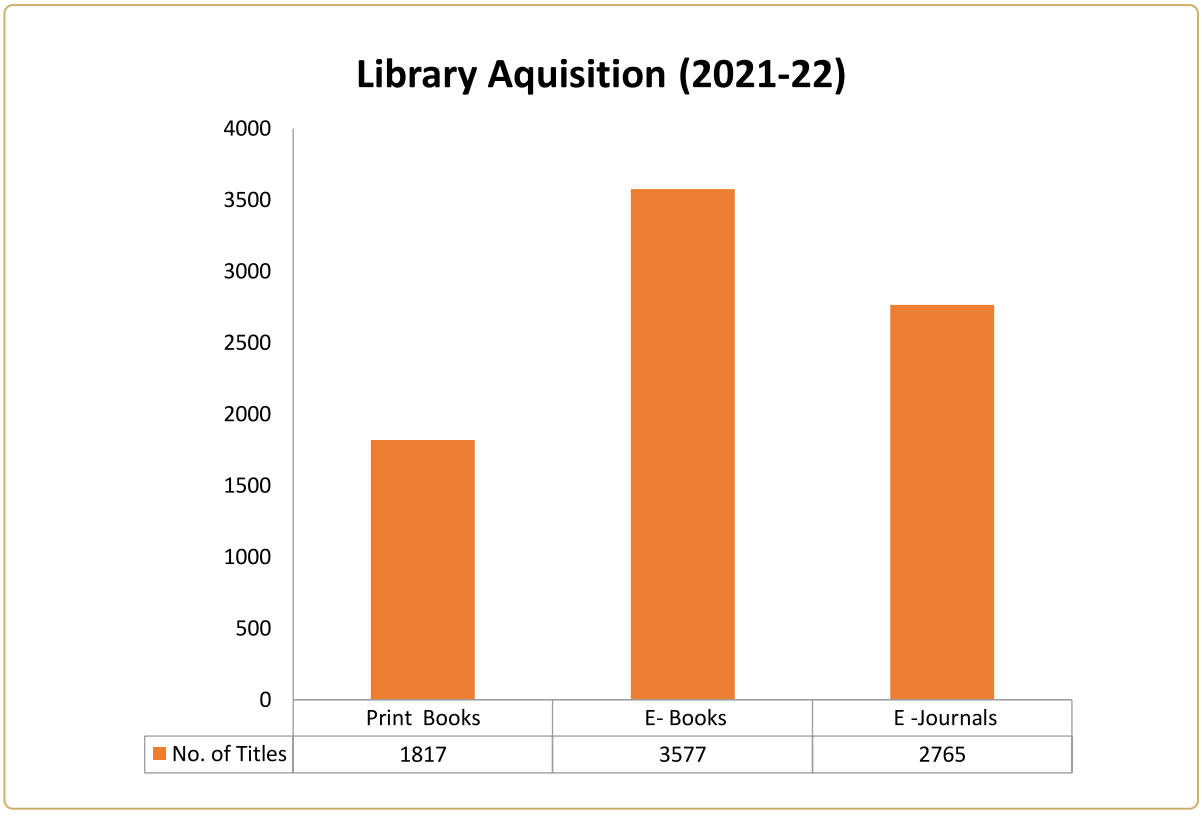
Library Aquisition (2021-22)
4000
3500
3000
2500
2000
1500
1000
500
0
Print Books
E- Books
E -Journals
No. of Titles
1817
3577
2765

संस्थान एवं केंद्र

अनुप्रयुक्त पदार्थ विज्ञान संस्थान

संस्थान का परिचय

बदलते वैश्विक परिदृश्य में अनुसंधान और अर्थव्यवस्था के लिए एक बहु-विषयक दृष्टिकोण की मांग में विज्ञान का उद्देश्य आत्मनिर्भर और अग्रणी होना है। यह अनुमान लगाया जाता है कि 21वीं सदी उन लोगों की है जो परम्परागत पथ से अलग दृष्टिकोण और सोच को अपनाते हैं। उन्नत सामग्री आर्थिक सुरक्षा और मानव कल्याण के लिए आवश्यक हैं साथ ही इनका अनुप्रयोग कई उद्योगों में होता है जिनका उद्देश्य स्वच्छ ऊर्जा, राष्ट्रीय सुरक्षा और मानव कल्याण संबंधी समस्याओं का समाधान करना है इसलिए, 21वीं सदी में वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता हासिल करने के लिए उन्नत सामग्री प्रणाली की खोज और तैनाती की गति को तेज करना महत्वपूर्ण होगा। इस केंद्र का उद्देश्य नए विचारों और कार्यप्रणाली के मिश्रित -निषेचन प्रदान करना है, जो प्रयोगात्मक अनुसंधान के बीच सहयोग के लिए एक सेतु के रूप में कार्य कर सकता है, जो वास्तविक दुनिया के डेटा को संश्लेषित, चिह्नित और एकत्र कर रहे हैं और वे एक के तरह प्रारूप-निर्माण, उद्दीपन और विश्लेषण में कम्प्यूटेशनल अनुसंधान कर रहे हैं। यह संस्था आलोचनात्मक मूलभूत तालमेल, नए प्रयोग और त्वरित खोज प्रदान कर सकता है | अतिथि शिक्षक को व्यक्तिगत नियमित रूप से आमंत्रित करते हैं, जो औद्योगिक आवश्यकताओं और छात्रों के कौशल को बढ़ाने के लिए अपना आगत प्रदान कर सके|

केंद्र द्वारा संचालित पाठ्यक्रम

औद्योगिक रसायन विज्ञान में एम.एससी.

अनुप्रयुक्त रसायन में पीएच.डी.

केंद्र में कार्यरत शिक्षक

प्रो. प्रकाश सी झा

रूचि का क्षेत्र: मल्टिस्कले मोडेलिंग फ्रॉम मॉलिक्यूल्स टू मटेरियल्स. कम्प्यूटेशनल अप्रोच टू ड्रग डिज़ाइनिंग एंड रैशनल अप्रोच टू कैटेलिस्ट डिज़ाइन फॉर एनर्जि मटेरियल्स।

डॉ. राजू चौहान

रूचि का क्षेत्र: मल्टी-डिसीप्लिनरी रिसर्च प्रोग्राम्स इंक्लुडिंग टोटल सिन्थिसिस ऑफ बायोएक्टिव मॉलिक्यूल्स, द डिज़ाइन ऑफ नॉवेल मेथोडोलोजी, एंड कैटेलिस्ट असिमेट्रिक रिएक्शन.

डॉ. ईश्वरैया बेगारी

रूचि का क्षेत्र: मेडिसिनल कैमिस्ट्रि एंड टोटल सिन्थिसिस ऑफ बायोलोजीकली एक्टिव नैचुरल प्रोडक्टस.

प्रतिष्ठित / विशेषज्ञ समीक्षित / यूजीसी द्वारा अनुमोदित पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख और शोधपत्र

- सिद्धि केडिया, अनु मनहस, मोहसिन वाई. लोन, प्रकाश, सी. झा, 2021, ए थियोरेटिकल स्टडी डिस्क्राइबिंग द सेन्सिंग मैकेनिज्म ऑफ द नॉवेल त्रिअर्लबोरने सब्सटीच्यूट नफ्थालिमिदे मॉलिक्यूल, जर्नल ऑफ मॉलिक्यूल स्ट्रक्चर https://www.sciencedirect.com/
- कोंगोर, ए, पांचाल, एम अतहर, एम., (..), झा, पी. सी., जैन, वी, 2021, कलिक्स (4) प्यररोले स्टबिलिजेड पीडीएनपीएस एज़ एन एफ़्फ़ीसिएंट हेटेरोगेनेऔस कैत्लिस्ट फॉर एनहैन्स्ड डीग्रेडेशन ऑफ वॉटर-सोलूबले कारसीनोजेनिक अजो द्येस, कतालयसीस लेटर्स, https://link.springer.com
- वोरा जे, अतहर एम, सिन्हा एस, झा पी सी, श्रीवास्तव एन, 2021, करेंट एचआईवी बिंडिंग इनसाइट ऑफ एंटी-एचआईवी

फाइटोकंपाउंड्स विथ प्राइम टरगेट्स ऑफ एचआईवी: ए मोलेक्युलर डायनामिक्स सिम्युलेशन एनालिसिस, https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/

- पंचाल, म., कोंगोर, ए.,अतहर, यम., (..), झा, पी. सी., जैन, वी.के., जे. मोल. लिकुइड्स, 2021 स्ट्रक्चरल मोतीफ़्स ऑफ ओकसालिक्स (4) आरने फॉर मोलेक्युलर रेकोग्नेशन ऑफ नाइट्रोएरोमैटिक एक्सप्लोसिवस: एक्सपेरिमेंटल एंड कम्प्यूटेशनल इंवेस्टिगेशन ऑफ होस्ट-गेस्ट काम्प्लेक्स, https://www.sciencedirect.com/
- केडिया, यस., मनहास, ए. झा, पी. सी, 2021 डीएफटी/टीडी डीएफटी बेस्ड स्टडी टु डीसाइफर द प्रोटोन ट्रान्सफर प्रोसेस इन अनिओन सेन्सिंग मैकानिज़म ऑफ एनटीएस मॉलिक्यूल, कैमिस्ट्रि सिलैक्ट, https://chemistry-europe.onlinelibrary.wiley.com/
- वोरा, जे., पटेल, एस., अथर, यम. टी. चबारिया, झा, पी. सी., श्रीवास्तवा, एन, 2021, फर्माकोफोरे मोडलिंग, मोलेक्युलर डोककिंग एंड मोलेक्युलर डायनामिक्स सिम्युलेशन फॉर स्क्रीनिंग एंड आईडेन्तिफ़ाइन्ग फाइटोकंपाउंड्स, एंटि-डेंगु, जर्नल ऑफ बायोमलैक्युलर स्ट्रक्चर एंड डायनामिक्स, 2021, https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/
- सुमन, पी., लोन, एम. वाई., जनार्दन, एस., झा, पी. सी., सिवारामकृष्ण, ए., क्लेटन, एच. एस, 2021 स्टडीज ऑन स्टेबिलिटी एंड स्ट्रक्चरल आस्पेक्टस ऑफ हयद्राजीदे-बेस्ड हाइपरकौर्डिनेट सिलिकॉन (IV) कोम्प्लेक्सेस जर्नल ऑफ कार्डिनेशन कैमिस्ट्रि https://www.tandfonline.com/
- साहिबा, एन., अग्रवाल, डी. के., मनहास, ए., (..), झा, पी. सी. अगरवाल, 2021, मैकेनोकेमिकल अप्रोच फॉर द सेलेक्टिव सिन्थिसिस ऑफ 1,2-डिसूब्स्तिउटेड बेंजीमिडजोलेस एंड देयर मॉलिक्यूलर डोककिंग स्टडीज, एस. पॉलीसाइक्लिक अरोमटिक कोम्पौंड्स, https://www.tandfonline.com/
- बी. बी. पवनकुमार, प्रबोध रंजन, प्रकाश सी. झा एंड अकेल्ल सिवारामाकृष्णा एनालिस्ट, 2021, न्यू सिम्पल मॉलिक्यूलर फ्लुओरेसैंट प्रोबेस फॉर रैपिड एंड हाइली सेलेक्टिव सेन्सिंग ऑफ हयड्राज़ीने बी एग्रिगेट- इंदुकेड एमिसन, https://pubs.rsc.org/
- दिनेश के. अग्रवाल आयुषी सेठीया पंकज तेली अनु मनहास जय सोनी नुसरत साहिबा प्रकाश सी. झा शिखा अग्रवाल प्रदीप के, 2021, क्लिक कैमिस्ट्रि-इंस्पायर्ड डिज़ाइन, सिन्थिसिस, एंड मॉलिक्यूलर डोककिंग स्टडीज ऑफ बिस्कौमरिन डेरिवेटिवस युसिंग कार्बन-बेस्ड एसिड कतल्यस्ट, जर्नल ऑफ हेटेरोक्यक्लिक कैमिस्ट्रि, https://onlinelibrary.wiley.com/
- सुमन, पी., भट, आर, जनार्दन, यस., झा, पी. सी., सिवारामाकृष्णा, 2021, न्यू हयद्राजीड़े बेस्ड ट्राइसाइक्लिक पेंटाकोर्डिनेट सिलिकोणियम इओन्स-ए फासिले रूट टू दीसिंथेसिस ऑफ़ स्फेरिकल शेप्ड एसआर5(पीओ4)2एसआईओ4, ए जर्नल ऑफ अप्लाइड ऑर्गनमेटैलिक कैमिस्ट्रि, 2021, https://onlinelibrary.wiley.com/
- सेठीया, ए., तेली, पी., मनहास, ए., (...), झा, पी., अग्रवाल, एस.2021, कार्बन-SO3H: अन एफ़्फ़ीसिएंट कैटेलिस्ट फॉर द सिन्थिसिस ऑफ बिस्कौमरीन अंडर अंबिएंट रिएक्शन कंडिशन्स अँड देयर इन-सिलिकों स्टडीस, सिंथेटिक कम्युनिकेशन्स, 2021, https://www.tandfonline.com/
- ए., पंचाल, एम., अतहर, एम., (..), झा, पी. सी., जैन, वी, 2021, कलिक्स (4) प्य्ररोले स्टेबीलाईज़ड पीडीएनपीएस एज़ एन एफ़्फ़ीसीएंट हेटेरोजेनेऔस कटैलिसीस फॉर एनहांस्ड डीग्रेडेशन ऑफ वॉटर-सोलुब्ले कार्सीनोगेनीक अजो डाइज, कोंगोर, काताल्त्सिस लेटर्स, 2021 https://link.springer.com
- साननपनेनी जनार्दन, ए. एस. विजयी आनंद, पोथीनी सुमन, मोहसीन वाई. लोन, प्रकाश सी. झा सी. वी. यस. ब्रहममाननदा राव & अकेल्ला सीवारामकृष्ण, 2021, फासिले रि डक्श्न् ऑफ फोस्फिने ऑक्साइड बाइ ओ-सिलयलटेड़ हाइड्राज़ाइड सपोर्टेड हाइड्रोसिलानेस, सिलिकॉन https://link.springer.com/.

- अनु मनहास, सुजीत कुमार & प्रकाश सी. झा, 2021, इडेंटीफिकेसन ऑफ द नैचुरल कम्पाउण्ड इनहिबिटोर्स अगेन्स्ट प्लास्मोडीयम फल्सिपरम प्लास्मेप्सिन-II वीया कॉमन फीचर बेस्ड स्क्रीनिंग एंड मलैक्युलर डायनामिक्स सिमुलेटिओंस, जेबीएसडी, https://www.tandfonline.com/

- सिद्धि केदिया , अनु मनहास, मोहसीन वाई. लोन, प्रकाश, सी. झा, 2021, ए थेओरेटिकल स्टडी डिसकराईबिंग द सेन्सिंग मैकानिज्म ऑफ द नॉवेल त्रियय्ल्बोरने सबसटीट्यूटेड नफ्थालिमिदे मॉलिक्यूल, जर्नल ऑफ मलैक्युलर स्ट्रक्चर, https://www.sciencedirect.com/

- एम वोरा, ए कोंगोर, एम पंचाल, एम अतहर, ए वर्मा, एफ पंजवानी, पीसी झा, 2021, ए हाइली सेलेक्टिव अंथ्रकुइनोने अप्पेंडेड ऑक्सकैलिकिक्सरीन रिसेप्टर फॉर फ्लोरोसेंट आईसीटी सेन्सिंग ऑफ एफ-इओन्स: एन एक्सपेरिमेंटल एंड कम्प्यूटेशनल स्टडी, जर्नल ऑफ केमिकल साइन्स, https://link.springer.com/

- बी. बोरह, के. डी. द्विवेदी, एल. राजू चौहान., 2021, एप्लिकेशन ऑफ पायराज़ोलोन इन मल्टीकम्पोनेंट रिएक्शन्स फॉर द सिन्थिसिस ऑफ डाइहाइड्रोपाइरानो (2,3-सी) पायराज़ोल एंड स्पिरो-पाइरानो (2,3-सी) पायराज़ोल्स इन द अकेऔस मीडियम. आर्किवोक, आइ, 273-328. डीओआई: 10.24820/अर्क. 5550190.p011.481.

- बी. बोरह, के. डी. द्विवेदी, एल. राजू चौहान., 2021, रिसेंट अप्रोचेस इन द ऑर्गेनोकैटलिटिक सिन्थिसिस ऑफ प्यूरोलेस. आरएससी अडवांसेस, 11, 13585-1360. (सेलेक्टेड फॉर द आरएससी अडवांसेस 10th अन्नीवेर्सरी कलेक्शन फोक्सिंग ऑन सस्टनेबल सिन्थिसिस).

- बी. बोरह, के. डी. द्विवेदी, एल. राजू चौहान., 2021, रिसेंट अप्रोचेस इन द ओर्गनोकतल्यतिक सिन्थिसिस ऑफ प्यूरोलेस. आरएससी अडवांकेस, 11, 13585-1360. (सेलेक्टेड फॉर द आरएससी अडवांसेस 10th एनिवर्सरी कलेक्शन फोक्सिंग ऑन सस्टनेबल सिन्थिसिस).

- बिपलोब बोरह, कार्तिकेय धर द्विवेदी, एल. राजू चौहान, 2021, रिव्यु ऑन सिंथेसिस एंड मेडिसिनल एप्लीकेशन ऑफ़ डायहाइड्रोपाइरानो[3,2-बी] प्यरंस एंड स्पाइरो-पाइरानो [3,2-बी] प्यरंस बाय एम्प्लोयिंग दी रेअक्टिविटी ऑफ़ 5-हाइड्रॉक्सी-2 - (हाइड्रॉक्सीमेथाइल) - 4 एच- पाइरान- 4 - वन. पॉलीसाइक्लिक एरोमैटिक कंपाउंड्स, डीओआई: 10.1080/10406638.2021.1962923

- भूपेंदर कुमार, मर्री समीर रेड्डी, कार्तिकेय धर द्विवेदी, अमरजीत दहिया, जे. नगेंद्र बाबू, एल. राजू चौहान, 2021 सिन्थिसिस ऑफ इन-सीटू इम्मोबिलिजड आइरन ऑक्साइड ननोपर्टिकल्स (एफ इ 3ओ4) ऑन माइक्रोक्रिस्टलाइन सेलउलोस: एकोफ्रेंडली एंड रिसाईक्लेब्ल कतल्यस्त फॉर माइकल एडिशन. अप्लाइड ओरगेनोमेटलिक कैमिस्ट्रि, DOI: 10.1002/aoc.6455.

- बिपलोब बोरह, कार्तिकेय धर द्विवेदी, एल. राजू चौहान, 2021 रिसेंट एडवांस इन द मेटल-एंड ऑर्गेनोकैटलाइज्ड एसिमेट्रिक फंक्शनलाइजेशन ऑफ़ पाइरोल्स, आसियान जर्नल ऑफ आर्गेनिक कैमिस्ट्रि. 10, 2709-2762.

- कार्तिकेय धर द्विवेदी, भूपेन्दर कुमार, मर्री समीर रेड्डी, बिपलोब बोरह, जे. नगेंद्र बाबू, एंड एल. राजू चौहान, 2021, एसिटाइल ऑक्सीम / एज़िरिन 1, 3-डीपोल एंड स्ट्रेटजी फॉर रेजियो-सेलेक्टिव सिंथेसिस ऑफ़ पॉलीसबस्टिट्यूटेड पाइरोल्स वाया[3+2] साइक्लोडडिशन विथ अल्क्यने उतिलीज़िंग एफ इ 2ओ 3 @ सेल्युलोज कतल्यस्त. रिजल्ट्स इन कैमिस्ट्रि, 3, 100201

- बिपलोब बोरह, कार्तिकेय धर द्विवेदी, एल. राजू चौहान, 2021 हाइड्रोक्सीकोमरीन: ए वर्सटाइल सबस्ट्रेट फॉर द ट्रैनजिशन-मेटल-फ्री मल्टीकम्पोनेंट सिंथेसिस ऑफ बायोएक्टिव हेटरोसिस्लेस आसियान जर्नल ऑफ आर्गेनिक कैमिस्ट्रि. 10, 3101-3126.

- बिपलोब बोरह, एल. राजू चौहान, 2021 रिसेंट एडवांस इन द ट्रैनजिशन-मेटल-फ्री सिन्थिसिस ऑफ क्विनॉक्सालाइन्स.

आरएससी एडवांस, 11, 37325-37353

- शांता राज लक्ष्मी, विपिन कुमार, एल . राजू चौहान, 2021, एफिसिएंट कोंजुगट एडिशन ऑफ 3-मेथि1-5-पायराजोलोन्स टू चाल्कोन्स इन वॉटर एक्सट्रेक्ट राइस स्ट्रॉ आश (डबल्यूईआरएसए), कैमिस्ट्रि बी, 60बी, एक्सेप्टेड.
- विपिन सिंह, शांता राज लक्ष्मी, एल. राजू चौहान, 2022 ग्राफेने ऑक्साइड कतालयसेड़ सिन्थिसिस ऑफ फ्युज्ड क्रोमेनो स्पैरो पाइरोलिडाइन ऑक्सिंडोल्स वाया टंडेम डिकार्बोजाइलेशन एंड 1,3 डाइपलर साइक्लोएडिशन, फ्रोंटिएर्स इन कैमिस्ट्रि,9, 759436 DOI: 10.3389/fchem.2021.759436.
- बिपलोब बोरह, कार्तिकेय धर द्विवेदी, भूपेन्दर कुमार, एल. राजू चौहान., 2022, रिसेंट अडवांसेज इन द माइक्रोवेव-एंड अल्ट्रासाउंड-असीस्टेड ग्रीन सिन्थिसिस ऑफ कौमारिन-हेटरोसायकल.,अरेबीयन जर्नल ऑफ कैमिस्ट्रि, 15, 103654
- नोह टी. हसकीन, रिचर्ड ए. गिंगरिच, एलीसन जे. श्रेडर, मैथ्यू आर. क्रॉसे, अल्पा य. दवे, ईश्वरैया बेगारी, राम एस. मोहन, विस्मुथ (III) क्लोराइड कतल्यज़ेड मल्टीकंपोनेंट सिन्थिसिस ऑफ सब्स्टिट्यूटेड हेक्साहाइड्रोइमिडाज़ो (1, 2-आ) पाइरीडीन्स, ग्रीन एंड सस्टनेबल कैमिस्ट्रि, 2021, www.scirp.org/journal/paperinformation
- अल्पा वाय. दवे, कोकिला ए. परमार, ईश्वरैया बेगारी, दीपकुमार एस. जोशी, 2021, सिन्थिसिस एंड बायोलोजिकल इवैल्यूएशन ऑफ ओक्साडियज़ोले क्लुब्बेड थियाडियाज़ोल डेरिवेटिव ऐज एंटीमाइक्रोबिल एजेंट, इंडियन जर्नल ऑफ हेटेरोसाईक्लिक कैमिस्ट्रि, www.connectjournals.com/toc
- अल्पा वाई. दवे, ईश्वरैया बेगारी, 2021, वन-पौट सिन्थिसिस ऑफ ए-अमीनोनित्रिलेस इन वॉटर यूजिंग आइरन (III) टोसाइलेट हेक्साहाइड्रेट (Fe(OTs)3। 6H2O एज़ ए ग्रीन कैट्लिस्ट , कैमिस्ट्रि सिलैक्ट, https://chemistry-europe.onlinelibrary.wiley.com/doi

अकादमिक गतिविधियों जैसे संगोष्ठी/सम्मेलन पत्र प्रस्तुति आदि के अतिरिक्त सत्रीय अध्यक्षता, संगोष्ठी आयोजक, आदि के रूप में प्रतिभागिता

- प्रो. प्रकाश सी झा : अनुसंधान और वैज्ञानिक लेखन पर संसाधन व्यक्ति के रूप में, 25 और 26 फरवरी 2022, राज्य स्तरीय सम्मेलन, रसायन विज्ञान विभाग, सरकारी विज्ञान कॉलेज, गांधीन र भाग लिया।

प्रशिक्षण/अभिविन्यास/पुनश्चर्या कार्यक्रम में भागीदारी

- डॉ. राजू चौहान : अरुण जेटली राष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन संस्थान, फरीदाबाद द्वारा 17-20 मई, 2021 को आयोजित सार्वजनिक खरीद (बेसिक) विषय पर ऑनलाइन प्रबंधन विकास कार्यक्रम में भाग लिया था।

विश्वविद्यालय प्रशासन में समिति के सदस्यों के रूप में अथवा अतिरिक्त उत्तदायित्व के वहन हेतु संकाय सदस्यों की प्रतिभागिता

प्रो. प्रकाश सी झा

- अधिष्ठाता, सैम्स (SAMS)
- अध्यक्ष - स्कूल बोर्ड ऑफ स्टडीज, सैम्स
- अध्यक्ष- उन्नत अध्ययन एवं अनुसंधान समिति, सैम्स
- अध्यक्ष - विभागीय अकादमिक सत्यनिष्ठा पैनल के लिए समिति, सैम्स
- सदस्य- गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय की चौथी अकादमिक परिषद, सीयूजी

- सदस्य - गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय की चौथी कार्यकारी परिषद
- सदस्य- प्रवेश समिति, सीयूजी
- समन्वयक – नियोजन/स्थानन प्रकोष्ठ, सीयूजी

डॉ. राजू चौहान

- सैम्स (SAMS) के लिए स्वयं (SWAYAM) समन्वयक
- सैम्स के पूर्व छात्रों के लिए नोडल अधिकारी
- सैम्स के क्रय अधिकारी
- सीएएसआर और बीओएस के सदस्य
- सीआईएफ समिति के सदस्य
- एलसीएमएस के प्रभारी

रसायन विज्ञान संस्था

संस्थान का परिचय:

रसायान विज्ञान संस्थान (एससीएस) शिक्षण दृष्टि से अद्वितीय केंद्र है। यह केंद्र प्राकृतिक विज्ञान के क्षेत्र में विभिन्न विषयों के माध्यम से अंतःविषय और परस्पर संचार (इंटरैक्टिव) शिक्षण और शोध कार्यों द्वारा अभिनव वैज्ञानिक विचारों को बढ़ावा देता है। यह संस्थान एप्लाइड एंड ग्रीन कैमिस्ट्री, टेक्सटाइल और पॉलिमर कैमिस्ट्री, पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स, सुपरमोल्यूक्लियस और मैक्रोमोल्यूल्स, काइनेटिक्स और कैटलिसिस, फिजिकल ऑर्गेनिक कैमिस्ट्री, सिंथेटिक कार्बनिक और अकार्बनिक कैमिस्ट्री, नैनो कैमिस्ट्री, और बायोऑर्गनिक कैमिस्ट्री आदि जैसे विषय क्षेत्रों में अनुसंधान कार्य करवाता है। इस संस्थान में पढ़ने वाले छात्रों को रासायनिक विज्ञान के लगभग कई चरणों से गुजरना पड़ता है जो कि बहुत ही व्यापक और गहरे होते हैं। जिनसे छात्रों को सैद्धांतिक, अनुप्रयुक्त, यांत्रिक, कम्प्यूटेशनल और प्रयोगात्मक रसायन के विविध चरणों आदि के बारे में व्यापक ज्ञान प्राप्त होता है।

केंद्र द्वारा संचालित पाठ्यक्रम

·रसायान विज्ञान में एम. एससी.

·रासायनिक विज्ञान में पीएच. डी.

छह महीने की अवधि का एनालिटिकल टेक्निक फॉर विजुयली चैलेंज्ड (एटीवीसी) सर्टिफिकेट कोर्स

केंद्र स्तर पर कार्यरत शिक्षक

प्रो. मान सिंह

रूचि के क्षेत्र: थर्मोडायनामिक्स ऑफ मॉलिक्यूलर इंटरे ऑफ स्ट्रक्चरल लिक्विड मिक्सचर्स, नैनोइमल्शन एण्ड ग्रैफेन स्ट्रक्चरल मोडिफीकेशन्स।

प्रो. दिनेश कुमार, प्रोफेसर एवं अधिष्ठाता

रूचि के क्षेत्र: संश्लेषित अकार्बनिक रसायन एवं नैनो रसायन

डॉ धनंजय मंडल, सहायक प्रोफेसर

रूचि के क्षेत्र: सिन्थिसिस ऑफ बायोएक्टिव मॉलिक्यूल्स, ओर्गेनो-नैनोकॉन्जुगेट्स, पेप्टिडोमिमेटिक्स एंड आयनिक लिक्विड; न्यू मेथोड़ोलाजी एंड ड्रग डेव्लपमेंट।

डॉ. दंडमुडी वी. लेनिन, सहायक प्रोफेसर

रूचि के क्षेत्र: सिंथेटिक आर्गेनिक केमिस्ट्री, एसमेट्रिक सिंथिसिस, आर्गेनोकटलिस्टक रिएक्शनस, ऑर्गनोमटैलिकस केमिस्ट्री, ग्रीन केमिस्ट्री।

डॉ. गुरुराजा जी.एन., सहायक प्रोफेसर

रूचि के क्षेत्र: ऑर्गैनिक संश्लेषण, फ्लोरीन रसायन विज्ञान, असममित संश्लेषण, जैव सक्रिय और प्राकृतिक उत्पादों का संश्लेषण, एनएचसी कार्बाइन और ऑर्गेनो-उत्प्रेरक और ग्रैफेन आधारित नैनोकैटलिस्ट

डॉ. पंचमी प्रभाकरण, सहायक प्रोफेसर
रूचि के क्षेत्र: आर्गेनिक एंड बायोआर्गेनिक केमिस्ट्री, सुपरमॉलेक्यूलर केमिस्ट्री.

प्रतिष्ठित / विशेषज्ञ समीक्षित / यूजीसी द्वारा अनुमोदित पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख और शोधपत्र:

- शुक्ला, वी. और सिंह, एम. (2022). रूम टेम्प्रेचर ल्यूमिनेसेंस एंड फेरोमैग्नेटिज्म फ्रॉम ट्रैनजिशन मेटल आयंस: एमएन-, को- एंड एन आइ- डोप्ड ज़ेडएनएस नैनोपार्टिकल्स. मेटेरियल्स साइन्स एंड इंजीन्यरिंग: बी, 280,115685 https://doi.org/10.1016/j.mseb.2022.115685

- चंद्रा, ए., मालिक, पी., सिंह, रॉय, ए., साहू, एन., & सिंह, एम. (2022). सस्टनेबल रिसर्च मेथोडोलाजी फॉर पोटेशियम नाइट्रेट रिकवरी फ्रोम सी वॉटर. केमिकल इंजीन्यरिंग एंड प्रोसेसिंग – प्रोसैस ईंटेंशिफिकेशन, 174, 108870. https://doi.org/10.1016/j.cep.2022.108870
- कुमार, ए., बेरा, एस., सिंह, एम., & मंडल, डी. (2021). मॉलिक्यूलर इंटरेक्शनस ऑफ सिलिका नैनोंपार्टिकल्स एंड बायोमोलेकूल-फंक्शनलाईजड सिलिका नैनोपार्टिकल्स विथ बिकसा ओरेललना एल. प्लांट डीएनए. सिलिकॉन, 14(4), 1407-1419. https://doi.org/10.1007/s12633-020-00913-4
- रवि, आर. के., सिंह, एम., & फुलेकर, एम. यच. (2021). बायोकन्वर्जन डायनेमिक्स फॉर बायोरेमेडिएसन ऑफ क्लोर्प्योरिफोस पेस्टिसाइड युसिंग बकटेरियल कोनसोरटीय इन टू इममिसाईबल लिक्विड फेज पार्टीशनिंग बायोरिएक्टर. बायोमास कन्वर्शन एंड बायोरिफाइनरी. https://doi.org/10.1007/s13399-021-01695-4
- गुप्ता, आर., & सिंह, एम, (2021). साईकोकेमिकल प्रॉपर्टीस ऑफ सस्टनेबल कपेड ज़्नो-डेंड्रिमर ननोकोम्पोजीट विथ अकुएस डीएमएसओ इंटरफेसेज फ्रोम 298.15-313.15 के. जर्नल ऑफ मलैक्युलर लिक्विडस, 322,114936. https://doi.org/10.1016/j.molliq.2020.114936
- चेट्टी, आर., पाण्ड्य, एस. आर., & सिंह, एम. (2020). फिसिकोकेमिकल इंटेरेक्शन ऑफ सेरियम ऑक्साइड नैनो पार्टिकल्स विथ सिमुलेटेड बायोफ़्लुइड्स, हेमोग्लोबिन, इंसुलिन, एंड डीएस-डीएनए एट 310.15 के. न्यू जर्नल ऑफ कैमिस्ट्रि, 44(5), 1825-1845. https://doi.org/10.1039/c9nj04155a
- इनवती, जी. के., कुमार, पी., सिंह, एम., यादव, वी. के., कुमार, ए., सोमा, वी., सोमा, वी. आर., & स्वार्ट, एच. (2021). स्टडि ऑफ फोटोलूमिनेसीन्स एंड नॉनलिनियर ऑप्टिकल बिहेवियर ऑफ ए जी सी यू नैनोपार्टिकल्स फॉर ननोफोटोनिक्स. नैनो-स्ट्रक्चरस & नैनो-ओब्जेक्ट्स, 28, 100807. https://doi.org/10.1016/j.nanoso.2021.100807
- सचिन, के., करपे, एस. ए., कुमार, डी., सिंह, एम., डोमिड्गुएज, एच., रिओस-लोपेज, एम., & भट्टराई, ए. (2021). ए सिम्युलेशन स्टडी ऑफ सेल्फ-एसेम्ब्ली बिहेवियरस एंड माइसेलाइज़ेशन प्रॉपर्टीज ऑफ मिक्स्ड आयोनिक सर्फेकेंट्स. जर्नल ऑफ मलैक्युलर लिकुइड्स, 336, 116003. https://doi.org/10.1016/j.molliq.2021.116003
- म्चार, आर., औएरफेललली, एन., अम्मर, एम. के., हफेज, बी., सिंह, एम., मेस्सदी, ए., एलमेसेल्लेम, एच., & अस्लान, येच. (2021). सर्फ़ेटेंशन एंड विस्कोसिटी-टेंपरेचर डिपैंडेन्स एंड म्यूचुअल कैजुअल कोरिलेशन इन टीन-सिल्वर अलोयास. सरफेसेज एंड इंटेर्फकेसेज, 26, 101444. https://doi.org/10.1016/j.surfin.2021.101444
- राजपुरोहित, एन. ए ., भाकर, के., नेमिवाल, एम., & कुमार, डी. (2022). डिज़ाइन एंड सिन्थिसिस ऑफ हाइब्रिड नैनो स्ट्रक्चरस फॉर सस्टनेबल एनर्जि एंड एनवायरनमेंटल रेमेडिएशन. अरेबीयन जर्नल ऑफ जियोसाइन्सस, 15 (2). https://doi.org/10. 1007/s1 2517-022-09456-x
- अब्बास, जेड., नेमिवाल, एम., ढिल्लोन, ए., & कुमार, डी. (2022) यूस ऑफ बायोगेनीक एनइओएनपी एज़ नैनोकैटलिस्ट इन कुमादा-कोररीउ कपलिंग रिएक्शन. इनोर्गनीक एंड नैनो-मेटल कैमिस्ट्रि, 1-8. https://doi.org/10.1080/24701556. 2021.2025075
- नेमिवाल, एम., ज़्हंग, टी. सी., & कुमार, डी. (2021). रिसेंट प्रोग्रैस इन जी-सी3एन4, टीआईओ2 एंड ज़ेडएनओ बेस्ड फोटोकैत्लिस्ट फॉर द्ये डीग्रेडेसन: स्ट्राटेजिज टु इम्प्रूव फोटोकैटेलिक एक्टिविटी. साइन्स ऑफ दी टोटल एनवायरनमेंट, 767, 144896. https://doi.org/10.1016/j.scitotenv.2020.144896
- कुमारी, एस., शर्मा, के. एस., नेमिवाल, एम., खान, एस., & कुमार, डी. (2021). साईमलटेनियस डिक्टेशन ऑफ अकुएऔस एल्यूमीनियम (III) एंड क्रोमियम (III) युजींग परसिया अमेरिकन रिड्यूसड एंड कैप्पेड सिल्वर नैनोपार्टीकल. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फाइटोरेमेडिएशन, 1-14. https://doi.org/10.1080/15226514.2021.1977911

- राघव, एस., जैन, पी., & कुमार, डी. (2022). एसम्ब्ली ऑफ सैरियम इमप्रिगनेटेड/सिलिका-जेल बायोपॉलीमेरिक मटिरियल फॉर इफेक्टिव यूटीलाईजेशन फॉर फ्लोराइड एडजॉपशन स्टडीज. मटेरियल्स टूड़े: प्रोसीडिंग्स, 50, 273-281. https://doi.org/10.1016/j.matpr.2021.06.327

- एल-एनिजी, ए. एम., उबाइदुल्लाह, एम., & कुमार, डी. (2021). कार्बन क्वांटम डोट्स (सीक़डी)/ सीई डोपेड़ एनआईओ नैनोकोम्पोजीट फॉर हाइ परफॉर्मेंस सुपरकैप्सिटर. मैटेरियल्स टूड़े कम्युनिकेशनस, 27, 1023340. https://doi.org/10.1016/j.mtcomm.2021.102340

- नेमिवाल, एम., & कुमार, डी. (2021). टीआईओ2 इनकैपसल्तेड मेटल नैनोपार्टिक्लस: सिंथेटिक स्ट्रेटेजिज, प्रॉपर्टीस, एंड फोटोकटलिस्टक अप्लिकेसंस. इनोर्गनीक कैमिस्ट्रि कम्युनिकेशनस, 128, 108602. https://doi.org/10.1016/j.inoche.2021.108602

- नेमिवाल, एम., ज़्हंग, टी. सी., & कुमार, डी. (2021). ग्राफीन-बेस्ड इलेक्ट्रोकैटालिस्ट: हाइड्रोजन एवल्यूशन रिएक्सन्स एंड ओवरआल वॉटर स्प्लीत्तिंग। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हाइड्रोजन एनर्जि, 46(41), 21401-21418. https://doi.org/10.1016/j.ijhydene.2021.04.008

- घंघस, पी., चौधरी, ए., कुमार, डी., & पूनीय, के. (2021). कोआर्डिनेशन मेटल कोम्प्लेक्सेस विथ स्चीफ बसेस: यूज़फुल फार्माकोफोरस विथ कम्प्रिहेंसिव बायोलॉजिकल एप्लीकेशनस. इनोर्गनीक कैमिस्ट्रि कम्युनिकेशनस, 130, 108710. https://doi.org/10.1016/j.inoche.2021.108710

- शर्मा, वी., नेमिवाल, एम., & कुमार, डी. (2022). कतालिटीक एप्लीकेशनस ऑफ रिसेंट एंड इम्प्रूवड कोवलेंट आर्गेनिक फ्रमेवर्कस. मिनी-रिव्युज इन आर्गेनिक कैमिस्ट्रि, 19. https://doi.org/10.2174/1570193x19666220105144523

- जोशी, पी., नेमिवाल, एम., अल-कहतानी, ए. ए., उबाइदुल्लाह, एम., & कुमार, डी. (2021). बायोजेनिक एजीएनपीएस फॉर थे नॉन-क्रॉस-लिंकिंग डिटेक्शन ऑफ एलुमिनियम इन अकुअस सिस्टम्स. जर्नल ऑफ किंग सौद यूनिवर्सिटी- साइन्स, 33(6), 101527. https://doi.org/10.1016/j.jksus.2021.101527

- नेमिवाल, एम., ज़्हंग, टी. सी., & कुमार, डी. (2021). पेक्टिन मोडीफाईड मेटल नैनोपार्टिक्लस एंड देयर एप्लिकेशन इन प्रॉपर्टि मोडीफिकेशन ऑफ बायोसेंसर्स. कार्बोहाइड्रेट पॉलिमर टेक्नोलॉजीज एंड एप्लिकेशनस, 2, 100164. https://doi.org/10.1016/j.carpta.2021.100164

- जिंदल, यच., कुमार, डी., सिललनपा, एम., & नेमिवाल, एम. (2021). करेंट प्रोग्रेस इन पोलीमेरिक ग्राफिटिक कार्बोन नाइट्राइड-बेस्ड फोटोकटालीस्टस फॉर डाइ डीग्रेडेशन. इनआर्गेनिक कैमिस्ट्रि कम्युनिकेशनस, 131, 108786. https://doi.org/10.1016/j.inoche.2021.108786

- भम्बू, पी., बेरा, एस., & मण्डल, डी. (2021). टीआइसी14-प्रमोटेड असीमेट्रिक अलडोल रिएक्शन ऑफ ऑक्साज़ोलिडिनोन एंड इट्स सल्फर-कोड्गेनेर्स फॉर नैचुरल प्रॉडक्ट सिंथिसिस. एशियन जर्नल ऑफ ऑर्गेनिक कैमिस्ट्रि, 10 (11), 2763-2819. https://doi.org/10.1002/ajoc.202100432

- नेमिवाल, एम, गोसु, वी, ज़्हंग, टी. सी, & कुमार, डी (2021). मेटल आर्गेनिक फ्रमेवर्क्स एज इलेक्ट्रोकैटालिस्ट: हाइड्रोजन एवैल्वेशन रिएक्शन एंड ओवरआल वॉटर स्प्लीट्टिंग. इंटरनेशनल ऑफ हाइड्रोजन एनर्जि, 46(17), 10216-10238. https://doi.org/10.1016/j.ijhydene.2020.12.146

संपादित पुस्तकों में प्रकाशित आलेख:

- फेरेस, के. (2021). इडियट बॉक्स: टेलिविजन, अर्बन मिथ्स एंड एथिकल सिनेरीओ. इन आई. क्रवेन (ईडी.), ऑस्ट्रेलियन सिनेमा इन दी 1990 (पीपी. 175-188). फ्रैंक कस्स.

- पटेल, के., शाह, एस. के., & प्रभाकरन, पी. (2021). ऐग्रगेशन-इन्ड्यूज्ड इमिशन मैटेरियल्स फॉर प्रोटीन फाइब्रल इमेजिंग. प्रोग्रैस इन मलेक्यलर बयोलॉजी एंड ट्रांसलेशनल साइन्स, 113-136. https://doi.org/10.1016/bs.pmbts.2021.06.011

लेखक के रूप में प्रकाशित पुस्तकें:

- कुमार, डी. (2021). नैनोसेल्यूलोस एंड इट्स कोम्पोसिट्स फॉर वॉटर ट्रीटमंट एप्लीकेशन्स। सीआरसी प्रैस. मेटलाइज्ड नैनोसेल्यूलोस कोम्पोसिट्स एस ए फिजिबल मटेरियल फॉर मेंबरेन सपोर्ट: डिज़ाइन एंड एप्लीकेशन फॉर वॉटर ट्रीटमंट। (एन.डी.). https://doi.org/10.1021/acs.est.6b05955.s001

अन्य प्रकाशन (पत्रिकाएँ, समाचार पत्र, वेब पोर्टल):

- ग्रिफिस, डी. (2019, नवम्बर 21). इन ट्रेडिशनल लैंग्वेज, देयर इज नो वर्ड फॉर डिसेबिलिटी। द गार्जियन। https://www.theguardian.com/commentisfree/2019/nov/21/in-traditional-language-there-is-no-word-for-disability
- अंकिता ढिल्लन, मीना नेमिवाल, दिनेश कुमार, रिसेंट डेवलपमेंट इन नैनोमाटेरियल्स: इंडस्ट्रियल स्केल फब्रिकेशन एंड एप्लीकेशन्स, उमा शंकर, मनवारी रानी (Eds.), eISBN: 9781003091486, सीआरसी प्रैस, Ch.2, pp. 18-41, 2022.
- नरेश ए. राजपुरोहित, कौशल्या भाकर, मीना नेमिवाल, एंड दिनेश कुमार, कैमिस्ट्रि एंड टेक्नोलॉजी ऑफ वाटेरबोर्न पोल्युरेथेनस, सीआरसी प्रैस, टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप, राम के. गुप्ता एंड अजय कुमार मिश्रा (Eds.), ISBN: 978-1-032-00286-6, DOI: 10.1201/9781003173526-2, Ch. 2, pp17-30, 2022.
- मीना नेमिवाल, विजयालक्ष्मी गोसु, अंकिता ढिल्लन, एंड दिनेश कुमार, एनवायरनमेंटल एप्लीकेशन्स ऑफ मेटल-ऑर्गनिक फ्रेमवर्क्स: रिसेंट एडवांसेज एंड चैलेंजेज, एसीएस सिम्पोजियम सीरीज, स्मिता एस. कुमार, पूजा घोष एंड लखवीर सिंह ISBN13: , DOI: 10.1021/bk-2021-1394.ch012, pp. 299-318, 2021.
- निहारिका सिंह, अंकिता ढिल्लन, मीना नेमिवाल, एंड दिनेश कुमार, मेटल-ऑर्गनिक फ्रेमवर्क्स फॉर वॉटर डीकंटैमिनेशन एंड रियूज: ए डिग एट हैवी मेटल आयन्स एंड ऑर्गनिक टोक्सिन्स, एसीएस सिम्पोजियम सीरीज, स्मिता एस. कुमार, पूजा घोष एंड लखवीर सिंह, (Eds.), ISBN13: 9780841297845, DOI: 10.1021/bk-2021-1395.ch004. pp. 77-124, 2021.
- अंकिता ढिल्लन, दिनेश कुमार, बायोपॉलीमेरिक नैनोमैटेरियल्स: वाटर प्यूरीफिकेशन, एल्सवियर, शमशेर कंवर, अशोक कुमार, तुआन अंह न्गुयेन, स्वाति शर्मा, यासीन स्लिमानी ISBN: 978-0-12-824364-0, https://doi.org/10.1016/B978-0-12-824364-0.00018-6 pp407-412, 2021.
- रेखा शर्मा, सपना नेहरा, दिनेश कुमार, सोर्स ऑफ एक्टिव इंग्रेडिएंट्स फॉर सस्टेनेबल कोर्रोसिओं इनहिबिटर्स, मैटेरियल्स रिसर्च फॉरम एलएलसी, यूएसए, इनमुद्दीन, मोहम्मद इमरान अहमद, मोहम्मद लुक़मान, तारिक आलतलही, (Eds.), ISBN: 978-1-64490-149-6, https://doi.org/10.2174/9781644901496-2.ch14, 107, pp-30-45, 2021.
- अंकिता ढिल्लन, रेखा शर्मा, दिनेश कुमार, रिमुवल ऑफ सल्फेट्स फ्रॉम वेस्टवॉटर विले-स्क्रिवेनर पब्लिशर, इनमुद्दीन, मोहम्मद इमरान अहमद, राजेन्द्र बोदुला, तौसीफ अहमद रंगरीज़, ISBN: 9781119725237, https://doi.org/10.1002/9781119725237.ch14, (10 मई 2021).
- मीना नेमिवाल, अंकिता ढिल्लन एंड दिनेश कुमार, नैनोमैटेरियल्स: सिंथेसिस, प्रॉपर्टीस, एंड सोसाइटल एप्लीकेशन्स, एनओवीए साइन्स पब्लिशेर्स, यूएसए, मृदुला त्रिपाठी, आरती श्रीवास्तव, कल्पना अवस्थी, Eds. ISBN: 978-1-53619-763-1, अध्याय 2.

- रेखा शर्मा, सपना नेहरा, एंड दिनेश कुमार, नैनोसेल्यूलोस-बेस्ड मटेरियल्स फॉर द रिमूवल ऑफ इनोर्गनिक टोक्सिकंट्स आइसीआरसी प्रेस, दिनेश कुमार (Eds.), pp. 147-159, 2021. ISBN 9780367487331
- सपना नेहरा, रेखा शर्मा, एंड दिनेश कुमार, नैनोसेल्यूलोस इन सेंसिंग एप्लीकेशनफॉर वाटर प्यूरीफिकेशन, सीआरसी प्रेस, दिनेश कुमार (Eds.), pp. 147-159, 2021. ISBN 9780367487331
- कृतिका एस. शर्मा, रेखा शर्मा, एंड दिनेश कुमार, स्टेट ऑफ द आर्ट एंड फ्यूचर पर्सपेक्टिव ऑफ नैनोसेल्यूलोस इन वॉटर ट्रीटमेंट, सीआरसी प्रेस, दिनेश कुमार (Eds.), pp. 197, 2021. ISBN 9780367487331.
- अंकिता ढिल्लन, मीना नेमिवाल, दिनेश कुमार, पोटेंशियल ऑफ़ नैनोसेल्यूलोस एज़ ए सस्टेनेबल रिप्लेसमेंट ऑफ सीएनटीएस इन वॉटर प्यूरीफिकेशन मेथड्स, इन वॉटर ट्रीटमंट, सीआरसी प्रेस, दिनेश कुमार (Eds.), pp. 77, 2021. ISBN 9780367487331.
- के भाकर, एम नेमिवाल, डी कुमार, पोटेंशियल डिफरेन्सेस बिट्वीन सेल्यूलोस नैनोक्रिस्टल, माइक्रोफिब्रिलेटेड सेल्यूलोस, एंड हेयरी सेसेल्यूलोस नैनोक्रिस्टलोयड इन वॉटर प्यूरीफिकेशन इन वॉटर ट्रीटमंट, सीआरसी प्रेस, दिनेश कुमार (Eds.), pp. 63, 2021.ISBN: 9780367487331.

प्रतिष्ठित संस्थानों में संगोष्ठी/सम्मेलन/वेबीनार आदि के अतिरिक्त अकादमिक प्रकृति के आयोजित व्याख्यान:

- दिनेश कुमार: बनस्थली विद्यापीठ के रसायन विज्ञान विभाग और फार्मेसी विभाग में 26-27 मार्च, 2022 को सर्फ़ेस प्लसमों रेसोनेंस: डिटेक्शन ऑफ वॉटर टोक्सिकंट्स इन इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन करेंट ग्लोबल रिसर्च ट्रेंड्स इन साइन्स एंड टेक्नोलॉजी (सीजीआरटीएसटी -2022), पर व्याख्यान।
- दिनेश कुमार: फर्स्ट इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन एडवांसेज इन वाटर ट्रीटमेंट एंड मैनेजमेंट (आईसीएडब्ल्युटीएम-22), गांधीनगर में 25-26 मार्च 2022 को सर्फ़ेस प्लसमों रेसोनेंस: डिटेक्शन टोक्सिक मेटल आयंस पर व्याख्यान।
- दिनेश कुमार: गोबिंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंत नगर, उत्तराखंड में 28 दिसम्बर 2021 को डेवलपमेंट ऑफ प्लास्मोनिक नैनोपार्टिक्लस फॉर अल्ट्रासेंसिटिव डिटेक्शन इन वेबिनर ऑन नेचर बेस्ड लो-कोस्ट सोल्युशंस फॉर वेस्टवॉटर ट्रीटमेंट विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान।
- दिनेश कुमार: निरंकारी बाबा गुरुबचन सिंह मेमोरियल कॉलेज, सोहना (गुरुग्राम) में दिसम्बर, 11, 2021 को स्पेक्ट्रल टैक्नीक: डिटेक्ट, आइडेंटिटी, क्वांटिफाइ विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान।
- प्रो. दिनेश कुमार: वनस्थली विद्यापीठ, राजस्थान के रसायन विज्ञान विभाग में दिसम्बर 5, 2021को ट्रांस इफैक्ट पर ऑनलाइन व्याख्यान।
- दिनेश कुमार: वनस्थली विद्यापीठ, राजस्थान के रसायन विज्ञान विभाग में दिसम्बर 4, 2021 को सब्स्टिट्यूशन रिएक्शन्स इन स्क्वायर प्लानर कॉम्प्लेक्सेस में ऑनलाइन व्याख्यान।
- दिनेश कुमार: . हरी सिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर मध्य प्रदेश के मानव संसाधन विकास केंद्र के ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स इन कैमिस्ट्रि- कैमिस्ट्रि एट द इंटरफ़ेस विथ बायोलॉजी एंड मटिरियल साइन्स: इमर्जिंग फ्रंटियर्स' में डिटेक्शन एंड रिमुवल ऑफ ऐक्वीअस इनोर्गनीक टोक्सिकैंट्स पर 11 नवम्बर, 2021 से 25 नवम्बर 2021 तक आयोजित कार्यक्रम में 13 नवम्बर 2021 को विशेषज्ञ के रूप में ऑनलाइन व्याख्यान।
- दिनेश कुमार: गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद में यूजीसी-एचआरडीसी में यूजीसी द्वारा प्रायोजित द्वितीय ऑनलाइन रेफ्रेशर कोर्स इन कैमिस्ट्रि (16/08/2021 से 29/ 08/2021) में बॉडिंग थेओरीस ऑफ कोआर्डिनेशन कम्पाउण्ड इन द यूजीसी स्पोन्सोरेड पर व्याख्यान हेतु आमंत्रित वक्ता।

- दिनेश कुमार: कड़ी सर्वा विश्वविद्यालय, गांधीनगर में दो दिवसीय (22-23 जुलाई 2021) वर्चुअल नेशनल सेमिनार ऑन इमर्जिंग ट्रेंड्स इन केमिकल एंड मटेरियल साइंसेज में असेसमेंट एंड रेमेडिएशन ऑफ हेल्थ हज़र्ड्स ऐक्वीअस इनोर्गनीक टोक्सिकैंट्स पर जुलाई 22, 2021 को व्याख्यान हेतु आमंत्रित वक्ता।
- दिनेश कुमार: मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर के रसायन विज्ञान विभाग में प्लसमोनिक डिटेक्शन ऑफ ऐक्वीअस इनोर्गनीक टोक्सिकैंट्स इन इंटरनेशनल वर्चुअल कांफ्रेसेस ऑन फ्रंटियर्स इन केमिकल साइंसेज" (आईवीसीफसीएस-2021) पर 25 जून, 2021 को व्याख्यान हेतु आमंत्रित वक्ता।
- दिनेश कुमार: कच्छ विश्वविद्यालय, भुज में रसायन विज्ञान विभाग में ऑर्गनोमेटलिक कैमिस्ट्रि पर 20-21 जून, 2021 को 4 व्याख्यानों हेतु आमंत्रित वक्ता।
- दिनेश कुमार: वनस्थली विद्यापीठ, राजस्थान के रसायन विज्ञान विभाग द्वारा द इंटरनेशनल वेबिनर ऑन करेंट ग्लोबल रिसर्च ट्रेंड्स इन कैमिस्ट्रि (सीजीआरटीसी-2021) ऑन प्लसमोनिक डिटेक्शन ऑफ ऐक्वीअस एल्युमिनियम एंड फ्लोराइड पर 14-15 अप्रैल, 2021 को व्याख्यान हेतु आमंत्रित वक्ता।
- दिनेश कुमार: वनस्थली विद्यापीठ, राजस्थान के रसायन विज्ञान विभाग में 14 अप्रैल, 2021 को फोटो- सब्स्टिटूशन रिएक्शन्स पर व्याख्यान।
- दिनेश कुमार: वनस्थली विद्यापीठ, राजस्थान के रसायन विज्ञान विभाग में 8 अप्रैल, 2021 को फोटो- सब्स्टिटूशन रिएक्शन्स पर व्याख्यान।
- दिनेश कुमार: वनस्थली विद्यापीठ, राजस्थान के रसायन विज्ञान विभाग में 7 अप्रैल, 2021 को फोटो- सब्स्टिटूशन रिएक्शन्स पर व्याख्यान।
- मान सिंह: "इमर्जिंग ट्रेंड्स इन केमिकल एंड मटिरियल साइन्स" पर आयोजित दो दिवसीय वर्चुअल नेशनल सेमिनार में "फ्रिक्कोहेसिटी कैमिस्ट्रि ऑफ पार्टिकुलेट मैटर्स ओर पीएम 2.5: लंग्स एंड एनवायरनमेंटल इंटरफ़ेसेस एस प्रिकॉशनेरी मेजर फॉर कोविड 19" पर 22/07/2021 को वक्ता के रूप में व्याख्यान।
- मान सिंह: "आइपीआर एंड इट्स रोल इन रिसर्च एंड इनोवेशन-2021 (आइडब्ल्यु-आईआरआरआई-2021)" पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में 31. 08.2021 को प्रधान वक्ता।
- मान सिंह: गुरु घसीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर में द रेफ्रेशर कोर्स पर 24.08.2021 को व्याख्यान।

संचालित शोध परियोजनाएँ :

- मान सिंह, डेवलपमेंट ऑफ ग्राफेने-बेस्ड एडवांस्ड फंक्शनल इलेक्ट्रोकैटलिस्ट्स फॉर एनर्जी एप्लीकेशंस, यूजीसी-डीएई सीएसआर, इंदौर, 3.5 वर्ष हेतु; धनराशि: 10 लाख रुपये (संचालित)
- दिनेश कुमार, लो कोस्ट-रिन्यूएबल एनर्जी ड्रिवेन (एलसी-रेड) वॉटर ट्रीटमंट सोल्यूशंस सेंटर, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभग, भारत सरकार, नई दिल्ली, 5 वर्ष हेतु आवंटित धनराशि 42,02,800/- (संचालित)
- जी. एन. गुरूराजा, कंफरमेशन कंट्रोल वाया फ्लुरिन अमोनियम आयन गौश इफैक्ट: एक्सप्लोरेशन ऑफ असीमिट्रिक सिन्थिसिस, एसआरबी, 3 वर्ष हेतु 55 लाख रुपये (संचालित)
- जी. एन. गुरूराजा, एनंतियोसेलेक्टिव फ्लोरिनेशन एंड डोमिनो साइक्लाइजेशन रिएक्शन, सीएसआईआर, 3 वर्ष हेतु 29 लाख रुपये (संचालित)
- पंचमी प्रभाकरन, सिंथेटिक ओलिगोमर्स एज़ इनहिबिटर्स ऑफ डीएनए-प्रोटीन इन्टरैक्शन: टूवर्ड्स नॉवेल कैंसर थेरपेउटिक्स, एसआरईबी, 3 वर्ष हेतु 43.37 लाख रुपये (संचालित)

निर्देशित शोध छात्र:

नाम	कार्यक्रम की प्रकृति, एम.फिल/पी. एचडी.	निर्देशित शोध छात्रों की संख्या (केवल वर्ष 2021-22 के दौरान पंजीकृत)
सिंह मान	पी. एचडी.	04
कुमार दिनेश	पी. एचडी.	04
मण्डल धनंजय	पी. एचडी.	03
लेनिन डी. वी.	पी. एचडी.	02
जी. एन. गुरुराजा	पी. एचडी.	04
प्रभाकरण पंचमी	पी. एचडी.	04

विश्वविद्यालय प्रशासन में समिति के सदस्यों के रूप में उत्तदायित्व के वहन हेतु संकाय की प्रतिभागिता

प्रो. मान सिंह

- अकादमिक परिषद के सदस्य
- ओबीसी प्रकोष्ठ के संपर्क अधिकारी, सीयूजी
- एआरसी समिति के अध्यक्ष, सीयूजी
- केंद्रीय विश्वविद्यालयों के लिए अनुसंधान एवं नवाचार समिति के अध्यक्ष
- केंद्रीय विश्वविद्यालयों के लिए अनुसंधान और नवाचार समिति, सामाजिक विज्ञान संस्थान, संयोजक
- कर्मचारी शिकायत निवारण समिति के सदस्य
- विश्वविद्यालय भवन समिति के सदस्य, सीयूजी
- सीएएसआर समिति के सदस्य, एसईएसडी, सीयूजी
- डीएसआईआर प्रमाणपत्र के नवीनीकरण के लिए समिति के सदस्य
- दीक्षांत समारोह समिति के सदस्य
- पायलट परियोजना की जांच के लिए स्थायी समिति के अध्यक्ष
- वैज्ञानिक उपकरणों के तकनीकी विनिर्देश के मूल्यांकन के लिए तकनीकी समिति के अध्यक्ष
- वैज्ञानिक प्रयोगशाला उपकरण की खरीद के लिए समिति के सदस्य

प्रो. दिनेश कुमार

- अधिष्ठाता, एससीएस
- नोडल अधिकारी, सीआईएफ, सीयूजी
- निदेशक, आरडीसी
- प्रवेश समिति के सदस्य
- वैज्ञानिक क्रय समिति हेतु तकनीकी समिति के सदस्य
- दीक्षांत समारोह प्रबंधन समिति के सदस्य
- एससीएस, एसएनएस और एसईएसडी के सीएएसआर के सदस्य
- ट्रिपटोट एमओयू-सीयूजी, यूजीसी, और एमओई प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के लिए समिति के सदस्य
- एएए अभ्यास करने के लिए स्कूल स्तरीय समिति के संयोजक
- स्टॉक के भौतिक सत्यापन के लिए समिति के सदस्य
- स्वयं (SWAYAM) संस्थागत कार्यान्वयन समिति के सदस्य

डॉ. धनंजय मंडल

- अध्ययन बोर्ड के सदस्य, आईआरडी, जीएफएसयू
- सीएएसआर, एससीएस, सीयूजी के सदस्य
- स्वयं हेतु एससीएस में नोडल व्यक्ति
- एससीएस पूर्व छात्र संघ के लिए एससीएस में नोडल व्यक्ति
- सीआईएफ, सीयूजी में टीजीए और मौलिक विश्लेषक के लिए प्रभारी
- रसायन शास्त्र, आईआरडी, जीएफएसयू में बाह्य परीक्षक और प्रश्न पत्र विन्यासक (प्रारूपक)

डॉ. लेनिन डी. वी.

- एससीएस में बोर्ड ऑफ स्टडीज में सदस्य।
- सदस्य संकाय प्रभारी, सीआईएफ।
- नियोजन प्रकोष्ठ, एससीएस के संकाय प्रभारी।
- बालक छात्रावास वार्डन।

डॉ. गुरुराजा जी.एन.

- क्रय अधिकारी, एससीएस और सीआईएफ
- सीआईएफ: एनएमआर में उपकरणों का प्रभारी, सिंगल क्रिस्टल एक्सआरडी, आईआर स्पेक्ट्रोस्कोपी।

डॉ. पंचमी प्रभाकरण

- परियोजना प्रकोष्ठ, सदस्य

शिक्षा संस्थान

संस्थान का परिचय:

शिक्षा संस्थान की स्थापना वर्ष 2017 में की गई थी | यह विभाग शिक्षा में एम.एड और पीएच.डी. कार्यक्रम संचालित करता है। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य छात्रों को सामान्य रूप से शिक्षा में और विशेष रूप से शिक्षण शिक्षा में अपेक्षित शैक्षणिक और व्यावसायिक कौशल और रुचि के क्षेत्रों का विकास करना है। सेंटर फॉर स्टडीज इन एजुकेशन एंड रिसर्च (सीएसआरई) के अंतर्गत प्रस्तुत किए जाने वाले पाठ्यक्रमों का उद्देश्य छात्रों को शैक्षिक अनुसंधान, नीति और अभ्यास में सबसे चुनौतीपूर्ण और रोमांचक प्रश्नों का पता लगाने में मदद करना है और उन्हें शिक्षा की परिवर्तनकारी शक्ति के साथ भविष्य की दुनिया को आकार देने में सक्षम बनाना है। यह प्रयास अकादमिक, विद्यालयों, गैर-लाभकारी संगठनों (एनजीओ), सरकारी संगठनों और अन्य क्षेत्रों में विभिन्न भूमिकाएं निभाने के लिए अनुभवी शिक्षकों को तैयार करेगा। संस्थान हमारे पाठ्यक्रम में, हमारी कक्षाओं में और हमारे सम्पूर्ण परिसर में विविधता, समानता और समावेश को की संस्कृति को पुष्पित एवं पल्लवित करने के लिए प्रतिबद्ध है। शैक्षणिक वर्ष 2019-20 में उच्च शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय और भारत सरकार द्वारा स्कूल ऑफ एजुकेशन को पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग (पीएमएमएमएनएमटीटी) के तहत प्रतिष्ठित फंडिंग से सम्मानित किया गया।

इस योजना के अंतर्गत, संस्थान के दो केंद्र हैं:

1. शिक्षा में नीति अनुसंधान केंद्र (सीपीआरई)

2. शिक्षक प्रशिक्षुओं के व्यावसायिक विकास केंद्र (सीपीडीटीई)

केंद्र स्तर पर कार्यरत शिक्षक

प्रो. एच.बी. पटेल, प्रोफेसर एवं अधिष्ठाता

रुचि के क्षेत्र: शैक्षिक अनुसंधान, शैक्षिक नेतृत्व, प्रशासन एवं प्रबंधन, शैक्षिक मूल्यांकन और मापन, शिक्षा में आईसीटी, महिला शिक्षा, शिक्षक शिक्षा, भाषा शिक्षा, अंतर्राष्ट्रीय और तुलनात्मक शिक्षा और उद्यमिता शिक्षा, लिंग शिक्षा, शैक्षिक नीति अनुसंधान, मेटा विश्लेषण।

प्रो. जयेंद्रकुमार एन. अमीन, प्रोफेसर और अध्यक्ष

रुचि के क्षेत्र: द्वितीय भाषा अनुसंधान, अधिगम और अनुदेश, शैक्षिक मनोविज्ञान, अध्यापक शिक्षण, प्राथमिक शिक्षा, शिक्षा में आईसीटी, निर्देशात्मक प्रौद्योगिकी, गुणात्मक अनुसंधान और शैक्षिक मूल्यांकन और मापन।

प्रो. जी. आर. अंगाडी, **प्रोफेसर**

रुचि के क्षेत्र: शैक्षिक प्रौद्योगिकी, शिक्षा में आईसीटी, शिक्षा में कार्य अनुसंधान, विज्ञान शिक्षा, शिक्षक शिक्षा और शैक्षिक अनुसंधान की पद्धति

प्रो. राकेश राय, प्रोफेसर

रुचि के क्षेत्र: शैक्षिक दर्शन, शैक्षिक अनुसंधान, अध्यापक शिक्षण, विशेष शिक्षा, शैक्षिक मनोविज्ञान, मूल्य शिक्षा, सामाजिक विज्ञान शिक्षा

डॉ. वाई. विजया लक्ष्मी, सहायक प्रोफेसर

रुचि के क्षेत्र: आईसीटीई, शैक्षिक मनोविज्ञान; प्राथमिक शिक्षा; शिक्षक की शिक्षा

डॉ. शमीम आरा हुसैन, सहायक प्रोफेसर

रुचि के क्षेत्र: विज्ञान शिक्षा, शैक्षिक मनोविज्ञान, शैक्षिक अनुसंधान, शैक्षिक प्रौद्योगिकी

डॉ. शिल्पा एस पोपट, सहायक प्रोफेसर

रुचि के क्षेत्र: शैक्षिक अनुसंधान, समग्र शिक्षा, आईसीटी, शैक्षिक दर्शन, शैक्षिक मनोविज्ञान, पर्यावरण और विज्ञान शिक्षा, शैक्षिक मापन और मूल्यांकन, और उद्यमिता शिक्षा।

डॉ जे पी सिंह, सहायक प्रोफेसररुचि के क्षेत्र:

में मापन और मूल्यांकन, शोध प्रणाली एवं डाटा विश्लेषण, शिक्षण मनोविज्ञान, अध्यापक शिक्षण, प्रतिष्ठित/ विद्वत समीक्षा/ यू जी सी अनुमोदित जर्नल में प्रकाशित लेख और शोध पत्र

प्रतिष्ठित / विशेषज्ञ समीक्षित / यूजीसी द्वारा अनुमोदित पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख और शोधपत्र:

- पटेल, एच बी., साहनी, आर एस. (2021). मनुष्य की अपेक्षाएं पूर्ण करने के लिए विषयवार विद्याशाखा की भूमिका (हिंदी) इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ रिसर्च 9(10).
- परमार, आर.एन., अमिन जे. एन. (2021). इफेक्टिवनेस ऑफ़ यूज़ ऑफ़ न्यूरोलिंगुइस्टिक एप्रोच इन टीचिंग ऑफ़ इंग्लिश लैंग्वेज . इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ रिसर्च इन आल सब्जेक्ट्स इन मल्टी लैंग्वेजेज 9(10), 35-37.
- परमार, आर एन., & अमिन जे. एन . (2021). इफेक्टिवनेस ऑफ़ पर्सेप्शन्स ऑन इंग्लिश अचीवमेंट टेस्ट एंड इंग्लिश लैंग्वेज अचीवमेंट ऑफ़ क्लास IX स्टूडेंट्स . इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ रिसर्च इन आल सब्जेक्ट्स इन मल्टी लैंग्वेजेज . 9(11), 12-14.
- कुमार, अभिषेक, अमिन, जे. एन. (2021). एक्सप्लोरिंग अवेयरनेस ऑफ़ इंक्लूसिव एजुकेशन अमंग प्रोस्पेक्टिव टीचर्स. आर आई ई भोपाल जर्नल ऑफ़ एजुकेशन, 5 (1), 11–21.
- कुमार, अभिषेक, अमिन, जे. एन. (2022). डिजाइनिंग द टीचिंग -लर्निंग प्रोसेस इन टीचर एजुकेशन यूसिंग ओपन ब्रॉडकास्टर सॉफ्टवेयर : ए लिटरेचर रिव्यु . इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ़ मैनेजमेंट आईटी एंड सोशल साइंसेज , 13(1), 131–137.
- क़ुरबेट, आर. आई., अंगाडी, जी . आर. (2022). इफेक्टिवनेस ऑफ़ इनफार्मेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी इन लर्निंग साइंस , एदइंसपिरे -एन इंटरनेशनल इ -जर्नल , एन इंटरनेशनल पीर रीवीव्ड एंड रेफ्रेड जर्नल , 9(1), 16-24.
- गोराई, जे., अंगाडी, जी. आर. (2021). आउटकम -बेस्ड लर्निंग थ्रू अप्रेंटिसशिप एम्बेडेड डिग्री प्रोग्राम टू मीट्स द गैप ऑफ़ एम्प्लॉयबिलिटी, हॉरिज़ोन्स ऑफ़ होलिस्टिक एजुकेशन , 8(2), 110-117.
- गोराई, जे., भार्गव, ए., और अंगाडी, जी.आर. (2021). A क्वांटम लीप टुवर्ड्स रिफ्लेक्टिव टीचिंग विथ नेशनल एजुकेशन पालिसी 2020, जर्नल ऑफ़ रिसर्च इन एजुकेशन , 9(2), 34-46.
- नैन्सी गोगिया, और विजया लक्ष्मी, वाई. (2021). रिलेशनशिप बिटवीन रिसर्च सुपरवाइजर एंड डाक्टरल स्टूडेंट्स . एडुइंस्पायर -एन इंटरनेशनल इ -जर्नल , 8(1).
- विजय लक्ष्मी, वाई. (2021). इलार्निंग रेडीनेस ऑफ़ हायर एजुकेशन फैकल्टी मेंबर्स . इंडियन जर्नल ऑफ़ एजुकेशनल टेक्नोलॉजी , 3(2), 121-138.
- विजय लक्ष्मी, वाई. एन्ड जडेजा , एम। (2021). इफ़ेक्ट ऑफ़ ऐज, जेंडर , डिसिप्लिन ऑन इ-लर्निंग रेडीनेस ऑफ़ फैकल्टी मेंबर्स ऑफ़ हायर एजुकेशन इंस्टीटूशन्स . एजुकेशन इंडिया जर्नल , 10 (2).
- विजय लक्ष्मी , वाई. एस मजीद , आई. (2022). चाटबोट्स इन एजुकेशन सिस्टम . यूनिवर्सिटी न्यूज़ , 60 (8)हुसैन, एस ए. (2021). एनालिसिस ऑफ़ वेरियस एजुकेशनल पॉलिसीस फ्रॉम नेप 1968 टू नेप 2020 विथ स्पेशल रिफरेन्स टू एग्जामिनेशन

रिफॉर्म्स (हिंदी). जर्नल ऑफ़ रिसर्च इन एजुकेशन, 9(1).

- हुसैन, एस ए. एन्ड मृणालिनी, जे. (2021). कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ़ क्रिटिकल थिंकिंग एबिलिटी अमंग टीचर एडुकेटर्स ऑन द बेसिस ऑफ़ जेंडर, जर्नल ऑफ़ इमर्जिंग टेक्नोलॉजी एंड इनोवेटिव रिसर्च, 8(8).
- कौसर, एस. एन्ड पोपट, एस . एस . (2022). अर्ली चाइल्डहुड केयर एंड डेवलपमेंट इन इंडिया . राजस्थली जर्नल ,1(2), 27-31.

संपादित संस्करणों में प्रकाशित शोधपत्र:

- अंगाडी, जी. आर. (2021). इफ़ेक्ट ऑफ़ लीडरशिप स्टाइल्स ऑन स्कूल क्लाइमेट . इन सुमि, एस . एस ., एन्ड गीता, जे .वी. (एड .), ग्लिम्प्सेस ऑफ़ लीडरशिप प्रैक्टिसेज इन एजुकेशन. एपीएच पब्लिशिंग कारपोरेशन, नई -दिल्ली
- गोराई, जे., मंडल, टी., एन्ड अंगाडी, जी. आर. (2021) द आउटलुक ऑफ़ नेशनल एजुकेशन पालिसी -2020 ऑन स्कूल टीचर एजुकेशन थ्रू द लेंस ऑफ़ रिफ्लेक्टिव लेवल ऑफ़ टीचिंग. इन प्रायसु (एड.), एन ई पी- 2020 रेफोर्मेशन ऑफ़ इंडियन एजुकेशन सिस्टम (पीपी.137-149). नेक्सस पब्लिकेशन, सूरत, गुजरात

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी/वेबिनार/सम्मेलन/कार्यशाला आदि में शोधपत्र प्रस्तुति:

- करण, बी. एन्ड अंगाडी, जी. आर. "इंकॉर्पोरेटिंग आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस (ए आई इन टीचर्स ' टीपी ए सी के नॉलेज फॉर इफेक्टिव पेडगाय इन स्कूल " इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन 'ऑनलाइन लर्निंग एंड इनोवेशन इन टीचिंग पेडगोजी' सेंटर फॉर डिस्टेंस एंड ऑनलाइन एजुकेशन, अलीगढ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ द्वारा आयोजित 30 –31 मार्च 2022
- गोराई, जे., & अंगाडी, जी. आर. "एम्बोडिमेंट ऑफ़ अप्रेंटिसशिप एम्बेडेड डिग्री प्रोग्राम टुवर्ड्स हायर एजुकेशन " इन द 2वीं डाक्टरल थीसिस इंटरनेशनल कांफ्रेंस (वर्चुअल) ऑन "सोशल साइंसेज, हुमानिटीज़, एंड इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च " आई क्यू ए सी, एन ई एच यू, शिल्लोंग के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित 26 फरवरी 2022.
- करन, बी., एन्ड अंगाडी, जी. आर. "पेडगोजिकल एप्रोच ऑफ़ आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस एंड इट्स एप्लीकेशन इन स्कूल एजुकेशन : ए रिव्यु, सी ई एल ई, अम्बेडकर यूनिवर्सिटी दिल्ली, द्वारा आयोजित, एन ऑनलाइन इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन ऍप्लिकेशन्स ऑफ़ ए आई इन एजुकेशन ऑन 28-29 मार्च 2022, फंडेड बाई शास्त्री इंडो -कैनेडियन इंस्टिट्यूट .
- विजय लक्ष्मी, वाई. एस मजीद, आई "आर हायर एजुकेशन फैकल्टी मेंबर्स रेडी फॉर इ लर्निंग ?" इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन 'एजुकेशन बियॉन्ड फेस टू फेस मोड : ओप्पोरचुनिटीज़ एंड चैलेंजेज ' आई यू सी टी इ, डिपार्टमेंट ऑफ़ एजुकेशन एंड साइकोलॉजी, द महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी, वड़ोदरा, गुजरात के तत्वाधान में आयोजित 25-27 मार्च 2021.
- हुसैन, एस. ए ., एन्ड सिंह वी . ब्रिंग योर ओन डिवाइस इन क्लासरूम : इफेक्टिवनेस एंड चैलेंजेज, कांफ्रेंस ऑन रीइंजीनियरिंग रेस्पोंसिबल इनोवेशन अक्रॉस एजुकेशन स्पेक्ट्रम, यूनिवर्सल ग्रुप ऑफ़ इंस्टीटूशन्स, मोहाली (पंजाब) द्वारा आयोजित 18-19 फरवरी 2022.
- हुसैन, एस. ए, एन्ड गौरी, ए . पी. रेस्पोंसिबल इनोवेशन एंड नेशनल एजुकेशन पालिसी 2020, कांफ्रेंस ऑन रीइंजीनियरिंग रेस्पोंसिबल इनोवेशन अक्रॉस एजुकेशन स्पेक्ट्रम, यूनिवर्सल ग्रुप ऑफ़ इंस्टीटूशन्स, मोहाली (पंजाब) द्वारा आयोजित 18-19 फरवरी 2022.
- हुसैन, एस. ए, एन्ड सुरंजन कुमार, लर्निंग विथ टेक्नोलॉजी : ए केस स्टडी ऑफ़ शेड्यूल कास्ट स्टूडेंट्स ऑफ़ अम्बेडकर रेसिडेंटिए; स्कूल ऑफ़ बेगूसराय, कांफ्रेंस ऑन रीइंजीनियरिंग रेस्पोंसिबल इनोवेशन अक्रॉस एजुकेशन स्पेक्ट्रम, यूनिवर्सल ग्रुप

ऑफ़ इंस्टीटूशन्स , मोहाली (पंजाब) द्वारा आयोजित 18-19 फरवरी 2022.

राष्ट्रीय/क्षेत्रीय स्तरीय संगोष्ठी/वेबिनार/सम्मेलन/कार्यशाला आदि में प्रस्तुत शोधपत्र:

- पटेल, एच बी. "स्मार्टफोन यूसेज एज यूनिवर्सल डिज़ाइन फॉर लर्निंग इन इंक्लूसिव एजुकेशन " नेशनल कांफ्रेंस ऑन "इन्क्लूसिव इन स्पेशल एजुकेशन : रीसेंट ट्रेंड्स एंड प्रैक्टिसेज " 26 फरवरी 2022
- करन, बी. एन्ड अंगाडी, जी. आर "इंटीग्रेशन ऑफ़ आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस इन सी बी एस ई स्कूल एजुकेशन टुवर्ड्स इनोवेटिव टीचिंग एंड लर्निंग प्रैक्टिसेज : ए डॉक्यूमेंट एनालिसिस इन द रेसेअर्चेर्स", एम् ओ एस एआई सी , 2021 आर्गनाइज्ड बाई द रिसर्च सेल , डिपार्टमेंट ऑफ़ एजुकेशन , फैकल्टी ऑफ़ एजुकेशन एंड साइकोलॉजी , द महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी ऑफ़ वड़ोदरा , गुजरात फ्रॉम 17-19 जुलाई 2021.
- गोराई, जे., एन्ड अंगाडी, जी. आर "अप्रेंटिसशिप एम्बेडेड डिग्री प्रोग्राम टुवर्ड हायर एजुकेशन : ए कन्सेप्चुअल अंडरस्टैंडिंग " इन द टू-डे नेशनल सेमिनार ऑन नेशनल इनिशिएटिव फॉर प्रोफिसिएंसी इन रीडिंग विथ अंडरस्टैंडिंग एंड नुमेरकी (एनआई पी यू एन भारत) आर्गनाइज्ड बाई सेंटर ऑफ़ रिसर्च , इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ टीचर एजुकेशन , गांधीनगर कलबोरेटिवेली विथ आईसी ईएसएसएसआर 21-22, मार्च 2022 को आयोजित
- दकपे, ओ. एन्ड विजय लक्ष्मी, वाई. "स्कूल रेडीनेस एंड एन ओवरव्यू ऑफ़ इट्स डाइमेंशन्स " एट द ऑनलाइन नेशनल सेमिनार ऑन एजुकेशन इन इनफार्मेशन एरा :कंसर्नस , चैलेंजेज एंड इन्नोवेशंस 20-21 मार्च 2021 चिल्ड्रनएस यूनिवर्सिटी , गांधीनगर द्वारा आयोजित
- मजीद, आई., एन्ड विजय लक्ष्मी, वाई. "फैक्टर्स टू मीजर इलर्निंग रेडीनेस अमंग स्टूडेंट्स " एट द ऑनलाइन नेशनल सेमिनार ऑन एजुकेशन इन इनफार्मेशन एरा : कंसर्नस , चैलेंजेज एंड इन्नोवेशंस 20-21 मार्च 2021 चिल्ड्रनएस यूनिवर्सिटी , गांधीनगर द्वारा आयोजित
- चकमा, सी., एन्ड विजय लक्ष्मी , वाई . "स्टडीज ऑन स्पिरिचुअल इंटेलिजेंस : ए रिव्यु " इन द रीसेअर्चेर्स ' मोज़ेक , 2021 द रिसर्च सेल , डिपार्टमेंट ऑफ़ एजुकेशन , फैकल्टी ऑफ़ एजुकेशन एंड साइकोलॉजी , द महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी ऑफ़ बड़ोदा , वड़ोदरा , गुजरात 17 - 19 जुलाई 2021. द्वारा आयोजित
- यादव, एच एन्ड विजय लक्ष्मी, वाई. "स्टडीज ऑन हैप्पीनेस : ए रिव्यु " इन द रीसेअर्चेर्स ' मोज़ेक , 2021 रिसर्च सेल , डिपार्टमेंट ऑफ़ एजुकेशन , फैकल्टी ऑफ़ एजुकेशन एंड साइकोलॉजी , द महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी ऑफ़ बड़ोदा , वड़ोदरा , गुजरात 17 - 19 जुलाई 2021. द्वारा आयोजित
- गोगिआ, एन., एन्ड विजय लक्ष्मी, वाई. "डाक्टरल स्टूडेंट्स ' परसेप्शन ऑन सुपरवाइजरी प्रैक्टिसेज ऑफ़ रिसर्च सुपरवाईज़र्स : ए रिव्यु स्टडी " इन द रेसेअर्चेर्स ' मोज़ेक , 2021 रिसर्च सेल , डिपार्टमेंट ऑफ़ एजुकेशन , फैकल्टी ऑफ़ एजुकेशन एंड साइकोलॉजी , द महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी ऑफ़ बड़ोदा , वड़ोदरा , गुजरात 17 –19 जुलाई 2021.द्वारा आयोजित.
- दकपे, ओ, एन्ड विजय लक्ष्मी, वाई. "स्टडीज ऑन स्कूल रेडीनेस : ए रिव्यु " इन द रेसेअर्चेर्स ' मोज़ेक , 2021 द रिसर्च सेल , डिपार्टमेंट ऑफ़ एजुकेशन , फैकल्टी ऑफ़ एजुकेशन एंड साइकोलॉजी , द महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी ऑफ़ बड़ोदा , वड़ोदरा , गुजरात 17-19 जुलाई 2021. द्वारा आयोजित
- पोपट, एस. एस., एन्ड कौसर , एस . "इनफार्मेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी : ए लिटरेचर रिव्यु ऑफ़ इट्स इंफ्रास्ट्रक्चर एंड एप्लीकेशन इन हायर एजुकेशन " नेशनल वेबिनार ऑन एजुकेशन फॉर बेटर टुमारो। ए . जी . टीचर्स कॉलेज अहमदाबाद 21.01.2022. द्वारा आयोजि

- पोपट, एस. एस . "होलिस्टिक एजुकेशन इन हायर एजुकेशन : स्टूडेंट्स ' रेफ्लेक्शंस " नेशनल सेमिनार ऑन नेशनल एजुकेशन पालिसी 2020: स्ट्रेटेजीज फॉर इम्प्लीमेंटेशन आर्गनाइज्ड डिपार्टमेंट ऑफ़ एजुकेशन एंड साइकोलॉजी , द महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी ऑफ़ बड़ोदा , वड़ोदरा , गुजरात , इंडिया 14-15 मार्च 2022. द्वारा आयोजित

प्रतिष्ठित संस्थानों में संगोष्ठी/सम्मेलन/वेबीनार आदि के अतिरिक्त अकादमिक प्रकृति के आयोजित व्याख्यान:

- एच बी. पटेल, "प्रीडेटरी पब्लिशर्स एंड जर्नल्स " टू आर पी ई कोर्स वर्क रिसर्च स्कॉलर्स , पीएचडी ", आई आई टी ई , गांधीनगर दवारा आयोजित कार्यक्रम में ज्ञान संसाधक के रूप में आमंत्रित 19 मई 2021.
- एच.बी. पटेल, वल्लभ विद्यानगर, आनंद में यूजीसी-एचआरडीसी द्वारा आयोजित ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स, "कोपिंग मैकेनिज्म विथ वर्क " में ज्ञान संसाधक के रूप में आमंत्रित, 8 सितंबर 2021
- एच.बी. पटेल, वल्लभ विद्यानगर, आनंद में यूजीसी-एचआरडीसी द्वारा आयोजित ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स, "कोपिंग मैकेनिज्म विथ वर्क " में ज्ञानसाधन-व्यक्ति के रूप में आमंत्रित, - 8 सितंबर 2021
- एच.बी. पटेल, - यूजीसी-एचआरडीसी वल्लभ विद्यानगर, आनंद द्वारा 18 सितम्बर को आयोजित एफआईपी कार्यक्रम "अंडरस्टैंड एंड अप्रेसीएट द पोटेंशियल ऑफ़ टेक्नोलॉजी इन टीचिंग लर्निंग प्रोसेस ," एंड "मेक यूज़ ऑफ़ टेक्नोलॉजी फॉर असेसमेंट एंड इवैल्यूएशन प्रैक्टिसेज "में एक ज्ञानसाधन-व्यक्ति के रूप में आमंत्रित.
- एच.बी. पटेल, स्कूल ऑफ एजुकेशन, सीयूजी द्वारा आयोजित हायर सेकेंडरी स्कूल में "टीचर सिलेक्शन एंड रिक्रूटमेंट इन हायर सेकेंडरी स्कूल विषय पर सत्र सञ्चालन, 25 सितम्बर 2021.
- एच.बी. पटेल, यूजीसी-एचआरडीसी, गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद द्वारा विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के प्रशासनिक कर्मचारियों के लिए फैकल्टी विकास कार्यक्रम "5 एमसीक्यू बेस कोस्चन्स" एफडीपी कार्यक्रम में एक ज्ञानसाधन-व्यक्ति के रूप में आमंत्रित.
- जे.एन. अमीन, अनुसंधान एवं प्रकाशन नैतिकता पर 2-क्रेडिट पाठ्यक्रम के लिए ज्ञानसाधन-व्यक्ति के रूप में आमंत्रित-पीएचडी कोर्स वर्क के अंतर्गत "एथिक्स : डेफिनिशन , मोरल फिलोसोफी, नेचर ऑफ़ मोरल जजमेंट्स एंड रिएक्शंस " विषय पर आईआईटी, गांधीनगर में आयोजित 18.5.2021.
- जे.एन. अमीन, अकाल विश्वविद्यालय, बठिंडा (पंजाब) में "राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी-2020) पर 7 दिनों की ऑनलाइन कार्यशाला के प्रतिभागियों को "इंफ्रास्ट्रक्चर :डिसरप्टिव टेक्नोलॉजीज, रोल ऑफ़ एनईटीएफ एंड एनसुंग इक्वीटाब्ले यूज़ ऑफ़ टेक्नोलॉजी " विषय पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित
- जे.एन. अमीन, विश्वविद्यालय और महाविद्यालयों के प्रोफेसरों के लिए यूजीसी द्वारा प्रायोजित प्रथम ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स ऑन क्वालिटी इन हायर एजुकेशन (06/09/2021 से 19/09/2021) में एक ज्ञानसाधन-व्यक्ति के रूप में अपनी बहुमूल्य सेवाएं प्रदान कीं और यूजीसी-एचआरडीसी, गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद द्वारा 'वर्चुअल रियलिटी फॉर एजुकेशन' विषय पर 4-चतुर्थांश ई-कंटेंट विकसित किया, 15 सितंबर 2021
- जे.एन. अमीन, 'वर्चुअल रियलिटी फॉर एजुकेशन' विषय पर केसीजी, शिक्षा विभाग, गुजरात सरकार द्वारा ऑन लाइन ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम में विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित,14 अक्टूबर 2021

- जे.एन. अमीन, पीएमएमएमएनएमटीटी, योजना के अंतर्गत पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा पेडगोजी एंड असेसमेंट इन हायर एजुकेशन : नेप 2020 (5 – 18 जनवरी 2022) विषय पर आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम में "मोडलिटीज़ ऑफ़ इम्प्लीमेंटेशन ऑफ़ अकादमिक बैंक ऑफ़ क्रेडिट्स (एबीसी) इन "एचईआई" पर सत्र सञ्चालन.

- जे.एन. अमीन,, को मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर में यूजीसी-एचआरडीसी के तत्वाधान में "रिसर्च ट्रेंड्स इन एजुकेशन I & II' ' पर व्याख्यान देने के लिए शिक्षक शिक्षा (ऑनलाइन) में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में एक ज्ञान संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित, 25 जनवरी 2022

- जी.आर. अंगाडी, यूजीसी-एचआरडीसी के 06.09.2021 - 05.10.2021 तक (ऑनलाइन) विश्वविद्यालय और कॉलेज के शिक्षकों के लिए प्रायोजित 5वीं फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम (एफआईपी), भारतीदासन विश्वविद्यालय, तिरुचिरापल्ली (तमिलनाडु) द्वारा आयोजित "प्रतिभागियों की संगोष्ठी प्रस्तुतियाँ (सत्र -1 और 2)", आमंत्रित ज्ञान संसाधक

- जी.आर. अंगाडी, यूजीसी-एचआरडीसी, मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर द्वारा "नेशनल प्रोफेशनल स्टैंडर्ड्स फॉर टीचर्स (एनपीएसटी) (सत्र -1)" विषय पर आयोजित शिक्षक शिक्षा में 5वां ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में (12-25 जनवरी 2022) ज्ञान संसाधक के रूप में आमंत्रित, 17.01.2022.

- जी.आर. अंगाडी, यूजीसी-एचआरडीसी, मैसूर विश्वविद्यालय, द्वारा शिक्षण शिक्षक में 5वां पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (ऑनलाइन 12 से 25 जनवरी 2022) के दौरान "नेशनल मिशन ऑन मेंटरिंग (एनएमएम) (सत्र-2)" विषय पर ज्ञान संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित 17.01.2022

- जी.आर. अंगाडी., यूजीसी-एचआरडीसी, मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर द्वारा शिक्षण शिक्षक में 5वां पुनश्चर्या पाठ्यक्रम" लर्निंग आउटकम -बेस्ड करिकुलम फ्रेमवर्क (एलओसीएफ) (सत्र -1)" (ऑनलाइन 12-25 जनवरी 2022) में ज्ञान संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित, 24 .01.2022

- जी.आर. अंगाडी., यूजीसी-एचआरडीसी, मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर के शिक्षण शिक्षक 5वां पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में (12 से 25 जनवरी 2022 तक ऑनलाइन) में "अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट्स (एबीसी) (सत्र-2)" ज्ञान संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित, 24.01.2022

- शमीम आरा हुसैन, इक्विटी एंड इन्क्लूसिव: लर्निंग फॉर आल, राष्ट्रीय स्तर के संकाय कार्यक्रम, 16 से 20 मार्च 2022 के अंतर्गत इन्क्लूसिव, इनोवेटिव एजुकेशन एंड नेप 2020, विषय पर एक विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित

- वाई. विजय लक्ष्मी, आई आई टी ई द्वारा संकाय विकास कार्यक्रम में विशेषज्ञ व्याख्यान, 16 अक्टूबर 2021

- वाई. विजय लक्ष्मी, फैकल्टी ऑफ़ एजुकेशन एंड साइकोलॉजी, महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बरोदा. द्वारा आयोजित स्कॉलर्स' मोज़ेक -2021- एनुअल यंग रेसेअर्चेर्स के दौरान 2021 "मैनेजमेंट ऑफ़ रिसोर्सेज दूरिंग रिसर्च वर्क " सत्र में मुख्य वक्ता के तौर पर आमंत्रित

- शिल्पा एस पोपट, आई आई टी ई, गांधीनगर द्वारा आयोजित टूल्स एंड टेक्निक्स इन रिसर्च - कांसेप्ट , स्टेप्स इन डेवलपमेंट में आमंत्रित व्याख्यान, 16.02.2022.

- शिल्पा एस पोपट, रिसर्च एंड कल्चर सोसाइटी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर के संकाय विकास कार्यक्रम में शिक्षा नीति और प्रशासन पर विशेषज्ञ व्याख्यान, 20.03.2022.

अकादमिक गतिविधियों जैसे संगोष्ठी/सम्मेलन पत्र प्रस्तुति आदि के अतिरिक्त प्रतिभागिता

- पटेल, एच.बी., आईआईटी में पूर्वाह्न 11.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे तक पीएचडी करने वाले शोधार्थियों को "प्रीडेटरी पब्लिशर्स एंड जर्नल्स" विषय पर भाषण देने के लिए अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित 19 मई 2021
- पटेल, एच.बी., को गवर्नमेंट डेंटल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, अहमदाबाद द्वारा आयोजित सीडीई कार्यक्रम के दौरान "टीचिंग, लर्निंग एंड इवैल्यूएशन" पर वक्ता के रूप में आमंत्रित, 14 मार्च 2022
- पटेल, एच.बी. 27/10/21 को महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में अतिथि संकाय के चयन के लिए विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित, 27 अक्टूबर 21
- पटेल, एच.बी., रेमेडियल कोचिंग सेल सी यू जी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार श्रृंखला में 'हायर एजुकेशन, मोटिवेशनल इनसाइट्स, प्रिपरेशन ऑफ़ कॉम्पिटिटिव एग्जाम एंड स्ट्रेस मैनेजमेंट गाइडेंस विषय पर अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित, 24 मार्च 2022.
- अमीन, जे.एन. डिपार्टमेंट ऑफ़ एजुकेशन , चिल्ड्रन यूनिवर्सिटी , गांधीनगर द्वारा आयोजित 'एग्जामिनेशन रिफॉर्म्स ' विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक ज्ञान संसाधक के रूप में आमंत्रित, 24 मार्च 2022
- अंगाडी, जी.आर. स्कूल ऑफ एजुकेशन, गुजरात के केंद्रीय विश्वविद्यालय में "मेथोडोलॉजी ऑफ़ एजुकेशनल रिसर्च " पर 3-दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया (एक समन्वयक के रूप में) 24-26 मई 2021
- अंगाडी., जी.आर. ने स्कूल ऑफ एजुकेशन में एलएमएस (लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम) इम्प्लीमेंटेशन इन स्कूल ऑफ़ एजुकेशन पर इन-हाउस प्रशिक्षण सत्र (एफ2एफ मोड) का आयोजन किया 16 अगस्त 2021
- अंगाडी., जी.आर. ने इनफ्लिबनेट, गांधीनगर में एलएमएस प्रदर्शन सत्र में भाग लिया 15. जुलाई 2021
- अंगाडी., जी. आर ने शिक्षा विभाग, अकाल विश्वविद्यालय, तलवंडी साबो द्वारा 6-12 सितंबर २०२१ को आयोजित "एनईपी 2020: द वे अहेड" पर 7-दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला में " "रीइमैज्निंग वोकेशनल एजुकेशन इन लाइट ऑफ़ नेप 2020 " विषय पर ज्ञान संसाधक एवं वक्ता के तौर पर आमंत्रित 9 सितंबर 2021
- अंगाडी., जी. आर. ने 2 अक्टूबर 2021 को समाजशास्त्र अनुभाग, महिला महाविद्यालय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा आयोजित '21वीं सदी में गांधीवाद के बाद गांधीवाद का पुनर्मूल्यांकन' विषय पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया
- अंगाडी., जी. आर. ने 'आईक्यूएसी आर एंड डी सेल: स्कोप एंड सिग्नीफिकेन्स इन यूनिवर्सिटीज' पर गोलमेज चर्चा में भाग लिया, 12 नवंबर 2021
- अंगाडी, जी.आर. ने स्कूल ऑफ एजुकेशन (पीएमएमएमएनएमटीटी) और आईक्यूएसी, गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर द्वारा आयोजित "क्वालिटी एससुरेन्स एंड असेसमेंट एंड टीचिंग लर्निंग प्रैक्टिसेज इन द पोस्ट कोविड टाइम " पर वर्चुअल नेशनल वेबिनार में भाग लिया, 28.फरवरी 2022
- अंगाडी, जी.आर., ने आईक्यूएसी, सीयूजी द्वारा आयोजित "नेशनल रिसर्च इंटर्नशिप प्रोग्राम्स (एनआरआईपी) इन हायर एजुकेशन इंस्टीटूशन्स (एचईआई) इन इंडिया " विषय पर यूजीसी सलाहकार कार्यशाला में भाग लिया 12.मार्च 2022

- अंगाडी, जी.आर., जेएसएस शिक्षा संस्थान, सकलेशपुर (कर्नाटक) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "पर्सपेक्टिव्स ऑफ़ टीचर एजुकेशन इन नर्चरिंग द टैलेंट्स ऑफ़ 21 सेंचुरी लर्नर्स " विषय पर आमंत्रित वार्ता 30.मार्च 2022.
- अंगाडी, जी.आर., ने यूजीसी-एचआरडीसी गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर द्वारा आयोजित "राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020" पर एक दिवसीय वेबिनार में भाग लिया, 19.मार्च 2022
- राय, आर. डॉ. जाकिर हुसैन शिक्षक प्रशिक्षण कॉलेज द्वारा आयोजित 54 वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन इंडियन एसोसिएशन ऑफ टीचर एजुकेटर्स (आईएटीई) 2022 के दौरान "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: शिक्षक शिक्षा के लिए रोड मैप" में विभिन्न तकनीकी सत्र की अध्यक्षता, 26-28 मार्च 2022.
- हुसैन, एस.ए., आईआईटी, गांधीनगर द्वारा कंस्ट्रक्शन एंड स्टैंडर्डज़ेशन ऑफ़ टीचिंग एप्टीटुड टेस्ट विषय पर विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित, 28 फरवरी- 31 मार्च 2022
- विजया लक्ष्मी वाई. एससीएफ के संबंध में जिला स्तरीय सांत्वना बैठक में सदस्य के रूप में भागीदारी 30 दिसंबर 2021
- विजया लक्ष्मी वाई. आईआईटी, गांधीनगर द्वारा आयोजित एक विषय विशेषज्ञ के रूप में शिक्षण योग्यता परीक्षा का निर्माण और मानकीकरण. 28 फरवरी 2022 से 31 मार्च 2022.

प्रशिक्षण/अभिविन्यास/पुनश्चर्या कार्यक्रम में भागीदारी

- अमीन, जे.एन. इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 26 - 31 जुलाई 2021 तक आयोजित 'साइबर सेफ्टी एंड सिक्योरिटी' पर ऑनलाइन शिक्षक प्रशिक्षण, में एक प्रतिभागी के रूप में भाग लिया
- अंगाडी, जी.आर., टीचिंग लर्निंग सेंटर, रामानुजन कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 7-20 जुलाई, 2021 तक आयोजित "अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट्स (एबीसी) स्कीम इन हायर एजुकेशन, यूजीसी रेगुलेशन, 2021 (ब्लेंडेड लर्निंग के संदर्भ में)" विषय पर दो सप्ताह का इंटरडिसिप्लिनरी इंटरनेशनल रिफ्रेशर कोर्स में एक प्रतिभागी के रूप में भाग लिया और ग्रेड ए प्राप्त किया
- हुसैन, शमीम आरा, यूजीसी एचआरडीसी, गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद द्वारा क्वालिटी इन हायर एजुकेशन विषय पर पहला ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम 6-19 सितम्बर 2021 में एक प्रतिभागी के रूप में भाग लिया
- सिंह., जे.पी. यूजीसी-एचआरडीसी, भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, सोनीपत द्वारा आयोजित 22-28 फरवरी 2022 "करिकुलम डेवलपमेंट एंड नेशनल एजुकेशन पालिसी 2020" पर एक सप्ताह का अल्पकालिक पाठ्यक्रम में एक प्रतिभागी के रूप में भाग लिया
- वाई. विजया लक्ष्मी, . "शिक्षा में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम" यूजीसी - मानव संसाधन विकास केंद्र, मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद द्वारा 7 से 20 फरवरी 2022 तक एक प्रतिभागी के रूप में भाग लिया.
- वाई, विजया लक्ष्मी, आईसीएआर-एनएएआरएम द्वारा आयोजित 1 से 31 दिसंबर 2021 के दौरान आयोजित डिजिटल शिक्षण तकनीकों पर एमओओसी में भाग लिया
- पोपट, एस.एस. द्वितीय ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम शिक्षक शिक्षा पर 6 से 19 सितम्बर 2021 तक यूजीसी एचआरडीसी, गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद द्वारा एक प्रतिभागी के रूप में भाग लिया

पर्यावरण और सतत विकास संस्थान

संस्थान का परिचय

प्रकृति के प्रति सम्मान और उसे बनाए रखना वैश्विक स्तर पर संस्कृति का एक भाग रहा है। संधारणीयता एक दीर्घकालिक अवधारणा है जिसे सत्यनिष्ठा से जुड़े रहने की आवश्यकता है। भविष्य की स्थिति के रूप में पर्यावरणीय संधारणीयता के लिए जलवायु परिवर्तन की तुलना में जलवायु न्याय पर विचार करना चाहिए। पूर्वजों के माध्यम से पीढ़ी-दर-पीढ़ी एक परंपरा के रूप में हम प्रकृति के साथ रहने और त्योहारों के माध्यम से इसके महत्व को समझ रहे हैं। बदलते परिवेश और पारिस्थितिकी तंत्र में भावी पीढ़ियों के लिए पर्यावरण को पुनर्जीवित और संरक्षित किया जाना चाहिए।

पर्यावरण एवं सतत विकास संस्थान प्रकृति के साथ तालमेल बैठाने के लिए विकासशील प्रौद्योगिकियों की दिशा में कार्य कर रहा है। यह उपचारात्मक प्रक्रिया के माध्यम से इसके प्रभावित भाग को ठीक करने की संभावनाओं की पहचान कर रहा है। संस्थान अपने छात्रों को जैव विविधता के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने की दिशा में ध्यान केंद्रित कर रहा है। साथ ही, पारिस्थितिकी तंत्र में संतुलन बनाए रखने हेतु जैवविविधता के संरक्षण के प्रति भी केंद्रित है।

पर्यावरण के विभिन्न क्षेत्रों में ज्ञान प्रदान करने हेतु संस्थान विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन और विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित करता है। विशिष्ट विशेषज्ञों के साथ बातचीत के माध्यम से छात्र पर्यावरण के विभिन्न क्षेत्रों में वास्तविक स्थिति को समझते हैं।

छात्रों को विभिन्न स्तरों पर भिन्न-भिन्न गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है जिससे उन्हें सतत विकास लक्ष्यों द्वारा परिभाषित एक स्थायी समुदाय बनाने में मदद मिल सकती है। संकाय के हाल के विभिन्न शोधकर्ता प्रौद्योगिकियों के माध्यम से स्वच्छ पर्यावरण और संरक्षण रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

संस्थान द्वारा संचालित कार्यक्रम:-

- पर्यावरण और सतत विकास में पीएच.डी.
- पर्यावरण विज्ञान में स्नातकोत्तर

संकाय सदस्य से संबंधित सूचनाएं

प्रो. भावना पाठक, प्रोफेसर
रूचि के क्षेत्र: पादप व्यवहार पारिस्थितिकी; जैवविविधता संरक्षण; पर्यावरणीय जैवप्रौद्योगिकी/नैनोप्रौद्योगिकी; जलवायु परिवर्तन

प्रो. आर. वाई. हिरणमई, प्रोफेसर
रूचि के क्षेत्र: जैव उपचार, जैविक कृषि, मृदा गुणवत्ता की निगरानी, वर्मीटेक्नोलॉजी

प्रो. पल्लवी शर्मा, प्रोफेसर
रूचि के क्षेत्र: पादपों का तनाव जीवविज्ञान, आणविक पर्यावरण जीवविज्ञान, पर्यावरणीय जैवरसायन और जैव प्रौद्योगिकी, फायटोरेमेडिएशन

डॉ. राजेश सिंह, सहायक प्रोफेसर
रूचि के क्षेत्र: जैव विद्युत रासायनिक अपशिष्ट जल उपचार, वायु प्रदूषण निगरानी

डॉ. पॉलामी साहू, सहायक प्रोफेसर

रूचि के क्षेत्र: जल भूविज्ञान, भूजल प्रतिरूपण, भूजल प्रबंधन, भौगोलिक सूचना प्रणाली और सुदूर संवेदन

डॉ. कुमारी रीना, सहायक प्रोफेसर

रूचि के क्षेत्र: जल भूविज्ञान, भू-रसायन, जल संसाधन प्रबंधन, भौगोलिक सूचना प्रणाली और सुदूर संवेदन, भूमि उपयोग/भूमि कवर अध्ययन

डॉ. धीरज राठौर, सहायक प्रोफेसर

रूचि के क्षेत्र: पारिस्थितिकी, तनाव कार्यिकी, अपशिष्ट उपयोग

प्रतिष्ठित / विशेषज्ञ समीक्षित / यूजीसी द्वारा अनुमोदित पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख और शोधपत्र:

- एन. चौधरी एंड बी. पाठक (फरवरी 2022) असेसमेंट ऑफ फ्लोरिस्टिक डाइवर्सिटी एंड इट्स स्ट्रक्चरल कम्पोजीशन इन साउथ गुजरात। इंडियन जर्नल ऑफ एकोलोजी (2022) 49 (1): 64-74 DOI: https://doi.org/10.55362/IJE/2022/3478
- एकता पुरसवानी, सत्यम वर्मा, एस. जयकुमार, एम.एल. खान, भावना पाठक (दिसंबर 2021) एक्सामिनेशन एंड प्रेडिक्टिंग लैंड यूज़ चेंज डायनामिक्स इन गांधीनगर डिस्ट्रिक्ट, गुजरात, इंडिया, जर्नल ऑफ़ अर्बन मैनेजमेंट, https://doi.org/10.1016/j.jum.2021.09.003
- स्मृति महरोत्रा किरण कुमार वी., मान मोहन के., भावना पाठक (दिसम्बर 2021) बायोइलेक्ट्रोजेनेसिस फ्रॉम सेरेमिक मेम्ब्रेन-बेस्ड अल्गल-माइक्रोबियल फ्युल सेल्स ट्रीट डेयरी इंडस्ट्री वेस्टवॉटर, सस्टैनबल एनर्जी टेक्नोलॉजीज एंड असेसमेंट्स वॉल्यूम 48 https://doi.org/10.1016/j.seta.2021.101653
- स्मृति महरोत्रा एंड भावना पाठक (2021) कम्पैरटिव असेसमेंट ऑफ कार्बन सेक्वस्ट्रैशन पोटेंशियल ऑफ सोडियम बाईकार्बोनेट सप्लीमेंटेड मरीन एंड फ्रेशवाटर एल्गे वर्ल्ड रिव्यु ऑफ साइन्स, टेक्नोलॉजी एंड सस्टेनेबल डेव्लपमेंट, DOI: 10.1504/WRSTSD.2021.10041776
- आशा हमबल, नेहा चौधरी, सुप्रिया वैसे एंड भावना पाठक (जुलाई 2021) ए ब्रीफ़ रिव्यु ऑन फायटोकेमिकल एंड फार्माकोलोजीकल एस्पेक्ट्स ऑफ एंड्रोग्राफिक्स पैनिकुलाता एलओजे फार्माकॉलॉजी एंड क्लिनिकल रिसर्च (एलओजेपीसीआर) DOI : 10.32474/LOJPCR.2021.02.000148
- विरल कुँवर देवड़ा, कशिका चौधरी, सुनीता वर्जनी, भावना पाठक, अनिल कुमार पटेल, रीता रानी सिंघानिया जे. तहरजादे, हू हाओ नगो, जोनाथन डब्ल्यू. सी. वोंग, वेनशन गुओ एंड प्रीति चतुर्वेदी (जून 2021) रिकवरी ऑफ रिसोर्सेस फ्रॉम इंडस्ट्रियल वेस्टवॉटर एम्प्लोयिंग एल्क्ट्रोकेमिकल टेक्नोलॉजीज: स्टेटस, एडवांसमेंट्स एंड पर्सपेक्टिव्स, बीओइंजीनियर्ड, 12:1, 4697-4718, DOI: 10.1080/21655979.2021.1946631
- सिंह, आर., मिस्र, ए. एन. एंड शर्मा, पी. (2022). जीनोम-वाइड ट्रांसक्रिप्शनल रेस्पोंस ऑफ कंट्रास्टिंगजीनोटाइप ऑफ़ इंडस्ट्रियल क्रॉप कास्टर टू एज़ (वी) स्ट्रैस: आइडेंटिफिकेशन ऑफ जीन्स एंड मैकेनिज्म असोसिएटेड विथ एज़ टोलेंरेस। इंडस्ट्रियल क्रॉप्स एंड प्रोडक्टस। 179(5), 114678. https://doi.org/10.1016/j.indcrop.2022.114678
- खान, ई. ए., अहमद, एच. एम., मिश्रा, एम., शर्मा, पी. एंड मिश्रा, ए. एन. (2022) नाइट्रिक ऑक्साइड एलेवीयेट्स फोटोकेमिकल डैमेज इन्डूस्ट बाइ कैडमियम स्ट्रैस इन पी सीडलिंग। फायटोन, 91(5), 959:973. https://doi.org/10.32604/phyton.2022.018708
- राहुल, आर. एंड शर्मा, पी. (2022) आइडेंटिफिकेशन ऑफ कैडमियम टोलेंरेंट एंड सेनसिटिव जीनोटाइप्स ऑफ कैस्टर एंड देयर कंट्रास्टिंग रेस्पोंसेस टु कैडमियम ट्रीटमंट। एनवायरनमेंटल साइन्स एंड पोल्यूशन रिसर्च 29 (11), 16052-16065.

https://doi.org/ 10.1007/s11356-021-16596-2

- सिंह, आर., मिश्रा, ए. एन. एंड शर्मा, पी. (2021) सेफ, एफ़िशिएंट, एंड इकोनोमिकली बेनेफिशियल रेमेडिएशन ऑफ आर्सेनिक-कन्टेमीनेशन सॉइल: पॉसिबल स्ट्रेटेजी फॉर इनक्रीसिंग आर्सेनिक टोलेरंस एंड अक्यूम्यलेशन इन नॉन-एडिबल इकोनोमीकली इंपोर्टेंट नेटिव प्लांट्स। एनवायरनमेंटल साइन्स एंड पोल्यूशन रिसर्च 28 (45), 64113–64129. https://doi.org/10.1007/s11356-021-14507-z
- धर, वी., एंड सिंह, आर (2021). इम्पैक्ट ऑफ पर्शियली सबमरसेड आयरन स्क्रैप्स इन साईमलटनिअसली सल्फेट एंड नाइट्रेट रिमुवल यूजिंग सल्फेट-रिड्युसिंग बैक्टीरिया। एनवायरनमेंटल टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन 24, 101823
- सिंह, एन. के., एंड सिंह, आर. (2021). इवैल्यूएशन ऑफ प्रीट्रीटमेंट पोटेनशियल एंड हाइड्रोजन रिकवरी फ्रॉम लिग्नोसेल्यूलोसिक बायोमास इन एन अनोक्सिक डबल-स्टेजड बायोइल्क्ट्रोकेमिकल सिस्टम। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हाइड्रोजन एनर्जी। 46 (79) 39122-39135. https://doi.org/10.1016/j.ijhydene.2021.09.155
- सिंह, एन. के., एंड सिंह, आर. (2021). मोडलिंग एंड स्टेटिस्टिकल एनालिसिस ऑफ हीट-शॉक्ड सलफेट-रिड्यूसर्स एंड मीथेनोजेन्स रिच कंसोर्टियम फॉर हाइड्रोजन एंड मीथेन प्रॉडक्शन इन ए बायो-इल्क्ट्रोकेमिकल सेल। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हाइड्रोजन एनर्जी, 46 (51) 25819-25831. https://doi.org/10.1016/j.ijhydene.2021.05.097 .
- कुमार, एम., एंड सिंह, आर. (2021) एरिया-बेस्ड स्पेसिएशन काईनेटिक एनालिसिस ऑफ द मल्टीपोल्यूटेंट रिमूवल इन कंस्ट्रक्टेड वेटलैंडस टु **एहेंस** इट्स ट्रीटमंट एफीश्यंसी। एनवायरनमेंटल साइन्स: वॉटर रिसर्च टेक्नालजी. 7, 1090-1102. https://doi.org/10.1039/D1EW00027F
- सिंह, एन. के., एंड सिंह, आर. (2021). ए सीक्वेंशियल अप्रोच टू अनकैपिंग ऑफ थेओरेटिकल हाइड्रोजन प्रॉडक्शन इन ए सलफेट-रिड्युसिंग बैक्टीरिया-बेस्ड बायो-इल्क्ट्रोकेमिकल सिस्टम। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हाइड्रोजन एनर्जी. 46 (39) 20397-20412. https://doi.org/10.1016/j.ijhydene.2021.03.152
- सिंह, एन. के., कुमारी, पी. एंड सिंह, आर. (2021) इंटेनसिफाइड हाइड्रोजन यील्ड युजिग हाइड्रोजेनस रिच सलफेट-रिड्यूसिंग बैक्टीरिया इन बायो- इलेक्ट्रोकेमिकल सिस्टम। एनर्जी, 219, 119583. https://doi.org/10.1016/j.energy.2020.119583
- तनुश्री, कुमारी रीना (2021). ए हाइड्रोकेमिकल एंड रिमोट सेन्सिंग अप्रोच टू डीक्रिप्ट द ग्राउंडवॉटर सेलिनिजेशन इन द कोस्टल सिटी ऑफ साबरमती बेसिन, गुजरात। सितंबर 2021, ग्राउंडवॉटर फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट। D O I : 10.1016/j.gsd.2021.100673
- घोष सुकन्या, कुमार दीपक, कुमारी रीना (2022) असेसिंग द इंफ्लुएंस ऑफ फ्लड्स ओवर सिलेक्टेड स्टेट्स ऑफ ईस्टर्न इंडिया विथ क्लाउड-बेस्ड जियो-कम्प्यूटिंग प्लेटफॉर्म्स। जियोकार्टो इंटरनेशनल। DOI: 10.1080/10106049.2022.2047230.
- घोष सुकन्या,, कुमार दीपक, कुमारी रीना (2022) इवैल्यूएटिंग द इम्पैक्ट ऑफ फ्लड इनन्डैशन विथ द क्लाउड कम्प्यूटिंग प्लैटफ़ार्म ओवर वेजीटेशन कवर ऑफ गंगा बेसिन ड्यूरिंग कोविड-19. स्पेसियल इन्फॉर्मेशन रिसर्च। D O I : 10.1007/s41324-022-00430-z.
- चौधरी आई. जे. एंड राठौर डी. (2022). इफ़ेक्ट्स ऑफ एम्बिएंट एंड एलिवेटेड ओज़ोन ऑन मोरफोफीसीओलोजी ऑफ कॉटन (गौसिपियम हिर्सुटम एल.) एंड इट्स कोरिलेशन विथ यील्ड ट्रेट्स। एनवायरनमेंटल टेक्नालजी एंड इनोवेशन, 25, 102146. https://doi.org/10.1016/j.eti.2021.102146. ISSN: 2352-1864

- निगम, बी., दुबे, पी. एस. & राठौर डी. (2022). प्रोटेक्टिव रोल ऑफ एक्सोजेनौसली सपलाइड सेलिक्यलिक एसिड एंड पीजीपीबी (स्टेनोट्रोफोमोनास) ऑन स्पिनच एंड सोयबीन कल्टीवर्स ग्रोन अंडर साल्ट स्ट्रेस। साइएन्शल होर्टीकल्चर, 293, 110654. DOI: https://doi.org/10.1016/j.scienta.2021.110654. ISSN: 0304-4238

- चौधरी, आई. जे. एंड राठौर डी. (2021). माइक्रो-मोरफोलोजिकल एंड आनाटोमिकल रिसपोंस ऑफ ग्राउंडनट (अरचिस हयपोगेय एल.) कल्टीवर्स टू ग्राउंड-लेवेल ओज़ोन। जर्नल ऑफ अप्लाइड बायोलॉजी एंड बायोटेक्नोलॉजी , 9(04), 137-150. DOI: 10.7324/JABB.2021.9419. ISSN:2455-7005

- चौधरी, आई. जे. एंड राठौर डी. (2021). असेसमेंट ऑफ ओज़ोन टॉक्सिसिटि ऑन कॉटन (गोसिपियम हिर्सुटम एल.) कल्टीवर्स: इट्स डिफ़ेंसिवे सिस्टम एंड इंट्रास्पेसिफिक सेंसिटिविटी। प्लांट फीजियोलोजी एंड बायोकैमिस्ट्रि , 166, 912-927. DOI: https://doi.org/10.1016/j.plaphy.2021.06.054. ISSN:0981-9428

- सिंह, आर. एंड राठौर डी. (2021). इफ़ेक्ट्स ऑफ़ फर्टिलाइजेशन विथ टेक्सटाइल एफ़्लुएंट ऑन जर्मिनेशन, ग्रोथ एंड मेटाबोलिटेस ऑफ चिली (कैप्सिकम एनम एल) कल्टीवर्स। एनवायरनमेंटल प्रोसेसेज, 8, 1249–1266. DOI: https://doi.org/10.1007/s40710-021-00531-1. ISSN: 2198-7505

संपादित संस्करणों में प्रकाशित शोधपत्र:

- कृष्णा रावत एंड भावना पाठक (2021) कंटैमिनेशन ऑफ ग्राउंडवॉटर बाइ फ़्लाइ एश हैवी मेटल एट लैंडफ़िल साइट्स इन कंटैमिनेशन ऑफ वॉटर हेल्थ रिस्क असेसमेंट एंड ट्रीटमंट स्ट्रेटेजीज, पेज 31-48 https://doi.org/10.1016/B978-0-12-824058-8.00020-7

- महरोत्रा एस., किरण कुमार वी., मान मोहन के. गजलक्ष्मी एस., पाठक बी. (जून 2021) टेराकोटा मेंबरेन-बेस्ड माइक्रोबियल फ्यूल सेल विथ एलगल बायोकैथोड़ : ए लो-कोस्ट अल्टरनेटिव टू डेरी वेस्टवॉटर ट्रीटमंट कपल्ड इलेक्ट्रिसिटि एंड बायोमास प्रॉडक्शन। इन: कलमधड़ ए एस इंटीग्रेटेड अप्प्रोचस टूवर्ड्स सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट। स्प्रिंगर, चाम। https://doi.org/10.1007/978-3-030-70463-6_17

- हीरनमई यादव आर (2021). सॉइल-प्लांट माइक्रोबियल इंटरेक्शन फॉर सॉइल फर्टिलिटी मैनेजमेंट एंड सस्टेनेबल एग्रिकल्चर" इन: जय शंकर सिंह, शशांक तिवारी, छतरपाल सिंह, अनिल कुमार सिंह, एल्सवीयर माइक्रोब्स इन लैंड यूज़ चेंज मैनेजमेंट। ISBN: 978-0-12-824448-7

- अजय नीरज, आर. हीरनमई यादव एंड रमन कुमार रवि. (2021) अल्टरेशन इन माइक्रोबियल पापुलेशन डैन्सिटि एट डिफ़्रेंट लैंड यूज़ सिस्टम। इन: जय शंकर सिंह, शशांक तिवारी, छतरपाल सिंह, अनिल सिंह। एल्सेवीयर माइक्रोब्स इन लैंड यूज़ चेंज मैनेजमेंट। ISBN: 978-0-12-824448-7

- रमन कुमार रवि, अजय नीरज एंड आर. हीरनमई यादव. (2021). असेसमेंट ऑफ माइक्रोबियल बायोमास फॉर प्रॉडक्शन ऑफ ईको-फ्रेंडली सिंगल सेल प्रोटीन, बायो-एनर्जी एंड अदर यूज़फुल प्रोडक्टस। इन: जय शंकर सिंह, शशांक तिवारी, छतरपाल सिंह, अनिल सिंह. माइक्रोब्स इन लैंड यूज चेंज मैनेजमेंट एल्सयवीर ISBN: 978-0-12-824448-7

- मोहम्मद ए. सिद्दीकी एंड आर. हीरनमई यादव, 2021. मोलेक्युलर कैरेक्टराइजेशन ऑफ बैकटेरियल कम्यूनिटी सक्सेसन एंड एनालिसिस ऑफ फिजियोकेमिकल प्रॉपर्टीज इन ए कंपोस्ट ऑफ सॉलिड ओरगनिक वेस्ट फ्रॉम गांधीनगर, गुजरात, इंडिया। इन : माइक्रोब्स इन लैंड यूज चेंज मैनेजमेंट। जय शंकर सिंह, शशांक तिवारी, छतरपाल सिंह, अनिल सिंह. एल्सेवीर ISBN: 978-0-12-824448-7

- स्निग्धा सिंह एंड आर. हीरनमई यादव, 2021. इन्फ्लुएंस ऑफ़ लैंड यूज़ ऑन नेटिव माइक्रोबियल कम्युनिटी एंड देयर रिस्पोंस टू द वेरिएशन्स इन माइक्रोएनवायरनमेंट। इन : जय शंकर सिंह, शशांक तिवारी, छतरपाल सिंह, अनिल सिंह. माइक्रोब्स इन लैंड यूज चेंज मैनेजमेंट। एल्सेवीर ISBN: 978-0-12-824448-7

- हीरनमई आर. वाई. एंड एम. कामराज. 2022. अकरन्स, फेट एंड टॉक्सेसिटी ऑफ इमर्जिंग कंटैमिनेन्ट्स इन ए डाइवर्स इकोसिस्टम। इन: जेयसीलन अरविंद एंड मुरुगेसन कामराज इमर्जिंग कंटैमिनेन्ट्स: रेमेडिएशन टेक्नोलॉजीज। फ़िज़िकल साइन्सस रिव्युस, ई गृयटर (www.degruyter.com). https://doi.org/10.1515/psr-2021-0054

- साहू पी. (2021) सोर्स एंड फेट ऑफ परक्लोरेट इन द एनवायरनमेंट: ए ग्रेव कंसर्न फॉर वर्ल्ड। इन: कुमार एम. स्नो डी., होंडा आर., मुखर्जी एस. कंटैमिनेन्ट्स इन ड्रिंकिंग एंड वेस्टवॉटर सोर्सेज। स्प्रिंगर ट्रांजेक्शन्स इन सिविल एंड एनवायरनमेंटल इंजीनियरिंग (pp. 137-157). स्प्रिंगर, सिंगापुर।

- साहू, पी. (2021) पोलिसिस एंड लीगल एस्पेक्ट्स ऑफ एनवायरनमेंटल मैनेजमेंट। इन पी. के. सिक्दर, एनवायरनमेंटल मैनेजमेंट: इश्यूज एंड कन्सर्न इन डेवेलपिग कंट्रीज (pp: 343-367) कैपिटल पब्लिशिंग कंपनी, न्यू दिल्ली, इंडिया।

- सिद्धा, एस. एंड साहू, पी. (2022) इम्पैक्ट ऑफ क्लाइमेट चेंज ऑन द रिवर ईकोसिस्टम. इन: माधव, एस., सिंह, एस. के., श्रीवास्तव, ए. एल., सिंह, वी. बी., सिंह, पी. इकोलॉजिकल सिग्निफिकेंस ऑफ रिवर इकोसिस्टम्स चैलेंजेज एंड मैनेजमेंट स्ट्रेटेजीज (pp. 79-104). एल्सवियर।

- अहिरवार, टी. के., साहू, पी. एंड बेरदार पी. (2022) नैनोफ्लुड बेस्ड कूलिंग फॉर विंड टरबाइन्स। इन टी. श्रीनिवास एंड आर. कुमार नैनोफ्लुड एप्लिकेशन्स इन ग्रीन एनर्जी टेक्नोलॉजीज (pp.219-236) नोवा साइन्स पब्लिशर्स, न्यूयॉर्क, यूएसए।

- राणा दीक्षा, कुमार दीपक, कुमारी माया, कुमारी रीना (2022) असेसिंग द इम्पैक्ट ऑफ दिल्ली मेट्रो नेटवर्क टूवर्ड्स अर्बनाइजेशन ऑफ दिल्ली-एनसीआर। इन बुक: जियोस्पेटीयल टेक्नोलॉजी फॉर लैंडस्केप एंड एनवायरनमेंटल मैनेजमेंट। DOI: 10.1007/978-981-16-7373-3_17.

- सोनी, एस., चौधरी, आई. जे., सिंह, ए & राठौर, डी. (2021) एक्यूट एंड क्रोनिक इफ़ेक्ट्स ऑफ ग्राउंड लेवेल ओज़ोन ऑन ह्यूमन हेल्थ। इन: एस. बी. अग्रवाल, एम. अग्रवाल एंड ए. सिंह, ट्रोपोस्फेरिक ओज़ोन: ए हजार्ड फॉर वेजिटशन एंड ह्यूमन हेल्थ (pp 575-620). कैम्ब्रिज स्कॉलर्स पब्लिशिंग, यूके. ISBN: 978-1-5275-7057-3.

लेखक के रूप में प्रकाशित पुस्तकें:

- पाण्डेय, वी. सी., गेजिक, जी., शर्मा, पी. एंड रॉय, एम. (2022). अडेपटिव फायटोरेमेडिएशन प्रैक्टिसेज: रेसिलिएन्स टू क्लाइमेट चेंज। पेपरबेक ISBN: 9780128238318 ई बुक

अन्य प्रकाशन (पत्रिकाएँ, समाचार पत्र, वेब पोर्टल):

- प्रियंका कुमारी एंड भावना पाठक (फरवरी 2022) मंग्रोव्स: प्रोटेक्ट द प्रोटेक्टर्स इन पर्यावरण पर्सपेक्टिव मैगज़ीन। प्रकाशित: फ़रवरी 2022.

- स्तुति हलदर एंड भावना पाठक (अप्रैल 22, 2022) गुजरात इस प्रोग्रेसिंग टूवर्ड्स इट्स सोलर पीवी रूफ़टॉप टार्गेट 2021-22 पीवी मैगज़ीन (https://www.pv-magazine-india.com 2021/04/22

- आर. वाई. हीरनमई एंड पारुल वत्स. (2021, जून-जुलाई). योगिक फर्मिंग: ए फिलोसोफिकल विज़न इनटू प्रैक्टिकल फ़ार्मिंग।

पर्यावरण पर्सपेक्टिव, पेज: 30-31

- शर्मा पी. (2022) पर्यावरण पर्सपेक्टिव http://paryavaranperspective.com/wp-content/uploads/2022/02/PP-Feb.-2022-final.pdf

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी/वेबिनार/सम्मेलन/कार्यशाला आदि में शोधपत्र प्रस्तुति:

- पल्लवी शर्मा अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में "रोल ऑफ एनर्जी एफ़ीशिएंसी स्ट्रेटेजीज इन अर्बन प्लानिंग फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट" में ट्रांसपोर्टेशन, एनवायरनमेंट एंड एनर्जी इन इंटीग्रेटेड अर्बन प्लानिंग-2021 (आरटीईई-आईयूपी 2021) का आयोजन झारखण्ड केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा 25 से 26 नवम्बर 2021 तक आयोजित किया गया।

- पौलमी साहू एंड चित्रांगदा देबसरमा (2021) एनवायरनमेंटल चैलेंजेज इन पोस्ट-कोविड-19 वर्ल्ड एंड देयर पोटेंशियल सोल्युशंस, 43 इंडियन जियोग्राफी कांग्रेस 2021 विथ ए फोकल थीम ऑफ 'पॉप्युलेशन, एनवायरनमेंट, हेल्थ, सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स एंड एप्रोप्रियेट टेक्नोलॉजीज: पोस्ट कोविड-19 सिनेरियोस', का 28 से 30 अक्तूबर 2021 तक बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तरप्रदेश में ऑनलाइन माध्यम (गूगल मीट) से आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय/क्षेत्रीय स्तर की संगोष्ठी/वेबिनार/सम्मेलन/कार्यशाला आदि में प्रस्तुत किए गए शोधपत्र:

- भावना पाठक ने नल सरोवर पक्षी अभयारण्य में आर्द्रभूमि दिवस उत्सव के दौरान वेटलैंड एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट पर व्याख्यान दिया (2/2/2022)

- भावना पाठक ने जलवायु परिवर्तन विभाग गुजरात द्वारा साइंस सिटी, अहमदाबाद में आयोजित बिल्डिंग क्लाइमेट रेजिलिएंट गुजरात- ए प्रोग्राम ऑन क्लाइमेट चेंज में भाग लिया। (21/2/2022)

- भावना पाठक ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, पटना (15 जनवरी 2022) में धातुकर्म और पदार्थ अभियांत्रिकी विभाग के बीटेक छात्रों के लिए एनवायरनमेंट एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट विषय पर विशेष व्याख्यान दिया।

- भावना पाठक ने जी बी पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण और सतत विकास संस्थान, कोसी कटारमल अल्मोड़ा, उत्तरांचल (17 जनवरी 2022) द्वारा आयोजित वर्कप्लेस क्लेन्लीनिस इन लैब फॉर थ्री मन्थ्स तकनीशियन डेवलपमेंट प्रोग्राम फॉर एंट्री-लेवेल जॉब्स इन द टेक्निकल कैडर पर व्याख्यान दिया।

- भावना पाठक ने डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, औरंगाबाद द्वारा आयोजित रोल ऑफ एनवायरनमेंटल एडुकेशन इन सस्टेनेबल डेवलपमेंट, ड्यूरिंग ऑनलाइन रेफ्रेशर कोर्स इन एनवायरनमेंटल स्टडीस एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट पर विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान दिया (21 जनवरी 2022)

- पल्लवी शर्मा ने 28 जुलाई 2021 को गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय, पर्यावरण एवं सतत विकास संस्थान द्वारा आयोजित "मल्टीडीसीप्लिनरी अपरोचेस ऑफ एनवायरनमेंटल साइन्स" पर पांच दिवसीय कार्यशाला में "“बायोडाइवर्सिटी कंजरवेशन मेजर्स एंड इश्यूज" विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।

- पौलमी साहू और चित्रांगदा देबसरमा (2021) ने 28 - 30 अक्टूबर, 2021 को बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश में आयोजित कोविड-19 के बाद की दुनिया में पर्यावरणीय चुनौतियां और उनके संभावित समाधान पर 43वीं भारतीय भूगोल कांग्रेस 2021 में 'पॉप्युलेशन, एनवायरनमेंट, हेल्थ, सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स एंड अएप्रोप्रियेट टेक्नोलॉजीज: पोस्ट-कोविड-19 स्केनरिओस' विषय पर ऑनलाइन माध्यम से (गूगल मीट) भाग लिया।

- धीरज राठौर ने गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के पर्यावरण एवं सतत विकास संस्थान द्वारा 27 से 31 जुलाई 2021 तक "मल्टीडिसिप्लिनरी अप्रोचेस ऑफ एनवायरनमेंटल साइन्स" पर आयोजित पांच दिवसीय कार्यशाला में "इकोसिस्टम बैलेन्स" विषय पर व्याख्यान दिया।

प्रतिष्ठित संस्थानों में संगोष्ठी/सम्मेलन/वेबीनार आदि के अतिरिक्त अकादमिक प्रकृति के आयोजित व्याख्यान:

- आर.वाई. हीरनमई ने 21 मार्च से 26 मार्च 2022 तक अविनाशिलिगम इंस्टीट्यूट फॉर होम साइंस एंड हायर एजुकेशन फॉर वूमेन, कोयंबटूर, तमिलनाडु में जीवविज्ञान संस्थान द्वारा आयोजित "एनवायरनमेंटल सस्टेनेबिलिटी एंड रिसर्च एथिक्स" पर यूजीसी-स्ट्राइड द्वारा प्रायोजित छह दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम में जलवायु परिवर्तन और कृषि पर व्याख्यान दिया।
- आर.वाई. हीरनमई ने अविनाशिलिगम इंस्टीट्यूट फॉर होम साइंस एंड हायर एजुकेशन फॉर वूमेन, कोयंबटू, तमिलनाडु में 8 से 14 नवंबर 2021 तक "फ्यूचर पर्सपेक्टिव्स इन बायोलॉजिकल साइंसेज" पर आयोजित एक सप्ताह के वर्चुअल नेशनल लेवल फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में "सॉइल रिक्लेनेशन यूजिंग आर्गेनिक फ़ार्मिंग" विषय पर विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
- आर.वाई. हीरनमई ने विश्व पर्यावरण दिवस 2021 मनाने के उपलक्ष्य में 05.04.2021 को स्काईलाइन यूनिवर्सिटी, नाइजीरिया द्वारा आयोजित "रिसेटिंग आवर रिलेशनशिप विथ नेचर" पर वेबिनार में "साइल रिक्लेमेशन यूजिंग आर्गेनिक फार्मिंग" पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- पल्लवी शर्मा ने 25/12/2021 को केन्द्रीय विद्यालया साबरमती, अहमदाबाद के इन-सर्विस कोर्स केवी साबरमती पर "बायोडाइवर्सिटी एंड कंजरवेशन" व्याख्यान दिया।
- डॉ. पौलमी साहू ने ग्लोबल वार्मिंग: पर्यावरण और सतत संस्थान द्वारा मल्टीडिसिप्लिनरी अप्रोचेस ऑफ़ एनवायरनमेंटल साइंसेज (27-31 जुलाई 2021) पर पांच दिवसीय कार्यशाला में ग्लोबल वार्मिंग: कासेस, कान्सक्वेन्स एंड मिटीगेटिव स्ट्रेटेजीज (29.07.2021) पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।
- धीरज राठौर ने एचआरडीसी, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर में 9 अक्टूबर 2021 को आयोजित "ईकोसिस्टम बैलेन्स" इन शॉर्ट टर्म कोर्स ऑन सस्टेनेबल डेवलपमेंट एंड प्लानेट अर्थ पर व्याख्यान दिया।
- धीरज राठौर ने एचआरडीसी, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर में 9 अक्टूबर 2021 को आयोजित सस्टेनेबल डेवलपमेंट एंड प्लेनेट अर्थ पर शॉर्ट टर्म कोर्स में "इकोलॉजिकल सस्टेनेबिलिटी" पर विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान दिया।

अकादमिक गतिविधियों जैसे संगोष्ठी/सम्मेलन पत्र प्रस्तुति आदि के अतिरिक्त सत्रीय अध्यक्षता, संगोष्ठी आयोजक, आदि के रूप में प्रतिभागिता:

- भावना पाठक ने अहमदाबाद मैनेजमेंट एसोसिएशन अहमदाबाद में जेंडर रिसोर्स सेंटर द्वारा आयोजित रीस्ट्रक्चरिंग ऑफ़ नारी गौरव नीति पर कार्यशाला (25 मार्च 2022) में भाग लिया।
- भावना पाठक ने सस्टेनेबिलिटी इंडेक्स फॉर यूनिवर्सिटी कैंपस अंडर यूबीए 2.0 (13 जनवरी 2022) के लिए एक दिवसीय वेबिनार में भाग लिया।
- भावना पाठक ने राष्ट्रीय युवा दिवस: विवेकानंद के दर्शन और वर्तमान में इसकी प्रासंगिकता पर एक विशिष्ट व्याख्यान दिया। इसे ईबीएसबी, यूबीए और एनएसएस और गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा 12 जनवरी 2022 को संयुक्त रूप से आयोजित किया गया।

- भावना पाठक ने राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान द्वारा 10 जनवरी 2022 को आयोजित नॉर्थ ईस्ट रीजन, इश्यूज, चैलेंजेज एंड वे फॉरवर्ड पर वेबिनार में भाग लिया।

- आर.वाई. हीरनमई ने गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय, गांधीनगर, गुजरात के पर्यावरण एवं सतत विकास संस्थान द्वारा 27-31 जुलाई 2021 तक आयोजित मल्टीडिसिप्लिनरी अप्रोचेस ऑफ़ एनवायरनमेंटल साइंसेज पर पांच दिवसीय कार्यशाला में व्याख्यान दिया।

- पल्लवी शर्मा ने गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय, गांधीनगर, गुजरात के पर्यावरण एवं सतत विकास संस्थान द्वारा 16-18 अगस्त 2021 तक आयोजित रीसेंट ट्रेंड्स एंड एडवांसेज इन बायोरेमेडिएशन टेक्नोलॉजीज पर वेबिनार में समन्वयक के रूप में भाग लिया।

- पल्लवी शर्मा ने कुमुद मलिका त्रिपाठी के विशेषज्ञ व्याख्यान में भाग लिया, जिसका आयोजन गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के नैनो विज्ञान संस्थान द्वारा 7 दिसंबर 2021 को किया गया था।

- राजेश सिंह ने गुरु जम्भेश्वर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा 28 फरवरी से 4 मार्च 2022 तक आयोजित "टूल्स एंड सॉफ्टवेर फॉर डेटा एनालिटिक्स" पर राष्ट्रीय कार्यशाला में विशेषज्ञ व्याख्यान दिया

- डॉ. पौलामी साहू ने गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के पर्यावरण एवं सतत विकास संस्थान द्वारा मल्टीडिसिप्लिनरी अप्रोचेस ऑफ़ एनवायरनमेंटल साइंसेज विषय पर 27-31 जुलाई, 2021 तक आयोजित 5 दिवसीय कार्यशाला समन्वयक के रूप में भाग लिया।

संचालित शोध परियोजनाएं

- भावना पाठक, अपशिष्ट प्रबंधन प्रभाग, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा "रैंडम वेरिफिकेशन ऑफ़ एनुअल इन्वेंट्री ऑन हज़र्ड्स वेस्ट मैनेजमेंट"। (सितंबर, 2021 से मार्च 2022 तक संचालित)।

- धीरज राठौर, परियोजना का शीर्षक: "एनवायरनमेंटल मोनिटरिंग ऑफ़ हैवी मेटल्स यूजिंग कॉमन रोड साइड प्लांट्स इन सिलेक्टेड सीटीस ऑफ़ गुजरात"। वित्तपोषण एजेंसी: साइंस एंड इंजीनियरिंग रिसर्च बोर्ड (एसईआरबी), नई दिल्ली। कुल लागत: 34,94,832 रुपये। अवधि: 4 फरवरी, 2022 से 3 फरवरी, 2025 (संचालित)।

शोध छात्र/निर्देशित

नाम	कार्यक्रम की प्रकृति, एम. फिल/पीएचडी	पंजीकृत छात्रों की संख्या [वर्ष 2021-22 के दौरान पंजीकृत केवल (नई संख्या)]
डॉ. राजेश सिंह	पीएचडी	1
डॉ. पौलमी साहू	पीएचडी	1
डॉ. धीरज राठौर	पीएचडी	1

विश्वविद्यालय प्रशासन में समिति के सदस्यों के रूप में अथवा अतिरिक्त उत्तदायित्व के वहन हेतु संकाय सदस्यों की प्रतिभागिता

प्रो. भावना पाठक

- अधिष्ठाता- पर्यावरण एवं सतत विकास संस्थान
- प्रोफेसर प्रभारी, केंद्रीय पुस्तकालय, सीयूजी

- अध्यक्ष - उन्नत भारत अभियान, सीयूजी
- अध्यक्ष - पुस्तकालय पुस्तक/पत्रिका क्रय समिति, सीयूजी
- अध्यक्ष - शून्य सेमेस्टर समिति, सीयूजी
- अध्यक्ष- स्कूल बोर्ड ऑफ स्टडीज, एसईएसडी
- अध्यक्ष - उन्नत अध्ययन और अनुसंधान समिति, एसईएसडी
- अध्यक्ष - विभागीय शैक्षणिक सत्यनिष्ठा पैनल, एसईएसडी के लिए समिति
- अध्यक्ष - स्थायी परिसर की परिधि में लगाए जाने वाले पौधों के चयन/पहचान के लिए समिति
- सदस्य - गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय कोर्ट
- सदस्य - गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय की चतुर्थ कार्यकारी परिषद
- सदस्य - गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय की चतुर्थ अकादमिक परिषद
- सदस्य - राष्ट्रीय नवोन्मेष और स्टार्ट-अप नीति (एनआईएसपी) सीयूजी के कार्यान्वयन के लिए समिति
- सदस्य- आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी)
- सदस्य - केंद्रीय उपकरणिकरण सुविधा (सीआईएफ), सीयूजी की सलाहकार समिति
- सदस्य- वैज्ञानिक प्रयोगशाला उपकरणों की खरीद के लिए समिति।
- सदस्य - परिसर विकास समिति, सीयूजी
- सदस्य - वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए एआरसी समिति
- सदस्य - स्थानीय क्रय समिति
- सदस्य- सीएएसआर- नैनो विज्ञान संस्थान, सीयूजी (2021-2023)
- सदस्य - राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) सलाहकार समिति
- सदस्य - विभागीय शैक्षणिक सत्यनिष्ठा पैनल (डीएआईपी), नैनो विज्ञान संस्थान, सीयूजी (2021-2023)
- सदस्य- सीयूजी में एनईपी 2020 के कार्यान्वयन के लिए कार्यबल समिति
- सदस्य- सीयूजी - प्रवेश समिति (2021)
- सदस्य- वैज्ञानिक उपकरणों के तकनीकी विनिर्देश के मूल्यांकन के लिए तकनीकी समिति।
- सदस्य- पायलट परियोजना के लिए जांच समिति
- संयोजक- सामाजिक उद्यमिता, स्वच्छता और ग्रामीण संबंद्धता प्रकोष्ठ (एसईएस आरईसी), सीयूजी
- विशेषज्ञ सदस्य- अनुसंधान सलाहकार समिति, सामाजिक प्रबंधन संस्थान

प्रो. आर.वाई. हिरनमई

- पीठासीन अधिकारी- आंतरिक शिकायत समिति
- सदस्य- एक भारत श्रेष्ठ भारत
- सदस्य- राष्ट्रीय सेवा योजना

- सदस्य- विश्व पर्यावरण दिवस
- सदस्य- वार्षिक रिपोर्ट समिति
- सदस्य- केंद्रीय उपकरणिकरण सुविधा
- सदस्य- निस्तारण समिति
- सदस्य- अनुसंधान सलाहकार समिति, एसईएसडी
- सदस्य- अनुसंधान सलाहकार समिति, एसएलएस
- सदस्य- स्कूल बोर्ड, एसईएसडी
- सदस्य- ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा पत्र सेटिंग
- लिंग आधारित हिंसा को समाप्त करने के लिए सदस्य जागरूकता गतिविधियां
- सीयूजी का योजना और निगरानी बोर्ड
- सेंटर बोर्ड ऑफ स्टडीज (STIP)
- संपत्ति सत्यापन समिति
- सीयूजी कोर्ट
- जेंडर चैम्पियनशिप गतिविधियां 2021
- एसईएसडी प्रवेश समिति

प्रो. पल्लवी शर्मा

- अधिष्ठाता (आई / सी), नैनो विज्ञान संस्थान, सीयूजी
- सदस्य, अकादमिक परिषद, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
- सदस्य, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय कोर्ट
- संयोजक और अध्यक्ष, नैनो विज्ञान संस्थान के उन्नत अध्ययन और अनुसंधान समिति (सीएएसआर)
- पर्यावरण विज्ञान और सतत विकास स्कूल, सीयूजी के लिए स्वयं समन्वयक
- सदस्य, पायलट परियोजना की जांच के लिए स्थायी समिति
- सदस्य, विश्वविद्यालय के संस्थानों के अकादमिक और प्रशासनिक लेखा परीक्षा अभ्यास करने के लिए समिति
- सदस्य, स्कूल बोर्ड, नैनो विज्ञान संस्थान
- संकाय प्रभारी, एमएएलडीआई-टीओएफ, सीआईएफ
- सदस्य, सीयूजी में एनईपी 2020 के कार्यान्वयन के लिए कार्यबल समिति
- सदस्य, विभाग अकादमिक सत्यनिष्ठा पैनल, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार राजनीति अध्ययन केंद्र, सामाजिक विज्ञान संस्थान
- सदस्य, विभाग अकादमिक सत्यनिष्ठा पैनल, जीवन विज्ञान संस्थान
- सदस्य, विभाग अकादमिक सत्यनिष्ठा पैनल, नैनो विज्ञान संस्थान

- सदस्य, एसईएसडी एमएससी प्रवेश समिति
- सदस्य, समग्र शिक्षा लागू करने संबंधी तरीकों के सुझाव के लिए समिति
- सदस्य, एसएलएस में आईसीएमआर परियोजना में जेआरएफ की नियुक्ति के लिए चयन समिति कुलपति द्वारा नामित।
- सदस्य, उन्नत अध्ययन और अनुसंधान समिति, जीवन विज्ञान संस्थान
- सदस्य, उन्नत अध्ययन और अनुसंधान समिति, पर्यावरण एवं सतत विकास संस्थान
- सदस्य, यूजीसी केयर सूची में पत्रिकाओं की सिफारिश करने के लिए समिति (अनुलग्नक 24)
- सदस्य, वैज्ञानिक उपकरणों के प्रौद्योगिकीय विनिर्देश के मूल्यांकन के लिए तकनीकी समिति।
- सदस्य, गरबा आयोजन समिति 2021
- सदस्य, नैनो विज्ञान संस्थान की स्थानीय खरीद समिति
- सदस्य, सेंटर बोर्ड ऑफ स्टडीज, अनुप्रयुक्त रसायन केंद्र, अनुप्रयुक्त पदार्थ विज्ञान संस्थान
- सदस्य, स्कूल स्तरीय प्रवेश समिति, एसएनएस
- सदस्य, समग्र और बहुविषयक शिक्षा पाठ्यक्रमों के शिक्षण की निगरानी के लिए समिति
- अध्यक्ष, अधिष्ठाता और प्रॉक्टर कार्यालय खोलने के लिए समिति, सेक्टर 30, जहां स्वर्गीय प्रो. इंद्राणी बनर्जी आसीन थीं
- सदस्य, पीएचडी साक्षात्कार पैनल, शिक्षा संस्थान
- सदस्य, मेरिट क्लब समिति
- सदस्य, समग्र शिक्षा के लिए तदर्थ बोर्ड अध्ययन

डॉ राजेश सिंह

- खरीद अधिकारी, एसईएसडी

डॉ. पौलमी साहू

- वार्डन: नवंबर 2017 से सेक्टर 30 स्थित रिसर्च बालिका छात्रावास, सीयूजी।
- 13.11.2020 से सेक्टर-20, स्थित सीयूजी बालिका छात्रावास की वार्डन
- 18.02.2022 से एनआईसीएम बालिका छात्रावास की वार्डन (आई / सी)
- 11.06.2021 से सीयूजी पूर्व छात्र प्रकोष्ठ के एसईएसडी की नोडल
- 8 अक्टूबर 2021 को आयोजित पारंपरिक गरबा आयोजन के लिए अनुशासन समिति की सदस्य
- 20.02.2020 से राजभाषा कार्योनयन समिति की सदस्य
- मनोनीत सदस्य: 14.03.2022 को आयोजित सीयूजी में जेंडर चैंपियनशिप गतिविधियों के दौरान फोकस ग्रुप डिस्कशन में एसईएसडी के नामांकित सदस्य के रूप में कार्य किया।
- कोर्स-प्रभारी: यूजी एनवायरनमेंट स्टडीस 2020 ऑनवार्ड्स, एसईएसडी
- कोर्स-प्रभार : पर्यावरण विज्ञान में एम.एससी. (सेमेस्टर I और II) (2021 से), SESD

अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान

संस्थान का परिचय

अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान (एसआईएस) की स्थापना वर्ष 2009 में की गई थी। यह अंतरराष्ट्रीय संबंधों एवं राजनीति, राजनीतिक सिद्धांत और विचार, पश्चिमोत्तर अंतरराष्ट्रीय संबंध सिद्धांत, अंतरराष्ट्रीय संगठन एवं वैश्विक शासन, शांति एवं सुरक्षा, अंतर्राष्ट्रीय राजनीतिक अर्थव्यवस्था, विदेश नीति, कूटनीति एवं भारत के समीपवर्ती एवं विस्तारित पड़ोस आदि प्रमुख अंतरराष्ट्रीय क्षेत्रों में नए एवं प्रासंगिक ज्ञान के विकास पर केंद्रित है। संस्थान राजनीति एवं अंतरराष्ट्रीय अध्ययन में एम .ए कार्यक्रम संचालित करता है। संस्थान के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय राजनीति केंद्र है जिसके अंतर्गत एम. फिल एवं पीएच. डी. पाठ्यक्रम संचालित किये जा रहे है।

अंतरराष्ट्रीय राजनीति केंद्र

अंतरराष्ट्रीय राजनीति केंद्र की स्थापना भारत में अंतर्राष्ट्रीय मामलों के ज्ञान के ससंस्थापन में विविधता को प्रोत्साहित करने हेतु की गई है। इसका वर्तमान संकेन्द्रण क्षेत्र अंतरराष्ट्रीय संबंधों (आईआर) और अंतरराष्ट्रीय राजनीति के मूलभूत क्षेत्रों में नए और प्रासंगिक ज्ञान के सृजन पर है। केंद्र अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध (आईआर) सिद्धांतों, अंतरराष्ट्रीय संगठनों, अंतरराष्ट्रीय व्यापार और विकास, अंतरराष्ट्रीय विधि एवम वैश्वीकरण के क्षेत्रों मे अनुसंधान संचालित करता है। साथ ही अन्य वैश्विक क्षेत्रों के अतिरिक्त , केंद्र भारत के समीपवर्ती एवं विस्तारित पड़ोस पर केंद्रित है। केंद्र द्वारा एम.फिल एवं पीएच.डी (अंतरराष्ट्रीय राजनीति) कार्यक्रम संचालित किये जाते हैं। पाठ्यक्रम की अवधि दो सेमेस्टर है तथा न्यूनतम क्रेडिट 20 है। पश्चातवर्ती छमाही में शोध निबंध लेखन हेतु विषय आवंटित किए जाते हैं। सभी पाठ्यक्रम यूजीसी च्वाइस बेस्ड क्रेडिट प्रणाली के अंतर्गत संचालित किये जा रहे हैं.

केंद्र स्तर पर कार्यरत शिक्षक

डॉ. मनीष- प्रोफेसर एवं अधिष्ठाता अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान**,** अध्यक्ष, अंतराष्ट्रीय राजनीति केंद्र

रुचि के क्षेत्र: विदेश नीति, शस्त्र नियंत्रण, निरस्त्रीकरण, आतंकवाद एवं दक्षिण एशिया

डॉ. सौरभ शर्मा, सहायक प्रोफ़ेसर

रूचि के क्षेत्र : संघर्षोपरांत शासन , शांति अध्ययन ,आतंकवाद , लघु अस्त्र प्रसरण , दक्षिण एवं केंद्रीय एशिया में मानव एवं मादक द्रव्य अवैध पणन

सुश्री ईवा लोरेन्ज - सहायक प्रोफ़ेसर , अंतर्राष्ट्रीय राजनीति केंद्र

रुचि के क्षेत्र: प्रवासी, प्रवासन , सॉफ्ट पावर एवं संस्कृति।

प्रतिष्ठित / विशेषज्ञ समीक्षित / यूजीसी द्वारा अनुमोदित पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख और शोधपत्र:

- मनीष एवं शर्मा, अनु, (2022), "ओमान एंड यूएई ऑन चाइनाज मैरीटाइम सिल्क रोड इनिशिएटिव: इंप्लीकेशंस फॉर इंडिया, एयर पावर, जर्नल ऑफ एयर पावर एंड स्पेस स्टडीज, 17(1)। स्प्रिंगर 2022 (जनवरी-मार्च)
- मनीष (2022) , सह-लेखक सुमेध परधे के साथ, "द राइज ऑफ तालिबान 2.0: इंप्लीकेशंस फॉर द रीजन", लिबरल स्टडीज, 6(2)
- मनीष (2021), ओइंड्रिला दत्तागुप्ता के साथ सह-लेखक, "अंडरस्टैंडिंग वेस्ट बंगाल असेंबली पोल 2021 - लोकेटिंग डेमोक्रेटिक वैल्यूज इन द असेंबली एलेक्शंस ऑफ़ 2021 , सोशल साइंस इन पर्सपेक्टिव , त्रै -मासिक जर्नल - सी . अच्युता मेनन अध्ययन केंद्र एवं पुस्तकालय , तिरुवनंतपुरम 13(3&4), ISSN 0975-5497.
- मनीष (2021) अलोक बहरा सह-लेखक " चाइना 'ज बेल्ट एंड रोड प्रोजेक्ट्स इन सेंट्रल एशिया ,सेज, https://doi.org/10.1177/23197145211042431

- मनीष (2021) , श्रद्धा रानी के साथ सह- लेखक " एशियाई डेवलपमेंट बैंक'स इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स इन सिक्किम,ईस्टर्न क्वार्टरली , 13, ISSN 0975–4962.
- मनीष (2021) , टेररिज्म एंड इंडिया'ज़ नेशनल सिक्योरिटी , टेररिज्म एंड नेशनल सिक्योरिटी, 1(1).
- शर्मा सौरभ ,(2021) , आशुतोष मुकुंद पांडेय के साथ सह-लेखक , इम्पैक्ट ऑफ़ मीडिया ऑन नेशनल सिक्योरिटी : अंडरस्टैंडिंग द रोल ऑफ़ मास मीडिया एंड सोशल मीडिया इन इंडिया, टेररिज्म एंड सिक्योरिटी I(II), ISSN 2737–0313.
- शर्मा, सौरभ, पर्सेप्शन्स एंड मिसपर्सेप्शन : फैक्टर्स दैट शेप द हिंदी प्रिंट मीडिया'ज़ कवरेज ऑफ़ इंटरनेशनल न्यूज़ , मीडिया मीमांसा , (त्रैमासिक शोध पत्रिका), माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता और संचार विश्वविद्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश, आईएसएसएन- 2229-5593 .

सम्पादित संस्करणों में प्रकाशित शोधपत्र :

- मनीष (2021), यूनिट-7 ह्यूमन डेवलपमेंट एंड रीजनल इम्बैलेंसेस इन साउथ एशिया, इंट्रोडक्शन टू साउथ एशिया (बीपीएसई-144)। राजनीति विज्ञान, सामाजिक विज्ञान संस्थान , इग्नू, नई दिल्ली
- मनीष (2022), "इंडियाज जियोस्ट्रैटिक इंटरेस्ट्स इन साउथ चाइना सी", प्रो. सरोज कुमार वर्मा (सं.), चेंजिंग डाइमेंशन्स ऑफ इंडियाज फॉरेन पॉलिसी जर्नल में। आई . पी . एस ए .सी, शिलांग, विक्टोरियस पब्लिशर्स।

लेखक के रूप में प्रकाशित पुस्तक

- मनीष (2021) , द बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव: इंप्लीकेशंस फॉर इंडिया , पेंटागन प्रेस, ISBN-10: 9390095360

अन्य प्रकाशन (पत्रिकाएँ, समाचार पत्र, वेब पोर्टल)

- शर्मा, सौरभ, और शर्मा (2022), केशव, सह लेखक ओपेड शीर्षक - यूक्रेन क्राइसिस : अनसर्टिनिटी ऑफ़ वॉर इंडिया'स साइड " भीम प्रज्ञा न्यूज़ ,झुंझुनू , राजस्थान .

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी/वेबिनार/सम्मेलन/कार्यशाला आदि में शोधपत्र प्रस्तुति:

- मनीष, " इंडिया एंड एक्सटेंडेड नेबरहुड : वेस्ट एशिया ,सेंट्रल एशिया एंड साउथ ईस्ट एशिया ,इंडिया'स सॉफ्ट पावर डिप्लोमेसी मिसलेनियस " एट आई सी एस एस आर प्रायोजित ब्रिक्स संस्थान के सहयोग से इंडिया'स फॉरेन पालिसी डूयरिंग प्राइम मिनिस्टर मोदी'स रेजाइम पर राजनीति विज्ञान विभाग ,केंद्रीय विश्वविद्यालय हरियाणा ,महेंद्रगढ़ आयोजित राष्ट्रीय सम्मलेन, 30 सितम्बर 2021.
- मनीष, रिकनसट्रक्टिंग द रीजन , अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार , अंतराष्ट्रीय अध्ययन विभाग साउथ एशियन यूनिवर्सिटी एवम राजनीति विज्ञान विभाग ,गोवा विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित. 12-13 अगस्त 2021.

राष्ट्रीय/क्षेत्रीय स्तर की संगोष्ठी/वेबिनार/सम्मेलन/कार्यशाला आदि में प्रस्तुत शोधपत्र :

- शर्मा, सौरभ, - आशुतोष मुकुंद के साथ संयुक्त रूप से प्रस्तुत : सोशल मीडिया एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन नेशनल सिक्योरिटी : फ्रॉम आई एस आई एस टू रीसेंट दिल्ली राइट्स इन इंडिया , राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय एवं गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित " नेशनल सिक्योरिटी एंड साइबर स्पेस: इश्यूज एंड चैलेंजेज " पर द्विदिवसीय राष्ट्रीय सम्मलेन 23-24 नवम्बर 2021

प्रतिष्ठित संस्थानों में संगोष्ठी/सम्मेलन/वेबीनार आदि के अतिरिक्त अकादमिक प्रकृति के आयोजित व्याख्यान:

- मनीष, " सिक्योरिटी चैलेंजेस टू इंडियाज फॉरेन पालिसी "अकादमिक स्टाफ कॉलेज , गोवा विश्वविद्यालय ,13 मार्च 2022

- मनीष, इंडियाज फॉरेन पालिसी इन इट्स नेबरहुड अकादमिक स्टाफ कॉलेज , गोवा विश्वविद्यालय राजनीति विज्ञान में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (अंतर / बहु-विषयक) (ऑनलाइन) में विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित 11 मार्च 2022
- मनीष, " द राइज ऑफ़ इंडिया एंड चाइना इन प्रेजेंट जिओपॉलिटिक्स, सिम्बायोसिस विश्वविद्यालय ,नागपुर ,10 मार्च, 2022 "
- मनीष, विशिष्ट व्याख्यान , " डिकोडिंग चैलेंजेज टू पॉलिटिक्स इंस्टीटूशन बिल्डिंग इन साउथ एशिया , अंतर्राष्ट्रीय एवं क्षेत्र अध्ययन ,गोवा विश्वविद्यालय, 4 मार्च 2022
- मनीष, विशिष्ट व्याख्यान, "स्टेट एंड ह्यूमन सिक्योरिटी इन साउथ एशिया: स्ट्रेटेजिक पर्सपेक्टिव्स", स्कूल ऑफ इंटरनेशनल एंड एरिया स्टडीज, गोवा यूनिवर्सिटी 02 मार्च 2022
- मनीष, " इंट्रोडक्शन : फंक्शन ,स्ट्रक्चर एंड एनालिसिस ऑफ़ इंट्रोडक्शन ,प्रॉब्लम स्टेटमेंट ,ऑब्जेक्टिव ,डेवलपिंग हाइपोथिसिस , सम्प्रेषण संस्थान एमिटी एवम एमिटी अकादमिक स्टाफ कॉलेज एमिटी विश्वविद्यालय उत्तरप्रदेश द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित ,21 फरवरी ,2022
- मनीष, " एबरोगेशन ऑफ़ आर्टिकल 370 एंड इट्स इम्प्लिकेशन्स फॉर कश्मीरी एक्सोडस " अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् - गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय ,विवेकानद स्टडी सर्कल एंड शोध - सी यू जी के सहयोग से आयोजित, 19 जनवरी , 2022.
- मनीष, " शिक्षक विकास कार्यक्रम" फकीर मोहन विश्वविद्यालय, 18 दिसंबर 2021.
- मनीष, " ह्यूमन राइट्स फॉर विमेंस", कोकराझार गवर्नमेंट कॉलेज, असम, राष्ट्रीय वेबिनार ,10 दिसंबर 2021.
- मनीष, "65वां महापरिनिर्वाण दिवस" गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विशिष्ट व्याख्यान, 06 दिसंबर 2021.
- मनीष, "महापरिनिर्वाण दिवस", भारतीय दूतावास, हनोई, वियतनाम द्वारा आयोजित वेबिनार, 06 दिसंबर 2021.
- मनीष, " इनफार्मेशन सिक्योरिटी : इश्यूज एंड चैलेंजेज", स्कूल ऑफ नेशनल सिक्योरिटी स्टडीज, सीयूजी, द्वारा आयोजित विशिष्ट व्याख्यान, 02 दिसंबर 2021 .
- मनीष, " मेकिंग ऑफ़ द कॉस्टीटूशन ऑफ़ इंडिया" वेबिनार एसवीसीसी, भारतीय दूतावास, हेनोई, वियतनाम द्वारा आयोजित, 26 नवंबर 2021.
- मनीष, "द मेकिंग ऑफ कॉन्स्टीट्यूशन ऑफ इंडिया", राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा एनएसएस यूनिट के सहयोग से आयोजित, बंगबासी मॉर्निंग कॉलेज, कोलकाता 26 नवंबर 2021 .
- मनीष, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "संविधान दिवस" समारोह, 26 नवंबर 2021 .
- मनीष, "ग्लोबल रिस्पांस अफगानिस्तान क्राइसिस" शोध एवं गुजरात केंद्रीय विश्विद्यालय छात्र-परिषद् द्वारा आयोजित , 25 नवंबर 2021 .
- मनीष, " इंडियाज अफगानिस्तान चैलेंज" , पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग (पीएमएमएमएनएमटीटी) की योजना के तहत ओरिएंटेशन प्रोग्राम, फैकल्टी डेवलपमेंट सेंटर, ईश्वर सरन पीजी कॉलेज, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा आयोजित, 20 नवंबर 2021.
- मनीष, " पेडगोजी इन सोशल साइंस", पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक और शिक्षण मिशन (पीएमएमएमएनएमटीटी) की योजना के तहत अभिविन्यास कार्यक्रम, शिक्षक विकास केंद्र, ईश्वर शरण पीजी कॉलेज, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा आयोजित, 20 नवंबर 2021.
- "साइबर अवेयरनेस - चैलेंजेज एंड सोल्यूशन्स ", सेंटर फॉर स्टडीज इन स्ट्रैटेजिक टेक्नोलॉजीज (साइबर / स्पेस सिक्योरिटी),

स्कूल ऑफ नेशनल सिक्योरिटी स्टडीज, सीयूजी द्वारा आयोजित वेबिनार , 29 अक्टूबर 2021

- मनीष, " राइज ऑन तालिबान इन अफगानिस्तान एंड इट्स इफेक्ट्स ऑन द जिओपॉलिटिकल रोल ऑफ़ यूनाइटेड स्टेट्स इन द एशिया- पैसिफिक रीजन", उदार अध्ययन संस्थान, एमिटी विश्वविद्यालय ,जयपुर 6 अक्टूबर 2021
- मनीष , " द अमेरिकन विड्राल फ्रॉम अफगानिस्तान : चाइना , इंडिया एंड द रोड अहेड ", सामयिक वेबिनार, अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध अध्ययन केंद्र, 19 सितंबर 2021 .
- मनीष , " इम्प्लिकेशन्स ऑफ़ द फॉल ऑफ़ द नेशनल गवर्नमेंट ऑफ़ अफगानिस्तान संवैधानिक विधि एवं शासन केंद्र ,राजीव गाँधी राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय , पंजाब ,6 सितम्बर 2021.
- मनीष, "मिसाइल डिफेंस एंड डिटरेंस: एक्जामिनिंग द कोरिलेशन एंड आउटकम्स", फेलो सेमिनार इंस्टीट्यूट फॉर डिफेंस स्टडीज एंड एनालिसिस (आईडीएसए), नई दिल्ली, वाह्य विमर्शकर्ता 19 अगस्त 2021.
- मनीष, " बायोलॉजिकल वारफेयर : लेसंस फ्रॉम कोविड - 19 पैनडेमिक काउंटर टेररिज्म दिवसीय वेबिनार , काउंटर इंसर्जेन्सी एंड काउंटर टेररिज्म केंद्र इंटरनल सिक्योरिटी एंड पुलिस एडमिनिस्ट्रेशन संस्थान (SISPA) राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय, लवड - देहगाम, गांधीनगर, 17 अगस्त 2021 द्वारा आयोजित एक दिवसीय वेबिनार।
- मनीष, " द कंट्रीब्यूशन ऑफ़ महात्मा गाँधी इन इंडियन इंडिपेंडेंस " (आज़ादी का अमृत महोत्सव) , जंतु विज्ञान विभाग पलवल महाविद्यालय ,शिकोहाबाद ,फ़िरोज़ाबाद (उत्तर प्रदेश) द्वारा शिक्षा संस्थान महात्मा गाँधी विश्वविद्यालय, बिहार के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार · ", 15 अगस्त 2021.
- मनीष, "आज़ादी का अमृत महोत्सव", अकादमिक राजनीतिक विंग द्वारा एक दिवसीय समूह विमर्श (ऑन -लाइन), 14 अगस्त 2021.
- मनीष, रिसेंट ट्रेंड्स इन इंडियास फॉरेन पालिसी , राजनीति विज्ञान विभाग, उन्नत शिक्षा अध्ययन संस्थान (आईएएसई), कुंजाबन, अगरतला, पश्चिम त्रिपुरा, द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार , 24 जुलाई 2021 .
- मनीष, "द फ्यूचर ऑफ आर्म्ड कंट्रोल", नागरिक शास्त्र और राजनीति विभाग, मुंबई विश्वविद्यालय, 16 जुलाई 2021
- मनीष, हाउ टू एडवांस योर कॉरिएर अंडर द यूजीसी-सीएएस , इमर्जिंग ट्रेंड्स इन ऑन -लाइन एजुकेशन पर ट्रिनिटी कॉलेज फॉर विमेन (कला और विज्ञान), नमक्कल, तमिलनाडु और एडुरूम इंडिया द्वारा ट्रिनिटी कॉलेज फॉर विमेन (कला और विज्ञान), नमक्कल, तमिलनाडु और ऐडग्रूम फाउंडेशन इंडिया द्वारा यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र, भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, सोनीपत, हरियाणा के सहयोग से दो सप्ताह का अखिल भारतीय संकाय विकास कार्यक्रम (एआईएफडीपी2के21) . 14 जुलाई 2021 .
- मनीष, " टेररिज्म एंड नेशनल सिक्योरिटी" , आतंकवाद विरोधी दिवस के अवसर पर, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय। 21 मई 2021

अकादमिक गतिविधियों जैसे संगोष्ठी/सम्मेलन पत्र प्रस्तुति आदि के अतिरिक्त सत्रीय अध्यक्षता, संगोष्ठी आयोजक, आदि के रूप में प्रतिभागिता:

- मनीष, आयोजक "इंडियाज फॉरेन पालिसी : कल, आज और कल", राजदूत सतीश सी मेहता द्वारा प्रतिष्ठित व्याख्यान , 28 फरवरी 2022 .
- लोरेंग, ईवा, संयोजक "इंडियाज फॉरेन पालिसी : कल, आज और कल", राजदूत सतीश सी मेहता द्वारा प्रतिष्ठित व्याख्यान,, 28 फरवरी 2022 .

- मनीष, " ग्लोबल डायनामिक्स एंड द चैलेंजेज : यूरोप एंड इंडिया "जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय एवम गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के एक सत्र की अध्यक्षता।

संचालित शोध परियोजनाएं :

- मनीष, जिओपॉलिटिकल इम्प्लिकेशन्स ऑफ़ सी पी ई सी एक्सटेंशन इन टू अफगानिस्तान, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् रूपये 4 लाख , संचालित

केंद्र और उसके संकाय द्वारा किए गए विस्तार, आउटरीच और अन्य समान गतिविधियाँ:

मनीष

- "एशियन पॉलिटिकल साइंस रिव्यू अर्द्धवार्षिक प्रकाशित , के संपादकीय परिषद् के सदस्य के रूप में सम्मिलित होने के लिए आमंत्रित कासेट्सर्ट यूनिवर्सिटी, थाईलैंड के पॉलिटिकल साइंस एसोसिएशन द्वारा सरकारी अध्ययन विभाग, मकासर, इंडोनेशिया के मुहम्मदिया विश्वविद्यालय के सहयोग से।
- सदस्य, सलाहकार परिषद् अटल बिहारी वाजपेयी नीति अनुसंधान एवम अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय , बड़ौदा
- सदस्य, अध्ययन परिषद् , सरदार पटेल विश्वविद्यालय, आणंद, गुजरात
- नेवल वॉर कॉलेज, गोवा
- अभ्यागत प्रोफ़ेसर, स्कूल ऑफ फॉरेन अफेयर्स, लैंग्वेजेस एंड पॉलिटिकल इकोनॉमी (SFALPE), राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय में विजिटिंग फैकल्टी
- सदस्य, अध्ययन परिषद् , विदेशी प्रकरण संस्थान , भाषा एवं राजनीतिक अर्थव्यवस्था, राष्ट्रीय रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय, गुजरात
- आईसीसीआर प्रायोजित अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए व्याख्यान, गुजरात विश्वविद्यालय
- बाह्य परीक्षक के रूप में मूल्यांकन - पीएच.डी. / एम.फिल. - पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय, गोवा विश्वविद्यालय, नौसेना युद्ध कॉलेज, गोवा, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, केरल विश्वविद्यालय

विश्वविद्यालय प्रशासन में समिति के सदस्यों के रूप में अथवा अतिरिक्त उत्तदायित्व के वहन हेतु संकाय सदस्यों की प्रतिभागिता :

प्रो. मनीष

- अधिष्ठाता , अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान
- सदस्य, तदर्थ परिषद्, सेंटर फॉर मैरीटाइम सिक्योरिटी स्टडीज, एसएनएसएस
- अध्यक्ष ,अंतर्राष्ट्रीय राजनीति केंद्र ,अंतराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान ,
- अध्यक्ष, विभागीय शैक्षणिक सत्यनिष्ठा एकीकृत पैनल, राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान
- सदस्य, विश्वविद्यालय न्यायालय, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
- सदस्य, कार्यकारी परिषद, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय

- सदस्य, अकादमिक परिषद, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
- अध्यक्ष, संस्थान परिषद् अंतराष्ट्रींय अध्ययन, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
- अध्यक्ष, अध्ययन परिषद्, अंतर्राष्ट्रीय राजनीति केंद्र , अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान , गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
- सदस्य, अध्ययन परिषद् , सीएसईपी, सामाजिक विज्ञान संस्थान , गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
- सदस्य, अध्ययन परिषद् , सुरक्षा अध्ययन केंद्र, राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान , गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
- सदस्य, अध्ययन परिषद्, , सेंटर फॉर स्टडीज इन स्ट्रैटेजिक टेक्नोलॉजीज (साइबर / स्पेस सिक्योरिटी), राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
- अध्यक्ष, सीएएसआर, अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
- सदस्य, सीएएसआर, सामाजिक विज्ञान संस्थान गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
- सदस्य, सीएएसआर, राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान , गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
- सदस्य, सीएएसआर, प्रवासी अध्ययन केंद्र, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
- सदस्य, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी)
- अध्यक्ष, परिवाद निवारण समिति, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
- अध्यक्ष, विभागीय छात्र परिवाद निवारण समिति, अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान,, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
- सदस्य, विभागीय छात्र परिवाद निवारण समिति, हिंदी अध्ययन केंद्र, भाषा संस्थान , साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
- सदस्य, विभागीय छात्र परिवाद निवारण समिति, अर्थशास्त्र एवम योजना अध्ययन केंद्र, सामाजिक विज्ञान संस्थान , गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
- सदस्य, केंद्र अध्ययन परिषद् , तुलनात्मक साहित्य एवं अनुवाद अध्ययन केंद्र, एसएलएल एवं सीएस, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
- सदस्य, विभागीय छात्र परिवाद निवारण समिति, गांधीवादी विचार एवं शांति अध्ययन केंद्र, सामाजिक विज्ञान स्कूल, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
- सदस्य, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) प्रकोष्ठ , गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
- सदस्य, राष्ट्रीय शिक्षा नीति के कार्यान्वयन के लिए कार्यबल समिति (एनईपी) 2020, सीयूजी
- सदस्य, विभागीय छात्र परिवाद निवारण समिति, अंग्रेजी अध्ययन केंद्र, भाषा स्कूल, साहित्य एवम संस्कृति अध्ययन, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
- सदस्य, विभागीय छात्र परिवाद निवारण समिति, पर्यावरण एवं संपोषणीय विकास संस्थान , गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
- अध्यक्ष, सूचना एवं संचार प्रोद्यौगिकी प्रकोष्ठ आईसीटी, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
- सोशल मीडिया चैंपियन (एसएमसी), गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
- अध्यक्ष, वेब सामग्री प्रबंधन समिति, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
- सदस्य, विश्वविद्यालय प्रवेश समिति, 2020
- संयोजक, प्रवेश वेबपेज समिति 2019

- संयोजक, प्रश्न पत्र समिति, सीयूसीईटी परीक्षा, 2020
- सदस्य, अंतर्राष्ट्रीय छात्र समिति, CUCET परीक्षा 2020
- सदस्य, विश्वविद्यालय सेक्टर-29 परिसर में प्रस्तावित कार्यक्रमों के लिए सामान्य शैक्षणिक समय-सारिणी तैयार करने के लिए समिति।
- सदस्य, विभागीय शैक्षणिक सत्यनिष्ठा पैनल, राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन स्कूल
- सदस्य, विभागीय शैक्षणिक सत्यनिष्ठा पैनल, शिक्षा विद्यालय
- साक्षात्कार पैनल, पीएच.डी. प्रवासी अध्ययन में, प्रवासी अध्ययन केंद्र, सीयूजी, प्रवेश 2021-22
- साक्षात्कार पैनल, पीएच.डी. अर्थशास्त्र में, सीएसईपी, एसएसएस, सीयूजी, प्रवेश 2021-22
- सदस्य, पुस्तकालय परामर्शदात्री समिति
- साक्षात्कार पैनल, पीएच.डी. राजनीति विज्ञान , पारुल विश्वविद्यालय, वडोदरा, गुजरात

डॉ. सौरभ शर्मा

- सदस्य, अकादमिक परिषद, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
- सदस्य, संस्थान परिषद् , अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान,, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
- सदस्य, अध्ययन परिषद्, अंतर्राष्ट्रीय राजनीति केंद्र , अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान
- सदस्य, सीएएसआर, अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान
- सदस्य, सीएएसआर, राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान
- सदस्य, केंद्र अध्ययन परिषद्, सीएसएस, एसएनएसएस
- सदस्य, सीएएसआर, प्रवासी अध्ययन केंद्र (विशेष केंद्र), गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
- सदस्य, कार्यकारी समूह, उन्नत भारत अभियान, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
- सदस्य, मंच समिति , तृतीय दीक्षांत समारोह, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
- सदस्य, क्रय समिति, अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान , गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
- सदस्य, चिकित्सा समिति, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
- सदस्य, बीमा समिति, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
- सदस्य, सीयूसीईटी 2020 के लिए प्रश्न पत्र निर्माता समिति

सुश्री ईवा लोरेन्ग :

- एम.ए. कार्यक्रम समन्वयक , अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
- स्वयं समन्वयक, अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
- सदस्य, संस्थान परिषद् , अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
- सदस्य, अध्ययन परिषद् , अंतर्राष्ट्रीय राजनीति केंद्र , अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान
- सदस्य, सीएएसआर, अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान

भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान

संस्थान का परिचय

भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान (एसएलएल एवं सीएस) मानविकी से संबंधित विभिन्न विषयों जैसे भारतीय और विदेशी भाषाओं के अध्ययन के साथ-साथ साहित्य और संस्कृति का तुलनात्मक अध्ययन विषयों से संबंधित कार्यक्रमों का संचालन करता है। लैंगिक, जातीय, नस्लीय, समाज में बहिष्करण और हाशियेकरण की प्रक्रियाओं से संबंधित बिंदुओं, प्रवासी समुदायों का प्रवासन और पहचान जैसे पाठ्यक्रम इस संस्थान द्वारा प्रस्तुत प्रमुख अध्ययन क्षेत्र हैं। सभी कार्यक्रम अपनी प्रकृति में अंतर-अनुशासनिक और अभिनव हैं। ये कार्यक्रम छात्रों को शिक्षण, अनुसंधान, प्रिंट मीडिया एवं दृश्य मीडिया, प्रशासन, प्रकाशन, संपादन और अन्य नए उभरते क्षेत्रों जैसे तकनीकी लेखन और सामग्री विकास आदि में रोजगार के लिए तैयार करते हैं। संस्थान की शक्ति न केवल भाषा, साहित्य और संस्कृति के लिए अपने विविध दृष्टिकोण में बल्कि वैश्विक ज्ञान डोमेन के लिए चल रही खोज में भी निहित है। स्कूल ने नए पाठ्यक्रम शुरू करने और एलओसीएफ के अनुरूप मौजूदा पाठ्यक्रमों को संशोधित करके कई पहल की हैं।

चीनी अध्ययन केंद्र

केंद्र का परिचय

चीनी भाषा और संस्कृति केंद्र की शुरुआत वर्ष 2011 में भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान के अंतर्गत् की गई थी। केंद्र ने शैक्षणिक वर्ष 2012-13 से शैक्षणिक कार्यक्रमों को शुरू किया। बाद में इसका नाम बदलकर चीनी अध्ययन केंद्र कर दिया गया। यह केंद्र पूरी तरह प्रयोजनमूलक भाषा प्रयोगशाला से भी सुसज्जित है, जो अत्याधुनिक शिक्षण-अधिगम अनुभव प्रदान करता है।

चीन में उच्च अध्ययन के लिए केंद्र के छात्रों को नियमित रूप से एमएचआरडी, भारत सरकार और चीन छात्रवृत्ति परिषद्, चीन के द्वारा छात्रवृति से सम्मानित किया गया है| भारत सरकार द्वारा चीन भेज गये युवा प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों के रूप में भी इस केंद्र के छात्रों को चुना गया है| चीनी सरकार द्वारा दुनिया भर में चीनी भाषा को लोकप्रिय बनाने के लिए हर साल आयोजित चीनी ब्रिज प्रतियोगिता के भारत राउंड में केंद्र के छात्रों को प्रशंसा मिली है| शिक्षा, अनुसंधान संस्थानों, सरकारी और निजी क्षेत्रों में केंद्र के छात्रों के लिए नौकरी के बेहतरीन अवसर उपलब्ध हैं| अपनी स्थापना के समय से ही, यह केंद्र रोजगार प्राप्ति के मामले में एक उत्कृष्ट रिकार्ड बनाए हुए है| भारत और चीन के बीच बढ़ता व्यापार और निवेश चीनी भाषा विशेषज्ञों को रोजगार के बेहतरीन अवसर प्रदान करता है।

केंद्र के संकाय सदस्य

स्वामी कुंदन किशोर सहायक प्रोफेसर एवं समन्वयक

रूचि के क्षेत्र: कविता अनुवाद, पत्रकारीय अनुवाद, पारम्परिक चीनी चरित्र, सामान्य चीनी चरित्र, चीनी इतिहास, प्रवासी अध्ययन

प्रभात कुमार, सहायक प्रोफेसर

रूचि के क्षेत्र: चीनी भाषा, साहित्य, संस्कृति; अनुवाद और व्याख्या अध्ययन; साहित्यिक ग्रंथों में भारत-चीन संबंध; प्रवासी अध्ययन

निशांत कुमार, सहायक प्रोफेसर

रूचि के क्षेत्र: आधुनिक एवं समकालीन चीनी साहित्य, चीनी भाषा और भाषा विज्ञान, अनुवाद, व्याख्या और इतिहास, चीन का समाज और संस्कृति

प्रशांत कौशिक, सहायक प्रोफेसर

रूचि के क्षेत्र: चीनी भाषा अध्यापन, चीनी साहित्य, इतिहास, संस्कृति, अनुवाद और व्याख्या अध्ययन, भारत-चीन सम्बन्ध, बीआरआई अध्ययन

प्रतिष्ठित / विशेषज्ञ समीक्षित / यूजीसी द्वारा अनुमोदित पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख और शोधपत्र:

- स्वामी, कुंदन किशोर, (2021) इंटरटेक्स्चुली सेमेट्री एंड क्रोस-कल्चर आईडेंटिटीज इन द स्टोरीज ऑफ़ अफांति एंड मुल्लाह नसुरुद्दीन, लैंगलिट, नवम्बर 2021 संस्करण, भाग-6, सं. 25, आईएसएसएन-23495189.
- कुमार, प्रभात, (2021), अर्ली चाइनीज इम्मिग्रेंट्स, रेसिस्म, आईडेंटिटी एंड मेकिंग ऑफ़ चाइनाटाउन इन द युएसए. टूवर्ड्स एक्सिलेंस, 13(4), 953-966.
- कुमार, निशांत (2021). अन्डरस्टेंडिंग द नोबल लोरिएट 'मो यान' थ्रू हिज फिक्शन, द क्रिएटिव लौंचर; अंतर्राष्ट्रीय, ओपन एक्सेस, पीयर-रिव्यू और रेफरीड, अंग्रेजी ई-जर्नल। वॉल्यूम। VI और अंक I (अप्रैल), ISSN-2455-6580, पीपी। 64-72.
- कौशिक प्रशांत (2021) पुस्तक समीक्षा: बाजपेयी कान्ति, इंडिया वर्सेस चाइना: वाय दे आर फ्रेंड्स, भारत तिमाही, खंड: 77 अंक 4, वर्ष 2021, पृष्ठ 673-676 DOI:https://doi.org/10.1177/09749284211047620

सम्पादित संस्करणों में प्रकाशित शोधपत्र:

- कौशिक प्रशांत (2021) "साउथ एशिया, इण्डिया एंड बीआरआई: चाइनीज पर्सपेक्टिवस" मनीष (सं.) द बेल्ट एंड द रोड इनिशिएटिव: इंप्लीकेशंस फॉर इंडिया, पीपी- 155-169 पेंटागन प्रेस, नई दिल्ली।

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी/वेबिनार/सम्मेलन/कार्यशाला आदि में शोधपत्र प्रस्तुति:

- स्वामी, कुंदन किशोर "कवि श्वीचीमो की कलम से चीन के तत्कालीन समाज का दर्शन", दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार "सिग्निफिकेंस ऑफ़ ट्रांसलेशन इन इंडिया-चाइना रिलेशन" पर आयोजित, गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय, गांधीनगर, दिनांक 22-23 फरवरी 2022
- स्वामी, कुंदन किशोर "करियर अपोर्चुनिटी थ्रू फोरेन लेंग्वेजेज: चाइनीज पर्सपेक्टिव", दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय आभासी सम्मेलन "चेलेन्जेज एंड अपोर्चुनिटी ऑफ़ टीचिंग एंड लर्निंग अ फोरेन लेंग्वेज: कन्टेपररी पर्सपेक्टिव", विदेशी भाषा अध्ययन विभाग, कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय, कलबुर्गी, 9-10 नवंबर 2021
- स्वामी, कुंदन किशोर "100 इयर्स ऑफ़ डायनास्टी ऑफ़ चाइना: ए स्टोरी ऑफ़ फाइव जनरेशन ऑफ़ चाइनीज लीडरशिप", वार्षिक वीपी दत्त युवा विद्वानों का सम्मेलन "100 इयर्स ऑफ़ चाइनीज कम्युनिज्म: इम्पेक्ट ऑन चाइना एंड द वर्ल्ड" पूर्वी एशियाई अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित, 29-31 अक्टूबर 2021
- कुमार, प्रभात, माओ तुन के उपन्यास अर्धरात्रि के अनुवाद से तात्कालीन चीनी समाज का अध्ययन", दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन "सिंग्नीफिकेंस ऑफ़ ट्रांसलेशन इन इंडिया-चाइना रिलेशन" गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय, गांधीनगर के चीनी अध्ययन केंद्र और हिंदी अध्ययन केंद्र द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित, 22/02-23/02/2022

राष्ट्रीय/क्षेत्रीय स्तरीय संगोष्ठी/वेबिनार/सम्मेलन/कार्यशाला आदि में प्रस्तुत शोधपत्र:

- स्वामी, कुंदन किशोर "राष्ट्रीय शिक्षा नीति में विदेशी भाषा का समावेश: चीनी भाषा के संदर्भ में", राष्ट्रीय सेमिनार शीर्षक "नेशनल एजुकेशन पोलिसी एंड लिटरेचर" श्री मेघमणी परिवार और श्री भाई लाल भाई ए पटेल, उमिया आर्ट्स एंड कॉमर्स कॉलेज फॉर गर्ल्स, सोला, अहमदाबाद और गुजराती भाषा और साहित्य केंद्र, सीयूजी द्वारा आयोजित, 21 मार्च 2022
- कुमार, निशांत "पोपुलराइजिंग चाइनीज लेंग्वेज इन इंडिया: द स्कोप एंड चेलेंजेज", दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार "चेलेंजेज ऑफ़ प्रोमोटिंग चाइनीज लेंग्वेज लर्निंग एंड टीचिंग इन इंडिया', विदेशी भाषा विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ द्वारा आयोजित, 27 और 28 अप्रैल 2021

- कौशिक प्रशांत "चाइनीज लेंगेवेज टीचिंग इन इंडिया: द नीड फॉर पेडागोजीकल इनोवेशन" दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार "चेलेंजेज ऑफ़ प्रोमोटिंग चाइनीज लेंग्वेज लर्निंग एंड टीचिंग इन इंडिया', विदेशी भाषा विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ द्वारा आयोजित, 27 और 28 अप्रैल 2021

प्रतिष्ठित संस्थानों में संगोष्ठी/सम्मेलन/वेबीनार आदि के अतिरिक्त अकादमिक प्रकृति के आयोजित व्याख्यान:

- स्वामी, कुंदन किशोर द रियल आईडेंटिटी ऑफ़ **उइगर** मुस्लिम ऑफ़ चाइना एंड ह्यूमन राईटस **इश्यूस**" इब्ने खलदून स्टडी एंड रिसर्च सेंटर फॉर हिस्ट्री द्वारा आयोजित ऑनलाइन व्याख्यान, 8 जनवरी 2022 को, विशेषज्ञ व्याख्यान।

- स्वामी, कुंदन किशोर अन्डर स्टेंडिंग चाइना थ्रू चाइनीज पोएट्री" चीनी विभाग, सांची बौद्ध-भारतीय अध्ययन विश्वविद्यालय, सांची, मध्य प्रदेश में ऑनलाइन विशेषज्ञ व्याख्यान, 25 जनवरी 2012, विशेषज्ञ व्याख्यान।

अकादमिक गतिविधियों जैसे संगोष्ठी/सम्मेलन पत्र प्रस्तुति आदि के अतिरिक्त सत्रीय अध्यक्षता, संगोष्ठी आयोजक, आदि के रूप में प्रतिभागिता:

- स्वामी, कुंदन किशोर "नेशनल एजुकेशन पोलिसी एंड इंडियन सोसाइटी" राष्ट्रीय वेबीनार शीर्षक "नेशनल एजुकेशन पोलिसी एंड लिटरेचर" श्री मेघमणी परिवार और श्री भाई लाल भाई ए पटेल, उमिया आर्ट्स एंड कॉमर्स कॉलेज फॉर गर्ल्स, सोला, अहमदाबाद और गुजराती भाषा और साहित्य केंद्र, सीयूजी द्वारा आयोजित, 21 फरवरी 2022

- स्वामी, कुंदन किशोर, 20वीं प्रारंभिक प्रतियोगिता "चाइनीज ब्रिज" भारत गणराज्य में कॉलेज के छात्रों के लिए चीनी प्रवीणता प्रतियोगिता- विश्वविद्यालय स्तर, 11 जुलाई 2021, संयोजक।

- स्वामी, कुंदन किशोर "एनआईआईसीई ग्लोबल कॉन्क्लेव 2021", 25-27 जून 2021 को आयोजित, प्रतिभागी।

- स्वामी, कुंदन किशोर, पहला सिनोलॉजी और चीनी अध्ययन संगोष्ठी (ऑनलाइन), तुर्की, 24-25 सितंबर 2021, प्रतिभागी।

- कुमार, प्रभात, दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार "भारत-चीन संबंधों में अनुवाद का महत्व" के उद्घाटन सत्र में स्वागात भाषण, हिंदी अध्ययन केंद्र, एसएलएल एंड सीएस, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के सहयोग से आयोजित, 22-23 फरवरी 2022

- कुमार, प्रभात, दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार "भारत-चीन संबंधों में अनुवाद का महत्व" के समापन सत्र में मॉडरेटर, हिंदी अध्ययन केंद्र, एसएलएल एंड सीएस, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के सहयोग से आयोजित, 22-23 फरवरी 2022

प्रशिक्षण/अभिविन्यास/पुनश्चर्या कार्यक्रम में प्रतिभागिता:

- स्वामी, कुंदन किशोर, संकाय विकास के लिए दो सप्ताह का अनुसंधान पद्धति प्रशिक्षण कार्यक्रम (ऑनलाइन), सीयूजी, 7 -18 जून 2021, प्रतिभागी|

- कौशिक पी., फोर डे ऑनलाइन मेनेजमेंट डेवेलपमेंट प्रोग्राम ऑन पब्लिक प्रोसुर्मेंट (बेसिक), अरुण जेटली राष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन संस्थान, फरीदाबाद द्वारा 7 से 10 जून 2021 के बीच आयोजित, एसएलएल एंड सीएस से खरीद अधिकारी के रूप में भाग लिया।

- कौशिक पी., "ऑनलाइन ट्रेनिंग ऑफ़ जे'म" अरुण जेटली राष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन संस्थान, फरीदाबाद द्वारा 20 जनवरी 2022 को आयोजित, एसएलएल एंड सीएस से खरीद अधिकारी के रूप में भाग लिया।

- विश्वविद्यालय प्रशासन में अतिरिक्त कार्यभार के संचालन में समिति के रूप में संकाय सदस्यों की भागीदारी

विश्वविद्यालय प्रशासन में समिति के सदस्यों के रूप में अथवा अतिरिक्त उत्तदायित्व के वहन हेतु संकाय सदस्यों की प्रतिभागिता:

कुंदन किशोर स्वामी

- समन्वयक, चीनी अध्ययन केंद्र, एसएलएल एंड सीएस, सीयूजी दिनांक 25 अगस्त 2020 से अब तक|
- सेंटर बोर्ड के सदस्य, चीनी अध्ययन केंद्र, भाषा साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान, गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय, गांधीनगर.
- सदस्य, स्कूल बोर्ड, एसएलएल एंड सीएस, सीयूजी, दिनांक 21 सितम्बर 2020 से अब तक|
- सदस्य, कमिटी फॉर एडवांस स्टडीज एंड रिसर्च (सीएएसआर), एसएलएल एंड सीएस, सीयूजी दिनांक 23 अक्तूबर 2020 से अब तक|
- सदस्य, प्रवेश समिति शैक्षणिक वर्ष 2021-22, गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
- सदस्य, प्रचार समिति, प्रवेश सह-समिति 2021-22, गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय

प्रभात कुमार

- सदस्य, चौथी आधिकारिक परिषद्, गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय, गांधीनगर
- सदस्य, स्कूल बोर्ड, एसएलएल एंड सीएस, गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय, गांधीनगर, दिनांक 21 सितम्बर 2020 से अब तक।
- सदस्य, सेंटर बोर्ड, चीनी अध्ययन केंद्र, भाषा साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान, गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय, गांधीनगर।

निशांत कुमार

- सदस्य, सेंटर बोर्ड जर्मन अध्ययन केंद्र, एसएलएल एंड सीएस, सीयूजी, 19.05.2019 से 18.05.2021 तक
- सदस्य, सीयूजी के गैर-शैक्षणिक कर्मचारी क्रिकेट टीम के क्रिकेट चयन समिति के सदस्य, गुजरात राज्य स्तरीय विश्वविद्यालय कर्मचारी प्रतियोगिता- 2022, क्रांति गुरु श्यामजी कृष्ण वर्मा कच्छ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित, चयन ट्रायल दिनांक 4 जनवरी 2022 को आयोजित

प्रशांत कौशिक

- क्रय अधिकारी, एसएलएल एंड सीएस, सीयूजी

तुलनात्मक साहित्य एवं अनुवाद अध्ययन केंद्र

केंद्र का परिचय

तुलनात्मक साहित्य एवं अनुवाद अध्ययन केंद्र पिछले कुछ वर्षों में तुलनात्मक साहित्य के अंतर्गत निहित भविष्य के रुझानों की जांच करने एवं बहस करने जैसे बिंदुओं पर सबसे आगे रहा है। इस केंद्र को गतिविधियों पर केंद्रित किया गया है। वर्तमान में भारतीय साहित्य की एशिया और एशियाई अध्ययनों के भीतर निहित संदर्भों के अध्ययन-अध्यापन के उद्देश्य से इस केंद्र को एक बार फिर से पुनर्गठित

किया गया है। वर्तमान में इसे केंद्र का मुख्य ध्यान एशियाई प्रतिमानों के भीतर कई परंपराओं के संगम के रूप में महान भू-राजनीतिक परिभाषाओं के माध्यम से भारतीय तुलनात्मक साहित्य को परखने वाले विचारों का अध्ययन करना है। इस केंद्र का मुख्य उद्देश्य भविष्य में इसे एक प्रमुख शोध उन्मुख एशियाई अध्ययन केंद्र के रूप में निर्मित करना है।

संचालित कार्यक्रम

- तुलनात्मक साहित्य में एम.फिल.
- तुलनात्मक साहित्य में पीएच.डी.

केंद्र के संकाय सदस्य

डॉ॰ बालाजी रंगनाथन, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष

रुचि के क्षेत्र: प्राच्य अध्ययन, प्राच्यवाद और औपनिवेशिक भारत, औपनिवेशिक भारत में सार्वजनिक निकायों का निर्माण, इतिहासलेखन, तुलनात्मक भारतीय साहित्य, मनोविश्लेषण, प्रारंभिक भारतीय मुद्राशास्त्र और अर्ली इंडियन ब्रोंसेज।

डॉ॰ ज़ाकिया फिरदौस, सहायक प्रोफ़ेसर

रुचि के क्षेत्र: उत्तर अमेरिकी मूलवासी कथा साहित्य, कनाडियन साहित्य, लैंगिक अध्ययन, उत्तर औपनिवेशिक साहित्य, अंग्रेजी में लिखित भारतीय साहित्य

डॉ॰ जरना माहेश्वरी, सहायक प्रोफ़ेसर

रुचि के क्षेत्र: दिव्यांग अध्ययन, अनुवाद अध्ययन, जेंडर एंड सेक्सुलिटी, यात्रा साहित्य, उत्तर औपनिवेशिक अध्ययन

मिस निवेदिता कलरीक्कल, सहायक प्रोफ़ेसर

रुचि के क्षेत्र: अनुवाद अध्ययन एवं केरल में प्रिंट का इतिहास

विपुल सोलंकी, सहायक प्रोफ़ेसर

रूचि के क्षेत्र: अनुवाद अध्ययन, हाशिये का भारतीय साहित्य

प्रतिष्ठित / विशेषज्ञ समीक्षित / यूजीसी द्वारा अनुमोदित पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख और शोधपत्र

- जैस्मिन शैख़ और जकिया फिरदौस "पोलिटिक्स ऑफ़ एलिमेंट एंड एलिमिनेटिव रिप्रजेंटेशन ऑफ़ वूमन इन इंडियन सिनेमा" इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंस एंड रिसर्च (आईजेएसआर)। वॉल्यूम 10, अंक 11, नवंबर 2021

संपादित संस्करण में प्रकाशित पत्र

- स्टेला चित्रलेखा बिस्वास और जकिया फिरदौस, नेचर एंड द नेशन: रिविजिटिंग द डायनेमिक ऑफ़ जेंडर एंड इको क्रिटिसिज्म इन पेरियोडिक फॉर चाइल्ड्रन इन कोलोनियल बंगाल" अलीवा मोहंती, सायंतनी बेहुरा, गीतांजलि नाइक और सुप्रीत पाणिग्रही द्वारा सम्पादित "21 फर्स्ट सेंचुरी जेंडर डायनेमिक्स एंड टीजी इमर्जिंग इश्यूज़", मित्तल प्रकाशन: नई दिल्ली, 2021

राष्ट्रीय/क्षेत्रीय स्तरीय संगोष्ठी/वेबिनार/सम्मेलन/कार्यशाला आदि में प्रस्तुत शोधपत्र

- जकिया फिरदौस, लेंड, जेंडर एंड एक्टिविज्म: इकोफेमिनिज्म एंड नार्थ अमेरिकन राइटिंग जेंडर एंड आईडेंटिटी: इकोफेमिस्ट [अंग्रेजी साहित्य के परिप्रेक्ष्य], डीएवी महिला महाविद्यालय, करनाल, 03 जुलाई, 2021

- महेश्वरी, जरना, "सिटी, जेंडर एंड द डिजेबलमेंट ऑफ़ स्पेस: ए स्टडी ऑफ़ अन्धाडी गली (बलाईंड स्ट्रीट) बाय धीरूबेन पटेल" "दिव्यांगता: प्रतिरोध, व्यवधान और अतिक्रमण" पर पांच दिनों के दूसरे आईडीएससी अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन में, इंडियन डिसएबिलिटी स्टडीज कलेक्टिव (आईडीएससी) द्वारा आयोजित, 29 नवंबर से 03 दिसंबर 2021 तक

प्रतिष्ठित संस्थानों में संगोष्ठी/सम्मेलन/वेबीनार आदि के अतिरिक्त अकादमिक प्रकृति के आयोजित व्याख्यान

- रंगनाथन, बालाजी, मनोविज्ञान पर विशेषज्ञ विद्वान के रूप में व्याख्यान, सौराष्ट्र विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित, 12 अप्रैल 2021
- महेश्वरी, जरना, ट्रांसलेशन एंड कॉलोनियल मॉडर्निटी पर अतिथि वक्ता के रूप में व्याख्यान, इंग्लिश लिटरेरी एसोसिएशन: संस्थान: अविनाशीलंगम इंस्टीट्यूट फॉर होम साइंसेज एंड हायर एजुकेशन फॉर वूमेन कोयंबटूर, अप्रैल 12, 2021
- महेश्वरी, जरना, अक्षमता अनुसंधान विषय पर पांच दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया, सक्षम के सहयोग से आयोजित, 4 से 8 अक्तूबर, 2021

विश्वविद्यालय प्रशासन में समिति के सदस्यों के रूप में अथवा अतिरिक्त उत्तदायित्व के वहन हेतु संकाय सदस्यों की प्रतिभागिता:

बालाजी रंगनाथन

- आरटीआई प्रकोष्ठ के नोडल अधिकारी
- एंटीरैगिंग सेल के नोडल अधिकारी
- आईक्यूएसी सदस्य
- स्थानन प्रकोष्ठ के नोडल अधिकारी

जकिया फिरदौस

- सदस्य, आन्तरिक शिकायत समिति
- सदस्य, सांस्कृतिक समिति
- सदस्य, बोर्ड ऑफ़ स्टडीज ऑफ़ सीसीएलटीएस, सामाजिक प्रबंधन, हिन्दी अध्ययन
- सदस्य, स्कूल बोर्ड, एसएलएल & सीएच
- सदस्य, समीक्षा समिति आईसीएसटीआरडीए, 2021

निवेदिता के

- सदस्य, बोर्ड ऑफ़ स्टडीज, जर्मन अध्ययन केंद्र और सीसीसीएलटीएस

जरना महेश्वरी

- सदस्य, दिव्यांग व्यक्तियों के कल्याण की देखभाल के लिए विश्वविद्यालय स्तरीय आंतरिक समिति

अंग्रेजी अध्ययन केंद्र

केंद्र का परिचय

अंग्रेजी अध्ययन केंद्र द्वारा अंग्रेजी में एम. ए., एम. फिल. और पीएच.डी. जैसे कार्यक्रमों का संचालन होता है। इस पाठ्यक्रम में सम्मिलित विषय अंग्रेजी अध्ययन अनुशासन के बदलते स्वरूप को दर्शाते हैं। इस केंद्र के अंतर्गत अंग्रेजी अध्ययन से जुड़े छात्रों को अनुवाद अध्ययन, सांस्कृतिक अध्ययन और द्वितीय भाषा अनुसंधान जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में कई वैकल्पिक पाठ्यक्रम पढ़ने के अवसर प्रदान किए जाते हैं। इस केंद्र द्वारा संचालित वैकल्पिक कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य छात्रों को उनकी व्यक्तिगत रुचि के अनुसार पाठ्यक्रमों के चयन का अवसर प्रदान करना है। इस केंद्र द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य छात्रों को भाषा, साहित्य और संस्कृति से संबंधित विषयों पर गंभीरता से सोचने हेतु प्रशिक्षित करना है। यह संस्थान छात्रों हेतु फिल्म, संपादन, अंग्रेजी भाषा शिक्षण, शैक्षणिक लेखन और अनुवाद जैसे क्षेत्रों से संबंधित विविध विषयों पर अतिथि व्याख्यान, कार्यशालाएं और संगोष्ठी आदि का आयोजन करवाता रहता है। छात्रों को संस्थान द्वारा आयोजित शैक्षिक सम्मेलनों और संगोष्ठियों आदि में पत्र आदि प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। साथ ही अन्य शैक्षणिक संस्थानों द्वारा आयोजित होने वाले संगोष्ठी, कार्यशाला आदि में यात्रा करके आने-जाने के लिए भी प्रेरित किया जाता है।

केंद्र के संकाय सदस्य

डॉ॰ अतनु भट्टाचार्य, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष

रुचि के क्षेत्र: प्रौद्योगिकी, अंग्रेजी भाषा एवं सांस्कृतिक अध्ययन और शिक्षा शास्त्र के साथ इसका व्यवहार।

डॉ॰ इश्मीत कौर चौधरी, सहायक प्रोफ़ेसर

रुचि के क्षेत्र: हाशिये का साहित्य, उत्तर औपनिवेशिक अध्ययन, आस्ट्रेलियाई साहित्य एवं सिक्ख अध्ययन

धारा के. चोटई, सहायक प्रोफ़ेसर

रुचि के क्षेत्र: साहित्यिक इतिहासलेखन, औपनिवेशिक अध्ययन, दृश्य अध्ययन और सांस्कृतिक अध्ययन

डॉ. मिलिंद सोलंकी, सहायक प्रोफ़ेसर

रूचि के क्षेत्र: उत्तर आधुनिकतावाद, डायस्पोरियन साहित्य, लोक साहित्य और हिस्ट्रीयोग्राफिक मेटाफिक्शन

सुश्री अनुपमा ए॰, सहायक प्रोफ़ेसर (अनुबंध पर)

रुचि के क्षेत्र: बीसवीं शताब्दी का अमेरिकी साहित्य, आधुनिकतावाद एवं मनोविश्लेषण

प्रतिष्ठित / विशेषज्ञ समीक्षित / यूजीसी द्वारा अनुमोदित पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख और शोधपत्र:

- चौधरी, ईश्मीत कौर (2021), एरेयर सेम्बलेंस ऑफ़ कल्चर, म्यूजिक एंड मिस्ट्री, म्युज इंडिया: साहित्यिक ई-पत्रिका, वसंत ऋतु (स्प्रिंग अंक सं. 96 (मार्च-अप्रैल 2021)
- दलवानिया, मेघना और ईश्मीत कौर (2021), मेपिंग द दलित वूमंस एक्स्प्रीइन्स: एन एक्स्पलोरेशन इन्टू विओलेंस एंड विओलेशन ऑफ़ वूमन राईट इन हरीश मंगलम्स गुजराती दलित नावेल तिरद, गेब बोधि तरु: मानविकी की वैश्विक पत्रिका (अक्टू-दिस. 2021)

प्रतिष्ठित संस्थानों में संगोष्ठी/सम्मेलन/वेबीनार आदि के अतिरिक्त अकादमिक प्रकृति के आयोजित व्याख्यान:

- भट्टाचार्य अतनू, निगोसिएटिंग द डिजिटल: क्युशन्स फॉर लैंग्वेज पेडागोजी, अंग्रेजी भाषा अध्ययन का पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, 13 अगस्त 2021, हैदराबाद विश्वविद्यालय
- भट्टाचार्य अतनू, रेसर्चिंग माईनर जेनरी, एफडीपी ऑन ट्रांस्केंडिंग डीसिप्लिंस" 19 अगस्त, 2021, अमेटी विश्वविद्यालय, कोलकाता

- भट्टाचार्य अतनू, शोध एवं प्रकाशन में नैतिकता, अनुकूलन कार्यक्रम, 23 अगस्त, 2021, वीएन दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सूरत
- भट्टाचार्य अतनू, कोंटेस्टिंग द टेक्स्ट; टेक्स्टबुक प्रोडक्शन इन कोलोनियल इंडिया, वर्षगांठ व्याख्यान श्रृंखला , हैदराबाद विश्वविद्यालय, 12 नवम्बर, 2021
- भट्टाचार्य अतनू, रिसर्चिंग द स्पेसुलेटिव, पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, पांडिचेरी विश्वविद्यालय, 2 दिसंबर, 2121
- भट्टाचार्य अतनू, मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च: एन इंट्रोडक्शन, रिसर्च, मेथडोलोजी वर्कशॉप, 13 दिसंबर, 2021, पारुल विश्वविद्यालय, वडोदरा
- भट्टाचार्य अतनू, रिसर्च एट द क्रोसरोडस, शोध सप्ताह व्याख्यान श्रृंखला, 31 दिसम्बर, 2021, गुजरात प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, अहमदाबाद
- भट्टाचार्य अतनू, डायलोगिंग द वेब, आईएसइएल साहित्य सम्मेलन, युएसए, 22 जनवरी, 2022
- चौधरी, ईश्मीत कौर, एकेडमिक राईटिंग एंड आल यू नीड टू नाउ अबाउट इट, वैज्ञानिक शोध लेखन का सर्टिफिकट कोर्स, आईक्यूएसी द्वारा आयोजित, गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, 31 जनवरी 2022
- चोटाई, धारा के, कल्चरल स्टडीज, अंग्रेजी अध्ययन एवं शोध विभाग, रानी चन्नाम्मा विश्वविद्यालय, विजयपुर, कर्नाटक, 9 दिसंबर, 2021
- अनुपमा ए., गर्ट्रूड स्टीनस एक्सटेंडेड मेडिटेशन ऑन नॉन-प्लेस, अतिथि-व्याख्यान, एचएस 517: यूरोपीय आधुनिकतावाद में साहित्यिक प्रयोग, मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग, आईआईटी, गांधीनगर, 1 नवंबर, 2021

प्रशिक्षण/अभिविन्यास/पुनश्चर्या कार्यक्रम में प्रतिभागिता:

- चौधरी, ईश्मीत कौर, ई-सामग्री विकास और ऑनलाइन शिक्षाशास्त्र में लघु अवधि पाठ्यक्रम, जवाहरलाल नेहरू प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हैदराबाद, 13-12-2021 से 18-12-2021
- चौधरी, ईश्मीत कौर, जेंडर सेंसिटाइजेशन पर शॉर्ट टर्म कोर्स, पांडिचेरी विश्वविद्यालय, 24-12-2021 से 30-12-2021
- चोटाई, धारा के., मॉडर्न ट्रेंड्स इन लिटरेचर, थॉटस् एंड डिस्कोर्स पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, 14-02-2022 से 26-02-2022, यूजीसी, एचआरडीसी डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर

निर्देशित शोध छात्र

नाम	पाठ्यक्रम की प्रकृति एम.फिल. अथवा पीएच.डी.	प्रवेश लिए शोधार्थियों की संख्या 2021-22
भट्टाचार्य, अतनू	पीएच.डी.	02
चौधरी, ईश्मीत कौर	पीएच.डी.	01
चोटाई, धारा	पीएच.डी.	00

जर्मन अध्ययन केंद्र

केंद्र का परिचय

जर्मन अध्ययन केंद्र की स्थापना सन् 2011 ई. में की गई थी। इस केंद्र का मुख्य उद्देश्य भारत में जर्मन भाषा, साहित्य और संस्कृति के ज्ञान को बढ़ावा देना, जर्मन भाषा शिक्षण और अनुसंधान के क्षेत्र में विस्तार करना और जर्मनी के साथ भारत संबंधों को मजबूत करने में योगदान देना है। अनुवाद अध्ययन, संस्कृति अध्ययन, साहित्यिक सिद्धांत आदि जैसे अंतरानुशासनिक क्षेत्रों में अनुसंधान द्वारा अपने हितों के पोषण हेतु छात्रों को संबद्ध पाठ्यक्रम पढ़ने के अवसर भी प्रदान किए जाते हैं।

तीन साल के सफलतापूर्वक अध्ययन के बाद छात्र बी.ए. (ऑनर्स) जर्मन अध्ययन में डिग्री के लिए पात्र होते हैं। एम.ए. कार्यक्रम में साहित्य की शैलियां, साहित्यिक आंदोलन, साहित्यिक काल का इतिहास, अनुवाद और व्याख्या, भाषाविज्ञान, जर्मन भाषा के उपदेश, सांस्कृतिक और राजनीतिक इतिहास जैसे कई क्षेत्रों की पेशकश करता है। एम.ए. अंतिम सत्र में छात्रों को अपनी पसंद के क्षेत्र पर एक शोध प्रबंध लिखना होता है।

संचालित कार्यक्रम

- जर्मन अध्ययन में बी. ए. (आनर्स)
- जर्मन अध्ययन में एम. ए.
- जर्मन अध्ययन में पीएच.डी.

केंद्र स्तर पर कार्यरत शिक्षक

डोनथुला, डॉ. विनय कुमार, सहायक प्रोफ़ेसर
रूचि के क्षेत्र: अनुवाद और भाषा विज्ञान

जाहेल, डॉ. रोशन लाल, सहायक प्रोफ़ेसर
रूचि के क्षेत्र: जर्मन साहित्य, जर्मन विदेशी भाषा (डीएएफ) एवं जर्मन सिनेमा

लायल, सुश्री जसप्रीत कौर, सहायक प्रोफ़ेसर एवं समन्वयक
रूचि के क्षेत्र: अनुवाद, साहित्यिक अनुवाद, जर्मन बाल एवं किशोर साहित्य, तुलनात्मक साहित्य और बच्चों और किशोर साहित्य का फिल्मों में रूपांतरण।

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी/वेबिनार/सम्मेलन/कार्यशाला आदि में शोधपत्र प्रस्तुति:

- लायल, जसप्रीत कौर, ए रनर्स टेल ऑफ़ अफगान-स्ट्रगल, 26वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का शीर्षक "कंफ्लिक्ट एंड लिटरेचर: नेरेटिव्स ऑफ़ स्ट्रगल (ऑनलाइन माध्यम) जर्मनिक और रोमांस अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, 10-12 मार्च 2022 (11 मार्च, 2022 को किया गया पत्र प्रस्तुति)
- जाहेल रोशन लाल, गेवाल्ट उन्ट माख्ट इन इंगेबोर्ग बाख्मांस वेर्केन, जर्मन स्टडीज के इंटरनेशनल एसोसिएशन की XIV कांग्रेस (ऑनलाइन मोड), आईवीजी और पलेर्मो विश्वविद्यालय, इटली, 26 जुलाई, 2021

प्रतिष्ठित संस्थानों में संगोष्ठी/सम्मेलन/वेबीनार आदि के अतिरिक्त अकादमिक प्रकृति के आयोजित व्याख्यान:

- लायल, जसप्रीत कौर, आर्ट एंड अर्किटेक्चर इन जर्मन स्पीकिंग कंट्रीज, वेल्लोर प्रौद्योगिकी संस्थान, वेल्लोर, तमिलनाडु, 24 नवंबर, 2021, अतिथि व्याख्यान

प्रशिक्षण/अभिविन्यास/पुनश्चर्या कार्यक्रम में प्रतिभागिता:

- लायल, जसप्रीत कौर, यूजीसी-एचआरडीसी-गोवा विश्वविद्यालय द्वारा ऑनलाइन मोड में आयोजित 111वां फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम, 29-09-2021 से 28-10-2021 (1 माह), प्रतिभागी

- डोनथुला, डी. विनय कुमार, सेंटर फॉर इकोनॉमिक्स, एसएसएस, सीयूजी द्वारा आयोजित फैकल्टी डेवलपमेंट (ऑनलाइन) के लिए रिसर्च मेथडोलॉजी ट्रेनिंग प्रोग्राम, 7-6-2021 से 18-6-2021 (दो सप्ताह)

गुजराती भाषा एवं साहित्य केंद्र

केंद्र का परिचय

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय में गुजराती भाषा एवं साहित्य केंद्र वर्ष 2017-18 में स्थापित किया गया था| इस केंद्र का उद्देश्य भाषा, साहित्य, लोकगीत, सिनेमा, संस्कृति और मानवता आधारित विषयों के अध्ययन के माध्यम से छात्रों को जीवन, संस्कृति और कला की ओर उन्मुख करना है| इस केंद्र द्वारा भाषा एवं साहित्य में छात्रों को कुशल एवं उत्कृष्टता प्राप्त करने की दृष्टि से तैयार किया जाता है| साथ ही यह भी ध्यान रखा जाता है कि वह अंतर-अनुशासनिक क्षेत्र में भी कुशल बन सके| यह केंद्र छात्रों को भारतीय परम्परा एवं वैश्विक संस्कृति को सीखने और न्यायसंगत बनाने की दिशा में कार्य करता है| इस विषय के पाठ्यक्रम को इस ढंग से तैयार किया गया है कि छात्र को साहित्यिक कलाओं के साथ-साथ जनसंचार एवं पत्रकारिता में रोजगार के अवसर प्रदान किए जा सके|

संचालित कार्यक्रम

- गुजराती में एम.ए.
- गुजराती में पीएच.डी.

केंद्र स्तरीय संकाय

प्रो. राजेश मकवाना, प्रोफ़ेसर एवं अध्यक्ष
रूचि के क्षेत्र: मध्यकालीन साहित्य, हाशिये का साहित्य, लोक साहित्य

डॉ. अजय सिंह चौहान, सह-प्रोफ़ेसर
रुचि के क्षेत्र : उत्तर आधुनिक गुजराती साहित्य, यात्रा साहित्य

डॉ. प्रतिभा पंड्या, सहायक प्रोफ़ेसर
रूचि के क्षेत्र: साहित्यिक आलोचना, लोक साहित्य

डॉ. दीपक भट्ट, सहायक प्रोफ़ेसर
रूचि के क्षेत्र: समकालीन साहित्यिक और सांस्कृतिक सिद्धांत, भारतीय साहित्य।

श्रीमती संगीता चौधरी, सहायक प्रोफ़ेसर
रूचि के क्षेत्र: साहित्यिक आलोचना, तुलनात्मक साहित्य

डॉ. बलदेव प्रजापति, सहायक प्रोफ़ेसर
रूचि के क्षेत्र: लोक साहित्य, लोकनाट्य भवाई

प्रतिष्ठित / विशेषज्ञ समीक्षित / यूजीसी द्वारा अनुमोदित पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख और शोधपत्र:

- मकवाना, राजेश "स्मरणने संवेदनानी भाव्वादन' अचला, पत्रिका- सितम्बर, 2021, आईएसएसएन नं.: 2249-5940
- मकवाना, राजेश 'गुजरात में पंचायती राज की शरूआत से वर्तमान की व्यापक समीक्षा' पंचायत सन्देश पत्रिका, अक्तूबर-नवम्बर 2021
- मकवाना, राजेश, 'गुजरात मा गदादिया पंथ परिचय अने साहित्य' (दिसम्बर-2021) लोक गुर्जरी, आईएसएसएन: 2320-8872, यूजीसी केयर लिस्टेड क्रम सं. 184

- मकवाना, राजेश 'आजादी ना आन्दोलन मा गुजराती साहित्यकारों नू योगदान' 'योजना, फर. 2022, आईएसएसएन: 0971-8400
- चौहान, अजय सिंह 'गुजराती कविता नी टसक मा बनारसी पन नू बिडू: बनारस डायरी, परब, अप्रैल-2021, आईएसएसएन: 0250-9747 (यूजीसी केयर लिस्टेड पत्रिका)
- चौहान, अजय सिंह 'लोक विद्या अभ्यासनी नवी क्षितिजों दर्शवता ग्रंथो : अमेरिकन लोकगीतवादी स्कूल: स्वाध्याय खंड-I-II, शब्द सृष्टि, फरवरी-2022, आईएसएसएन: 2319-3220
- चौहान, अजय सिंह, 'तरणयात्रा नो महत्व नो दस्तावेज : नर्बदा वहेता प्रवासमा' शब्द सृष्टि मार्च -2022, आईएसएसएन: 2319-3220 (यूजीसी केयर सूची जर्नल)
- पंड्या, प्रतिभा 'सुचेता भडलावालानू लोक साहित्यिक संशोधन-संपादन: क्षेत्रकार्य-केंद्री सूझने समाज' "लोकगुर्जरी" में –जर्नल-जून, 2021, आईएसएसएन: 2320-8872 (यूजीसी केयर सूची जर्नल)
- पंड्या, प्रतिभा "मालधारी जातिना संस्कारगीतो: अभ्यासपूत संशोधन" "लोकगुर्जरी" –जर्नल में-सितंबर, 2021, आईएसएसएन नं. : 2320-8872 (यूजीसी केयर सूची जर्नल)
- पंड्या, प्रतिभा, "'हलारनी मालधारी जातिना रसदा': दृष्टिपूत वर्गिकरणने तारकपूत स्वाध्याय" "लोकगुर्जरी" –जर्नल में- दिसंबर, 2021, आईएसएसएन नं.: 2320-8872 (यूजीसी केयर सूची जर्नल)
- पंड्या, प्रतिभा, "ब्रिटिश सम्पादको: गुजराती प्रवासी साहित्य" "शब्दसार" में, फरवरी, 2022, आईएसएसएन: 2249-2933 (यूजीसी केयर सूची जर्नल)
- भट्ट, दीपक, 'ब्रिटीश गुजराती वर्तकार अहमद गुल, निवर्तोमा डायस्पोरिक संवेदन, शब्द सृष्टि, अगस्त 2021, वर्ष 2021, आईएसएसएन 2319-3220 (यूजीसी केयर लिस्ट जर्नल)
- चौधरी, संगीता, "गुजरात नो नाथ नवलकथा मा पत्र निरूपण कला" बहु भाषा विषय में अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका , योग - आईएसएसएन (2321-2853) इम्पेक्ट फेक्टर: 6.156.4, अप्रैल 2021
- चौधरी, संगीता "अन्य संशोधन अने साहित्य संशोधन वाचेनो भेद" बहु भाषा में सभी विषयों में अनुसंधान का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, आईएसएसएन (2321-2853) इम्पेक्ट फेक्टर 6.156.2, फरवरी 2022

सम्पादित संस्करण में प्रकाशित शोधपत्र:

- **मकवाना, राजेश, भारतीय तुनकी वार्ताना अनुवादक: डॉ. बिपिन अशर, 'शब्दाशन एज विक्रमासन'**
- **चौहान, अजय सिंह, गुजराती कविता नू युगदर्शन' संप. शिरीष पंचाल, गुजराती साहित्य विवेचन, आईएसबीएन**: 978-81-951236-2-9
- **भट्ट, दीपक, गुजराती नाट्य साहित्य-एकम-गुजराती साहित्यिक निबंधों अने लेखन कौशल-भाग**-3, **अंक**-4, **साहित्यिक निबंधों भाग**-3, **वर्ष**- 2021, **पृष्ठ** 55-69, **बीएओयू- अहमदाबाद**

लेखक रूप में प्रकाशित पुस्तकें:

- मकवाना, राजेश (2021) 'डॉ. बी.आर.अम्बेडकर : विचार अने विमर्श' डॉ. बी.आर. अम्बेडकर चेयर, सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट, द्वारा वित्त पोषित, 2021

- मकवाना, राजेश, (2021) 'गुजराती हिंदी अध्येता कोष' राष्ट्रीय हिंदी संस्थान, आगरा, 2021
- मकवाना, राजेश, (2022) 'अड्दे रास्ते अंधारु (स्वर्गीय जे.टी.मकवाना नु अधुरु आत्म वृत्तान्त अने बीजा लेखो) स्वयं प्रकाशित, 2021, आईएसबीएन: 978-81954474-9-7

अन्य प्रकाशन (पत्रिकाएँ, समाचार पत्र, वेब पोर्टल)

- **मकवाना, राजेश, बहुश्रुत वाचक डॉ. अम्बेडकर, युगदृष्टा, दिसंबर** 2021

राष्ट्रीय/क्षेत्रीय स्तरीय संगोष्ठी/वेबिनार/सम्मेलन/कार्यशाला आदि में प्रस्तुत शोधपत्र:

- मकवाना, राजेश, रिसोर्स पर्सन, कला, वाणिज्य और विज्ञान कॉलेज, खोलवाड़ द्वारा आयोजित 'गुजराती नो अधियापक संघ वार्षिक सम्मेलन' में, 10 से 11 जुलाई 2021
- मकवाना, राजेश रिसोर्स पर्सन, आनंद आर्ट्स कॉलेज, आणंद और गुजरात साहित्य अकादमी, गांधीनगर, द्वारा आयोजित 'चुनीलाल मड़िया: शताब्दी वंदना' नामक एक दिवसीय राज्य स्तरीय संगोष्ठी में, 8 जनवरी 2022
- मकवाना, राजेश रिसोर्स पर्सन, गवर्नमेंट आर्ट्स एंड कॉमर्स कॉलेज, सामी और गुजरात साहित्य अकादमी, गांधीनगर द्वारा आयोजित 'मातृभाषा संरक्षण अने संवर्धन' नामक एक दिवसीय राज्य स्तरीय संगोष्ठी में, 21 फरवरी 2022
- मकवाना, राजेश, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल द्वारा आयोजित 'भारतीय भाषाओं में लोक साहित्य: आज और कल' पर राष्ट्रीय सम्मेलन में पत्र प्रस्तुत, 27 से 29 जनवरी 2022 तक
- मकवाना, राजेश रिसोर्स पर्सन, कला और वाणिज्य कॉलेज, कपडवंज एवं गुजरात साहित्य अकादमी, गांधीनगर, द्वारा आयोजित 'आज़ादीनी चलवल अने गुजराती साहित्य' नामक एक दिवसीय राज्य स्तरीय संगोष्ठी में, 23 फरवरी 2022
- मकवाना, राजेश रिसोर्स पर्सन, गवर्नमेंट आर्ट्स एंड कॉमर्स कॉलेज, नेत्रांगद गुजरात साहित्य अकादमी, गांधीनगर द्वारा आयोजित 'साहित्य मां राष्ट्रवाद' नामक एक दिवसीय राज्य स्तरीय संगोष्ठी में, 4 मार्च 2022
- मकवाना, राजेश रिसोर्स पर्सन, गुजराती विभाग, सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट और श्रीझवेरचंद मेघाणी लोकसाहित्य केंद्र, राजकोट, द्वारा आयोजित 'गुजरात नु लोकसाहित्य अने लोकसंस्कृति' नामक राज्य स्तरीय संगोष्ठी में, 23 मार्च 2022
- चौहान, अजय सिंह, रिसोर्स पर्सन, यूजीसी-एचआरडीसी, गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद द्वारा आयोजित, यूजीसी प्रायोजित सामाजिक विज्ञान में दूसरा ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, 16 जुलाई 2021
- चौहान, अजय सिंह, रिसोर्स पर्सन, 'परख' पर उच्च माध्यमिक शिक्षण के लिए एक दिवसीय कार्यशाला, जिला शिक्षा कार्यालय खेड़ा द्वारा आयोजित, 26 अगस्त 2021
- चौहान, अजय सिंह, रिसोर्स पर्सन, मौलिक शब्दावली पर पांच दिवसीय कार्यशाला: रसायन विज्ञान (अंग्रेजी-हिंदी-गुजराती) वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली आयोग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित, 20 से 24 सितंबर 2021
- चौहान, अजय सिंह, रिसोर्स पर्सन, 'भारतीय लोक साहित्य पर राष्ट्रीय सम्मेलन: आज और कल' की योजना और तैयारी पर कार्यशाला, 27-28 जनवरी-2022
- चौहान, अजय सिंह, रिसोर्स पर्सन, गुजरात साहित्य अकादमी, गांधीनगर और जेडसीएडी फाउंडेशन द्वारा आयोजित 'चरित्रमूलक साहित्य' पर संगोष्ठी, 9 दिसंबर-2021
- चौहान, अजय सिंह, रिसोर्स पर्सन, गुजरात साहित्य अकादमी, गांधीनगर और गवर्नमेंट आर्ट्स एंड कॉमर्स कॉलेज, सामी द्वारा आयोजित 'मातृभाषा संरक्षण संवर्धन' पर संगोष्ठी, 21 फरवरी-2022

- चौहान, अजय सिंह, रिसोर्स पर्सन, गुजरात साहित्य अकादमी, गांधीनगर एवं शासकीय कला महाविद्यालय, राणाव द्वारा आयोजित 'काव्य मीमांसाने साहित्य कृति' पर संगोष्ठी, 26 फरवरी-2022
- चौहान, अजय सिंह, रिसोर्स पर्सन, गुजरात साहित्य अकादमी, गांधीनगर एवं शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, नेत्रांग द्वारा आयोजित 'साहित्य मा राष्ट्रवाद' विषय पर संगोष्ठी, 4 मार्च-2022
- चौहान, अजय सिंह, रिसोर्स पर्सन, गुजरात साहित्य अकादमी, गांधीनगर द्वारा आयोजित 'तुन्कीवर्तन स्वरूपलक्ष्मी परिमानो' पर संगोष्ठी, श्री एवं श्रीमती पी के कोटावाला आर्ट्स कॉलेज, पाटन, 15 मार्च-2022
- पंड्या, प्रतिभा, "लोकगीत आस्वाद एवं अर्थघाटन" गुजराती विभाग, महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, वडोदरा, 27-08-2021
- पंड्या, प्रतिभा, "लोकगीत" गुजराती विभाग, गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, 18-09-2021
- पंड्या, प्रतिभा, "लोकजीवन" और "भारतीय जीवन मूल्यो" डॉ. सुभाष महिला कला, वाणिज्य और गृह विज्ञान कॉलेज, जूनागढ़, 27-10-2021 और 28-10-2021
- पंड्या, प्रतिभा, "गुजराती लोक साहित्यमा स्त्री संशोधकोनु प्रदान "जवेरचंद मेघाणी लोक साहित्य केंद्र, सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट में "पुष्कर चंद्रवाकर व्याख्यानमाला" के तहत, 02-12-2021
- पंड्या, प्रतिभा, "गुजराती गजलमा भारतीयता" गुजरात साहित्य अकादमी और कुमार कला फाउंडेशन, गोधरा द्वारा आयोजित संगोष्ठी "गुजराती साहित्यमा भारतीयता", 01-01-2022
- चौधरी, संगीता, राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग, भारत सरकार दिल्ली आयोजित-सम्मेलन, "जनजाति शिक्षा" में भाग लेने वाले सदस्य, 22,23, मार्च 2022
- चौधरी, संगीता, श्री ए.एल.जे.पटेल और श्री डी.जे.पटेल आर्ट्स एंड कॉमर्स कॉलेज, चक्लदा-सरभन, जिला: भरूच, विद्या विस्तार योजित्वि याख्यानमाला "आत्मकथा स्वरूप अने लक्षोणो"
- चौधरी, संगीता, श्री मोरारजी देसाई आर्ट्स एंड कॉमर्स कॉलेज बुहारी विरपोर, जिला- तापी, विद्या विस्तार योजित्वि व्याख्यानमाला "भारतीय साहित्य मीमांसा"
- प्रजापति, बलदेवभाई, एम.एस. यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा में 'गुजराती लोकगीत' पर व्याख्यान, 09 सितंबर 2021
- प्रजापति, बलदेवभाई, गुजरात साहित्य अकादमी और भक्त नरसिंह मेहता विश्वविद्यालय जूनागढ़, राज्य स्तरीय वेबिनार, "गनगा सतिनु साहित्य योगदान" पत्र प्रस्तुत, 10 अक्टूबर 2021 को
- प्रजापति, बलदेवभाई, गुजरात साहित्य अकादमी और सरकारी कॉलेज कथलाल द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित राज्य वेबिनार में "कलापिना केतालक किव्यो" पर पत्र प्रस्तुत, 21 अक्टूबर 2021
- प्रजापति, बलदेवभाई, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, एनसीआरटी, भोपाल, 'अनुथा दाम्पत्य जीवनी लोकवर्त- शेत्रुंजी ने कंथेमा दुहा वैभव' पत्र प्रस्तुत, व्याख्यान, 28/01/22

प्रतिष्ठित संस्थानों में संगोष्ठी/सम्मेलन/वेबीनार आदि के अतिरिक्त अकादमिक प्रकृति के आयोजित व्याख्यान:

- प्रो. राजेश मकवाना, पीएच.डी. में आमंत्रित विशेषज्ञ व्याख्यान, कोर्स वर्क, चिल्ड्रन यूनिवर्सिटी, गांधीनगर, 8 मार्च 2022
- प्रो. राजेश मकवाना, आमंत्रित विशेषज्ञ व्याख्यान 'डॉ. बी आर अम्बेडकर : महानायक' एबीवीपी, सीयूजी, गांधीनगर, 6 दिसंबर 2021

- प्रो. राजेश मकवाना, 'लोकसाहित्य दुनिया मा दोकियू' पर आमंत्रित विशेषज्ञ व्याख्यान, के.जे. सोमैया आर्ट्स कॉलेज, मुंबई, 9 दिसंबर 2021
- प्रो. राजेश मकवाना, 'वंचित वीरोनी वंदना' पर आमंत्रित विशेषज्ञ व्याख्यान, लक्ष्मी कम्युनिटी हॉल, राजकोट, 13 मार्च 2022
- प्रो. राजेश मकवाना, 'वर्षिकोत्सव अने पुरस्कार समारोह', म्यूनिसिपल आर्ट्स एंड अर्बन बैंक, साइंस कॉलेज, महेसाणा पर आमंत्रित विशेषज्ञ व्याख्यान, 22 मार्च 2022
- प्रो. राजेश मकवाना, 'शब्दसनेज विक्रमासन' आमंत्रित विशेषज्ञ व्याख्यान, सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट, 24 मार्च 2022
- प्रो. राजेश मकवाना, 'रुद्रैक्स' पर आमंत्रित विशेषज्ञ व्याख्यान, बहाउद्दीन सरकारी कला महाविद्यालय, जूनागढ़, 2 दिसंबर 2021
- डॉ. अजयसिंह चौहान, 'माई एक्साइल : दलाई लामा' पर आमंत्रित विशेषज्ञ व्याख्यान, शासकीय कला महाविद्यालय, झगड़िया, 23 अप्रैल 2021
- डॉ. अजयसिंह चौहान, अहमदाबाद अंतर्राष्ट्रीय साहित्य महोत्सव में '19वीं सदी का अमेरिका: पारसी सज्जनों का एक दृष्टिकोण' पर आमंत्रित विशेषज्ञ व्याख्यान, 3 जुलाई 2021
- डॉ. अजयसिंह चौहान, टीईक्यू साहित्य उत्सव- 2021 में 'गुजराती साहित्य' पर आमंत्रित विशेषज्ञ व्याख्यान आमंत्रित, 15 अगस्त, 2021
- डॉ. अजयसिंह चौहान, दिव्य प्रकाशन में 'गुजराती यात्रा वृत्तांत' पर आमंत्रित विशेषज्ञ व्याख्यान, 05 फरवरी 2022
- डॉ. अजयसिंह चौहान, समर्पण आर्ट्स एंड कॉमर्स कॉलेज, गांधीनगर में 'पाउलो कोएल्हो के अल्केमिस्ट' पर आमंत्रित विशेषज्ञ व्याख्यान, 17 फरवरी 2022

अकादमिक गतिविधियों जैसे संगोष्ठी/सम्मेलन पत्र प्रस्तुति आदि के अतिरिक्त प्रतिभागिता:

- **मकवाना, राजेश. "द सोशियों-इकॉनोमिक एंड पॉलिटिकल फिलोसोफिकल रिलेवेंस ऑफ़ डॉ. बी.आर. अम्बेडकर इन द कन्टेम्परेरी पीरियड" राष्ट्रीय वेबिनार सीयूजी, गांधीनगर द्वारा आयोजित**, 14 **अप्रैल**, 2021
- **मकवाना, राजेश, "ऑन द ओकेशन ऑफ़ डॉ. बी.आर. अम्बेडकर महापरिनिर्वाण दिवस" सीयूजी, गांधीनगर द्वारा आयोजित**, 6 **दिसंबर**, 2021
- **मकवाना, राजेश, "फोक लिटरेचर इन इन्डियन लेंग्वेजेज : टूडे एंड टूमारो" राष्ट्रीय सम्मेलन में अध्यक्षता, शिक्षा क्षेत्रीय संस्थान, भोपाल**, 27 **से** 29 **जनवरी** 2022
- **मकवाना, राजेश, "कॉम्पेटेटिव एंड एनईटी-जीएसईटी कोचिंग क्लास" सीजीएलएल, सीयूजी, गांधीनगर द्वारा आयोजित**, 8 **मार्च**, 2022
- **मकवाना, राजेश, उमिया आर्ट्स एंड कॉमर्स कॉलेज, सोला के साथ एसोसिएशन, नेशनल वेब कॉन्फ्रेंस, अहमदाबाद, 'शिक्षा नीति और साहित्य'**, 21 **मार्च** 2022
- **मकवाना, राजेश, श्री झवेरचंद मेघाणी लोक साहित्य केंद्र, राजकोट द्वारा लोकदयारो 'लाग्यो कसुंबी नो रंग' आयोजित, सीयूजी, गांधीनगर**, 21 **मार्च** 2022

प्रशिक्षण/अभिविन्यास/पुनश्चर्या कार्यक्रम में प्रतिभागिता:

- मकवाना, राजेश, यूजीसी द्वारा नामांकित, नई दिल्ली में भाग लेने के लिए 'वेबिनार ऑन मेंटरशिप गाईडलाईन' यूजीसी-एचआरडीसी, एनईएचयू, शिलांग द्वारा आयोजित, 22 मार्च 2022
- प्रजापति, बलदेवभाई, युजीसी-एचआरडीसी रांची विश्वविद्यालय, रांची- जनजातीय अध्ययन पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, 06/01/2022 से 19/06/2022 तक

निर्देशित शोध छात्र:

क्रम सं.	नाम	कार्यक्रम की प्रकृति, पीएच.डी./एम.फिल.	प्रवेश लिए गये छात्रों की सं. 2021-22
1.	प्रो. राजेश मकवाना	पीएच.डी.	02
2.	डॉ. अजय सिंह चौहान	पीएच.डी.	02

विश्वविद्यालय प्रशासन में समिति के सदस्यों के रूप में उत्तदायित्व के वहन हेतु संकाय की प्रतिभागिता

प्रो. राजेश मकवाना

- अध्यक्ष, सीजीएलएल
- संपर्क अधिकारी, एससी/एसटी/पीडब्ल्यूडी
- प्रॉक्टर, सीयूजी
- नोडल अधिकारी, डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र (डीएसीई), सीयूजी
- अध्यक्ष, **भेदभाव विरोधी अधिकारी**, सीयूजी
- अध्यक्ष, समान अवसर प्रकोष्ठ, सीयूजी
- सदस्य, स्कूल बोर्ड (भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान)
- सदस्य, गुजराती भाषा और साहित्य अध्ययन केंद्र, सीयूजी
- सदस्य, सीएएसआर, एसएलएल और सीएस
- सदस्य, अकादमिक परामर्शदाता, सीयूजी
- सदस्य, कार्यकारी समिति, श्री झवेरचंद मेघाणी लोक साहित्य केंद्र, राजकोट।
- सदस्य, शिकायत निवारण समिति, सीयूजी
- समन्वयक, स्वागत एवं परिवहन समिति, चतुर्थ दीक्षांत समारोह, सीयूजी
- समन्वयक, आमंत्रण समिति, चतुर्थ दीक्षांत समारोह सीयूजी
- सदस्य, छात्र प्रतिनिधित्व समिति, सीयूजी

- सदस्य, कैंटीन समिति, सीयूजी
- सदस्य, कार्यकारी समिति, श्री झवेरचंद मेघाणी लोक साहित्य केंद्र, राजकोट।
- सदस्य, अध्ययन बोर्ड, वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सूरत
- सदस्य, अध्ययन बोर्ड, गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद।
- सदस्य, अध्ययन बोर्ड, बाल विश्वविद्यालय, गांधीनगर
- सदस्य, आरडीसी समिति, सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट।
- सदस्य, आरडीसी समिति, हेचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटन।
- सदस्य, आरडीसी समिति, महाराजा कृष्णकुमार भावनगर विश्वविद्यालय, भावनगर।
- सदस्य, अनुसंधान परियोजना समिति, श्री झवेरचंद मेघाणी लोक साहित्य केंद्र, राजकोट।
- सदस्य, गुजरात विद्यापीठ जर्नल के सलाहकार, अहमदाबाद।

डॉ. अजयसिंह चौहान

- डिप्टी पीआरओ
- सदस्य, स्थानीय खरीद समिति (सामान्य वस्तुएं)
- सदस्य, स्थानीय क्रय समिति (भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन विद्यालय)
- सदस्य, स्कूल बोर्ड (भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन स्कूल)
- सदस्य, गुजराती भाषा और साहित्य केंद्र के अध्ययन बोर्ड
- सदस्य, अकादमिक परिषद सीयूजी
- सदस्य, गुजराती सलाहकार बोर्ड, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली।
- सदस्य, उन्नत अध्ययन और अनुसंधान समिति, एसएलएल और सीएस
- सदस्य, गुजराती बोर्ड ऑफ स्टडीज, एन एस पटेल आर्ट्स कॉलेज (स्वायत्त), आणंद
- सदस्य, गुजराती बोर्ड ऑफ स्टडीज, आईआईटी, गांधीनगर।
- आमंत्रित सदस्य, कार्यकारी समिति, गुजरात साहित्य अकादमी, गांधीनगर।
- कुलपति मनोनीत सदस्य, गुजराती आरडीसी समिति, वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सूरत।
- सदस्य, चयन समिति, हेमू गाथावी पुरस्कार, झवेरचंद मेघाणी लोक साहित्य केंद्र, राजकोट।
- सदस्य, पौधारोपण समिति, स्थायी परिसर, सीयूजी।
- सदस्य, विभागीय शैक्षणिक सत्यनिष्ठा एकीकृत पैनल, प्रवासी अध्ययन केंद्र, सीयूजी।

डॉ. प्रतिभा पांड्या

- सदस्य, 'स्वतंत्रता दिवस' समारोह समिति।
- सदस्य, 'नवरात्रि' समिति समारोह।
- समन्वयक , संस्कृतिकार्यक्रम' (एक भारत श्रेष्ठ भारत)।
- सदस्य, अध्ययन बोर्ड (सीजीएलएल, एसएलएल एंड सीएस)
- सदस्य, प्रवेश समिति, सीयूजी

डॉ. दीपक भट्ट

- सहायक पीआरओ
- सदस्य, गुजराती भाषा और साहित्य केंद्र के अध्ययन बोर्ड।

डॉ. संगीता चौधरी

- सदस्य, गुजराती भाषा और साहित्य केंद्र के अध्ययन बोर्ड।
- कार्यक्रम अधिकारी, एनएसएस
- सदस्य, एसटी श्रेणी से सम्बंधित गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय।
- सदस्य, प्रवेश समिति, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय।
- सदस्य, गरबा आयोजन, अक्टूबर 2021
- सदस्य, 15 अगस्त गुजराती लोक गीत कार्यक्रम।सदस्य, पीएच.डी. साक्षात्कार पैनल, प्रवासी अध्ययन केंद्र।
- सदस्य, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम न्यायाधीश समिति सदस्य।

डॉ. बलदेवभाई प्रजापति

- सदस्य, उच्च शिक्षा में जाति आधारित भेदभाव के लिए समिति, सीयूजी।सदस्य, जेंडर चैम्पियनशिप समिति, सीयूजी।
- सदस्य, गुजराती भाषा और साहित्य अध्ययन बोर्ड, सीयूजी।
- पारंपरिक गरबा आयोजन, सीयूजी के लिए अनुशासन समिति और खाद्य समिति के सदस्य।

हिन्दी अध्ययन केंद्र

केंद्र का परिचय

हिन्दी अध्ययन केंद्र की स्थापना सन् 2011 एम. फिल॰/पीएच.डी. इंटीग्रेड के कार्यक्रम के साथ की गई थी। हिंदी अध्ययन केंद्र में एम. ए. का कार्यक्रम 2015 से शुरू किया गया| पाठ्यक्रमों का मुख्य केंद्र छात्रों को उनकी भाषा दक्षता से युक्त करना है और उन्हें न केवल शिक्षण क्षेत्र में बल्कि आज के भाषा उद्योग में मुख्य रूप से अनुवाद क्षेत्र, पत्रकारिता, टीवी और फिल्म उद्योग में अपने कौशल का उपयोग करने में सक्षम बनाना है।

संचालित कार्यक्रम

- **हिन्दी में एम.ए.**
- **हिन्दी में पीएच.डी.**

केंद्र के संकाय सदस्य

प्रो. संजीव कुमार दुबे, प्रोफ़ेसर **एवं अधिष्ठाता**

रुचि के क्षेत्र: आधुनिक हिन्दी कथा साहित्य, आधुनिक हिन्दी कविता, प्रयोजनमूलक हिन्दी, पत्रकारिता और मीडिया अध्ययन।

डॉ॰ बिपुल कुमार, सहायक प्रोफ़ेसर

रुचि के क्षेत्र: सिनेमा और मीडिया अध्ययन, आधुनिक हिन्दी कथा साहित्य एवं आधुनिक हिन्दी कविता

डॉ॰ प्रमोद कुमार तिवारी, सहायक प्रोफ़ेसर

रुचि के क्षेत्र: भाषा (हिन्दी), लोक साहित्य (भोजपुरी) पत्रकारिता, शिक्षा और आधुनिक कविता (हिन्दी)

डॉ॰ गजेंद्र कुमार मीणा, सहायक प्रोफ़ेसर

रुचि के क्षेत्र: आधुनिक हिन्दी कविता, हिन्दी उपन्यास, आदिवासी साहित्य एवं दलित साहित्य

प्रतिष्ठित / विशेषज्ञ समीक्षित / यूजीसी द्वारा अनुमोदित पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख और शोधपत्र

- लक्ष्मी और दुबे, संजीव कुमार, लोकप्रिय हिंदी सिनेमा और स्त्री विमर्श, अपनी माटी, अंक-39, जनवरी-मार्च- 2022
- संजीव कुमार दुबे, राजेश जोशी कविता में किस्सागोई का महीन हूनर, बनास जन, अंक-51, जुलाई-अगस्त 2021
- मीणा सियाराम और दुबे, संजीव कुमार, औपनिवेशिक काल में झारखंड के आदिवासियों का शोषण और संघर्ष, अपनी माटी, अंक- 37, जुलाई-सितम्बर- 2021
- संजीव कुमार दुबे, राष्ट्र गौरव और कृषक करुणा के कवि ; मैथिलीशरण गुप्त, गगनांचल, अंक- 4, जुलाई-अगस्त 2021
- संजीव कुमार दुबे, टूटने मूल्यों और बिखरते संबंधों के आख्यान, सोच विचार, अंक-10, अप्रैल, 2021
- तिवारी प्रमोद कुमार, भोजपुरी भाषा और साहित्य: कुछ यथार्थ कुछ भ्रम, संकल्प सृजन, 2022 (पृ. 72-75)
- तिवारी प्रमोद कुमार, भारत भूषण मदन मोहन मालवीय, गर्भनाल, पृ.19-21, 2021
- तिवारी प्रमोद कुमार, (2021) कविता में होना, अपनी माटी अंक- 37 (ई- पत्रिका) https://www.apnimaati.com, 2021
- तिवारी प्रमोद कुमार, काशी और किस्सागोई, हंस, अंक सं.- 421. पृ. 80-82, 2021
- मीणा, गजेन्द्र कुमार, लोकरंग और भूमंडलीकरण की किस्सागोई, अपनी माटी, अंक- 39, जनवरी-मार्च -2022, चित्तौड़गढ़, https://www.apnimaati.com/2022/03/blog-post_67.html
- मीणा, गजेन्द्र कुमार, आदिवासी साहित्य के समक्ष चुनौतियां, अपनी माटी, अंक- 37, जुलाई-सितम्बर- 2021, चित्तौडगढ़, https://www.apnimaati.com/2021/11/blog-post_5.html

सम्पादित संस्करण में प्रकाशित शोधपत्र

- तिवारी, प्रमोद कुमार (2022). समय से 'सम' मिलाने वाले लेखक: आलोक गुप्त, संपादक- ईश्वर सिंह चौहान, हसमुख बारोट, नियाज पठान और राहुल प्रसाद, " गुजरात का स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी लेखन, यश प्रकाशन, दिल्ली (978-93-81491-82-9), प्रथम संस्करण- 2022
- मीणा, गजेन्द्र कुमार, साहित्यिक-सांस्कृतिक सेतु: अनुवादक आलोक गुप्त संपादक- ईश्वर सिंह चौहान, हसमुख बारोट, नियाज पठान और राहुल प्रसाद, " गुजरात का स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी लेखन, यश प्रकाशन, दिल्ली (978-93-81491-82-9), प्रथम संस्करण- 2022

लेखक रूप में प्रकाशित पुस्तकें

- तिवारी, प्रमोद कुमार. (2021). भोजपुरियत के थाती, साहित्य विमर्श प्रकाशन, गुरुग्राम, हरियाणा, आईएसबीएन नं. 978-93-92829-12-3
- तिवारी, प्रमोद कुमार.(2021). हिंदी काव्य भाषा; संघर्ष और स्वरूप, यश प्रकाशन, दिल्ली, आईएसबीएन नं. 978-93-92265-20-4

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी / वेबिनार / सम्मेलन कार्यशाला आदि में शोधपत्र प्रस्तुति

- **दुबे, संजीव कुमार**, हिन्दी का वैश्विक परिदृश्य, महाराष्ट्र हिन्दी अकदमी और एसबी महाविद्यालय, थाणे, महाराष्ट्र द्वारा आयोजित वैश्विक परिदृश्य विषयक **अंतर्राष्ट्रीय** वेबिनार में, फरवरी 21, 2022
- तिवारी, प्रमोद कुमार, "हिन्दी एवं उर्दू भाषा और साहित्य : शोध की संभावनाएं और समस्याएं" विषयक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में "हिन्दी कथा साहित्य" विषय पर, भारतीय भाषा केंद्र, जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित, अक्तूबर 11-13, 2021

राष्ट्रीय/क्षेत्रीय स्तरीय संगोष्ठी/वेबिनार/सम्मेलन आदि में प्रस्तुत शोधपत्र:

- **संजीव कुमार दुबे** वैश्वीकरण एवं मातृभाषायें, राष्ट्रीय संगोष्ठी, राजकीय लहरी पीजी महाविद्यालय, कोरिया, छतीसगढ़, फरवरी 21, 2022
- तिवारी, प्रमोद कुमार, जनजातीय भाषाएँ और राष्ट्रीय शिक्षा नीति, "मातृभाषायें : विविध आयाम" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी, कमला नेहरू महाविद्यालय, दिल्ली द्वारा आयोजित, मार्च 21, 2022
- तिवारी, प्रमोद कुमार, राष्ट्रीय शिक्षा नीति और भाषा, "राष्ट्रीय शिक्षा नीति और साहित्य" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी (ब्लंडेड मोड़), उमिया कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, अहमदाबाद और गुजराती भाषा, साहित्य केंद्र, गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय, गांधीनगर (गुजरात) द्वारा आयोजित, 21 मार्च, 2022
- तिवारी, प्रमोद कुमार, वर्कशॉप ऑन प्लानिंग एंड प्रीपरेशन ऑफ़ ब्रोशर ऑन इन्डियन फ़ॉक लिटरेचर, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, एनसीईआरटी, भोपाल, अक्तूबर 28-29, 2021
- तिवारी, प्रमोद कुमार, भारतीय कला, संस्कृति और भाषाओं के सन्दर्भ में राष्ट्रीय शिक्षा नीति, "राष्ट्रीय शिक्षा नीति: भाषा और साहित्य" विषयक संगोष्ठी, सरकारी विनयन महाविद्यालय, गांधीनगर, सितम्बर 25-26, 2021
- मीणा, गजेन्द्र कुमार, आदिवासी भाषाएँ और राष्ट्रीय शिक्षा नीति, "राष्ट्रीय शिक्षा नीति और साहित्य" विषयक वेबिनार, उमिया कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, अहमदाबाद और गुजराती भाषा, साहित्य केंद्र, गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय, गांधीनगर (गुजरात) द्वारा आयोजित, 21 मार्च, 2022
- मीणा, गजेन्द्र कुमार, भील आदिवासी दर्शन, "भील नीति दर्शन" विषयक संगोष्ठी, श्रीगोविन्दुरु राजकीय महाविद्यालय, बांसवाडा, (राजस्थान), नवम्बर 26, 2021
- मीणा, गजेन्द्र कुमार, वागडी साहित्य में हरख पीड : आज रे बखत परमाण, "राजस्थानी साहित्य में हरख पीड : आज रे बखत परमाण, राजस्थानी विभाग, मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय, उदयपुर (राजस्थान), जून 20, 2021

प्रतिष्ठित संस्थानों में संगोष्ठी/सम्मेलन/वेबीनार आदि के अतिरिक्त अकादमिक प्रकृति के आयोजित व्याख्यान:

- **दुबे, संजीव कुमार, भाषा उद्योग और हिन्दी, डीएवी महाविद्यालय, अमृतसर पंजाब द्वारा आयोजित, जुलाई** 13, 2021.

- दुबे, संजीव कुमार, प्रेमचंद के स्मरणीय पात्र, भाषा समन्वय वेदी, केरल द्वारा आयोजित, प्रेमचंद जयंती समारोह, जुलाई 31, 2021
- दुबे, संजीव कुमार, हिन्दी सिने गीतों की संवेदना और सरोकार, बिशप महाविद्यालय, कोट्टयम, केरल द्वारा आयोजित, सितम्बर 23, 2021
- दुबे, संजीव कुमार, हिन्दी: सांस्कृतिक एकता और रोजगारोंमुखता, तोलानी महविद्यालय, आदिपुर, गुजरात द्वारा आयोजित, सितम्बर 13, 2021
- दुबे, संजीव कुमार, पाठ्यक्रम निर्माण, आउट बेस्ड लर्निंग एंड चोइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम, गुरू दक्षता कार्यक्रम, एचआरडीसी, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, नवम्बर 18, 2021
- दुबे, संजीव कुमार, पाठ्यक्रम निर्माण, आउट बेस्ड लर्निंग एंड चोइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम, गुरू दक्षता कार्यक्रम, एचआरडीसी, डीडीयू गोरखपुर विश्वविद्यालय, दिसम्बर 16, 2021
- दुबे, संजीव कुमार, पाठ्यक्रम निर्माण, आउट बेस्ड लर्निंग एंड चोइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम, गुरू दक्षता कार्यक्रम, एचआरडीसी, डीडीयू गोरखपुर विश्वविद्यालय, जनवरी 27, 2022
- दुबे, संजीव कुमार, राजेश जोशी के काव्य सरोकार, पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, एचआरडीसी, जोधपुर विश्वविद्यालय, सितम्बर 10, 2021
- दुबे, संजीव कुमार, राजेश जोशी की कविताएँ, पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, एचआरडीसी, कालीकट विश्वविद्यालय, सितम्बर 10, 2021
- दुबे, संजीव कुमार, हिन्दी नवजागरण और मैथिलीशरण गुप्त, पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, एचआरडीसी, कालीकट विश्वविद्यालय, नवम्बर, 15, 2021
- दुबे, संजीव कुमार, हिन्दी फॉर प्रोफेशनल डेवेलोपमेंट, विशिष्ट अतिथि व्याख्यान, हिन्दी विभाग, कालीकट विश्वविद्यालय, अगस्त 9, 2021
- दुबे, संजीव कुमार, समकालीन हिन्दी कहानी: प्रवृत्तियां व्याप्ति, पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, एचआरडीसी, सागर विश्वविद्यालय, फरवरी 18, 2022
- तिवारी, प्रमोद कुमार, भाषा और जीवन, जेठालाल जोशी स्मृति व्याख्यान माला, प्रांतीय राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, राजभाषा हिन्दी भवन, एलिजब्रिज, अहमदाबाद, मार्च 12, 2022
- मीणा, गजेन्द्र कुमार, "कार्यालयीन हिन्दी" विषय पर व्याख्यान, उदयभान सिंहजी क्षेत्रीय सहकारी प्रबंध संस्थान, गांधीनगर, गुजरात द्वारा आयोजित कार्यक्रम, जनवरी 27, 2022
- मीणा, गजेन्द्र कुमार, "हिन्दी साहित्य के आइने में पूर्वोत्तर भारत" विषयक कार्यक्रम में "पूर्वोत्तर की आदिवासी सांस्कृतिक विशिष्टता" विषय पर फेसबुक ऑनलाइन व्याख्यान, सरकारी विनयन एवं वाणिज्य महाविद्यालय, वान्कल, गुजरात द्वारा आयोजित, अगस्त 9, 2021

प्रशिक्षण/अभिविन्यास/पुनश्चर्या कार्यक्रम में प्रतिभागिता:

- तिवारी, प्रमोद कुमार, 65वें एक सप्ताह का ऑनलाइन अन्तर अनुशासनात्मक संकाय विकास कार्यक्रम "मध्यकालीन साहित्य, समाज और साहित्य" माता सुंदरी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में महात्मा हंसराज महाविद्यालय, संकाय विकास केंद्र (एमएचआरएफडीसी), हंसराज महविद्यालय, 12-18 नवम्बर 2021

- मीणा, गजेन्द्र कुमार, 67वां पुनश्चर्या कार्यक्रम- भारतीय भाषाएँ, यूजीसी-एचआरडीसी सरदार पटेल विश्वविद्यालय, वल्लभ विद्यानगर में ऑनलाइन माध्यम से सहभागी, सितम्बर 27 से अक्तूबर 10, 2021 तक

निर्देशित शोध छात्र:

नाम	कार्यक्रम की प्रकृति, एम.फिल./पीएच.डी.	प्रवेश लिए गये छात्रों की सं. 2021-22
दुबे, संजीव कुमार	**पीएच.डी.**	02
तिवारी, प्रमोद कुमार	**पीएच.डी.**	01
मीणा, गजेन्द्र कुमार,	**पीएच.डी.**	02

विश्वविद्यालय प्रशासन में समिति के सदस्यों के रूप में अथवा अतिरिक्त उत्तदायित्व के वहन हेतु संकाय सदस्यों की प्रतिभागिता

संजीव कुमार दुबे

- परीक्षा नियंत्रक (कार्यवाहक)
- अध्यक्ष प्रवेश समिति और नोडल ऑफिसर, सीयूसीईटी- 2021
- मानद निर्देशक, सिन्धी भाषा और साहित्य केंद्र
- विश्वविद्यालय कोर्ट के सदस्य
- कार्यकारी परिषद् के सदस्य
- अकादमिक परिषद् के सदस्य
- स्कूल बोर्ड के अध्यक्ष (एसएलएल& सीएस)
- सीएएसआर, एसएलएल& सीएस के अध्यक्ष
- सेंटर बोर्ड के अध्यक्ष (सीएचएस)
- राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष

विपुल कुमार

- वार्षिक प्रतिवेदन 2021-22 के निर्माण समिति के सदस्य
- दीक्षांत समारोह 2022 के प्रबंध समिति के सदस्य

प्रमोद कुमार तिवारी

- विश्वविद्यालय सांस्कृतिक समिति के सदस्य
- राजभाषा समिति के सदस्य
- हिंदी अध्ययन केंद्र के सेंटर बोर्ड के सदस्य
- हिंदी सप्ताह 2021 के आयोजन समिति के सदस्य
- भाषा साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान के स्कूल बोर्ड के सदस्य

- वार्षिक प्रतिवेदन 2020-21 के निर्माण समिति के सदस्य

मीणा, गजेन्द्र कुमार

- भाषा साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान के स्कूल बोर्ड के सदस्य
- आईक्यूएसी सम्बन्धी कार्यों के सब-कमिटी के सदस्य
- हिंदी अध्ययन केंद्र के सेंटर बोर्ड के सदस्य
- जीरो सेमेस्टर समिति के सदस्य
- वार्षिक प्रतिवेदन 2020-21 के निर्माण समिति के सदस्य
- हिंदी सप्ताह 2021 के आयोजन समिति के सदस्य
- सामान अवसर प्रकोष्ठ
- अंग्रेजी अध्ययन केंद्र के सेंटर बोर्ड के सदस्य
- दीक्षांत समारोह 2021 के होस्पेटीलिटी कमिटी के सदस्य

सिंधी भाषा और साहित्य केंद्र

सिंधी भाषा और साहित्य केंद्र (सीएसएलएल) की स्थापना 2016 में गुजरात के केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजी), गांधीनगर में की गई है। गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजी), गांधीनगर और सिंधी भाषा को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय परिषद (एनसीपीएसएल) शिक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। सिंधी भाषा और साहित्य केंद्र (सीएसएलएल) सिंधी भाषा, साहित्य, कला, संस्कृति, संगीत, नाटक और लोककथाओं के क्षेत्रों में अध्ययन और अनुसंधान को बढ़ावा देना चाहता है। केंद्र की गतिविधियों का संचालन एनसीपीएसएल, नई दिल्ली से प्राप्त एक करोड़ की कोष निधि से अर्जित वार्षिक ब्याज द्वारा किया जाता है। वर्ष 2021-22 के दौरान सिंधी भाषा एवं साहित्य केंद्र द्वारा निम्नलिखित गतिविधियां संचालित की गईं:

1. 10 अप्रैल को सिंधी भाषा संवैधानिक मान्यता दिवस मनाने के लिए, 10 अप्रैल 2021 को सेंटर फॉर सिंधी लैंग्वेज एंड लिटरेचर द्वारा एक वेबिनार का आयोजन किया गया था। **जेहाद** (सिंधी में नाटकों का संग्रह) नामक अपनी सिंधी भाषा की पुस्तक के लिए प्रतिष्ठित साहित्य अकादमी पुरस्कार 2020 के प्राप्तकर्ता डॉ. जेठो लालवानी को वेबिनार के विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम का फेसबुक पर सीधा प्रसारण किया गया। यह ध्यातव्य है कि विभिन्न ऑनलाइन मोड के माध्यम से बड़ी संख्या में लोग इस कार्यक्रम में शामिल हुए।
2. 7 अक्टूबर 2021 को डॉ. अरुणा जेठवानी की पुस्तक **द ब्लेंडेड रूट्स** के विमोचन के लिए एक ऑनलाइन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
3. केंद्र ने फरवरी 2022 में मातृभाषा दिवस (अंतर्राष्ट्रीय मातृ भाषा दिवस) मनाया। गुजरात के विभिन्न शहरों में शैक्षिक संस्थानों के सहयोग से भाषण प्रतियोगिता और कविता पाठ प्रतियोगिता जैसे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। आयोजन सिंधी भाषा के प्रचार और प्रचार के लिए किया गया था|

'4. मातृभाषा दिवस' के अवसर पर केंद्र ने सिंधी भाषा में एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का भी आयोजन किया।

5. केंद्र ने गुजरात के विभिन्न क्षेत्रों में सहायक शैक्षणिक संस्थानों के सहयोग से ऑनलाइन कविता प्रतियोगिता का आयोजन किया जहां सिंधी छात्र, सिंधी भाषा के प्रचार और प्रचार के लिए अध्ययन कर रहे हैं।

पुस्तकालय और सूचना विज्ञान संस्थान

संस्थान का परिचय

पुस्तकालय और सूचना विज्ञान संस्थान जिन कार्यक्रमों को प्रदान करता है वे ज्ञानयुक्त समाज के वर्तमान संदर्भ में अत्यधिक प्रासंगिक हैं। राष्ट्र की संस्कृति, विरासत, विज्ञान, कला और लोक परंपराओं के संरक्षण और संचार हेतु स्मृति के भंडार के निर्माण और रखरखाव के लिए सक्षम मानव संसाधन को प्रशिक्षित करने के उद्देश्यों के साथ इस संस्थान को स्थापित किया गया। आईसीटी के उपयोग हेतु छात्रों को तैयार करने के लिए; बड़े पैमाने पर डिजिटल इंडिया बनाने हेतु सक्षम पेशेवरों को विकसित करने एवं क्षमता निर्माण गतिविधियों में शामिल करने तथा डिजिटलीकरण की प्रक्रिया द्वारा उपयोगी ज्ञान तक पहुँच को बढ़ावा देने के लिए यह संस्थान प्रतिबद्ध है। इस लक्ष्य को पाने के लिए शिक्षण प्रक्रिया में इंटरैक्टिव व्याख्यान, वीडियो ट्यूटोरियल, क्षेत्रों का दौरा, इंटर्नशिप, असाइनमेंट और सेमिनार, परियोजनाएं और व्यावहारिक प्रशिक्षण आदि को शामिल किया जाताहै।

संचालित कार्यक्रम

- पुस्तकालय और सूचना विज्ञान स्नात्कोत्तर (एम. लिब. आई. एससी।) (दो वर्षीय कार्यक्रम)
- पुस्तकालय और सूचना विज्ञान में पीएचडी

केंद्र स्तर पर कार्यरत शिक्षक

डॉ. मिनाक्षी ए परमार, सहायक प्रोफेसर और समन्वयक

रुचि के क्षेत्र: पुस्तकालय और सूचना प्रबंधन, पुस्तकालय प्रशासन, सूचना संसाधन और सेवाएं, कॉलेज लाइब्रेरियनशिप, पुस्तकालय स्वचालन, बिब्लियोमेट्रीक्स, ज्ञान प्रसंस्करण।

डॉ. भक्ति गाला, सहायक प्रोफेसर

रुचि के क्षेत्र: सूचना साक्षरता, सूचना अर्जन व्यवहार, ओपन एक्सेस और ओपन कंटेंट, डिजिटल अभिलेखागार और संरक्षण, सामुदायिक सूचना विज्ञान, मेटाडेटा, सोशल मीडिया और पुस्तकालय, वहनीय पुस्तकालय, विविध संस्कृतियों में सूचना का सामाजिक उपयोग

डॉ. कुंबार रश्मि टी., सहायक प्रोफेसर

पुस्तकालय और सूचना केंद्रों का प्रबंधन, ज्ञान प्रबंधन, सूचना संसाधन और सेवाएं, सूचना साक्षरता, संस्थान लाइब्रेरियनशिप, जीवन कौशल, शैक्षणिक लेखन और शिक्षण अध्यापन।

डॉ. हितेन परमार, अतिथि संकाय

प्रतिष्ठित / विशेषज्ञ समीक्षित / यूजीसी द्वारा अनुमोदित पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख और शोधपत्र:

- पोटनिस , डी एंड गाला, बी. (2022)। यूनिफाइड मोबाइल, फाइनेंसियल एंड इंफार्मेशन लिटरेसी टूलकिट: अ सोशल इनोवेशन फॉर पब्लिक लाइब्रेरीज टू एलेवीयेट पावर्टी इन डेवलपिंग कन्ट्रीज. द लाइब्रेरी क्वार्टरली, 92(1). https://doi.org/10.1086/717230
- मनु, टीआर और गाला, बी. (2021)। ग्रोथ एंड डेवलपमेंट ऑफ़ रिसर्च डाटा मैनेजमेंट इन इंडिया : अ विसुअल एनालिसिस ऑफ़ पब्लिश्ड लिटरेचर इंडेक्स्ड इन स्कोपस. लाइब्रेरी फिलोसोफी एंड प्रैक्टिस। https://digitalcommons.unl.edu/libphilprac/6651/
- पिचानो के. और गाला, बी. (2021)। स्टेट लाइब्रेरी ऑफ़ नागालैंड इन प्रिजर्विंग कल्चरल हेरिटेज : ऐन एक्सप्लोरेटरी स्टडी विथ स्पेशल रिफरेन्स टू हार्नबिल। आईएएसएलआईसी बुलेटिन। 66(2). 102-112. https://tinyurl.com/42vp2bun
- परमार, मिनाक्षी (2021)। रिसर्च आउटपुट ऑफ़ डायस्पोरा ऐट स्कोपस इलेक्ट्रॉनिक प्लेटफार्म. द जर्नल ऑफ़ ओरिएण्टल रिसर्च मद्रास. आईएसएसएन: 0022-3301। सितंबर 2021।

- परमार, मिनाक्षी (2021)। शिक्षण तथा संशोधन कार्यों मा उपयोगी माहिती-प्रत्यायन-संसाधनोनो परिचय। शिक्षण, संशोधन जर्नल आफ आर्ट, ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज जर्नल। खंड 4. 9 सितंबर 2021।
- साहू, सुदामी चरण और कुंबर, आर। (2021)। इम्पैक्ट ऑफ़ कोविद -१९ ऑन सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ गुजरात रिसर्च स्कॉलर्स' एक्सेस टू लाइब्रेरी एंड रिसोर्सेज : ऐन ऑब्जेक्टिव स्टडी . लाइब्रेरी फिलोसोफी एंड प्रैक्टिस (ई-जर्नल), 5388. https://digitalcommons.unl.edu/libphilprac/5388/
- शशिकुमार , एए, और कुंबर , आर। (2021)। डाटा विसुअलिज़तिओन सॉफ्टवेयर टूल्स फॉर अकादमिक लाइब्रेरीज : An एनालिसिस . इंडियन जर्नल ऑफ़ इनफार्मेशन , लाइब्रेरी & सोसाइटी , ३४ (२)
- परमार सगेंद्र सिंह, कुम्बर , आर (2021)। स्कूल लाइब्रेरीज अस प्रमोटर्स ऑफ़ ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेज टू गलवेनाइज एजुकेशन : ऐन एक्सप्लोरेटरी स्टडी. लाइब्रेरी फिलोसोफी एंड प्रैक्टिस (ई-जर्नल). https://digitalcommons.unl.edu/libphilprac/6031

संपादित संस्करणों में प्रकाशित पत्र:

- पोटनिस , डी., गाला, बी., ल्वोगा , ई.टी., इस्लाम, मोहम्मद अनवर, वाराइच , एनएफ, केह , एच और रोरिसा , ए. (2021)। कंडक्टिंग एंड पब्लिशिंग रिसर्च इन डेवलपिंग कन्ट्रीज : चैलेंजेज एंड सोलूशन्स . प्रोसीडिंग्स ऑफ़ द ८४थ एनुअल मीटिंग ऑफ़ द एसोसिएशन फॉर इनफार्मेशन साइंस एंड टेक्नोलॉजी , साल्ट लेक सिटी , साल्ट लेक सिटी, यूटा, यूएसए की 84(१) ६३४-६३८. https://asistdl.onlinelibrary.wiley.com/doi/10.1002/pra2.516
- कुमारी माधुरी और परमार मिनाक्षी (2021)। स्कॉलर्स परसेप्शन एंड प्रैक्टिसेज ऑन रिसर्च डाटा मैनेजमेंट इन द यूनिवर्सिटीज ऑफ़ गुजरात: एक सर्वेक्षण। ICSTRDA-2021 (पीपी। 36-41)। एडीआर प्रकाशन।
- सरन्या आर एंड परमार, मिनाक्षी (2021)। गेजिंग द सोशल मीडिया अटेंशन ऑफ़ कोविद-१९ आर्टिकल्स ICSTRDA-2021 (पीपी। 25-30)। एडीआर प्रकाशन।
- परमार, एस एंड कुंबर, आर. ओपन पेडागॉजी मॉडल फॉर प्रमोटिंग ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेज इन इंडियन पब्लिक स्कूल्स(2022) प्रोसीडिंग्स ऑफ़ द फोर्थ LISACON कांफ्रेंस २०२१ कांफ्रेंस प्रोसीडिंग्स 'ओपन स्कालरशिप एंड लाइब्रेरीज', एडिटेड बाई श्यामप्रसाद पुजार , सतीश मुन्नोली , राजेंद्र बाबू, सनस्टार पब्लिशर, बैंगलोर।

अन्य प्रकाशन (पत्रिकाएँ, समाचार पत्र, वेब पोर्टल)

- गाला, बी, (2022, 18 जनवरी)। कोविद -१९ हेल्थ इन्फार्मेटिक्स प्रोजेक्ट : एक्सपेरिएंसेस फ्रॉम अ पैन -साउथ एशिया एंड एशिया पसिफ़िक प्रोजेक्ट फंडेड बी ASIS&T. इनसाइड ASIS&T. https://www.asist.org/publications/inside-asist-newsletter/inside-asist-01-2022/
- गाला, बी. (2021, 6 अक्टूबर)। सेविंग लाइव्स: A हेल्थ इन्फार्मेटिक्स प्रोजेक्ट ऑन कोविद -१९ फ्रॉम द ASIST साउथ एशिया चैप्टर . इनफार्मेशन मैटर्स . https://informationmatters.org/2021/10/ Saving-lives-a-health-informatics-project-on-covid-19-from-asist-south-asia-chapter/
- गाला, बी। (2021, अक्टूबर)। ASIS&T साउथ एशिया-चैप्टर स्पेशल प्रोजेक्ट फंड्स अवार्डेड 2021. ADINET ई-न्यूज डाइजेस्ट, 82.2-3। https://www.alibnet.org/public/newsdigest/77_en.pdf
- कुम्बर , आर. (2021, जुलाई)। रिपोर्ट ऑन २-डे वर्कशॉप 'लाइब्रेरीज -२०२१' इंडियन जर्नल ऑफ़ इनफार्मेशन, लाइब्रेरी & सोसाइटी , ३४ (२).

- कुम्बर , आर. (2021, अगस्त). रिपोर्ट ऑन 'लाइब्रेरीज २०२१' – २ डे वर्कशॉप कंडक्टेड बाई SLIS एंड SOE ऑन २७ - २८ फरवरी २०२१, SLA-इंडिया न्यूजलेटर . https://slaindianewsletter.wordpress.com/२०२१/०७/०४/libraries-२०२१-workshop-report/

- कुम्बर , आर. (2021, अक्टूबर). इंडियाज डॉल फेस्टिवल : ऐन एजुकेशनल टूल टू प्रमोट कल्चरल लिटरेसी इन इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ़ स्कूल लाइब्रेरियनशिप (IASL) न्यूस्लेटर , ५० (५), १०

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी/वेबिनार/सम्मेलन/कार्यशाला आदि में शोधपत्र प्रस्तुति:

- पोटनिस, डी., गाला, बी., लवोगा, ई.टी., इस्लाम, एमडी. अनवर, वाराइच, एन.एफ., केह, एच और रोरिसा, ए. कंडक्टिंग एंड पब्लिशिंग रिसर्च इन डेवलपिंग कन्ट्रीज : चैलेंजेज एंड सोलूशन्स , इनफार्मेशन : इक्विटी , डाइवर्सिटी , इन्क्लूसिव , जस्टिस , एंड रेलेवंस , The एसोसिएशन फॉर इनफार्मेशन साइंस एंड टेक्नोलॉजी (एएसआईएस एंड टी), ३० अक्टूबर - २ नवंबर २०२१।

राष्ट्रीय/क्षेत्रीय स्तरीय संगोष्ठी/वेबिनार/सम्मेलन/कार्यशाला आदि में प्रस्तुत शोधपत्र:

- गाला, बी। (2022)। स्मार्ट सार्वजनिक पुस्तकालय: समुदाय निर्माण और सशक्तिकरण में उनकी सामाजिक भूमिका को फिर से परिभाषित करना, सार्वजनिक पुस्तकालय पर 7वीं राष्ट्रीय कार्यशाला, गुजरात पुस्ताकलय मंडाड , द्वारका, 26-28 मार्च 2022।
- डॉ. मिनाक्षी , कोलैबोरेशन इज द इम्पेरेटिव टूल टू द सक्सेस ऑफ़ फाइव लॉज़ ऑफ़ लाइब्रेरी साइंस इन द करंट एरा , आर्गनाइज्ड बाई सोफेरेंस २०२१, MS टीम , १८ दिसंबर २०२१.

प्रतिष्ठित संस्थानों में संगोष्ठी/सम्मेलन/वेबीनार आदि के अतिरिक्त अकादमिक प्रकृति के आयोजित व्याख्यान:

- गाला, बी. पार्टिसिपेटेड इन द इंटरनेशनल वेबिनार ऑन डेवलपिंग इफेक्टिव डिजिटल सिटीजन्स विथ एम्पथी , क्रिएटिविटी , एंड साइंटिफिक इन्क्वायरी , द नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ लाइब्रेरी एंड इनफार्मेशन साइंसेज (NILIS), यूनिवर्सिटी ऑफ़ कोलोंबो , ASIS&T साउथ एशिया , श्री लंका एसोसिएशन फॉर द एडवांसमेंट ऑफ़ साइंस (SLAAS) एंड श्री लंका लाइब्रेरी एसोसिएशन (SLLA), १५ मार्च २०२२ 7:30 बजे आईएसटी, आमंत्रित वक्ता।
- गाला, बी. कल्चरल हेरिटेज कलेक्शंस : ऑब्सेर्वशन्स फ्रॉम इंडिया . २०२१ NILIS रिसर्च सिम्पोजियम ऑन कल्चरल हेरिटेज : ब्रिजिंग द पास्ट, प्रेजेंट, एंड फ्यूचर थ्रू लाइब्रेरीज, म्यूजीयम्स एंड आर्काइव्ज , द नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ लाइब्रेरी एंड इनफार्मेशन साइंसेज (NILIS), यूनिवर्सिटी ऑफ़ कोलंबो , श्री लंका , नेशनल लाइब्रेरी ऑफ़ श्री लंका, नेशनल आर्काइव्ज ऑफ़ श्री लंका, रॉयल एशियाटिक सोसाइटी ऑफ़ श्री लंका एंड ASIS&T साउथ एशिया चैप्टर, 24 जनवरी 2022, पैनलिस्ट।
- गाला, बी. रिसर्च ट्रेंड्स इन एलआईएस, जॉइंट AICTE-GTU स्पॉन्सर्ड सिक्स डेज शार्ट टर्म ट्रेनिंग प्रोग्राम ऑन रोल ऑफ़ लाइब्रेरीज एंड लाइब्रेरियंस इन पान्डेमिक एरा, रिसोर्स सेंटर & IQAC ऑफ़ गांधीनगर इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी, 21 से 26 फरवरी 2022, विषय विशेषज्ञ।
- गाला, बी. पार्टिसिपेटेड ऐज अ पैनेलिस्ट फॉर द IFLA SCITECH वेबिनार ऑन "हेल्थ इनफार्मेशन लिटरेसी : कंटेंट क्रिएशन ड्यूरिंग द कोविड इनफोडेमिक ", इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ़ लाइब्रेरी अस्सोसिएशन्स (IFLA), 5 फरवरी 2022, एक पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया।
- गाला, बी. हेल्थ इनफार्मेशन लिटरेसी : पर्सपेक्टिव्स फॉर क्रिएटिंग मल्टीलिंगुअल कंटेंट . इंटरनेशनल वेबिनार ऑन "अक्सेलरेशन ऑफ़ हेल्थ इनफार्मेशन लिटरेसी : प्रेपरिंग मल्टी -लिंगुअल कोविद -१९ कंटेंट्स फॉर साउथ एशिया रीजन ', डिपार्टमेंट ऑफ़ लाइब्रेरी एंड इनफार्मेशन मैनेजमेंट , यूनिवर्सिटी ऑफ़ ढाका एंड ASIS&T साउथ एशिया चैप्टर ,18 दिसंबर 2021, आमंत्रित वक्ता।गाला, बी. रिसर्च मेट्रिक्स, रिसर्च एंड पब्लिकेशन एथिक्स, द सेंटर ऑफ पब्लिकेशन एथिक्स (सीओपीई), द महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा, 17 अक्टूबर 2021, विषय विशेषज्ञ।
- गाला, बी. इंटरनेशनल कोलेबोरेटिव वर्कशॉप फॉर स्कूल लाइब्रेरियंस ऑन "फोस्टरिंग द नेक्स्ट जनरेशन ऑथर्स एंड हेल्पिंग

पीपल स्टे सेफ फ्रॉम कोविद -१९", ADINET, ASIS&T साउथ एशिया चैप्टर , एंड द स्कूल लाइब्रेरी एसोसिएशन इंडिया , ११ दिसंबर २०२१, संयोजनक एवं वक्ता।

- गाला, बी. रिसर्च मैट्रिक्स , रिसर्च एंड पब्लिकेशन एथिक्स , द सेंटर ऑफ़ पब्लिकेशन एथिक्स (COPE), द महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी ऑफ़ बड़ौदा, १७ अक्टूबर २०२१, विषय विशेषज्ञ।
- गाला, बी. डेटाबेसेज, रिसर्च एंड पब्लिकेशन एथिक्स , द सेंटर ऑफ़ पब्लिकेशन एथिक्स (COPE), द महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी ऑफ़ बड़ौदा, १६ अक्टूबर २०२१, विषय विशेषज्ञ।
- गाला, बी. द रोल ऑफ़ लाइब्रेरीज इन द होलिस्टिक डेवलपमेंट ऑफ़ स्टूडेंट्स , सेवेंटीन्थ नेशनल लाइब्रेरियन्स डे, वनिता विश्राम वीमेन्स यूनिवर्सिटी, सूरत, गुजरात, १२ अगस्त २०२१, आमंत्रित वक्ता
- कुंबर , आर. रिसर्च एथिक्स एंड पब्लिकेशन मिसकंडक्ट, पीएचडी कोर्सवर्क लेक्चर सीरीज, संस्थान ऑफ लिबरल स्टडीज, पीडीईयू, गांधीनगर, 28 अप्रैल 2021, आमंत्रित वक्ता।
- कुम्बर, आर. मैनोयुवरिंग ओपन एजुकेशन रिसोर्सेज (OERS) फॉर हाइब्रिड एजुकेशन सिस्टम , टीचर्स एनरिच्मेंट सेशन, जमनाबाई नरसी स्कूल , गिफ्ट सिटी , गांधीनगर 2 सितंबर 2021, आमंत्रित वक्ता।
- कुंबर, आर. प्रोएक्टिव रोल ऑफ़ लाइब्रेरियंस इन एम्पावरिंग टीचर्स एंड स्टूडेंट्स ' एंड 'इफेक्टिव मैनेजमेंट : की टू सक्सेसफुल एजुकेशन ', इंडक्शन ट्रेनिंग प्रोग्राम , पंजाब स्कूल एजुकेशन डिपार्टमेंट , १५ और २० दिसंबर २०२१। आमंत्रित वक्ता।
- कुम्बर , आर. वीमेन लाइब्रेरियनशिप : इश्यूज एंड चैलेंजेज , डिपार्टमेंट ऑफ़ लाइब्रेरी एंड इनफार्मेशन साइंस , कर्नाटक स्टेट अक्कमहादेवी वीमेन्स यूनिवर्सिटी , विजयपुरा , 6 मार्च २०२२. आमंत्रित वक्ता।
- कुंबर , आर. पब्लिकेशन मिसकंडक्ट एंड रिसर्च एथिक्स . इंटरडिसिप्लिनरी रिफ्रेशर कोर्स इन सोशल साइंसेज , HRDC, कर्णाटक यूनिवर्सिटी , धारवाड़, 15 मार्च 2022। आमंत्रित वक्ता।

अकादमिक गतिविधियों जैसे संगोष्ठी/सम्मेलन पत्र प्रस्तुति आदि के अतिरिक्त सत्रीय अध्यक्षता, संगोष्ठी आयोजक, आदि के रूप में प्रतिभागिता:

- गाला, बी. हाउ टू क्रिएट अ यूट्यूब वीडियो ऑन द स्टोरी फॉर शेयरिंग ? एएसआईएस एंड टी साउथ एशिया चैप्टर, द यूनिवर्सिटी ऑफ हॉन्ग कॉन्ग, एंड एकेडमी 22 एजुकेशन फॉर ऑल, 5 मार्च २०२२, सह-आयोजक।
- गाला, बी. हाउ टू ट्रांसलेट द स्टोरी फ्रॉम द नेटिव लैंग्वेज इन्टू इंग्लिश ? ASIS&T साउथ एशिया चैप्टर , यूनिवर्सिटी ऑफ़ होन्ग कोंग , एंड अकादमी २२ एजुकेशन फॉर ऑल, 26 फरवरी २०२२, सह-आयोजक।
- गाला, बी. हाउ टू लर्न द आर्ट ऑफ़ क्रिएटिंग क्वेश्चंस II ? ASIS&T साउथ एशिया चैप्टर , यूनिवर्सिटी ऑफ़ होन्ग कोंग , एंड अकादमी २२ एजुकेशन फॉर ऑल, 19 फरवरी 2022। सह-आयोजक।
- गाला, बी. टेक्नीक्स ऑन डिजिटल आर्ट क्रिएशन II, एएसआईएस एंड टी साउथ एशिया चैप्टर, द यूनिवर्सिटी ऑफ हॉन्ग कॉन्ग, और एकेडमी 22 एजुकेशन फॉर ऑल, 5 फरवरी 2022, सह-आयोजक और मॉडरेटर।
- गाला, बी. टेक्नीक्स ऑन डिजिटल आर्ट क्रिएशन I, ASIS&T साउथ एशिया चैप्टर, द यूनिवर्सिटी ऑफ हॉन्ग कॉन्ग, एंड एकेडमी 22 एजुकेशन फॉर ऑल, 29 जनवरी 2022, सह-आयोजक।
- गाला, बी. NILIS रिसर्च सिम्पोजियम ऑन कल्चरल हेरिटेज : ब्रिजिंग द पास्ट, प्रेजेंट, एंड फ्यूचर थ्रू लाइब्रेरीज, म्यूजीयम्स एंड

आर्काइव्ज , द नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ लाइब्रेरी एंड इनफार्मेशन साइंसेज (NILIS), यूनिवर्सिटी ऑफ़ कोलंबो , श्री लंका , नेशनल लाइब्रेरी ऑफ़ श्री लंका, नेशनल आर्काइव्ज ऑफ़ श्री लंका, रॉयल एशियाटिक सोसाइटी ऑफ़ श्री लंका एंड ASIS&T साउथ एशिया चैप्टर, 24 जनवरी 2022, सह-अध्यक्ष।

- गाला, बी. व्हाट आर द रोल्स ऑफ़ रोबोट्स इन आवर सोसाइटी ? ASIS&T साउथ एशिया चैप्टर, द यूनिवर्सिटी ऑफ हॉन्ग कॉन्ग, एंड एकेडमी 22 एजुकेशन फॉर ऑल, 22 जनवरी 2022, सह-आयोजक।
- गाला, बी. हाऊ टू राइट अ स्टोरी अबाउट एआई / आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, एएसआईएस एंड टी साउथ एशिया चैप्टर, द यूनिवर्सिटी ऑफ हांगकांग, एंड एकेडमी 22 एजुकेशन फॉर ऑल, 8 जनवरी 2022, सह-आयोजक और मॉडरेटर।
- गाला, बी. कर्टेन रेज़र सेमिनार ऑफ़ लाइब्रेरी टेक्नोलॉजी कॉन्क्लेव २०२२, आर्गनाइज्ड बाई इन्फार्मेटिक्स इन कोलैबोरेशन विद सोमैया विद्याविहार यूनिवर्सिटी, मुंबई, 7 जनवरी 2022, आयोजन समिति के सदस्य।
- गाला, बी. हाउ टू राइट ए क्रिएटिव स्टोरी, एएसआईएस एंड टी साउथ एशिया चैप्टर, द यूनिवर्सिटी ऑफ हॉन्ग कॉन्ग, और एकेडमी 22 एजुकेशन फॉर ऑल, 1 जनवरी 2022, सह-आयोजक।
- गाला, बी. कम्परेटिव लाइब्रेरियनशिप बिटविन द फिलीपींस एंड इंडिया. एसएलआईएस, सीयूजी, आर्गेनाइज ऐन इंटरनेशनल कोलैबोरेटिव इवेंट विद द स्कूल ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन स्टडीज, द यूनिवर्सिटी आफ द फिलीपींस, 27 नवंबर 2021 को सुबह 11:30 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक, आयोजक।
- गाला, बी. राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह समारोह, एसएलआईएस, सीयूजी, 15-20 नवंबर 2021. वक्ताओं को आमंत्रित कर के आयोजन में सहायता की।
- गाला, बी। इनफार्मेशन रेसिलिएंस ऐज अ प्रिकंडिशन टू बिल्ड अ रेसिलिएंट कम्युनिटी : अ न्यू रिसर्च पैराडाइम बाई डॉ सबुज कुमार चौधरी, एसोसिएट प्रोफेसर इन द डिपार्टमेंट ऑफ़ लाइब्रेरी एंड इनफार्मेशन साइंस ऐट द यूनिवर्सिटी ऑफ़ कलकत्ता, 16 सितंबर 2021, आयोजकऔर एएसआईएस एंड टी प्लेटफॉर्म पर वेबिनार के मॉडरेटर।
- गाला, बी. डिप्लोयमेंट आफ नॉलेज मैनेजमेंट: अ रिपल इफेक्ट बाई डॉ शांतनु गांगुली , लाइब्रेरियन, एम्स, दिल्ली इन कोलैबोरेशन विद एएसआईएस एंड टी स्पेशल इंटरेस्ट ग्रुप ऑन नॉलेज मैनेजमेंट एंड साउथ एशिया चैप्टर, 26 अगस्त 2021, एएसआईएस एंड टी प्लेटफॉर्म पर वेबिनार के आयोजक और मॉडरेटर। .
- गाला, बी वेबिनार I: रिसर्च ओप्पोर्चुनिटीज़ फॉर लाइब्रेरी एंड इनफार्मेशन साइंस स्टूडेंट्स एंड प्रोफेशनल्स, एसएलआईएस, सीयूजी, 12 जून 2021, वक्ताओं का परिचय देकर हिस्सा लिया।
- गाला, बी. एसएलआईएस, सीयूजी में पुस्तकालयों में आपदा तैयारी, 12 जून 2021, सह-आयोजक।
- गाला, बी. एएसआईएस एंड टी यूएसए, एडिनेट (गुजरात, भारत में एक राज्य स्तरीय संघ) के सहयोग से एसएलआईएस, सीयूजी में फेक न्यूज और गलत सूचना पर कार्यक्रम, 30 जून 2021, सह-आयोजक।
- गाला, बी. इंट्रोडक्शन टू ऑडियो विजुअल रिसोर्सेज: डिस्कवरी एंड एक्सेस थ्रू द वर्क्स ऑफ सत्यजीत रे (भारतीय फिल्म निर्माता और लेखक), एसएलआईएस, सीयूजी, 29 मई 2021, सह-आयोजक।
- कुम्बर , आर. ADINET वर्क ग्रुप मीटिंग ऑफ़ स्पेशल इंटरेस्ट ग्रुप्स - कोऑर्डिनेटर्स मीट - समन्वयक बैठक, 22 मई 2021, सदस्य
- कुंबर, आर. ऑनलाइन मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम ऑन 'पब्लिक प्रोक्योरमेंट (बेसिक)', एआरएनआईएफएम, 7-10 जून २०२१.एसएलआईएस, सीयूजी के प्रतिनिधि के रूप में भाग लेने के लिए प्रतिनियुक्त।

- कुंबर, आर. वेबिनार टू इंगेज एल्युमिनी थ्रू वर्चुअल एनवायरनमेंट - 'WEAVE - 2021' एल्युमिनी एक्टिविटी के हिस्से के रूप में, एसएलआईएस, सीयूजी, 12 जून2021. आयोजक।
- कुंबर, आर. वेबिनार ऑन 'इनोवेटिव प्रैक्टिसेज एंड पर्सपेक्टिव्स - एड 2', ADINET, 17 जुलाई 2021। मॉडरेटर के रूप में भाग लिया।
- कुम्बर , आर. 'इंटरनेशनल डे ऑफ़ यूनिवर्सल एक्सेस ट इनफार्मेशन – राइट टू नो', एसएलआईएस, सीयूजी, 5 अक्टूबर२०२१. सह-आयोजक।
- कुम्बर, आर. सोमैयाविद्याविहार यूनिवर्सिटी के अध्ययन बोर्ड की तीसरी बैठक में बीओएस सदस्य के रूप में भाग लिय, मुंबई, 27 अक्टूबर 2021।
- कुम्बर , आर. ओपन एक्सेस वीक 2021, एसएलआईएस, सीयूजी, 25 से 27 अक्टूबर २०२१.सह-आयोजक।
- कुंबर, आर. ANALECTS @ एसएलआईएस, राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह, 15 से 20 नवंबर २०२१,सह-आयोजक।
- कुंबर, आर. पारुल यूनिवर्सिटी, वडोदरा के मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग द्वारा 24 दिसंबर 2021 को आयोजित 'पहली अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान पद्धति कार्यशाला' के एक सत्र की अध्यक्षता की।
- कुंबर , आर. 'असाइनमेंट एंड बियॉन्ड', संस्थान के पूर्व छात्रों की गतिविधि, एसएलआईएस, सीयूजी, 2 जनवरी २०२२. आयोजक
- कुम्बर , आर. अटेंडेड ऑनलाइन ट्रेनिंग ऑफ़ ऑफिशियल्स ऑफ़ ऑटोनोमस बॉडीज, इंस्टीटूशन्स, इटीसी. अंडर मिनिस्ट्री आफ एजुकेशनल बाई जेईएम, 20 जनवरी २०२२.खरीद अधिकारी, एसएलआईएस के रूप में भाग लेने के लिए प्रतिनियुक्त.
- कुंबर , आर. ADINET बुक क्लब के लिए 'हू मूव माई चीज़' पुस्तक समीक्षा प्रस्तुत की। 29 जनवरी 2022, प्रस्तुतकर्ता।
- कुम्बर, आर. ओनिमा डकपे और मो . रज़ीक, शिक्षा संस्थान, सीयूजी, के लिए अनुसंधान सलाहकार समिति की बैठक में हिस्सा लिया. 31 जनवरी2022। सदस्य।
- कुम्बर , आर. चार्म एक्टिविटी एंड स्कूल एलुमनाई इवेंट 'इन्फोर्मेड जनरेशन ऐट स्कूल ऑफ़ लाइब्रेरी एंड इनफार्मेशन साइंस शेयर पर्सपेक्टिव्स ऑफ़ एंगेजिंग विद एंड एक्सेसिंग ऑफ़ नॉलेज सोर्सेज (iGEN @SLIS SPEAKS), 25 फरवरी२०२२. आयोजक।
- कुंबर, आर. फोकस ग्रुप डिस्कशन - फैकल्टी मेंबर्स, जेंडर चैंपियनशिप एक्टिविटीज के हिस्से के रूप में सीयूजी, 14 मार्च २०२२. आयोजक और मॉडरेटर।

संचालित शोध परियोजनाएँ:

- गाला, बी. डीलिंग विद कोविद -१९ एंड सेविंग पीपल्स लाइव्स इन साउथ एशिया (SA) एरियाज एंड बियॉन्ड- अ हेल्थ इन्फार्मेटिक्स प्रमोशन प्रोजेक्ट . द एसोसिएशन फॉर इनफार्मेशन साइंस & टेक्नोलॉजी। (एएसआईएस एंड टी, यूएसए), 7000 डॉलर (यूएसडी), 1 मई 2021 से 31 मई २०२२(प्रधान अन्वेषक, जारी)।
- गाला, बी. इंटरनेशनल डिजिटल स्टोरी राइटिंग कंपटीशन: एआई एंड हेल्थ, हांगकांग यूनिवर्सिटी, $149,960 (HKD), 2021 - 2022 (पार्टनर, जारी)

विश्वविद्यालय प्रशासन में समिति के सदस्यों के रूप में अथवा अतिरिक्त उत्तदायित्व के वहन हेतु संकाय सदस्यों की प्रतिभागिता:

डॉ. भक्ति गला

- सदस्य, सीएएसआर, एसएलआईएस
- सदस्य, आरएसी, एसएलआईएस
- सदस्य, सीयूजी एलएमएस प्रशिक्षण समिति
- सदस्य, पुस्तकालय और सूचना विज्ञान संस्थान का विभागीय शैक्षणिक अखंडता पैनल (डीएआईपी)।
- सदस्य, विभागीय शैक्षणिक अखंडता पैनल, राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान
- सदस्य, विभागीय शैक्षणिक अखंडता पैनल, तुलनात्मक साहित्य केंद्र और अनुवाद अध्ययन, भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान

डॉ. मीनाक्षी परमार

- समन्वयक, एसएलआईएस,
- सीएएसआर, एसएलआईएस
- सदस्य, अध्ययन समिति, एसएलआईएस
- सदस्य, आरएसी, एसएलआईएस और एसई
- संयोजक, एक भारत श्रेष्ठ भारत, सीयूजी
- सदस्य, पुस्तकालय और सूचना विज्ञान संस्थान का विभागीय शैक्षणिक अखंडता पैनल (डीएआईपी)।
- सदस्य, प्रवासी अध्ययन का विभागीय शैक्षणिक अखंडता पैनल (डीएआईपी)
- सदस्य, एसएसी, सीयूजी
- सदस्य, अनुशासन समिति

डॉ. रश्मि कुंबर

- सदस्य, सीएएसआर, एसएलआईएस, सीयूजी
- सदस्य, आरएसी, एसएलआईएस, सीयूजी
- सदस्य, सीयूजी एलएमएस प्रशिक्षण समिति
- नोडल व्यक्ति, पूर्व छात्र प्रकोष्ठ, सीयूजी
- एसएलआईएस प्रतिनिधि, नियोजन प्रकोष्ठ, सीयूजी
- क्रय अधिकारी, एसएलआईएस, सीयूजी
- सदस्य, जेंडर चैम्पियनशिप गतिविधि समिति, सीयूजी
- सदस्य, अध्ययन समिति, सोमैया विद्याविहार विश्वविद्यालय, मुंबई

जीवन विज्ञान संस्थान

संस्थान के विषय में

वर्ष 2010 में गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजी) में एक स्वतंत्र संस्थान के रूप में अपने स्थापन के साथ ही जीवन विज्ञान संस्थान, (एसएलएस) ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं प्रशिक्षण प्रदान करने के साथ-साथ सीमांत क्षेत्रों में अग्रिम अनुसंधान को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक अविरत प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया है। इन पाठ्यक्रमों की प्रकृति अंतरनुशासनिक है। पाठ्यक्रमों में जैविक एवं भौतिक विज्ञान के मध्य के निकट के संबंधों को एकीकृत रूप से प्रस्तुत किया गया है। संस्थान में उन्नत प्रयोग को प्रोत्साहित करने एवं उच्च गुणवत्ता युक्त शोध को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पूर्णतः सुसज्जित केंद्रीय इंस्ट्रूमेंटेशन सुविधा (सीआईएफ) भी है। इसके अतिरिक्त इस संस्थान में कैंसर जीव विज्ञान, चयापचय संबंधी विकारों, दाहक रोगजनक, संयंत्र विषाणु विज्ञान एवं नैनो- जैव पदार्थ, ऊतक अभियांत्रिकी के क्षेत्र में अत्याधुनिक अनुसंधान को संभव करने हेतु विश्व स्तरीय पूर्ण सुसज्जित प्रयोगशालाएं हैं।

संचालित कार्यक्रम:

- जीवन विज्ञान में एम. एससी.
- जीवन विज्ञान में पीएच. डी

संस्थान के संकाय-सदस्य:

डॉ. सीमा रावत, प्रोफ़ेसर एवं अधिष्ठाता
रुचि के क्षेत्र: आणविक माइक्रोबियल पारिस्थितिकी और माइक्रोबियल प्रौद्योगिकी

डॉ. उमेश सी.एस. यादव, प्रोफेसर (ऑन लियन)
रुचि के क्षेत्र: चयापचय संबंधी विकार और दाहक संबंधी बीमारियां

डॉ. राजेश वसीता, सहायक प्रोफ़ेसर
रुचि के क्षेत्र: जैव सामग्री और ऊतक इंजीनियरिंग

डॉ. सुनीता पटेल, सहायक प्रोफ़ेसर
रुचि के क्षेत्र: बायोकैमिस्ट्री/बायोफिजिकल केमिस्ट्री

डॉ. अंजू पप्पचन, सहायक प्रोफ़ेसर
रुचि के क्षेत्र: स्ट्रक्चरल बायोलॉजी

डॉ. स्वाति जोशी, सहायक प्रोफ़ेसर (अनुबंध पर)
रुचि के क्षेत्र: औद्योगिक सूक्ष्म जीव विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी

प्रतिष्ठित / विशेषज्ञ समीक्षित / यूजीसी द्वारा अनुमोदित पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख और शोधपत्र :

- मकवाना, पी., एवं वसीता, आर. (2021) , कैंसर स्फेरायड को -कल्चर : मॉलिक्यूलर इनसाइट्स ऑफ़ मेटास्टेटेसिस एंड कैंसर प्रोग्रेशन ड्राइवड यूसिंग 3 डी कैंसर स्फेरायड को-कल्चर इन विट्रो प्लेटफॉर्म। जर्नल ऑफ़ क्रिटिकल रिव्यूस इन ऑन्कोलॉजी / हेमाटोलॉजी , 168, 103511. https://doi.org/10.1016/j.critrevonc.2021.103511 .
- सोलंकी, आर., पटेल, के., एवं पटेल, एस. (2021), बोवाइन सीरम एल्ब्यूमिन नैनो पार्टिकल्स फॉर द एफिसिएंट डिलीवरी ऑफ़ बर्बेरिन : प्रेपरेशन कैरेक्टराइजेशन एंड इन विट्रो बायोलॉजिकल स्टडीज . कोलॉइड्स एंड सर्फेस ए फिजिकोकेमिकल एंड इंजीनियरिंग आस्पेक्ट्स, 608, 125501 125510.https://doi.org/10.1016/j.colsurfa.2020.125501
- सोलंकी, आर., रोस्तमाबादी, एच., पटेल, एस., एवं जाफरी, एस.एम. (2021), एंटीकैंसर नैनो-डिलीवरी सिस्टम्स बेस्ड ऑन बोवाइन सीरम एल्ब्यूमिन नैनो पार्टिकल्स : ए क्रिटिकल रिव्यू। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ बायोलॉजिकल मैक्रोमोलेक्यूल्स , 193, 528-540. https://doi.org/10.1016/j.ijbiomac.2021.10.040.
- जांगिड़, ए., पटेल, के., जैन, पी., पटेल, एस., मेडिचेरला, के., पूजा, डी., और कुल्हारी, एच. (2021), केरियर -फ्री रेस्वेराट्रोल

नैनोपार्टिकल्स : फार्मूलेशन डेवलपमेंट , इन विट्रो एंटी कैंसर एक्टिविटी एंड ओरल बायो अवेलेबिलिटी इवैल्यूएशन , मैटेरियल्स लेटर्स, 302, 130340-130344. https://doi.org/10.1016/j.matlet.2021.130340 .

- जैन, पी., पटेल, के., जांगिड़, ए.के., गुलेरिया, ए., पटेल, एस., पूजा, डी., एवं कुल्हारी, एच. (2021), बायोतीनीलेटेड Mn3O4 नैनो क्यूबिड्स फॉर टार्गेटेड डिलीवरी ऑफ़ गेम्सटोबिन हाइड्रोक्लोराइड टू ब्रैस्ट कैंसर एंड एम आर आई ऍप्लिकेशन्स। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ फार्मसूटिक्स , 606, 120895-120905. https://doi.org/10.1016/j.ijpharm.2021.120895
- भारद्वाज, जी., वकानी, एम., श्रीवास्तव, ए., पटेल, डी., पप्पचन, ए., मुरुमकर, पी., शाह, एच., शाह, आर. और गुप्ता, एस. (2021), स्वेर्टीसिन ,ए नोवेल एस जी एल टी 2 इन्हीबिटर , विथ इम्प्रूवड ग्लूकोस होमोस्टासिस फॉर इफेक्टिव डायबिटीज आर्क बायोकेम। बायोफ़िस ., 710, 108995. doi: 10.1016/j.abb.2021.108995
- पटेल, बी., पटेल, डी. और पप्पचन, ए. (2021), Ile209 ऑफ़ लीशमैनिया डोनोवानी ज़ैंथिन फॉस्फोरिबोसिलट्रांसफेरेज़ प्लेस अ की रोल इन डेटर्मिनिंग इट्स प्यूरीन बेस स्पेसिफिसिटी. FEBS Lett., 595(16): 2169-2182. doi: 10.1002/1873-3468.14162
- जानी, जे., एवं पप्पचन, ए. (2022), ए रिव्यू ऑन क्वालिटी कण्ट्रोल एजेंट्स ऑफ़ प्रोटीन ट्रांसलेशन - द रोल ऑफ़ ट्रांस-एडिटिंग प्रोटीन्स , इंट. जे बायोल मैक्रोमोल .,199, 252-263. doi: 10.1016/j.ijbiomac.2021.12.176.
- जांगिड़, ए.के., सोलंकी, आर., पटेल, एस., पूजा, डी., एवं कुल्हारी, एच. (2022), जेनिस्टेइन एनकेप्सुलेटेड इनुलिन-स्टीरिक एसिड बायोकंजुएट नैनो पार्टिकल्स : फार्मूलेशन डेवेलपमेंट ,कैरेक्टराइजेशन एंड एंटीकैंसर एक्टिविटी। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ बायोलॉजिकल माइक्रोमोलेक्यूल्स , 206, 213-221. https://doi.org/10.1016/j.ijbiomac.2022.02.031
- जोशी, एस., एवम मिश्रा, एस. (2022), रीसेंट एडवांसेज इन बायोफ्यूल प्रोडक्शन थ्रू मेटाबोलिक इंजीनियरिंग . बायोरिसोर्स टेक्नोलॉजी 352, 127037. https://doi.org/10.1016/j.biortech.2022.12703 .
- सैनी एम. मुश्ताक़ ,ए यादव ,एस . रावत एस., रानी एन ,गुप्ता के एवम सैनी के . 2022. ग्रीन सिंथेसिस ऑफ़ रोड शेप्ड ZnO यूसिंग एक्सट्रेक्ट ऑफ़ ऑरिगनम मजोराना लीफ एंड इन्वेस्टीगेशन फॉर एंटीबैक्टीरियल ऍप्लिकेशन्स. आई ओ पी कांफ्रेंस सीरीज ,मैटेरियल्स साइंस एंड इंजीनियरिंग 1225:012048.https://iopscience.iop.org/article/10.1088/1757-899X/1225/1/012048 .

संपादित संस्करणों में प्रकाशित शोधपत्र:

- मोदी, यू., केदारिया, डी., धिम्मर, बी. और वसीता, आर. (2021), ट्रांजनेसनल स्टडीज ऑफ़ नैनोफाइबर्स बेस्ड स्कैफफोल्ड फॉर स्किन एंड बोन टिश्यू री जेनेरशन . एस सिंह (संपादक) की ,इमर्जिंग ट्रेंड्स इन नैनोमेडिसिन (पी पी 129-172). स्प्रिंगर नेचर .
- जानी, जे. पप्पचन, ए. (2021), प्रोटीन एनालिसिस : फ्रॉम सीक्वेंस टू स्ट्रक्चर . वी सिंह एवं ए कुमार (संपादक) ,एडवांसेज इन बायोइन्फार्मेटिक्स . स्प्रिंगर ,सिंगापुर. https:doi.org/10.1007/978-981-33-6191-1_4.

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी/वेबिनार/सम्मेलन/कार्यशाला आदि में शोधपत्र प्रस्तुति:

- एस. पटेल, और ए. दत्ता, बायोफिजिकल इनसाइट इन टू द बाईन्डिंग ऑफ़ क्लोरीन p6 टू सुदलो'स साइट II ऑफ़ ह्यूमन सीरम एल्ब्यूमिन, ए सी एस स्प्रिंग 2021 ऑन मैक्रोमोलेक्युलर केमिस्ट्री : द सेकंड सेंचुरी ,अप्रैल 5-30, 2021.
- ए पप्पचन, फंक्शनल कैरेक्टराइजेशन ऑफ़ द एंटी-लीशमैनियल ड्रग टारगेट - ज़ैंथिन फॉस्फोरिबोसिल ट्रांसफरेज़, इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन बायोटेक्नोलॉजी फॉर रिसोर्स एफिशिएंसी , एनर्जी , एन्वॉयरन्मेंट, केमिकल्स एंड हेल्थ (बी . आर . ई . ई. ई .सी .एच .- 2021) आई . आई . पी . देहरादून , दिसंबर 1-4, 2021.

- एस. जोशी, ऍप्लिकेशन्स ऑफ़ मेटाबोलिक इंजीनियरिंग इन सस्टेनेबल प्रोडक्शन ऑफ़ बायोफ्यूल्स , इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन बायोटेक्नोलॉजी फॉर रिसोर्स एफिशिएंसी , एनर्जी , एनवायरनमेंट , केमिकल्स एंड हेल्थ (बी . आर . ई . ई. ई .सी .एच .- 2021) आई . आई . पी . देहरादून , दिसंबर 1-4, 2021.
- एस. पटेल, और आर. सोलंकी, फेब्रिकेशन ऑफ़ एवोडिअमिन - लोडेड बोविन सीरम एल्ब्यूमिन नैनोपार्टिकल्स एंड इट्स एंटीकैंसर एक्टिविटी , , 15th इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन रीसेंट ट्रेंड्स इन कैंसर प्रिवेंशन एंड इंटर्सेप्शन - बेंच टू बेडसाइड जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय एवं कैंसर रिसर्च एंड केयर अकादमी , फरवरी, 22-23, 2022.

राष्ट्रीय/क्षेत्रीय स्तरीय संगोष्ठी/वेबिनार/सम्मेलन/कार्यशाला आदि में प्रस्तुत शोधपत्र:

- ए पप्पचन, प्रोटीन अनालिसिस फ्रॉम सीक्वेंस टू स्ट्रक्चर - शिक्षक विकास पाठ्यक्रम (ऑन -लाइन) डॉ. विक्रम साराभाई सेल एवं मॉलिक्यूलर बायोलॉजी संस्थान महाराज सयाजी विश्वविद्यालय, वडोदरा एवं जैव-प्रोद्यौगिकी विभाग, राष्ट्रीय प्रोद्यौगिकी संस्थान , वारंगल,तेलंगाना के सहयोग से आयोजित, मई 21, 2021.
- ए पप्पचन, बायोलॉजिकल मैक्रोमोलेक्यूल्स - प्रोटीन्स (फ्रॉम सीक्वेंस टू स्ट्रक्चर एप्रोच) ,पारुल इंस्टिट्यूट ऑफ़ एप्लाइड साइंसेज एंड सेण्टर ऑफ़ रिसर्च फॉर डेवलपमेंट , पारुल विश्वविद्यालय जुलाई 8, 2021.
- ए पप्पचन, बायोइन्फरमेटिक्स टूल्स एंड टेक्नीक टू एड इन प्रोटीन कैरेक्टराइजेशन , बायोइन्फार्मेटिक्स पर व्यावहारिक कार्यशाला : द वर्चुअल रियलिटी ऑफ़ बायोलॉजी , सूक्ष्मजैविकी विभाग, एल . जे . विश्वविद्यालय जनवरी , 18, 2022.
- एस. पटेल, एवं आर. सोलंकी, एन्हान्सिंग द एंटीकैंसर एक्टिविटी ऑफ़ इवोडाईमीन बाई यूसिंग बोवाइन सीरम एल्ब्यूमिन नैनोपार्टिकल्स फॉर ब्रेस्टकैंसर ट्रीटमेंट , नैनोटेक्नोलाजी पर राष्ट्रीय सम्मलेन (ऑन -लाइन) : केमिस्ट्री एंड बायोलॉजी एट द इंटरफ़ेस ऑफ़ 21स्ट सेंचुरी , अशोक एंड रीना पटेल इंस्टिट्यूट ऑफ़ इंटीग्रेटेड स्टडी &रिसर्च इन बायोटेक्नोलॉजी एंड अलाइड साइंसेज (ए आर आई बी ए एस) , मार्च 4, 2022.

प्रतिष्ठित संस्थानों में संगोष्ठी/सम्मेलन/वेबीनार आदि के अतिरिक्त अकादमिक प्रकृति के आयोजित व्याख्यान:

- ए. पप्पचन, एक्स-रे क्रिस्टलोग्राफी, विज्ञान संस्थान, निरमा विश्वविद्यालय, 7 अप्रैल, 2021 .
- आर . वसीता , नैनोटेक्नोलाजी एप्रोच फॉर प्रोटीन बेस्ड थेरेपी डेवलपमेंट एज पार्ट ऑफ़ एस . एस . आर . एक्टिविटी ऑफ़ एस ई आर बी प्रोजेक्ट , सेण्टर ऑफ़ बायोटेक्नोलॉजी ,इलाहाबाद विश्वविद्यालय ,दिसम्बर 15, 2021.

प्रशिक्षण/अभिविन्यास/पुनश्चर्या कार्यक्रम में प्रतिभागिता:

- ए. पप्पचन, प्रतिभागी , पब्लिक प्रोक्योरमेंट फॉर गवर्नमेंट ऑफिसर्स , पर प्रबंधन विकास पाठ्यक्रम , अरुण जेटली नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ फाइनेंसियल मैनेजमेंट , फरीदाबाद मई 17- 20, 2021, .
- एस रावत, प्रतिभागी , आउटकम बेस्ड एजुकेशन पर शिक्षण विकास पाठ्यक्रम , पी एम एम एम एन एम टी टी , रामानुजन कॉलेज , दिल्ली विश्वविद्यालय , जुलाई 15-21, 2021,
- एस रावत, प्रतिभागी , ड्रग डिस्कवरी फ्रॉम लैब टू इंडस्ट्री इन बायोटेक्नोलॉजी पर शिक्षण विकास पाठ्यक्रम , जैव - प्रोद्यौगिकी विभाग , राष्ट्रीय प्रोद्यौगिकी संस्थान ,आंध्र प्रदेश ,अगस्त 23-27, 2021.
- एस रावत, प्रतिभागी ,आई . पी . आर. पर लघु अवधि प्रशिक्षण पाठ्यक्रम यू जी सी - एच आर डी सी , देवी अहिल्या विश्वविद्यालय , इंदौर , सितम्बर 20-25, 2021, .

संचालित शोध परियोजनाएँ :

- आर. वसीता, डेवलपमेंट ऑफ़ बायो इंस्पायर्ड ड्यूल ड्रग डेलीवेरिंग नैनो फाइबरस स्कैफफोल्ड फॉर बोन टिश्यू इंजीनियरिंग , नैनोमिशन , विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी विभाग-भारत सरकार , रुपये . 37,57,560/-, 2017-2021 (पूर्ण)।
- ए. पप्पचन, बायोफिजिकल कैरेक्टराइजेशन ऑफ़ एडेनिलोसुकेट लाइसेज - ए पोटेंशियल ड्रग टारगेट फ्रॉम लीशमैनिया डोनोवानी- ए कम्प्यूटेशनल एंड मॉलिक्यूलर एप्रोच , डीबीटी नॉर्थ-ईस्ट ट्विनिंग प्रोग्राम, रुपये . 18,09,950/-, 2017-21 (पूर्ण)।

- ए. पप्पचन, क्लोनिंग ,प्रोटीन प्यूरीफिकेशन एंड कैरेक्टराइजेशन ऑफ़ ऑर्निथिन डिकार्बोक्सिलेज ,एन इम्पोर्टेन्ट प्रोटीन इनवॉल्वड इन एसिड स्ट्रेस टॉलरेंस इन लैक्टोबैसिलस एसपी यूजीसी स्टार्ट अप ग्रांट, रु. 8,00,000/-, 2019 -2021 (पूर्ण)।
- ए. पप्पचन, अंडरस्टैंडिंग द मॉलिक्यूलर डेटर्मिनेन्ट्स ऑफ़ द यूनिक सब्सट्रेट स्पेसिफिसिटी ऑफ़ द पोटेंशियल एंटी-लीशमैनियल ड्रग टारगेट - ज़ैंथिन फॉस्फोरिबोसिल ट्रांसफ़ेज़, आईसीएमआर, रु . 33,97,939/-, 2021-24 (अविरत)।
- आर. वसीता (सह-पीआई) , डेवलपमेंट ऑफ़ रेडिएशन रेसिस्टेंट फाइबर रिइन्फोर्स्ड टंगस्टन नैनोकंपोजिट्स फॉर फ्यूचर फ्यूज़न रिएक्टर्स एस इ आर बी - विज्ञानं एवं प्रोद्यौगिकी विभाग , 2022-25.
- आर. वसीता, अस्सेसमेन्ट ऑफ़ स्काफोल्ड़ -बेस्ड को -कल्चर डिवाइस फॉर इन विट्रो सेल कल्चर एप्लीकेशन एस इ आर बी - टेट्रा रुपये 30,00,000/-, 2022-24.

विश्वविद्यालय प्रशासन में समिति के सदस्यों के रूप में अथवा अतिरिक्त उत्तरदायित्व के वहन हेतु संकाय सदस्यों की प्रतिभागिता

प्रो. सीमा रावत

- सदस्य - कार्यकारी परिषद एवं अकादमिक परिषद
- अधिष्ठाता , जीवन विज्ञान संस्थान
- प्रोवोस्ट
- सदस्य - आंतरिक गुणवत्ता निर्धारण प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी)
- अध्यक्ष, संस्थागत जैव सुरक्षा समिति
- अध्यक्ष- संस्थान परिषद् सीएएसआर, स्थानीय क्रय - समिति,
- जीवन विज्ञान संस्थान प्रवेश समिति
- सदस्य - उन्नत अध्ययन और अनुसंधान समिति (सीएएसआर), एससीएस, एसएएमएस, एसएनएस और एसईएसडी
- सदस्य- वैज्ञानिक उपकरणों के तकनीकी विनिर्देश के मूल्यांकन के लिए तकनीकी समिति एवं विश्वविद्यालय क्रय - समिति
- सदस्य- विश्वविद्यालय क्रय समिति
- सदस्य - केंद्रीय इंस्ट्रुमेंटेशन सुविधा के लिए सलाहकार समिति
- नोडल अधिकारी - छात्र परिवेदना निवारण समिति

डॉ. राजेश वसीता

- उप निदेशक, अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ
- सदस्य, विश्वविद्यालय नियोजन प्रकोष्ठ
- सदस्य , संस्थान परिषद् ,जीवन विज्ञान संस्थान उन्नत अध्ययन एवं अनुसंधान समिति (सीएएसआर),
- सदस्य , संस्थागत जैव सुरक्षा समिति
- नोडल अधिकारी, नियोजन, जीवन विज्ञान संस्थान
- सदस्य, स्थानीय क्रय - समिति , जीवन विज्ञान संस्थान .

डॉ. सुनीता पटेल :

- सदस्य , चतुर्थ अकादमिक परिषद् ·
- सदस्य ,उन्नत अध्ययन एवं शोध समिति , जीवन विज्ञान संस्थान
- सदस्य , संस्थान परिषद् ,जीवन विज्ञान संस्थान

- सदस्य, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग -केयर सूची में सम्मिलित करने हेतु शोध -जर्नल्स संस्तुति समिति
- वार्डन ,एन आई सी एम महिला छात्रावास
- सदस्य , संस्थागत जैव सुरक्षा समिति
- आहरण एवं वितरण अधिकारी ,
- सदस्य ,स्थानीय क्रय - समिति , जीवन विज्ञान संस्थान

डॉ . अंजू पप्पाचन

- सचिव-सदस्य , संस्थागत जैव सुरक्षा समिति
- क्रय -अधिकारी , जीवन विज्ञान संस्थान
- समन्वयक ,स्वयम ,जीवन विज्ञान संस्थान
- समन्वयक , भूत-पूर्व -छात्र प्रकोष्ठ , जीवन विज्ञान संस्थान

नैनो विज्ञान संस्थान

संस्थान का परिचय

नैनो विज्ञान संस्थान वर्तमान में नैनो विज्ञान में स्नातकोत्तर (एमएससी) तथा पीएच.डी. नैनोसाइंस पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है ये पाठ्यक्रम छात्रों को सूक्ष्म और नैनोटेक्नोलोजी में विकास के वैज्ञानिक महत्व और तकनीकी क्षमता का एक उद्देश्य निर्णय लेने और नैनोसाइंस और नैनो टेक्नोलॉजी से संबंधित गतिविधियों की एक श्रृंखला का प्रदर्शन करने में सक्षम बनाने के लिए विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला को आत्मसात करता है। छात्र वर्तमान में पर्यावरण उपचार, ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक्स, ऊर्जा भंडारण उपकरणों में नैनोमटेरियल्स के साथ-साथ दवा वितरण के लिए नैनोकम्पोजिट्स के उपयोग को समाहित करने वाली विविध परियोजनाओं पर कार्य कर रहे हैं। संस्थान के छात्रों को विश्वविद्यालय की केंद्रीय यंत्र सुविधा में डीएलएस, एक्सआरडी, एक्सपीएस, एनएमआर, एएफएम, एसईएम, एफएसीएस, माल्डी-टीओएफ, कन्फोकल माइक्रोस्कोप इत्यादि जैसे कई परिष्कृत उपकरणों का उपयोग करने की सुविधा प्राप्त है। नैनो विज्ञान संस्थान यूवी-विज़ स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, थर्मल सीवीडी सिस्टम, फोटोकैटलिटिक सेटअप, जेल इलेक्ट्रोफोरेसिस, ओवन, इनक्यूबेटर, बाथ सोनिकेटर, सेंट्रीफ्यूज, फोर प्रोब और हॉल उपकरण आदि जैसे उपकरणों से सुसज्जित है। संस्थान में माइक्रोबियल और स्तनधारी सेल संस्कृति दोनों हेतु सुविधाएं भी हैं। छात्रों को नैनो विज्ञान/नैनो प्रौद्योगिकी से संबंधित नवीनतम पुस्तकों और पत्रिकाओं तक विशेष रूप से संपठनीय प्रति (हार्ड कॉपी) एवं इलेक्ट्रॉनिक , दोनों रूपों में पाठन की सुविधा प्राप्त है। विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय के माध्यम से उपलब्ध राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय दोनों वेबसाइट छात्रों को पाठ्य संसाधन प्राप्त करने हेतु सुलभ हैं.।

केंद्र स्तर पर संकाय-सदस्य:

प्रोफ़ेसर पल्लवी शर्मा, प्रोफ़ेसर एवं अधिष्ठाता (प्रभार)
रूचि के क्षेत्र: नैनो-बायो टेक्नोलॉजी , स्ट्रेस बॉयोलॉजी ऑफ़ प्लांट्स , मॉलिक्युलर एन्वायरमेंटल बायोलॉजी , एन्वायरमेंटल बायो-केमिस्ट्री एंड बायो-टेक्नोलॉजी ,फाइटोरेमेडिएशन।

डॉ. चारु लता दुबे , सहायक प्रोफ़ेसर
रूचि के क्षेत्र: माइक्रोवेव प्रोसेसिंग ऑफ़ मैटेरियल्स , डेवलपमेंट ऑफ़ न्यूक्लियर मैटेरियल्स फॉर फ्यूचर फ्यूज़न रिएक्टर्स , डेवलपमेंट ऑफ़ एडवांस्ड नैनो मैटेरियल्स फॉर एनर्जी , बायोमेडिकल एंड एन्वायरमेंटल ऍप्लिकेशन्स

डॉ. हितेश कुल्हारी , सहायक प्रोफ़ेसर
रूचि के क्षेत्र: ड्रग डिलीवरी , नैनोमेडिसिन्स एंड बायोमैटेरियल्स ,

डॉ. उमेश कुमार , सहायक प्रोफ़ेसर
रूचि के क्षेत्र: नैनो बायोटेक्नोलॉजी (ड्रग डिलीवरी एंड एग्रीकल्चर)

डॉ. मनु शर्मा, सहायक प्रोफ़ेसर
रूचि के क्षेत्र: नैनो मैटेरियल्स फॉर एनर्जी एंड एन्वायरमेंटल ऍप्लिकेशन्स

प्रतिष्ठित / विशेषज्ञ समीक्षित / यूजीसी द्वारा अनुमोदित पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख और शोधपत्र:

- दुबे, ए., भावसार, एन., पच्चीगर, वी., सैनी, एम., रंजन, एम., और दूबे, सी.एल. (2022), माइक्रोवेव असिस्टेड अल्ट्राफास्ट सिंथेसिस ऑफ़ ग्रेफेन ऑक्साइड बेस्ड मैग्नेटिक नैनो कम्पोजिट फॉर एन्वायरमेंटल रेमिडिएशन सिरेमिक्स इंटरनेशनल , 48(4), 4821-4828. https://doi.org/10.1016/j.ceramint.2021.11.018
- शियानी, टी., अग्रवाल, एस., मार्कना, जे.एच., बनर्जी, आई., और दुबे, सी.एल. (2022) बायोहाइब्रिड फोटोइलेक्ट्रोड्स फॉर सोलर फोटोवोल्टाइक ऍप्लिकेशन्स , 45(1), 1-7.
- जैन, पी., पटेल, के., जांगिड़, ए.के., गुलेरिया, ए., पटेल, एस., पूजा, डी., और कुल्हारी, एच. (2021) , बायोटिनीलेटेड Mn3O4 नैनो क्यूबिड्स फॉर टारगेटेड डिलीवरी ऑफ़ जेमसीटाबीनैं हाइड्रोक्लोराइड तो ब्रैस्ट कैंसर एंड एम आर आइ

ऍप्लिकेशन्स . इंटरनेशनल जर्नल फार्मा सूएटिक्स, 606, 120895. https://doi.org/doi: 10.1016/j.ijpharm.2021.120895

- जांगिड़, ए.के., पटेल, के., जैन, पी., पटेल, एस., मेडिचेरला, के., पूजा, डी., और कुल्हारी, एच. (2021), कर्रिएर - फ्री रेस्वेराट्रोल नैनोपार्टिकल्स : फार्मूलेशन इवैल्यूएशन , मैटेरियल्स लेटर्स , डेवलपमेंट , इन विट्रो एंटीकैंसर एक्टिविटी एंड ओरल बायो अवलबिलिटी , 302, 130340. DOI: https://doi.org/10.1016/j.matlet.2021.130340
- जांगिड़, ए.के., सोलंकी, आर., पटेल, एस., पूजा, डी., और कुल्हारी, एच. (2022) , जेनेस्टेइन एनकेप्सुलेटेड इनुलिन -स्टीरिक एसिड बायोकोंजूगेट नैनो पार्टिकल्स : फार्मूलेशन डेवलपमेंट , कैरेक्टराइजेशन एंड एंटीकैंसर एक्टिविटी , इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ बायोलॉजिकल मैक्रोमोलेक्यूल्स, 206, 213-221. https://doi.org/doi: 10.1016/j.ijbiomac.2022.02.031
- कौरानी, के., जैन, पी., कुमार, ए., जांगिड़, ए.के., स्वामीनाथन, जी., दुर्गमपुडी, वी.आर., जोस, जे, रेड्डी, आर., पूजा, डी., कुल्हारी, एच., और कुमार, एल.डी. (2022), इनुलिन कोटेड Mn3O4 नैनो क्यूबायड्स कपल्ड वठ आर एन ए इंटरफेरेंस रिवर्स इंटेस्टेनिअल टूमॉरिजनेसिस इन ए पी सी नॉकआउट म्यूराइन कोलन कैंसर मॉडल्स नैनोमेडिसिन : नैनोटेक्नोलाजी , बायोलॉजी एंड मेडिसिन , 40, 102504. https://doi.org/doi: 10.1016/j.nano.2021.102504.
- बडगुजर, एच. एफ. और कुमार, यू. (2021), ग्रीन एप्रोच टुवर्ड्स मॉर्फोलॉजी -कंट्रोल्ड सिंथेसिस ऑफ़ ज़ीन -फंक्शनलाइज़्ड TiO2 नैनो पार्टिकल्स फॉर कॉसमेसुटिकल एप्लीकेशन।
- यूरोपियन जर्नल ऑफ़ फार्मास्यूटिकल साइंसेज 167, 106010. https://doi.org/10.1016/j.ejps.2021.106010.
- बडगुजर, एच. एफ., बोरा, एस. और कुमार, यू. (2021), एक-बेनवॉलेंट सिंथेसिस ऑफ़ ZnO नैनोफ्लावर्स यूजिंग ऑक्सैलिस कोर्निकुलता लीफ एक्सट्रेक्ट फॉर पोटेंशियल एंटीमाइक्रोबियल एप्लीकेशन इन एग्रीकल्चर एंड कॉस्मेक्युटियल बायोकटैलिसीस एंड एग्रीकल्चर बायोटेक्नोलॉजी , 38, 102216.https://doi.org/10.1016/j.bcab.2021.102216.
- श्रीवास्तव, ए.के., जायसवाल, जे., और कुमार, यू. (2021) , इन सिलिको बायोप्रोस्पेक्टिंग ऑफ़ एंटीवायरल कंपाउंड्स फ्रॉम मरीन फंगी एंड मशरुम फॉर रैपिड डेवलपमेंट ऑफ़ न्यूट्रासूटिकल्स अगेंस्ट SARS-CoV-2. जर्नल ऑफ़ बायोमॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर एंड डायनामिक्स , 1-12. https://doi.org/ 10.1080/07391102.2021.2023048 .
- रावल, बी., श्रीवास्तव, ए.के., गुप्ता, एस.के., कुमार, यू., महापात्रा, एस.के., गज्जर, पी.एन., और बनर्जी, आई. (2022), सिंथेसिस ऑफ़ एक्सफोलिएटेड मल्टीलेयर ग्रेफेन एंड इट्स प्यूटेटिव इंटरेक्शन्स विथ SARS-CoV-2 वायरस इंवेस्टीगेटेड थ्रू कम्प्यूटेशनल स्टडीज . जर्नल ऑफ़ बायो मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर एंड डायनामिक्स , 40(2), 712-721. https://doi.org/10.1080/07391102.2020.1817788 .
- वुग्गी, एस.बी., गौर, यू.के., और शर्मा, एम. (2022) , 2D/2D फेसिअल इंटरेक्शन ऑफ़ नाइट्रोजन- डोप्ड g-C3N4/In2S3 नैनोशीट्स फॉर हाई परफॉरमेंस बी विज़िबल - लाइट - इनडयूसड फोटो कटैलिसीस, जर्नल ऑफ़ अलॉयज एंड कंपाउंड्स , 163757.https://doi.org/10.1016/j.jallcom.2022.163757.
- सिंह, जी., घोष, ए., पांडे, पी., कुशवाहा, ए., गौर, यू.के., और शर्मा, एम. (2022) , परसिस्टेंट पेरोक्सिडेस -मिमिक ऑफ़ Ce-MoSe2 नैनोशीट्स : ए कोलोरिमेट्रिक एप्रोच फॉर ग्लूकोस डेटेडशन इन सीरम सैम्पल्स . मैटेरियल्स लेटर , 132084. https://doi.org/10.1016/j.matlet.2022.132084 .
- सिंह, जी., कुशवाहा, ए., और शर्मा, एम. (2022) , अल्ट्रा - ट्रेस डिटेक्शन ऑफ़ कैफीन एंड थियोफ़िलाइन विथ हाई सेंसिटिविटी एंड सेलेक्टिविटी यूसिंग Gd2(MoO4)3नैनोशीट्स . मैटेरियल्स टुडे कम्युनिकेशन्स, 103390. https://doi.org /10.1016/j. mtcomm.2022.103390.

- सिंह, जी., कुशवाहा, ए., और शर्मा, एम. (2022), हाइली सेंसिटिव एंड सेलेक्टिव डिटेक्शन ऑफ़ सेरोटोनिन एंड डोपामाइन विथ स्टैबल ऑक्सीडेशन पोटेनसिअल्स यूसिंग नवल Dy2MoO6 नैनोशीट्स . मैटेरियल्स केमिस्ट्री एंड फिजिक्स , 125782 https://doi.org/10.1016/j.matchemphys.2022.125782

- सिंह, जी., कुशवाहा, ए., और शर्मा, एम. (2021), इलेक्ट्रोकेमिस्ट्री ऑफ़ Gd2 (MoO4) 3-rGO नैनोकम्पोजिट फॉर हाइली सेंसिटिव एंड सेलेक्टिव डिटेक्शन ऑफ़ हजार्डिएस हाइड्रोक्विनोन एंड क्लोरोमफेनिकल . Journal of Environmental Chemical Engineering, 9(6), 106713. https://doi.org/10.1016/j.jece.2021.106713.

- सिंह, आर., मिश्रा, ए.एन. और शर्मा, पी. (2022 , जीनोम -वाइड ट्रांसस्क्रिप्शनल रिस्पांस ऑफ़ कॉन्ट्रास्टिंग जिनोटाइप्स ऑफ़ इंडस्ट्रियल क्रॉप कास्टर टू As(V) स्ट्रेस : आइडेंटिफिकेशन ऑफ़ जनेस एंड मैकेनिज्म एसोसिएटेड विथ As(V) टॉलरेंस . इंडस्ट्रियल क्रॉप्स एंड प्रोडक्ट्स , 179(5), 114678. https://doi.org/10.1016/j.indcrop.2022.114678 .

- खान, ई.ए., अहमद, एच.एम., मिश्रा, एम., शर्मा, पी. और मिश्रा, ए.एन. , नाइट्रिक ऑक्साइड एलविएट्स फोटोकेमिकल डैमेज इंडयूस्ड बी कैडमियम स्ट्रेस इन पी सीडिंग्स . पाइथन , 91(5), 959:973. https://doi.org/10.32604/phyton.2022.018708 .

- राहुल, आर. और शर्मा, पी. (2022) , आइडेंटिफिकेशन ऑफ़ कैडमियम टोलेरंट एंड सेंसिटिव जेनोटाइप्स ऑफ़ कास्टर एंड देयर कॉन्ट्रास्टिंग रेस्पॉन्सेस तो कैडमियम ट्रीटमेंट . एन्वायरमेन्टल साइंस एंड पोल्युशन रिसर्च 29 (11), 16052-16065. https://doi.org/10.1007/s11356-021-16596-2

- सिंह, आर., मिश्रा, ए.एन. और शर्मा, पी. (2021) , सेफ ,एफिसिएंट एंड एकनॉमिकली बेनिफिशियल रेमेडिएशन ऑफ़ आर्सेनिक - कन्टामिनेटेड सॉइल : पॉसिबल स्ट्रेटेजीज फॉर इंक्रीजिंग आर्सेनिक टॉलरेंस एंड एकुमुलशन इन नॉन- एडिबल एकनॉमिकली इम्पोर्टेन्ट नेटिव प्लांट्स . एन्वायरमेन्टल साइंस एंड पोल्युशन रिसर्च . 28 (45), 64113–64129. https://doi.org/10.1007/s11356-021-14507-z

संपादित संस्करणों में प्रकाशित शोधपत्र:

- जांगिड़, ए.के., जैन, पी., पूजा, डी., और कुल्हारी, एच. (2021) , इमर्जिंग ट्रेंड्स इन नैनोमेडिसिन, इन इंट्रोडक्शन टू नैनो मेडिसिन्स: बेसिक कांसेप्ट एंड ऍप्लिकेशन्स (pp. 1-23). स्प्रिंगर

- टावकर, एन., और शर्मा, एम. (2022) , नैनोसेन्सर्स फॉर इंटेलीजेंट फ़ूड पैकेजिंग , इन नैनोसेन्सर्स फॉर स्मार्ट एग्रीकल्चर (pp. 737-756).

- कुशवाहा, ए., सिंह, जी. और शर्मा, एम. (2022), स्टेबिलिटी एंड फेट ऑफ़ नैनोपार्टिकल्स इन फूड्स . इन करंट ट्रेंड्स इन नैनोटेक्नोलाजी फॉर फ़ूड ऍप्लिकेशन्स, (pp. 1-20) . एप्पल एकडेमिक प्रेस .

लेखक के रूप में प्रकाशित पुस्तकें:

- अडाप्टेटिव फाईटोरेमेडिएशन प्रैक्टिसेज : रेसिलिएंस टू क्लाइमेट चेंज . एल्सेवियर .

अन्य प्रकाशन (पत्रिकाएँ, समाचार पत्र, वेब पोर्टल):

- शर्मा, पी. (2022) जैव विविधता: प्राकृतिक संतुलन की अहम वजह , पर्यावरण पर्सपेक्टिव .http://paryavaranperspective.com/wp-content/uploads/2022/02/PP-Feb.-2022-final.pdf

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी/वेबिनार/सम्मेलन/कार्यशाला आदि में शोधपत्र प्रस्तुति:

- कुमार उमेश, डायनामिक प्रोटीन नैनोपार्टिकल्स फॉर ड्रग डिलीवरी एंड एग्रीकल्चर ऍप्लिकेशन्स , अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ऑन मटेरियल साइंस एंड टेक्नोलॉजी (आई सी एम टी 2021) कोट्टयम ,केरल,भारत , महात्मा गाँधी विश्वविद्यालय ,कोट्टयम ,केरल

,भारत ग्डांस्क यूनिवर्सिटी ऑफ़ टेक्नोलॉजी पोलैंड एवं व्रोक्लॉव यूनिवर्सिटी ऑफ़ टेक्नोलॉजी ऑफ़ टेक्नोलॉजी ,पोलैंड, द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित , नवंबर 12 -14 ,2021 .

राष्ट्रीय/क्षेत्रीय स्तरीय संगोष्ठी/वेबिनार/सम्मेलन/कार्यशाला आदि में प्रस्तुत शोधपत्र:

- कुल्हारी हितेश, टार्गेटेड डेनड्रीमर्स एज पोटेंशियल नैनोस्ट्रक्चर्स फॉर ड्रग डिलीवरी , सप्त दिवसीय ई कार्यशाला रमैया इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी ,बेंगलुरु एवं भारतीय रसायन अभियंता संस्थान ,कोलकाता द्वारा आयोजित अक्टूबर 4-9, 2021.
- कुल्हारी हितेश, टार्गेटेड नैनो मेडिसिन्स एज एंटीकैंसर थेरेपी ,लघु अवधि पाठ्यक्रम , रीसेंट ट्रेंड्स इन प्योर एंड एप्लाइड साइंसेज , साबरमती विश्वविद्यालय ,अहमदाबाद द्वारा आयोजित, नवंबर 15-19, 2021.
- कुल्हारी हितेश,नैनो पार्टिकल्स मेडिएटेड डिलीवरी ऑफ़ एंटीकैंसर थेरपुटिक्स ,नैनो मैटेरियल्स पर राष्ट्रीय परिसंवाद , मेहसाणा अर्बन इंस्टिट्यूट ऑफ़ साइंसेज ,गणपत विश्वविद्यालय ,मेहसाणा ,दिसंबर 29, 2021
- कुल्हारी हितेश, डेवलप योर स्किल थ्रू नेक्स्ट जनरेशन फार्मूलेशन रिसर्च . स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम फॉर ट्राइबल स्टूडेंट्स इन नार्थ ईस्ट रीजन ऑफ़ इंडिया . एन आई पी इ आर , गुवाहाटी , दिसंबर 21-23, 2021 .
- कुमार उमेश , डायनामिक प्रोटीन नैनो पार्टिकल्स फॉर ड्रग डिलीवरी एंड एग्रीकल्चर ऍप्लिकेशन्स, आमंत्रित व्याख्यान , अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (ऑन - लाइन) मटेरिअल साइंस एंड टेक्नोलॉजी (आई.सी. एम . टी . 2021) , कोट्टायम,केरल , नवंबर 12-14 2021 .
- शर्मा मनु , डिजाइनिंग ऑफ़ CoWO4 नैनोस्ट्रक्चर्स बेस्ड इलेक्ट्रोकेमिकल सेंसर फॉर द डिटेक्शन ऑफ़ हजार्डिअस हाइड्रोक्विनोन ,अंतर्राष्ट्रीय परिसंवाद - मटेरियल्स ऑफ़ द मिलेनियम : इमर्जिंग ट्रेंड्स एंड फ्यूचर प्रॉस्पेक्टस (एम एम इ टी एफ पी-2021) , पंडित दीन दयाल पेट्रोलियम विश्वविद्यालय गांधीनगर एवं मैटेरियल्स रिसर्च सोसाइटी ऑफ़ इंडिया द्वारा आयोजित , नवंबर 19-21, 2021 .

प्रतिष्ठित संस्थानों में संगोष्ठी/सम्मेलन/वेबीनार आदि के अतिरिक्त अकादमिक प्रकृति के आयोजित व्याख्यान:

- दुबे चारु लता, इलेक्ट्रान माइक्रोस्कोपिक कैरेक्टराइजेशन ऑफ़ मैटेरियल्स , विशेषज्ञ वार्ता , पंडित दीन दयाल पेट्रोलियम विश्वविद्यालय गांधीनगर , जनवरी 29, 2022 .
- कुमार उमेश, प्रतिभागी , पेडागोगी एंड अस्सेसमेन्ट इन हायर एजुकेशन - द्वि-सप्ताह शिक्षक विकास कार्यक्रम (ऑन -लाइन) : राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ,शिक्षा विभाग सी यू पी बी , जनवरी 5-18, 2022.
- दूबे चारु लता , माइक्रोवेव केमिस्ट्री एंड इट्स ऍप्लिकेशन्स , डेवलप्ड एन ई - कंटेंट इन 4 - क्वाड्रंट्स ,विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रायोजित द्वितीय ऑन -लाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम -रसायन विज्ञान ,अगस्त 16-29, 2021.
- दुबे चारु लता, सत्र-अध्यक्षता , कंडेंस्ड मैटर एंड डिवाइस फिजिक्स 2021 ,अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी , पंडित दीनदयाल पेट्रोलियम विश्वविद्यालय ,गांधीनगर द्वारा आयोजित ,सितम्बर 9-11, 2021.
- कुमार उमेश, सत्र अध्यक्ष , मैटेरियल्स साइंस एवं टेक्नोलॉजी पर अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन सम्मेलन (आईसीएमटी 2021) 12 - 14 नवंबर 2021 कोट्टायम, केरल, भारत .
- शर्मा मनु, प्रतिभागी , इंडिया मिशन फॉर ग्रीन हाइड्रोजन एंड गो इलेक्ट्रिक पर भारत-अमेरिकी आभासी कार्यशाला, आईआईटी मंडी (भारत) एवम नॉर्थईस्टर्न यूनिवर्सिटी (यूएस), मार्च, 6-17, 2022 .
- शर्मा मनु, प्रतिभागी , सेंट्रल इंस्ट्रुमेंटेशन फैसिलिटी (सीआईएफ), प्राकृतिक विज्ञान, जामिया मिलिया इस्लामिया विश्विद्यालय , नई दिल्ली द्वारा बौद्धिक संपदा अधिकारों (विशेषकर पेटेंट पर) पर वर्चुअल सेमिनार 28 फरवरी, 2022,

- शर्मा मनु, प्रतिभागी , रोल ऑफ़ वीमेन फॉर ए सस्टेनेबल फ्यूचर विषय पर राष्ट्रीय विज्ञान दिवस कार्यक्रम, आंतरिक परिवाद समिति, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय, 28 फरवरी, 2022 .

प्रशिक्षण/अभिविन्यास/पुनश्चर्या कार्यक्रम में प्रतिभागिता:

- दुबे चारु लता, प्रतिभागी, द्वि -सप्ताह अवधि का रिसर्च मेथडोलॉजी शिक्षण विकास कार्यक्रम (ऑनलाइन) प्रशिक्षण कार्यक्रम अर्थशास्त्र एवं नियोजन केंद्र , सामजिक विज्ञान संस्थान , गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय, गांधीनगर, जून 7-18 2021,

संचालित शोध परियोजनाएँ :

- दुबे चारु लता (पीआई), डेवलपमेंट ऑफ़ रेडिएशन रेजिस्टेंट फाइबर रि इनफोर्स्ड टंगस्टन नैनोकम्पोजिट फॉर फ्यूचर फ्यूज़न रिएक्टर्स , विज्ञान एवं अनुसंधान परिषद् , विज्ञानं एवं प्रोद्यौगिकी विभाग, भारत सरकार, रुपये 46, 69167, 17 मार्च 2022-16 मार्च 2025
- कुल्हारी हितेश (पीआई), म्यूकोएडहेसिव डेंड्रिमर्स-बेस्ड प्रिजर्वेटिव-फ्री ऑप्थेल्मिक नैनोफॉर्मुलेशन ऑफ नेपाफेनाक, विज्ञान एवं अनुसंधान परिषद् ,विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी विभाग,भारत सरकार, 37 लाख, 23 मार्च 2019-19 जून 2022

शोध -छात्र निर्देशन

नाम	पाठ्यक्रम की प्रकृति - एम. फिल /पी.एच .डी .	पंजीकृत छात्र (सत्र 2021 -22 में पंजीकृत नवीन छात्र)
चारु लता दूबे	पी.एच् .डी .	0
हितेश कुल्हारी	पी.एच् .डी .	0
उमेश कुमार	पी.एच् .डी .	1
मनु शर्मा	पी.एच् .डी .	0

विश्वविद्यालय प्रशासन में समिति के सदस्यों के रूप में अथवा अतिरिक्त उत्तदायित्व के वहन हेतु संकाय सदस्यों की प्रतिभागिता:

चारु लता दूबे

- केंद्रीय इंस्ट्रूमेंटेशन सुविधा (सीआईएफ), गुजरात केंद्रीय विश्विद्यालय के डीएससी, पाउडर-एक्सआरडी के लिए संकाय प्रभारी,
- सदस्य- एक भारत - श्रेष्ठ भारत समिति, गुजरात केंद्रीय विश्विद्यालय
- सदस्य- काव्य - चौर्य समिति , नैनो विज्ञान संस्थान , गुजरात केंद्रीय विश्विद्यालय
- सदस्य- जेंडर चैम्पियनशिप गतिविधियों के लिए समिति के सदस्य, गुजरात केंद्रीय विश्विद्यालय
- स्वयं समन्वयक, नैनो विज्ञान विद्यालय, गुजरात केंद्रीय विश्विद्यालय

हितेश कुल्हारी

- क्रय अधिकारी, नैनो विज्ञान संस्थान, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
- सदस्य, उन्नत अध्ययन और अनुसंधान समिति, नैनो विज्ञान संस्थान
- सदस्य, वार्षिक प्रतिवेदन समिति, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय

- डीएलएस इंस्ट्रूमेंट के लिए इंस्ट्रुमेंट इंचार्ज
- क्रय अधिकारी, स्थानीय क्रय समिति, नैनो विज्ञान संस्थान , गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
- नोडल अधिकारी, पुरा - छात्र प्रकोष्ठ, नैनो विज्ञान संस्थान , गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय

उमेश कुमार

- एएफएम और फ्लोरेसेंस माइक्रोस्कोप के लिए उपकरण प्रभारी
- सदस्य - कोविड गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय परिसर को पुनः आरम्भ करने हेतु दिशानिर्देश प्रारूपण हेतु समिति
- क्रय अधिकारी, नैनो विज्ञान संस्थान
- सदस्य, उन्नत अध्ययन एवं अनुसंधान समिति, नैनो विज्ञान संस्थान
- सदस्य- गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय में लैंगिक चैंपियन गतिविधियों हेतु समिति
- सदस्य- नैनो विज्ञान संस्थान के संस्थान परिषद्
- सदस्य - नैनो विज्ञान संस्थान के लिए स्थानीय क्रय समिति।

मनु शर्मा

- सहायक परीक्षा नियंत्रक (ए-सीओई), गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय , गांधीनगर
- वार्डन, इन्फोसिटी महिला छात्रावास , गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय , गांधीनगर
- सदस्य- पीएच.डी. के लिए चयन समिति
- सदस्य- एनएसएस के सदस्य, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
- सदस्य- पत्रिका संपादन समिति के, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
- एसईएम, सीआईएफ, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के इंस्ट्रूमेंट इंचार्ज
- टीईएम, सीआई गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय उपकरण प्रभार
- उप नोडल अधिकारी, सीयूसीईटी प्रवेश परीक्षा, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
- प्रवेश समिति के सदस्य
- सदस्य - स्थानीय क्रय समिति , नैनो विज्ञान संस्थान , गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
- सदस्य- दिव्यांग छात्रों (पीडब्ल्यूडी) हेतु आंतरिक समिति

राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान

संस्थान का परिचय

राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान की स्थापना देश में सुरक्षा और रणनीतिक अध्ययन , अंतरराष्ट्रीय संबंधों के क्षेत्र में ज्ञान के सृजन और प्रसार को प्रोत्साहित करने के लिए की गई है। प्रारंभ में, यह सेंटर फॉर सिक्योरिटी स्टडीज था जिसे 2009 में राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान के अंतर्गत संस्थापक केंद्रों में से एक के रूप में स्थापित किया गया था। तत्पश्चात, मई 2018 में, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से अनुमोदन के साथ, राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान अस्तित्व में आया।

वर्तमान में, संस्थान के तीन केंद्र हैं; (ए) सुरक्षा अध्ययन केंद्र (सीएसएस); (बी) सामरिक प्रोद्यौगिकी अध्ययन केन्द्र -साइबर/स्पेस ; एवं (सी) समुद्री सुरक्षा अध्ययन केंद्र।

सुरक्षा अध्ययन केंद्र

वर्ष 2009 में आंतरिक सुरक्षा केंद्र के रूप में स्थापित, वर्ष 2012 में केंद्र का नाम परिवर्तित कर सुरक्षा अध्ययन केंद्र (सीएसएस) कर दिया गया। सुरक्षा अध्ययन केंद्र शैक्षणिक वर्ष 2018-19 से आरम्भ होने वाले सत्र से राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान के अंतर्गत कार्यशील है। केंद्र एक जटिल और परस्पर सम्बंधित विषयों को सम्मिलित करते हुए सुरक्षा की परिवर्तित होती धारणाओं की सैद्धांतिक, अनुभवजन्य एवं महत्वपूर्ण समझ प्रदान करने का प्रयास करता है। केंद्र का उद्देश्य मौजूदा ज्ञान का प्रसार करना एवं शिक्षण और अनुसंधान के माध्यम से सुरक्षा के मुद्दों से संबंधित नया ज्ञान उत्पन्न करना है। केंद्र का उद्देश्य नई पीढ़ी के विद्वानों और विश्लेषकों को सुरक्षा अध्ययन में प्रशिक्षित करना है एवम इसके साथ ही केंद्र सम्बन्धित विषय में रूचि के सृजन हेतु प्रयासरत है।

सामरिक प्रौद्योगिकी अध्ययन केंद्र

सामरिक प्रौद्योगिकी अध्ययन केंद्र 2018 में राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान (सीयूजी) के तहत स्थापित एक नया केंद्र है। केंद्र भारतीय विश्वविद्यालय प्रणाली में एक विशिष्ट स्थान रखता है, क्योंकि इसके द्वारा प्रथमतः छात्रों को शोध पाठ्यक्रमों के माध्यम से साइबर सुरक्षा सिद्धांत का अध्ययन सुलभ कराया जा रहा है। डेटा-संचालित विश्लेषण, साइबर विधि , एवं गोपनीयता, निगरानी एवम नवीन प्रौद्योगिकी की जानकारी प्रदान करना केन्द्र का एक अन्य महत्वपूर्ण उद्देश्य है। सामरिक प्रौद्योगिकियों से आशय उन प्रौद्योगिकियों से है जिनका राष्ट्रीय सुरक्षा पर प्रभाव पड़ता है। केंद्र रणनीति, तकनीकी परिवर्तन और विकास और देश की विदेशी और सैन्य रणनीति पर उनके प्रभाव के अभिज्ञान ध्यान केंद्रित करेगा।

समुद्री सुरक्षा केंद्र

समुद्री सुरक्षा केंद्र राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान के अंतर्गत स्थापित किए जाने वाले पहले दो केंद्रों में से एक है, जिसे वर्ष 2018 में स्थापित किया गया था। केंद्र का लक्ष्य नीति प्रासंगिक अनुसंधान को बढ़ावा देने, भारत में समुद्री सुरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में स्वयं को को स्थापित करना तथा सरकार, नीति व्यवसायियों, शिक्षाविदों और उद्योग के सहयोग से सुरक्षा तथा इससे सम्बंधित जोखिमों का विश्लेषण करना है। । केंद्र के मुख्य अनुसंधान क्षेत्रों में भारत की समुद्री सुरक्षा और रणनीति, समुद्री इतिहास, नीली अर्थव्यवस्था, तटीय योजना और प्रबंधन, समुद्री डकैती, समुद्र में अनियमित युद्ध, समुद्री व्यापार, समुद्री कानून और शासन, हिंद महासागर में सुरक्षा और शासन सम्मिलित हैं। विशाल विश्व के साथ गुजरात के ऐतिहासिक संबंधों के महत्व को देखते हुए, केंद्र का लक्ष्य गुजरात के तटीय और समुद्री सुरक्षा से संबंधित मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करना है।

विश्वविद्यालय का नेवल वॉर कॉलेज, गोवा के साथ एक समझौता ज्ञापन है एवम समुद्री अध्ययन के क्षेत्र में रत संस्थानों के साथ अकादमिक और अनुसंधान सहयोग की ऐसी अन्य संभावनाओं का पता लगाने का उद्देश्य धारण करता है। केंद्र शीघ्र ही भारतीय नौसेना, तटरक्षक बल और अन्य इच्छुक हितधारकों के अधिकारियों के लिए समुद्री सुरक्षा और प्रशिक्षण कार्यक्रमों में छह महीने का सर्टिफिकेट कोर्स शुरू करने की योजना बना रहा है जिसे भविष्य में मूर्त रूप प्रदान किया जायेगा। भविष्य में, यह केन्द्र इतिहास, अंतरराष्ट्रीय संबंधों और रणनीतिक अध्ययन से संबंधित अंतर-अनुशासनात्मक संकेन्द्रण के साथ पीएचडी कार्यक्रम भी आरम्भ करेगा।

सुरक्षा अध्ययन केंद्र

केंद्र स्तर पर कार्यरत शिक्षक

डॉ. संजय कुमार झा, प्रोफ़ेसर एवं अधिष्ठाता , राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान.

रूचि के क्षेत्र: राष्ट्रीय सुरक्षा, आंतरिक सुरक्षा, उग्रवाद, आतंकवाद, माओवाद, संघर्ष प्रबंधन और संकल्प, साइबरस्पेस और राष्ट्रीय सुरक्षा, दक्षिण एशिया में सुरक्षा और राजनीति, समुद्री एवं तटीय सुरक्षा

डॉ. अरूण विश्वनाथन, एसोसिएट प्रोफ़ेसर एवं अध्यक्ष सुरक्षा अध्ययन केंद्र

रूचि के क्षेत्र: परमाणु निरोध तथा रणनीति, चीनी और पाकिस्तानी परमाणु एवम मिसाइल क्षमताएं, परमाणु हथियारों एवम प्रौद्योगिकी का प्रसार, परमाणु निरस्त्रीकरण, भारत का रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र, उच्च रक्षा प्रबंधन

डॉ. किशोर जोस, सहायक प्रोफ़ेसर, सुरक्षा अध्ययन केंद्र

रूचि के क्षेत्र: गैर-पारंपरिक सुरक्षा चुनौतियां, ऊर्जा सुरक्षा, मध्य एशिया की राजनीति एवम समाज

डॉ. नोंगमैथेम मोहनदास सिंह, सहायक प्रोफ़ेसर सुरक्षा अध्ययन केंद्र

रूचि के क्षेत्र: राष्ट्रीय सुरक्षा एवं पूर्वोत्तर भारत, पारंपरिक एवं गैर-पारंपरिक सुरक्षा, भारत के पड़ोस में भू-राजनीति और सुरक्षा, एशिया प्रशांत क्षेत्र / भारत-प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा एवं रणनीतिक मुद्दे

डॉ. मानसी सिंह, सहायक प्रोफ़ेसर, सुरक्षा अध्ययन केंद्र

रूचि के क्षेत्र: बहुपक्षवाद एवं वैश्विक शासन, संघर्ष, सुरक्षा विकास, यूरोपीय संघ एक वैश्विक सक्रियक के रूप में, भारत की विदेश नीति

श्री टी. के. सिंह, सहायक प्रोफ़ेसर, सुरक्षा अध्ययन केंद्र

रूचि के क्षेत्र: साइबर सुरक्षा, आतंकवाद एवं आतंकवाद का प्रतिकार , आसूचना एवं प्रतिवाद, अल्प तीव्रता का संघर्ष, नागरिक सैन्य सहयोग

सामरिक प्रौद्योगिकी अध्ययन केंद्र

डॉ. श्रीश कुमार तिवारी, सहायक प्रोफ़ेसर

रूचि के क्षेत्र: साइबर विधि -सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 (2008) एवं अन्य संबंधित अधिनियम, गोपनीयता कानून, डेटा संरक्षण, सूचना सुरक्षा, ई-कॉमर्स, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT),क्रिप्टोकर्रेंसी,ई -गवर्नेंस, प्रबंध।

डॉ. सौरभ कुमार, सहायक प्रोफ़ेसर

प्रतिष्ठित / विशेषज्ञ समीक्षित / यूजीसी द्वारा अनुमोदित पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख और शोधपत्र

- तिवारी, श्रीश कुमार एवं तिवारी हिमांशु (2020) एथिकल चैलेंजेज इन ई - गवर्नेंस फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया, अध्ययन -स्कूल ऑफ़ मैनजमेंट साइंस 10(2). 75-80
- तिवारी, श्रीश कुमार, एवं अखिलेश आर पांडेय (2021)। रिमोट वर्किंग इज़ वर्कप्लेस ऑफ़ फ्यूचर, इंटरनेशनल रिसर्च एंड रिव्यूज जर्नल। 8(2).
- सिंह, टी.के. एवं ओइनम घनश्याम खुमानचा, इंडियास डोमेस्टिक साइबर सिक्योरिटी एंड साइबर क्राइम: ए केस स्टडी ऑफ़ सोशल मीडिया एंड डार्कनेट मैनेजमेंट बाय मणिपुर पुलिस , इलेक्ट्रॉनिक जर्नल, ऑफ़ सोशल एंड स्ट्रेटेजिक स्टडी ,2(II).193-210। https://doi.org/10.47362/EJSSS.2021.2210।
- सांद्रा, वी. एवम जोस, किशोर, इंडियाज सिक्योरिटी इम्पेरिएटिव्स एंड कोऑपरेशन इन द इंडियन ओसियन रीजन : नीड फॉर मल्टीलेटरल एप्रोच ,रिसर्च जर्नल ऑफ़ फिलॉसफी & सोशल साइंसेज , 47(2). 212-221.

- तिवारी श्रीश कुमार ,एवं शुक्ला आयुश ,डाटा प्रोटेक्शन एंड राइट टू प्राइवेसी ,अध्ययन जर्नल 11 (2)

सम्पादित संस्करणों में प्रकाशित शोधपत्र

- झा, संजय कुमार (2021), बी आर आई एंड नेपाल - चाइना रिलेशन्स,इन मनीष (ईडी) ,द बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव : इम्प्लीकेशन फॉर इंडिया , (पी पी। 123 -140) ,पेंटागन प्रेस
- विश्वनाथन, अरुण (2021), चाइना'स डिजिटल बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव: इमरजिंग कंसर्नस , (एड) , द बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव: इंप्लीकेशंस फॉर इंडिया (पीपी। 277 - 298 , पेंटागन प्रेस। द बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव: इंप्लीकेशंस फॉर इंडिया (पीपी। 123 - 140), पेंटागन प्रेस।
- विश्वनाथन, अरुण (2022) ,इंडियास हायर डिफेन्स आर्गेनाईजेशन : रीसेंट रिफॉर्म्स एंड द वे अहेड। इन अंशुमान बहरा एंड सीताकांत मिश्रा (एड) वैरियिंग डाइमेंशन्स ऑफ़ इंडियास नेशनल सिक्योरिटी : इमर्जिंग पर्सपेक्टिव्स , (पीपी 61 - 74 .) स्प्रिंगर
- तिवारी, श्रीश कुमार (2021) सनातन जीवन पद्दति की वर्तमान काल में प्रासंगिकता : कोरोना आपदा के विशेष सन्दर्भ में ,इन डॉ रश्मि पंत ,डॉ चंद्रावती जोशी ,डॉ ललिता जोशी (एड) , कोविड 19 : भारतीय परिप्रेक्ष्य में विविध आयाम , (पीपी 85 - 90 .) ,नित्या पब्लिकेशन्स ,
- तिवारी, श्रीश कुमार, एवं अखिलेश आर पांडेय (2022), आज़ादी का अमृत महोत्सव ,इन डॉ विवेक माहेश्वरी ,डॉ आलोक कुमार पांडेय एवं अमित कुमार तिवारी ,(एड) योग एवं विश्व शांति (पीपी 13-17). प्राच्य विद्या एवं जैन संस्कृति सरंक्षण संस्थान
- सिंह मानसी 2021 , मल्टीलेटेरिस्म इन ए चेंजिंग ग्लोबल आर्डर : प्रॉस्पेक्ट्स फॉर इंडिया -ई यू कोऑपरेशन ,इन पी। गैग ,टी लोविंगेर, एम पेटज़को ,ए जुर्न , यू एस बावा ,जी म्युलर ,ब्राण्डेक- बॉकेट , (एडस) ई यू -इंडिया रिलेशन्स : द स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप इन थे लाइट ऑफ़ द यूरोपियन यूनियन ग्लोबल स्टारटेगी ,स्प्रिंगर
- सिंह मानसी 2021 , इंडिया यूरोप एंड कनेक्टिविटी ; फ्रॉम शेयर्ड व्यूज ऑन बी आर आई तो म्यूच्यूअल कोऑपरेशन , इन राजेंद्र कुमार जैन (एड) , इंडिया ,यूरोप एंड एशिया : कन्वर्जेन्स एंड डायवेर्जेंस ,पलग्रैवे मैकमिलन

अन्य प्रकाशन (पत्रिकाएँ, समाचार पत्र, वेब पोर्टल)

- सिंह, मानसी, और जेना देवस्मिता। 2021, 4 अगस्त) ,टुवर्ड्स ए डीपर पार्टनरशिप, द टेलीग्राफ , https://www.telegraphindia.com/opinion/towards-a-deeper-partnership-india-eu-fair-trade-agreement/cid/1825132

राष्ट्रीय/क्षेत्रीय स्तर की संगोष्ठी/वेबिनार/सम्मेलन/कार्यशाला आदि में प्रस्तुत किए गए शोधपत्र

- सिंह, मानसी ," रिमेम्ब्रिंग सार्क इन पोस्ट - पेन्डमिक साउथ एशिया : टुवर्ड्स ए न्यू रेज़ोन डेट्र " रिकन्सट्रक्टिंग द रीजन इन साउथ एशिया पर गोवा विश्वविद्यालय एवं साउथ एशियन विश्वविद्यालय द्वारा सयुंक्त रूप से आयोजित वेबिनार , 12 -13 अगस्त 2021
- कुमार, सौरभ ,इंडिया- फ्रांस स्पेस कोऑपरेशन इन द 21 st सेंचुरी : फ्रॉम कोलैबोरेशन टू सिक्योरिटी डायलाग इन इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन " ग्लोबल डयनमिक्स एंड कंटेम्परारी चैलेंजेज : यूरोप एंड इंडिया, सेण्टर फॉर स्टडीज इन स्ट्रेटेजिक टेक्नोलॉजीज,स्कूल ऑफ़ नेशनल सिक्योरिटी स्टडीज , गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा सेंटर फॉर यूरोपियन स्टडीज, एसआईएस, जेएनयू इंडियन सेंटर फॉर कल्चरल डिप्लोमेसी और ऑर्गेनाइजेशन ऑफ डायस्पोरा इनिशिएटिव्स, नई दिल्ली के सहयोग से.
- सिंह , टी. के., नेशनल सिक्योरिटी एंड साइबर स्पेस ; इश्यूज एंड चैलेंजेज पर गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय एवं राष्ट्रीय रक्षा यूनिवर्सिटी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित द्वि - द्विवसीय राष्ट्रीय सम्मलेन में इंडियास साइबर सिक्योरिटी स्ट्रक्चर सत्र में (षष्ठम सत्र में.) सत्र-संचालक ,23 -24 नवंबर 2021

प्रतिष्ठित संस्थानों में संगोष्ठी/सम्मेलन/वेबीनार आदि के अतिरिक्त अकादमिक प्रकृति के आयोजित व्याख्यान

- झा, संजय कुमार, "आतंकवाद और राष्ट्रीय सुरक्षा" गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय में "आतंकवाद विरोधी दिवस के अवसर पर 21 मई 2021 व्याख्यान प्रस्तुति
- झा, संजय कुमार,"सार्वजनिक व्यवस्था और सुरक्षा" विषय पर ,सीआरपीएफ अकादमी, गुरुग्राम में सार्वजनिक व्यवस्था प्रबंधन में भविष्य की चुनौतियां पर ऑनलाइन कार्यशाला में 21 मई 2021 व्याख्यान प्रस्तुति
- झा, संजय कुमार, "सिस्टम एप्रोच टू लॉ एंड ऑर्डर, सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी ऑफ पुलिस: स्कोप एंड लिमिटेशन", विषय पर सीआरपीएफ अकादमी, माउंट आबू द्वारा आयोजित पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) के वरिष्ठ अधिकारियों को सीनियर लेवल इंटरनल सिक्योरिटी कोर्स में व्याख्यान प्रस्तुति , 22 अप्रैल 2021
- झा, संजय कुमार, "द कांसेप्ट ऑफ़ इंटरनल सिक्योरिटी " , , विषय पर सीआरपीएफ अकादमी, माउंट आबू द्वारा आयोजित पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) के वरिष्ठ अधिकारियों को सीनियर लेवल इंटरनल सिक्योरिटी कोर्स में व्याख्यान प्रस्तुति , 22 अप्रैल 202
- झा, संजय कुमार 4 पिलर्स ऑफ़ यू. एन. ग्लोबल काउंटर - टेररिज्म स्ट्रैटेजी विषय पर " काउंटर -टेररिज्म " पर सेण्टर फॉर काउंटर-इंसर्जेन्सी एंड काउंटर- टेररिज्म , स्कूल ऑफ़ इंटरनल सिक्योरिटी एंड पुलिस एडमिनिस्ट्रेशन राष्ट्रीय रक्षा यूनिवर्सिटी ,लवाद ,दहेगाम ,गांधीनगर द्वारा आयोजित एक दिवसीय वेबिनार में व्याख्यान प्रस्तुत किया ,17 अगस्त ,2021 .
- झा, संजय कुमार, "संघर्ष और हिंसा के अध्ययन में पद्धतिगत चुनौतिया" विषय पर 16 सितंबर 2021 को राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय, गांधीनगर द्वारा आयोजित रिसर्च मेथोडोलॉजी & रिसर्च राइटिंग पर आयोजित ऑनलाइन शिक्षक विकास कार्यक्रम में व्याख्यान दिया, 16 ,सितम्बर,2021
- झा, संजय कुमार, " इंटरनेशनल टेररिज्म एंड ग्लोबल सिक्योरिटी " विषय पर यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा ग्लोबल स्टडीज पर आयोजित 8 वें पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, इंटरनेशनल रिलेशन्स एंड वर्ल्ड पॉलिटिक्स , (ऑन -लाइन) में व्याख्यान प्रस्तुति ,26 नवंबर,2021 , अपरान्ह 02.00 बजे से 03.30 बजे तक.
- सिंह, मानसी, "वैश्वीकरण और वैश्विक आर्थिक शासन", विषय पर एमिटी यूनिवर्सिटी नोएडा में व्याखयान प्रस्तुति, 22 अक्टूबर 2021
- विश्वनाथन, अरुण, "इंटेलिजेंस एंड नेशनल सिक्योरिटी: द इंडियन केस", विषय पर स्कूल ऑफ मिलिट्री अफेयर्स, स्ट्रैटेजी एंड लॉजिस्टिक्स, राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय, गांधीनगर में ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुति , 19 मई 2021.
- विश्वनाथन, अरुण,यू.एस. डिपार्चर फ्रॉम अफगानिस्तान : इम्प्लिकेशन्स एंड रोड अहेड विषय पर रक्षा और सामरिक अध्ययन विभाग, केबीसी उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय जलगांव, महाराष्ट्र द्वारा पोस्ट यूएस ट्रूप विदड्रॉअल विषय पर आयोजित एक सप्ताह ऑनलाइन राष्ट्रीय संगोष्ठी,व्याख्यान प्रस्तुति, 30 अक्टूबर 2021.
- विश्वनाथन, अरुण, "वैश्विक और भारतीय खुफिया एजेंसियों का परिचय" विषय पर जय हिंद कॉलेज, मुंबई में (स्नातक छात्रों हेतु) आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुति (ऑनलाइन) 21 सितंबर 2021
- विश्वनाथन, अरुण, शोध नैतिकता और प्रकाशन पर पाठ्यक्रम गुजरात नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी (GNLU) द्वारा आयोजित शोध-प्रविधि (शोध छात्रों हेतु) व्याख्यान श्रृंखला में व्याख्यान (3 व्याख्यान) प्रस्तुति 10 दिसंबर 2021.
- विश्वनाथन, अरुण, " कॉसेज ऑफ़ वॉर " विषय पर मुंबई विश्वविद्यालय में व्याख्यान प्रस्तुति (ऑन - लाइन) 17 दिसंबर, 2021
- विश्वनाथन, अरुण, " डिजिटल मीडिया एंड रिसर्च " विषय पर पारुल विश्वविद्यालय वडोदरा द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेन में व्याख्यान प्रस्तुति (ऑन - लाइन) 21 दिसंबर ,2021 .

- विश्वनाथन, अरुण, " मूविंग फ्रॉम रेटरिक टू एक्शन ऑन प्रेवेंटिंग न्यूक्लिअर वॉर " विषय पर यूएस नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस स्टडीज, बैंगलोर द्वारा थ्रेट्स ऑफ़ 21स्ट सेंचुरी विषय पर व्याख्यान प्रस्तुति ,11 मार्च, 2022 .
- विश्वनाथन, अरुण, "विदेश नीति और सुरक्षा अध्ययन के महत्वपूर्ण सिद्धांत" विषय पर राजनीति और लोक प्रशासन विभाग, मद्रास विश्वविद्यालय, में व्याख्यान प्रस्तुति , 25 मार्च 2022 .
- तिवारी, श्रीश कुमार, " सेक्सुअल हैरेसमेंट ऑफ़ वोमेन ऑन वर्कप्लेस विषय पर आंतरिक शिकायत समिति, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित गोलमेज सम्मेलन" में विचार प्रस्तुति , 9 दिसंबर 2021 .

अकादमिक गतिविधियों जैसे संगोष्ठी/सम्मेलन में शोधपत्र प्रस्तुति आदि के अतिरिक्त सत्रीय अध्यक्षता, संगोष्ठी आयोजक, आदि के रूप में प्रतिभागिता

- झा, संजय कुमार, "राष्ट्रीय सुरक्षा और साइबर स्पेस: मुद्दे और चुनौतियां" विषय पर राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय एवं गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा "साइबरस्पेस और राष्ट्रीय सुरक्षा की अवधारणात्मक समझ" विषय पर संयुक्त रूप से आयोजित द्वि - ्दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता , 23 नवंबर 2021.
- झा, संजय कुमार, "कॉन्सेप्चुअल अंडरस्टैंडिंग ऑफ़ नेशनल सिक्योरिटी :" विषय पर, राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय एवं गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता , 24 नवंबर 2021.
- झा, संजय कुमार, आयोजक , गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा इनफार्मेशन सिक्योरिटी : इश्यूज एंड चैलेंजेज विषय पर आयोजित विशिष्ट व्याख्यान डॉ. मुक्तेश चंदर, 2 दिसंबर 2021
- विश्वनाथन, अरुण, सत्र अध्यक्षता , राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय एवं गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा "नेशनल सिक्योरिटी एंड साइबर स्पेस : इश्यूज एंड चैलेंजेज विषय पर संयुक्त रूप से आयोजित द्वी-दिवसीय राष्ट्रीय सम्मलेन के "इमर्जिंग ट्रेंड्स ,गवर्नमेंट रिस्पांस एंड फ्यूचर पाथवेस "सत्र ,23 नवंबर, 2021
- सिंह, मानसी,सत्र-सभापति , एनुअल मेरीटाइम हिस्ट्री कॉन्क्लेव (ऑन -लाइन) 27 ,नवंबर 2021 .
- सिंह, टी.के. संयोजक , राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय एवं गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा "नेशनल सिक्योरिटी एंड साइबर स्पेस : इश्यूज एंड चैलेंजेज विषय पर संयुक्त रूप से आयोजित द्वी-दिवसीय राष्ट्रीय सम्मलेन , 23- 24 नवंबर, 2021
- सिंह, टी.के. , राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय एवं गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा "नेशनल सिक्योरिटी एंड साइबर स्पेस : इश्यूज एंड चैलेंजेज विषय पर संयुक्त रूप से आयोजित द्वी-दिवसीय राष्ट्रीय सम्मलेन के ,"साइबर गवर्नेंस ,लॉ एंड वारफेयर ,सत्र - अध्यक्ष , 23- 24 नवंबर, 2021
- तिवारी, श्रीश कुमार, अध्यक्ष , राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय एवं गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा "नेशनल सिक्योरिटी एंड साइबर स्पेस : इश्यूज एंड चैलेंजेज विषय पर संयुक्त रूप से आयोजित द्वी-दिवसीय राष्ट्रीय सम्मलेन के, इमर्जिंग इश्यूज एंड चैलेंजेज इन साइबर डोमेन एंड इम्प्लिकेशन्स फॉर नेशनल सिक्योरिटी सत्र ,23 नवंबर, 2021
- तिवारी, श्रीश कुमार, संयोजक, सेण्टर फॉर स्टडीज इन स्ट्रेटेजिक टेक्नोलॉजीज , राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान,गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा साइबर जागरूकता पर आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार आयोजक, 29 अक्टूबर 2021
- कुमार, सौरभ, संयोजक , सेण्टर फॉर स्टडीज इन स्ट्रेटेजिक टेक्नोलॉजीज , राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान,गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा साइबर जागरूकता पर आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार आयोजक, 29 अक्टूबर 2021 .
- तिवारी, श्रीश कुमार, संचालक , राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान ,गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा ,रेलेवंस ऑफ़ ड्रोन

टेक्नोलॉजी इन स्ट्रेंगथनिंग इंडियास नेशनल सिक्योरिटी इकोसिस्टम: मार्किट ट्रेंड्स इनोवेशन & पालिसी डेवलपमेंट्स विषय पर आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार -मुख्या वक्त-श्री राजन लूथरा - प्रमुख-विशेष प्रोजेक्ट्स -रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड. , 20 जनवरी , 2022 .

- सिंह, एन. मोहनदास, प्रतिभाग, राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान ,गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा ,रेलेवंस ऑफ़ ड्रोन टेक्नोलॉजी इन स्ट्रेंगथनिंग इंडियास नेशनल सिक्योरिटी इकोसिस्टम: मार्किट ट्रेंड्स इनोवेशन & पालिसी डेवलपमेंट्स विषय पर आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार -मुख्या वक्त-श्री राजन लूथरा - प्रमुख-विशेष प्रोजेक्ट्स -रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड. , 20 जनवरी , 2022 .
- कुमार, सौरभ, प्रतिभाग, राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान ,गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा ,रेलेवंस ऑफ़ ड्रोन टेक्नोलॉजी इन स्ट्रेंगथनिंग इंडियास नेशनल सिक्योरिटी इकोसिस्टम: मार्किट ट्रेंड्स इनोवेशन & पालिसी डेवलपमेंट्स विषय पर आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार -मुख्या वक्त-श्री राजन लूथरा - प्रमुख-विशेष प्रोजेक्ट्स -रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड. , 20 जनवरी , 2022 .

शिक्षण/अभिविन्यास/पुनश्चर्या कार्यक्रम में प्रतिभागिता

- तिवारी, श्रीश कुमार, प्रतिभाग , मौलाना अबुल कलाम आजाद प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम "साइबर सुरक्षा" (ऑन-लाइन) 14-19 जून, 2021 (6 दिन)
- तिवारी, श्रीश कुमार, प्रतिभाग , हिन्दू एजुकेशन बोर्ड एवं गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय ,ग्रेटर नोएडा द्वारा संयुक्त रूप से द्वारा आयोजित हिन्दू एजुकेशन पर अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम 18-21 अक्टूबर , 2021 (3 दिन)
- सिंह, एन. मोहनदास,प्रतिभाग , शिक्षा मंत्रालय, उच्च शिक्षा विभाग, भारत सरकार द्वारा आयोजित जीईएम प्रशिक्षण कार्यक्रम, 20 जनवरी 2022
- सिंह, एन. मोहनदास , प्रतिभाग , सामाजिक विज्ञान संस्थान ,गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय, गांधीनगर द्वारा आयोजित फैकल्टी डेवलपमेंट के लिए दो सप्ताह का रिसर्च मेथडोलॉजी ट्रेनिंग प्रोग्राम, 7 - 18 जून 2021 ((ऑनलाइन)

शोध - छात्र निर्देशित :

नाम	पाठ्यक्रम की प्रकृति एम.फिल / पी एच.डी.	पंजीकृत छात्रों की संख्या केवल नवीन पंजीकृत छात्र 2021-22)
झा ,संजय कुमार	एकीकृत एम.फिल- पी एच डी	04
	प्रत्यक्ष एम.फिल	03
	प्रत्यक्ष पी एच.डी	04
विश्वनाथन , अरुण	एकीकृत एम.फिल- पी एच डी	01
	प्रत्यक्ष एम.फिल	01
	प्रत्यक्ष पी एच.डी	04
जोस, किशोर	एकीकृत एम.फिल- पी एच डी	2
	प्रत्यक्ष एम.फिल	1
	प्रत्यक्ष पी एच.डी	01
सिंह , मोहनदास एन .	एकीकृत एम.फिल- पी एच डी	1
	प्रत्यक्ष एम.फिल	2
	प्रत्यक्ष पी एच.डी	01

नाम	पाठ्यक्रम की प्रकृति एम.फिल / पी एच.डी.	पंजीकृत छात्रों की संख्या केवल नवीन पंजीकृत छात्र 2021-22)
सिंह,मानसी	एकीकृत एम.फिल- पी एच डी	2
	प्रत्यक्ष एम.फिल	03
	प्रत्यक्ष पी एच.डी	01
सिंह,टी.के	एकीकृत एम.फिल- पी एच डी	-
	प्रत्यक्ष एम.फिल	-
	प्रत्यक्ष पी एच.डी	-
	निर्देशित एम.ए. लघुशोध	-
तिवारी ,श्रीश कुमार	प्रत्यक्ष पी एच.डी	01
कुमार ,सौरभ	प्रत्यक्ष पी एच.डी.	02

विश्वविद्यालय प्रशासन में समिति के सदस्यों के रूप में अथवा अतिरिक्त उत्तरदायित्व के वहन हेतु संकाय सदस्यों की प्रतिभागिता

प्रो. संजय कुमार झा

- प्रोफ़ेसर , सुरक्षा अध्ययन केंद्र
- अधिष्ठाता , राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान
- सचिव, वित्त समिति, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
- अध्यक्ष, विभागीय शैक्षणिक सत्यनिष्ठा पैनल, राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान
- अध्यक्ष, परिसर विकास समिति, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
- अध्यक्ष, विश्वविद्यालय संविधि एवं अध्यादेश समिति, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
- अध्यक्ष, प्रापण प्रक्रिया समिति, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
- अध्यक्ष, मानव संसाधन समिति, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
- अध्यक्ष, चिकित्सा प्रतिपूर्ति नीति समिति, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
- अध्यक्ष, उन्नत अध्ययन एवं अनुसंधान समिति, राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन स्कूल
- अध्यक्ष, विश्वविद्यालय स्तरीय क्रय समिति, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
- अध्यक्ष, अध्ययन परिषद् , सेण्टर फॉर स्टडीज इन स्ट्रेटेजिक टेक्नोलॉजीज - साइबर /स्पेस ,राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान
- सदस्य, अकादमिक परिषद, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
- सदस्य , विश्वविद्यालय भवन समिति, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
- सदस्य, विश्वविद्यालय राजसभा , गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
- सदस्य , प्रवेश समिति, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय

- सदस्य , आंतरिक गुणवत्ता निर्धारण प्रकोष्ठ , गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
- सदस्य, विश्वविद्यालय सेक्टर-29 परिसर में प्रस्तुत किये जारहे पाठ्यक्रम के लिए सर्वनिष्ठ शैक्षणिक समय-सारणी निर्मिति हेतु समिति
- सदस्य, पुस्तकालय परामर्शदात्री समिति ,गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
- सदस्य, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) प्रकोष्ठ, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
- सदस्य, राष्ट्रीय शिक्षा नीति कार्यान्वयन - कार्यबल समिति (एनईपी) 2020, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
- मानद अभ्यागत संकाय सदस्य , नेवल वॉर कॉलेज गोवा
- सदस्य, संकाय परिषद् , कला संकाय, एमएस विश्वविद्यालय, वड़ोदरा
- सदस्य अध्ययन परिषद् ,दक्षिण एवं मध्य एशिया अध्ययन विभाग, डिपार्टमेंट ऑफ साउथ एंड सेंट्रल एशियन स्टडीज, अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान , पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय
- सदस्य, में स्नातक कार्यक्रम के लिए सलाहकार समिति- सैन्य अध्ययन, एमएस विश्वविद्यालय वड़ोदरा
- सदस्य, पी. एचडी अध्ययन संकाय, राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय
- सदस्य अध्ययन परिषद् ,राजनीति विज्ञान विभाग , एमएस विश्वविद्यालय, वड़ोदरा
- सदस्य, अध्ययन परिषद् , पुलिस प्रशासन एवं सामरिक प्रबंधन विभाग, राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय
- सदस्य, अध्ययन परिषद् , उदार अध्ययन संस्थान , पंडित दीनदयाल पेट्रोलियम विश्वविद्यालय, गांधीनगर
- सदस्य, संकाय परिषद् , राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय

डॉ. अरुण विश्वनाथन

- अध्यक्ष, सुरक्षा अध्ययन केंद्र
- सदस्य, तदर्थ अध्ययन परिषद् सेंटर फॉर मैरीटाइम सिक्योरिटी स्टडीज, राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान,
- सदस्य, अध्ययन परिषद्, सामरिक प्रौद्योगिकी अध्ययन केंद्र (साइबर/अंतरिक्ष सुरक्षा), राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
- सदस्य, अकादमिक परिषद, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
- सदस्य, कार्यकारी परिषद, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
- सदस्य, संस्थान अध्ययन परिषद् , अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान
- अध्यक्ष, केंद्र अध्ययन परिषद् , सुरक्षा अध्ययन केंद्र
- सदस्य, सीएएसआर, राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान
- सदस्य, सीएएसआर, अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान
- सदस्य, विश्वविद्यालय राजसभा , गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
- नोडल अधिकारी, सीयू पोर्टल, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय

- सदस्य, पुस्तकालय परामर्शदात्री समिति
- सदस्य, सामान्य वस्तुओं के लिए स्थानीय क्रय समिति
- साक्षात्कार पैनल, पीएच.डी. अंग्रेजी में, अंग्रेजी अध्ययन केंद्र, एसएलएल और सीएस, सीयूजी, प्रवेश 2021-22
- साक्षात्कार पैनल, पीएच.डी. सामरिक प्रौद्योगिकियों और राष्ट्रीय सुरक्षा में, सीएसएसटी, एसएनएसएस, सीयूजी, प्रवेश 2021-22
- सदस्य, अध्ययन परिषद्, सामरिक सुरक्षा अध्ययन विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय।
- मानद फेलो, मध्य पूर्व संस्थान, नई दिल्ली
- मानद सहयोजन संकाय, राष्ट्रीय उन्नत अध्ययन संस्थान, बंगलुरु

डॉ. किशोर जोस

- सदस्य, सीएएसआर, राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान
- सदस्य, अध्ययन परिषद् , राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान
- सदस्य, अध्ययन परिषद् , सुरक्षा अध्ययन केंद्र
- सदस्य, स्थानन प्रकोष्ठ
- साक्षात्कार पैनल, पीएच.डी. सामरिक प्रौद्योगिकियों एवं राष्ट्रीय सुरक्षा में, सीएसएसटी, एसएनएसएस, सीयूजी, प्रवेश 2021-22

डॉ. मानसी सिंह

- समन्वयक, समुद्री सुरक्षा अध्ययन केंद्र, एसएनएसएस
- सदस्य, सीएएसआर, राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान
- सदस्य, तदर्थ बोर्ड ऑफ स्टडीज, समुद्री सुरक्षा अध्ययन केंद्र, राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान
- सदस्य, अकादमिक परिषद, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
- सदस्य, अध्ययन परिषद् सुरक्षा अध्ययन केंद्र
- सदस्य, अध्ययन परिषद्, अंतर्राष्ट्रीय राजनीति केंद्र
- सदस्य, अध्ययन परिषद्,
- सदस्य, अध्ययन परिषद्, हिंदी अध्ययन केंद्र
- सदस्य, छात्र-शिक्षक संपर्क प्रकोष्ठ
- सदस्य, छात्र शिकायत निवारण प्रकोष्ठ
- साक्षात्कार पैनल, पीएच.डी. सामरिक प्रौद्योगिकियों और राष्ट्रीय सुरक्षा में, सीएसएसटी, एसएनएसएस, सीयूजी, प्रवेश 2021-22

डॉ. एन. मोहनदास सिंह

- सदस्य, सीएएसआर, राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान
- सदस्य, केंद्र अध्ययन बोर्ड, सीएसएस
- क्रय अधिकारी, राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान

- स्वयं (पोर्टल) नोडल अधिकारी, राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान
- समन्वयक, एमए रक्षा और सामरिक अध्ययन, सुरक्षा अध्ययन केंद्र, राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान

श्री टी.के. सिंह

- सदस्य, केंद्र अध्ययन परिषद् , सुरक्षा अध्ययन केंद्र।
- कार्यकारी परिषद् सदस्य, साउथ एशियन सोसाइटी ऑफ क्रिमिनोलॉजी एंड विक्टिमोलॉजी, प्रधान कार्यालय: तिरुनेलवेली, तमिलनाडु; एवं शाखा कार्यालय: अहमदाबाद, गुजरात, भारत।

डॉ . श्रीश कुमार तिवारी

- समन्वयक सीएसएसटी-राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान
- सदस्य, सामरिक प्रौद्योगिकी केंद्र (साइबर/अंतरिक्ष) के अध्ययन परिषद्
- सदस्य, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय क्रीड़ा परामर्शदात्री समिति
- सदस्य, गृह मंत्रालय निर्देश कार्यान्वयन प्रतिवेदन निर्माण समिति
- सदस्य, पुस्तकालय परामर्शदात्री समिति
- सदस्य, राजभाषा कार्यान्वयन समिति
- सदस्य परिसंपत्ति आंकड़ा मिलान समिति
- उन्नत अध्ययन एवं अनुसंधान समिति के सदस्य (सीएएसआर)
- सदस्य , स्थानीय क्रय समिति , गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय.
- सदस्य , भोजनालय समिति , गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय.
- सदस्य , गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय समाचार समिति
- सदस्य , गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय वार्षिक प्रतिवेदन विरचन समिति।

डॉ. सौरभ कुमार

- अंग्रेजी भाषा के लिए सहायक जनसंपर्क अधिकारी
- सदस्य, केंद्र अध्ययन परिषद् , अंतर्राष्ट्रीय राजनीति केंद्र ,अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान,
- साक्षात्कार पैनल, पीएच.डी. सामरिक प्रौद्योगिकियों और राष्ट्रीय सुरक्षा में, सीएसएसटी, एसएनएसएस, सीयूजी, प्रवेश 2021-22
- साक्षात्कार पैनल, पीएच.डी. सामाजिक प्रबंधन में, सीएसएसएम, एसएसएस, सीयूजी, प्रवेश 2021-22

सामाजिक विज्ञान संस्थान

संस्थान का परिचय

गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना के तुरंत बाद 2009-10 में स्थापित, सामाजिक विज्ञान संस्थान, सीयूजी में अध्ययन के सबसे बड़े और गतिशील संस्थानों में से एक है। यह संस्थान सामाजिक विज्ञान शिक्षा के विविध क्षेत्रों में शिक्षण, अधिगम और अनुसंधान में सबसे आगे रहने के लिए पूरी तरह समर्पित है। समकालीन क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों को आकार देने वाले सामाजिक, मनोवैज्ञानिक और सांस्कृतिक कारकों की गहरी समझ विकसित करने और उनसे जुड़ी समस्याओं का समाधान प्रस्तुत करने के लिए यह संस्थान निरंतर अंतरअनुशासनिक विषयों के मध्य संबंध स्थापित करता है। यह अपने सैद्धांतिक और पद्धतिगत दृष्टिकोण तथा अनुभवजन्य अनुसंधान की योग्यता के आधार पर विशेष मान्यता प्राप्त करता है। विविधतापूर्ण, डिजिटल और वैश्वीकृत समाज के सामाजिक-सांस्कृतिक, राजनीतिक, आर्थिक और पर्यावरणीय आयामों को तथा मानव व्यवहार की बढ़ती जटिलता को समझने के लिए संस्थान सामाजिक विज्ञान में प्रभावी नवीन पद्धतियों और मॉडलों के विकास एवं उनके उपयोग के माध्यम से उत्कृष्टता की अपनी परंपरा को बनाए रखने का सतत प्रयास करता है। . संस्थान में पांच स्वतंत्र केंद्र शामिल हैं जो सामाजिक प्रबंधन और सामाजिक कार्य, समाज एवं विकास, अर्थशास्त्र और योजना, गांधीवादी विचार एवं शांति अध्ययन तथा नवाचार नीतियों सहित विज्ञान और प्रौद्योगिकी से संबंधित क्षेत्रों को समाहित करते हैं। शैक्षणिक वर्ष 2021-22 में, सामाजिक विज्ञान संस्थान ने एक एकीकृत स्नात्कोत्तर प्रोग्राम, चार एम.ए एवं प्रत्येक कार्यक्रम में पीएच.डी. का प्रस्ताव दिया और आयोजन किया है। वर्ष 2022 में संस्थान सीयूजी शिक्षकों और छात्रों की कुल संख्या का क्रमशः 21 और 25 प्रतिशत हिस्सेदारी रखता था।

अर्थशास्त्र और योजना अध्ययन केंद्र

केंद्र का परिचय

केंद्र का मुख्य उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना और अर्थशास्त्र और नीति-निर्माण के क्षेत्र में सामाजिक रूप से प्रासंगिक अनुसंधान को बढ़ावा देना है। अर्थशास्त्र के विभिन्न क्षेत्रों में सैद्धांतिक ज्ञान के आधार के निर्माण के अलावा यह केंद्र स्थानीय, राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर उभरते सामाजिक-आर्थिक मुद्दों को संबोधित करने के लिए विश्लेषणात्मक सोच और अनुभवजन्य अनुसंधान कौशल को बढ़ावा देने का प्रयास करता है। अर्थशास्त्र के विभिन्न क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान के माध्यम से, इस केंद्र का उद्देश्य नीति अनुसंधान में योगदान करना तथा समावेशी और सतत विकास को सुविधाजनक बनाना है।

छात्रों को सैद्धांतिक, विश्लेषणात्मक और अनुभवजन्य ज्ञान की बेहतर ढंग से प्राप्ति हो इसे लक्ष्य में रखते हुए केंद्र के पाठ्यक्रम को नये ढंग से डिज़ाइन किया गया है, इसके अंतर्गत व्यक्तियों, घरों, प्रतिष्ठानों और अर्थव्यवस्थाओं जैसे आर्थिक कारकों के व्यवहार को बेहतर ढंग से समझने और उनके विश्लेषण पर बल दिया गया है और इन्हें देश के सामान्य कल्याण से जोड़ा गया है। अर्थशास्त्र और योजना अध्ययन केंद्र, क्षेत्रीय आर्थिक विकास और मानव विकास, शिक्षा का अर्थशास्त्र, अनौपचारिक क्षेत्र, रोजगार और मजदूरी, सार्वजनिक वित्त और नीति, स्वास्थ्य, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और उद्योग अध्ययन के क्षेत्रों पर व्यापक रूप से अपना ध्यान केंद्रित करता है।

संस्थान के संकाय सदस्य

प्रो. जय प्रकाश प्रधान (सामाजिक विज्ञान संस्थान के प्रोफेसर और डीन, और सीएसईपी के अध्यक्ष)
रुचि के क्षेत्र: सामाजिक अर्थशास्त्र, क्षेत्रीय विकास, उद्योग अध्ययन, भारतीय बहुराष्ट्रीय कंपनियां।

प्रो. सरिता अग्रवाल, प्रोफेसर
रुचि के क्षेत्र: शिक्षा का अर्थशास्त्र, लिंग और श्रम

डॉ. क्षमानिधि अदबर , एसोसिएट प्रोफेसर
रुचि के क्षेत्र: आर्थिक विकास और अभिसरण, क्षेत्रीय असमानताएं और विकास, इकोनोमेट्रीक्स, मैक्रोइकॉनॉमिक्स

डॉ. तूलिका त्रिपाठी, सहायक प्रोफेसर
क्षमानिधि के क्षेत्र: विकास अर्थशास्त्र, स्वास्थ्य अर्थशास्त्र, महिला अधिकारिता और श्रम अर्थशास्त्र।

डॉ. सरला दसारी , सहायक प्रोफेसर
रुचि के क्षेत्र : सार्वजनिक अर्थशास्त्र और शिक्षा का अर्थशास्त्र

प्रतिष्ठित / विशेषज्ञ समीक्षित / यूजीसी द्वारा अनुमोदित पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख और शोधपत्र

- अग्रवाल सरिता (2022), 'एग्रेरियन क्राइसिस एंड इंडस्ट्रियलाइजेशन इन रूरल इंडिया: द केस ऑफ नॉन-फार्म सेक्टर', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च एंड थॉट, वॉल्यूम 10, अंक 3 मार्च, 2022
- प्रधान, जय प्रकाश प्रधान (2021), 'एम्पिरिकल ड्राइवर्स ऑफ़ SME फार्मेशन इन इंडियन स्टेट्स ', उड़ीसा इकनोमिक जर्नल, 53(1), पीपी 85-124।
- त्रिपाठी, टी., और मिश्रा, एन.के. (2021)। प्रिकैरियस सेल्फ -एम्प्लॉयमेंट इन इंडिया : अ केस ऑफ़ होम -बेस्ड ओन अकाउंट इंटरप्राइजेज , जर्नल ऑफ़ लबोर एंड सोसाइटी, 24(1), 133-162। doi : https://doi.org/10.1163/24714607-20212005
- हलदर , एस., और त्रिपाठी, टी. (2022)। व्हाट बेसेट्स एन्त्रेप्रेंयूर्स इन रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर?–इनसाइट्स फ्रॉम the इंडियन स्टेट ऑफ़ गुजरात. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एनर्जी सेक्टर मैनेजमेंट.
- सरला, डी., और संतोष जी. (2021). टू अस्सेस द इम्पैक्ट ऑफ़ गवर्नमेंट पब्लिक हेल्थ सर्विसेज इन गुजरात : अ केस स्टडी ऑफ़ डांग डिस्ट्रिक्ट . इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ रिसर्च एंड एनालिटिकल रिव्यूज (IJRAR), 8(4), 700-708. www.ijrar.org
- चोफेल, एस. और सरला, डी। (2021)। पब्लिक एक्सपेंडिचर ऑन एलीमेंट्री एजुकेशन इन द नार्थईस्ट रीजन ऑफ़ इंडिया . टुवर्ड्स एक्सीलेंस जर्नल , 13(4) 424-437. DoI: 10.37867/TE130439 https://hrdc.gujaratuniversity.ac.in/Ejournal)।

संपादित संस्करणों में प्रकाशित शोधपत्र

- अग्रवाल सरिता, वीमेन इन अनपेड वर्क इन इंडिया : ऐन एनालिसिस इन वीमेन इन हाउसहोल्ड इकॉनमी एडिटेड अर्चना सिन्हा द्वारा संपादित, भारतीय सामाजिक संस्थान, नई दिल्ली, 2021
- बेहरा मुरारी और अग्रवाल सरिता, अंडरस्टैंडिंग द रूरल अगररियन डिस्ट्रेस : ऐन एनालिसिस विद स्पेशल रिफरेन्स टू ओडिशा इन पैन्डेमिक एंड फाइनेंसियल रिस्क मैनेजमेंट , नीलम पांचाल द्वारा संपादित, पृष्ठ 181-196, बुकेंड्स पब्लिशिंग द्वारा प्रकाशित, नई दिल्ली, 2021

लेखक के रूप में प्रकाशित पुस्तकें

- सरला, डी. (2021)। पब्लिक एक्सपेंडिचर एंड इट्स इम्पैक्ट्स ऑन प्राइमरी एजुकेशन. अर्जुन पब्लिकेशन हाउस, नई दिल्ली

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी/वेबिनार/सम्मेलन/कार्यशाला आदि में शोधपत्र प्रस्तुति

- बेहरा मुरारी और अग्रवाल सरिता, 28 जनवरी 2022 को बीके स्कूल ऑफ प्रोफेशनल एंड मैनेजमेंट स्टडीज द्वारा आयोजित 7वें अंतर्राष्ट्रीय युवा संगोष्ठी में " एक्सामिनिंग द इमर्जिंग नेचर एंड ट्रेंड्स ऑफ़ एग्रीकल्चर इन द स्टेट ऑफ़ ओडिशा : ऐन इन्टर -रीजनल एनालिसिस इन ओडिशा " शीर्षक से प्रस्तुत किया गया।, गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद।

प्रतिष्ठित संस्थानों में संगोष्ठी/सम्मेलन/वेबीनार आदि के अतिरिक्त अकादमिक प्रकृति के आयोजित व्याख्यान

- अग्रवाल सरिता, स्टूडेंट्स फॉर होलिस्टिक डेवलपमेंट ऑफ ह्यूमैनिटी (एसएचओडीएच), गुजरात द्वारा आयोजित 2022-23 बजट "बजट पे चर्चा " पर वेबिनार में व्याख्यान दिया गया।
- अग्रवाल सरिता, प्री एंड पोस्ट इंडिपेंडेंट इंडिया : ऐन इकनोमिक ओवरव्यू , भारत@75 अवसर पर आयोजित 5 दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला में व्याख्यान. एसएचओडीएच दक्षिण तमिलनाडु के द्वारा 13 अगस्त 2021 को आयोजित किया गया
- अग्रवाल सरिता, 14 अगस्त, 2021 को वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सूरत में पीएचडी छात्रों के लिए पूर्व-पंजीकरण पाठ्यक्रम हेतु "अनुसंधान और प्रकाशन नैतिकता" के अंतर्गत "अनुसंधान में सर्वोत्तम अभ्यास" विषय पर व्याख्यान।

- अग्रवाल सरिता, 18 अगस्त, 2021 को वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सूरत में पीएचडी छात्रों के लिए "रिसर्च एंड पब्लिकेशन एथिक्स" पर प्री-रजिस्ट्रेशन कोर्स वर्क के अंतर्गत 'कनफ्लिक्ट ऑफ इंटरेस्ट' विषय पर व्याख्यान।
- अग्रवाल सरिता, 11 सितंबर, 2021 को शासकीय स्वशासी कन्या स्नातकोत्तर उत्कृष्ट महाविद्यालय सागर, द्वारा आयोजित 'भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में अगस्त क्रांति की हलचल' विषय पर केंद्रित राष्ट्रीय वेबिनॉर के 'नॅशनलिज्म एंड क्विट इंडिया मूवमेंट' सत्र में व्याख्यान और पैनेलिस्ट के रूप में भाग लिया।
- अग्रवाल सरिता, 15 सितंबर 2021 को यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र द्वारा सरदार पटेल विश्वविद्यालय वल्लभ विद्या नगर द्वारा आयोजित अर्थशास्त्र में ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में 'रिसेंट एडवांसेज इन इकोनॉमिक्स ऑफ़ एजुकेशन' विषय पर व्याख्यान।
- अग्रवाल सरिता, 17 सितंबर, 2021 को यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र द्वारा सरदार पटेल विश्वविद्यालय वल्लभ विद्या नगर द्वारा आयोजित अर्थशास्त्र में ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स में 'सोशल सेक्टर ग्रोथ-एन इंडियन पर्सपेक्टिव' विषय अग्रवाल सरिता पर व्याख्यान।
- अग्रवाल सरिता, 09 दिसंबर, 2021 को आईसीसी, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय, गांधीनगर द्वारा आयोजित यौन उत्पीड़न अधिनियम की अधिसूचना की आठवीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में एक ऑनलाइन गोलमेज सम्मेलन की अध्यक्षता।
- अग्रवाल सरिता, 23 नवंबर, 2021 को गुजरात के नॉलेज कंसोर्टियम, अहमदाबाद द्वारा आयोजित फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में 'इंडिया@75' विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान।
- अग्रवाल सरिता, स्नात्कोत्तर विभाग, स्वामी प्रेमानंद महाविद्यालय, मुकेरियन द्वारा 'अनइक्वल पे : जेंडर डिस्क्रिमिनेशन ऐट वर्कप्लेस' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार में 'ऑक्यूपेशनल एंड वेज डिफ्रेंशियल बिटविन मेन एंड वीमेन : अ थ्योरेटिकल एप्रोच' पर व्याख्यान।
- अग्रवाल सरिता, 23 दिसंबर, 2021 को स्वामी विश्वविद्यालय, तिरुपति द्वारा 'रिसेंट डेवलपमेंट्स इन इकनोमिक साइंस एंड इन द इंडियन इकॉनमी' विषय पर आयोजित अर्थशास्त्र के रिफ्रेशर कोर्स में विषय विशेषज्ञ।
- अग्रवाल सरिता, 20 फरवरी 2022 को आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित और जीएनएलयू, गांधीनगर द्वारा आयोजित 'अनुसंधान पद्धति' पर केंद्रित दस दिवसीय कार्यशाला में " कोंसेप्चुअलाइज़िंग अ रिसर्च डिज़ाइन " विषय पर व्याख्यान।
- अग्रवाल सरिता, "मात्रात्मक अनुसंधान विधियों का परिचय" व्याख्यान ने 20 फरवरी 2022 को आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित और जीएनएलयू, गांधीनगर द्वारा आयोजित 'अनुसंधान पद्धति' पर केंद्रित दस दिवसीय कार्यशाला में 'इंट्रोडक्शन टू क्वांटिटेटिव रिसर्च मेथड्स' विषय पर व्याख्यान।
- प्रधान, जय प्रकाश, 10 मई 2021 को उड़ीसा इकोनॉमिक्स एसोसिएशन, 'ड्राइवर्स ऑफ एसएमई फॉर्मेशन इन इंडियन स्टेट्स: द एम्पायरिक्स' विषय पर 8वां प्रो. केएम पटनायक मेमोरियल लेक्चर।
- प्रधान, जय प्रकाश: 27 सितंबर, 2021 को एचआरडीसी-जेएनयू द्वारा ऑनलाइन मोड में आयोजित अर्थशास्त्र में 54वें पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में "कंस्ट्रक्शन ऑफ़ कम्पोजिट इंडेक्स फॉर सोशल साइंसेज रिसर्च " पर व्याख्यान।
- त्रिपाठी तूलिका: ANSISS-ICSSR- रिफ्रेशर- प्रशिक्षण कार्यक्रम में 8 मार्च, 2022, रात 10:00 बजे, ANSISS, पटना में "राइटिंग अ रिसर्च पेपर /जर्नल आर्टिकल" विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान।
- त्रिपाठी तूलिका: 28 मार्च 2022 को पीडीपीयू, गांधीनगर में 'अनुसंधान प्रविधि' पर आयोजित कार्यशाला में "अर्थशास्त्र में अनुसंधान"' विषय पर व्याख्यान।
- त्रिपाठी तुलिका, 30 मार्च 2022 को अर्थशास्त्र विभाग, महाराजा कृष्णकुमारसिंहजी भावनगर विश्वविद्यालय द्वारा 'अनुसंधान प्रविधि' पर आयोजित कार्यशाला में "उत्पादन सेट विषय पर व्याख्यान।

- त्रिपाठी तूलिका, 28 दिसंबर को सुबह 11 बजे एसआरटीएम विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र द्वारा आयोजित आजादी का अमृत महोत्सव में त्रिपाठी तुलिका "लांग टर्म केयर ऑफ एल्डरली" विषय पर व्याख्यान।
- त्रिपाठी तूलिका: 25 सितंबर 2021 से 29 सितंबर 2021 तक "एचडीसीए ग्लोबल डायलॉग 2021 - साउथ एशिया" (ऑनलाइन) का सह-आयोजन।
- त्रिपाठी तूलिका, 12 से 17 नवंबर 2021 को जज DOCMAD-2021 (डाक्टरल कोलोक्वियम ऑन मैनेजमेंट एंड डेवलपमेंट - 2021)"
- त्रिपाठी तूलिका: पेपर प्रस्तुति: "बुनियादी जरूरतों के लिए हाशिये पर: COVID-19 और सार्वजनिक नीति के स्वच्छता और संभाव्यता के संदर्भ में बहिष्करण" सार्वजनिक नीति और प्रबंधन पर XVI अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, IIM बैंगलोर द्वारा आयोजित, 2021-08-25
- त्रिपाठी तूलिका : 25 सितंबर 2021 से 29 सितंबर2021 (ऑनलाइन) तक "एचडीसीए ग्लोबल डायलॉग 2021 - साउथ एशिया" का सह- आयोजन।
- त्रिपाठी तूलिका : जज "DOCMAD-2021 प्रबंधन और विकास पर डॉक्टरेट संवाद -2021)", 12 से 17 नवंबर, 2021.
- त्रिपाठी तूलिका : पेपर प्रस्तुति: "बुनियादी जरूरतों के लिए हाशिये पर: COVID-19 और सार्वजनिक नीति के स्वच्छता और संभाव्यता के संदर्भ में बहिष्करण " सार्वजनिक नीति और प्रबंधन पर XVI अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, IIM बैंगलोर, 2021-08-25 द्वारा आयोजित
- अदाबर क्षमानिधि, 19 अप्रैल से 1 मई 2021 के दौरान सेंटर फॉर सोशल स्टडीज (सीएसएस), सूरत द्वारा आयोजित 'बाइवरेट कोरिलेशन एनालिसिस एंड बाइवरेट एंड मल्टीपल रिग्रेशन एनालिसिस' विषय पर विषय के रूप में दो अतिथि व्याख्यान दिए।।

अकादमिक गतिविधियों जैसे संगोष्ठी/सम्मेलन में शोधपत्र प्रस्तुति आदि के अतिरिक्त सत्रीय अध्यक्षता, संगोष्ठी आयोजक, आदि के रूप में प्रतिभागिता

- अग्रवाल, सरिता. 22 फरवरी 2022 को नीति आयोग के उपाध्यक्ष डॉ राजीव कुमार की अध्यक्षता में नीति आयोग, भारत सरकार और भारतीय विश्वविद्यालय संघ के संयुक्त तत्वावधान में देश के प्रमुख विश्वविद्यालयों के साथ आयोजित एक बैठक में भाग लिया
- प्रधान, जय प्रकाश: 7 से 18 जून 2021 के दौरान सेंटर फॉर स्टडीज इन इकोनॉमिक्स एंड प्लानिंग (सीएसईपी), सीयूजी द्वारा आयोजित संकाय विकास (ऑनलाइन) हेतु दो सप्ताह के 'अनुसंधान प्रविधि' प्रशिक्षण कार्यक्रम के संयोजक।
- प्रधान, जय प्रकाश. 07 जनवरी 2021 को आंतरिक शिकायत समिति और छात्र परिषद, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय, द्वारा आयोजित 'डिजिटल लिटरेसी एंड ऑनलाइन सेफ्टी प्रोग्राम' के चार दिवसीय कार्यशाला के समापन सत्र की अध्यक्षता।
- प्रधान, जय प्रकाश, 30.03.2022 को आयोजित बंदरगाह और विभाग, गुजरात सरकार द्वारा आयोजित "स्ट्रेंग्थेनिंग पोर्ट्स , ट्रांसपोर्ट एंड लोजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर ऑफ़ गुजरात टुवर्ड्स अचीविंग इंडिया टारगेट ऑफ़ USD 5 ट्रिलियन इकॉनामी " पर गोलमेज चर्चा में उद्घाटन टिप्पणी प्रदान की।
- अदाबारी क्षमानिधि, 7 से 18 जून 2021 के दौरान सेंटर फॉर स्टडीज इन इकोनॉमिक्स एंड प्लानिंग (सीएसईपी), सीयूजी द्वारा आयोजित संकाय विकास (ऑनलाइन) हेतु दो सप्ताह के 'अनुसंधान प्रविधि' प्रशिक्षण कार्यक्रम के सह-संयोजक।

शोध छात्र / निर्देशित

नाम	कार्यक्रम की प्रकृति (एम. फिल/पीएचडी)	(2021-22 के दौरान पंजीकृत छात्रों की संख्या)
प्रो. जय प्रकाश प्रधान	पीएच.डी.	01
प्रो. सरिता अग्रवाल	पीएच.डी.	01
डॉ. क्षमानिधि अदाबर	पीएच.डी.	01
डॉ. सरला दसारी	पीएच.डी.	02
डॉ. तूलिका त्रिपाठी	पीएच.डी.	01

केंद्र और उसके संकाय द्वारा किए गए विस्तार, आउटरीच और अन्य समान गतिविधियां

प्रो. सरिता अग्रवाल

- सदस्य, परीक्षक बोर्ड, जोहान्सबर्ग विश्वविद्यालय, दक्षिण अफ्रीका
- आरडीसी के सदस्य, उन्नत अनुसंधान संस्थान, गांधीनगर
- आरडीसी के सदस्य, अर्थशास्त्र विभाग, गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद
- सदस्य, अर्थशास्त्र अध्ययन समिति, सेंट जेवियर्स कॉलेज, अहमदाबाद।
- सदस्य, निरमा विश्वविद्यालय के विधि संकाय के अंतर्गत भाषा और मानविकी अध्ययन बोर्ड
- बाह्य निर्णायक, बनस्थली विद्यापीठ
- सदस्य, पीएच.डी. थीसिस परीक्षक समिति, सरदार पटेल विश्वविद्यालय, वल्लभविद्या नगर
- संपादक, ओपन जर्नल ऑफ सोशल साइंस 2021-22
- सह-मुख्य संपादक, रिसर्च जर्नल ऑफ एजुकेशन
- चयन समिति के लिए कुलपति नामित, सरदार पटेल विश्वविद्यालय, वल्लभ विद्यानगर
- सदस्य, स्क्रूटनी कम सीएएस समिति, जीएनएलयू, गांधीनगर

प्रो. जय प्रकाश प्रधान

- सदस्य, अर्थशास्त्र की रिसर्च डिग्री कमेटी (आरडीसी), गंगाधर मेहर विश्वविद्यालय, संबलपुर, 01.03.2021 से 28.02.2022 तक।
- सदस्य, संपादकीय सलाहकार बोर्ड, फोकस: द जर्नल ऑफ इंटरनेशनल बिजनेस, जर्नल प्रेस इंडिया, 2013 से।
- सदस्य, संपादकीय बोर्ड, इकोनॉमिक्स , मैनेजमेंट एंड फाइनेंसियल मार्केट्स, एडलटन ,एकेडमिक पब्लिकेशन, न्यूयॉर्क, 2009 से।

विश्वविद्यालय प्रशासन में समिति के सदस्यों के रूप में अथवा अतिरिक्त उत्तदायित्व के वहन हेतु संकाय सदस्यों की प्रतिभागिता

प्रो. सरिता अग्रवाल

- अधिष्ठाता, समाजिक विज्ञान संस्थान 11 अक्टूबर, 2021 तक
- कार्यकारी परिषद सदस्य, 11 अक्टूबर 2021 तक

- अकादमिक परिषद् के सदस्य
- अध्यक्ष, एनईपी कार्यान्वयन समिति, 2020
- समन्वयक, समग्र शिक्षा, सीयूजी
- सदस्य, सेंटर बोर्ड ऑफ स्टडीज
- सदस्य , स्कूल बोर्ड ऑफ स्टडीज, एसएसएस
- सदस्य, उन्नत अध्ययन और अनुसंधान समिति, एसएसएस
- अध्यक्ष, वार्षिक प्रतिवेदन समिति
- सदस्य, पुस्तकालय सलाहकार समिति 10 अक्टूबर 2021 तक
- सदस्य, प्रकाशन अनुदान समिति
- सदस्य, विश्वविद्यालय खरीद समिति।
- सदस्य: पूर्व छात्र प्रकोष्ठ
- सदस्य: दीक्षांत समारोह के लिए पदक समिति।
- सदस्य: पुस्तकालय समिति
- सदस्य, अनुसंधान सलाहकार समिति, सीएसईपी
- सदस्य, अनुसंधान सलाहकार समिति, शिक्षा संस्थान

प्रो. जय प्रकाश प्रधान

- अधिष्ठाता, सामाजिक विज्ञान संस्थान, 12 अक्टूबर 2021 से
- अध्यक्ष, अर्थशास्त्र और योजना अध्ययन केंद्र, 18 अगस्त 2020 से।
- सदस्य, कार्यकारी परिषद, 31 दिसंबर 2021 से।
- सदस्य, अकादमिक परिषद, 3 फरवरी 2021 से।
- सदस्य, क़ानून और अध्यादेश समिति।
- अध्यक्ष, नैक के लिए एसएसआर निर्माण समिति।
- सदस्य, स्कूल बोर्ड ऑफ स्टडीज, सामाजिक विज्ञान संस्थान
- सदस्य, उन्नत अध्ययन और अनुसंधान समिति, सामाजिक विज्ञान संस्थान।
- सदस्य, सेंटर बोर्ड ऑफ स्टडीज, अर्थशास्त्र और योजना अध्ययन केंद्र
- अध्यक्ष, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (एनईपी) सेल।
- अध्यक्ष, शिक्षा क्षेत्र के लिए विजन इंडिया@2047 हेतु सीयूजी समिति।

डॉ. अदबर क्षमानिधि

- सदस्य, केंद्र अध्ययन समिति
- समन्वयक, SWAYAM सीएसईपी
- सदस्य, आरएसी पीएचडी छात्रों के लिए

गाँधीवादी विचार और शांति अध्ययन केंद्र

केंद्र का परिचय

गांधीवादी विचार और शांति अध्ययन केंद्र वर्ष 2011 में स्थापित किया गया था। केंद्र गांधीवादी विचार और शांति अध्ययन में एम.फिल.-पीएचडी एकीकृत कार्यक्रम और राजनीति विज्ञान में एम.ए. प्रदान करता है। कक्षा शिक्षण और शोध प्रबंध/संगोष्ठी परियोजना लेखन के अतिरिक्त, क्षेत्र अध्ययन दोनों कार्यक्रमों का अनिवार्य घटक है। विचारों की बहुलता जैसे सत्याग्रह, अहिंसा और साधन और साध्य के सिद्धांत को समझने के लिए मोहनदास करमचंद गांधी एक महत्वपूर्ण संदर्भ बिंदु बने हुए हैं। गांधी के विचारों की समकालीन प्रासंगिकता शांति अध्ययन के अनुशासन को आधार प्रदान करती है। शोध कार्यक्रम में छात्र विभिन्न विषयों का पता लगाते हैं जिनमें सुलह के माध्यम से शांति निर्माण, न्याय सुनिश्चित करने के लिए सामाजिक आंदोलन, धर्म और टकराव, हिंसा और विभिन्न रूपों में इसकी अभिव्यक्ति आदि शामिल हैं।

संचालित कार्यक्रम

- राजनीति विज्ञान में एमए
- गांधीवादी विचार और शांति अध्ययन में एम.फिल.-पीएचडी एकीकृत कार्यक्रम

केंद्र स्तर पर कार्यरत शिक्षक

डॉ. प्रिय रंजन कुमार, सहायक प्रोफेसर और समन्वयक
रुचि के क्षेत्र: अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के सिद्धांत, शांति और संघर्ष अध्ययन, पश्चिम एशिया में शांति, संघर्ष और सुरक्षा, गांधी का अहिंसा का दर्शन।

डॉ. धनंजय राय, सहायक प्रोफेसर
रुचि के क्षेत्र: राजनीतिक विचार/सिद्धांत, गांधीवादी दर्शन, उच्च शिक्षा

डॉ. जगन्नाथम बेगरी , सहायक प्रोफेसर
रुचि के क्षेत्र: मानवाधिकार, लोकतंत्र, दलित आंदोलन और सीमांतता, क्षेत्रीय आंदोलन, राजनीतिक अर्थव्यवस्था, सीमांतता और सामाजिक बहिष्कार

डॉ. बेरिल आनंद, सहायक प्रोफेसर
रुचि के क्षेत्र: दक्षिण एशिया और मध्य पूर्व में धर्म और हिंसा, लोकतंत्र

श्री स्मृति रंजन ढल
रुचि के क्षेत्र: राजनीतिक सिद्धांत, राजनीतिक विचार और गांधीवादी दर्शन

प्रतिष्ठित / विशेषज्ञ समीक्षित / यूजीसी द्वारा अनुमोदित पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख और शोधपत्र

- राय, डी. और तिवारी, आरएम, 2021, गांधी और सत्याग्रह- अ क्वेस्ट फॉर ग्लोबल ट्रांसफॉर्मेशन : अ रिव्यू एस्से ऑन द इंटरनेशनल सेमिनार. सोशल चेंज, 51(1), 121-133. https://doi.org/10.1177%2F0049085721991586
- बेगारी , जे, और नपारी , एस., 2021, द इम्पैक्ट ऑफ़ कोविद -19 पान्डेमिक ऑन द स्टूडेंट्स इन हायर एजुकेशनल इंस्टीटूशन्स इन इंडिया : ट्रेंड्स , चैलेंजेज एंड पॉसिबिलिटीज , इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ मल्टीडिसकीप्लीनरी एजुकेशनल रिसर्च :4(3), 193-211.
- बेगारी , जे., और मिश्रा, के, विजय, 2021, एम.के. गाँधीज क्रिटिक ऑफ़ मॉडर्निटी : हिज रेलेवंस ड्यूरिंग द क्राइसिस ऑफ़ कोविद -19 पान्डेमिक , टुवर्ड्स एक्सीलेंस , 13 (3), 812-820.
- बेगारी , जे., 2021, ह्यूमन राइट्स एजुकेशन एंड इनक्लूसिव पर्सपेक्टिव्स: रेलेवेंस इन द कंटेम्परारी टाइम्स, टुवर्ड्स एक्सीलेंस, 13 (3), 538-540।

- बेगारी, जे और ज्योति, 2021, द न्यू एजुकेशन पालिसी 2020: पॉसिबिलिटीज , ट्रेंड्स एंड चैलेंजेज -अंडरस्टैंडिंग फ्रॉम द पर्सपेक्टिव ऑफ़ एम के गाँधी, डोगो रंगसांग रिसर्च जर्नल (प्रिंट) 11 (2), 1-7
- बेगारी, जे., 2021, पब्लिक पॉलिसी एंड ह्यूमन राइट्स: टुवर्ड्स इनक्लूसिव सोसाइटी जीएनएलयू जर्नल ऑफ लॉ, डेवलपमेंट एंड पॉलिटिक्स 2021 11 (1) 177-196।
- बेगारी, जे., 2021, डिबेटिंग लिबरलिज्म एंड कम्यूनिटेरियनिज्म: फ्रॉम द पर्सपेक्टिव ऑफ माइनॉरिटी राइट्स, टुवर्ड्स एक्सीलेंस, वॉल्यूम। 13 (4): 922-930।
- बेगारी , जे., 2022, एलिवेशन ऑफ़ रेवंत रेड्डी ऐज तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमिटी प्रेजिडेंट : प्रॉस्पेक्ट्स एंड चैलेंजेज, डोगो रंगसांग रिसर्च जर्नल, 11 (12), 139-142,
- कुमार, प्रिया रंजन, महनाजी जहीरिनजाद और लक्ष्मी कलुंडिया , 2021, "गांधी, नॉन -वायलेंस एंड द कल्चर ऑफ़ पीस : रेफ्लेक्शंस ऑन अफ्रीका ", हेमीस्फेयर्स स्टडीज ऑन कल्चर्स एंड सोसाइटीज , इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिटरेनीयन एंड ओरिएण्टल कल्चर्स पोलिश अकादमी ऑफ़ साइंसेज , वॉरसॉ , पोलैंड 36, 147- 157, ई-आईएसएसएन 2449-8645/आईएसबीएन978-83-7452-087-4।

संपादित संस्करणों में प्रकाशित शोधपत्र

- बेगारी , जे., 2021, रिक्लेमिंग सोशल जस्टिस एंड डीपनिंग डेमोक्रेसी, (संपादन में), राठौड़, आकाश बीआर अम्बेडकर: क्वेस्ट फॉर जस्टिस: सोशल जस्टिस (वॉल्यूम 2) नई दिल्ली: ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।
- कन्क्लूजन : इन सर्च ऑफ़ आंबेडकर्स आइडियल सोसाइटी , (संपा.), बेगारी , जे. बी .आर . आंबेडकर एंड सोशल ट्रांसफॉर्मेशन . रिविजिटिंग द फिलोसोफी एंड रिक्लेमिंग सोशल जस्टिस , रूटलेज पब्लिकेशन्स , लंदन
- बेगरी , जे., 2021. रिक्लेमिंग सोशल जस्टिस एंड दीपेनिंग डेमोक्रेसी . इन ए. राठोड (संपा.), आंबेडकर : क्वेस्ट फॉर जस्टिस : सोशल जस्टिस (Vol.2) नई दिल्ली : ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस .
- कुमार, प्रिय रंजन (2022), "यूएस, ईरान स्टैंड ऑफ एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन इंडिया" एके पाशा और त्सुपोकीमला (सं.) द गल्फ रीजन? वेस्ट एशिया एंड भारत, हिस्ट्री, माइग्रेसन एंड ट्रेंड, नई दिल्ली: विजडम पब्लिकेशन

लेखक के रूप में प्रकाशित पुस्तकें

- बेगारी जे., बीआर अम्बेडकर एंड सोशल ट्रांसफॉर्मेशन. रिविजिटिंग द फिलॉसफी एंड रिक्लेमिंग सोशल जस्टिस, रूटलेज प्रकाशन, लंदन। 2021.

अन्य प्रकाशन (पत्रिकाएँ, समाचार पत्र, वेब पोर्टल) (एपीए शैली)

- राय, डी. (2022)। यमुना सनी, नेचर-सोसाइटी सीरीज [बुक रिव्यू]। कंटेम्परारि एजुकेशन डायलॉग,19 (1), 172-179। https://doi.org/10.1177%2F09731849211067924
- राय, डी। (2021)। बुक रिव्यू [संजीव कुमार (सं.), गांधी एंड द कंटेम्परारि वर्ल्ड, रूटलेज, 2020, xvi+234 पीपी।, ₹995। आईएसबीएन: 9780367479183 (हार्डकवर)। सामाजिक परिवर्तन, 51 (4), 590-593। https://doi.org/10.1177%2F00490857211051294
- राय, डी। (2021)। मैप ऐज क्रिटिकल पेडेगोजी. इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल विकली, 56 (26-27), 43-44 [बुक रिव्यू ऑफ महाराष्ट्र (नेचर सोसाइटी सीरीज) यमुना सनी द्वारा, भोपाल: एकलव्य , 2020;

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी/वेबिनार/सम्मेलन/कार्यशाला आदि में शोधपत्र प्रस्तुति

- धनंजय राय, द एज ऑफ एनेस्थेटिक्स : पेन, वायलेंस, डेथ्स एंड वलनरेबिलिटी इन COVID 19, अ वाइडर डिसिप्लीन फॉर अ स्मॉलर वर्ल्ड, इंटरनेशनल स्टडीज एसोसिएशन 2022 वार्षिक सम्मेलन, आभासी मंच, 28 मार्च, 2022

- धनंजय राय, ग्लोबलाइजेशन एंड नेओलिबेरल पॉलिटी : अ स्टडी ऑफ़ दलित्स इन इंडिया, ग्लोबलाइजेशन, रिजनलिज्म एंड नेशनलिज्म : कन्टेन्डिंग फोर्सेज इन वर्ल्ड पॉलिटिक्स, इंटरनेशनल स्टडीज एसोसिएशन 2021 एनुअल कन्वेंशन , वर्चुअल प्लेटफार्म 6 - 9 अप्रैल, 2021।
- धनंजय राय, ग्लोबलाइजेशन एंड नेशनलिज्म : अ स्टडी ऑफ़ 'हिन्दू पोलिटिकल, ग्लोबलाइजेशन, रिजनलिज्म एंड नेशनलिस्म : कन्टेन्डिंग फोर्सेज इन वर्ल्ड पॉलिटिक्स , इंटरनेशनल स्टडीज एसोसिएशन 2021 एनुअल कन्वेंशन , वर्चुअल प्लेटफार्म 6 - 9 अप्रैल, 2021।
- बेरिल आनंद, पीसमेकिंग इन द अरब इसरायली कनफ्लिक्ट : कोंसेकुएंसस फॉर द गल्फ रीजन ऐट द गल्फ रिसर्च मीटिंग ऐट द गल्फ रिसर्च सेंटर, यूनिवर्सिटी ऑफ़ कैंब्रिज (ऑनलाइन), 23 और 24 जुलाई, 2021
- बेरिल आनंद, यूनाइटेड नेशंस इन क्राइसिस इन साउथ एशिया : अ स्टडी ऑफ़ द स्टेट्स इमप्युनिटी इन म्यांमार एंड श्री लंका इन द पैनल TB (5) मिलिटरीज्म, वायलेंस, एंड रेजिस्टेंस अक्रॉस ग्लोबल स्पेस एंड टाइम, इंटरनेशनल स्टडीज एसोसिएशन (ISA)-नार्थईस्ट 2021 वर्चुअल कांफ्रेंस 2021 वर्चुअल कॉन्फ्रेंस 2021, 4, 5 और 6 नवंबर 2021,
- प्रिय रंजन कुमार, (2021), "इमर्जिंग डायनामिक्स ऑफ़ गल्फ मेरीटाइम सिक्योरिटी : ऐन असेसमेंट ऑफ़ रीजनल राइवलरी एंड कम्पटीशन", प्रजेन्टेड पेपर एंड वाज आलसो अ डिस्कसेंट इन इंटरनेशनल वर्कशॉप नं.5, थीम्ड ऑन मेरीटाइम सिक्योरिटी एंड द गल्फ स्टेट्स : चेंजिंग स्ट्रेटेजीज, न्यू पोलिटिकल रैशनल्स , आर्गेनाइज्ड बाई गल्फ रिसर्च सेंटर कैंब्रिज , यूनिवर्सिटी ऑफ़ कैंब्रिज , द यूनाइटेड किंगडम , 23-24 जुलाई

राष्ट्रीय/क्षेत्रीय स्तर की संगोष्ठी/वेबिनार/सम्मेलन/कार्यशाला आदि में प्रस्तुत शोधपत्र।

- धनंजय राय, गाँधी एंड कंस्ट्रक्टिव प्रोग्राम , गाँधी के रचनात्मक कार्यक्रम : प्रयोग , प्रभाव और संभावनाएं (आजादी का अमृत महोत्सव), डिपार्टमेंट ऑफ़ हिस्ट्री एंड IQAC , गवर्नमेंट आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज , जाम्बुघोड़ा , पांच महाल , गुजरात एंड श्री एबीवी गवर्नमेंट आर्ट्स एंड कॉमर्स कॉलेज, सूरत, गुजरात, वर्चुअल प्लेटफॉर्म, 14-17 जुलाई, 2021
- धनंजय राय, गांधी, नेहरू और अम्बेडकर कांसेप्ट ऑफ़ नेशन, नेशनल मूवमेंट : डिफरेंट आस्पेक्ट्स, डिपार्टमेंट ऑफ़ हिस्ट्री एंड कल्चर, महादेव देसाई समाजसेवा संकुल , गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद, वर्चुअल, 5-10 जुलाई 2021।
- जगन्नाथम बेगरी , एजुकेशन एंड सोशल ट्रांसफॉर्मेशन : पर्सपेक्टिव्स फ्रॉम सबाल्टर्न थिंकर्स , ओर्गानिसद बी डिपार्टमेंट ऑफ़ पोलिटिकल साइंस , तेलंगाना सोशल वेलफेयर रेजिडेंशियल कॉलेज (TSWREIs), इब्राहिमपट्टनम, तेलंगाना द्वारा 8 मई 2021 को आयोजित
- जगन्नाथम बेगरी. डॉ. बी.आर. अम्बेडकर: डेमोक्रेसी एंड स्टेट सोशलिज्म, इन द नेशनल वेबिनार, ऑन सोसिओ -इकोनॉमिक, पोलिटिकल एंड फिलोसोफिकल इंटरवेंशंस ऑफ डॉ. बी.आर. अम्बेडकर.14 अप्रैल, 2021 को गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय, गांधीनगर द्वारा आयोजित
- जगन्नाथम बेगरी , बीआर अम्बेडकर एंड सोशल जस्टिस, वन डे नेशनल वेबिनार ऑन इंडियन सोशल सर्विस हेरिटेज : आइडियल पर्सनालिटीज , गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, गोदावरीखानी, तेलंगाना द्वारा 30 अप्रैल, 2021 को आयोजित।
- प्रिय रंजन कुमार, "इमर्जिंग पावर डायनामिक्स इन पोस्ट -अब्राहम एकॉर्ड इन वेस्ट एशिया : रेस्पॉन्सेस फ्रॉम इंडिया " प्रेसेंटेड इन टू डे नेशनल सेमिनार , थीम्ड ऑन इंडियाज इंटरकनेक्शन विद वेस्ट एशियाई कन्ट्रीज : हिस्टोरिकल अंडरस्टैंडिंग ऑफ़ सोसिओ -इकनोमिक रिलेशन्स एंड फ्यूचर प्रॉस्पेक्ट्स ओर्गानिसद बाई सेंटर फॉर वेस्ट एशियाई स्टडीज, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली 18-19 सितंबर 2021 को आयोजित।
- प्रिय रंजन कुमार, "चेंजिंग स्ट्रक्चर ऑफ़ वेस्ट एशियाई सिस्टम " ऑन सेकेंड (14th) ऑनलाइन 2-वीक रिफ्रेशर कोर्स इन वेस्ट एशियाई स्टडीज (इंटरडिसिप्लिनरी) आर्गनाइज्ड बाई UGC- ह्यूमन रिसोर्सेज डेवलपमेंट सेंटर, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली, 2-15 फरवरी 2022 को आयोजित।

- स्मृति रंजन ढल, "कंटेम्परारी पोलिटिकल थ्योरी ", रीसेंट एडवांसेज इन पोलिटिकल साइंस एंड इंटरनेशनल रिलेशन्स (ऑनलाइन वन वीक FDP), एचआरडीसी, फकीर मोहन विश्वविद्यालय, बालासोर , ओडिशा। 13 दिसंबर, 2021 को आयोजित।
- श्री स्मृति रंजन ढल, "ग्लोबल जस्टिस ", रीसेंट एडवांसेज in पोलिटिकल साइंस एंड इंटरनेशनल रिलेशन्स (ऑनलाइन वन वीक एफडीपी), एचआरडीसी, फकीर मोहन विश्वविद्यालय, बालासोर , ओडिशा। 15 दिसंबर, 2021।
- श्री स्मृति रंजन ढल, "रीसेंट एडवांसेज इन पोलिटिकल साइंस एंड इंटरनेशनल रिलेशन्स", रीसेंट एडवांसेज इन पोलिटिकल साइंस एंड इंटरनेशनल रिलेशन्स (ऑनलाइन वन वीक एफडीपी), एचआरडीसी, फकीर मोहन विश्वविद्यालय, बालासोर , ओडिशा। 16 दिसंबर, 2021।

प्रतिष्ठित संस्थानों में संगोष्ठी/सम्मेलन/वेबीनार आदि के अतिरिक्त अकादमिक प्रकृति के आयोजित व्याख्यान

- जगन्नाथम बेगारी, डॉ बीआर अंबेडकर के राष्ट्रीय विकास के लिए योगदान पर विशेष आमंत्रित अतिथि व्याख्यान, सामाजिक बहिष्कार और समावेशी नीति केंद्र, शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर, महाराष्ट्र द्वारा आयोजित , 14 अप्रैल, 2021, विषय विशेषज्ञ।
- जगन्नाथम बेगारी, "बीआर अम्बेडकर: कॉस्मोपोलिटनिज्म एंड डेमोक्रेसी' विषय पर डॉ. बीआर अम्बेडकर स्मृति व्याख्यान, डॉ बीआर अम्बेडकर चेयर सेंटर, सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट, 26 मार्च, 2021 को आयोजित, विषय विशेषज्ञ।
- प्रिय रंजन कुमार, " गांधीज एक्सपेरिमेंट विद सत्याग्रह : इट्स सिग्नीफिकेन्स इन द कंटेम्परारी वर्ल्ड", गांधी स्टडी सर्कल और राजनीति विज्ञान विभाग, शहीद भगत सिंह इवनिंग कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित नमक सत्याग्रह पर एक संसाधन व्यक्ति के रूप में 6 अप्रैल, 2021को आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- प्रिय रंजन कुमार (2021), "द लिगेसी ऑफ गांधी ऑन द कंटेम्परेरी मूवमेंट्स", गांधी स्टडी सर्कल और राजनीति विज्ञान विभाग, शहीद भगत सिंह इवनिंग कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में 2 अक्टूबर, 2021 को आमंत्रित व्याख्यान दिया।

अकादमिक गतिविधियों जैसे संगोष्ठी/सम्मेलन में शोधपत्र प्रस्तुति आदि के अतिरिक्त सत्रीय अध्यक्षता, संगोष्ठी आयोजक, आदि के रूप में प्रतिभागिता

- धनंजय राय, ग्लोबलाइजेशन, DNA कीटस एंड जियोपोलिटिक्स, इंटरनेशनल स्टडीज एसोसिएशन 2021 एनुअल कन्वेंशन ऑन ग्लोबलाइजेशन , रिजनलिज्म एंड नेशनलिज्म : कन्टेन्डिंग फोर्सेज इन वर्ल्ड पॉलिटिक्स , आभासी मंच। 6 - 9 अप्रैल, 2021, चर्चाकर्ता
- धनंजय राय , जीपीएस वीमेन एंड गर्ल्स " एम्पो वीमेन" समिट एलुमनी एंगेजमेंट इनोवेशन फंड, द ब्यूरो ऑफ एजुकेशनल एंड कल्चरल अफेयर्स ऑफ यूनाइटेड स्टेट्स डिपार्टमेंट ऑफ स्टेट, यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका, वर्चुअल, 28 अगस्त 2021, रिसोर्स पर्सन।
- बेरिल आनंद, ह्यूमन सेक्यूरिटी एंड गवर्नेंस पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2022, मानव अधिकार और शासन पर विशेष सत्र, इंटरडिसिप्लीनरी इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यूमन सेक्यूरिटी एंड गवर्नेंस, नई दिल्ली, इंडिया; सेंटर फॉर कॉन्फ्लिक्ट स्टडीज, मिडिलबरी इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज, मोंटेरे, कैलिफ़ोर्निया , यूएसए द्वारा आयोजित; सुरक्षा और महिला, लंदन, यूनाइटेड किंगडम; अंतर्राष्ट्रीय संबंध विभाग, झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय, भारत; एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ लिबरल आर्ट्स, एमिटी यूनिवर्सिटी मुंबई, महाराष्ट्र , इंडिया: डिपार्टमेंट ऑफ डिफेंस एंड स्ट्रेटजिक स्टडीज, हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी, शिमला, इंडिया एंड डिपार्टमेंट ऑफ इंटरनेशनल रिलेशन्स, यूनिवर्सिटी ऑफ चटगांव, बांग्लादेश, 23-24 फरवरी 2022, मॉडरेटर और चर्चाकर्ता।
- प्रिय रंजन कुमार, नागरिक शास्त्र और राजनीति विभाग, फिरोजशाह मेहता भवन और अनुसंधान केंद्र, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई द्वारा आयोजित व्याख्यानमाला में "अप्रोचेस टू पीस: पीस कीपिंग, पैसेमेकिंग, पोस्ट कनफ्लिक्ट रिकंस्ट्रक्शन एंड

पीस बिल्डिंग" विषय पर एक अतिथि संकाय व्याख्यान दिया। मई 2021, विषय विशेषज्ञ।

प्रशिक्षण/अभिविन्यास/पुनश्चर्या कार्यक्रम में प्रतिभागिता

- धनंजय राय, पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक और शिक्षण मिशन (पीएमएमएमएनएमटीटी) शिक्षण शिक्षण केंद्र (टीएलसी), रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, भारत द्वारा 'सिस्टेमेटिक लिटरेचर रिव्यू एंड मेटा -एनालिसिस' विषय पर आयोजित एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम में प्रतिभागी, अगस्त 10-16, 2021
- धनंजय राय, आत्मा राम सनातन धर्म कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के आईक्यूएसी और शिक्षा मंत्रालय पीएमएमएमएनएमटीटी टीचिंग लर्निंग सेंटर रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली के सहयोग से 06-19 अप्रैल 2021 को आयोजित दो सप्ताह के ऑनलाइन इंटरडिसिप्लिनरी रिफ्रेशर कोर्स (द्विभाषी) "सिनेमा सोसाइटी एंड एजुकेशन'' में प्रतिभागी।
- प्रिय रंजन कुमार, द कमिटी ऑन द स्टेटस ऑफ़ इंगेजमेंट विथ द ग्लोबल साउथ (CSEGS) ऑफ़ द इंटरनेशनल स्टडीज एसोसिएशन (ISA), USA और द मेक्सिकन इंटरनेशनल स्टडीज एसोसिएशन के सहयोग से 'थर्ड इमर्जिंग ग्लोबल साउथ स्कॉलर वर्कशॉप' विषय पर 20 अक्टूबर 2021 (ऑनलाइन) को आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में प्रतिभागी।
- स्मृति रंजन ढल, टीचिंग लर्निंग सेंटर रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, भारत द्वारा आयोजित 'सामाजिक विज्ञान और मानविकी' विषय पर 12-26 जुलाई 2021 को आयोजित दो सप्ताह के पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में प्रतिभागी

विश्वविद्यालय प्रशासन में समिति के सदस्यों के रूप में अथवा अतिरिक्त उत्तदायित्व के वहन हेतु संकाय सदस्यों की प्रतिभागिता

डॉ. धनंजय राय

- समन्वयक, राजनीति विज्ञान कार्यक्रम में एम.ए.
- सीएएसआर के सदस्य
- सदस्य, स्कूल बोर्ड, सामाजिक विज्ञान संस्थान

डॉ. जगन्नाथम बेगारी

- वार्डन, सेक्टर 20 बॉयज हॉस्टल
- समन्वयक, उपचारात्मक कोचिंग प्रकोष्ठ

डॉ. प्रिय रंजन कुमार

- समन्वयक, गांधीवादी विचार और शांति अध्ययन केंद्र
- सीएएसआर के सदस्य, सामाजिक विज्ञान संस्थान
- स्कूल बोर्ड के सदस्य, सामाजिक विज्ञान संस्थान
- निःशक्तजनों के नोडल एवं शिकायत निवारण अधिकारी
- विकलांग व्यक्तियों के कल्याण की देखभाल के लिए आंतरिक समिति
- अनुसंधान और सलाहकार समिति के सदस्य, विज्ञान नीति और नवाचार केंद्र, सामाजिक विज्ञान संस्थान

विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार नीति अध्ययन केंद्र

केंद्र का परिचय

विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार नीति अध्ययन केंद्र (सीएसएसटीआईपी), विश्वविद्यालय के संस्थापक केंद्रों में से एक है, जो अंतःविषयक एवं तुलनात्मक ढांचे में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की सामाजिक और सांस्कृतिक गतिशीलता का अध्ययन करता है। यह केंद्र विज्ञान, प्रौद्योगिकी और समाज (एसटीएस) अध्ययनों द्वारा प्रदान की गई सैद्धांतिक अंतर्दृष्टि पर आधारित, विज्ञान और समाज के

साझेपन पर केंद्रित विषयों और सरोकारों की एक विस्तृत श्रृंखला पर काम करता है। केंद्र विज्ञान और प्रौद्योगिकी के दार्शनिक, ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और विकासात्मक आयामों का अध्ययन करने का प्रयास करता है और छात्रों को एसटीआई नीतियों का आलोचनात्मक विश्लेषण करने के लिए तैयार करता है।

केंद्र स्तर पर कार्यरत शिक्षक

डॉ. पार्वती के. अय्यर, सहायक प्रोफेसर:

रूचि के क्षेत्र: विज्ञान और प्रौद्योगिकी का समाजशास्त्र, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के साथ सार्वजनिक जुड़ाव, भारत में लिंग और विज्ञान, विज्ञान का दर्शन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा शासन में शिक्षा-उद्योग सहयोग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी में जोखिम और नियामक मुद्दे।

डॉ. शिजू सैम वर्गीज, सहायक प्रोफेसर:

रूचि के क्षेत्र: विज्ञान और प्रौद्योगिकी के साथ सार्वजनिक जुड़ाव, मीडिया और विज्ञान संचार, विज्ञान का समाजशास्त्र, विज्ञान और प्रौद्योगिकी का सांस्कृतिक अध्ययन, ज्ञान का सामाजिक इतिहास, विज्ञान शिक्षा, ज्ञान और लोकतंत्र, क्षेत्रीय आधुनिकताएं।

डॉ. कुणाल सिन्हा, सहायक प्रोफेसर:

रूचि के क्षेत्र: विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार नीति, नवाचार और सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी का समाजशास्त्र, अनुसंधान पद्धति, प्रौद्योगिकी का भावी विश्लेषण, बौद्धिक संपदा अधिकार और विकास, वैश्वीकरण, राज्य और सामाजिक न्याय, स्तरीकरण, भारत सरकार और राजनीति।

डॉ. हेमंत कुमार, सहायक प्रोफेसर एवं समन्वयक, सीएसएसटीआईपी:

रूचि के क्षेत्र: अनौपचारिक क्षेत्र के नवाचार, नवाचार की प्रणाली, सामाजिक-तकनीकी संक्रमण, विज्ञान कूटनीति तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का इतिहास और दर्शन।

प्रतिष्ठित / विशेषज्ञ समीक्षित / यूजीसी द्वारा अनुमोदित पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख और शोधपत्र

- कुमार, एच. और शर्मा, जी. (2022)। ग्रासरूट इनोवेशन एंड सस्टेनेबल एनर्जी यूज़ इन अर्बन कॉन्टेक्स्ट: केस स्टडीज़ फ्रॉम इंडिया। जर्नल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी पॉलिसी मैनेजमेंट। डीओआई 10.1108/जेएसटीपीएम-03-2021-0042.
- दुबे, एम. और सिन्हा, के. (2021)। रोल आफ इंफार्मेशन कम्यूनिकेशन टेक्नोलॉजी इन हायर एजुकेशन इन रांची. lkö retim ऑनलाइन (IOO) – एलिमेंटरी एजुकेशन ऑनलाइन (EEO), 20,1074-1084। http://dx.doi.org/10.17051/ilkonline.2021.06.114 । https://ijeponline.org/index.php/journal/article/view/58#:~:text=https%3A//ijeponline.org/index.php/journal/article/view/58
- कुमार, आर. और सिन्हा, के. (2021)। बेनिफिट्स ऑफ असिस्टीव टेक्नोलॉजी एंड पॉलिसी इम्प्लीकेशन्स. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इकोनॉमिक पर्सपेक्टिव्स, 15, 320-330।
- वर्गीज, एसएस (2021). प्रिंट मीडिया एंड कंटेस्टेशंस ओवर नॉलेज. साउथ एशिया क्रॉनिकल 11: 167-177। आईएसबीएन: 978-3-86004-348-6

संपादित संस्करणों में प्रकाशित शोधपत्र

- पटेल, सी., सिन्हा, के. (2022) डिजिटलाइजेशन आफ हेल्थकेयर सिस्टम इन इंडिया- पर्सपेक्टिव एंड पेस्टल एनालिसिस। इन: कैसर एमएस, बंद्योपाध्याय ए।, राय के।, सिंह आर।, नगर वी। (सं.) प्रोसिडिंग्स ऑफ ट्रेंड्स इन इलेक्ट्रॉनिक्स एंड हेल्थ इंफॉर्मेटिक्स। लेक्चर नोट्स इन नेटवर्क एंड सिस्टम, वॉल्यूम 376। स्प्रिंगर, सिंगापुर। https://doi.org/10.1007/978-981-16-8826-3_17
- शेख, एफए और कुमार, एच. (2021)। ग्रासरूट इनोवेशन: ग्रासरूट्स इनोवेशन: मेनस्ट्रीमिंग द डिस्कोर्स आफ इनफार्मल सेक्टर:

बेनोइट गोडिन, गेराल्डो गैग्लियो और डोमिनिक विंक। (सं.). हैंडबुक ऑन अल्टरनेटिव थ्योरिज आफ इनोवेशन. चेल्टेनहैम, यूके और नॉर्थम्प्टन, एमए, यूएसए: एडवर्ड एल्गर पब्लिशिंग। आईएसबीएन: 978 1 78990 229 7.

- वर्गीज , एसएस (2021)। "शास्त्रम , परिस्थिति , अरिवु " (साइंस , एनवायरनमेंट , नॉलेज). इन वर्के , Dr. मोठी (ed.). 2021. जैवदर्शनागल : समूहम , शास्त्रम , प्रतिरोधम [लाइफ विजंस : सोसाइटी , साइंस , रेजिस्टेंस]. (pp. 77–89). कोझीकोड़: मातृभूमि बुक्स (मलयालम). ISBN: 978-93-91451-74-5
- वर्गीज , एसएस (2021)। पोस्टह्युमानिस्म मलयाला सिनीमाईल : एंड्राइड कुंजप्पां वर्जन 5.25-ने मुननिरतथि चीला आलोचनकाल [पोस्टह्युमानिस्म इन मलयालम सिनेमा : रीडिंग द साइंस फिक्शन फिल्म , एंड्राइड कुंजप्पां वर्शन 5.25]. इन प्रसाद पण्णिअं (ed). 2021. आर यू ह्यूमन ? पोस्टह्यूमन चिन्थेककोरामुखम [ऐन इंट्रोडक्शन टू पोस्टह्युमानिस्म] (pp. 231-242). कोट्टायम : DC बुक्स . ISBN 9789354321474
- वर्गीज, एसएस (2021)। सायनसुम अचदि अधुनिकथायुम : शास्त्र : संवाददथिंते केरलिया समोहिकाचरित्रम [विज्ञान और प्रिंट आधुनिकता: केरल में विज्ञान के साथ सार्वजनिक जुड़ाव का एक सामाजिक इतिहास]। बाबू चेरियन (पत्रिका, सं.) में। 2021. वक्कील लोकंगल : अचदिमलयालथिनते 200 वर्षांगल [शब्दों की दुनिया: केरल में मलयालम मुद्रण के 200 वर्ष] (पीपी. 581-622)। कोट्टायम: साहित्य प्रवर्तक को-ऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड (एसपीसीएस) और बेंजामिन बेली फाउंडेशन।
- वर्गीज , एसएस (2022)। कल्चरल पॉलिटिक्स ऑफ इंगेजमेंट: केरल शास्त्र साहित्य केरल में परिषद एंड द शेपिंग ऑफ अ साइंटीफिक-सिटिजन पब्लिक इन केरला। इन सुवोब्रत सरकार (सं.)। भारत में विज्ञान, प्रौद्योगिकी, पर्यावरण और चिकित्सा का इतिहास (पीपी। 79-95)। लंदन और न्यूयॉर्क: रूटलेज। आईएसबीएन 978-1-032-30712-1; दक्षिण एशिया संस्करण, रूटलेज इंडिया (2022)। डीओआई (अध्याय): 10.4324/9781003241980-6।

लेखक के रूप में प्रकाशित पुस्तकें

- दुबे, एम. और सिन्हा, कुणाल। (2021)। इंफार्मेशन एंड कम्यूनिकेशन टेक्नोलॉजी इन एजुकेशनल इन्सटीट्यूशन्स: कंप्रीहेन्सिव स्टडीज आफ डिफ्यूजन मॉडल इन हायर एजुकेशन इन रांचीरांची। नोशन प्रेस, चेन्नई

अन्य प्रकाशन (पत्रिकाएँ, समाचार पत्र, वेब पोर्टल)

- चक्रवर्ती, एस. और वर्गीज, एस.एस. (संपा.) (2021 अक्टूबर-दिसंबर)। आर्टिकल सीरीज: मेंटर-मेंटी रिलेशनशिप इन एकेडेमिया: नेचर, प्रॉब्लम्स एंड सॉल्यूशंस। कनफ्लुएंसेज: साइंस, साइंटिस्ट्स एंड सोसाइटी (ऐन एडिटोरियल मॉडरेटेड डिस्कशन फोरम), http://confluence.ias.ac.in/article-series-mentor-mentee-relationships-in-academia-nature-problems-and-solutions/
- वर्गीज , एस एस (2021, अक्टूबर)। एशियायेना अधिनिवेशनंतरा भूखंड भावना " [एशिया: द पोस्टकोलोनियल कॉन्टिनेंटल इमेजिनेशन]। टीटी श्रीकुमार की पुस्तक समीक्षा। पलायनागल : अधिनिवेशंगलम भूखंताथारा राष्ट्रीयवम । एनिओनियम त्रैमासिक 1(4), अक्टूबर 2021, पीपी. 168-171।

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी/वेबिनार/सम्मेलन/कार्यशाला आदि में शोधपत्र प्रस्तुति

- हेमंत कुमार, "इंडियन साइंस एंड टेक्नोलॉजी एट द टाइम ऑफ इंडिपेंडेंस: ए 'साइंस डिप्लोमेसी' पर्सपेक्टिव।" विज्ञान भारती, एनआईएससीपीआर - सीएसआईआर, और विज्ञान के सहयोग से जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "स्वतंत्रता आंदोलन में भारतीय विज्ञान की भूमिका" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मौखिक पत्र प्रस्तुत किया गया। विज्ञान प्रसार। फरवरी 28-मार्च 1, 2022।
- हेमंत कुमार, 'साइंस डिप्लोमेसी' एंड डेवलेपमेंट आफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी एजुकेशन: ऐन इंडियन पर्सपेक्टिव' शीर्षक से जेएनयू जीन मोनेट मॉड्यूल, यूरोपीय अध्ययन केंद्र, स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली तथा सेंटर फॉर स्टडीज इन स्ट्रैटेजिक टेक्नोलॉजीज (साइबर / स्पेस सिक्योरिटी), स्कूल ऑफ नेशनल सिक्योरिटी स्टडीज,

सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ गुजरात, गांधीनगर, गुजरात, के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित "ग्लोबल डायनेमिक्स एंड कंटेम्परेरी चैलेंजेज: यूरोप एंड भारत" कार्यक्रम में पत्र प्रस्तुत किया गया। अक्टूबर 20-21, 2021

- कुणाल सिन्हा "डिजिटल कन्वर्जेंस एंड इट्स इफेक्ट्स ऑन एनवायरनमेंट' शीर्षक पेपर 'इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च (ICSSR-ERC) में 25-26 फरवरी, 2022 को आयोजित सेंटर फॉर नॉलेज, आइडिया एंड डेवलेपमेंट स्टडीज (केएनआईडीएस), कोलकाता, द्वारा "सस्टेनेबल डेवलपमेंट: टैमिंग कंजम्पशन, इयरिंग फॉर इंक्लूसिविटी" विषय पर प्रायोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में पेपर प्रस्तुत किया।
- कुणाल सिन्हा " डिजिटलाइजेशन ऑफ हेल्थकेयर सिस्टम इन इंडिया: अ पर्सपेक्टिव एंड पेस्टल एनालिसिस' शीर्षक पत्र 'इलेक्ट्रॉनिक्स एंड हेल्थ इंफार्मेशन, TEHI-21' विषय पर प्राणवीर सिंह इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, कानपुर द्वारा 16-17 दिसंबर 2021 को आयोजित ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया।
- कुणाल सिन्हा, "आईपीआर एंड इट्स रोल इन द इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर आफ इंडिया" शीर्षक पत्र "इंटरनेशनल वर्चुअल कॉन्फ्रेंस ऑन डिसिप्लिनरी, इंटरडिसिप्लिनरी एंड मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च' विषय पर 'रिसर्च इंडिया फाउंडेशन (आरआईएफ) और चैतन्य डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी, वारंगल" द्वारा आयोजित, कार्यक्रम में 14 अक्टूबर 2021 को प्रस्तुत किया गया।
- कुणाल सिन्हा, "अंडरस्टैंडिंग द यूरोप एंड इंडिया रिलेशनशिप : इट्स रोल इन डेवलपमेंट ऑफ़ साइंस एंड टेक्नोलॉजी " शीर्षक पत्र जेएनयू, नई दिल्ली, आईसीसीडी, ओडीआई, और गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय गुजरात, गांधीनगर के सहयोग से 21 अक्टूबर 2021 को 'ग्लोबल डायनामिक्स एंड कंटेम्परी चैलेंजेज : यूरोप एंड इंडिया' विषय पर आयोजित इंटरनेशनल कांफ्रेंस में प्रस्तुत किया।
- कुणाल सिन्हा, "विमेन एंड हेल्थ इशू इन इंडिया" शीर्षक पत्र समाजशास्त्र विभागऔर IQUAC, DGC, गुरुग्राम, हरियाणा द्वारा 30 अक्टूबर 2021 को 'इंटरडिसिप्लिनरी इंटरनेशनल ई-कॉन्फ्रेंस' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में प्रस्तुत किया।
- वर्गीज , शिजू सैम। "टेक्नोलॉजी , कास्ट-बॉडीज एंड लेबर : थिंकिंग विथ डॉ. बी आर. आंबेडकर ऑन इनऑपरेटिविटी", शीर्षक पत्र कौंसिल फॉर वर्ल्ड मिशन द्वारा 'eDARE: राइज टू लाइफ : कंफेस्सिंग विटनेस टू लाइफ -फ़्लोरीशिंग कम्युनिटीज' विषय पर 25, 27 और 29 अक्टूबर, 2021 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ऑनलाइन) में प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय/क्षेत्रीय स्तर की संगोष्ठी/वेबिनार/सम्मेलन/कार्यशाला आदि में प्रस्तुत शोधपत्र।

- चंद्रहाश पटेल और कुणाल सिन्हा, "डिजिटल टेक्नोलॉजी कन्वर्जेंस एंड इट्स रोल इन ट्रांसफॉर्मिंग सोसाइटी" पेपर 46 वें अखिल भारतीय समाजशास्त्रीय सम्मेलन (ऑनलाइन) में प्रस्तुत किया, जिसे मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई द्वारा 'RC13- विज्ञान, प्रौद्योगिकी और समाज' विषय पर 10 दिसंबर 2021 को आयोजित किया गया।
- वर्गीज , शिजू सैम। "पोस्टह्यूमैनिज्म: एन इंट्रोडक्शन"। 02.12.2021 से 15.12.2021 (ऑनलाइन) तक यूजीसी एचआरडीसी, कालीकट विश्वविद्यालय, केरल द्वारा आयोजित मलयालम और केरल अध्ययन में छठे पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में 13.12.2021 को दो व्याख्यान दिए।
- वर्गीज , शिजू सैम। "पोस्टह्यूमनिज्म एंड द क्राइसिस ऑफ (ह्यूमन) साइंसेज" शीर्षक आमंत्रित व्याख्यान 'द पोस्टहुमन टर्न' विषय पर 17.02.2022 को स्नातकोत्तर और अनुसंधान अंग्रेजी विभाग और अंग्रेजी एसोसिएशन, सेंट थॉमस कॉलेज, कोझेनचेरी, केरल तथा महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, कोट्टायम के द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार में दिया।
- वर्गीज , शिजू सैम। "साइंस इन हिस्ट्री: एन इंट्रोडक्शन टू हिस्टोरिकल एपिस्टेमोलॉजी" शीर्षक व्याख्यान, यूजीसी-एमएचआरडी स्ट्राइड, महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, कोट्टायम और इतिहास विभाग, यूनियन क्रिश्चियन कॉलेज अलुवा के सहयोग से 'हिस्टोरिकल मेथड एंड थ्योरी' (अंतःविषयक) विषय पर 3-9 फरवरी 2022 के दौरान आयोजित एक सप्ताह के ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम में 07.02.2022 दिया।
- वर्गीज , शिजू सैम। "सोशल हिस्ट्री आफ साइंस इन इंडिया: एन इंट्रोडक्शन' शीर्षक व्याख्यान आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन

सेल (आईक्यूएसी) और इतिहास विभाग न्यूमैन कॉलेज, थोडुपुझा, केरल द्वारा 'थिम्स एंड पर्सपेक्टिव्स इन इंडियन हिस्ट्री: इशूज एंड प्रोस्पेक्टस' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार (यूजीसी परामर्श योजना के तहत) में 28.09.2021 को दिया।

- वर्गीज , शिजू सैम। नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ डिजास्टर मैनेजमेंट(एनआईडीएम), गृह मंत्रालय, भारत सरकार और धारिणी - इकोलॉजी & हेरिटेज कन्सेर्वटिव ट्रस्ट द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 'डिजास्टर एंड कम्युनिटीज : वल्नेरेबिलिटी , रेसिलिएंस एंड प्रेपेयरेडनेस : ऐन एक्सप्लोरेशन ऑफ़ द रोल ऑफ़ हेरिटेज' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार में 04.02.2022 को आमंत्रित व्याख्यान।

प्रतिष्ठित संस्थानों में संगोष्ठी/सम्मेलन/वेबीनार आदि के अतिरिक्त अकादमिक प्रकृति के आयोजित व्याख्यान

- कुमार, हेमंत. अटल बिहारी वाजपेयी संस्थान ऑफ मैनेजमेंट एंड एंटरप्रेन्योरशिप (डीएबीवीएसएमई) विभाग जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, और इम्पैक्ट असेसमेंट ऑफ़ स्टार्ट-अप विलेज एन्त्रेप्रेंयूर्शिप प्रोग्राम, महात्मा गांधी ग्रामीण शिक्षा परिषद, उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित परियोजना के अंतर्गत "सस्टेनेबल सोशल इनोवेशन फॉर रूरल इंटीग्रेशन" विषय पर आयोजित कार्यक्रम में "रिइमैजिनिंग द सोशल एंटरप्राइज थ्रू ग्राससरूट्स सोशल इन्नोवेशंस इन इंडिया " शीर्षक से 23 मार्च, 2022 को विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।

- वर्गीज , शिजू सैम। " शस्त्रथथिंते " संस्कारिका पदानागलककोरमुखम" [विज्ञान के सांस्कृतिक अध्ययन का एक परिचय], मलयालम विभाग, डॉ पीके राजन कैंपस, नीलेश्वरम , कन्नूर विश्वविद्यालय, केरल में मंगलवार, 15.03.2022 को शाम 7.30 बजे ऑनलाइन आमंत्रित व्याख्यान।

अकादमिक गतिविधियों जैसे संगोष्ठी/सम्मेलन में शोधपत्र प्रस्तुति आदि के अतिरिक्त सत्रीय अध्यक्षता, संगोष्ठी आयोजक, आदि के रूप में प्रतिभागिता

- कुणाल सिन्हा, 46वां अखिल भारतीय सामाजिक सम्मेलन ऑनलाइन मोड मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई द्वारा आयोजित किया गया RC13- विज्ञान, प्रौद्योगिकी और समाज। 10 दिसंबर 2021। सत्र अध्यक्ष।

प्रशिक्षण/अभिविन्यास/पुनश्चर्या कार्यक्रम में प्रतिभागिता

- अय्यर, पार्वती के. शिक्षा मंत्रालय के तत्वावधान में टीचिंग लर्निंग सेंटर, रामानुजम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'ऑनलाइन कक्षाओं का प्रबंधन और सह-निर्माण एमओओसीएस 7.0' पर अंतःविषय दो सप्ताह ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम/संकाय विकास कार्यक्रम , 5-19 अगस्त, 2021 तक सीएमएस कॉलेज, कोट्टायम, केरल के सहयोग से पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक और शिक्षण मिशन।

- अय्यर , पार्वती के.. मानव संसाधन विकास केंद्र, हैदराबाद विश्वविद्यालय द्वारा 19-31 जुलाई, 2021 तक सामाजिक विज्ञान संकाय के लिए अनुसंधान पद्धति पर दो सप्ताह का ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम।

- कुणाल सिन्हा। कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग, राजीव गांधी विश्वविद्यालय (एक केंद्रीय विश्वविद्यालय), रोनो -हिल्स द्वारा आयोजित सॉफ्ट कंप्यूटिंग टूल्स (एआई और एमएल के साथ) का उपयोग करते हुए बिग डेटा एनालिटिक्स पर एआईसीटीई प्रायोजित शॉर्ट टर्म ट्रेनिंग प्रोग्राम में भाग लिया और सफलतापूर्वक पूरा किया। , दोईमुख-791112, अरुणाचल प्रदेश, भारत 29 नवंबर 2021 से 04 दिसंबर 2021 (6 दिन) तक आयोजित किया गया।

- कुणाल सिन्हा। शिक्षा मंत्रालय के तत्वावधान में आईक्यूएसी, समीर गांधी कला महाविद्यालय और वाणिज्य और विज्ञान कॉलेज, मालशीरस सोलापुर, महाराष्ट्र के सहयोग से टीचिंग लर्निंग सेंटर, रामानुजन कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "अनुसंधान पद्धति" पर दो सप्ताह का अंतर-अनुशासनात्मक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक और शिक्षण मिशन 20 फरवरी - 06 मार्च, 2022 से और ग्रेड ए प्राप्त किया।

- वर्गीज , शिजू सैम। महात्मा हंसराज फैकल्टी डेवलपमेंट सेंटर, हंसराज कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से इतिहास विभाग, हंसराज कॉलेज द्वारा आयोजित "इतिहासलेखन और अनुसंधान पद्धति" (19-24 अप्रैल 2021) पर एक सप्ताह (ऑनलाइन) अंतःविषय संकाय विकास कार्यक्रम।

शोध छात्र / निर्देशित

नाम	कार्यक्रम की प्रकृति (एम. फिल/पीएच. डी)	वर्ष 2021-22 के दौरान नए पंजीकृत छात्रों की संख्या
वर्गीज, शिजू साम	पीएचडी	1
सिन्हा, कुणाल	पीएचडी	1
कुमार, हेमंत	पीएचडी	1

केंद्र और उसके संकाय सदस्यों द्वारा किए गए विस्तार एवं अन्य गतिविधियां

अय्यर , पार्वती के.

- सदस्य, संस्थागत आचार समिति, भारतीय जन स्वास्थ्य संस्थान, गांधीनगर (2017-अब तक)

वर्गीज , शिजू सैम

- संपादकीय बोर्ड के सदस्य, संगम: विज्ञान, वैज्ञानिक और समाज, भारतीय विज्ञान अकादमी, बेंगलुरु का वेब पोर्टल ..
- एनसीसी समीक्षा के बोर्ड सदस्य, भारत में चर्चों की राष्ट्रीय परिषद (एनसीसीआई), नई दिल्ली। डब्ल्यूईएफ . जनवरी 2022
- सुश्री दक्षता की अकादमिक सलाह लिंगायत ने "सार्वजनिक जुड़ाव में एस एंड टी नीति निर्माण" पर अपने शोध में, डीएसटी-एसटीआई युवा नीति पेशेवर को डीएसटी-सीपीआर, आईआईएससी बेंगलुरु में फेलोशिप कार्यक्रम के हिस्से के रूप में भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार के कार्यालय में होस्ट किया। 21.09.2021 से प्रभावी।
- संपादकीय संपादकीय बोर्ड के सदस्य, विद्यांकुर : ज्ञान द्वारा प्रकाशित दार्शनिक और धर्मशास्त्रीय अध्ययन जर्नल (वीजेपीटीएस) दीपा विद्यापीठ , पुणे, भारत। आईएसएसएन पी-2320-9429। डब्ल्यूईएफ . जनवरी 2021।

कुणाल सिन्हा

- सदस्य, विद्यालय प्रबंधन समिति (वीएमसी), केन्द्रीय विद्यालय (केवी), सेक्टर -30, गांधीनगर

विश्वविद्यालय प्रशासन में समिति के सदस्यों के रूप में अथवा अतिरिक्त उत्तरदायित्व के वहन हेतु संकाय सदस्यों की प्रतिभागिता

अय्यर , पार्वती के.

- सदस्य, बोर्ड ऑफ स्टडीज, सेंटर फॉर स्टडीज इन साइंस, टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन पॉलिसी, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
- सदस्य, संस्थान बोर्ड ऑफ स्टडीज, समाज विज्ञान संस्थान, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ गुजरात

वर्गीज , शिजू सैम

- सदस्य, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय, गांधीनगर की चौथी अकादमिक परिषद से प्रभावी। 20.02.2020।
- समन्वयक, एमए लिंग अध्ययन कार्यक्रम , सामाजिक विज्ञान के संस्थान, गुजरात के केंद्रीय विश्वविद्यालय, गांधीनगर, से प्रभावी । 02.09.2021।
- सदस्य, शून्य सेमेस्टर समिति, प्रभावी। 04.06.2021
- महिला एवं बाल विकास मंत्रालय और शिक्षा मंत्रालय के कार्यालय ज्ञापन एफ.सं.17-15-2020-यू.5 दिनांक 11 दिसंबर के तहत प्राप्त निर्देशों के अनुसार लिंग आधारित हिंसा को समाप्त करने के लिए जागरूकता गतिविधियों के सुचारू संचालन के लिए सदस्य, आयोजन समिति 2020, 05.01.2021 प्रभावी।
- सदस्य, बोर्ड ऑफ स्टडीज, सेंटर फॉर स्टडीज इन साइंस, टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन पॉलिसी (सीएसएसटीआईपी), संस्थान ऑफ सोशल साइंसेज (एसएसएस), गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय, गांधीनगर।

कुणाल सिन्हा

- अध्यक्ष महोदय, योजना सीखते समय कमाएं (2014 से अब तक) सदस्य, शून्य सेमेस्टर समिति (2014 से अब तक)
- सदस्य, सेंटर बोर्ड ऑफ स्टडीज-सेंटर फॉर स्टडीज इन साइंस, टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन पॉलिसी संस्थान ऑफ सोशल साइंसेज
- सदस्य, एमए सोशल मैनेजमेंट,
- सदस्य, सेंटर बोर्ड ऑफ स्टडीज, एमए सोशल वर्क,
- सदस्य, लेखा परीक्षा और लेखा, पुस्तकालय।
- सदस्य, आईक्यूएसी,
- सदस्य, अकादमिक परिषद (2021-2023)

हेमंत कुमार

- समन्वयक, सेंटर फॉर स्टडीज इन साइंस टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन पॉलिसी, संस्थान ऑफ सोशल साइंसेज,
- सीयूसीईटी (केंद्रीय विश्वविद्यालय सामान्य प्रवेश परीक्षा) परीक्षा 2021-22, सीयूजी के लिए उप नोडल अधिकारी।
- सदस्य, सेंटर बोर्ड ऑफ स्टडीज, सीएसएसटीआईपी, सीयूजी (नवंबर 2012 से)।
- सदस्य, सेंटर बोर्ड ऑफ स्टडीज, सीएसएसएम, एसएसएस, सीयूजी
- सदस्य, सेंटर बोर्ड ऑफ स्टडीज, सीएसएसडी, एसएसएस, सीयूजी
- सदस्य, स्कूल बोर्ड ऑफ स्टडीज, एसएसएस, सीयूजी
- सदस्य संपत्ति सत्यापन समिति, सीयूजी, 2019-22

सामाजिक प्रबंधन अध्ययन केंद्र

केंद्र का परिचय

सामाजिक प्रबंधन अध्ययन केंद्र (सीएसएसएम) की स्थापना अंतरानुशासनिक अध्ययन पद्धति को ध्यान में रखते हुए किया गया था। इसका लक्ष्य सामाजिक विकास से संबंधित और जटिल सामाजिक समस्याओं के निवारण से संबंधित सामाजिक कार्य, प्रबंधन एवं सार्वजनिक नीति से संबंधित विषयों को शामिल करना है। इस पाठ्यक्रम की शुरुआत वर्ष 2010-11 में की गई थी।

एक अनुशासन के रूप में सामाजिक प्रबंधन अध्ययन केंद्र के अंतर्गत प्रभावी शिक्षण एवं शोध कार्यक्रम को संचालित किया जाता है जिससे कि नीतिगत समस्याओं के समाधान के लिए सैद्धांतिक ज्ञान, व्यावहारिक ज्ञान एवं कौशल को समझा जा सके और विकसित किया जा सके। इस केंद्र का मुख्य विचार प्रशिक्षुओं एवं शोधार्थियों को निर्मित करना है ताकि विकास क्षेत्र के लिए अभिनव एवं महत्त्वपूर्ण तरीकों के विकास में अपना योगदान दे सकें। यह केंद्र नीति क्षेत्र से संबंधित विविध क्षेत्रों को देखते हुए विभिन्न स्तरों पर शिक्षा, सरकार, नागरिक समाज एवं गैर सरकारी संगठनों के बीच परस्पर संवाद के लिए एक मंच प्रदान करता है।

सी एस एस एम के अनुसंधान के क्षेत्र हैं: शासन, सुधारों का प्रबंधन, सामाजिक बहिष्करण, कानून और सीमांतता, प्रवासन, वित्तीय समावेशन, महिला अधिकारिता, कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व, पुलिस अध्ययन, आपराधिक न्याय सुधार और संस्थागत अध्ययन।

केंद्र स्तर पर कार्यरत शिक्षक

डॉ. सोनी कुंजप्पन, सहायक प्रोफ़ेसर और समंवयक

रूचि के क्षेत्र- सामाजिक कार्य शिक्षा, शासन, अपराध विज्ञान, पुलिस अध्ययन, आपराधिक न्याय सामाजिक कार्य, जेल सुधार, किशोर न्याय, न्याय शिक्षा और मानवाधिकार।

डॉ. लिट्टी डेनिस, सहायक प्रोफ़ेसर

रूचि के क्षेत्र- वित्तीय समावेशन, प्रबंधन सिद्धांत और व्यवहार, वित्तीय प्रबंधन, लेखा, कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व

डॉ. सुदीप बसु, सहायक प्रोफ़ेसर

रूचि के क्षेत्र- शरणार्थी और प्रवासी अध्ययन, सामाजिक बहिष्करण और हाशियापन, प्रवासन, जातीयता, ज्ञान का समाजशास्त्र, दार्शनिक नृविज्ञान

डॉ. रोजा लक्ष्मी (अनुबंध पर)

रूचि के क्षेत्र- शिक्षा का समाजशास्त्र, सामाजिक बहिष्करण और हाशियापन, सामाजिक उद्यमिता, लिंग और जनजातीय अध्ययन।

प्रतिष्ठित / विशेषज्ञ समीक्षित / यूजीसी द्वारा अनुमोदित पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख और शोधपत्र

- एंटो , जैस्मी और डेनिस लिट्टी. (2021). सोशल कैपिटल मोबिलाइजेशन थ्रू कम्यूनिटी बेस्ड ऑर्गेनाइजेशन्स फॉर द इफेक्टिव मैनेजमेंट ऑफ रूरल कॉमन्स: अ स्टडी ऑफ 'कुदुम्बश्री' पर एक अध्ययन। ग्रामीण विकास जर्नल, 40 (3) 373-382।
- लक्ष्मी एमआर और ईश्वरप्पा के. (2022). कोटिडियन बिलिफ्स एंड प्रैक्टिसेज इन मैटरनल एंड चाइल्ड हेल्थ केयर: ऐन इम्पिरिकल स्टडी अमांग द इरूला ट्राइब ऑफ तमिलनाडू. कंटेम्परेरी वायस ऑफ दलित', 13 (3), 1-15। दोई : 10.1177/2455328X211066193
- बसु , सुदीप . (2022). रिडिंग इग्नोरेंस इन रिफ्यूजी रिसर्च. संगोष्ठी, 750, 38-40।

संपादित संस्करण में प्रकाशित शोधपत्र

- कुंजप्पन , सोनी। (2021)। फॅमिली लाइफ इन लॉकडाउन एंड लर्निंग लेसंस. इन भट्ट संजय (संपा.) लाइफ अंडर लॉकडाउन : लाइव्ड एक्सपेरिएंसेस एंड लेसंस लर्न्ट (पीपी 145-150)। पेपिरस स्क्रॉल, नई दिल्ली।

राष्ट्रीय/क्षेत्रीय स्तरीय संगोष्ठी/वेबिनार/सम्मेलन/कार्यशाला आदि में प्रस्तुत शोधपत्र

- डेनिस लिट्टी और सोलंकी जयेश - 25 और 26 अक्टूबर 2021 को 'क्रिएशन ऑफ़ कैपेबिलिटीज एंड जेंडर गैप्स इन स्किल डेवलपमेंट लैंडस्केप : इंटरप्रेटिंग थ्रू द ह्यूमन डेवलपमेंट एंड कैपेबिलिटीज फ्रेमवर्क' विषय पर इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग, एसवीएनआईटी, सूरत द्वारा आयोजित सतत विकास लक्ष्यों और लिंग परिप्रेक्ष्य पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पत्र प्रस्तुति (आभासी माध्यम)।
- लक्ष्मी रोजा - 28 से 30 अगस्त 2021 को समाजशास्त्र और आईक्यूएसी, गुरुग्राम विभाग द्वारा आयोजित ग्लोबलाइज्ड वर्ल्ड में महिलाओं पर अंतःविषयक अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन में ' 'मैटरनल एंड चाइल्ड हेल्थ केयर प्रैक्टिसेज अमंग इरुला ट्राइब्स' विषय पर पत्र प्रस्तुति।

प्रतिष्ठित संस्थानों में संगोष्ठी/सम्मेलन/वेबीनार आदि के अतिरिक्त अकादमिक प्रकृति के आयोजित व्याख्यान

- कुंजप्पन सोनी - 'न्यू पब्लिक मैनेजमेंट एंड पुलिसिंग', पारुल इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ में वेबिनार 26 मार्च 2022 को आयोजित - एक विषय विशेषज्ञ के रूप में
- डेनिस लिट्टी - 'राइटिंग रिसर्च समरी एंड हाउ टू कन्वर्ट थीसिस इन जर्नल आर्टिकल', सर्टिफिकेट कोर्स ऑन साइंटिफिक रिसर्च राइटिंग , आईक्यूएसी, गुजरात यूनिवर्सिटी द्वारा 4 फरवरी, 2022 को आयोजित - एक विषय विशेषज्ञ के रूप में।
- डेनिस लिट्टी - 'ऑन द इंटेरसेक्शन्स ऑफ़ फाइनेंसियल इन्क्लूसिव एंड वीमेन एम्पावरमेंट इन इंडिया', अरिवु व्याख्यान श्रृंखला-13, प्रसारंगा कुवेम्पु विश्वविद्यालय दिसंबर, 2021 को आयोजित - एक विषय विशेषज्ञ के रूप में।
- बसु सुदीप - महानिरबन कलकत्ता अनुसंधान समूह और मानव विज्ञान संस्थान (आईडब्ल्यूएम), वियना द्वारा 23 और 24 फरवरी 2022 को आयोजित 'माइग्रेशन एंड फोर्स्ड माइग्रेशन स्टडीज में पाठ्यक्रम बनाने और अनुसंधान विधियों पर दो दिवसीय शिक्षक कार्यशाला' - एक पैनलिस्ट के रूप में

प्रशिक्षण/अभिविन्यास/पुनश्चर्या कार्यक्रम में प्रतिभागिता

- कुंजप्पन सोनी - ऑनलाइन पाठ्यक्रम डिजाइन, विकसित और वितरित करने पर संकाय विकास कार्यक्रम , 2 से 6 अगस्त 2021

- कुंजप्पन सोनी - राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 पर ऑनलाइन शॉर्ट-टर्म कोर्स, 20 से 26 अक्तूबर 2021
- बसु सुदीप-रीडिंग रिफ्यूजी, रीडिंग माइग्रेशन: महानिरबन कलकत्ता रिसर्च ग्रुप (सीआरजी) द्वारा मानव विज्ञान संस्थान (आईडब्ल्यूएम), वियना के सहयोग से 17 जुलाई, 2021 से 29 तक कॉलेज और विश्वविद्यालय के शिक्षकों के लिए एक (ऑनलाइन) ओरिएंटेशन कोर्स। अगस्त, 2021

संचालित शोध परियोजनाएं

- प्रधान अन्वेषक - डॉ लिट्टी डेनिस, परियोजना का शीर्षक - "एन्हान्सिंग अल्टरनेटिव लाइवलीहुड ओप्पोर्चुनिटीज़ फॉर फीमेल सेक्स वर्कर्स - अ स्टडी ऑफ़ रोल ऑफ़ नॉट-फॉर प्रॉफिट ऑर्गनाइजेशन्स एंड माइक्रो फिनांस इंस्टीटूशन्स इन अहमदाबाद डिस्ट्रिक्ट" फंडिंग एजेंसी - अंडर गार्गी - सेंटर फॉर द होलिस्टिक डेवलपमेंट ऑफ़ वीमेन (2021) -, डॉ बाबासाहेब अम्बेडकर मुक्त विश्वविद्यालय, स्वीकृत राशि रु . 25000 परियोजना की अवधि- 2021-2022 (जारी)

शोध छात्र / निर्देशित

नाम	कार्यक्रम की प्रकृति (एम. फिल/पीएचडी)	वर्ष 2021-22 के दौरान पंजीकृत नए छात्रों की संख्या
डेनिस लिट्टी	पीएचडी	1

केंद्र और उसके संकाय द्वारा किए गए विस्तार, आउटरीच और अन्य समान गतिविधियां:

सामाजिक कार्य और सामाजिक प्रबंधन के छात्रों को उनके फिल्ड वर्क के काम के लिए जिला बाल संरक्षण इकाई, अहमदाबाद, जिला बाल संरक्षण इकाई, गांधीनगर, सखी-वन स्टॉप सेंटर, अहमदाबाद, बाल गृह, गांधीनगर, नेहरू युवा केंद्र जैसे विभिन्न सरकारी संस्थानों में भेजा जाता है। इसके अतिरिक्त पर्यावरण स्वच्छता संस्थान, साबरमती समृद्धि सेवा संघ, कैलाश धाम वृद्ध आश्रम, आम्रपाली वृद्ध आश्रम जैसे गैर सरकारी संस्थानों में भी छात्र जाते हैं।

विश्वविद्यालय प्रशासन में समिति के सदस्यों के रूप में अथवा अतिरिक्त उत्तदायित्व के वहन हेतु संकाय सदस्यों की प्रतिभागिता

डॉ. सोनी कुंजप्पन

- समन्वयक, सीएसएसएम
- सदस्य, आर्डिनेंस समिति, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
- अंतर्राष्ट्रीय छात्र सलाहकार (आईएसए), गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
- समन्वयक, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय पूर्व छात्र प्रकोष्ठ, सीयूजी
- सदस्य, सीएएसआर, एसएसएस
- सदस्य, एसएसएस, संस्थान बोर्ड
- सदस्य, अध्ययन बोर्ड, (बीओएस) सामाजिक कार्य में एमए, एसएसएस
- सदस्य, केंद्र अध्ययन बोर्ड, CSSM
- सदस्य, प्रवेश समिति, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय

- सदस्य, अनुशासन समिति, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
- आरएसी सदस्य, शिक्षा अध्ययन और अनुसंधान केंद्र
- विदेशी छात्रों के लिए नियम और विनियम तैयार करने वाली समिति के सदस्य
- अध्यक्ष, सीएसएसएम स्थानन प्रकोष्ठ

डॉ. लिट्टी डेनिस

- सदस्य, उन्नत भारत अभियान समिति, सीयूजी
- सदस्य, सेंटर बोर्ड ऑफ स्टडीज, समाज एवं विकास अध्ययन केंद्र
- सदस्य, सेंटर बोर्ड ऑफ स्टडीज, सामाजिक प्रबंधन अध्ययन केंद्र
- सदस्य, स्कूल बोर्ड ऑफ स्टडीज, सामाजिक विज्ञान संस्थान
- आरएसी सदस्य, शिक्षा अध्ययन और अनुसंधान केंद्र

डॉ. सुदीप बसु

- सदस्य, सेंटर बोर्ड ऑफ स्टडीज, सामाजिक प्रबंधन अध्ययन केंद्र
- आरएसी सदस्य, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और अभिनव नीति अध्ययन केंद्र, एसएसएस
- आरएसी सदस्य, समाज एवं विकास अध्ययन केंद्र , एसएसएस

समाज एवं विकास अध्ययन केंद्र

केंद्र का परिचय

समाज एवं विकास अध्ययन केंद्र वर्ष 2009 में स्थापित किया गया था। समाज विज्ञान संस्थान के अंतर्गत समाज एवं विकास अध्ययन केंद्र एक मात्र केंद्र है जो विकास पर कलात्मक दृष्टिकोण से समाजशास्त्र और नृविज्ञान के विषयों के लिए काम करते हैं। इस केंद्र का मुख्य उद्देश्य समाज और विकास के सैद्धांतिक और व्यावहारिक पहलुओं और उनके बीच के ज्ञान को बढ़ावा देना एवं उनका प्रसार करना है। इस केंद्र के पाठ्यक्रम स्थानीय विकास के साथ-साथ सामाजिक विकास से संबंधित वैश्विक मुद्दों पर विभिन्न सैद्धांतिक विमर्शों एवं बहसों के साथ परिचय कराना एवं उन्हें शामिल करना है। यह केंद्र राज्य और विभिन्न संस्थानों से संबंधित विभिन्न प्रक्रियाओं, कारकों, संरचनाओं और शक्ति संबंधों का विश्लेषण करने के साथ-साथ उनकी संरचना एवं संघर्ष का भी विश्लेषण करता है।

संचालित पाठ्यक्रम

- समाजशास्त्र में एम॰ ए॰
- समाज एक विकास में एम॰ फिल॰ एवं पीएच॰ डी॰

केंद्र स्तर पर कार्यरत शिक्षक

डॉ. खैखोलेनी हाओकिप , समन्वयक और सहायक प्रोफेसर
रुचि के क्षेत्र: मानवाधिकार, सामाजिक आंदोलन और जनजातीय अध्ययन

डॉ जयश्री अंबेवाडीकर , सहायक प्रोफेसर
रुचि के क्षेत्र: सीमांत समुदायों का समाजशास्त्र, सामाजिक बहिष्करण और समावेशन का अध्ययन, गरीबी और सामाजिक सुरक्षा प्रणालियों पर अध्ययन

डॉ. सुदर्शन पपन्ना , सहायक प्रोफेसर
रुचि के क्षेत्र: शहरी समाजशास्त्र, समाजशास्त्रीय सिद्धांत, सामाजिक विज्ञान का दर्शन, भारतीय समाज, समकालीन सामाजिक प्रक्रियाएं।

डॉ. मधुमिता बिस्वाल , सहायक प्रोफेसर (अनुबंध पर)
रुचि के क्षेत्र: जेंडर का समाजशास्त्र, स्वास्थ्य का समाजशास्त्र, विकास का समाजशास्त्र

प्रतिष्ठित / विशेषज्ञ समीक्षित / यूजीसी द्वारा अनुमोदित पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख और शोधपत्र

- लैशराम , चिंगलेन और हाओकिप , खैखोलेन (2021) डज कास्ट बेस्ड सोशल स्ट्रैटिफिकेशन मॉडरेट द रिलेशनशिप बिटवीन सोशल कैपिटल एंड लाइफ सटिस्फैक्शन? एविडेंस फ्रॉम इंडिया, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सोशियोलॉजी, 51:6, 413-432।

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी/वेबिनार/सम्मेलन/कार्यशाला आदि में शोधपत्र प्रस्तुति

- खैखोलेन होकिप ने NALSAR, हैदराबाद और SOAS के सहयोग से, समाजशास्त्र विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'स्टेट एंड सोसाइटी इन कंटेम्परी इंडिया', टी के ओमेन उत्सव में "“पॉलिटिक्स ऑफ़ इंडिजेनिटी इन इंडिया : द केस ऑफ़ मणिपुर” शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। लंदन विश्वविद्यालय, 24-26 मार्च, 2022।

राष्ट्रीय/क्षेत्रीय स्तरीय संगोष्ठी/वेबिनार/सम्मेलन/कार्यशाला आदि में प्रस्तुत शोधपत्र।

- जयश्री अंबेवाड़ीकर ने समाजशास्त्र विभाग, मुंबई विश्वविद्यालय के शताब्दी समारोह में, 8, 9 और 10 दिसंबर 2021 को "कंस्टीटूशन , माइनॉरिटी , सिटीजनशिप : मैपिंग सेवेंटी इयर्स ऑफ़ इंडियन रिपब्लिक” विषय पर 46वें अखिल भारतीय समाजशास्त्र सम्मेलन (ऑनलाइन) में ISS RC-08 में ‘‘ इनइक्वेलिटी, स्ट्रैटिफिकेशन एंड एक्सक्लूशन के अंतर्गत " “नोमेडिक ट्राइब्स, एक्सक्लूशन एंड इंक्लूसिव पालिसी” शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया।।

प्रतिष्ठित संस्थानों में संगोष्ठी/सम्मेलन/वेबीनार आदि के अतिरिक्त अकादमिक प्रकृति के आयोजित व्याख्यान

- जयश्री अंबेवाडीकर ने विश्वविद्यालय के लिए 16-08-2021 से 29-08-2021 तक मानव संसाधन विकास केंद्र, गुजरात विश्वविद्यालय अहमदाबाद द्वारा आयोजित यूजीसी द्वारा प्रायोजित समाज विज्ञान के दूसरे ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स में 21.08.2021 को "सोशल एक्सक्लूशन : कांसेप्ट एंड कॉन्टेक्स्ट" विषय पर एक विषय विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान दिया।
- जयश्री अंबेवाडीकर ने मानव संसाधन विकास केंद्र, गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद एवं यूजीसी द्वारा प्रायोजित तथा 16-08-2021 से 29-08-2021 तक आयोजित समाज विज्ञान के दूसरे ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स में 21-08-2021 को "मल्टीपल साइट्स ऑफ़ एक्सक्लूशन बट लिमिटेड इन्क्लूसिव" विषय पर एक संसाधन व्यक्ति के रूप में व्याख्यान दिया।

प्रशिक्षण/अभिविन्यास/पुनश्चर्या कार्यक्रम में प्रतिभागिता

- जयश्री अम्बेवाडीकर ने 12 से 26 जुलाई 2021 तक पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग , शिक्षा मंत्रालय और टीचिंग लर्निंग सेंटर, रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सामाजिक विज्ञान और मानविकी हेतु आयोजित ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया।
- जयश्री अम्बेवाडीकर ने 23जुलाई से 6 अगस्त, 2021 तक पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग , शिक्षा मंत्रालय और टीचिंग लर्निंग सेंटर, रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'फेमिनिस्ट टीचिंग एंड रिसर्च इन हायर एजुकेशन : थ्योरी एंड प्रैक्टिस'' विषय पर ऑनलाइन अंत:विषयक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया।
- जयश्री अम्बेवाडीकर ने 22 दिसंबर 2021 से 5 जनवरी 2022 के दौरान पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग, शिक्षा मंत्रालय और टीचिंग लर्निंग सेंटर, रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'रिसर्च मेथोडोलॉजी' विषय पर ऑनलाइन अंत:विषयक संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया।
- सुदर्शन पपन्ना ने 05 से 09 अप्रैल 2021 तक सूचना और पुस्तकालय नेटवर्क (INFLIBNET) केंद्र, गांधीनगर , गुजरात द्वारा आयोजित " रिसर्च मेथोडोलोजी एंड एथिक्स : प्लेगियरीज्म इश्यूज रिफरेन्स मैनेजमेंट टूल्स एंड अलटमेट्रिक्स " पर पांच दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
- खैखोलेन होकिप ने संकाय विकास, सीएसईपी, एसएसएस, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय, द्वारा 7-18 जून 2021 को आयोजित दो सप्ताह की अनुसंधान पद्धति कार्यशाला में भाग लिया।

विश्वविद्यालय प्रशासन में समिति के सदस्यों के रूप में अथवा अतिरिक्त उत्तदायित्व के वहन हेतु संकाय सदस्यों की प्रतिभागिता

डॉ. खैखोलेनी होकिप

- समन्वयक, समाज एवं विकास अध्ययन केंद्र, सामाजिक विज्ञान संस्थान
- सदस्य, स्कूल बोर्ड, सामाजिक विज्ञान संस्थान
- सदस्य, बोर्ड ऑफ स्टडीज, समाज एवं विकास अध्ययन केंद्र
- सदस्य, उन्नत अध्ययन और अनुसंधान समिति, सामाजिक विज्ञान संस्थान,
- सदस्य, संस्थान स्तरीय समय सारिणी समिति (2020-2021), सामाजिक विज्ञान संस्थान,
- समाज एवं विकास अध्ययन केंद्र के SWAYAM समन्वयक

- सीयूजी वेबसाइट को अद्यतन करने के लिए एसएसएस के लिए आईसीटी समिति
- सदस्य, सेंटर बोर्ड ऑफ स्टडीज, सीएसएसडी / सामाजिक विज्ञान संस्थान
- सदस्य, प्रवेश मूल्यांकन समिति, सीयूजी प्रवेश 2021
- सदस्य, विभागीय अकादमिक एकीकृत पैनल
- सदस्य, साक्षात्कार पैनल पीएचडी प्रवेश 2021

डॉ. जयश्री अम्बेवादीकर

- सदस्य, बोर्ड ऑफ स्टडीज, समाज एवं विकास अध्ययन केंद्र, सामाजिक विज्ञान संस्थान
- सदस्य, बोर्ड ऑफ स्टडीज, सामाजिक विज्ञान संस्थान
- विशेष आमंत्रित सदस्य, सामाजिक कार्यक्रम में एमए, सामाजिक विज्ञान संस्थान
- सदस्य, तुलनात्मक साहित्य और अनुवाद अध्ययन केंद्र का विभागीय अकादमिक एकीकृत पैनल, भाषा साहित्य और सांस्कृतिक अध्ययन संस्थान
- सामाजिक विज्ञान संस्थान में पीएचडी छात्रों के लिए अनुसंधान और प्रकाशन नैतिकता के लिए पाठ्यक्रम कार्य तैयार करने वाली समिति के सदस्य

डॉ. सुदर्शन पपन्ना

- सदस्य, बोर्ड ऑफ स्टडीज, समाज एवं विकास अध्ययन केंद्र, सामाजिक विज्ञान संस्थान
- विज्ञान, प्रौद्योगिकी और अभिनव नीति अध्ययन केंद्र के विभागीय अकादमिक एकीकृत पैनल के सदस्य, सामाजिक विज्ञान संस्थान

डायस्पोरा अध्ययन केंद्र

केंद्र का परिचय

प्रवासी अध्ययन केंद्र की स्थापना वर्ष 2011हुई थी। इसका उद्देश्य बहु-विषयक दृष्टिकोण से वैश्विक प्रवास और डायस्पोरा के मुद्दों का अध्ययन करना और महत्वपूर्ण रूप से इन मुद्दों से जुड़ना है। साथ ही, शिक्षा, सरकार और समाज के लिए गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान एवं ज्ञान का सृजन करना भी केंद्र के उद्देश्यों में शामिल है। डायस्पोरा अध्ययन एक नया अंतःविषय क्षेत्र है जो मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान में उभरा है जो प्रवासन और इसके सांस्कृतिक, साहित्यिक, सामाजिक, जनसांख्यिकीय, नृविज्ञान, राजनीतिक, आर्थिक प्रभाव और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के अध्ययन से संबंधित है। केंद्र विशेष रूप से भारतीय डायस्पोरा और सामान्य रूप से वैश्विक डायस्पोरा पर केंद्रित है। डायस्पोरा अध्ययन ने कई नए शोध क्षेत्रों के लिए मार्ग प्रशस्त किया है, जिन पर अध्ययन और शोध करने की आवश्यकता है। केंद्र एक बहु-विषयक ढांचे के साथ अध्ययन करता है और आपसी संबंधों और अभिसरण की रूपरेखा को संबोधित करता है।

केंद्र द्वारा संचालित पाठ्यक्रम

- डायस्पोरा अध्ययन में पीएच॰ डी॰ (2021-22)

केंद्र स्तर पर कार्यरत शिक्षक

डॉ॰ अतनु मोहापात्रा, एसोसिएट प्रोफ़ेसर एवं अध्यक्ष
रुचि के विषय क्षेत्र: डायस्पोरा अध्ययन, मीडिया अध्ययन, अंतरराष्ट्रीय संबंध, विकास अध्ययन, अनुसंधान प्रणाली विज्ञान।

डॉ॰ रजनीश कुमार गुप्ता, सहायक प्रोफ़ेसर
रुचि के विषय क्षेत्र: डायस्पोरा और अंतर्राष्ट्रीय संबंध, भारतीय प्रवासी नीति, अफ्रीका में भारतीय प्रवासी, पहचान प्रतिधारण के मुद्दे, प्रवासियों के बीच एकीकरण एवं आत्मसातीकरण, प्रवासी एवं प्रवासी समुदायों के मानव अधिकार।

डॉ॰ सिबा संकर मोहंती, सहायक प्रोफ़ेसर
रुचि के विषय क्षेत्र: डायस्पोरा और अंतर्राष्ट्रीय संबंध, अप्रवासन नीतियां और विधि, प्रवासी साहित्य, संस्कृति अध्ययन, कैरिबियन में भारतीय प्रवासी, कैरिबियन और लैटिन अमेरिकी अध्ययन।

डॉ॰ नरेश कुमार, सहायक प्रोफ़ेसर
रुचि के विषय क्षेत्र: आंतरिक/अंतर्राष्ट्रीय प्रवास (भारत), भारतीय प्रवासी, प्रवासन और विकास के मुद्दे, जनसंख्या अध्ययन, भूगोल, लिंग और प्रवासन, प्रवासन और सीमांतता, शरणार्थी, खाड़ी में भारतीय प्रवासी, सीमांत और प्रवासन, प्रवासन और मीडिया, सामाजिक विज्ञान अनुसंधान प्रविधियों में उपकरण एवं प्रौद्योगिकी।

डॉ. सजाउद्दीन निजामुद्दीन चप्परबन, सहायक प्रोफ़ेसर

रुचि के विषय क्षेत्र: समकालीन अंग्रेजी साहित्य (प्रवासी लेखन), समकालीन साहित्यिक और सांस्कृतिक सिद्धांत, प्रवासन, प्रवासी, शरणार्थी अध्ययन, मानवाधिकार और प्रवासन अधिकार, उत्तर औपनिवेशिक अध्ययन, राष्ट्र, राष्ट्रवाद और अंतरराष्ट्रीयवाद, नागरिकता, दक्षिण एशियाई अध्ययन, डिजिटल डायस्पोरा, मुस्लिम प्रवासी, यहूदी प्रवासी, चीनी प्रवासी, ब्रिटिश प्रवासी साहित्य, और अनुसंधान पद्धति।

प्रतिष्ठित / विशेषज्ञ समीक्षित / यूजीसी द्वारा अनुमोदित पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख और शोधपत्र

- गुप्ता, आर. के. (2021) अफ्रीका में भारतीय डायस्पोरा की वैभवशाली विरासत, इतिहास दर्पण संस्करण XXVI (2) 2021. 155-169.
- गुप्ता, आर. के. एंड एस. के. (2021) पोजीशन ऑफ़ मटुअस इन वेस्ट बंगाल, थर्ड कांसेप्ट- एन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ आइडियाज वोल्यूम 35, नं. 418. 39-40.

- गुप्ता, आर. के. एंड वर्मा ए. के. (2021), द स्प्रेड ऑफ़ बुद्धिज़्म एंड पीस इन साउथईस्ट एशिया। हेरिटेज ऑफ़ नुसंतारा: इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ रिलीजियस लिटरेचर एंड हेरिटेज, 10(2), 220–247. https://doi.org/10.31291/ hn.v10i 2.627 20 दिसंबर 2021 को प्रकाशित। https://heritage.kemenag.go.id /index.php/herit age/article/vie w/6 27/418
- जलील, ए. एंड गुप्ता, आर. के. (2021). विसिबिलिटी एस रेजिस्टेंस: रिप्रजेंटेशन ऑफ़ मुस्लिम आइडेंटिटी इन पोस्ट 9/11 फिल्म्स- माय नाम इज खान एंड ख़ुदा के लिए, डोगो- रंगसंग रिसर्च जर्नल, 11(02). 78-82.
- दवे, पी. बी. एंड गुप्ता, आर. के. (2021). 'अंडरस्टैंडिंग द पोर्ट्रेयल ऑफ़ रि-सेटल्ड एशियन्स इन यूके: अ स्टडी ऑफ़ बेंड इट लाइक बेकहम' डोगो- रंगसंग रिसर्च जर्नल, 11(02),134-138.
- गुप्ता, आर. के. एंड त्यागी जे. (2021). 'इंडियाज सिक्यूरिटी कांसर्न्स एंड स्ट्रेटेजिक इंटरेस्ट इन द वेस्टर्न इंडियन ओशियन रीजन', टुवर्ड्स एक्सीलेंस, 13(3), 740-746.
- गुप्ता, आर. के. (2021). रिव्यु ऑफ़ डर्क सिएबेल्स, मेरीटाइम सिक्यूरिटी इन ईस्ट एंड वेस्ट अफ्रीका- अ टेल ऑफ़ टू रीजन, अफ्रीका रिव्यु, 13(I), 120-22.
- मोहंती, सीबा शंकर एंड एम. गीता (2021). इम्पैक्ट ऑफ़ कोविड-19 एंड लॉकडाउन ऑन एलजीबीटीक्यू इमग्रन्ट/मिग्रंट्स (विथ स्पेशल फोकस ऑन इंडो-अमेरिकन एलजीबीटीक्यू कम्युनिटी, टुवर्ड्स एक्सीलेंस, 13(2), 83-95.
- इस्माइल, केके एंड सीबा शंकर मोहंती (2021), कोंसेपचुलाइज़िंग द इमेजिनरी इन लिटरेरी डिस्कोर्स: अ डायस्पोरिक एनालिसिस, टुवर्ड्स एक्सीलेंस, 13(4).
- मोहंती, सीबा शंकर एंड शरबंती कुंडू (2021). ट्रांसकल्चर नेगोशिएशन एंड फार्मेशन ऑफ़ आइडेंटिटी इन द थिएटर ऑफ़ डायस्पोरा: रीडिंग केतकी कुशारी डायसंस नाइट्स सनलाइट, कारैविती V (1), 125-131.
- मोहापात्र, अतनु (2021). डायस्पोरा एस अ सॉफ्ट पॉवर इन इंडियाज फॉरेन पालिसी टुवर्ड्स सिंगापुर, डायस्पोरा स्टडीज, रॉउटलेज़, टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप, https://doi.org/10.1080/09739572.2021.1935108 , जुलाई 2021
- मोहापात्र, अतनु (2021). बिल्ट हेरिटेज एंड रोल ऑफ़ प्रिंट मीडिया: अ डिस्कोर्स ऑन सम क्रिटिकल स्ट्रैंडस, कम्युनिकेशन टुडे, जुलाई-सितंबर (2021).
- मोहापात्र, अतनु (2021). एपिस्टेमोलोजी एंड रिलिजन: अ स्टडी ऑफ़ कम्यूनिकेशनल एप्रोच टू वेर्बल टेस्टीमनी, कम्युनिकेशन टुडे, अक्टूबर-दिसम्बर (2021).
- मोहापात्र, अतनु (2021). अर्ली चाइनीज इमिग्रेंट्स, रेसिस्म, आइडेंटिटी एंड मेकिंग ऑफ़ चाइनाटाउन इन द यूएसए, टुवर्ड्स एक्सीलेंस, दिसम्बर 2021, संस्करण 13, नं. 04, (0974-035X), https://hrdc.gujaratuniversity.ac.in/Ejournal
- मोहापात्र, अतनु (2021). कॉन्ट्रिब्यूशन ऑफ़ इंडियन डायस्पोरा इन सिंगापुर ड्यूरिंग इंडियाज फ्रीडम स्ट्रगल, इंडियन स्टडीज रिव्यु 2, जर्नल ऑफ़ सेंटर फॉर स्टडी ऑफ़ पॉलिटिक्स एंड गवर्नेंस, 2 (2021): 1-9, दिल्ली।
- मोहापात्र, अतनु (2021). इनटू द लैंग्वेज ऑफ़ मायथोपोएटिक्स: रैमीफिकेशन्स ऑन जेंडर एसेंशियलिस्म इन उषा किशोर्स नाईट स्काई बिटवीन द स्टार्स, कारैवेती, डीमार्चे डी सगेस (यूजीसी केयर लिस्टेड), संस्करण V, 1, जुलाई-दिसंबर 2021 में प्रकाशित।
- मोहापात्र, अतनु (2021). थेओराईज़िन्ग मार्जिनेलिटी एंड आइडेंटिटी: अ क्रिटिकल एप्रोच टू रोमानी डायस्पोरा, जर्नल ऑफ़ पॉजिटिव स्कूल साइकोलॉजी, संस्करण 6, संख्या 4, 586-591, 2022.

- राणा अंशुमन एंड कुमार नरेश (2021). "इमोशनल लैंडस्केप ऑफ़ कोरोना वायरस एंड मीडिया: एल्युसिडेटिंग द आउटब्रेक ऑफ़ कोरोना वायरस ऑन मेंटल हेल्थ ऑफ़ लाइफस्टाइल मिग्रंट्स" 'डोगो रंगसंग जर्नल' संस्करण- 11 प्रकाशित-10, अक्टूबर 2021.

- नितेश एन. एंड कुमार नरेश (2021). "बीइंग ब्लैक इन 21 सेंचुरी अमेरिका: स्ट्रगल, चैलेंजेज एंड पॉसिबिलिटीज़, जुलाई 2021, जर्नल ऑफ़ सोशल इन्क्लूसन स्टडीज, सेज पृष्ठ संख्या 1–14, भारतीय दलित अध्ययन संस्थान, नई दिल्ली से प्रकाशित https://doi.org/10.1177%2F23944811211020377

- नितेश एन. एंड कुमार नरेश (2021) "सिग्निफिकेंस ऑफ़ सोशल मीडिया इन लाइफस्टाइल माइग्रेशन: एम्पिरिकल इनसाइट्स फ्रॉम वाराणसी डिस्ट्रिक्ट ऑफ़ उत्तर प्रदेश" मॉडर्न थमिज़ रिसर्च (अ क्वार्टरली इंटरनेशनल मल्टीलेटरल थमिज़ जर्नल), विशेष प्रकाशन 3 से 5 जून 2021

- अंशुमन राणा एंड नरेश कुमार (2021) "होलिस्टिक वेलबींग थ्रू योगा एंड स्पिरिचुएलिटी: अ केस स्टडी डिस्कशन ऑफ़ वाराणसी" बी. आधार 'इंटरनेशनल पी रिव्यूड इंडेक्सेड रिसर्च जर्नल, प्रकाशन संख्या, 313 (CCCXIII) एआई अगस्त, 2021.

- अंशुमन राणा एंड नरेश कुमार (2021) "अ कॉज एंड इफ़ेक्ट स्टडी ऑफ़ पेंडेमिक ऑन रिटर्निंग इंडियन लेबर मिग्रंट्स फ्रॉम द गल्फ कन्ट्रीज टू आजमगढ़ सिटी" कल्याण भारती, खंड - 36 नंबर (VI) 2021, पृष्ठ: 556-572

- अनुज कुमार एंड कुमार नरेश (2021) अ डिस्क्रिप्टिव स्टडी ऑफ़ एथनिक मीडिया एंड इंडियन्स अमंग द इंडियन डायस्पोरा कम्युनिटीज इन फिजी, मध्य भारती, खंड 80

- नार्लोनिया नितेश एंड कुमार नितेश (2022) "क्रूसेड" फॉर अफ्रीकन अमेरिकन सिविल राइट्स: फीमेल रेटोरिक एंड ऑटोबायोग्राफी ऑफ इडा बी. वेल्स, जर्नल ऑफ अफ्रीकन अमेरिकन स्टडीज खंड 26, पृष्ठ 53-62, https://link.springer.com/article/10.1007/s12111-022-09576-4

- अंशुमन राणा एंड नरेश कुमार (2021) "ट्रान्सेंडिंग डार्क टूरिज्म एंड एम्ब्रेसिंग स्पिरिचुअलिटी इन द सिटी ऑफ़ लाइट 'वाराणसी' "टर्किश ऑनलाइन जर्नल ऑफ़ क्वालिटेटिव इंक्वायरी (TOJQI)" ISSN:1309-6591. खंड 12, अंक 9, अगस्त 2021: 2096-2101 (यूजीसी केयर लिस्टेड जर्नल स्कोपस इंडेक्सड जर्नल)। पृष्ठ 2096-2101 https://www.tojqi.net/index.php/journal/article/view/6015

संपादित संस्करणों में प्रकशित शोधपत्र

- गुप्ता, आर.के. (2021). रोल ऑफ़ इंडियन डायस्पोरा इन एंग्लोफोन अफ्रीका इन द प्रमोशन ऑफ़ बाईलेटरल रिलेशन। इन रे निवेदिता (एड) इंडिया एंड अफ्रीका- द रोड अहेड (नई दिल्ली: केडब्ल्यू पब्लिशर्स।

- मोहापात्र, अतनु (2021) अध्याय का शीर्षक: इंडियन डायस्पोरा एंड ट्रांसनेशनल कम्युनिकेशन नेटवर्क्स शीर्षक से संपादित पुस्तक में बॉर्डर्स एंड स्पेस: रिकैलिब्रेटिंग इंडियन डायस्पोरा इन द 21 सेंचुरी, प्रदीप त्रिखा, सरूप बुक पब्लिशर्स, नई दिल्ली, (आईएसबीएन: 9789352081882)

- मोहापात्र, अतनु (2021) अध्याय शीर्षक: चाइनास बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव इन सेंट्रल एशिया: चैलेंजेज एंड पालिसी ऑप्शन्स फॉर इंडिया शीर्षक से संपादित पुस्तक में द बेल्ट एंड द रोड इनिशिएटिव: इंप्लीकेशंस फॉर इंडिया बाय मनीष, पेंटागन प्रेस लिमिटेड, नई दिल्ली, (आईएसबीएन) : 9789390095360)

- नरेश कुमार (2022) 'रिफ्यूजीज, एसाइलम सीकर्स एंड स्टेटलेस सिटीजन्स' "द रूटलेज हैंडबुक ऑफ़ रिफ्यूजीस इन इंडिया" एस इरुदया राजन द्वारा संपादित, प्रथम संस्करण वर्ष 2022 आईएसबीएन 9780367531096, 15 फरवरी, 2022 रूटलेज इंडिया https://doi.org/10.4324/9781003246800

- नितेश नारनोला एंड नरेश कुमार (2022) "रोहिंग्या रिफ्यूजीस एंड म्यांमार: स्टेट, सिटीजनशिप एंड ह्यूमन राइट्स" "द रूटलेज हैंडबुक ऑफ़ रिफ्यूजीस इन इंडिया" एस इरुदया राजन द्वारा संपादित, पहला संस्करण वर्ष 2022, आईएसबीएन 9780367531096, फरवरी 15, 2022 , रूटलेज इंडिया https://doi.org/10.4324/9781003246800

- नरेश कुमार (2021) "डोमेस्टिक माइग्रेशन एंड मल्टीप्ल डेप्रिवेशन: साइकिल रिक्शा-पुलर्स इन दिल्ली इन एडिटेड बाय अश्वनी कुमार एंड आरबी भगत द्वारा संपादित "मिग्रंट्स, मोबिलिटी एंड सिटीजनशिप इन इंडिया" आईएसबीएन 9781138595774 रूटलेज इंडिया द्वारा 14 जुलाई, 2021 को प्रकाशित https:// doi.org/10.4324/9780367765477

- चपरबन, सजाउद्दीन (2022) "द एगनी ऑफ सर्वाइवल: रिफ्यूजीज एंड मार्जिनलिटी इन इंडिया ड्यूरिंग कोविड-19"। द रूटलेज हैंडबुक ऑफ़ रिफ्यूजीस इन इंडिया (एड) एस. इरुदया राजन, रूटलेज, लंदन।

- चपरबन, सजाउद्दीन (2021) "डायस्पोरा लिटरेचर" इंडिविजुअल एंड सोसाइटी एसएलएम बेस्ड ऑन डिस्टेंस एंड रेगुलर मोड सिंक्रोनाइज्ड सिलेबस। मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय हैदराबाद भारत। पृष्ठ संख्या 340-354। मौलाना आजाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी प्रेस।

- चपरबन, सजाउद्दीन (2021) "कल्चर एंड इकोलॉजी" इंडिविजुअल एंड सोसाइटी एसएलएम बेस्ड ऑन डिस्टेंस एंड रेगुलर मोड सिंक्रोनाइज्ड सिलेबस। मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय हैदराबाद भारत। पृष्ठ संख्या 310-324. मौलाना आजाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी प्रेस।

लेखक के रूप में प्रकाशित पुस्तकें

- चप्परबन, सजाउद्दीन, (2021) जेंडर, कल्चर एंड आइडेंटिटी: साउथ एशियन डायस्पोरा लिटरेचर ऑफ 21 सेंचुरी। (संपादकीय) ऑथरस्प्रेस पब्लिशर्स, नई दिल्ली, भारत द्वारा प्रकाशित। 2021.

अन्य प्रकाशन (पत्रिकाएँ, समाचारपात्र, वेब पोर्टल)

- चपरबन, सजाउद्दीन (2021) "सिटीजनशिप अमेंडमेंट एक्ट ई पॉलिटिका सुई रिफुजिअती इन इंडिया" [सिटीजनशिप अमेंडमेंट एक्ट एंड रिफ्यूजी पालिसी इन इंडिया]। मोंडोपोली: लुक्स ऑन द वर्ल्ड - पोर्टल ऑफ जियोपॉलिटिक्स एंड इंटरनेशनल इकोनॉमिक्स रोम, इटली http://www.mondopoli.it/ HYPERLINK "http://www.mondopoli.it/2021 /10/20/ politica- sui-rifugiati-in-india/"2021/10/20/ HYPERLINK "http://www.mondopoli.it/2021/10/20/politica-sui-rifugiati-in-india/"politica-sui-rifugiati-in-india/

- चपरबन, सजाउद्दीन (2021) "रोहिंग्याफोबिया और अनहेअरेड वॉइसेस ऑफ़ रिफ्यूजीस ड्यूरिंग कोविड-19" मोंडोपोली: लुक्स ऑन द वर्ल्ड- पोर्टल ऑफ़ जीओपलिटिक्स एंड इंटरनेशनल इकोनॉमिक्स, रोम इटली) http://www.mondopoli.it/wp-content/uploads/2021/02/Rohingyaphobia-and-Unheard-Voices-of-Refugees-During-COVID-19.pdf

- नरेश कुमार (2021), गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के डायस्पोरा अध्ययन केंद्र ने एक वेबिनार का आयोजन किया: वेबिनार मॉरीशस के पूर्व राष्ट्रपति और प्रधान मंत्री सर अनिरुद्ध जगन्नाथ की स्मृति में था। https://connectgujarat.com/gujarat/centre-for-diaspora-studies-central-university-of-gujarat-organized-a-webinar-1205459

अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी/वेबिनार/सम्मेलन/कार्यशाला आदि में शोधपत्र प्रस्तुति

- कुमार नरेश (2021) ने 26-27 जून 2021 आभासी माध्यम से आयोजित सामाजिक विज्ञान में स्वास्थ्य अनुसंधान के तरीकों और दृष्टिकोणों पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

- सजाउद्दीन निजामुद्दीन चपरबन, "भारतीय यहूदी संस्कृति और साहित्यिक विरासत: एक अंत:विषयक अध्ययन" द सेकंड पार्क इंस्टिट्यूट इंटरनेशनल समर ग्रेजुएट सेमिनार: कल्चरल हेरिटेज एंड ज्यूइश/नॉन-ज्यूइश रिलेशन्स, साउथेम्प्टन विश्वविद्यालय, साउथेम्प्टन, यूके द्वारा आयोजित 12-14 जुलाई 2021 को आयोजित किया गया।

- सजाउद्दीन निजामुद्दीन चपरबन, "यूएस लॉ एन्फोर्समेंट एंड रेशियल प्रोफिलिंग ऑफ़ मुस्लिम्स आफ्टर 9/11" इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन अबोलिश आईसीई?व्हाट डस इट मीन एंड व्हाट इस एट सेक?, जोलबर्ग इंस्टीट्यूट ऑन माइग्रेशन एंड मोबिलिटी द्वारा द न्यू स्कूल, न्यूयॉर्क सिटी, यूएसए में 21-23 सितंबर, 2021 में आयोजित किया गया।

- सजाउद्दीन निजामुद्दीन चपरबन, "कोविड-19 के दौरान भारत में जातिवाद, सांप्रदायिकता" इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन द फ्यूचर ऑफ़ इमीग्रेशन, माइग्रेशन सेंटर एट द यूनिवर्सिटी ऑफ़ साउथ कैरोलिना, कैरोलिना, यूएसए द्वारा मार्च 3-4, 2022 में आयोजित किया गया। सजाउद्दीन निजामुदीन छप्परबन, "द राइज ऑफ़ रिलीजियस नेशनलिज्म एंड क्वेश्चन ऑफ़ माइनॉरिटी सिटीजनशिप इन साउथ एशिया" कोलंबिया विश्वविद्यालय, एनवाई में एसोसिएशन फॉर द स्टडी ऑफ नेशनलिटीज (एएसएन) का 26 वां वार्षिक विश्व सम्मेलन हरिमन संस्थान द्वारा प्रायोजित। 4-7 मई 2022

राष्ट्रीय/क्षेत्रीय स्तर की संगोष्ठी/वेबिनार/सम्मेलन/कार्यशाला आदि में प्रस्तुत शोधपत्र

- नरेश कुमार ने मुंबई विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के शताब्दी समारोह के दौरान 46वें अखिल भारतीय समाजशास्त्रीय सम्मेलन में "अ सोशियो-डेमोग्राफिक इश्यूज एंड चैलेंजिंग ऑफ़ द 19th और 20th सेंचुरी ऑफ़ इंडियन इमिग्रेशन" पर 8-10 दिसंबर 2021 शोधपत्र प्रस्तुत किया।

प्रतिष्ठित संस्थानों में संगोष्ठी/सम्मेलन/वेबीनार आदि के अतिरिक्त अकादमिक प्रकृति के आयोजित व्याख्यान

- नरेश कुमार ने 'इंटरनेशनल माइग्रेशन रिव्यू फोरम 2022: जीसीएम इंप्लीमेंटेशन एंड प्रॉस्पेक्ट्स फॉर इंडिया पर पैनल चर्चा में भाग लिया। इसे प्रवासन के लिए भारतीय केंद्र, विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 24 मार्च, 2022 को आयोजित किया गया था।

- नरेश कुमार को प्रवासन के लिए भारतीय केंद्र, विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा "माइग्रेशन फॉर वर्क: असेसिंग द फ्यूचर ऑफ़ रेमिटेंस टू इंडिया" पर 'स्पेशल वर्चुअल लेक्चर' _India @75 समारोह में भाग लेने के लिए 22 सितंबर 2021 को आमंत्रित किया गया।

- नरेश कुमार को प्रवासन के लिए भारतीय केंद्र, विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 23/04/2021 को आयोजित 'पाथवेज फॉर अलाईनिंग स्किल मैपिंग विथ इंटरनेशनल लेबर मार्केट: सदर्न एडिशन' पर परामर्श हेतु आमंत्रित किया गया।

- सजाउद्दीन निजामुद्दीन चपरबन ने अंग्रेजी विभाग, कला और मानविकी विभाग, सीयू शाह विश्वविद्यालय, वाधवान शहर, गुजरात द्वारा 26 अप्रैल से 03 मई 2021 तक आयोजित एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) वर्तमान भारतीय परिदृश्य में भाषाओं और साहित्य के प्रभाव पर पुनर्विचार पर "21वीं सदी में प्रवासी साहित्य" में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।

- सजाउद्दीन निजामुद्दीन चपरबन ने 18 जुलाई 2021 को सेंटर फॉर स्टडी ऑफ इंडियन मुस्लिम (सीएसआईएम), उदगीर, महाराष्ट्र द्वारा आयोजित "माइनॉरिटीज एंड द क्वेश्चन ऑफ़ सिटीजनशिप" कार्यक्रम में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।

- सजाउद्दीन निजामुद्दीन चपरबन ने यूजीसी मानव संसाधन विकास केंद्र, मुंबई विश्वविद्यालय द्वारा "इंडियन राइटिंग इन इंग्लिश : क्लास, कास्ट एंड जेंडर" विषय पर अंग्रेजी में ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में "माइग्रेशन, वीमेन एंड मर्गिनेलिटी: मुस्लिम एंड दलित वॉइसेस इन डायस्पोरा" में 18 अक्टूबर से 30 अक्टूबर 2021 तक विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।

- सजाउद्दीन निजामुद्दीन चपरबन ने अंग्रेजी विभाग, पारुल इंस्टीट्यूट ऑफ आर्ट्स (पीआईए), पारुल विश्वविद्यालय, वडोदरा, गुजरात द्वारा "प्रवासी अध्ययन; एक परिचय" पर आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार में 27 अक्टूबर 2021 को मुख्य अतिथि और विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।

- सजाउद्दीन निजामुद्दीन चपरबन पारुल विश्वविद्यालय, वडोदरा, गुजरात, भारत के अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित मानविकी vcसामाजिक विज्ञान में दो सप्ताह की अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान पद्धतिकार्यशाला "प्रवासी अध्ययन में अनुसंधान के तरीके" (13-24 दिसंबर 2021) विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।

- सजाउद्दीन निजामुद्दीन चपरबन ने रापरिन विश्वविद्यालय, कानून विभाग और मीडिया कुर्दिस्तान रीजन-इराक लॉ फैकल्टी, सेंट क्लिमेंट ओहरिडस्की विश्वविद्यालय - बिटोला, नॉर्थ मदूनिया के सहयोग से" -रानिया निदेशालय द्वारा आयोजित एसडीजी कार्रवाई और जागरूकता सप्ताह, 2022 के लिए सतत विकास पर एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में "एसडीजी 10: रेड्युस्ड इनइक्वेलिटी, माइग्रेशन एंड कोविड 19 कार्यक्रम में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया। यह कार्यक्रम स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयॉर्क, यू.एस. के साथ साझेदारी में यूनिवर्सिटी ग्लोबल कोएलिशन द्वारा एसडीजी एक्शन एंड अवेयरनेस वीक का एक हिस्सा था।

- सजाउद्दीन निजामुद्दीन चपरबन ने हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद, भारत में तुलनात्मक साहित्य केंद्र द्वारा आयोजित एक विशिष्ट व्याख्यान "गिरमिटिया प्रवासन: इतिहास, संस्कृति और साहित्य" में 23 फरवरी 2022 को विशेष अतिथि के रूप में भाग लिया।

- सजाउद्दीन निजामुद्दीन चपरबन ने श्रीमती नाथीबाई दामोदर ठाकरसी (एसएनडीटी) महिला विश्वविद्यालय, मुंबई और कलकत्ता के अंग्रेजी विभाग और मराठी विभाग, तुलनात्मक 1919 द्वारा आयोजित "तुलनात्मक डायस्पोरा अध्ययन" तुलनात्मक साहित्य पर एक तीन दिवसीय (4-6 मार्च 2022) अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पूर्ण वक्ता के रूप में भाग लिया।

- सजाउद्दीन निजामुद्दीन चपरबन, 14 मार्च 2022 को गुजरात के केंद्रीय विश्वविद्यालय, गांधीनगर, भारत में लिंग चैम्पियनशिप गतिविधियों के लिए समिति द्वारा विश्वविद्यालय परिसरों में लिंग संवेदीकरण पर एक केंद्रित समूह चर्चा "विश्वविद्यालय परिसरों में लिंग संवेदीकरण" में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में भाग लिया।

- सजाउद्दीन निजामुद्दीन चपरबन ने गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज फॉर विमेन, अनंतनाग, जम्मू और कश्मीर में अंग्रेजी विभाग द्वारा 05 फरवरी 2022 को आयोजित विशिष्ट अतिथि व्याख्यान "भारतीय प्रवासी: इतिहास, संस्कृति और पहचान" में विशेषज्ञ वक्ता सह मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

- सजाउद्दीन निजामुद्दीन चपरबन ने भारत के पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के अंग्रेजी विभाग, नगर कॉलेज द्वारा 24 मार्च 2022 को आयोजित प्रवास, प्रवासी और साहित्य पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी "प्रवास, प्रवासी और साहित्य" में विशेषज्ञ वक्ता सह मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

- सजाउद्दीन निजामुद्दीन चपरबन ने गुशकारा कॉलेज, बर्दमैन, पश्चिम बंगाल के अंग्रेजी विभाग द्वारा एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी "उत्तर उपनिवेशवाद और डायस्पोरा" पर 26 मार्च 2022 को आयोजित में विशेषज्ञ वक्ता सह मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

- सजाउद्दीन निजामुद्दीन चपरबन ने "माइग्रेशन, (इन) इक्वैलिटी एंड अपवर्ड मोबिलिटी इन इंडिया" बंगाली एकेडमिका फॉर सोशल एम्पावरमेंट (बेस) द्वारा कैखली, कोलकाता में 27 मार्च 2022 को आयोजित विशिष्ट अतिथि व्याख्यान में विशेषज्ञ वक्ता सह मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

- सजाउद्दीन निजामुद्दीन चपरबन ने सुरेंद्रनाथ महिला कॉलेज, कोलकाता, भारत में अंग्रेजी विभाग द्वारा 29 मार्च 2022 को आयोजित एक विशिष्ट अतिथि व्याख्यान "प्रवासी अध्ययन के लिए एक उत्तर औपनिवेशिक दृष्टिकोण" में विशेषज्ञ वक्ता सह मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

- सजाउद्दीन निजामुद्दीन चपरबन ने 21 और 22 जनवरी 2021 को गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय, गांधीनगर, भारत में अनुसंधान डेटा विश्लेषण ICSTRDA-2021 के लिए सांख्यिकीय उपकरण और तकनीकों पर दो दिवसीय आभासी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता की।

- सजाउद्दीन निजामुद्दीन चपरबन ने हिंदी अध्ययन के लिए चीनी के सहयोग से चीनी अध्ययन केंद्र, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय,

गांधीनगर, भारत में 'भारत में अनुवाद का महत्व - चीन संबंध' पर दो दिवसीय ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में एक सत्र की अध्यक्षता की। (22-23 फरवरी 2022)

- सजाउद्दीन निजामुद्दीन चपरबन ने श्रीमती नाथीबाई दामोदर ठाकरे (एसएनडीटी) महिला विश्वविद्यालय और कलकत्ता तुलनाकर्ता 1919 के अंग्रेजी विभाग और मराठी विभाग द्वारा आयोजित तुलनात्मक साहित्य पर आभासी माध्यम से तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "लिटरेचर: डिजिटल एंड पोपुलर" नामक एक सत्र (4-6 मार्च 2022 तक) की अध्यक्षता की।

- सजाउद्दीन निजामुद्दीन चपरबन को "ऑन जनरेशन ऑफ थॉट बाय प्रो. नोम चॉम्स्की द्वारा एसोसिएशन ऑफ़ इंडियन रिसर्च स्कॉलर ऑफ़ ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंस इन इंडिया (AIRS) द्वारा 3 फरवरी, 2021 को आयोजित ऑनलाइन सत्र के लिए एक मॉडरेटर के रूप में आमंत्रित किया गया।

- सजाउद्दीन निजामुद्दीन चपरबन को एसोसिएशन ऑफ इंडियन रिसर्च स्कॉलर्स (AIRS) द्वारा एसोसिएशन ऑफ़ इंडियन रिसर्च स्कॉलर ऑफ़ ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंस इन इंडिया (AIRS) के लिए 24 जून 2022 को ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इंडियाज मल्टी-अलाइनमेंट पालिसी इन द मिडल ईस्ट बाय मोहम्मद मुदस्सिर क़मर, एसोसिएट फेलो एट एम.पी.-आईडीएस, न्यू डेल्ही में एक सत्र हेतु एक मॉडरेटर के रूप में आमंत्रित किया गया।

- सजाउद्दीन निजामुद्दीन चपरबन को 15 जुलाई, 2021 को दोपहर 3 बजे निजामुद्दीन अहमद सिद्दीकी द्वारा "द रोल ऑफ़ इंटरनेशनल लॉ इन द कंस्ट्रक्शन ऑफ़ माइनॉरिटी आइडेंटिटी इन इंडिया" पर "भारत में अल्पसंख्यक पहचान के निर्माण में अंतर्राष्ट्रीय कानून की भूमिका" पर एक सत्र के लिए एक मॉडरेटर के रूप में आमंत्रित किया गया। यह कार्यक्रम एसोसिएशन ऑफ़ इंडियन रिसर्च स्कोलर्स द्वारा आयोजित (AIRS) भारत में मानविकी और सामाजिक विज्ञान के विद्वानों के लिए (AIRS), 24 जून 2021 को ऑनलाइन माध्यम से आयोजित किया गया था।

- सजाउद्दीन निजामुद्दीन चपरबन को प्रो. अंबा पांडे द्वारा व्याख्यान "वीमेन इन इंडियन डायस्पोरा: चेंजिंग डिस्कोर्सस" पर ऑनलाइन वेबिनार में एक चर्चाकर्ता के रूप में आमंत्रित किया गया। इस कार्यक्रम को गठारी गिरमिटिया रिसर्च फाउंडेशन द्वारा भारतीय अंतर्राष्ट्रीय सहयोग परिषद (अंतरराष्ट्रीय सहयोग परिषद) के सहयोग से 28/09/2021 को आयोजित किया गया।

- गुप्ता, आर.के. ने 24 अक्टूबर 2021 को दिल्ली विश्वविद्यालय के श्याम लाल कॉलेज में 'संयुक्त राष्ट्र में भारत: उभरती शक्ति के लिए चुनौतियां और अवसर' पर (ज़ूम प्लेटफॉर्म पर ऑनलाइन) भाग लिया।

अकादमिक गतिविधियों जैसे संगोष्ठी/सम्मेलन में शोधपत्र प्रस्तुति आदि के अतिरिक्त सत्रीय अध्यक्षता, संगोष्ठी आयोजक, आदि के रूप में प्रतिभागिता

- मोहापात्र अतनु को 09 जनवरी 2021 को कलिंग इंटरनेशनल फाउंडेशन (केवाईएफ) द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार कनेक्टिंग टाइस बिटवीन इंडिया एंड साउथईस्ट एशिया थ्रू इंडियन डायस्पोरा फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट में वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।

- मोहापात्र अतनु को महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर के अंग्रेजी विभाग द्वारा 26 नवंबर 2021 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार- रेमेब्रिंग द रोले ऑफ़ ट्रांसलेशन इन द इंडियन फ्रीडम स्ट्रगल में वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।

- मोहापात्र अतनु को महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर के अंग्रेजी विभाग द्वारा 26 नवंबर 2021 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार- रेमेब्रिंग द रोले ऑफ़ ट्रांसलेशन इन द इंडियन फ्रीडम स्ट्रगल में वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।

- मोहापात्र अतनु को एचआरडीसी, गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, गुजरात द्वारा आयोजित विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के प्रशासनिक कर्मचारियों के लिए यूजीसी प्रायोजित रूसा (RUSA) प्रायोजित ऑनलाइन पीडीपी (30 दिन- 31/01/2022 से 01/03/2022) में वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।

- नरेश कुमार ने प्रवासन, महामारी और वापसी: संस्थागत तनाव और मुकाबला तंत्र पर समझ पर सत्र की अध्यक्षता की

समाजशास्त्र विभाग, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई के शताब्दी समारोह के एक भाग के रूप में 46वें अखिल भारतीय समाजशास्त्रीय सम्मेलन (ऑनलाइन) 2021 में, 8 से 10 दिसंबर 2021

- नरेश कुमार ने "सोर्सेज ऑफ़ डाटा एंड इट्स रेलेवंस इन अंडरस्टैंडिंग एक्सिस्टिंग रियलिटी: एन इनसाइट फ्रॉम माइग्रेशन एंड डायस्पोरा" पर व्याख्यान दिया। इस कार्यक्रम को पारुल विश्वविद्यालय, वडोदरा, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय, गांधीनगर और रिपेरियन विश्वविद्यालय, इराक के अंग्रेजी विभाग द्वारा मानविकी और सामाजिक विज्ञान में दो सप्ताह की पहली ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान पद्धति ऑनलाइन कार्यशाला, 13 से 24 दिसंबर 2021 तक आयोजित की गई।

- नरेश कुमार को भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICSSR) नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित एवं हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा 29 और 30 सितंबर 2021 को आयोजित "प्रधानमंत्री मोदी के शासन के दौरान भारत की पड़ोस विदेश नीति" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में पूर्ण सत्र "दक्षिण एशियाई क्षेत्र में भारत और चीन के लिए संभावनाएं एवं चुनौतियां" के संचालन हेतु विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।

- नरेश कुमार को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ में राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा 29 और 30 सितंबर 2021 को आयोजित एवं भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICSSR) नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित "प्रधानमंत्री मोदी के शासन के दौरान भारत की पड़ोस विदेश नीति" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में तकनीकी सत्र "उभरती भारतीय महाशक्ति के रूप में श्रीलंका और बांग्लादेश के साथ भारत संबंध" के सह-अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित किया गया।

- नरेश कुमार को मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई के नागरिक शास्त्र और राजनीति विभाग में अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थी पर स्नातकोत्तर डिप्लोमा के छात्रों के लिए "भारत की विदेश नीति रणनीतियां : अवसर और प्रवासी" विषय पर विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान देने के लिए शनिवार 15 मई, 2021 को आमंत्रित किया गया।

- सजाउद्दीन निजामुद्दीन चप्परबन ने सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च इन एजुकेशन, पीएमएमएमएनएमटीटी के शिक्षा संस्थान के सहयोग से गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के डायस्पोरा अध्ययन केंद्र द्वारा 13-14 मार्च 2021 को आयोजित 'डायस्पोरा स्टडीज इन द करिकुलम एंड पेडगोजी ऑफ़ इंडियन एजुकेशन सिस्टम विथ स्पेशल फोकस ऑन एनईपी 2020' पर कार्यशाला की आयोजन समिति के एक सदस्य के रूप में दायित्व निभाया।

- सजाउद्दीन निजामुद्दीन चप्परबन ने संयोजक के रूप में 11 अक्टूबर 2021 को गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय, गांधीनगर के डायस्पोरा अध्ययन केंद्र में "रेमेम्बरिंग इंडियन डायस्पोरास रोल इन इंडियाज फ्रीडम स्ट्रगल" पर एक राष्ट्रीय वेबिनार-सह-व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया। यह विदेशी भूमि से स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने वाले उन गुमनाम नायकों को याद करने और उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि देने के लिए चल रहे आजादी का अमृत महोत्सव और विश्वविद्यालय के राष्ट्रव्यापी उत्सव का भी एक भाग था।

- सजाउद्दीन निजामुद्दीन चप्परबन ने संयोजक और समन्वयक के रूप में 11 अक्टूबर 2021 को गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय, गांधीनगर के डायस्पोरा अध्ययन केंद्र में भारत में आजादी का अमृत महोत्सव के हिस्से के रूप "रेमेम्बरिंग इंडियन डायस्पोरास रोल इन इंडियाज फ्रीडम स्ट्रगल" पर एक राष्ट्रीय वेबिनार-सह-व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया।

- सजाउद्दीन निजामुद्दीन चप्परबन ने पारुल विश्वविद्यालय, वडोदरा के अंग्रेजी और तकनीकी कार्यक्रम प्रकोष्ठ द्वारा कानून विभाग, रापारिन विश्वविद्यालय, रान्या, इराक और डायस्पोरा अध्ययन केंद्र, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय, गांधीनगर के सहयोग से फर्स्ट इंटरनेशनल ऑनलाइन रिसर्च मेथेडलोजी वर्कशॉप इन ह्यूमेनिटीस एंड सोशल साइंस के समन्वयक के रूप में 13 से 24 दिसंबर 2021 तक दायित्व निभाया।

- सजाउद्दीन निजामुद्दीन चप्परबन अल्फ्रेड नोबेल विश्वविद्यालय (यूक्रेन) और समकालीन शैक्षिक अनुसंधान संघ (सीईएडी) (तुर्किये) के सहयोग से यूक्रेन के नीप्रो में अल्फ्रेड नोबेल विश्वविद्यालय में आयोजित द सिक्स्थ इंटरनेशनल कंटेम्परारी एजुकेशनल रिसर्च कांग्रेस (सीईएडी 2021) के लिए एक आयोजन समिति के सदस्य के रूप में 11-12-13 अक्टूबर 2021 तक दायित्व निभाया।

प्रशिक्षण/अभिविन्यास/पुनश्चर्या कार्यक्रम में प्रतिभागिता

- गुप्ता, आर.के. ने फकीर मोहन विश्वविद्यालय, बालासोर (ओडिशा) के मानव संसाधन विकास केंद्र द्वारा 13 दिसंबर से 19 दिसंबर 2021 तक आयोजित 'राजनीति विज्ञान और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में हालिया प्रगति' पर एक सप्ताह का ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम में ए ग्रेड प्राप्त किया।
- मोहंती, सिबा शंकर ने 13 दिसंबर से 19 दिसंबर 2021 तक मानव संसाधन विकास केंद्र, फकीर मोहन विश्वविद्यालय, बालासोर (ओडिशा) द्वारा आयोजित 'राजनीति विज्ञान और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में हालिया प्रगति' पर एक सप्ताह का ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम में ए ग्रेड प्राप्त किया।
- कुमार नरेश ने 05 जनवरी से 18 जनवरी, 2022 तक पीएमएमएमएनएमटीटी (सेल्फ-सस्टेनेबिलिटी प्लान) टू वीक फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (ऑनलाइन) ऑन पेडागोजी एंड असेसमेंट इन हायर एजुकेशन: एनईपी 2020 में ए ग्रेड प्राप्त किया।
- कुमार नरेश (2021) ने इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन फॉर माइग्रेशन (आईओएम)_ यूएन माइग्रेशन डिवीजन, प्राग-चेक रिपब्लिक द्वारा आयोजित इंटरनेशनल "समर स्कूल ऑफ माइग्रेशन स्टडीज 2021" में भाग लिया। (ऑनलाइन)
- सजाउद्दीन निजामुद्दीन चप्परबन ने राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय (आरआरयू), गांधीनगर के सहयोग से अनुसंधान एवं प्रकाशन (आर एंड पी) और आईपीआर प्रमोशन एंड मैनेजमेंट सेल (सीआईपीएएम) द्वारा 28 और 29 जनवरी 2021 को आयोजित बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागी के रूप में भाग लिया।
- सजाउद्दीन निजामुद्दीन चप्परबन ने कर्नाटक सरकार, कॉलेजिएट और तकनीकी शिक्षा विभाग, गवर्नमेंट फर्स्ट ग्रेड कॉलेज, गौरीबिदनूर, भारत द्वारा आयोजित डिजिटल एज: टीचिंग एंड लर्निंग इंग्लिश (28 जून - 2 जुलाई 2021) पर ऑनलाइन एफडीपी में भाग लिया।
- सजाउद्दीन निजामुद्दीन चप्परबन ने इंटरनैशनल समर स्कूल ऑन इक्वलिटी एंड सिटिजनशिप (12-16 जुलाई 2021) में भाग लिया। इस कार्यक्रम को सेंटर फॉर एडवांस्ड स्टडीज ऑफ साउथ-ईस्ट यूरोप, यूनिवर्सिटी ऑफ रिजेका, क्रोएशिया द्वारा आयोजित किया गया।
- सजाउद्दीन निजामुद्दीन चप्परबन ने - मणिपाल विश्वविद्यालय, जयपुर, भारत में आईस्पेल के सहयोग से अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित कम्पलीटेड सेवेन डेज फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम ऑन क्रिटिकल थेओरीस एट देयर मॉडर्न पेडागोगिकल एडिक्वेसी इन ह्यूमैनिटीस (जुलाई 26 - 1 अगस्त 2021) में भाग लिया।
- सजाउद्दीन निजामुद्दीन चप्परबन ने - 24-25 सितंबर 2021 के बीच इस्तिने विश्वविद्यालय, इस्तांबुल, तुर्की द्वारा ऑनलाइन और आमने-सामने आयोजित प्रथम तुर्की सिनोलॉजी और चीनी अध्ययन संगोष्ठी में भाग लिया।
- सजाउद्दीन निजामुद्दीन चप्परबन ने डॉ. बी.आर. अम्बेडकर महाविद्यालय अमरावती, महाराष्ट्र भारत (6 जुलाई 2021 को) आयोजित यूजीसी केयर लिस्ट जर्नल्स के विशेष संदर्भ में अनुसंधान में गुणवत्तापूर्ण प्रकाशन पर एक दिवसीय राष्ट्रीय व्यावसायिक विकास कार्यक्रम में आभासी माध्यम से भाग लिया।
- सजाउद्दीन निजामुद्दीन चप्परबन ने तुलनात्मक भारतीय भाषा और साहित्य विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय द्वारा 21 मार्च से 23 मार्च 2022 तक कोलकाता में आयोजित 'ट्रांसलेटिंग सुंदरबन' पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

शोधकर्ता छात्र/निर्देशित शोध छात्र

नाम	कार्यक्रम की प्रकृति एम.फिल/पीएच.डी.	छात्रों की संख्या (केवल 2021-22 में नामांकित छात्रों की संख्या)
गुप्ता आर. के.	**एम.फिल** **पीएच.डी.**	1 1
कुमार नरेश	**पीएच.डी.**	1
सजाउद्दीन निजामुद्दीन चप्परबन	**पीएच.डी.**	03
मोहापात्र अतनु	**पीएच.डी.**	02

केंद्र और उनके संकाय द्वारा किए गए विस्तार, आउटरीच और अन्य समान गतिविधियां

- सजाउद्दीन एन चप्परबन, स्कॉलर एट जीआरएफडीटी ग्लोबल रिसर्च फोरम ऑन डायस्पोरा और ट्रांसनैशनलिज्म, नई दिल्ली भारत।
- सजाउद्दीन एन चप्परबन, सामाजिक विज्ञान और मानविकी अनुसंधान संघ (एसएसएचआरए) के सदस्य (सामाजिक विज्ञान और मानविकी के क्षेत्र में विचारों के विकास और प्रसार के लिए शोधकर्ताओं, चिकित्सकों, छात्रों और शिक्षाविदों का एक अंतरराष्ट्रीय समुदाय) SSHRA को यूरेशिया रिसर्च द्वारा बढ़ावा दिया जाता है।
- सजाउद्दीन एन चप्परबन कम्पेरेटिव लिटरेचर एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया (सीएलएआई), नई दिल्ली के आजीवन सदस्य हैं।
- सजाउद्दीन एन चप्परबन इंडियन सोसाइटी फॉर द प्रमोशन ऑफ इंग्लिश लैंग्वेज एंड लिटरेचर: आईएसपीईएल के सदस्य हैं।
- सजाउद्दीन एन चप्परबन एसोसिएशन ऑफ इंडियन रिसर्च स्कॉलर्स ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज इन इंडिया (AIRS) की कोर कमेटी सदस्य हैं।
- सजाउद्दीन एन चप्परबन गठारी गिरमिटिया रिसर्च फाउंडेशन, नई दिल्ली की कोर कमेटी सदस्य हैं।

विश्वविद्यालय प्रशासन में समिति के सदस्यों के रूप में अथवा अतिरिक्त उत्तरदायित्व के वहन हेतु संकाय सदस्यों की प्रतिभागिता

डॉ॰ रजनीश गुप्ता

- गुप्ता, आर.के. - एनएसएस के प्रधान अधिकारी
- वार्डन- सेक्टर-24 बालक छात्रावास
- समन्वयक- एनएसएस
- संयोजक- योग कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति, सीयूजी।
- सदस्य- अचल संपत्तियों और उपभोज्य वस्तुओं के सत्यापन के लिए समिति
- फिट इंडिया मूवमेंट के भाग के रूप में विश्वविद्यालय में फिटनेस योजना तैयार करने और प्रचारित करने के लिए प्रभारी।
- डायस्पोरा अध्ययन केंद्र, सीयूजी के लिए स्वयं समन्वयक।
- 'कोविड -19 उपयुक्त व्यवहार और अन्य कोविड -19 संबंधित आउटरीच गतिविधियों के लिए अभियान पर समिति के सदस्य।
- सदस्य- उन्नत अध्ययन और अनुसंधान समिति (सीएएसआर), डायस्पोरा अध्ययन केंद्र।

डॉ० नरेश कुमार

- सीडीएस पूर्व छात्र प्रकोष्ठ के प्रधान अधिकारी
- स्थानन/नियोजन प्रकोष्ठ सीडीएस के सदस्य
- गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय, गांधीनगर में डायस्पोरा अध्ययन केंद्र के बीओएस के सदस्य

डॉ. सजाउद्दीन चप्परबन

- सदस्य- बोर्ड ऑफ़ स्टडीज, डायस्पोरा अध्ययन केंद्र
- उन्नत अध्ययन और अनुसंधान समिति, डायस्पोरा अध्ययन केंद्र
- सदस्य, केंद्रीय परिषद, प्रवासी अध्ययन केंद्र, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
- 14 मार्च 2022 को गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय, गांधीनगर, भारत में लिंग चैम्पियनशिप गतिविधियों के लिए समिति द्वारा आयोजित विश्वविद्यालय परिसरों में लिंग संवेदीकरण पर केंद्रित समूह चर्चा के सदस्य।
- सजाउद्दीन निजामुद्दीन चप्परबन ने पारुल विश्वविद्यालय, वडोदरा के अंग्रेजी और तकनीकी कार्यक्रम प्रकोष्ठ द्वारा कानून विभाग, रापारिन विश्वविद्यालय, रान्या, इराक और डायस्पोरा अध्ययन केंद्र, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय, गांधीनगर के सहयोग से फर्स्ट इंटरनेशनल ऑनलाइन रिसर्च मेथेडलोजी वर्कशॉप इन ह्यूमेनिटीस एंड सोशल साइंस के समन्वयक के रूप में 13 से 24 दिसंबर 2021 तक दायित्व निभाया।
- डायस्पोरा अध्ययन केंद्र की पाठ्यक्रम अद्यतन/संशोधन समिति के सदस्य।
- शिक्षा संस्थान में आरएसी के सदस्य।
- डायस्पोरा अध्ययन में आरएसी के सदस्य।

परिशिष्ट

राज्य वार प्रवेश 2021-22

कार्यक्रम का नाम	महिला		पुरुष	कुल संख्या
अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	1		-	1
आंध्र प्रदेश	7		8	15
असम	19		12	31
बिहार	38		66	104
छत्तीसगढ़	-		4	4
दिल्ली	8		9	17
गुजरात	38		33	71
हरियाणा	8		4	12
हिमाचल प्रदेश	1		2	3
जम्मू और कश्मीर	7		12	19
झारखंड	9		13	22
कर्नाटक	1		3	4
केरल	48		34	82
मध्य प्रदेश	6		7	13
महाराष्ट्र	6		10	16
मणिपुर	2		1	3
मिजोरम	-		1	1
नागालैंड	-		1	1
ओडिशा	19		24	43
पंजाब	-		1	1
राजस्थान	24		25	49
तमिलनाडु	3		5	8
तेलंगाना	5		7	12
त्रिपुरा	-		1	1
उत्तर प्रदेश	18		31	49
उत्तराखंड	8		1	9
पश्चिम बंगाल	12		15	27
कुल योग	288		330	618

01.04.2021 से 31.03.2022 के दौरान अनुसंधान कार्यक्रम में प्रदत्त उपाधि

कार्यक्रम का नाम	एम.फिल.	पीएच.डी.	कुल योग
हिंदी	3	12	15
नैनो विज्ञान	0	7	7
सुरक्षा अध्ययन	4	1	5
तुलनात्मक साहित्य	1	5	6
रासायनिक विज्ञान	-	2	2
डायस्पोरा अध्ययन	3	9	12
अर्थशास्त्र	5	2	7
पर्यावरण एवं सतत विकास	-	4	4
गांधीवादी विचार एवं शांति अध्ययन	1	3	4
सामाजिक प्रबंधन	-	1	1
समाज एवं विकास	-	4	4
अंतर्राष्ट्रीय राजनीति और शासन	-	3	3
विज्ञान, प्रौद्योगिकी और अभिनव नीति अध्ययन	1	2	3
शिक्षा	3	-	3
अंतर्राष्ट्रीय राजनीति	6	-	6
कुल योग	27	55	82

०१.०४.२०२१ से ३१.०३.२०२२ के दौरान स्नातक/स्नातकोत्तर कार्यक्रम में प्रदत्त उपाधि

कार्यक्रम का नाम	छात्रों की संख्या
स्नातकोत्तर	150
चीनीभाषा में स्नातकोत्तर	6
अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर	18
अंग्रेज़ीमें स्नातकोत्तर	16
गुजराती में स्नातकोत्तर	8
हिन्दी में स्नातकोत्तर	1
राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर	9
राजनीति एवं अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में स्नातकोत्तर	8
समाज कार्य कार्यक्रम में स्नातकोत्तर	16
समाजशास्त्र में स्नातकोत्तर	1

कार्यक्रम का नाम	छात्रों की संख्या
रसायन विज्ञान में स्नातकोत्तर	12
पर्यावरण विज्ञान में स्नातकोत्तर	12
औद्योगिक रसायन विज्ञान में स्नातकोत्तर	7
नैनो प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर	13
जीवन विज्ञान में स्नातकोत्तर	15
एम. एड	4
पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातकोत्तर	4
स्नातक	46
चीनी भाषा में स्नातक	23
जर्मन भाषा में स्नातक	21
बी. वोक. (ड्रग डिजाइन के लिए तर्कसंगत दृष्टिकोण)	2
कुल योग	196

संकाय सूची

क्र. सं.	कर्मचारी का नाम	संस्थान	केंद्र
		प्रोफ़ेसर	
1	प्रो. अतनु भट्टाचार्य	भाषा साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान	अंग्रेज़ी अध्ययन केंद्र
2	प्रो. अतानु कुमार मोहपात्र	-	डायस्पोरा अध्ययन केंद्र
3	प्रो.बालाजी रंगनाथन	भाषा साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान	तुलनात्मक साहित्य एवं अनुवाद अध्ययन केंद्र
4	प्रो.भावना पाठक	पर्यायवरण एवं सतत विकास संस्थान	-
5	प्रो.दिनेश कुमार	रसायन विज्ञान संस्थान	रसायन अध्ययन केंद्र
6	प्रो. जी. आर. अंगडी	शिक्षा संस्थान	शिक्षा अध्ययन एवं अनुसंधान केंद्र (सीएसआरई)
7	प्रो. एच. बी. पटेल	शिक्षा संस्थान	शिक्षा अध्ययन एवं अनुसंधान केंद्र (सीएसआरई)
8	प्रो. जय प्रकाश प्रधान	सामाजिक विज्ञान संस्थान	अर्थशास्त्र एवं नियोजन अध्ययन केंद्र
9	प्रो. जयेंद्रकुमार नथालाल अमीन	शिक्षा संस्थान	शिक्षा अध्ययन एवं अनुसंधान केंद्र (सीएसआरई)
10	प्रो. मान सिंह	रसायन विज्ञान संस्थान	रसायन अध्ययन केंद्र

क्र. सं.	कर्मचारी का नाम	संस्थान	केंद्र
		प्रोफ़ेसर	
11	प्रो. मनीष	अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान	अंतर्राष्ट्रीय राजनीति केंद्र
12	प्रो. पल्लवी शर्मा	पर्यावरण एवं सतत विकास संस्थान	-
13	प्रो. प्रकाश चंद्र झा	अनुप्रयुक्त पदार्थ विज्ञान संस्थान	अनुप्रयुक्त रसायन विज्ञान केंद्र
14	प्रो. राजेशकुमार जेठालाल मकवाना	भाषा साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान	गुजराती भाषा एवं साहित्य केंद्र (सीजीएल एंड एल)
15	प्रो. आर. हिरणमई यादव	पर्यावरण एवं सतत विकास संस्थान	-
16	प्रो. राकेश राय	शिक्षा संस्थान	शिक्षा अध्ययन एवं अनुसंधान केंद्र (सीएसआरई)
17	प्रो. संजय कुमार झा	राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान	सुरक्षा अध्ययन केंद्र
18	प्रो. संजीव कुमार दुबे	भाषा साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान	सुरक्षा अध्ययन केंद्र
19	प्रो. सरिता अग्रवाल	सामाजिक विज्ञान संस्थान	अर्थशास्त्र एवं नियोजन अध्ययन केंद्र (सीएसई एंड पी)
20	प्रो. सीमा रावत	जीवन विज्ञान संस्थान	-
		एसोसिएट प्रोफ़ेसर	
1	डॉ. अजयसिंह जेतुसिंह	भाषा साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान	गुजराती भाषा एवं साहित्य केंद्र (सीजीएल एंड एल)
2	डॉ. अरुण विश्वनाथन	राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान	सुरक्षा अध्ययन केंद्र
3	डॉ. विपुल कुमार	भाषा साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान	हिन्दी अध्ययन केंद्र
4	डॉ. क्षमानिधि अदबर	सामाजिक विज्ञान संस्थान	अर्थशास्त्र एवं नियोजन अध्ययन केंद्र (सीएसई एंड पी)
5	डॉ. उमेश चंद सिंह यादव	जीवन विज्ञान संस्थान	-
		सहायक प्रोफ़ेसर	
1	डॉ. अंजू पप्पचन	जीवन विज्ञान संस्थान	-
2	डॉ. बेरिल आनंद	सामाजिक विज्ञान संस्थान	गांधीवादी विचार एवं शांति अध्ययन केंद्र (सीजीटी एंड पीएस)
3	डॉ. भक्ति कृष्णकांत गला	पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान संस्थान	-
4	डॉ. बलदेव सी.प्रजापति	भाषा साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान	गुजराती भाषा एवं साहित्य केंद्र (
5	डॉ. चारु लता दुबे	नैनो विज्ञान संस्थान	-

क्र. सं.	कर्मचारी का नाम	संस्थान	केंद्र
		सहायक प्रोफ़ेसर	
6	डॉ. धनंजय कुमार राय	सामाजिक विज्ञान संस्थान	गांधीवादी विचार एवं शांति अध्ययन केंद्र (सीजीटी एंड पीएस)
7	डॉ. धारा के. चोटाई	भाषा साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान	अंग्रेज़ी अध्ययन केंद्र
8	डॉ. धीरज राठौर	पर्यायवरण एवं सतत विकास संस्थान	-
9	डॉ धनंजय मंडल	रसायन विज्ञान संस्थान	रसायन विज्ञान अध्ययन केंद्र (सीएससी)
10	डॉ. दीपक बी. भट्ट	भाषा साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान	गुजराती भाषा एवं साहित्य केंद्र
11	डॉ. ईश्वरैया बेगरी	अनुप्रयुक्त पदार्थ विज्ञान संस्थान	अनुप्रयुक्त रसायन विज्ञान केंद्र
12	सुश्री ईवा लोरेन्ग	अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान	अंतर्राष्ट्रीय राजनीति केंद्र
13	डॉ. गजेन्द्र कुमार मीणा	भाषा साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान	हिन्दी अध्ययन केंद्र
14	डॉ. गुरुराजा नागराज गुड्डेअंगडी	रसायन विज्ञान संस्थान	रसायन विज्ञान अध्ययन केंद्र (सीएससी)
15	डॉ. हेमंत कुमार	सामाजिक विज्ञान संस्थान	विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं अभिनव नीति अध्ययन केंद्र (सीएसएसटी एंड आईपी)
16	डॉ. हितेश कुल्हारी	नैनो विज्ञान संस्थान	-
17	डॉ. इश्मीत कौर चौधरी	भाषा साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान	अंग्रेज़ी अध्ययन केंद्र
18	डॉ. जगन्नाथम बेगरी	सामाजिक विज्ञान संस्थान	गांधीवादी विचार एवं शांति अध्ययन केंद्र (सीजीटी एंड पीएस)
19	डॉ. जयश्री अंबेवाडीकर	सामाजिक विज्ञान संस्थान	समाज एवं विकास अध्ययन केंद्र (सीएसएस एंड डी)
20	सुश्री जसप्रीत कौर लायाल	भाषा साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान	जर्मन अध्ययन केंद्र (सीजीएस)
21	डॉ. जय प्रकाश सिंह	शिक्षा संस्थान	शिक्षा अध्ययन एवं अनुसंधान केंद्र
22	डॉ. किशोर जोस	राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान	सुरक्षा अध्ययन केंद्र

क्र. सं.	कर्मचारी का नाम	संस्थान	केंद्र
		सहायक प्रोफ़ेसर	
23	डॉ. कुणाल सिन्हा	सामाजिक विज्ञान संस्थान	विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं अभिनव नीति अध्ययन केंद्र
24	डॉ. खायखोलन होकिप	सामाजिक विज्ञान संस्थान	समाज एवं विकास अध्ययन केंद्र (सीएसएस एंड डी)
25	डॉ. एल. राजू चौहान	अनुप्रयुक्त पदार्थ विज्ञान संस्थान	अनुप्रयुक्त रसायन केंद्र
26	डॉ. लिट्टी डेनिस	सामाजिक विज्ञान संस्थान	सामाजिक प्रबंधन अध्ययन केंद्र
27	डॉ. लेनिन वी. दंडमुडी	रसायन विज्ञान संस्थान	रसायन विज्ञान अध्ययन केंद्र
28	डॉ. मोहनदास सिंह नोंगमाइथेम	राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान	सुरक्षा अध्ययन केंद्र
29	डॉ. मानसी सिंह	राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान	सुरक्षा अध्ययन केंद्र
30	डॉ. मीनाक्षी अमृतलाल परमार	पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान संस्थान	-
31	डॉ. मनु शर्मा	नैनो विज्ञान संस्थान	-
32	डॉ. मिलिंद सोलंकी	भाषा साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान	अंग्रेज़ी अध्ययन केंद्र
33	डॉ. नरेश कुमार	-	डायस्पोरा अध्ययन केंद्र
34	श्री निशांत कुमार	भाषा साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान	चीनी अध्ययन केंद्र
35	श्री प्रभात कुमार	भाषा साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान	चीनी अध्ययन केंद्र
36	डॉ. पार्वती कृष्णास्वामी अय्यर	सामाजिक विज्ञान संस्थान	विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं अभिनव नीति अध्ययन केंद्र
37	डॉ. प्रमोद कुमार तिवारी	भाषा साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान	हिन्दी अध्ययन केंद्र
38	डॉ.प्रमोद कुमार तिवारी	सामाजिक विज्ञान संस्थान	गांधीवादी विचार एवं शांति अध्ययन केंद्र
39	डॉ. पौलामी साहू	पर्यायवरण एवं सतत विकास संस्थान	-
40	डॉ. पंचमी प्रभाकरण	रसायन विज्ञान संस्थान	रसायन अध्ययन केंद्र
41	श्री प्रशांत कौशिक	भाषा साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान	चीनी अध्ययन केंद्र

क्र. सं.	कर्मचारी का नाम	संस्थान	केंद्र
		सहायक प्रोफ़ेसर	
42	डॉ प्रतिभाबेन बी. पंड्या	भाषा साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान	गुजराती भाषा और साहित्यकेंद्र
43	डॉ. रोशन लाल जाहेल	भाषा साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान	जर्मन अध्ययन केंद्र
44	डॉ. राजेश सिंह	पर्यायवरण एवं सतत विकास संस्थान	-
45	डॉ. राजेश वसीता	जीवन विज्ञान संस्थान	-
46	डॉ. रीना कुमारी	पर्यायवरण एवं सतत विकास संस्थान	-
47	डॉ . रजनीश कुमार गुप्ता	-	डायस्पोरा अध्ययन केंद्र
48	डॉ. रश्मि तुकाराम कुंबरी	पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान संस्थान	-
49	डॉ. सौरभ शर्मा	अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान	अंतर्राष्ट्रीय राजनीति अध्ययन केंद्र (सीआईपी)
50	डॉ. शिजू सैम वर्गीज	सामाजिक विज्ञान संस्थान	विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं अभिनव नीति अध्ययन केंद्र
51	डॉ. सोनी कुंजप्पन	सामाजिक विज्ञान संस्थान	सामाजिक प्रबंधन अध्ययन केंद्र
52	डॉ. सरला देसरी	सामाजिक विज्ञान संस्थान	अर्थशास्त्र एवं नियोजन अध्ययन केंद्र (सीएसई एंड पी)
53	श्री स्मृति रंजन ढल	सामाजिक विज्ञान संस्थान	गांधीवादी विचार एवं शांति अध्ययन केंद्र (सीजीटी एंड पीएस)
54	डॉ. सुदर्शन पपन्ना	सामाजिक विज्ञान संस्थान	समाज एवं विकास अध्ययन केंद्र (सीएसएस एंड डी)
55	डॉ. सुदीप बसु	सामाजिक विज्ञान संस्थान	सामाजिक प्रबंधन अध्ययन केंद्र
56	डॉ. सुनीता पटेल	जीवन विज्ञान संस्थान	-
57	डॉ. सिबा शंकर मोहंती	-	डायस्पोरा अध्ययन केंद्र
58	डॉ. सजाउद्दीन निजामुद्दीन चप्परबन	-	डायस्पोरा अध्ययन केंद्र
59	श्री स्वामी कुंदन किशोर	भाषा साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान	चीनी अध्ययन केंद्र
60	डॉ. शमीमआराहुसैन	शिक्षा संस्थान	शिक्षा अध्ययन एवं अनुसंधान केंद्र (सीएसआरई)

क्र. सं.	कर्मचारी का नाम	संस्थान	केंद्र
		सहायक प्रोफ़ेसर	
61	डॉ. शिल्पा एस. पोपट	शिक्षा संस्थान	शिक्षा अध्ययन एवं अनुसंधान केंद्र (सीएसआरई)
62	डॉ संगीताबेन बी. चौधरी	भाषा साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान	गुजराती भाषा एवं साहित्य केंद्र (सीजीएल एंड एल)
63	डॉ. श्रीश कुमार तिवारी	राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान	सामरिक प्रौद्योगिकीअध्ययन केंद्र (साइबर/अंतरिक्ष सुरक्षा) (सीएसएसटी)
64	डॉ. सौरभ कुमार	राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान	सामरिक प्रौद्योगिकीअध्ययन केंद्र (साइबर/अंतरिक्ष सुरक्षा) (सीएसएसटी)
65	डॉ. तूलिकात्रिपाठी	सामाजिक विज्ञान संस्थान	अर्थशास्त्र एवं नियोजन अध्ययन केंद्र (सीएसई एंड पी)
66	श्री थंगम खुर्शेव सिंह	राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान	सुरक्षा अध्ययन केंद्र
67	डॉ. उमेश कुमार	नैनो विज्ञान संस्थान	-
68	डॉ. विनय कुमार डोंथुला	भाषा साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान	जर्मन अध्ययन केंद्र
69	डॉ. विजया लक्ष्मी यांदूरी	शिक्षा संस्थान	शिक्षा अध्ययन एवं अनुसंधान केंद्र (सीएसआरई)
70	डॉ. विपुल सोलंकी	भाषा साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान	तुलनात्मक साहित्य एवं अनुवाद अध्ययन केंद्र (सीसीएल एंड टीएस)
71	डॉ. जरना दुर्गाप्रसाद माहेश्वरी	भाषा साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान	तुलनात्मक साहित्य एवं अनुवाद अध्ययन केंद्र (सीसीएल एंड टीएस)
72	डॉ. जकिया फिरदौस सुलेमानी	भाषा साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान	तुलनात्मक साहित्य एवं अनुवाद अध्ययन केंद्र (सीसीएल एंड टीएस)

शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की सूची

क्र. सं.	कर्मचारी का नाम	पद	विभाग
1	डॉ. हेमांग ए. देसाई	उप कुलसचिव	अकादमिक एवं प्राधिकरण अनुभाग
2	श्री जयप्रकाश महेशकुमार सोनी	उप कुलसचिव	प्रशासनिक एवं स्थापना विभाग
3	डॉ. कोत्तरइया बसाइय्य अगाडी	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	पुस्तकालय
4	श्री पवन पाठक	कार्यकारी अभियंता	आंतरिक कार्य विभाग
5	श्री मुकेश आशीर्वादभाई परमार	सहायक कुलसचिव	अकादमिक एवं प्राधिकरण अनुभाग
6	श्री तरुण कुमार सोनी	सहायक कुलसचिव	प्रशासनिक एवं स्थापना विभाग

क्र. सं.	कर्मचारी का नाम	पद	विभाग
7	श्री मनोजकुमार पी साहू	सूचना वैज्ञानिक	पुस्तकालय
8	श्री हिरेन जयरामभाई परमार	प्रणाली विश्लेषक	आईसीटी विभाग
9	श्री शमशेर सिंह	अनुभाग अधिकारी एवं सहायक कुलसचिव	वित्त एवं लेखा विभाग
10	श्री सुरेश कुमार शर्मा	अनुभाग अधिकारी	माननीय कुलपति कार्यालय
11	श्री संजय कुमार साह	अनुभाग अधिकारी	प्रशासनिक एवं स्थापना विभाग
12	श्री हरीराम चंदरू जसपाल	सुरक्षा अधिकारी	सुरक्षा अनुभाग
13	श्री कार्तिक बी. मेहता	सहायक अभियंता सिविल	आंतरिक कार्य विभाग
14	श्री जयेश कुमार मनोहरलाल परमार	सहायक	प्रशासनिक एवं स्थापना विभाग
15	श्री मुकेश प्रजापति चावड़ा	सहायक	प्रवेश एवं मूल्यांकन अनुभाग
16	मिस बेला लक्ष्मणभाई चोलवीया	सहायक	अकादमिक एवं प्राधिकरण अनुभाग
17	श्री हिमांशु देवजीभाई रावत	वरिष्ठ तकनीकी सहायक(प्रयोगशाला)	प्रयोगशाला
18	श्री उदित ए . शाह	कनिष्ठ अभियंता (सिविल)	आंतरिक कार्य विभाग
19	श्री श्रीकांत कुमार	वरिष्ठ तकनीकी सहायक (संगणक)	आंतरिक कार्य विभाग
20	श्री निलेश सोनी	कनिष्ठ अभियंता (विद्युत)	आंतरिक कार्य विभाग
21	श्री चंद्रकांतअशोकराव इंगले	पुस्तकालय परिचारक	पुस्तकालय
22	श्री भरतकुमार बाबूभाई राठौड़	प्रयोगशाला परिचारक	प्रयोगशाला
23	श्री परेश चिमनलाल पारेख	चालक	चालक
24	श्री फूल सिंह मीणा	चालक	चालक

वर्ष 2021-22के दौरान प्रदत्त पीएच.डी. उपाधि

क्र. सं.	कार्यक्रम का नाम	शोधार्थी	पीएच.डी. शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
1.	एम. फिल.-पीएच.डी. (डायस्पोरा अध्ययन)	श्री गवई संदीप रामभाऊ	इंटरोगेशिएटिंग डिफ़रेंस: माइग्रेशन, कल्चर एंड मर्जिनालिटी इन सेलेक्ट साउथ एशियाई डायस्पोरिक फिक्शनस	डॉ . नरेश कुमार
2.	एम. फिल.-पीएच.डी. (डायस्पोरा अध्ययन)	श्री तेनज़िन ओसेल	नेगोशिएटिंग मॉडर्निटी: ए केस स्टडी ऑफ़ तिबेतियन डायस्पोरा इन इंडिया	प्रो. अतनु मोहापात्र
3	एम. फिल.-पीएच.डी. (डायस्पोरा अध्ययन)	श्री अजहर हुसैन	पॉलिटिक्स ऑफ़ कल्चर एंड इमेजिनेशन ऑफ़ नेशनलिज्म अमंग इंडियन डायस्पोरा इन यूएसए	प्रो. अतनु मोहापात्र

क्र. सं.	कार्यक्रम का नाम	शोधार्थी	पीएच.डी. शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
4.	एम. फिल.-पीएच.डी. (डायस्पोरा अध्ययन)	श्री नितेश नार्नोलिया	इमिग्रंट स्लेव नेरेटिव्स: ए पोस्टकोलोनिअल स्टडी ऑफ़ अफ्रीकन-अमेरिकन ऑटोबायोग्राफिज़	डॉ . नरेश कुमार
5.	एम. फिल.-पीएच.डी. (डायस्पोरा अध्ययन)	सुश्री पवार भाग्यश्री श्रीमंत	डायस्पोरा एंड रिप्रजेंटेशन:रीडिंग जेंडर आइडेंटिटी इन द फिक्शनस ऑफ़ सिलेक्टेड साउथ एशियन अमेरिकन वीमेन राइटर्स	डॉ. सिबा शंकर मोहंती
6.	एम. फिल.-पीएच.डी. (डायस्पोरा अध्ययन)	सुषमा पाण्डेय	सोशियो-कल्चरल चेंजेस एंड कंटिन्युटीज़ अमंग द इंडियन डायस्पोरा इन फिजी	प्रो.अतनु मोहापात्र
7.	एम. फिल.-पीएच.डी. (डायस्पोरा अध्ययन)	श्री रमनमूर्ति बोटलागुंटा	प्रौब्लम्स एंड प्रॉस्पेक्ट्स ऑफ़ इंटरनेशनल रिटर्न माइग्रेंटस इन इंडिया: ए केस स्टडी ऑफ़ कडापा एंड वेस्ट गोदावरी डिस्ट्रिक्स इन आंध्र प्रदेश	डॉ. डी. सरला लेनिन
8.	एम. फिल.-पीएच.डी. (डायस्पोरा अध्ययन)	सुश्री कामनी कुमारी	डायस्पोरा एज़ सॉफ्ट पॉवर इन बाईलैट्रल रिलेशंस:ए कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ़ इंडियन एंड चाईनीज़ इन द यूएस	डॉ. रजनीश कुमार गुप्ता
9.	एम. फिल.-पीएच.डी. (डायस्पोरा अध्ययन)	श्री गुसिंगे धनराज सरदार	हिस्ट्री एंड कल्चरल आइडेंटिटी ऑफ़ मराठी डायस्पोरा इन मॉरिशस	प्रो.अतनु मोहापात्र
10.	एम.फिल. - पीएच.डी. (रसायन विज्ञान)	विपिन सिंह	डेवल्पमेंट ऑफ़ इको-फ्रेंडली स्ट्रेटेजीज फॉर सिंथेसिस ऑफ़ आर्गेनिक मोलेक्युल्स	डॉ. एल. राजू चौहान
11.	एम.फिल. - पीएच.डी. (रसायन विज्ञान)	श्री नैमिष कुमार वर्मा	सिंथेसिस एंड बायोलॉजिकल अप्लिकेशन्स ऑफ़ स्ट्रक्चरली इंटरेस्टेड ट्रियाज़ोल्स एंड नेचुरल प्रोडक्ट बरकेलेयामाइड ए	डॉ. धनंजय मंडल
12.	एम.फिल. - पीएच.डी. (पर्यावरणएवं सतत विकास)	मनोज कुमार	डेवलपमेंट ऑफ़ कंस्ट्रक्टेड वेटलैंड यूसिंग आयरन स्क्रेप्स एंड एक्टिवेटेड कार्बन टू एन्हांस इट्स ट्रीटमेंट एफिशीएनसी फॉर म्युनिसिपल वेस्टवाटर ट्रीटमेंट	डॉ. राजेश सिंह
13.	एम.फिल. - पीएच.डी. (पर्यावरणएवं सतत विकास)	श्री मो. अरशद सिद्दीकी	बायोडिग्रेडेशन ऑफ़ सेलेक्टेड आर्गेनिक वेस्ट्स एंड इट्स इम्पैक्ट असेसमेंट ऑन सायल फर्टिलिटी एंड क्रॉप ग्रोथ	प्रो. आर. हिरणमई यादव
14.	एम.फिल. - पीएच.डी. (पर्यावरणएवं सतत विकास)	नीरज कुमार सिंह	हाइड्रोजन प्रोडक्शन फ्रॉम लिग्नोसेल्युलोसिक वेस्ट यूज़िंग सल्फेट रेड्युसिंग बैक्टीरिया एंड बायोइलेक्ट्रोलाइसिस	डॉ. राजेश सिंह
15.	एम.फिल. - पीएच.डी. (पर्यावरणएवं सतत विकास)	इंद्रजीत चौधरी	इम्पैक्ट असेसमेंट ऑफ़ ओज़ोन पोल्युशन ऑन सेलेक्टेड क्रॉप प्लांट्स ऑफ़ गुजरात	डॉ. धीरज राठौड़

क्र. सं.	कार्यक्रम का नाम	शोधार्थी	पीएच.डी. शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
16.	एम. फिल.- पीएच.डी. (अंतर्राष्ट्रीय राजनीति एवं शासन)	श्री रईस अहमद मीर	रोल ऑफ़ द इंटरनेशनल कम्युनिटी इन असिस्टिंग स्टेट बिल्डिंग इन अफ़ग़ानिस्तान सिंस २००१: ए क्रिटिकल एनालिसिस	डॉ. सौरभ शर्मा
17.	एम. फिल.- पीएच.डी. (अंतर्राष्ट्रीय राजनीति एवं शासन)	श्री रूहुल अमीन मलिक	अंडरस्टैंडिंग इंडिया'ज़ सेंट्रल एशिया पॉलिसी: एस्पिरेशंस, ऑपरच्युनिटी एंड चैलेंजेस	डॉ. सौरभ शर्मा
18.	एम. फिल.- पीएच.डी. (अंतर्राष्ट्रीय राजनीति एवं शासन)	शिवानी अग्रवाल	रिफ्लेक्शन ऑन इंडिया'ज़ स्ट्रेटेजिक कल्चर: ए स्टडी ऑफ़ कौटिल्य'ज़ अर्थशास्त्र	प्रो. मनीष
19.	एम.फिल. - पीएच.डी. (सुरक्षा अध्ययन)	सुषमा देवी	अंडरस्टैंडिंग इंडिया'ज़ साइबर सेक्युरिटी चैलेंजेस: ए स्टडी ऑफ़ डिजिटल इंडिया प्रोग्राम	डॉ.मानसी सिंह
20.	एम.फिल. - पीएच.डी. (तुलनात्मक साहित्य)	श्री उनैस की. टी.	ए स्टडी ऑफ़ इंडियन फीमेल गोथिक नेरेटिव्स एस ए टूल ऑफ़ रेजिस्टेंस	प्रो. बालाजी रंगनाथन
21.	एम.फिल. - पीएच.डी. (तुलनात्मक साहित्य)	सुश्री मौसम	नेरेटिंग 'क्रिमिनल' लाइफ: ए स्टडी ऑफ़ सेलेक्टेड क्राइम बायोग्राफिज़ ऑफ़ यूएसए, यूके एंड इंडिया	प्रो.अतनु भट्टाचार्य
22.	एम.फिल. - पीएच.डी. (तुलनात्मक साहित्य)	श्री वायल अमर रमेश	द रेड नेरेटिव: मार्जिन्स एंड रिप्रज़ेंटेशन इन सेलेक्टेड पोस्ट १९९०स नॉर्थ अमेरिकन नेटिव फिक्शन	डॉ. ज़ाकिया फ़िरदौस
23.	एम.फिल. - पीएच.डी. (तुलनात्मक साहित्य)	सुश्री सेराम गुणेश्वरी देवी	नेरेटिव्स ऑफ़ वायलेंस: ए स्टडी ऑफ़ द कंटेम्पररी नोवेल्स ऑफ़ नॉर्थ ईस्ट इंडिया	डॉ.ज़ाकिया फ़िरदौस
24.	एम.फिल. - पीएच.डी. (तुलनात्मक साहित्य)	श्री विजय कैलास शिरचर	रीडिंग इंडिया: मेमोरी एंड द कॉस्मोपॉलिटन नेरेटिव्स इन सेलेक्टेड पोस्ट- १९९०'स इंडियन इंग्लिश नॉवेल्स	डॉ.ज़ाकिया फ़िरदौस
25.	एम.फिल. - पीएच.डी. (हिंदी भाषा एवं साहित्य)	सुश्री अपर्णा भटनागर	मुस्लिम पृष्ठभूमि केन्द्रित हिन्दी उपन्यासों में स्त्री (सन 1970-2010)	प्रो.आलोक कुमार गुप्ता
26.	एम.फिल. - पीएच.डी. (हिंदी भाषा एवं साहित्य)	सुश्री पंजाबी रेखाबेन सतीशकुमार	प्रेमचंद और पन्नालाल पटेल के चयनित उपन्यासों में स्त्री संदर्भों का तुलनात्मक अध्ययन	डॉ.प्रमोद कुमार तिवारी
27.	एम.फिल. - पीएच.डी. (हिंदी भाषा एवं साहित्य)	योगिता	हिन्दी उपन्यासों में अभिव्यक्त कश्मीरी समाज (सन 1990 से 2015 के बीच चयनित उपन्यासों के विशेष संदर्भ में)	डॉ.प्रमोद कुमार तिवारी

क्र. सं.	कार्यक्रम का नाम	शोधार्थी	पीएच.डी. शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
28.	एम.फिल. - पीएच.डी. (हिंदी भाषा एवं साहित्य)	सुश्री सुनीता गमित	बीसवीं सदी के अंतिम दशक के हिन्दी उपन्यासों में आदिवासी जीवन	डॉ.गजेन्द्र कुमार मीणा
29.	एम.फिल. - पीएच.डी. (हिंदी भाषा एवं साहित्य)	सुनीता गमित	समकालीन हिंदी कहानियों में अल्पसंख्यक विमर्श (सन् 1980 से 2000 के विशेष सन्दर्भ में)	डॉ.गजेन्द्र कुमार मीणा
30.	एम.फिल. - पीएच.डी. (हिंदी भाषा एवं साहित्य)	रोशन कुमार झा	हिन्दी उपन्यासों में अभिव्यक्त वृद्ध जीवन (सन् 1990 से 2015 तक प्रकाशित चयनित उपन्यासों के विशेष सन्दर्भ में)	डॉ. किंगसन सिंह पटेल
31.	एम.फिल. - पीएच.डी. (हिंदी भाषा एवं साहित्य)	श्री भारत	इक्कीसवीं सदी के विमर्श केन्द्रित हिन्दी उपन्यास आलोचना का अनुशीलन (सन् 2000 से 2015 तक चयनित उपन्यास आलोचना कृतियों के विशेष सन्दर्भ में)	डॉ.गजेन्द्र कुमार मीणा
32.	एम.फिल. - पीएच.डी. (हिंदी भाषा एवं साहित्य)	ऋतु अहलावत	हिन्दी दलित आत्मकथाओं में अभिव्यक्त हिंसा	डॉ. किंगसन सिंह पटेल
33.	एम.फिल. - पीएच.डी. (हिंदी भाषा एवं साहित्य)	राहुल प्रसाद	रामकथा आधारित हिंदी उपन्यासों में युगबोध	प्रो.आलोक कुमार गुप्ता
34.	एम.फिल. - पीएच.डी. (हिंदी भाषा एवं साहित्य)	सत्य प्रकाश	हिन्दी के अल्पसंख्यक कथाकारों की कहानियों में सामाजिक यथार्थ (सन् 1980 के बाद प्रकाशित चयनित कहानी संग्रहों के विशेष संदर्भ में)	डॉ.प्रमोद कुमार तिवारी
35.	एम.फिल. - पीएच.डी. (हिंदी भाषा एवं साहित्य)	पुर्णिमा	इक्कीसवीं सदी के हिन्दी उपन्यासों में आदिवासी स्त्री	डॉ.गजेन्द्र कुमार मीणा
36.	एम.फिल. - पीएच.डी. (हिंदी भाषा एवं साहित्य)	प्रकाश कुमार पोद्दार	सार्वजनिक क्षेत्र के प्रमुख बैंकों में राजभाषा कार्यान्वयन का अध्ययन (गुजरात राज्य में स्थित चयनित बैंकों के संदर्भ में)	प्रो.संजीव कुमार दुबे
37.	एम.फिल. - पीएच.डी. (नैनो विज्ञान)	मोदी श्रेया मुकेशभाई	रेमेडियेशन ऑफ़ डाई वेस्ट कंपाउंड यूसिंग सिंथेसाइजड एंड डेवलप्ड नैनोकम्पोजिट मैटेरियल्स	प्रो. एम. एच. फुलेकर
38.	एम.फिल. - पीएच.डी. (नैनो विज्ञान)	नमिता सक्सेना	एफिशिएंट सिंथेसिस ऑफ़ सुपरपैरामैग्नेटिक आयरन ऑक्साइड बेस्ड नैनो ड्रग कैरियर्स	डॉ . चारु लता दुबे
39.	एम.फिल. - पीएच.डी. (नैनो विज्ञान)	पूनम जैन	फेब्रिकेशन ऑफ़ बायोकंपैटिबल एंड सरफेस मॉडिफाइड मेटल ऑक्साइड नैनोकैरियर्स फॉर बायोमेडिकल एप्लीकेशन	डॉ.हितेश कुल्हारी

क्र. सं.	कार्यक्रम का नाम	शोधार्थी	पीएच.डी. शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
40.	एम.फिल. - पीएच.डी. (नैनो विज्ञान)	गजेन्द्र सिंह	सेंसिंग एप्लीकेशन जीओ/आरजीओ सपोर्टेड मेटल मोलिडेट नैनोकम्पोजिट	डॉ। मनु शर्मा
41.	एम.फिल. - पीएच.डी. (नैनो विज्ञान)	सुश्री न्गंगोम बिद्यरानी देवी	बॉटनिकल एनकैप्सुलेटेड बायोडिग्रेडेबल नैनोकैरियर फॉर एंटीमाइक्रोबिअल एप्लीकेशन अगेंस्ट फाइटोपैथोजेन्स	डॉ. उमेश कुमार
42.	एम.फिल. - पीएच.डी. (नैनो विज्ञान)	श्री भार्गव हर्षदकुमार रावल	ग्रेफेन बेस्ड मैटेरियल्स फॉर फ्लेक्सिबल इलेक्ट्रनिक्स	स्वर्गीय प्रो. इंद्राणी बनर्जी
43.	एम.फिल. - पीएच.डी. (नैनो विज्ञान)	सुश्री असापुर पृथ्वी चिदानन्दी	माइक्रोवेव असिस्टेड सिंथेसिस ऑफ़ सिल्क बेस्ड नैनोपार्टिकल्स एंड इट्स एप्लीकेशन	प्रो. पल्लवी शर्मा
44.	एम.फिल. - पीएच.डी. (अर्थशास्त्र)	श्री सोनम चोफेल	पब्लिक एक्सपेंडिचर ऑन एलेमेंट्री एजुकेशन इन नार्थ इस्टर्न स्टेट ऑफ़ इंडिया	डॉ. सरला दसारी
45.	एम.फिल. - पीएच.डी. (अर्थशास्त्र)	अंकुर यादव	एनालिसिस ऑफ़ स्टेट-वाइज मार्केट परफॉरमेंस ऑफ़ अनऑर्गनाइसड मनुफचुरिंग सेक्टर इन इंडिया	प्रो.जय प्रकाश प्रधान
46.	एम.फिल. - पीएच.डी. (गांधीवादी विचार एवं शांति अध्ययन)	आकाश कुमार रावत	कास्ट डिस्कोर्स इन सबाल्टर्न स्टडीज: अ क्रिटिकल एनालिसिस	डॉ. जगन्नाथम बेगरी
47.	एम.फिल. - पीएच.डी. (गांधीवादी विचार एवं शांति अध्ययन)	हवालदार भारती	आधुनिक भारत में जाति का सामाजिक इतिहास: जाति-विरोधी इतिहासलेखन से एक परिप्रेक्ष्य	डॉ. जगन्नाथम बेगरी
48.	एम.फिल. - पीएच.डी. (गांधीवादी विचार एवं शांति अध्ययन)	सुश्री खांडेकर अश्विनी सुभाष	भारत और रियासतों का एकीकरण: जूनागढ़ और हैदराबाद का एक तुलनात्मक अध्ययन (1947-1950)	डॉ.प्रिया रंजन कुमार
49.	एम.फिल. - पीएच.डी. (समाज एवं विकास)	श्री वसावा अश्विनभाई नानाभाई	दक्षिण गुजरात के आदिवासियों के बीच वन अधिकार आंदोलन: एक सामाजिक अध्ययन	प्रो. एन. राजाराम
50.	एम.फिल. - पीएच.डी. (समाज एवं विकास)	सुबोध कुमार	गुजरात में समुद्री मत्स्य पालन समुदायों का एक समाज शास्त्रीय अध्ययन	प्रो. एन. राजाराम
51.	एम.फिल. - पीएच.डी. (समाज एवं विकास)	श्री रामनाथ के. आर	लिविंग द लाइफ ऑफ़ अ ट्रांसजेंडर: अ स्टडी ऑफ़ केरल	डॉ. खायखोलन होकिपी
52.	एम.फिल. - पीएच.डी. (समाज एवं विकास)	श्री दिगंता दास	असम में 'आदिवासी' आंदोलन: पहचान, स्वदेशी और सीमांतता के प्रश्न	डॉ. खायखोलन होकिपी

क्र. सं.	कार्यक्रम का नाम	शोधार्थी	पीएच.डी. शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
53.	एम.फिल. - पीएच.डी. (विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं अभिनव नीति अध्ययन)	श्री सोलंकी दीपककुमार पुरुषोत्तमभाई	भारत में क्लाउड कंप्यूटिंग इनोवेशन सिस्टम की संभावनाएं और चुनौतियां	डॉ. कुणाल सिन्हा
54.	एम.फिल. - पीएच.डी. (विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं अभिनव नीति अध्ययन)	कंचन लता	डायनामिक्स ऑफ़ इनोवेशन इन टेक्नोलॉजी बिज़नस इनक्यूबेटर्स इन इंडिया	डॉ. कुणाल सिन्हा
55.	पीएच.डी. (सामाजिक प्रबंधन)	छोटे लाल यादव	सोशल सिक्यूरिटी एण्ड कल्चरल राइट्स इन मेरीटाइम एम्प्लॉयमेंट: एन इन्क्वायरी इन्टू ह्यूमन राइट्स लॉज़ एंड मेरीटाइम लेबर लॉज़ इन द पोर्ट्स ऑफ़ गुजरात,इंडिया	डॉ.सुदीप बसु

वित्त वर्ष 2021-22के लिए01.04.2022 कोसीयूजी के आर/ओ की वर्तमान स्थिति का विवरण

(रूपये लाख में)

क्र. सं.	विषय	वेतन (36)	पुनरावृत्ति (31)	पूंजीगत परिसंपत्तियां (35)	पूंजीगत परिसंपत्तियां (35)-स्थायी परिसर	कुल योग
1	यूजीसी द्वारा प्रमाणित अनुमानित बजट	2,189.86	1,485.00	400.00	-	**4,074.86**
2	०१.०४.२०२१ को प्रारंभिक जमा	264.26	-342.90	1,527.09	3,550.00	**5,181.45**
3	अनुदान जारी	1,925.60	1,485.00	400.00	1,500.00	**5,310.60**
4	अर्जित ब्याज	43.84	-	81.04	134.44	**259.32**
5	**कुल उपलब्ध धनराशि (2+3)**	**2,189.86**	**1,142.10**	**1,927.09**	**5,050.00**	**10,492.05**
6	31.03.2022 तक व्यय	2,181.53	1,367.46	276.00	5,041.54	**8,866.53**
7	**०१.०४.२०२२ (५-६) को उपलब्ध शेष धनराशि**	**8.33**	**-225.36**	**1,651.09**	**8.46**	**1,625.52**

टिप्पणी:- १६२५.५२ लाख रुपये में ग्यारहवीं योजना से १८३.०० लाख रूपये की अव्ययित शेष धनराशि शामिल है।

स्मृतियाँ 2021-22

Cheer for India movement @CUG

स्वच्छता पखवाड़ा समारोह

स्वच्छता पखवाड़ा समारोह

गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय एवं महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

एक भारत श्रेष्ठ भारत के अंतर्गत सांस्कृतिक गतिविधियां

सरदार पटेल जयंती के अवसर पर रन फॉर यूनिटी का आयोजन

इंडियन सिस्टम ऑफ़ मेडिसिन@CUG के माध्यम से स्वास्थ्य परामर्श शिविर

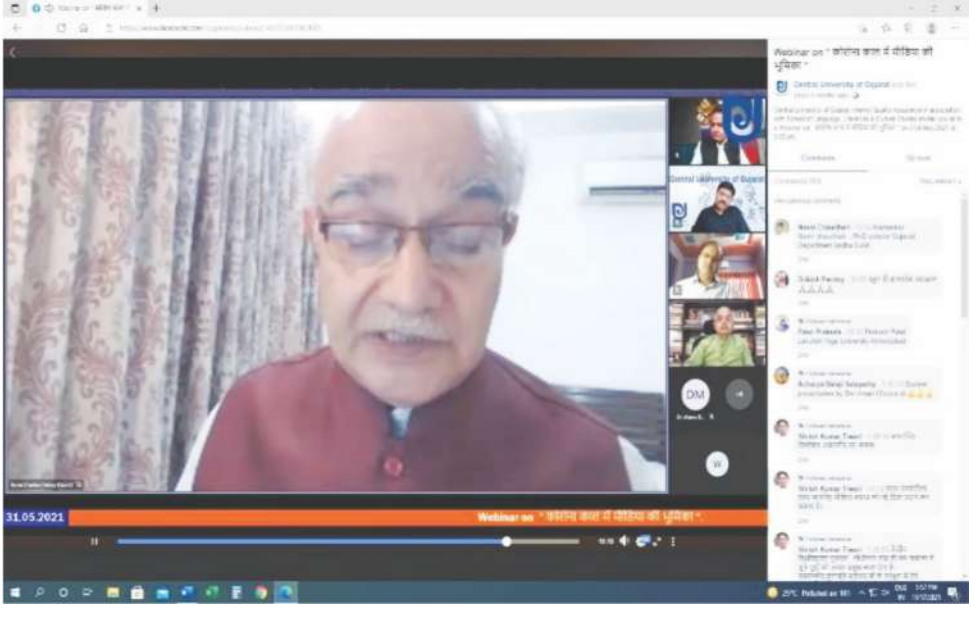

COVID-१९ के दौरान मीडिया की भूमिका पर एक वेबिनार में वक्तव्य देते हुए माननीय कुलगुरु

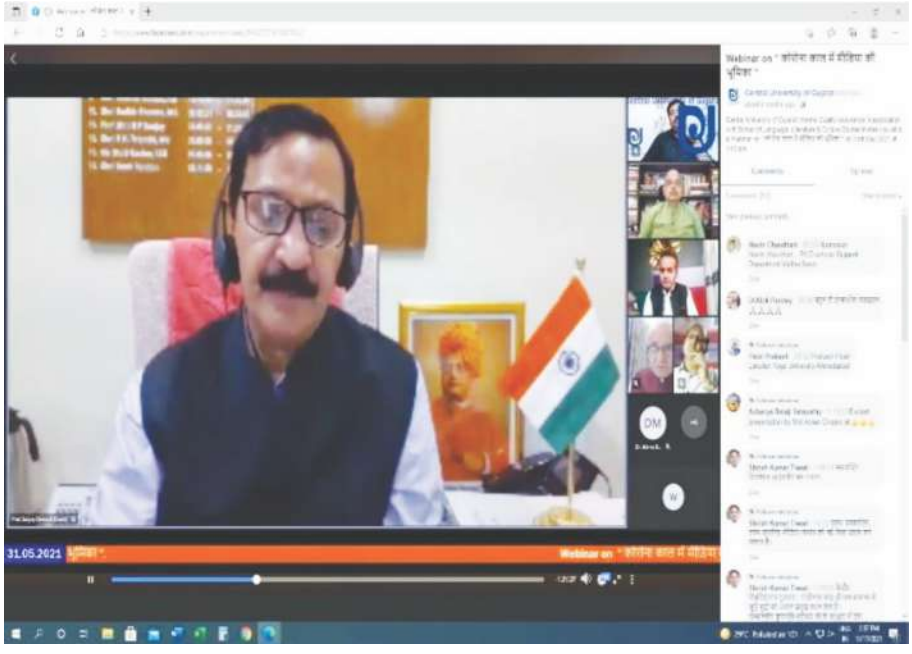

COVID-१९ के दौरान मीडिया की भूमिका पर एक वेबिनार में वक्तव्य देते हुए मुख्य अतिथि

एक भारत श्रेष्ठ भारत के अंतर्गत स्वस्थ जीवन शैली पर आयोजित कार्यक्रम

एक भारत श्रेष्ठ भारत के अंतर्गत दो दशक पश्चात् छत्तीसगढ़ पर आयोजित वेबिनार

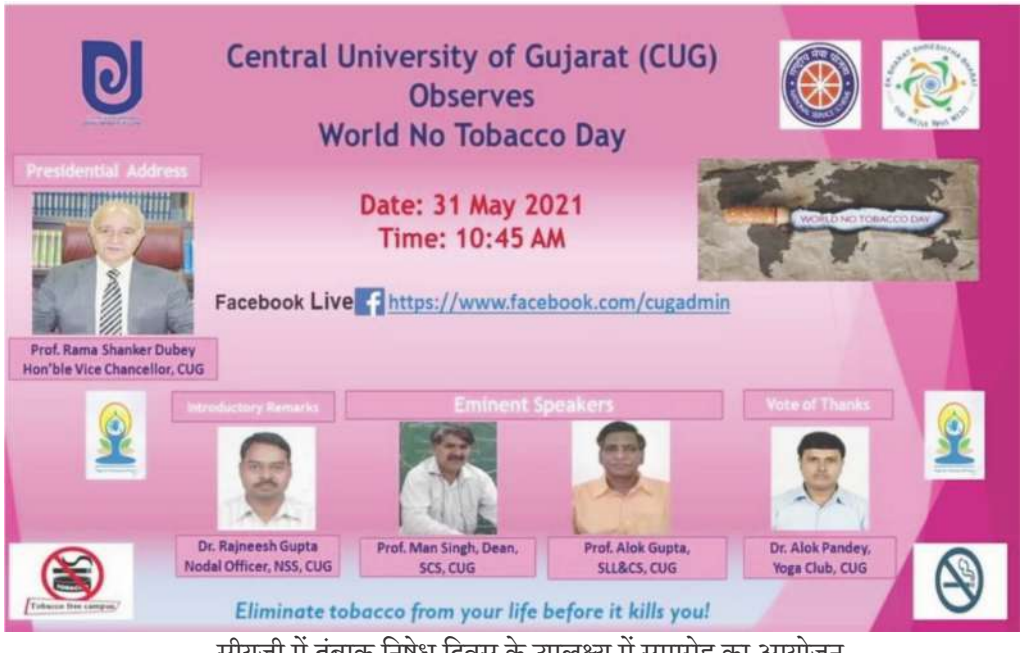

सीयूजी में तंबाकू निषेध दिवस के उपलक्ष्य में समारोह का आयोजन

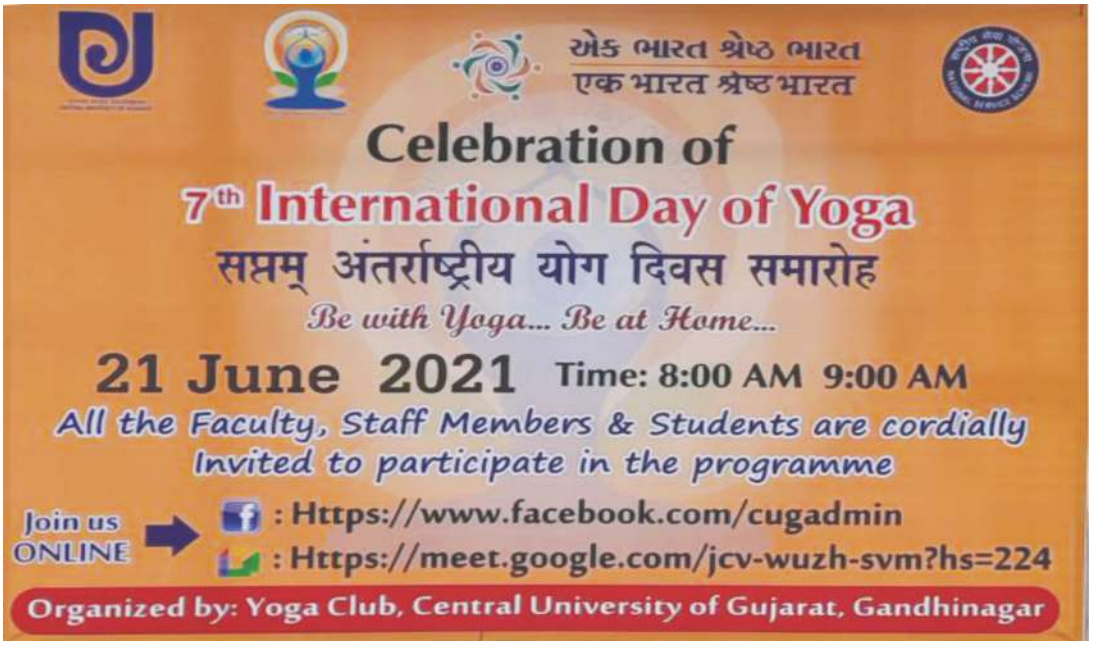

योग क्लब द्वारा सातवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन

एक भारत श्रेष्ठ भारत के अंतर्गत गरबा प्रशिक्षण कार्यक्रम

८ सितंबर २०२१ को स्वच्छता प्रतिज्ञा कार्यक्रम

गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT
ज्ञान-विज्ञान विमुक्तये
Azadi ka Amrit Mahotsav
Central University of Gujarat
Internal Quality Assurance Cell (IQAC)
Invites you All
UGC Consultative Workshop
on
National Research Internship Programs in HEIs
Moderator
Prof. Atanu Mohapatra
Director,IQAC,CUG
Chair
Prof. Rama Shanker Dubey
Vice-chancellor,CUG
VLRC , Sector-29
Central University of Gujarat
22-03-2022,
12 P.M.

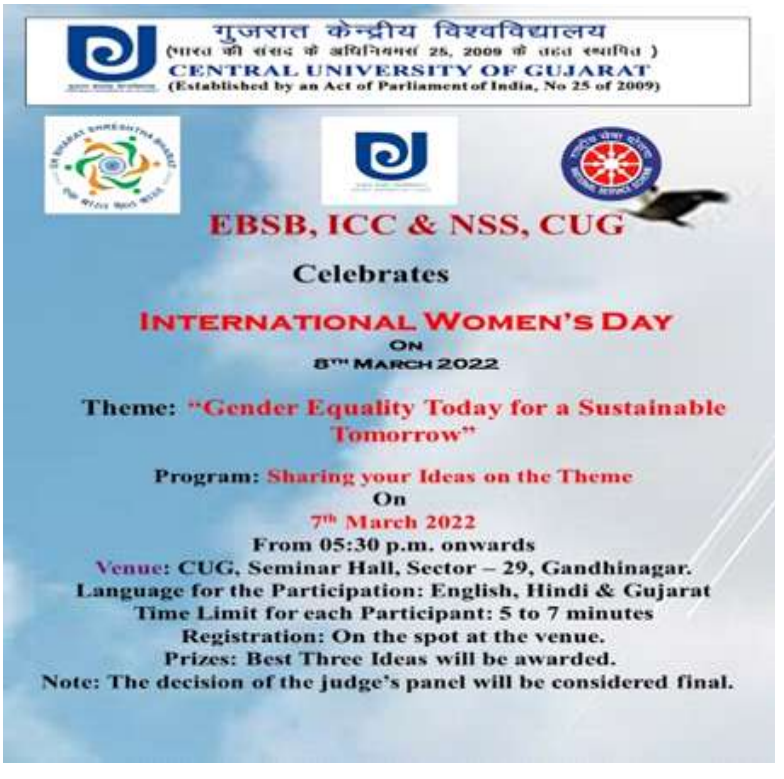
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
(भारत की संसद के अधिनियमसं 25, 2009 के तहत स्थापित)
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT
(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)
EBSB, ICC & NSS, CUG
Celebrates
INTERNATIONAL WOMEN'S DAY
ON
8TH MARCH 2022
Theme: "Gender Equality Today for a Sustainable Tomorrow"
Program: Sharing your Ideas on the Theme
On
7th March 2022
From 05:30 p.m. onwards
Venue: CUG, Seminar Hall, Sector – 29, Gandhinagar.
Language for the Participation: English, Hindi & Gujarat
Time Limit for each Participant: 5 to 7 minutes
Registration: On the spot at the venue.
Prizes: Best Three Ideas will be awarded.
Note: The decision of the judge's panel will be considered final.

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat
FIT INDIA FREEDOM RUN 2.0
75th Year of
INDIA'S INDEPENDENCE
आज़ादी का अमृत महोत्सव
Walk for Azadi Ka Amrit Mahotsav
"FITNESS KI DOSE AADHA GHANTA ROZ"
ON
29th August 2021
Time : 8:05 am onwards
Venue : From Sector-30 CUG Campus to Sector-29 CUG Campus, Gandhinagar
Event Partner :
केनरा बैंक
Canara Bank

ગુજરાતી ભાષા-સાહિત્ય કેન્દ્ર,
ગુજરાત કેન્દ્રીય વિશ્વવિદ્યાલય, ગાંધીનગર

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat
75th Year of
INDIA'S INDEPENDENCE
Walk for Azadi Ka Amrit Mahotsav
FITNESS KI DOSE AADHA GHANTA ROZ"
ON
29th August 2021
Time : 8:05 am onwards
Venue : From Sector-30 CUG Campus to Sector-29 CUG Campus, Gandhinagar
Event Partner :

એક ભારત શ્રેષ્ઠ ભારત
एक भारत श्रेष्ठ भारत

CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT
CUG

CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT
Central University of Gujarat
CUG

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

CUG
CUG

TRAL UNIVERSITY OF GUJARAT
शैक्षणिक खंड
ACADEMIC BLOCK

આઝાદીનો અમૃત મહોત્સવ

RUN
FOR
UNITY
CENTRAL UNIVERSITY
OF GUJARAT

International
Women's Day
Celebrates
8 March 2022

राष्ट्रीय एकता दिवस
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय

એક ભારત શ્રેષ્ઠ ભારત
एक भारत श्रेष्ठ भारत
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय एवं
भारतीय इतिहास संकलन समिति, गुजरात
के तत्वावधान में आयोजित एक दिवसीय परिसंवाद
आजादी का अमृत महोत्सव
भारतीय स्वतंत्रता संग्राम एवं नव भारत निर्माण
मुख्य अतिथि
विशिष्ट अतिथि
प्रो.रमाशंकर दुबे
डॉ.बाल मुकुंद पाण्डेय
डॉ.गिरीशभाई ठाकर
कार्यक्रम परिचय
कार्यक्रम संचालिका
प्रो.अतनु महापात्र
प्रो.पल्लवी शर्मा

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT
स्वच्छता पखवाड़ा
Swachhta Pakhwara
स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर
POSTER COMPETITION
ON
SWACHHTA
13TH SEP 2021
OPEN TO ALL
Submit your poster between 10.00 AM - 5.00 PM By Google form:

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT
WEBINAR ON
RESPONDING THE CHALLENGES OF COVID- 19:
AWARENESS AND PREVENTION
8TH/05/2021
4.00 PM
CHAIR
Prof Rama Shanker Dubey
Honourable Vice Chancellor, CUG
SPEAKERS
Prof. K. G. Suresh
Vice Chancellor
Makhanlal Chaturvedi National University of Journalism and Communication, Bhopal
Prof. Dipti J Oza
Department of Education
MS University, Baroda
Prof. Debi P Sarkar
Department of Biochemistry
Delhi University, Delhi
ORGANIZERS
Prof Atanu Mahapatra
Chairperson, EBSB
Prof Bhawana Pathak
Coordinator, UBA
Dr Rajneesh Gupta
Nodal Officer, NSS
LIVE : https://facebook.com/cugadmin/

वार्षिक प्रतिवेदन समिति

प्रो. सरिता अग्रवाल (अध्यक्ष)

सदस्य

प्रो. आर.वाई. हिरनमई यादव

प्रो. जी. आर. अंगडी

डॉ. विपुल कुमार

डॉ सुभाष कुमार

डॉ. प्रमोद कुमार तिवारी

डॉ. गजेंद्र मीणा

डॉ. पौलमी साहू

डॉ. शिल्पा पोपट

डॉ. श्रीश कुमार तिवारी

डॉ. विपुल सोलंकी

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय

CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

Established by an Act of Parliament of India, No. 25 of 2000

www.cug.ac.in